डॉ. गया प्रसाद शर्मा

ग्रंथ-विशेषता

प्रस्तुत ग्रंथ 'मानस के तत्सम शब्द' में वैदिक काल से तुलसी-काल तक के मानस के तत्सम शब्द किन छवियों को समाविष्ट किये रहे हैं; उनमें शनैः-शनैः क्या परिवर्तन हो गये, क्या छूट गया, क्या नया आ गया, परिवर्तन की दिशा किस ओर रही—यह एक ऐतिहासिक विवेचन है। नये अनुच्छेद में मानस के तत्सम शब्दों के सभी अर्थों को आरोह-अवरोह क्रम में रखा गया है जिससे कवि के मानस में बिम्बित छवियों की प्रधानता-अप्रधानता स्पष्ट हो सकी है। उदाहरणार्थ, 'कुटिल', 'मधुर' आदि शब्दों की व्याख्या, मानस के प्रत्येक तत्सम शब्द की अनेकार्थकता तथा प्रत्येक भिन्न अर्थ की आवृत्ति का क्रमानुसार विवेचन ही ग्रंथ की सर्वाधिक उपयोगिता है। यथा—'गति' शब्द की व्याख्या। कतिपय तत्सम शब्दों की पाद-टिप्पणियाँ भी लिखी गयी हैं जो भाषाशास्त्र एवं भाषाकाव्य की सूचक हैं। जैसे—अधर, अनिल, अनृत, अलि, असुर, आमन, उपवास, कूल, खल, ढोल, ताटंक, तापस, दंड, पापी, प्रीति, मसि, समूह, सादर, साहस आदि-आदि।

प्रस्तुत ग्रंथ की सहायता से ही 'रामचरित-मानस' के तुलसी की आत्मा की सच्ची परख सम्भव है जिसे अन्य टीकाकार दर्शाने में सर्वथा असमर्थ रहे हैं। इस प्रकार यह ग्रंथ शोधार्थियों, धर्मपिपासुओं, प्रवचनकर्ताओं एवं विद्वानों के प्रति एक मौलिक देन ही है।

मानस के तत्सम शब्द

डॉ० गयाप्रसाद शर्मा
एम० ए० (हिन्दी, संस्कृत), पी-एच० डी०
प्रवक्ता (हिन्दी)
नारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय
शिकोहाबाद (उ० प्र०)
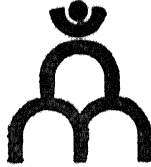
हिन्दुस्तानी एकेडेमी
इलाहाबाद

समर्पण

श्रद्धेय गुरुवर डॉ० अम्बाप्रसाद जी 'सुमन' के कर्मठ
करों में आदर एवं प्रणतिपूर्वक, जिनकी ज्ञान-
ज्योति से मुझे भी एक किरण मिली
और जिनके चरणों में बैठकर
यह ग्रन्थ लिखा
गया ।

प्रकाशकीय

भाषा मनोयात्रा को परिचालित करने वाली वह शक्ति है जो मानव-समाज द्वारा स्वयं विकसित हुई है और उसे निरन्तर गतिशील बनाती रही है। ब्रह्म स्वयं अपनी सृष्टि में जिस पर सबसे अधिक मुग्ध हुए, वह वाग्देवी ही भाषा को शब्दार्थमयी दिव्य चेतना प्रदान करती है जिसे भारतीय मनीषा ने विशेष गौरव दिया है। कात्यायन की धारणा—'सिद्धे शब्दार्थ सम्बन्धे' पाश्चात्य विचारकों को असाधारण लग सकती है, परन्तु भारतीयता उसे सहज रूप से ग्रहण करने में कोई कठिनाई का अनुभव नहीं करती, क्योंकि उसकी दृष्टि प्रारम्भ से ही तलस्पर्शी रही है। परा-पश्यन्ती-मध्यमा-बैखरी जैसी चार कोटियाँ तथा चौदह प्रतिबन्धकों की सरणि इस बात का प्रमाण है कि वागर्थ को आध्यात्मिक और भौतिक दोनों दृष्टियों से असाधारण महत्त्व मिला है। 'गिरा अरथ जल बीचि सम कहियत भिन्न न भिन्न' की प्रतीति मानसकार को वाल्मीकि और कालिदास की परम्परा का सजीव अनुभव करने से ही हुई, ऐसा निर्भ्रान्त रूप से कहा जा सकता है। तुलसी ने जिस सांस्कृतिक निधि से लोकभाषा को जोड़ दिया, वह सन्तों और सूफियों से भिन्न दिशा का अनुसरण करती दिखायी देती है। उसमें संस्कृत और वैदिक धारा का विरोध समाहित नहीं रहा, इसीलिए उसकी व्याप्ति अधिक दूरवर्ती तथा उदार प्रतीत होती है।

'मानस' जैसी सुगम-अगम उभयात्मक अद्वितीय रचना का उसकी बहुविध लोक-चेतना को परिसीमित करके केवल तत्सम शब्दों तक अपनी इयत्ता मानकर एक सार्थक एवं शोधात्मक अनुशीलन प्रस्तुत करना निश्चय ही एक असामान्य उपलब्धि कही जायेगी। डॉ० गयाप्रसाद शर्मा ने अलीगढ़ विश्वविद्यालय से डॉ० अम्बाप्रसाद 'सुमन' के सुयोग्य निदेशन में जो शोधग्रंथ 'रामचरितमानस के तत्सम शब्दों का ऐतिहासिक अध्ययन' नाम से प्रस्तुत किया, यह कार्य उसी पर आधारित है। यद्यपि वर्तमान शीर्षक में ऐतिहासिक शब्द अनुपस्थित है, तथापि उसकी मूल चेतना का संस्कार इसके अध्येताओं को सहज ग्राह्य तथा प्रेरक लगेगा। स्व० डॉ० गोवर्द्धननाथ शुक्ल का अभाव इसके प्रकाशन-अवसर पर उन सभी को क्लेशकर लगेगा जो इस संकल्प में उनके योगदान से सुपरिचित रहे होंगे। इसकी सुचिन्त्रित 'भूमिका' में डॉ० सुमन ने अपने सतीर्थ को जिस भाव से स्मरण किया है, वह उनकी संस्कारशीलता का प्रमाण है। इस ग्रंथ के लेखक का आदर-भाव दोनों के प्रति समान रूप से द्रष्टव्य है।

हिन्दुस्तानी एकेडेमी ने 'अर्थविज्ञान और व्याकरण-दर्शन' तथा 'तुलसी शब्द-सागर' जैसे अनेक प्रकाशन किये हैं जिनसे इसकी संगति का अनुभव विद्वद् वर्ग अवश्य

करेगा। लेखक ने यद्यपि गीताप्रेस, गोरखपुर के 'मानस' संस्करण को ही आधार बनाया है, तथापि मानस के मर्मज्ञ स्वर्गीय डॉ० माताप्रसाद गुप्त तथा पं० विश्वनाथप्रसाद मिश्र के द्वारा सम्पादित अन्य संस्करणों को भी दृष्टि में रखेंगे जिससे पाठान्तरों पर भी विचार किया जा सके। 'मानस' में ऐसे अनेक शब्द हैं जो तत्सम के अतिरिक्त अर्ध-तत्सम तथा देशज रूप में भी प्रयुक्त हुए हैं। इनका अनुपात तत्सम शब्दों की अपेक्षा कितना न्यूनाधिक है, यह भी इस ग्रंथ के प्रकाशन से विचार का विषय बनेगा और अन्य लोगों को ऐसे कार्य की प्रेरणा देगा। शब्दों के तत्सम प्रयोगों को यदि अनुशीलनकर्ता ने उनकी विविध अर्थ-छायाओं का ध्यान करके सूक्ष्म रूप से प्रस्तुत न किया होता, तो इसकी महत्ता इतनी न होती जितनी नयी प्रक्रिया अपनाने से हो गयी है। तुलसी की शब्द-सम्पत्ति का सार्थक आनयन, वह भी एक विशेष धरातल पर, नयी सूझ-बूझ के साथ, अवश्य ही स्वागतयोग्य माना जायेगा, ऐसा मेरा विश्वास है।

जगदीश गुप्त
सचिव एवं कोषाध्यक्ष

प्रयाग, २५-२-८६

भूमिका

[डॉ० अम्बाप्रसाद 'सुमन', डी० लिट्०]

'यद्यपि शब्द और अर्थ अभिन्न हैं, किन्तु अव्यक्त अर्थ शब्द द्वारा ही व्यक्त होता है। अर्थ में भाव को समाविष्ट समझना चाहिए। महात्मा तुलसी कविता में तीन तत्त्व ही प्रमुख मानते हैं : (१) अनूप अर्थ, (२) सुन्दर भाव, (३) सुन्दर भाषा (मानस, बाल० ३७/६)। अर्थ का सौन्दर्य एक प्रकार से शब्द का ही सौन्दर्य है।

अर्थ को शृङ्गार-समन्वित करने के लिए शब्द को भी शृङ्गार-समन्वित होना पड़ता है। अर्थ का ओज शब्द के ओज पर निर्भर है। अर्थ का माधुर्य शब्द के माधुर्य पर आधृत है। शब्द और अर्थ को अलग-अलग समझने के लिए दोनों को भिन्न भी कह दिया जाता है। वैयाकरण शब्द को स्फोटरूप और मीमांसक वर्णरूप मानता है। शब्द को सुनकर जो भाव, विचार या बिम्ब श्रोता के मानस-पटल पर आता है, वही शब्द का अर्थ है। 'शब्द' में से अर्थ का अमृत बूँद-बूँद करके झरता है और मूसलाधार रूप में भी।

शब्द का महाविराट् विश्वरूप ही 'साहित्य' है। साहित्य के मर्म को वही पूर्णरूपेण समझ सकता है जिसने 'शब्द' को और उसके 'अर्थ' को अच्छी तरह जान लिया हो। भगवान् श्रीकृष्ण के विश्वरूप को अर्जुन तभी देख सका था जब श्रीकृष्ण ने अर्जुन को दिव्य चक्षु प्रदान कर दिये थे। साहित्य का सच्चा गंभीर पाठक भी शब्द के विराट् अर्थ को तभी अपने अन्तर्जगत् में देख सकता है जब उसने अपने ज्ञान का तीसरा नेत्र खोल लिया हो और उसमें गुरुओं तथा ग्रन्थाध्ययन से दिव्य ज्योति भर ली हो।

पतंजलिकृत 'व्याकरण महाभाष्य' में उल्लेख है कि यदि एक शब्द का ही पूरी तरह अर्थ और प्रयोग जान लिया जाए, तो वह स्वर्ग और लोक में इच्छाओं की पूर्ति कर देता है—

"एकः शब्दः सम्यग् ज्ञातः शास्त्रान्वितः सुप्रयुक्तः स्वर्गे लोके कामधुग्भवति"
(महाभाष्य)

संस्कृत के आचार्यों का यह कथन सत्य ही है कि अवैयाकरण अन्धा और कोशज्ञानरहित व्यक्ति बहरा होता है—

"अवैयाकरणस्त्वंधः बधिरः कोशविवर्जितः"

साहित्य का अध्ययन एक प्रकार से 'शब्द' और 'अर्थ' का ही अध्ययन है। मेरे श्रद्धेय गुरुवर (स्व०) डॉ० वासुदेवशरण जी अग्रवाल ने एक बार शब्द और अर्थ के सम्बन्ध में 'विश्वभारती' में लिखा था—

" 'शब्द' वाक् है और 'अर्थ' मन है। 'शब्द' और 'अर्थ' के बीच जब प्राण का मेरुदण्ड जुड़ता है, तभी जीवन में कर्म के द्वारा अर्थ की तहें खुलने लगती हैं। शब्द के अध्ययन का फल अर्थ का ज्ञान है। अध्ययन का व्रत लेकर भी जिसने अर्थ को नहीं जाना, या जानने की सचाई से कभी प्रयत्न नहीं किया, या प्रयत्न करता हुआ भी जो अपने संकल्प को विजयी नहीं बना सका, उस अधीती के लिए शोक है। अर्थ का साक्षात्कार ज्ञान का सार और साहित्य का अंतिम फल है। हे मनीषियो! मन से इस अर्थ को पूछो और रस के दिव्य स्वाद को प्राप्त करो।"

साहित्य के मर्म को वही समझ सकता है जो शब्द और अर्थ के सम्बन्ध को समझता है। भोज ने 'शृंगारप्रकाश' में शब्द और अर्थ के सम्बन्ध को ही साहित्य कहा है—"यः शब्दार्थयोः सम्बन्धः साहित्यमुच्यते" (शृङ्गारप्रकाश)। राजशेखर ने भी 'काव्यमीमांसा' (द्वितीय अध्याय) में शब्द और अर्थ के सहभाव को 'साहित्यविद्या' बतलाया है।

शब्द का सम्बन्ध नाभिचक्र और हृदयचक्र से है और अर्थ का सम्बन्ध आज्ञाचक्र तथा सहस्रारचक्र से है। साहित्य में शब्द का अर्थ शिवत्वमूलक है, इसलिए आगमों में शिव को सहस्रार में बताया गया है।

रसात्मक वाक्य ही 'काव्य' नहीं होता, अपितु रसात्मक शब्द भी काव्य होता है। सार्थक वर्णसमूह ही शब्द है। महात्मा तुलसीदास ने रसपूर्ण वर्णों की कारणशक्ति ही सरस्वती जी को माना है।

जहाँ 'शब्द' आकाश का गुण माना गया है, वहाँ शब्द से तात्पर्य केवल नाद अर्थात् ध्वनि से है। साहित्य में तो वर्णात्मक शब्द का ही महत्त्व है। वर्णात्मक शब्द में दो प्रकार का अर्थ निवास करता है—(१) सामान्य अर्थ, (२) विशिष्ट अर्थ। शास्त्र और प्रसंग के अनुसार विशिष्ट अर्थ भिन्न-भिन्न हो जाते हैं। प्रयोग तथा प्रसंग से शब्द की अर्थच्छवि भी परिवर्तित हो जाती है।

काव्यस्रष्टा कवि प्रसंगानुसार अपने भावों में सौन्दर्य तथा प्रभाव उत्पन्न करने के लिए शब्दों को विचलित अर्थ में भी प्रयुक्त करता है। भारतीकण्ठ कवि शिरोमणि महात्मा तुलसीदास ने भी 'पापी' और 'प्रीति' शब्दों का प्रयोग विचलित अर्थ में किया है। "राम तोर भ्राता बड़ पापी" (बाल० २७७/६) में 'पापी' का अर्थ 'उद्दण्ड' है। "भय बिनु होइ न प्रीति" (सुंदर० ५७/-) में प्रीति का अर्थ है 'अनुशासन' (आज्ञापालन)।

संस्कृत का एक शब्द है 'एषणा', जिसका अर्थ है 'इच्छा'। 'इच्छा' अर्थ में तुलसी ने 'एषणा' का प्रयोग न करके 'ईषना' का प्रयोग किया है। यह तुलसी का अपना प्रयोग है। 'रामचरितमानस' के उत्तरकाण्ड में तुलसी लिखते हैं—

"सुत बित लोक ईषना तीनी" (उत्तर० ७१/६)।

'ईषना' का प्रयोग 'एषणा' अर्थ में मानस में तीन स्थलों पर किया गया है और वह उत्तरकाण्ड में ही है। साहित्यकार ऐसा **शब्द-विचलन** भी कर दिया करता है। शब्दार्थ-मर्मी को इसे भी देखना पड़ता है।

इतना ही नहीं, शब्दमर्मी अध्येता को यह भी देखना पड़ता है कि विशेष्य किस प्रकार अपने विशेषण का अर्थ बदल देता है। **'मधुर अधर'** और **'मधुर फल'** में **'मधुर'** शब्द का समान अर्थ नहीं है। अर्थ निश्चितरूपेण पृथक्-पृथक् हैं। मनीषी भर्तृहरि ने शब्द के अर्थ दो प्रकार के बताये हैं—(१) स्थायी अर्थ, (२) आधुनिक अर्थ। इसका समर्थन करते हुए शब्दशास्त्री प्रो० फर्थ ने ठीक ही कहा है कि शब्द में अर्थ दो प्रकार का होता है—(१) **सामान्य अर्थ**, जो बीज रूप में रहता है और सदा एक ही होता है। (२) **विशेष अर्थ**, जो प्रासंगिक होता है। प्रसंगानुसार विशेष अर्थ अनेक हो सकते हैं। **'मधुर फल'** में 'मधुर' सामान्य अर्थ में है जिसका सम्बन्ध जिह्वा द्वारा प्राप्त आस्वाद से है। कालान्तर में **'मधुर'** शब्द प्रसंगानुसार अन्य अर्थों में भी प्रयुक्त होने लगा है। महाकवि कालिदास ने नेत्रों को सुन्दर लगने वाली वस्तु या व्यक्ति को भी मधुर कहा है—"किमिव हि **मधुराणां** मण्डनं नाकृतीनाम्" (कालिदास, अभिज्ञान-शाकुं०, अंक १/श्लोक १९)।

शोधपंडित श्री गयाप्रसाद शर्मा की दृष्टि मानस के तत्सम शब्दों के अध्ययन के समय इसी तरह के अनेक प्रासंगिक अर्थों को पकड़ने का सतत प्रयास करती रही है। अपने इस प्रयास में श्री शर्मा पूर्ण सफल रहे हैं।

कोशविज्ञान और कोशकला का अध्येता ही शब्द के मर्म को समझने की क्षमता रखता है। **'कोशविज्ञान'** कोश बनाने के सिद्धान्तों का विवेचन करता है और **'कोशकला'** उन सिद्धान्तों का प्रयोग करके भाषा की उपयोगिता बताती है।

कोशलेखन में शब्दार्थ लिखते समय निम्नांकित बातों का ध्यान रखना पड़ता है—(१) वर्तनी, (२) उच्चारण, (३) अक्षर-विभाजन, (४) व्याकरण, (५) व्युत्पत्ति, (६) अर्थ, (७) प्रयोग।

भारतवर्ष में ईसा से १००० वर्ष पहले कोश-रचना प्रारम्भ हो चुकी थी। सर्व-प्रथम वैदिक कोश 'निघण्टु' की रचना हुई। यास्क (ई० पू० ७०० वर्ष) ने अपने ग्रन्थ 'निरुक्त' में वैदिक शब्दों की निरुक्ति देकर उनके अर्थों पर प्रकाश डाला है।

हिन्दी का सबसे पहला शब्दकोश सन् १८२९ ई० में पादरी एडन ने तैयार किया था। हिन्दी शब्दकोशों में **'हिन्दी शब्दसागर'** (नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी) और **'मानक हिन्दी कोश'** (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग) प्रशंसनीय प्रयास हैं। 'हिन्दी-शब्द-सागर' की रचना सन् १९१२ से १९२८ ई० तक होती रही। 'मानक-हिन्दी-कोश' को (स्व०) रामचन्द्र वर्मा ने सन् १९५२ से १९६६ ई० तक तैयार किया।

'हिन्दी शब्दसागर' यद्यपि हिन्दी का बहुत विशाल शब्दकोश है और अक्षर-विभाजन को छोड़कर उसमें शब्द की व्युत्पत्ति, अर्थ और प्रयोग भी दिये गये हैं, तो भी उसमें वर्णक्रम तथा व्युत्पत्ति-प्रस्तुति में यत्र-तत्र कुछ भूलें हो गयी हैं ।

हिन्दी भाषा में स्वर-क्रम की दृष्टि से अ पहले आता है और बाद में अं, अः आते हैं । 'हिन्दी शब्दसागर' (षष्ठ संस्करण) में 'अंश' शब्द पहले लिखा गया है, 'अऊत' उसके बाद में ।

'सेंतना' शब्द को दो वर्तनियों में लिखा गया है—(१) **'सेंतना'**, (२) **'सैंतना'** । **'उड्डीयमान'** शब्द को संस्कृत **'उड्डीयमत्'** से व्युत्पन्न माना गया है, जबकि 'उड्डीय-मान' में शानच् (मान) प्रत्यय है । इसको सम्पादकों ने तद्धितान्त माना है, जबकि **'उड्डीयमान'** कृदन्त है । इसका अर्थ है—'उड़ता हुआ ।' व्याकरण की दृष्टि से उड्डीयमान वर्तमानकालिक कृदन्त है ।

उसी 'हिन्दी शब्दसागर' में **'नाहर'** शब्द को सं० 'नखरायुध' से व्युत्पन्न माना गया है, जबकि **'नाहर'** शब्द **'नाखर'** से व्युत्पन्न है—सं० **'नाखर'-'नाहर'** । सिंह के नख ही प्रमुख हैं । अपने पंजों के नाखूनों से वह प्रहार करता तथा वन्य पशुओं को मारता है ।

भाषा शब्दकोशों में **द्विभाषा कोश** भी होते हैं । इनमें शब्द किसी एक भाषा के रहते हैं और अर्थ किसी दूसरी भाषा में लिखे जाते हैं । सर्वश्री चतुर्वेदी, द्वारका-प्रसाद शर्मा और पंडित तारिणीश झा द्वारा संपादित 'संस्कृत शब्दार्थ कौस्तुभ' को द्विभाषा कोश माना जा सकता है । इसमें संस्कृत भाषा के शब्दों के अर्थ हिन्दी भाषा में लिखे गये हैं और संस्कृत शब्दों की व्युत्पत्तियाँ भी दी गयी हैं । परन्तु शब्दों के प्रयोग नहीं दिये गये । शब्दों के प्रयोग की दृष्टि से श्री वामन शिवराम आप्टे द्वारा संपादित 'संस्कृत-इंगलिश डिक्शनरी' संस्कृत का एक महत्त्वपूर्ण तथा प्रामाणिक कोश है ।

भाषा शब्दकोशों के अन्तर्गत ही **पुस्तक कोश** समाविष्ट हैं । ऐसे कोशों में किसी एक पुस्तक में आये हुए शब्दों को अकारादि क्रम से सँजोकर उनके अर्थ दिये जाते हैं । तुलसीकृत 'विनयपत्रिका' पर आधृत **'विनयकोश'** (संपादक महावीरप्रसाद मालवीय) और 'रामचरितमानस' के प्रमुख शब्दों का **'रामायण कोश'** (संपादक केदार-नाथ भट्ट) एक प्रकार से पुस्तक कोश ही हैं ।

इसी द्विभाषी पुस्तक कोश शृंखला में डॉ० गयाप्रसाद शर्मा द्वारा संपादित **'रामचरितमानस के तत्सम शब्दों का ऐतिहासिक अध्ययन'** ग्रंथ को लिया जा सकता है । परन्तु यह कोश शोधात्मक है और शब्द-प्रयोग की आवृत्ति-संख्या को संदर्भ-सहित इंगित करता है । 'मानस' के तत्सम शब्दों में कोई तत्सम शब्द तुलसी ने कितने

भिन्न-भिन्न अर्थों में प्रयुक्त किया है, इसको सन्दर्भसहित प्रस्तुत कोश में ही पहली बार हिन्दी जगत् के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। ऐसी शब्द-साधना निश्चितरूपेण एक तपश्चर्या है।

संपूर्ण 'रामचरितमानस' में 'अनन्त' शब्द तीन अर्थों में प्रयुक्त किया गया है—(१) अन्तरहित, (२) शेषावतार लक्ष्मण, (३) भगवान् राम।

अधीती शोध पंडित गयाप्रसाद शर्मा ने अपनी कृति में लिखा है—
अनंत : अंतरहित।

"राम अनंत अनंत गुण"—१/३३/-, १/११३/४, १/१२८/५, १/१४३/४, ३/३१छं०, ६/७२/११, ६/७६/४, ६/८२छं०, ६/१०७/-, ७/३३/२, ७/५१/३, ७/५१/२, ७/९०/३

शेषावतार लक्ष्मण।

"चलेउ तुरंत अनंत"—६/७५/-, ६/७५/७

भगवान् राम।

"प्रिय संत अनंत सदा तिन्ह कें"—६/१३छं०६, ७/१०८/१२

अर्थ के साथ प्रस्तुत संदर्भ-संख्याओं में प्रथम संख्या काण्ड को, द्वितीय संख्या दोहे को और तृतीय संख्या अर्द्धाली को इंगित करती है।

इतना ही नहीं, पर्यायवाची शब्दों में जो अर्थच्छवियों का अन्तर पाया जाता है, उन्हें भी प्रस्तुत कोश में स्पष्ट किया गया है। सामान्यतया **'पवन', प्रभंजन', 'मारुत'** का अर्थ कोशों में **'हवा'** लिख दिया जाता है। कोशकार डॉ० गयाप्रसाद शर्मा ने बड़ी सूक्ष्म दृष्टि से स्पष्ट किया है कि **'प्रभंजन'** का अर्थ प्रचण्ड वायु और **'पवन'** का अर्थ प्रशान्त वायु है। **'मारुत'** को पवन और प्रभंजन की मध्यवर्तीय वायु माना जा सकता है। प्रस्तुत अर्थों को तुलसीकृत 'मानस' के उदाहरणों से प्रस्तुत ग्रंथ में संपुष्ट किया गया है।

तुलसीकृत 'रामचरितमानस' में **'खेद'** शब्द दो अर्थों में प्रयुक्त हुआ है—(१) मानसिक दुःख, (२) शारीरिक दुःख, अर्थात् थकावट। कितनी बार मानसिक दुःख के अर्थ में और कितनी बार थकावट के अर्थ में **'खेद'** शब्द प्रयुक्त किया गया है—इसका प्रमाण-संदर्भ पूरी तरह छानबीन कर लिखा गया है। कुछ विशिष्ट शब्दों को पाद-टिप्पणियों सहित भी स्पष्ट किया गया है।

कभी-कभी काव्य-सर्जना के क्षणों में कवि हृदय के क्षेत्र से हटकर बुद्धि की भूमि पर भी विचरण करने लगता है। तब वह ऐसे गूढ़ तथा अप्रचलति शब्दों का प्रयोग कर देता है, जिनके अर्थ समझने में मस्तिष्क को बहुत व्यायाम करना पड़ता है। **'जल'** के अर्थ में **'बन'** शब्द ऐसा ही है। 'अमरकोश' में जल के पर्यायवाची

'जीवन', 'भुवन' और 'वन' हैं तो सही, लेकिन साहित्य में जल के अर्थ में 'वन' शब्द बहुत ही कम प्रयुक्त होता है। तुलसीदास जी को भी 'वन' शब्द की पहेली फेंकने की सूझी और नाव के लिए कवितावली में 'बनबाहन' (कविता०; अयो० छंद ७) शब्द का प्रयोग कर दिया। 'बनबाहन' = जल की सवारी, अर्थात् नाव। ऐसे कूटार्थी शब्दों के अर्थ जानने के लिए शब्दार्थी मर्मी पाठक को प्राचीन कोशों का भी अध्ययन करना पड़ता है। श्री गयाप्रसाद शर्मा को अपने शोधकार्य के काल में अनेक प्राचीन कोशों का भी आलोड़न-विलोड़न करना पड़ा है।

'सादर' शब्द का सामान्य अर्थ है 'अादरसहित', लेकिन तुलसीदास जी ने 'मानस' में इसका प्रयोग उत्सुकता के अर्थ में भी किया है—''जननिन्ह सादर बदन निहारे'' (मानस०, बाल०, २५८/८)। शोधार्थी ने ऐसे दुर्लभ अर्थों को भी खोज निकाला है, भले ही उसे 'रामचरितमानस : वाग्वैभव' ग्रन्थ के आलोक में यात्रा करनी पड़ी हो। साहित्य के सौन्दर्य को समझने के लिए वक्र शब्द और वक्र अर्थ को भी समझना पड़ेगा। वास्तव में वक्र शब्द और वक्र अर्थ का संयोग ही साहित्य है। आचार्य कुन्तक इसका समर्थन करते हैं। इसे आई० ए० रिचर्ड्स ने भी स्वीकार किया है। प्रसिद्ध आलोचक रिचर्ड्स का मत है कि विज्ञान का ग्रन्थ तो अभिधेय अर्थ के लिए सामान्य भाषा को ही ग्रहण करता है; लेकिन साहित्यिक कृति या काव्यकृति में लक्षणा-व्यंजना के साथ लक्ष्यार्थ अथवा व्यंजनार्थ ही प्रधान होता है। उसके लिए साहित्यकार वक्रोक्ति के साथ ही अपनी बात कहता है। अतः साहित्य के मर्म की अवगति के लिए वक्र शब्द के वक्र अर्थ की पहचान करनी होगी। वक्र अर्थ को जानने के लिए पाठक को समाज-भाषाविज्ञान का भी अवगाहन करना पड़ेगा। माता और पुत्र में सामाजिक स्तर पर क्या और कैसा सम्बन्ध होता है—इसे समझने के बाद ही ''जननिन्ह सादर बदन निहारे'' की अर्थावगति हो सकती है। माताएँ पुत्रों को आदरसहित नहीं, अपितु उत्सुकतासहित ही देख सकती हैं। कोशों में 'आदर' शब्द का अर्थ उत्सुकता मिलता भी है।

अब प्रश्न यह उत्पन्न होता है कि माताएँ अपने पुत्रों को उत्सुकता से देखती हैं, तब पाठक क्यों उत्सुकता-भाव से अभिभूत होते हैं? तुलसीकृत 'मानस' के राम तथा अन्य भ्राता सभी पाठकों के लिए सुन्दर हैं, क्योंकि समाज के स्तर पर राम तथा अन्य भाई रूप, शील और कर्म में सभी के लिए सुंदर हैं। सौन्दर्य की सृष्टि में व्यक्ति एवं समाज समाविष्ट है। लोकहृदय को वे ही सुंदर हो सकते हैं जो माताओं के लिए सुंदर हैं। तभी तो सब पुत्रों के साथ पाठकों का साधारणीकरण होता है। तुलसी को लोकहृदय की पहचान है। लोकहृदय की पहचानवाला ही साधारणीकरण की स्थिति ला सकता है। श्रीरामादि लोक के हृदय हैं, इसलिए तुलसीकृत 'मानस' की स्वभावोक्ति तथा वक्रोक्ति दोनों ही पाठकों को रस प्रदान करती हैं।

प्रियवर शिष्य गयाप्रसाद ने **'रामचरितमानस'** के तत्सम शब्दों का यह अभिनव और मौलिक कोश तैयार करके पुस्तक-कोशों की शृंखला में एक परिश्रम-साध्य एवं विलक्षण शोधकार्य हिन्दी-जगत् के समक्ष प्रस्तुत किया है।

हमारे प्राचीन मनीषियों ने **'शब्द'** को ब्रह्म माना है। शब्द की खोज ब्रह्म की खोज है। पंच ज्ञानेन्द्रियाँ पंचतत्त्वों को देख सकती हैं। मन और बुद्धि भाव, विचार और तर्क को देख सकते हैं। शुद्ध आत्मा ही ब्रह्म को देख सकती है। शब्द ब्रह्म के दर्शन वही अध्येता कर सकता है जो बुद्धि से परे अपनी आत्मा में भी कुछ क्षणों के लिए बैठा हो। यह साधना वास्तव में समाधियोग है।

कोशों में एक शब्द के अनेक अर्थ दिये जाते हैं। शब्दार्थ का अध्येता प्रसंगागत शब्द का अर्थ निश्चित करने के लिए महती गम्भीर साधना करता है। तब वह अन्तः-साक्ष्य के साथ बहिःसाक्ष्य के प्रमाण भी जुटाता है। तत्पश्चात् नीर-क्षीर-विवेकिनी बुद्धि से प्रसंगागत शब्द के अर्थ को निश्चित करता है। उसे इतिहास तथा भूगोल का भी अध्ययन करना पड़ता है। निष्ठावान् तथा सच्चा सारस्वत शब्दार्थमर्मी ही ऐसा कर सकता है।

'श्रीरामचरितमानस' की टीका (गीता प्रेस, गोरखपुर) में अयोध्याकाण्ड के १९८वें दोहे में आये हुए **'सिसुपा'** शब्द का अर्थ अशोकवृक्ष लिखा गया है। **'सिसुपा'** का एक अर्थ **'सीसम** भी है। अब प्रश्न यह उत्पन्न होता है कि वहाँ **अशोक** अर्थ संगत है या **सीसम**? इसके लिए भूगोल का अध्ययन भी आवश्यक है। **सिंगरौर (शृंगवेरपुर)** इलाहाबाद से उत्तर-पश्चिम दिशा में गंगा नदी के किनारे पर ३० कि० मी० दूर अवस्थित है। इस क्षेत्र में आज भी अनेक सीसम के पेड़ हैं। अशोकवृक्ष वहाँ एक भी नहीं है। प्रकृति में भाव का अभाव कभी नहीं होता। अतः १९८वें दोहे के **सिसुपा** शब्द का अर्थ **'सीसम'** करना ही समीचीन है। जिन टीकाकारों ने **सिसुपा (मानस०, अयो०, १९८/-)** का अर्थ अशोकवृक्ष किया है, वह अर्थ संगत नहीं है।

काव्यस्रष्टा कवि कभी-कभी अपनी काव्य-सर्जना के समय शब्द को अपनी इच्छा से परिवर्तित भी कर देता है। हम इसे शब्द का विचलन भी कह सकते हैं। **'सुख देनेवाला'** के अर्थ में **'सुखदाता'** या **'सुखदायक'** प्रचलित शब्द हैं। कविकुल-शिरोमणि महात्मा तुलसीदास **'भिनुसारा'** का तुकान्त मिलाने के लिए 'मानस' में **'सुखदारा'** का प्रयोग **सुखदाता** के अर्थ में करते हैं—

"कहत राम गुन भा भिनुसारा। जागे जगमंगल सुखदारा॥"
(मानस०, अयो० ९४/२)

'मानस' के उत्तरकाण्ड में **'एषणा'** के स्थान पर 'ईषना' का प्रयोग भी शब्द-विचलन ही माना जाएगा।

महाभारतकार कहता है कि "**लोकदर्शी सर्वदर्शी भवति**"। वास्तव में पुस्तक में तो शब्द तथा शब्द का पर्यायवाची रहता है। उस शब्द का अर्थ तो लोक में रहता है। पुस्तक में '**अश्व**' या '**घोड़ा**' शब्द हो सकता है, लेकिन '**घोड़ा**' का अर्थ तो लोक में ही पाया जाता है। जब तक लोक में घोड़े को नहीं देखा जाएगा, तब तक '**अश्व**' या '**घोड़ा**' का अर्थ नहीं समझा जा सकता। अतः यह कहा जा सकता है कि शब्दार्थमर्मी, गम्भीर लोकदर्शी भी होता है।

कुछ सामासिक शब्द ऐसे होते हैं कि उनके अर्थ इतिहास या पुराण की कथा से सम्बद्ध होते हैं। जब तक वह कथा शब्दार्थ-खोजी को न मालूम होगी, तब तक उसका अर्थ ज्ञात न होगा। '**भगीरथ प्रयत्न**' ऐसा ही शब्द है।

बात सम्भवतः सन् १९६६ ई० की होगी। प्रियवर गयाप्रसाद शर्मा ने अलीगढ़ विश्वविद्यालय से एम० ए० (हिन्दी) परीक्षा उत्तीर्ण की थी। भाषाशास्त्र में प्रियवर गया-प्रसाद शर्मा की विशेष रुचि थी। सन् १९६७ ई० में प्रियवर गयाप्रसाद शर्मा मेरे सतीर्थ और परम मित्र डॉ० गोवर्धननाथ शुक्ल के संकेत पर एक दिन प्रातः मेरे पास शोध करने की इच्छा से आये और शोध-शीर्षक के विषय में बातें करने लगे। तुलसीदास के ग्रन्थों में प्रियवर गयाप्रसाद शर्मा की मुझे अधिक रुचि प्रतीत हुई। अतः मैंने पी-एच० डी० (हिन्दी) की शोध-उपाधि के लिए उन्हें विषय दे दिया—**रामचरितमानस के तत्सम शब्दों का ऐतिहासिक अध्ययन**।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में विषय स्वीकृत होने पर श्री गयाप्रसाद शर्मा ने बड़े परिश्रम से निष्ठापूर्वक निरन्तर चार वर्ष तक शोधकार्य किया। निरन्तर छह महीने श्री गयाप्रसाद शर्मा मेरे निवास-स्थान पर भी रहकर शब्द-साधना करते रहे। मैं भी उनके साथ रातों-रात जागता और शब्दों की विभिन्न अर्थच्छवियों पर विचार-विमर्श किया करता था। बहुत-सी रातें तो ऐसी बीतीं कि पता ही नहीं चला कि कब प्रातः हो गया। मेरा अपना पुस्तकालय प्रियवर गयाप्रसाद शर्मा के लिए सदैव खुला रहता था। मैं स्वयं भी तुलसीकृत 'रामचरितमानस' में महती श्रद्धा और निष्ठा रखता था और शब्दशास्त्र में मेरा मन भी रमता था। तुलसीदास मेरे भी परम श्रद्धेय हैं, इसलिए प्रियवर गयाप्रसाद के साथ शोधकार्य में मुझे भी आनन्द आता था। इस तरह आनन्द और परिश्रम से मिली हुई शब्द-साधना हम दोनों की साथ-साथ लगभग चार वर्ष तक निरन्तर चलती रही।

चार वर्ष के उपरान्त गयाप्रसाद शर्मा अलीगढ़ विश्वविद्यालय से डॉ० गयाप्रसाद शर्मा हो गये। मुझे सन्तोष है कि मैंने भी गयाप्रसाद शर्मा के शोधग्रंथ की प्रत्येक पंक्ति को पढ़ा है और अपना सुझाव दिया है।

शोधग्रंथ पर पी-एच० डी० तो मिल गयी थी, किन्तु वह ग्रन्थ किसी प्रतिष्ठित हिन्दी संस्थान से प्रकाशित हो—यह अभिलाषा मेरे मन में बनी हुई थी। मेरे परामर्श पर

एक दिन शोधग्रंथ को हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग को प्रकाशनार्थ भेजा गया। तब प्रो० उमाशंकर शुक्ल एकेडेमी के सचिव थे। बाद में प्रो० जगदीश गुप्त (अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) एकेडेमी के सचिव नियुक्त हुए। उनसे मैंने ग्रन्थ के महत्त्व पर पत्र-व्यवहार भी किया था। उनके निर्दिष्ट संकेतों को मानते हुए मूल शोधग्रंथ में से फिर एक अलग कोश तैयार किया गया। प्रस्तुत प्रकाशित ग्रन्थ (मानस के तत्सम शब्द) उसी रूप में है जिसके लिए प्रो० जगदीश गुप्त ने अपना सुझाव दिया था। इसकी मुझे प्रसन्नता है कि उनका स्नेह इस ग्रन्थ में साकार हुआ है। उस पद्धति से यह ग्रन्थ छोटा, लेकिन महत्त्वपूर्ण और उपयोगी बन गया है।

प्रस्तुत ग्रन्थ से 'रामचरितमानस' के तत्सम शब्दों का अध्ययन प्रामाणिक सन्दर्भ के साथ किया जा सकता है। डॉ० गयाप्रसाद शर्मा को इस नयी कृति को नये ढंग से तैयार करने में एक बार पुनः घोर परिश्रम करना पड़ा। उनकी यह सारस्वत साधना हिन्दी-जगत् में समादृत होगी—ऐसा मेरे सारस्वत मन का ध्रुव विश्वास है।

मैं माता वीणापाणि से प्रार्थना करता हूँ कि मेरे प्रिय शिष्य गयाप्रसाद शर्मा इस सोपान-पथ से और भी दिव्य सारस्वत लोकों के दर्शन करें। उनकी शब्द-साधना निरन्तर वृद्धिगत सुषमा को प्राप्त होती रहे!

"मंगलायतनं हरिः"

"परितोष'
ए-८७, विवेकनगर
(आवास विकास कालोनी),
दिल्ली रोड, सहारनपुर—२४७०००
(उ० प्र०)

अम्बाप्रसाद 'सुमन

आत्म-निवेदन

सन् १६६६ ई० में अलीगढ़ विश्वविद्यालय, अलीगढ़ से एम० ए० (हिन्दी) उत्तीर्ण हो जाने के पश्चात् मेरे मन में शोधकार्य करने की अभिलाषा जागृत हुई। सन् १६६७ में शोधकार्य की इच्छा से डॉ० गोवर्द्धननाथ जी शुक्ल से मिला। तुलसी एवं भाषाविज्ञान सम्बन्धी विषय पर ही शोधकार्य करने की मेरी रुचि थी, अतः डॉ० गोवर्द्धननाथ जी शुक्ल ने मुझे मानस-मर्मज्ञ एवं भाषावैज्ञानिक डॉ० अम्बाप्रसाद जी 'सुमन' से सम्पर्क करने हेतु परामर्श दिया। आज वह हमारे मध्य नहीं हैं, अतः मैं उनकी स्वर्गीय आत्मा को प्रणाम करता हूँ।

डॉ० अम्बाप्रसाद जी 'सुमन' ने मुझे मेरी रुचि के अनुसार "रामचरितमानस के तत्सम शब्दों का ऐतिहासिक अध्ययन" विषय शोधकार्य करने हेतु दे दिया। गुरुवर डॉ० अम्बाप्रसाद जी 'सुमन' के ही सतत प्रयत्न, उत्तम सुझावों एवं मार्गदर्शन में ही सन् १६७२ ई० में मुझे पी-एच० डी० की शोध-उपाधि प्राप्त हुई। इसके पश्चात् उस शोध-प्रबन्ध के प्रकाशन की इच्छा उत्पन्न हुई।

सर्वप्रथम सन् १६७७ ई० में मैंने इलाहाबाद जाकर ग्रन्थ-प्रकाशन-निमित्त प्रो० उमाशंकर जी शुक्ल (सचिव, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद) से निवेदन किया। उन्होंने ग्रन्थ एवं ग्रन्थ पर परीक्षकों से प्राप्त आख्याएँ देखकर उसकी गरिमा को स्वीकारते हुए ग्रन्थ-प्रकाशन हेतु आश्वासन दे दिया। दुर्दैव के प्रकोप से प्रो० शुक्ल जी का निधन हो गया और ग्रन्थ-प्रकाशन में व्यवधान आ गया। मैं इस वृक्ष के बीजारोपक (स्व०) प्रो० शुक्ल जी की आत्मा को प्रणाम करता हूँ।

सन् १६८० ई० में हिन्दुस्तानी एकेडेमी इलाहाबाद से मुझे एक पत्र प्राप्त हुआ जिसमें परीक्षकों के निर्देशानुसार ग्रन्थ-प्रकाशन की चर्चा की गयी थी। मैंने तदनुसार ही ग्रन्थ में परिवर्द्धन एवं संशोधन कर सन् १६८१ ई० में डॉ० जगदीश जी गुप्त (सचिव, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद) से मिला। उन्होंने भी शब्दों की पाद-टिप्पणियाँ जोड़ने का एक उपयोगी सुझाव दिया। इस प्रकार सन् १६८२ ई० में पूर्णतः संशोधित एवं संक्षिप्त पाण्डुलिपि की प्रति डाक द्वारा (सचिव, हिन्दुस्तानी एकेडेमी इलाहाबाद को) प्रेषित कर दी। इस अन्तराल में अनेक पत्र-व्यवहार किये गये

जिसका परिणाम निकला कि ८-३-८४ को (स० सचिव, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद का) एक पत्र आया जिसमें लिखा था कि "मानस के तत्सम शब्द" के प्रकाशन की सारी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, शीघ्र ही प्रेस में दी जाने वाली है। इस प्रकार प्रकाशन की प्रक्रिया प्रारंभ हुई। इस ग्रन्थ के प्रकाशन में डॉ० विद्यानिवास जी मिश्र की स्नेहमयी कृपा का मैं हृदय से अत्यधिक ही आभारी हूँ।

अनेक विद्वानों एवं मित्रों का सहयोग ही पुस्तक को पाठकों तक लाने का श्रेय रहा है। उनमें आदरणीय सर्वश्री डॉ० नगेन्द्र, प्रो० देवेन्द्रनाथ शर्मा, डॉ० रामविलास शर्मा, डॉ० राकेश गुप्त, डॉ० जगदीश जी गुप्त, डॉ० रामजी पाण्डेय एवं डॉ० राजमणि शर्मा हैं। मैं इन सभी के कृपापूर्ण सहयोग का विशेष आभारी हूँ।

शोध-प्रबन्ध का लेखन श्रद्धेय गुरुवर डॉ० अम्बाप्रसाद जी 'सुमन' के ही आवास-स्थल पर रहकर हुआ। उस समय पूज्या गुरुमाता (श्रीमती बसंतदेवी शर्मा) का वात्सल्य-भाव एवं तीनों बहनों (श्रीमती शारदा शर्मा, श्रीमती वीना शर्मा एवं श्रीमती मधु शर्मा) का स्नेहपूर्ण व्यवहार जो प्राप्त हुआ, वह तो सर्वथा अकथनीय ही है। मैं इन सभी का हृदय से अत्यधिक ही कृतज्ञ हूँ।

स्वच्छ लेखन-कार्य करने में मेरी बेटी कु० विमलेश शर्मा, प्रिय सुपुत्र वेद-प्रकाश शर्मा, प्रिय शिष्य विजयपाल सिंह एवं प्रिय शिष्य दीवानसिंह का पूर्ण सहयोग रहा है, अतः मैं वीणापाणि से उनकी मंगल कामना करता हूँ तथा उन्हें आशीर्वाद देता हूँ।

अनेक प्रकार की बाधाओं एवं संकट की घड़ियों में मेरी पत्नी (श्रीमती रेशमदेवी शर्मा) ने रह-रह कर बार-बार जो साहस बढ़ाया, वह तो अर्धाङ्गिनी के कर्तव्य से परे ही है, अतः मैं उनके इस ऋण से उऋण नहीं हो सकता।

श्रद्धेय गुरुवर डॉ० अम्बाप्रसाद जी 'सुमन' ने प्रस्तुत ग्रन्थ की महत्त्वपूर्ण एवं सारगर्भित भूमिका लिखकर ग्रन्थ में चार चाँद ही लगा दिए हैं। जिनके चरणों में बैठकर ही ज्ञान की ज्योति जगी, उन्हीं गुरुवर को यह ग्रन्थ सादर समर्पित है।

'मानस के तत्सम शब्द' ग्रन्थ के प्रकाशनोपरान्त हिन्दी जगत् को इस ग्रन्थ से कितना लाभ होगा, इसका तो मूल्यांकन सुधी पाठक ही कर सकेंगे। ग्रन्थ में जो अर्थच्छवियाँ, पादटिप्पणियाँ, विभिन्न शब्दों के अर्थों, वैदिक काल से आज तक, के अर्थ-परिवर्तन की दिशाएँ तथा शब्दार्थों की आवृत्तियाँ प्रस्तुत की गयी हैं, उनमें गुरुवर डॉ० अम्बाप्रसाद जी 'सुमन' की ही विशेष वात्सल्यमयी कृपा का सुफल है, अतः मैं उनका आजीवन ऋणी ही रहूँगा। केवल इतना ही "त्वदीयं वस्तु गोविन्द: तुभ्यमेव समर्पये" कहकर परमेश से उनके सपरिवार को स्वस्थ एवं सानन्द रखकर दीर्घायु की कामना एवं प्रार्थना करता हूँ।

यह ग्रन्थ हिन्दी के मनीषी विद्वानों एवं पाठकों के समक्ष प्रस्तुत है। यदि इस ग्रन्थ के अवलोकन के उपरान्त वे मुझे कोई मान्य सुझाव देंगे, तो ग्रन्थ के आगामी संस्करण में उसे पूर्ण करने का प्रयास किया जावेगा।

आहूजा कम्पाउण्ड, — दयाप्रसाद शर्मा
रेलवे रोड, शिकोहाबाद
महाशिवरात्रि, सं० २०४२

मानस के तत्सम शब्द

अकथनीय : जिसका वर्णन न किया जा सके।

"अकथनीय दारुन दुखु भारी"—१/५८/१

अकलंकता : निष्कलंकता।

'अकलंकता कि कामी लहई"—१/२६६/३

अकाम : निष्काम।

"जोगी जटिल अकाम मन"—१/६७/-

१/७५/२, १/८८/३, ३/५/६, ३/३१ छं० २, ६/२/३, ७/२८/५, ७/११६/१३

निःस्वार्थ।

"सो एक राम अकाम हित"—७/१२८ छं० ३

अकाल : बिना ऋतु के।

"जिमि अकाल के कुसुम भवानी"—३/२३/८

अकिंचन : निर्धन।

"परम अकिंचन प्रिय हरि केरे"—१/१६०/३

सर्वत्यागी।

"अचल अकिंचन सुचि सुख धामा"—३/४४/७

अकुंठ : निर्बाध।

"मति अकुंठ हरि भगति अखंडा"—७/६२/१

अकुल : कुलहीन।

"अकुल अगेह दिगंबर ब्याली"—१/७८/६

अकंटक : निष्कंटक।

"भये अकंटक साधक जोगी"—१/८६/८

अखिल : समस्त।

"अखिल लोक बिश्राम"—१/१८१/-

१/१८६/६, १/२०८ ख/-, २/२६३/-, ४/१/-, ५/४१/२, ५/५६/५, ६/८५/८, ६/१०६ छं०, ७/२८/८, ७/७१/४, ७/८६/७, ७/८१/२

अखंड : जो टूटा न हो।

"लागि समाधि अखंड अपारा"—१/५७/८

१/१४३/४, १/२०१/-, ३/१२/१२, ५/५६ क/-

वियोगरहित ।

"उमा एक अखंड रघुराई"—६/६०/१८

६/११० छं०, ७/७१/४, ७/७७/४, ७/११०/४

अखंडित : अटूट ।

"सोह गुन गृह बिग्यान अखंडित"—७/४८/७

अग : अचर ।

"अग जगमय सब रहित बिरागी"—१/१८४/७

६/३५/८, ६/५४/२, ६/१०३/१३, ७/१ छं०, ७/१२ छं० २

७/५९/५, ७/९३/७

जड़ ।

"अग जग मोहई"—३/३१ छं० ३

अगम : जानने में कठिन ।

"उभय अगम जुग सुगम नाम तें"—१/२२/५

१/३८/-, १/१४८/३, १/१४८/४, १/१५६/८, १/१६२/३,

१/१६३/८, १/१७८/६, १/३५८/६, २/८७/७, २/१०४/५

२/१२०/-, २/१३६/-, २/२२५/-, २/२३२/३, २/२४०/१,

२/२४०/५, २/२४९/७, २/२८८/१, २/२९३/२, २/३०९/६,

२/३२५छं०, ३/३१छं०४, ३/४१/१, ५/३३/-, ७/४४/३,

७/७३ ख

न चलने योग्य ।

"मारग अगम भूमिधर भारे"—२/६१/६

२/६१/७

पहुँच के बाहर ।

"लागि अगम अपनी कदराई"—२/७१/१

अगरु : अगर का पेड़ ।

"अगरु प्रसंग सुगंध बसाई"—१/९/९

अगाध : अथाह ।

"अकथ अगाध अनादि अनूपा"—१/२२/१

१/१६६/८, २/४६/७, २/६१/७, ३/३९ ग/-, ५/४९/६,

६/२७/४, ७/१३छं० ५, ७/९१/१

गूढ़ ।

"अति अगाध जानहिं मुनि ग्यानी"—६/११३/३

अगेह : गृहहीन ।

"अकुल अगेह दिगंबर ब्याली"—१/७८/६

अगोचर : अनिर्वचनीय ।

"बचन अगोचर सुख अनुभवहीं"—२/१०७/४

२/१२२/७, २/१२६/-

जो जाना न जा सके ।

"मन क्रम बचन अगोचर जोई"—१/२०२/५

परे ।

"मन बुद्धि बर बानी अगोचर"—१/३२२ छं० २

अग्र : आगे ।

"चली अग्र करि प्रिय सखि सोई"—१/२२८/८

अघ : पाप ।

"अघ अवगुन धन धनी धनेसा"—१/३/५

१/३/८, १/५/१, १/१५/३, १/२८/१, १/२८/६, १/४१/-, १/५७/४, १/१०३/७, १/११८/३, १/१५३/-, १/२२२/५, २/२०/-, २/१४३/५, २/१६१/४, २/१६६/५, २/१६६/६, २/१७३/८, २/१८३/८, २/२००/५, २/२१०/२, २/२११/३, २/२३३/-, २/२४७/२, २/२४८/३, २/२६०/६, २/२८७/३, ३/३६/-, ३/४१/८, ४/१/सो०१, ४/३० ख/-, ५/३८/७, ५/४३/२, ५/५८/५, ६/३०/४, ६/१०८/४, ६/११८/७, ७/२०/३, ७/२८/८, ७/३०/४, ७/३२/७, ७/४०/४, ७/५०/३, ७/८१/२, ७/१०६ख/-, ७/१११/६, ७/१११/७, ७/१११/१०, ७/१२०/६, ७/१२०/२२, ७/१२३/८, ७/१२५/३

अघटित : असम्भव ।

"तिन्हहि कहत कछु अघटित नाहीं"—१/११४/६

अमिट ।

"काल करम गति अघटित जानी"—२/१६४/६

अचर : न चलने वाला ।

जे सजीव जग अचर जग"—१/८४/-

१/१०६/८, १/१८०/-, २/१३८/२

जड़ ।

"अचर सचर चर अचर करत को"—२/२३७/८

२/३२०/६

अचल : अटल ।

''बढ़ु बिस्वास अचल निज धरमा''—१/१/११

१/२५/५, १/३०/१०, १/६६/४, १/८६/-, १/१५२/६, २/६८/८, २/१३२/४, २/२८१/६, २/२८४/६, २/३२४/६, ४/६/२, ५/२२/१, ६/७/-, ६/८१/४, ७/६/२, ७/७२/५, ७/८५ ख/-

स्थिर ।

''मुनि मग माझ अचल होइ बैसा''—३/६/१५

६/७६/६, ७/६१/३

सुदृढ़ ।

''दीन्हिसि अचल बिपति कै नेईं''—२/२८/६

निश्चल ।

''अचल अकिंचन सुचि सुख धामा''—३/४४/७

आवागमन से मुक्त ।

''होइ अचल जिमि जिव हरिपाई''—४/१३/८

अचेत : बेहोस ।

''जल बिनु भयउ अचेत''—१/१५७/-

२/७६/-, ६/१०० छं० ५

नासमझ ।

''तब अति रहेउँ अचेत''—१/३० क/-

अचंचल : स्थिर ।

''भए बिलोचन चारु अचंचल''—१/२२६/४

अज : अजन्मा ।

''अज सच्चिदानंद पर धामा''—१/१८/३

१/५०/-, १/८६/३, १/१०७/८, १/११५/२, १/१४०/२, १/१६८/-, १/२०५/-, ३/२६/१७, ३/३१ छं०, ४/२५/१२, ५/३८/२, ६/१०६/६, ६/११० छं०, ७/२५/-, ७/२६/८, ७/३३/४, ७/७१/३, ७/८५ क/-, ७/११०/३

ब्रह्मा ।

''लगन बाचि अज सबहिं सुनाई''—१/६०/७

१/२१० छं०, ३/५/५, ४/२५/-, ५/२२/८, ५/४५/१०, ५/५६ क/-, ६/१४/१, ६/१५ [illegible]/-, ६/१०४/२, [illegible]

७/१२ छं० ४, ७/१४/८, ७/३४/७, ७/१०५/४, ७/२१/१२, ७/१२३/३

बकरा ।

"कहुँ महिष मानुप धेनु खर अज' — ५/२ छं० ३

अजगर : एक प्रकार का सांप ।

'बैठ रहेसि अजगर इव पापी"—७/१०६/७

अजय : अजेय ।

"खल अति अजय देव दुखदाई" १/१६८/५

५/१२/३, ६/७४/२, ६/७५/१३, ६/१११/३

दुर्जय ।

"महा अजय संसार रिपु"—६/८० क/-

अजर : जरारहित ।

"अजर अमर सो जीति न जाई"—१/८१/७

५/१६/३, ६/८८/४

अजा : प्रकृति ।

"अजा अनादि शक्ति अविनासिनि"—१/९७/३

अजित : अजेय ।

"निर्गुन ब्रह्म अजित अज जानहु"—४/२५/१२

५/३८/२, ६/५४/५, ६/१०८/६

अजिन : पेड़ की खाल ।

"अजिन बसन फल असन"—२/२११/-

अजिर : आँगन ।

"कवि उर अजिर नचावहिं बानी"—१/१०४/६

१/१११/४, १/२०२/५, ७/२६ छ०, ७/७५ क/-, ७/७५/४, ७/७६/८

मैदान ।

"जिन्ह रन अजिर निसाचर मारे" —१/२२०/४

अटन : भ्रमण करना ।

"चले राम बन अटन पयादे"— २/३१०/३

अट्टहास : जोर से हँसना ।

"अट्टहास करि गर्जा '—५/२५/-

६/३९/४, ६/७२/-

अति : अत्यन्त ।

"मज्जहिं अति अनुराग"—१/२/-

१/७/७, १/७/११, १/८/१, १/१० क/-, १/११/-,
१/११/६, १/११/१२, १/१३/-, १/१४ ख/-, १/१५/१,
१/३० क/-, १/३४/३, १/३७/३, १/३७/६, १/३७/८,
१/३८/-, १/४३/१, १/४३/६, १/४४/६, १/५३/२,
१/५८/७, १/७३/२, १/७५/८, १/७६/८, १/८६/२,
१/८६ छं०, १/९२/४, १/९९/३, १/१०१/६, १/१०२/-,
१/१०३/-, १/१०४/३, १/१०८/-, १/१०८/३, १/११०/३,
१/११३/५, १/११८/५, १/१३४/८, १/१३६/३, १/१३७/२,
१/१३८/२, १/१४२/२, १/१४८/-, १/१४८/४, १/१५२/-,
१/१६१/८, १/१७३/४, १/१७८क/-, १/१८३/-, १/१८५ छं०,
१/१९१ छं०, १/१९४/७, १/२०१/३, १/२०८/१, १/२०७/१,
१/२०७/६, १/२१० छं०, १/२१० छं०, १/२१० छं०, १/२१० छं०,
१/२१२/७, १/२१५/५, १/२१८/२, १/२१८/५, १/२२१/८,
१/२२४/-, १/२२८/७, १/२५१/-, १/२५३/५, १/२५६/३,
१/२६२/३, १/२६४/८, १/२६९/३, १/२६९/५, १/२७१/६,
१/२७७/३, १/२७८/१, १/२८०/-, १/२८२/२, १/२८४/३,
१/२८७/-, १/२९३/-, १/२९४/४, १/२९४/५, १/२९६/८,
१/३००/५, १/३००/८, १/३०५/२, १/३१६/२, १/३१६छं०,
१/३२२छं०१, १/३२६छं०२, १/३२८/१, १/३३३/६, १/३३५/१,
१/३४०/-, १/३४५/२, १/३५२/१, २/७/३, २/२०/५,
२/३२/४, २/४०/१, २/४४/७, २/५०/७, २/५२/-,
२/५२/३, २/५२/५, २/५७/१, २/५७/८, २/६९/२,
२/७६/२, २/७७/-, २/७७/३, २/८०/३, २/८०/४,
२/८७/३, २/८९/३, २/९३/५, २/९३/५, २/१००/७,
२/१०४/४, २/१०६/-, २/१०६/३, २/११४/२, २/११५/४,
२/११७/-, २/१३४/५, २/१३८/३, २/१४०/२, २/१४७/१,
२/१६०/७, २/१६१/७, २/१६४/१, २/१९०/६, २/१९३/१,
२/१९८/-, २/२०७/४, २/२०८/३, २/२२६/३, २/२३०/-,
२/२३२/३, २/२३६/-, २/२४४/३, २/२४४/५, २/२४६/-,
२/२४६/४, २/२४६/६, २/२५१/१, २/२६२/१, २/२६६/-,
२/२७१/२, २/२८९/७, २/२९३/२, २/२९६/६, २/२९९/८,
२/३०८/४, २/३०९/६, २/३०९/७, ३/०/२, ३/१/-,

३/१/१४, ३/४/८, ३/६/२, ३/७/-, ३/१०/१४,
३/१३/२, ३/१५/६, ३/१५/८, ३/१५/९, ३/१६/१,
३/१८/१४, ३/१९छं०४, ३/२२/-, ३/२३/७, ३/२४/-,
३/२५/८, ३/२६/२, ३/२६/४, ३/२८/१७, ३/२९/१६,
३/३०/३, ३/३२/१, ३/३४/-, ३/३४/१, ३/३४/३,
३/३८क/-, ३/३९ख/-, ३/४०/१, ३/४२ख/-, ३/४२/१,
३/४३/-, ४/०/३, ४/६/११, ४/९/१, ४/१०/४,
४/११/४, ४/१२/१, ४/१२/६, ४/१९/२, ४/२०/३,
४/२५/१३, ४/२७/४, ४/२८/३, ४/२८/५, ५/२/११,
५/३/-, ५/४/६, ५/५/७, ५/१२/१, ५/१३/१,
५/१९/६, ५/२०/२, ५/२१/९, ५/३०/८, ५/३२/३,
५/३२/५, ५/३३/१, ५/३५/६, ५/४४/६, ५/४५/६,
५/४६/७, ५/४७/-, ५/४९/६, ५/५१/१, ५/५२/४,
५/५६/५, ५/५७/३, ५/५९/-, ६/१/२, ६/६/८,
६/९/४, ६/९/७, ६/१२/५, ६/१७/९, ६/२६/६,
६/२८/-, ६/३०/२, ६/३०/२, ६/३१/१, ६/३१/५,
६/३६/४, ६/३७/२, ६/३८/९, ६/३९/१, ६/४०/४,
६/४५/११, ६/४७/५, ६/४७/६, ६/५३/२, ६/५८/-,
६/६०/९, ६/६१/१, ६/६१/५, ६/६४/१०, ६/६५/७,
६/६८/२, ६/६८/५, ६/७१/१०, ६/७७छं०, ६/७७छं०,
६/७८/५, ६/८१/४, ६/८१छं०, ६/८४/-, ६/८५/१,
६/८६/१, ६/९०छं०, ६/९३/१, ६/९४/३, ६/९८छं०,
६/९९/२, ६/९९छं०, ६/१०१/९, ६/१०१छं०, ६/१०१छं०,
६/१०२छं०, ६/१०२छं०, ६/१०६छं०, ६/१०८छं०१, ६/१०८छं०२,
६/१०९/९, ६/११०/-, ६/१११/-, ६/१११/४, ६/११२छं०,
६/११२छं०, ६/११२छं०, ६/११३।३, ६/११८।४, ६/११९।९,
७/०४/-, ७/०/६, ७/१/१, ७/१छं०, ७/२/१०,
७/३क/-, ७/४ख/-, ७/४/३, ७/४छं०/१, ७/५छं०,
७/६/१, ७/६/८, ७/७/३, ७/१३छं०६, ७/१५/५,
७/१६/-, ७/१६/२, ७/१७ख/-, ७/१८/६, ७/१९ग/-,
७/२२/१०, ७/२४/१, ७/२४/७, ७/२५/६, ७/२६/४,
७/२७/५, ७/३०/१, ७/३३/३, ७/३४/१, ७/३५/-,
७/३९/४, ७/५१/८, ७/५३/-, ७/५४/३, ७/५५/३,

७/५८/४, ७/५६/२, ७/६०/८, ७/६३/३, ७/६८ख/-, ७/६८/१, ७/६८/३, ७/६८/४, ७/६६क/-, ७/६६ख/-, ७/७३ख/-, ७/७३/७, ७/७६/६, ७/७६/४, ७/८१क/-, ७/८३ख/-, ७/८५/६, ७/८५/१०, ७/८७/२, ७/८७/६, ७/६१ख/-, ७/६१छं०, ७/६१छ०, ७/६२/२, ७/६४क/- ७/६४/२, ७/६५क/- ७/१०३/७, ७/१०५ख/-, ७/१०५/८, ७/१०६/२, ७/१०७क/- ७/११०ख/-, ७/११३/६, ७/११८क/- ७/११८/३, ७/१२०/८, ७/१२०/३५, ७/१२२/५, ७/१२३क/- ७/१२७/६, ७/१२८/४, ७/१२६छं०१

बहुत ।

"स्याम सुरभि पय बिसद अति" —१/१०ख/-

१/४६/१, १/५१/१, १/५२/२, १/५४/५, १/७७/४, १/७६/२, १/८२/७, १/८८/२, १/६०/१, १/६२/८, १/६२छं०, १/६४/३, १/६५/५, १/६८/२, १/६८छं०, १/१०३/१, १/१०५/४, १/१०६/३, १/१०६/३, १/१२४/२, १/१२६/-, १/१३१/१, १/१३१/५, १/१३२/६, १/१३३/५, १/१३४/५, १/१३४/८, १/१४३/-, १/१४६/४, १/१५६/६, १/१५६/८, १/१६१/४, १/१६६/२, १/१६८/१, १/१७४/-, १/१७७/८, १/१६०/२, १/१६५/३, १/१६८/५, १/१६८/७, १/१६८/६, १/२०३/१, १/२०३/७, १/२०५/३, १/२०६/३, १/२०६/४, १/२२३/२, १/२३३/४, १/२४६/५, १/२५६/८, १/२८२/७, १/२८६/८, १/३१२/६, १/३१५छं०, १/३२०/७, १/३३५/८, २/६/६, २/१३/३, २/२६/८, २/६२/२, २/८२/-, २/६८/४, २/१०६/३, २/१११/४, २/११८/१, २/१२१/३, २/२०७/- ४/४/६, ४/५/११, ४/७/२, ४/६छं०१, ५/०/१, ५/१/१०, ५/२/१०, ५/४/४, ५/१८/५, ५/२३/१, ५/२७/५, ५/२६/७, ५/३०/६, ५/३६/२, ५/३६/१, ५/३६/१, ५/४०/२, ६/०/४,६/१- ६/३/१, ६/८/-, ६/८/७, ६/१०/२, ६/११/६, ६/२२/४, ६/२२/६, ६/४०छं०, ६/५४/६, ६/५६/-, ६/८१/५, ६/८८छं०, ६/८६/-, ७/०१/-, ७/३/७, ७/६/६, ७/१०/१, ७/१२ग/- ७/३८/३, ७/४७/२, ७/४७/६, ७/४६/१, ७/६२/७, ७/६८/५, ७/८४/५,

७/१०४/५, ७/११०/१६, ७/११२/५, ७/११२/८, ७/१२०/३६,
७/१२२/४, ७/१२८/७

बड़ा ।

"बायस पलिअहिं अति अनुरागा"—१/४/२

१/१२/६, १/२८/१, १/३४/२, १/४४/२, १/४४/५,
१/४६/४, १/४८ख/-, १/४९/-, १/५३/-, १/५५/३,
१/६२/८, १/८२/८, १/८९/६, १/९३/-, १/१२४/१,
१/१२७/८, १/१३५/६, १/१५७/३, १/१५८/४, १/१६२/४,
१/१६३/-, १/१६५/८, १/१६९/५, १/१७१/२, १/१७७/५,
१/२०७/९, १/२२५/-, १/२२८/३, १/२५७/८, १/२६०/५,
१/२६९/-, १/२७२/-, १/३०५/६, १/३०६/४, १/३१९/१,
१/३२३/-, १/३३५/३, २/२३/७, २/६९/-, २/८५/१,
२/९५/१, २/१०५/४, २/१५३/-, २/२००/-, २/२४९/७,
२/२५०/३, २/२८५/-, ३/८/६, ३/११/१०, ३/१७/-,
३/२४/८, ३/२७/३, ४/१६/५, ५/३/८, ५/९/-,
५/१५/६, ५/२८/३, ५/५२/८, ६/४/-, ६/१०/१,
६/१५/४, ६/२२/३, ६/२४/-, ६/३१/८, ६/३४/३,
६/३७/४, ६/३७/५, ६/४२/५, ६/५०/२, ६/५८/२,
६/६१/१, ६/७०/-, ६/७१/२, ६/७३/४, ६/७४/१,
६/७४/८, ६/८३/८, ६/८८/१, ६/९१/२, ६/९१/१२,
६/९८/-, ६/११८/६, ७/१५/४, ७/४१/२, ७/५४/२,
७/५५/५, ७/६३/७, ७/८२/६, ७/१०६ख/-, ७/१०९/१२,
७/११५/५

खूब ।

"अमित भूप निद्रा अति आई"—१/१६९/२

१/१६९/४, २/२८५/१, ६/४०/६

परम ।

"इन्ह कहँ अति कल्यान"—१/२०७/-

१/२२२/१

उत्तम ।

"प्रजा पाल अति बेद बिधि"—१/१५३/-

दारुण ।

"जब अति भयउ बिरह उर दाहू"—६/९९ छं०

अतिथि : मेहमान ।
"अतिथि पूज्य प्रियतम पुरारि के"—१/३१/८
१/३०९/८, १/३३४/४, २/१२४/३, २/१७१/५, २/२१२/-, २/२१३/२, २/२७९/-

अतिबल : अत्यन्त बलवान् ।
"अतिबल कुंभकरन अस भ्राता"—१/१७९/३
५/२ छं० १, ५/२ छं०२, ५/१५/८, ६/५/७, ६/१८/७, ६/९३ छं०, ६/९५ छं०

अतुल : अपार ।
"भुजबल अतुल अचल संग्रामा"—१/१५२/६
४/०/२, ५/३४/-, ६/१७/४, ६/३५/१०, ६/३७/६, ६/८७ छं०, ६/७४/३, ६/८२ छं०, ७/३२/२

अतुलित : अपार ।
"अतुलित बल प्रताप तिन्ह माहीं"—१/१८७/३
१/२०८/८, १/२४७/२, २/२१३/२, ३/१/१२, ३/१/१२, ३/१०/१५, ३/२१/७, ३/३६/१, ५/१८/३, ५/२०/९, ५/५४/२, ६/७७/८, ७/१२३/२

अथवा : या ।
"यह प्रकटें अथवा द्विजश्रापा"—१/१६५/३
७/१२८/-

अदभ्र : अपार ।
"अगुन अदभ्र गिरा गोतीता"—७/७१/५

अदेय : न देने योग्य ।
"मोरे नहिं अदेय कछु तोही"—१/१४८/८
३/४१/५

अद्‌भुत : विचित्र ।
"पालन सुरधरनी अद्‌भुत करनी"—१/१८५छं०
१/१९१ छं०, १/२०१/-, ७/८० क/-
आश्चर्यजनक ।
"करहिं भालु कपि अद्‌भुत करनी"—६/४६/७

अद्वैत : द्वैत का अभाव ।
"अज अद्वैत अगुन हृदयेसा"—७/११०/३

अधन : धनहीन ।
"तुम्ह सम अधन भिखारि अगेहा"—१/१६०/४

अधम : नीच ।
"कहहिं सुनहिं अस अधम नर"—१/११४/-
१/१२०/६, २/१४३/४, २/१७८/-, २/२०६/७, २/२२८/-,

३/४/६, ३/४/१५, ३/२८/८, ३/३२/२, ३/३४/२,
३/३४/३, ३/३४/३, ३/३४/३, ४/८/१०, ४/१०/४,
५/७/-, ५/८/८, ५/२३/३, ५/४६/७, ६/२३/११,
६/२५/१, ६/२८/६, ६/३०/७, ६/३३ ख/-, ६/७१/-,
६/७३/५, ६/८८/८, ६/१०८/१०, ६/१२० छं०२, ७/०/८,
७/४०/-, ७/१०५/६ ७/१०५/१३, ७/१२०/२०

पशु, राक्षस आदि से सम्बन्धित ।

"अधम सरीर राम जिन्ह पाए"—१/१७/२

अधमाधम : नीचतम ।

"रहु अधमाधम अधगति पाई"— ७/१०७/८

***अधर[1]** : ओठ ।

"फरकत अधर कोप मन माहीं"—१/१३५/२
१/१४६/२, १/१८८/८, १/२४२/४, २/३८/१, २/१४४/४,
६/१४/५, ६/३०/६, ७/७६/३

अधर्म : पाप

"तजि अधर्म रति धर्म कराहीं"—३/३५ छं०
७/८६ ख/-, ७/१०३/६

अधिक : विशेष ।

"मोहि ते अधिक ते जड़ मति रंका"—१/१२/८
१/१०६/५, १/१२८/-, १/१५६/१, १/१६०/७, १/१७७/८,
१/१८७/६, १/२३१/६, १/२८३/१, १/२८०/१, १/२८३/६,
१/३५८/८, १/३५८/-, १/३५८/-, २/१४/८, २/६०/५,
२/१२८/८, ३/३५/३, ३/४१/७, ४/३०ख/-, ५/३५/४,
६/७८/२, ७/७/८/, ७/१५/८, ७/८५/४, ७/११६/६,
७/११६/६, ७/११८/१६

बड़ा

"हृदयँ अधिक संतापु"—१/५६/-
१/५८/-, १/८५/७, १/२१६/५, १/२२७/६, २/२०७/७,
२/२१०/२, ७/७८/४

बहुत

"अधिक सनेहँ गोद बैठारी"—१/८५/७

---

*अधर[1] : प्रारम्भ में यह 'अधर' शब्द नीचे के ओष्ठ के अर्थ में ही प्रयुक्त होता था । आगे चलकर मानस में यह ऊपर एवं नीचे दोनों ही ओष्ठों के प्रति प्रयुक्त हो उठा है । अतः यह अर्थविस्तार की गति प्राप्त कर गया ।

२/२४३/-, २/२५४/५, २/२५५/८, २/२५९/४, २/२६३/७, २/२७८/४, ७/८३/३

अधिकार : प्रभुत्व ।
"बड़ अधिकार दच्छ जब पावा"—१/५९/७

अधिकारी : योग्य ।
"राम भक्त अधिकारी चीन्हा"—१/३०/४
१/४७/४, १/१०९/१, २/७१/२, २/१२६/८, २/१३८/२, ५/५८/६, ७/२०/४, ७/११०/२, ७/१२७/७
पात्र ।
"तेइ सुरबर मानस अधिकारी" —१/३७/२
१/१०९/२, २/७०/६, ६/१०९/११, ७/४१/८, ७/१२२/७, ७/१२७/३
अफसर ।
"अगिनि काल जम सब अधिकारी"—१/१८२/१०

अधीन : आश्रित ।
"ईस अधीन जीव गति जानी"—२/२६२/५

अधीर : आकुल ।
"बीर अधीर न होहि"—२/१९१/-
७/७४क/-

अनघ : पापरहित ।
"सुकृती चारिउ अनघ उदारा"—१/२१/६
३/४४/७, ६/१०९/६, ७/३३/२, ७/४५/६
पवित्र ।
"सुनहु राम अवतार चरित परम सुंदर अनघ"—१/१२०ग/-

अनन्य : अभिन्न ।
"गति अनन्य तापस नृप रानी"—१/१४४/५
४/३/-

अनन्यगति : जिसका दूसरा सहारा न हो ।
"सेवक प्रिय अनन्यगति सोऊ"—४/२/८

अनपायनी : अचल ।
"अनपायनी भगति प्रभु दीन्ही"—४/२४/८
७/१४क /-, ७/३४/-, ७/५१/५

निश्चल ।
"नाथ भगति अति सुखदायनी ।
देहु कृपा करि अनपायनी ।।"—५/३३/१

अनयन : बिना नेत्र का ।
"गिरा अनयन नयन बिनु बानी"—१/२२८/२

अनल : अग्नि ।
"गरल अनल कलिमल सरि ब्याधू"—१/४/८
१/६/१२, १/३२क/-, १/३४/८, १/८५छं०, १/८६/७, १/१५६/७, १/१६१क/-, २/३२/४, २/४८/-, २/१६२/३, २/३१६/७, २/२३/३, ३/४२/६, ५/४/२, ५/६/५, ५/११/३, ५/११/६, ५/११/११, ५/२५/७, ५/४६क/-, ५/५८/२, ६/१४/६, ६/२०/५, ६/२५/२, ६/२८/-, ६/८५/४, ६/१०७/१४, ६/११४/छं०, ७/३७/-, ७/८४/४, ७/१०५/१०, ७/११०/१६, ७/११६/१३, ७/१२१/१६

अनवद्य : अनिन्द्य ।
"अज अनवद्य अकाम अभोगी"—१/८६/३
६/११०छं०
निर्दोष ।
"सबदरसी अनवद्य अजीता"—७/७१/५

अनाथ : असहाय ।
"जो अनाथ हित हम पर नेहू"—१/१४५/३
२/५६/४, २/६४/१, २/२७०/-, ५/२५/५, ६/१०३/८, ७/१२३ छं० ३

अनादि : आदिरहित ।
"राम अनादि अवधपति सोई"—१/११६/६
२/६२/७, ३/२०६/४, ५/३८/२, ६/११०छं०, ७/१२छं०, ७/३३/-, ७/८५क/-, ७/६२/३
नित्य ।
"अकथ अनादि सुसामुझि साधी"—१/२०/२
१/२२/१, १/६७/३, १/१००/-

अनामय : बिकाररहित ।
"अकथ अनामय नाम न रूपा"—१/२१/२
५/३८/२, ६/१०६/६, ७/३३/१

अनायास : बिना परिश्रम के ।
"अनायास उघरी तेहि काला"—२/२८६/४
७/१०८ग/-

अनारंभ : फल की आसक्ति से कर्म आरम्भ न करने वाला ।
"अनारंभ अनिकेत अमानी"—७/४५/६

अनिकेत : बिना घर का ।
"अनारम्भ अनिकेत अमानी"—७/४५/६

* **अनिल**[1] : वायु ।
"सोइ जल अनल अनिल संघाता"—१/६/१२

अनीक : सेना ।
"रहे निज निज अनीक रुचि रूरी"—१/१८७/५
२/२०४/६, ६/६६/८, ७/२६/५

अनीति : नीतिविरुद्ध ।
"कहि अनीति ते मूदहिं काना"—१/२८२/८
७/४२/४, ७/४२/६, ७/८८/१०
अन्याय ।
"करहिं अनीति जाइ नहिं बरनी"—१/१२०/७
अत्याचार ।
"बरनि न जाइ अनीति"—१/१८३/-

अनीह : जिनके कोई इच्छा नहीं है ।
"एक अनीह अरूप अनामा"—१/१२/३
१/५०/-, १/१०८/१, १/२०५/-, ३/४४/८, ७/११०/४

अनुकथन : वर्णन ।
"सुनि अनुकथन परस्पर होई"-१/४०/३

अनुकूल : मुआफ़िक़ ।
"पति अनुकूल प्रेम दृढ़"—१/१८८/-

---

* **अनिल**[1] : वायु अर्थ में मानस में निम्नांकित शब्द प्रयुक्त हैं—

अनिल,	१/६/१२,	गतिशील वायु	(Wind)
पवन,	१/६/८,	गतिशील वायु	(Wind)
प्रभंजन,	७/११७/१३,	महाप्रचण्ड वायु	(Storm)
मरुत,	१/१५६/१,	वेगवान् वायु	(Fast wind)
मारुत,	१/८६छं०,	मन्द वायु	(Breeze)
समीर,	५/५८/२,	प्रशान्त वायु	(Air)

१/१६०/-, १/२३६/- १/३१२/-, १/३४१/-. २/८/-,
२/६२/-, २/२०५/-, २/२५८/१, ७/२३/३

प्रसन्न ।

"राम रहहिं अनुकूल"—३/६क/-

५/३३/-, ७/१२४क/-

अनुग : सेवक ।

"राम अनुग जगु जाता"—२/२२६/-

अनुगामी : सेवक ।

"प्रीति परसपर प्रभु अनुगामी"—१/२०१/१

१/२८०/८, २/३/-, २/३/८, २/२२६/८, २/२६२/४

पीछे चलनेवाला ।

"सूर सुसील भरत अनुगामी"—१/१६/६

१/३४२/५, २/३१३/७

अनुग्रह : कृपा ।

"करउ अनुग्रह सोई"—१/०१/-

१/१३८/४, १/१५ /३, १/१८५छं०, १/१६७/७, १/२१०छं०,
२/२/७, २/५२/८, २/१०१/७, २/१५०/८, २/१५०छ०,
२/१६४/८, २/२०४/२, २/२६६/-, ५/६/५, ७/४३/७,
७/६८/२, ७/१०८/१०

शाप से मुक्ति ।

"साप अनुग्रह होइ जेहिं नाथ थोरेही काल"—७/१०८घ/-

अनुचर : सेवक ।

"मोहि अनुचर कर केतिक बाता"—२/२५२/५

३/२२/१, ६/३६/४

दास ।

"मैं तुम्हार अनुचर मुनिराया"—१/२७७/१

अनुचित : बुरा ।

"यह अनुचित नहिं नेवत पठावा"—१/६१/१

१/२३७/३, १/२५२/२, १/२५७/३, १/२७३/-, १/२७५/८,
१/२७७/-, १/२७७/४, १/२८४/६, २/६/७, २/६५/४,
२/६६/८, २/१७४/-, २/१७४/५, २/१७६/४, २/१७६/७,
२/२२८/७, २/२३०/३, २/२८२/७, २/२६६/६, २/३०५/७,
६/१०३/१२

अनुज : छोटा भाई ।

"भूप अनुज अरिमर्दन नामा"—१/१७५/३

१/२०४/४, १/२०६/१०, १/२०९/५, १/२११/५, १/२१७/३, १/२३०/–, १/२३१/–, १/२७८/७, २/९३/४, २/१०४/–, २/३२०/४, ३/६/२, ३/६/८, ३/८/–, ३/९/५, ३/९/२०, ३/१ /१८, ३/११/–, ३/११/८, ३/१२/१०, ३/१९/२०, ३/१७/१०, ३/२१/१०, ३/२५छं०, ३/२९/४, ३/२९/५; ३/४०/२, ३/४०/४, ४/३/७, ४/८/७, ४/१२/३, ४/१२/७, ४/२७/१, ५/१३/३, ५/१३/९, ५/३०/३, ५/३९/२, ५/४०/६, ५/४५/३, ५/५३/२, ५/५६ग्र/–, ६/२२/२, ६/२२/३, ६/५४/६, ६/५९/१, ६/६०/२, ६/६३/४, ६/६७/–, ६/८८/८, ६/१०५/१, ६/१·५/४, ६/१०६/६, ६/१११/२, ६/११२/–, ६/११२छं०, ६/११४छं०, ६/११६ग/–, ६/११६/८, ७/०३/–, ७/१/५, ७/३क/–, ७/४/३, ७/५/२, ७/११छं०१, ७/१५/६, ७/१८/१, ७/७८/५

अनुजा : छोटी बहन ।

"नहिं मानत कोउ अनुजा तनुजा"—७/१०१/५

अनुदिन : प्रतिदिन ।

"अनुदिन बढ़उ अनुग्रह तोरें"—२/२०४/२

अनुपम : उपमारहित ।

"संतसभा अनुपम अवध"—१/३९/–

१/१९२/८, ३/५छं०, ३/१५/४, ७/३३/४

अनुभव : प्रत्यक्ष ज्ञान ।

"अनुभव गम्य भजहिं जेहि संता" --३/१२/१२

३/३८/५, ७/८८/५, ७/११०/४, ७/११७/२

अनुमान : अन्दाजा ।

"सती हृदयँ अनुमान किय"—१/५७क/-

७/८३/३, ७/१११क/-

अनुसार ।

"बल अनुमान सदा हित करई"-- ४/६/५

५/५९/३

नुमोदन : समर्थन ।

"कहहिं सुनहिं अनुमोदन करहीं"—७/१२८/६

अनुराग : प्रेम ।

"सोभा अति अनुराग"—१/११/-

१/१४३/-, १/१५५/-, २/२०३/-, २/२०४/७, २/२१५/७, २/२४४/५, २/२४६/-, २/२५०छं०, ६/६०/५, ७/६१/-, ७/६३/७, ७/६९क/-, ७/८५ख/-, ७/९४ख/-, ७/११०क/-,

प्रेमपूर्वक ।

"मज्जहिं अति अनुराग"—१/२/-

आसक्ति ।

"सरग नरक अनुराग बिरागा"—१/५/८

अनुरागी : प्रेमी ।

"परम कृपाल प्रनत अनुरागी"—१/१२/५

१/१४/११, १/१११/८, १/१२२/२, १/१८५छं०, १/१९१छं०, २/१०९/८, २/१६५/२, २/२५८/५, २/३२३/८, ३/३२/३, ४/२२/७, ४/२५/१३, ५/५/८, ५/३०/४, ६/६/५, ७/०/३, ७/४९/८, ७/१०५/४, ७/१२४/५,

पालन करनेवाला ।

"जो पितु मातु बचन अनुरागी"—२/४०/७

अनुरूप : अनुसार ।

"मति अनुरूप राम गुण गावउँ"—१/११/९

१/१४१/-, १/३५२/६, ३/०/१, ५/३७/४, ६/१०१क/-, ७/७२क/-, ७/१२७/१

अनुकूल ।

"तेहि तेहि तन अनुरूप"—१/५४/-

१/३२४ छं० ४

योग्य ।

"निज अनुरूप सुभग बरु मागा"—१/२२७/६

३/१६/९

अनुसार : अनुरूप ।

"निज बिचार अनुसार"—१/२३/-, १/१२०घ/-, २/३०८/५

अनुहारी : अनुसार।

"सुकबि कुकबि निज मति अनुहारी"—१/२७/७

१/३५/२, १/२२३/७; २/७६/७, २/२५६/७, १/२७/७, २/२७३/३.

शक्ल-सूरत।

"भरत रामही की अनुहारी"—१/३१०/६

२/२२५/५, २/२३४/४

*** अनृत**[1] : झूठ।

"साहस अनृत चपलता माया"—६/१५/३

अनेक : बहुत।

"छंद प्रबंध अनेक बिधानाँ—१/८/६

१/२४/२, १/३२/७, १/३६/१५, १/५४/२, १/६१/७, १/६६/६, १/७४/१, १/८०/४, १/६८/४, १/११८/३, १/१५३/६, १/१६६/४, १/२७३/६, १/२८७/७, १/२८८/२, १/२६६/३, १/३०४/१, १/३०४/३, १/३१७/-, १/३२५/५, १/३२८/२, १/३३२/५, १/३४६/५, १/३५४/-, १/३५६/१, २/६६/-, २/६२/२, २/६८/६, २/१११/-, २/१११/३, २/१५५/१, २/१५५/४, २/१५६/-, २/१६६/२; २/१६६/३, २/२६२/२, २/२७८/-, ३/१२/६, ३/१६छं०, ३/३१छं०, ३/३६/२, ६/२३च/-, ६/२७/२, ६/३१ख/-, ६/६३/-, ६/६१छं०, ६/६८छं०, ६/१००छं०१ह, ६/१००छं०२ह, ६/११०छं०, ६/११२छं०ह, ६/११७क/-, ७/१०क/-, ७/१२छं०५, ७/२१/२, ७/२३/१, ७/२७छं०, ७/२८छं०, ७/३३/२, ७/३३/६, ७/४१/-, ७/५६/७, ७/७२ख/-, ७/७७/७, ७/८०ख/-, ७/८०/५, ७/१००ख/-, ७/११७/६, ७/११८ख/-

अनंग : कामदेव।

"अनंग बहु छबि सोहई"—३/३१छं०३

६/१०२छं०, ७/१०/८

अनंत : अन्तरहित।

"राम अनंत अनंत गुन"—१/३३/-

*** अनृत**[1] : 'ऋ' धातु से ऋत बना है। ऋत ही सत्य है क्योंकि यह गतिशील है। असत्य गतिहीन है, अतः वेद में ऋतं सत्यं ही कहा गया है। अंग्रेजी का राइट (Right) और वैदिकी का ऋत मूल में एक ही हैं।

१/११३/४, १/१३८/५, १/१४३/४, ३/३१छं०, ६/७२/११, ६/७६/४, ६/८२छ०, ६/१०७/-, ७/३३/२, ७/५१/३, ७/५१/३, ७/५१/३, ७।८०।३

शेषावतार लक्ष्मण।

"चलेउ तुरंत अनंत"—६/७५/-, ६/७५/७

भगवान् राम।

"प्रिय संत अनंत सदा तिन्ह के"—७/१३छ० ६
१/१०८/१२

अन्न : भोज्य पदार्थ।
"अन्न कनक भाजन भरि जाना"—१/१००/८
१/१६७/६, १/१७२/६, २/१७०/-, ३/२७/८, ६/२५/६, ७/१००छं०

अन्यथा : झूठा।
"नारद बचनु अन्यथा नाहीं"—१/७०/८
१/८७/२
विरुद्ध।
"करै अन्यथा अस नहिं कोई"—१/१२७/१
अन्य प्रकार।
"किएँ अन्यथा होइ नहिं"—१/१७४/-

अपकार : अहित।
"मम अपकार कीन्ह तुम्ह भारी"—१/१३८/८

अपकारी : अनिष्ट करनेवाला।
"सब बिधि सोचिअ पर अपकारी"—२/१७२/३
७/९८ ख/-, ७/१२०/१८

अपर : दूसरा।
"प्रभु सोइ राम कि अपर कोउ"—१/४६/-
१/८७/३, १/१४०/१, १/१५२/-, १/१५२/६, १/२१९/८, १/२२२/१, १/२२२/३, १/२२३/४, १/२४४/५, १/२९४/२, १/२९९/३, २/१३४/३, ३/११/१३, ३/१४/४, ३/४२ क/-, ४/२९/७, ६/४/-, ६/६१/१२, ६/८८ छं०, ६/१०२/१, ७/८३ ख/-, ७/७०/८

अन्य ।
"अपर लोक अँग अँग बिश्रामा" — ६/१४/१
६/११८ ख/-

अपराध : दोष ।
"कहइ न निज अपराध बिचारी"—१/६०/७
१/८७ छं०, १/१०१/-, १/२८१/८, २/४२/३, २/४८/६, २/२१७/४, ३/३८/१, ५/२२/-, ५/३०/४, ५/५६/६, ६/१८/६
पाप ।
"का अपराध रमापति कीन्हा"—१/१२३/७
१/१३८/३, १/१७३/५

अपराधी : दोषी।
"आगें अपराधी गुरुद्रोही"—१/२७४/६
१/२७८/४, २/१८२/३

अपार : असीम ।
"उभय अपार उदधि अवगाहा" – १/५/१
१/३१/६, १/२६३/-, १/२६८/-, ३/३६० छं०, २/१२६/-, २/३१७/-, ४/२८/-, ४/२८/३, ५/१८/-, ६/६० ख/-, ६/८६/-, ६/८८/-, ६/१०५ छं०, ६/१०८ ख/-, ६/११०छं०, ६/११२ छं०
बड़ा ।
"अति अपार जे सरित बर"—१/१३/-
१/२३/-, १/१२० घ/-
अनगिनत ।
"भरि भरि बसहँ अपार कहारा"—१ ३३२/५
६/८२/-

अपावन : अपवित्र ।
"कोउ अपावन गति धरें"—१/८२ छं०
१/२१० छं०, ६/७४/४, ७/८५ ख/-, ७/१२२/८

अपि : भी ।
"रिपु तेजसी अकेल अपि"—१/१७०/-
७/७८ क/-

अपुनीत : अपवित्र ।
"सुरसरि कोउ अपुनीत न कहई"—१/६८/७

अप्रतिहत : अपराजित ।
"अप्रतिहत गति होइहि तोरी"—७/१०८/१६

अप्रिय : अरुचिकर ।
"सुनि राजा अति अप्रिय बानो" —१/२०७/१

अबला : स्त्री ।
"अबला बिलोकहिं पुरुषमय"—१/८४ छं०
१/८६ छं०, १/८६/-, १/८६ छं०, ७/१०१/-
असहाय स्त्री ।
"जनि अबला जिमि करुना करहू"—२/३४/७
२/४७/-, २/४७/३, २/१२१/- २/२५६/२
माया ।
"अबला अबल सहज जड़ जाती"—७/१०१ छं०

अबलानन : स्त्री का मुख ।
"अबलानन दीख नहीं जब लौं"—७/१०० छं०

अबाधा : एकरस ।
"रघुपति महिमा अगुन अबाधा" —१/३६/२

अबुध : मूर्ख ।
"निपट निरंकुस अबुध असंकू" —१/२७३/२
४/१५/८, ७/२०/६

अभय : निर्भय ।
"अभय भई भरोस जियँ आवा"—१/१८६/८
१/२८३/५, ३/२१/५, ४/३/३, ४/१८/१, ४/२६/१०,
६/२०/-, ६/१०३/-, ७/२२/३

अभागी : अभागा।
"अग्य अकोबिद अंध अभागी"—१/११४/१
२/३५/८, २/४६/४, २/५०/२, २/५५/५, २/६८/३,
२/१६३/६, २/१८१/८, २/२००/५, ३/२२/३, ३/४४/३,
५/५२/५, ६/४४/६, ७/२२/८, ७/८८/४, ७/१०५/४,
७/१०८/७, ७/१२०/१५

अभाग्य : दुर्भाग्य ।
"मोर अभाग्य जिआवत ओही"—६/८८/६

अभिमत : मनोवांछित फल ।
"रामनाम कलि अभिमत दाता' —१/२६/६

१/३१/११, १/३०३/-, १/३२३ छं० २, २/३/-
इच्छित।
"अभिमत आसिष पाइ अनंदे"—२/२४१/२
२/२५५/७, २/२६७/-, २/३१८/३
मनोरथ।
"अभिमत बिरवँ परेउ जनु पानी"—२/४/५

अभिमान : घमण्ड।
"जड़ बिबेक अभिमान"—१/६८/-
३/२४/१, ४/८ छं० १, ४/२७/६, ५/२३/-, ६/१८/५, ६/३७/२, ६/११२ छं०, ७/७३/५, ७/१०१ छं०, ७/१०६ क/-
गर्व।
"अस अभिमान जाइ जनि भोरे"—३/११/२१

अभिमानी : घमण्डी।
"बाढ़हिं असुर अधम अभिमानी"—१/१२०/६
१/१५७/४, १/१८०/४, १/२४४/५, ४/७/१, ४/८/१०, ४/२७/३, ५/२३/२, ५/३६/१, ५/५६/३, ६/२३/११, ६/२५/१, ६/३२/८, ६/६१/८, ६/८२/२, ७/७७/६, ७/८६/२, ७/१०६/१, ७/१२०/२५

अभिराम : सुन्दर।
"सकल लोक अभिराम"—१/७५/-
७/८/७

अभिलाष : इच्छा।
"उर अभिलाष निरंतर होई"—१/१४३/३
१/१५१/५

अभिलाषी : इच्छुक।
"रही रानि दरसन अभिलाषी"—२/१७८/२
२/२४३/२

अभिषेक : गद्दीनशीनी।
"राम राज अभिषेक हित" – २/५/-
२/६/३, २/८/२, २/१५६/७, २/३०७/-, ७/६४/-

अभीष्ट : मनचाहा, इष्ट।
"अति अभीष्ट बर पाइ"—७/३५/-

अभेद : भेदरहित ।
"अकल अनीह अभेद"—१/५०/-
६/७८/१०

अभोगी : अभोक्ता ।
"अज अनवद्य अकाम अभोगी"—१/८८/३

अमर : देवता ।
"कहहु अमर आए केहि हेतू"—१/८७/७
१/१०१ छं०, २/१३३/१, २/२१३/५, २/२८४/७
अविनाशी ।
"अजर अमर सो जीति न जाई"—१/८१/७
१/१३०/३, ६/८८/४

अमरपति : इन्द्रलोक ।
"अंत अमरपति सदन सिधाए"—२/१६०/३
२/१७४/-
देवराज ।
"मनहुँ न आनिअ अमरपति"—२/२१८/-
२/३१६/-

अमरपद : देवताओं का पद ।
"अमिअ अमरपद माहुरु मीचू"—२/२८७/६

अमरपुर : स्वर्ग ।
"बिछुरत गमनु अमरपुर कीन्हा"—२/१७८/४
२/१७८/३, २/२७८/३
अमरावती ।
"जिमि बासव बस अमरपुर"—२/१४१/-

अमल : निर्मल ।
"सोइ गुन अमल अनूपम पाया"—१/४१/७
१/१७६/-, १/१७७/-, २/१५५/१, ३/४/३, ६/७८/८,
७/२२/८, ७/५६/-, ७/११०/५, ७/११६/२
निष्काम ।
"रति होउ अबिरल अमल"—२/७४ छं०

अमान : मानहीन ।
"अगुन अमान मातु पितु हीना"—१/६६/८
२/२१८/६, ६/३१ क/-, ६/११० छं०, ७/३३/५, ७/११३क/-

अभिमानरहित ।

"गुरु पद पंकज सेवा तीसरि भगति अमान"—३/३५/-

अमानी : मान न करनेवाला ।

"बालक सुत सम दास अमानी"—३/४२/८, ७/४५/६

मानरहित ।

"सबहि मानप्रद आपु अमानी"—७/३७/४

अमानुष : मनुष्य की शक्ति से बाहर ।

"सकल अमानुष करम तुम्हारे"—१/३५६/६

अमाया : निष्कपट ।

"पेमु नेमु ब्रत धरमु अमाया"—२/२१५/५

३/४५/४, ६/५८/६, ७/३७/३

अमित : अपरिमित ।

"दाइज अमित न सकइ कहि"—१/३३३/-

२/१३२/-, २/१६९/३, २/२६६/-, २/२७६/-, २/२८८/२, २/२९३/२, ३/४/६, ३/१७/७, ४/६/१३, ५/४४/५, ५/४७/-, ५/५३/८, ६/१/३, ६/२४/३, ६/६५/-, ६/१०१ छं०, ६/१०९ ख/-, ७/९०/७, ७/९२ क/-

असंख्य ।

"जन मन अमित नाम किए पावन" —१/२३/७

१/२४/-, १/३३/-, १/३४/२, १/४१/-, १/४५/२, १/५३/७, १/५४/-, १/५७/१, १/१०४/३, ६/७७/९, ६/९१/१४, ६/९५/३, ७/५/५, ७/१२छं०२, ७/९०/३, ७/९३/८

असीम ।

"समुझत अमित राम प्रभुताई"—१/११/१२

१/११०/८, १/१२०घ/-, १/१५३/३, १/१६२/६, १/१७९/६, १/१८०/२, १/१९८/७, १/२३४/७, १/२३५/-, ३/१०/२, ७/९०/८, ७/९१/२, ७/९१/५

अमिति : सीमाहीन ।

"महिमा अमिति बेद नहिं जाना"—७/४७/५

७/५९/४

अपार ।

"सुनि मैं नाथ अमिति सुख पावा" ७/५२/७

७/७०/७

अनगिनत ।
"एहि बिधि अमिति जुगति मन गुनऊ"—७/११२/११

अमृत : सुधा ।
"परिहरि अमृत लेहिं बिषु मागी" —२/४१/३

अमोघ : अचूक ।
"जिमि अमोघ रघुपति कर बाना" —५/०/८
५/१६/६, ६/१०८/६
निष्फल न जानेवाला ।
"मोर दरसु अमोघ जग माहीं"—५/४८/८

अमंगल : अशुभ ।
"मंगल भवन अमंगल हारी"—१/८/२
१/२५/१, १/६७/-, १/१११/४, २/८/५, २/२००/४
अनिष्ट ।
"सकल अमंगल मूल नसाहीं"—१/३१४/१
२/२६३/-

अय : लोहा ।
"अय इव जरत धरत पग धरनी"—१/२८७/५

अयन : धाम ।
"उमा रमन करुना अयन"—१/०४/-

अरति : अप्रीति ।
"भय भ्रम अरति उचाटू"—२/२८५/-

अरि : शत्रु ।
"उदासीन अरि मीत हित"—१/४/-
१/२६६/१, १/२७०/३, १/३२३छं०१, २/२/२, २/२०/२,
२/२५/३, २/१८२/-, ६/६७/१, ७/५०/२, ७/८०/७,
७/११८/७

अरुण : लाल ।
"अरुण नयन र जीव सुवेशं"—३/१०/७

अरूप : आकारहीन ।
"एक अनीह अरूप अनामा"—१/२३/३
निराकार ।
"अगुन अरूप अलख अज जोई"—१/११६/२

अर्क : मदार ।
"अर्क जवास पात बिनु भयऊ"—४/१४/३
६/६४/६

अर्ध : आधा ।
"अर्ध भाग कौसल्यहि दीन्हा"—१/१८८/२
४/५/३, ६/६०/२

अर्पित : अर्पण की हुई ।
"वासुदेव अर्पित नृप ग्यानी"—१/१५५/२

अर्भक : बच्चा ।
"गर्भन्ह के अर्भक दलन"—१/२७२/-

* **अलि**[1] : भौंरा ।
"सुकृत पुंज मंजुल अलि माला"—१/३६/७
१/२४२/६, २/२३३/७, २/२७८/३, ७/२२/४

अलीक : मिथ्या ।
"सुनेहि न श्रवन अलीक प्रलापी"—६/२४/८

अलौकिक : असामान्य ।
"अकथ अलौकिक तीरथराजू"—१/१/१३
१/११७/८, १/१५०/३, १/२३०/३, १/२६५/-, १/३१३/५, १/३१८/-,
विचित्र ।
"कथा अलौकिक सुनहि जे ग्यानी"—१/३२/४
दिव्य सच्चिदानंदमयी ।
"सकल अलौकिक सुन्दरताई"—१/३१५/४

अलंकृत : गहनों से सजे हुए ।
"सुंदर सकल अलंकृत सोहे"—१/२८८/६
१/३२५/४, १/३३०/३

अलंकृति : अलंकार ।
"आखर अरथ अलंकृति नाना"—१/८/९

---

* **अलि**[1] : वैदिक संस्कृत-काल में तथा लौकिक संस्कृत काल में 'अलि' शब्द कई प्रकार के अर्थों में प्रयुक्त होता था; जो प्रायः काला रंग रखते थे, जैसे बिच्छू, कौआ, कोयल आदि । कालान्तर में 'अलि' शब्द भौंरा अर्थ में ही सीमित हो गया । मानस में भी 'अलि' शब्द भौंरा अर्थ में ही आया है, अतः यह अर्थसंकोच की प्रवृत्ति ग्रहण कर गया ।

अलंपट : लिप्त न होनेवाला ।
''बिषय अलंपट सील गुनाकर''—७/३७/१

अल्प : छोटा ।
''रावन नगर अल्प कपि दहई''—६/२२/८

अल्पमृत्यु : छोटी अवस्था पर मृत्यु ।
''अल्पमृत्यु नहिं कवनिउ पीरा''—७/२०/५

अवतार : जन्म लेना ।
''सुनहु राम अवतार चरित''—१/१२०ग/-
१/१२०/२, १/१२०/४, १/१३९/-, १/१४०/८, १/१९२/-, १/२९७/-, ४/१/-, ६/११०छं०, ७/१२छं०१, ७/५७/८, ७/६३/९

अवतंस : आभूषण ।
''हंस बंस अवतंस''—२/९/-

अवधि : सीमा ।
''महिमा अवधि राम पितु माता''—१/१५/८
१/३०९/-, १/३०९/-, १/३२३छं०२, १/३५८/२, २/२७/७, २/३६/४, २/५१/८, २/५६/२, २/६६/-, २/८५/८, २/१०६/७, २/१०६/७, २/१४४/४, २/१५५/६, २/२११/४, २/२७२/६, २/२८१/८, २/२८८/६, २/३०५/६, २/३०६/८ २/३१२/८, २/३१३/- २/३१४/६, २/३१६/१, २/३२२/-, २/३२४/५, ४/२१/८ ४/२५/१, ६/११६ग/-, ७/०१/-, ७/०/१, ७/०/८

अवनि : पृथ्वी ।
''सकल अवनि मंडल तेहि काला''—१/१५३/८
१/२४३/५, २/५८/५, २/१६३/१, २/२५१/६, २/२८६/४, २/३०७/४, २/३१२/३, ५/११/८, ६/६४/९, ६/८०/६, ६/१२०/११

अवलंब : सहारा ।
''नतरु निपट अवलंब बिहीना—२/९५/८
२/३०६/८, २/३१५/८, ३/१५/३,
आधार ।
''अवलंब भवंत कथा जिनकें''—७/१३छं० ६

अवलंबन : आधार ।

"राम नाम अवलंबन एकू"—१/२६/७

अवसर : समय ।

"तेहि अवसर भंजन महिभारा"—१/४७/७

१/८३छं०, १/८६छं०, १/८७/-, १/१३१/-, १/१३१/२, १/१८४/४, १/१८८/८, १/१६०/५, १/२१४/४, १/२२७/२, १/२३२/-, १/२४०/१, १/३२२/८, १/३३४/-, १/३३७/७, १/३४४/१, २/७/-, २/१०/-, २/२८/-, २/४४/५, २/८१/-, २/१०८/७, २/१२०/६, २/१४३/६, २/१५२/१, २/१६२/२, २/१६८/-, २/२२५छं०, २/२३३/७, २/२४१/८, २/२४४/६, २/२४५/८, २/२५६/७, २/२६८/४, २/२७८/-, २/२७८/४, २/२८१/७, २/३०४/४, २/३०४/७, २/३१४/-, २/३२०/६, ३/१८छं०, ४/१८/८, ५/८/२, ५/२५/-, ५/२५/३, ५/३७/२, ६/४८/६, ६/७१/६, ६/१११/१, ७/११ग/-, ७/५०/-

मौका ।

"तेहि अवसर सुनि सिवधनु भंगा"—१/२६७/२

३/४/१५

अवस्था : दशा।

"जनु जीव उर चारिउ अवस्था" – १/३२५ छं०४

७/११७ग/-

असज्जन : दुष्ट ।

"बंदउँ संत असज्जन चरना"—१/४/३

असत्य : मिथ्या ।

"जदपि असत्य देत दुख अहई" –१/११७/१

२/१८/५, २/२७/५

असम : जो सम न हो ।

"असम सम सीतल सदा" —३/३१ छं०४

असमय : कुसमय ।

"आपन अति असमय अनुमानी"— १/१५७/३

असमंजस : दुविधा ।

"बना आइ असमंजस आजू" – १/१६६/५

१/२२२/३, २/८४/५, २/२६३/५, २/२६६/२, २/२७०/६, २/२६१/-
असामंजस्य ।
"असमंजस अस मोहि अँदेसा"—१/१३/१०
१/८२/४
अड़चन ।
"बर दूसर असमंजस मागा"—२/३१/४

असाधु : दुष्ट ।
"साधु असाधु सुजाति कुजाती"—१/५/५
१/६/१०

असि : तलवार ।
"सूल कुलिस असि अँगवनिहारे"—२/२४/४
५/६/-, ५/६/४, ७/११छं०१, ७/१२०ख/-

असिधारा : तलवार की धार ।
"त्रिय चढ़िहहिं पतिब्रत असिधारा"—१/६६/६

* **असुर**[1] : दैत्य ।
"खग मृग सुर नर असुर समेते"—१/१७/३
१/३०/६, १/३३/७, १/८१/५, १/८६/७, १/१२०/६, १/१२१/-, १/१२१/५, १/१३६/-, १/१७४/३, १/१८२/४, १/२०६/६, १/२०६/६, १/२१६/-, १/२१६/६, १/२४०/७, १/२६०छं०, ३/६/६, ३/१८/३, ३/२२/१, ३/२७/-, ३/२७/८, ५/२१/६, ६/६/२, ७/८६/६

असुराधिप : दैत्यराज, बाली ।
"परम सती असुराधिप नारी"—१/१२२/७

अस्त : डूबा हुआ ।
"आसन दीन्ह अस्त रवि जानी"—१/१५८/२
७/६क/-
अस्ताचल नाम का पर्वत ।
"उदय अस्त गिरि अरु कैलासू"—२/१३७/६

---

* **असुर**[1] : वैदिक काल में यह 'असुर' शब्द उत्कृष्ट अर्थ देता था। लौकिक संस्कृत में उसके अर्थ का अपकर्ष हो गया और अर्थ हो गया 'दानव'। 'मानस' में भी यह 'असुर' शब्द दैत्य अर्थ में ही प्रयुक्त हुआ है।

अस्त्र : हथियार ।

"अस्त्र शस्त्र सबु साजु बनाई"—१/२८८/८

३/१८क/-, ५/१६/-, ६/१३/१, ६/५०/६, ६/५२/२, ६/७२/१, ६/८१/३

अस्थि : हड्डी ।

"कुलिस अस्थि तें उपल तें"—२/१७६/-

३/६/६, ४/६/१२, ६/१४/७

असंभावना : जिसका होना संभव नहीं ।

"दारुन असंभावना बीती"—१/११८/८

अहह : अहो ।

"अहह तात दारुनि हठ ठानी"—१/२५७/२

२/१४३/६, ५/१३/७, ६/३६/६, ६/५८/३, ६/६२/४, ६/१०४/-, ७/०/३

अहि : सर्प ।

"अहि गिरि गज सिर सोह न तैसी"—१/१०/१

१/६८/५, १/८१/१, १/१६१ख/-, १/२५८/१, १/२६०छं०, १/३२४/८, २/११७/-, २/१३५/५, २/१८३/८, ३/२१क/-, ३/४२/६, ४/६/८, ५/३६/-, ६/२५/७, ६/८५छं०, ७/३८/८, ७/१०५/६, ७/१२०/१८

अहित : वैरी ।

"भे अति अहित रामु तेउ तोही"—२/१६२/७

हानि ।

"अहित न होइ तुम्हार"—५/४०/-

अहीर : ग्वाला ।

"निर्मल मन अहीर निज दासा"—७/११६/१२

अहो : आश्चर्यजनक अव्यय ।

"अहो धन्य तव जन्म मुनीसा"—१/१०३/४

१/२७२/१, ६/१५/१

अहंकार : गर्व ।

"अहंकार सिव बुद्धि अज"—६/१५क/-

अभिमान ।

"अहंकार अति दुखद डमरुआ"—७/१२१/३५

अहिंसा : किसी को पीड़ा न पहुँचाना।
"परम धर्म श्रुति बिदित अहिंसा"—७/१२०/२२

आकृति : रूप।
"कपि आकृति तुम्ह कीन्हि हमारी" —१/१३६/७

आगम : शास्त्र।
"आगम निगम पुरान"—१/१२/-
१/५०छं०, १/१०२/८, २/९४/५, २/२३७/-, ७/११८/३
वेद।
"आगम निगम प्रसिद्ध पुराना"—२/२९२/७
तंत्र।
"आगम निगम पुरान अनेका"—७/४८/३

आगमन : आना।
"मुनि आगमन सुना जब राजा"—१/२०६/१
१/२०६/८, १/२३८/-, २/४३/-

आगार : लोक।
"गये ब्रह्म आगार"—७/१३क/-
७/७०क/-, ७/१०२क/-
भवन।
"जासु हृदय आगार"—१/१७/-
६/८६/-

आचार : आचरण।
"नेम धर्म आचार तप"—७/१२१ख/-

आचारी : आचरणवाला।
"जो कर दंभ सो बड़ आचारी"—७/९७/५

आजन्म : जन्म से ही।
"आजन्म ते परद्रोह रत"—६/१०३ छं०

आतप : धूप।
"पंथ कथा खर आतप पवनू"—१/४१/४
२/१४६/७, ४/०/९, ६/११० छं०, ७/६८/३
गर्मी।
"हिम आतप बरषा बात"—२/२११/-
६/६०/४

आतुर : शीघ्रता।

"देखि रामु आतुर चलि आए"—३/२/५

३/८/३, ३/१८/७, ३/२८/-, ६/५६/८, ६/५८/२, ६/८३/८, ६/८३ छं०, ६/११८/६, ७/८७/७

दु:खी।

"आतुर समय गहेसि पद जाई"—३/१/११

रोगी।

"रोवहिं बालक आतुर नारी"—६/४१/४

घबराया हुआ।

"भय आतुर कपि भागन लागे"—६/४२/१

आदर : सम्मान।

"सैलराज बड़ आदर कीन्हा"—१/६५/६

१/३२५छं०१, १/३५१/४, २/१०७/३, २/२७६/४, ७/१२ग/-, ७/४७/२, ७/६२/२

प्रेम।

"आदर दान बिनय बहुमाना"—१/१०२/२

१/२०७/९, १/३२८/८, २/७९/३, ६/३७/४

गौर से।

"तात बचन मम सुनु अति आदर"—६/८/७

उत्सुकता।

"अति आदर सब कपि पहुँचाए"—७/१८/६

आदि : इत्यादि।

"ब्यास आदि कबि पुंगव नाना"—१/१३/२

१/९१/७, २/१३१/७, ३/१५/१२, ५/८/४, ६/१०५/-, ७/५६/२, ७/११३/३

प्रारम्भ।

"आदि अंत कोउ जासु न पावा"—१/११७/४

१/१६२/-, १/२३४/७, ७/६०/६, ७/९०/५

आदिक : आदि।

"बालदेव आदिक रिषय"—१/३२०/-

२/१३७/७, ६/३३/११, ६/६१/१२

आधार : आश्रय।

"सकल जगत आधार"—१/१९७/-

आनन : मुँह ।
"आनन रहित सकल रस भोगी"—१/११८/६
१/१६८/७, २/२५/४, ५/१/१०, ५/४४/५, ६/१४/६, ६/७०छं०, ६/१०२/६, ७/७६/२

आनंद : हर्ष ।
"भयउ हृदयँ आनंद उछाहू"—१/३८/१०
१/१६६/५, १/२६४/४, १/२६४/८, १/३०५/-, १/३१७छं०, १/३२०छं०, २/१०/-, २/४०/५, २/१००/७, २/१०७/१, ३/३६/६, ७/५६/१०

आपद : विपत्ति ।
"आपद काल परिखिअहिं चारी"—३/४/७

आभीर : जाति-विशेष ।
"आभीर जमन किरात खस"—७/१२६छं०१

आमलक : आँवला ।
"करतल गत आमलक समाना"—१/२६/७

आमिष : माँस ।
"बिबिध मृगन्ह कर आमिष राँधा"—१/१७२/३
३/३२/२

आयत : विशाल ।
"उर आयत उर भूषन राजे"—१/३२६/६
३/३१छं०१, ५/४४/५, ७/७६/-

आयुध : शस्त्र ।
"गिरि तरु नख आयुध सब बीरा"—१/१८८/४
१/१६१छं०, १/२०६/-, ३/१६ख/-, ३/१६छं०, ५/३४/६, ६/४२/-, ६/५०/६, ६/७७छं०, ६/८२/४

आराति : शत्रु ।
"जानि सबल आराति"—३/१६क/-

आलि : सखी ।
"नाहिन आलि इहाँ संदेहू"—१/२२१/६
१/२३३/१

आली : सखी ।

"एक कहइ नृपसुत तेइ आली"—१/२२८/४

१/२३३/६, २/१४/४, २/२२/३, २/२२१/२

आवाहन : मंत्र आदि के माध्यम से बुलावा ।

"तीरथ आवाहन सुरसरि जस"—२/२४७/३

आश्रम : कुटी ।

"भरद्वाज आश्रम अति पावन"—१/४३/६

१/४४/१, १/१२४/२, १/१५१/७, १/१५७/१, १/१५८/१, १/२०५/२, १/२०८/-, १/२०८/११, २/१०७/६, २/१२३/५, २/२२३/२, २/२२५छं०/-, २/२३४/१, २/२४५/-, २/२७५/-, २/२७५/६, ३/२/४, ३/२/७, ३/१०/-, ३/११/२, ३/११/५, ३/२८/३, ३/२८/५, ३/२८/६, ३/३३/५, ५/५६/१२, ६/२/५, ६/५६/२, ७/६३/२, ७/८१/२, ७/८४ख/-, ७/८७/१, ७/१०८/१०, ७/११३ख/-, ७/११३/८, ७/११३/१४

स्थान ।

'तब मुनि आश्रम दिए सुहाए"—२/१२४/४

२/१३१/२, २/२१५/-

आश्रित : अधीन ।

"एहि बिधि जग हरि आश्रित रहई"—१/११७/१

२/२३४/८, ४/८/१०, ७/१२छं०५

आसन[१] : वह वस्तु जिस पर बैठा जाये ।

"अति पुनीत आसन बैठारे '—१/४४/५

१/८८/१, १/१२७/५, १/१३२/५, १/१५८/२, १/१६८/२, १/२०६/२, १/२३८/८, १/३१८/८, १/३१८छं०, १/३२०/-, १/३२०/४, १/३२०छं०, १/३२४/१०, १/३२७/७, २/१०६/१, २/१४७/५, २/२१४/३, २/२८०/४, ३/३/-, ३/११/११, ३/३३/१०, ५/३७/३, ६/१०/४

आसन[१] : प्रारम्भ में 'आसन' शब्द का अर्थ 'बैठक' भाववाची था । आगे चलकर 'आसन' उस वस्तु के प्रति प्रयुक्त होने लगा जिस पर बैठा जाता है । इस प्रकार 'आसन' के अर्थविकास की धारा अमूर्त से मूर्तीकरण की ओर अग्रसर हुई है ।

आसीन : विराजमान ।

"प्रभु आसन आसीन—३/३/-

४/१२/६, ६/१०/४, ६/११क/–, ७/११०ख/–

आहार : भोजन ।

"बरष षट सहस्र बारि आहार"—१/१४४/–

आहुति : सामग्री अग्नि में डालना ।

"भगति सहित मुनि आहुति दीन्हें"—१/१८८/६

१/२७६/–, १/२८२/२, १/३२३/–, २/३२/४, २/१६२/३

बलि ।

"आहुति देत रुधिर अरु भैंसा"—६/७५/१

इच्छा : रुचि ।

"हरि इच्छा भावी बलवाना"—१/५५/६

१/८७/४, १/१२७/–, १/१३७/३, १/१८२/–, ३/३८ख/–,
५/४७/६, ५/४८/८, ६/५२/४, ७/८५/५, ७/११३/४

इच्छित : वांछित ।

"इच्छित फल बिनु सिव अवराधें"—१/६८/८

इति : यह ।

"इति बेद बदंति न दंतकथा"—६/११०छं०

७/१०८/२, ७/१०८क/–, ७/११७/१

इव : तरह ।

"प्रिय तनु तृन इव परिहरेउ"—१/१६/–

१/१६/४, १/४८/७, १/५०/२, १/५७/४ १/११६/८,
१/११८/४, १/१२४/८, १/१४७/७, १/१५८/७, १/२१६/४,
१/२३१/-, १/२४१/५, १/२५२/४, १/२८७/५, ३/८/२१,
३/११/-, ३/३६/२, ४/६/२४, ४/१५/८, ५/५६ख/-,
६/१/१, ६/२२ख/–, ६/२४/६, ६/६८/- ६/७२/१२,
६/७४/१२, ६/८८/५, ७/२८/३, ७/७१/२, ७/७७/२,
७/१०६/७, ७/११०/६, ७/१११/१४, ७/१२०/१७, ७/१२०/१८
७/१२८/६.

जैसी ।

"प्राकृत सिसु इव लीला"—७/७७ख/–

इष्ट : इष्टदेवता ।

"कुल इष्ट सरिस बसिष्ट पूजे"—१/३१८/–

इष्टदेव : आराध्यदेव ।
"सोइ मम इष्टदेव रघुबीरा"—१/५०/८
१/२४१/५, ६/७१/८, ७/७४/५,
कुलदेवता ।
'निज कुल इष्टदेव भगवाना'—१/२००/२

इंदिरा : लक्ष्मी ।
"सती बिधात्री इंदिरा"—१/५४/-
३/३ छं०, ६/१०८ छं०२, ७/३३/४

इंदु : चन्द्रमा ।
"कुंद इंदु सम देंह"—१/०४/-
१/१०५/६, १/१८४/६, १/१८७/७, ३/११/-, ३/१२/-
४/१६/७, ६/११/८, ७/१०७ छं०६, ७/१२०/२१

इंद्रधनुष : इंद्र का धनुष ।
"जनु इंद्रधनुष अनेक की"—६/१००छं.१

इंद्रिय : शरीर के ज्ञान और कर्मसाधन ।
"जिमि इंद्रिय गन उपजें ग्याना"—४/१४/१२

ईति : राजा की चढ़ाई आदि ।
"ईति भीति जनु प्रजा दुखारी"—२/२३४/३
२/२५२/१

उक्ति : कथन ।
"बक्र उक्ति धनु बचन सर"—६/२३३/-

उग्र : कठोर ।
"उग्र साप मुनिबर कर रहहू"—१/१७६/१
३/१२/१६, ६/४१/८, ६/६८/१२

उचित : ठीक ।
"जो कछु उचित रहा सोइ कीन्हा"—१/५८/३
१/६४/८, १/७६/१, १/८८/१, १/२२१/५, २/८८/६,
२/१७४/-, २/१७५/-, २/१७६/-, २/१७६/२, २/१७६/४,
२/१८०/८, २/२०२/७, २/२०७/-, २/२२८/२, २/२३०/३,
२/२४५/१, २/२४७/८, २/२६२/४, २/२६७/७, २/२७०/५,
२/२७७/६, २/२८४/२, २/२८८/६, ३/२/-, ४/२९/१०,
५/३६/८, ७/३८/४

योग्य ।

"उचित असीस सब काहूँ दई"—१/१०१ छं०

१/२३८/८, १/२८५/६, १/३२०/४, १/३२७/७, २/८/६, २/१७/७, २/४२/६, २/५५/४, २/६६/८, २/८८/-

उच्च : ऊँचा ।

"सिंहासन अति उच्च मनोहर"—६/११८/४

उत्तम : सबसे अच्छा ।

"उत्तम मध्यम नीच लघु"—१/२४०/-

३/४/१२, ६/१/३, ६/१८/३

उत्तर : उत्तर दिशा ।

"उत्तर दिसिहि बिमान चलायो"—६/११८/२

७/३/५, ७/२८/-, ७/५५/७, ७/६१/२, ७/१११/१३

जवाब ।

"देत उचित उत्तर सबहिं"—२/१७६/-

७/११०/१४

उस पार ।

"एहि सर मम उत्तर तट बासी"—५/५५/७

उत्सव : जल्सा ।

"पिता भवन उत्सव परम"—१/६१/-

१/८८/१

आनन्दजनक कार्य ।

"घर घर उत्सव बाज बधावा"—१/१७१/५

उदधि : समुद्र ।

"उभय अपार उदधि अवगाहा"—१/५/१

१/३१/६, १/३५/३, २/४१/७, २/२००/५, २/२६०/५, २/२६८/६, २/२७५/६, ५/५७/६, ६/५/-, ६/१४/८

उदय : उन्नति ।

"उदय केत सम हित सबही के"—१/३/६

७/१२०/२०, ७/१२०/२१

निकलना ।

"रबि निज उदय ब्याज रघुराया"—१/२३८/५

१/२४४/१

उदयाचल पर्वत।
"उदय अस्त गिरि अरु कैलासू"—२/१३७/६

उदर : पेट।
"उदर रेख बर तीनि"—१/१४७/-
१/१९८/४, ४/२६/४, ६/१४/८, ६/८०/६, ६/९८ छं०,
७/७६/-, ७/७९/३, ७/८१/५, ७/९८/८

उदार : श्रेष्ठ।
"सो संबाद उदार जिहि बिधि भा आगें कहब"—१/१२०ग/-
१/१९७/-, ५/३४छं०२, ६/३८ ख, ६/११०छं०, ६/११२छं०,
६/११४छं०, ६/११५/-, ७/१३ क/-, ७/२१/७ ७/२५/-,
७/८३/८
दानी पुरुष।
"जनु उदार गृह जाचक भीरा"—३/३९/८
३/४१/१, ७/१००छं०
कृपा से भरा।
"मम संदेसु उदार"—५/५२/-

उदास : सुख-दुःख में तटस्थ।
"एक उदास भायँ सुनि रहहीं"—२/४७/६

उदासीन : तटस्थ।
"उदासीन अरि मीत हित"—१/४/-
१/६६/८, २/३०४/२, ७/१०५/१५
विरक्त।
"उदासीन धनु धामु न जाया"—१/९६/३
निष्पक्ष।
"उदासीन तापस बन रहहीं"—२/२०९/३

उदित : उगा हुआ।
"उदित उदयगिरि मंच पर" – १/२५४/-
२/३७/-, २/२०८/२, २/३०३/-, ४/१५/३; ६/११ख/-,
७/३०/१

उद्यम : धंधा।
"जस सुराज खल उद्यम गयऊ"—४/१४/३
उद्योग।

"बिफल होहिं सब उद्यम ताके"—६/९१/४

उपकार : भलाई ।
"प्रति उपकार करौं का तोरा"—५/३१/६
७/१२०/१४

उपकारी : भलाई करने वाला ।
"तुम्ह समान नहिं कोउ उपकारी"—१/१११/६
३/४०/-, ४/१४/५, ५/३१/५, ७/२१/७, ७/४६/५,
७/१०८/५

उपचार : इलाज ।
"कहहु काह उपचार"—२/१९०/-
२/२२८/७
उपाय ।
"किए कोटि उपचार"—२/१०७/-

उपद्रव : उत्पात ।
"करहिं उपद्रव असुर निकाया"—१/१८२/४
१/२०५/४

उपधान : तकिया ।
"बिबिध बसन उपधान तुराई"—२/९०/१

उपपातक : छोटा पाप ।
"जे पातक उपपातक अहहीं"—२/१६६/७

उपमा : समता ।
"उपमा कहुँ त्रिभुवन कोउ नाहीं"—१/३१०/८
१/३१० छं०, १/३१९/२, १/३१९/३, १/३२४/२, १/३४८/७,
२/१२२/४, ७/४छं०१, ७/९१छं०
तुलना ।
"उपमा बीचि बिलास मनोरम"—१/३६/३
१/२२९/८, १/२४२/१, १/२४६/२, १/२४६/३

उपल : पत्थर ।
"उपल किए जलजान जेहिं"—१/२८क/-
१/२१०/-, २/१७९/- ६/२/८, ६/२५/७, ६/५१/३
६/७४ख/-, ६/८१/२
ओला ।

"जिमि हिम उपल कृषी दलि गरहीं"—१/३/७
१/११५/३, ६/१२/२, ७/१२०/१६

उपवास[1] : व्रत ।
"करत नेम उपवास"—२/३२२/-

उपहार : भेंट ।
"दधि चिउरा उपहार अपारा"—१/३०४/६
"मजाक ।
"खल करिहहिं उपहास"—१/२८/-
"१/२८ब/-
निन्दा ।
"राम सहत उपहास"—१/१३५/३
युक्ति ।
"अवसि उपाय करबि मैं सोई"—१/१२६/६
१/१६७/८, २/४६छं०, २/७७/१, २/८१/६, २/३१३/-, ३/२०क/-, ५/५०/-, ६/२३च/-, ६/७६/१२, ७/१०२/३, ७/११६/१२

उपासक : आराधक ।
"रघुपति चरन उपासक जेते"—१/१७/३
४/२६/-, ५/४८/- ६/१०४/४, ७/१२६/३

उपासन : पूजा ।
"सगुन उपासन कहहु मुनीसा"—७/११०/८

उभय : दोनों ।
"दुखप्रद उभय बीच कछु बरना"—१/४/३
१/५/१, १/२०/८, १/२२/५, १/८५/१, १/३२० छं०, २/३४/४, २/१२२/२, ३/६/३, ३/२५/५, ४/४/-, ५/४४/-, ६/६/१, ७/३८/-, ७/४१/-, ७/६६/७, ७/११४/१३

उपवास[1] : आदिकाल में 'उपवास' शब्द उपासना का समकक्षी था ।'उपवास' शब्द के मूल में 'उप' उपसर्ग और 'वस्' धातु है । शतपथ-ब्राह्मण में 'उपवास' शब्द ब्रह्म के निकट बैठने के अर्थ में आया है । मूलतः 'उपवास' ध्यानयोग का शब्द था । कालान्तर में यह निराहार या अनाहार के लिए प्रयुक्त होने लगा । मानस में यह निराहार अर्थ में ही आया है । इसमें अर्थादेश हो गया ।

दो ।
"उभय भाग आधे कर कीन्हा"—१/१८८/२
१/१८८/३, ४/२८/, ७/८१/८
युगल ।
"उभय बेष धरि की सोइ आवा"—१/२१५/२

उर : हृदय ।
"करउ सो मम उर धाम"—१/०३/-
१/-/६, १/११/-, १/३२/८, १/३४/-, १/३८/२,
१/४५/-, १/४८ख/-, १/४८/८, १/५१/-, १/५३/२,
१/५५/७, १/५७/४, १/५८/१, १/६१/७, १/६२/५,
१/६३/७, १/६७/८, १/७०/६, १/७१/७, १/७३/१,
१/७४/२, १/७६/६, १/७६/७, १/८६/३, १/१०१/८,
१/१०४/६, १/१०५/४, १/११०/८, १/११८/२, १/११८/६,
१/१३०/५, १/१३७/८, १/१४३/३, १/१४४/७, १/१४६/६,
१/१४८/६, १/१५१/७, १/२१६/५, १/२२५/७, १/२२५/८,
१/२३१/७, १/२३३/८, १/२३४/१, १/२३५/३, १/२४१/७,
१/२४५/४, १/२४८/-, १/२४८/५, १/२५७/५, १/२५८/३,
१/२५८/५, १/२६४/-, १/२६८/६, १/२८०/-, १/२८१/४,
१/२८८/५ १/३००/-, १/३०४/७, १/३०६/६, १/३०७/२,
१/३०७/३, १/३०७/५, १/३०७/७ १/३११/१, १/३२२/४,
१/३२२छं.१, १/३२२छं.४, १/३३४/७, १/३३५/२, १/३३६/५,
१/३३७/६, १/३३७/८, १/३३८/३, १/३५०/५, १/३५१/८,
१/३५२/१, १/३५२/२, १/३५३/५, १/३५७/४, १/३५८/१,
१/३५८/८, २/१/-, २/२/-, २/१२/२, २/१३/-,
२/१३/३, २/१८/१, २/२१/१, २/३६/३, २/३८/४,
२/३८/८, २/४३/३, २/४८/२, २/४८/१, २/५१/-,
२/५१/२, २/५३/१, २/५४/१, २/५६/७, २/५६/८,
२/६३/-, २/६३/४, २/६५/८, २/६८/७, २/७१/६,
२/७२/-, २/७६/-, २/७६/१, २/७७/३, २/८८/४,
२/१०३/२, २/१०५/७, २/१०६/-, २/११०/१, २/११३/८,
२/११५/-, २/१२३/१, २/१२६/४. २/१३०/४, २/१३०/६,
२/१३०/८, २/१३३/७, २/१४०/७, २/१४२/४, २/१४४/४,
२/१४८/१, २/१४८/६, २/१५२/५, २/१५३/४, २/१६४/-,

२/१७५छं०, २/१८१/६, २/१८६/१, २/१८८/६, २/२०१/१, २/२०५/५, २/२१०/३, २/२१५/७, २/२४०/-, २/२४१/१, २/२४१/६, २/२४२/४, २/२४४/५, २/२४५/७, २/२५५/-, २/२५७/-, २/२६०/३, २/१६१/६, २/२६२/७, २/२६५/६, २/२८१/७, २/२८५/४, २/२८५/५, २/२८६/६, २/२८८/४, २/२९८/६, २/३१६/-, ३/२/६, ३/९/२२, ३/१०/८, ३/१०/१९, ३/१०/२२, ३/११/१०, ३/१८/१४, ३/१८छं०, ३/१९छं०, ३/१९छं०, ३/१९छं०, ३/१९ छं०, ३/२०/२, ३/२९ख/-, ३/३१छं०४, ३/३३/७, ३/३६/९, ३/४०/१०, ३/४२क/-, ४/२/५, ४/२/६, ४/४/६, ४/२२/४, ४/२५/-, ५/१४/१०, ५/२२/१, ५/३३/४, ५/३६/५, ५/३९/२, ५/३९/५, ५/३९/७, ५/३१/८, ५/४६/२, ५/४७/७, ५/४८/५, ५/४८/६, ५/४९/३, ५/५६/६, ५/५७/६, ५/५९/३, ६/०/८, ६/९/३, ६/११/६, ६/११/८, ६/११/९, ६/१२ब/-, ६/१३/६, ६/१६/३, ६/१७/१, ६/१७/२, ६/१८/८, ६/२०/८, ६/२१/२, ६/२८/८, ६/३७/९, ६/४०/३, ६/४३/१, ६/५२/१, ६/५३/७, ६/५५/१, ६/५८/३, ६/५९/-, ६/६०क/-, ६/६०/२, ६/६०/२, ६/६०/१३, ६/६७/५, ६/७४/१२, ६/७५/१६, ६/७६/७, ६/८०छं०२, ६/८२/७, ६/८२ छं०, ६/८५छं०, ६/८८/१, ६/८९/२, ६/९०छं०, ६/९३/८, ६/९७छं०, ६/९८/२, ६/९८/१२, ६/९८/१३, ६/९८छं०, ६/९९/५, ६/१००छं०१ह, ६/१०१/१०, ६/१०३/४, ६/१०६/८, ६/१०८/७, ६/११४छं०, ६/११८क/-, ६/१२०/१२, ६/१२०छं०, ७/९६/३, ७/९६/७, ७/१०६ख/-, ७/१०७क/-, ७/१०८/१०, ७/१०९क/-, ७/१०९/१३, ७/१०९/१६, ७/११२/१, ७/११२/१३, ७/११२/१६, ७/११३/१४, ७/११४/६, ७/११५/६, ७/११७/४, ७/११७/१३, ७/११९/२, ७/११९/६, ७/११९/९, ७/१२१/९, ७/१२१/११, ७/१२९छं० २

छाती।

"गरल कंठ उर नर सिर माला"—१/९१/४

१/१९८/६, १/२०८/१, १/२१८/५, १/२३२/७, १/२६७/७, १/३२६/६, १/३३३/७, २/१९३/-, २/१९३/६, ५/४४/५,

६/२४/४, ६/२४/५, ६/७५/६ ६/८३ छं०, ६/८७/७, ६/८७/१५, ७/४/७, ७/६/५, ७/८/५, ७/११ छं० २, ७/१८क/-, ७/१८ख/-, ७/१८/५, ७/३१/-, ७/३७/७, ७/४२/३, ७/८२/७, ७/८३/८, ७/८४/६, ७/८७/७, ७/८२/२, ७/८५/४

मन ।

"उर उपजा संदेहु बिसेषी"—१/४८/५

१/८५/४, १/१०१/४, १/१०८/२, १/११८/६, १/१२८/४, १/१४८/३, १/१५७/५, १/१८१/छं०, १/३१६/५, १/३१८/३, ६/१५/२, ६/२४/६, ७/५६/१०, ७/५८/७, ७/७१/७, ७/७६/-

गला ।

"मेलिहि सीय राम उर माला"—१/२४४/३

१/२६३/८

कलेजा ।

"बंधु सीस पुनि पुनि उर धरई"—६/७१/४

उरग : साँप ।

"जिमि अंकुस धनु उरग बिलाई"—३/२३/७

५/१४/४, ५/४८/६, ५/५७/७, ६/४६/८, ६/८१ छं०, ७/५७/६

उरगारि : गरुड़ ।

"सुनि उरगारि बचन सुख माना"— ७/११४/१२

७/११८क/-

उलूक : उल्लू ।

"कपटी भूप उलूक लुकाने"—१/२५४/२

२/२८१/-, ३/४३/७, ५/४६/३, ६/७७छं०, ७/३०/४, ७/१२०/२६

एक : दो का आधा ।

"बिछुरत एक प्रान हरि लेही"—१/४/४

१/४/४, १/४/५, १/४/६, १/८/-, १/८/११, १/८/-, १/१२/३, १/१४/२, १/२३/३, १/४४/३, १/३४/७, १/४५/७, १/४७/१, १/५३/७, १/६२/२, १/६७/२, १/६८/१, १/८२/४, १/८७/७, १/१०५/४,

१/११३/७, १/११६/५, १/११६/५, १/१२१/२, १/१२२/३,
१/२२१/७, १/१२२/२, १/१२२/४, १/१२२/५, १/१२३/३,
१/१२३/५, १/१२३/५, १/१२४/१, १/१२७/३, १/१३६/–,
१/१४४/१, १/१४८/३, १/१५०/४, १/१५२/२, १/१५५/–,
१/१५५/–, १/१५५/३, १/१५७/१, १/१६४/१, १/१६६/२,
१/१६६/२, १/१६८/३, १/१७७/५, १/१७८/८, १/१८०/–,
१/१८०/२, १/१८०/७, १/१८३/५, १/१८४/४, १/१८८/१,
१/१६४/८. १/१६५/३, १/२००/१, १/२०७/४, १/२०६/६,
१/२०६/११, १/२१३/५, १/२२१/१, १/२२७/७, १/२२८/४,
१/२३३/१, १/२३३/६, १/२४४/–, १/२४४/७, १/२६४/७,
१/२७०/१, १/२८४/५, १/२६१/४, १/३००/८, १/३०३/–,
१/३१०/५, १/३२०/४, १/३२४/१०, १/३२४छं०१, १/३२४छं०४,
१/३२८/४, १/३२८/४ १/३२८/५, १/३२८/५, १/३४१/४,
२/१/१, २/३/४, २/६/५. २/२३/–, २/२३/–,
२/२८/१, २/३४/५, २/४१/५, २/४७/२, २/४७/४,
२/४७/५, २/४७/५, २/४७/६, २/४७/६, २/४७/७,
२/४८/१, २/७१/६, २/८२/६, २/८५/४, २/८८/३,
२/१००/३, २/१०६/७, २/११३/६, २/११३/७, २/११३/८,
२/१३२/८, २/१३२/८, २/१५७/३, २/१८८/–, २/१८८/–,
२/१६०/२, २/१६०/६, २/२०१/५, २/२२१/१, २/२२१/१,
२/२२६/२, २/२२८/३, २/२३५/,४ २/२४३/४, २/२५४/५,
२/२५४/५, २/२५५/२, २/२६७/७, २/२६८/८, २/३०१/७,
२/३०१/७, २/३०५/४, ३/०/३, ३/४/१०, ३/६/८,
३/१३/५, ३/१४/५, ३/१४/६, ३/१६/४, ३/१८/१०,
३/२१/८, ६/२८/१, ३/२८/२०, ३/३७/१२, ३/३६ख/–,
३/४१/२, ३/४१/७, ४/४/३, ४/५/६. ४/१५/१०,
४/१७/२, ४/२१/३, ४/२३/१, ४/२३/१. ४/२३/५,
४/२४/–, ४/२५/८, ४/२७/५, ५/०/५, ५/२/१,
५/२/८, ५/२छं०२, ५/२छं० ३, ५/३/२, ५/३/४;
५/४/–, ५/४/८, ५/७/८, ५/८/५, ५/१७/३,
५/१८/५, ५/१८/८, ५/२५/६, ५/२५/६, ५/३०/५,
५/३७/७, ५/५०/४, ५/५५/२, ६/०/८, ६/३/६,
६/८/२, ६/१०/२, ६/१७/७, ६/१७/७, ६/१८/१,
६/२२/५, ६/२३च/–, ६/२३/१३, ६/२३/१५, ६/२४/–,

६/३३क/–, ६/३६/–, ६/४४/–, ६/४४/–, ६/४६/–,
६/५०/२, ६/५१/७, ६/५२/१, ६/५३/३, ६/५५/२,
६/६०/१४, ६/६३/–, ६/६४/५, ६/६४/५, ६/६९/८,
६/७२/११, ६/७२/१२, ६/८०/४, ६/८०/४, ६/८०/४,
६/८२छं०, ६/८३/२, ६/८४/२, ६/८७/२, ६/८७/२,
६/८७/३, ६/८९छं, ६/८९छं०, ६/८९छं०, ६/८९छं०
६/८९छं०, ६/९१छं०, ६/९१छं०, ६/९२/४, ६/९३/६,
६/९३/६, ६/९५/७, ६/९६/–, ६/९६/३, ६/९६/५,
६/९७/५, ६/९७/५, ६/१००छं०२, ६/१०२/१, ७/०१/–,
७/०/१, ७/२/८, ७/२१/१, ७/२२/१, ७/३१/१,
७/३३/२, ७/३६/१, ७/४२/१, ७/४४/७, ७/४५/–,
७/४७/१, ७/४९/–, ७/५३/१, ७/५५/७, ७/५५/९,
७/५५/९, ७/७५ख/–, ७/७७/४, ७/७७/७, ७/७९/४,
७/८०ख/–, ७/८०ख/–, ७/८०ख/–, ७/८६/१, ७/९६ख/–,
७/९८/६, ७/९८/६, ७/९९/४, ७/९९/४, ७/१०२/५,
७/१०२/८, ७/१०३ख/–, ७/१०४/३, ७/१०५/१, ७/१०६क/–,
७/१०८/१६, ७/१०९/२, ७/१०९/१३, ७/११३ख/–, ७/११४/८,
७/१२१क/–, ७/१२९छं०३

कोई।

"एक देखि बट छाँह भलि"—२/११४/–
२/११४/१, २/११९/२, २/११९/७, २/३०८/८, २/३०८/८,

एकमात्र।

"एक प्रतापभानु महिपाला"—१/१५३/८
२/१२१/३, २/१२९/–

अकेला।

"एक एक जग जीति सक"—१/१८०/–
२/३१५/–, ३/१९छं०४

केवल।

"एक बिप्रकुल छाड़ि महीसा"—१/१६४/२
३/३४/४

अद्वितीय।

"उमा एक अखंड रघुराई"— ६/६०/८

विरला।

"राम कृपाँ काहूँ एक पाई"—७/१२५/-

एकरस : एकसमान।

"सदा एकरस बरनि न जाई"—१/४१/५
२/२१८/६, ६/१०८/५, ७/२८/८
सर्वथा निर्विकार।

"जो तिहुँ काल एकरस रहई"—१/३४८/,
अखंड।

"सबकें रह ग्यान एकरस"—७/७७/५

एकरूप : एक-सा रूप।

"एकरूप तुम्ह भ्राता दोऊ"—४/७/५

एकाकी : अकेला।

"जानि राम बनबास एकाकी"—२/२२७/४

एकांत : अकेला स्थान।

"पतिहि एकांत पाइ कह मैना"—१/७०/२
१/१६८/-

ऐक : समानता।

"कीन्ह बहुत श्रम ऐक न आए"—२/११८/६
२/२७५/४

ओघ : समूह।

"सिय निंदक अघ ओघ नसाए"—१/१५/३
२/२४८/३

ओदन : भात।

"दधि ओदन लपटाइ"—१/२०३/-

औषध : दवा।

"बिनु औषध बिआधि बिधि खोई"—१/१७०/४
ओषधि।

"औषध मूल फूल फल पाना"—२/५/२
जड़ी-बूटी।

"देखा सैल न औषध चीन्हा"—६/५७/७

औषधी : जड़ी-बूटी।

"कहा नाम गिरि औषधी"—६/५५/-

अंक : चिह्न ।

' सीय राम पद अंक बराएँ '—२/१२२/६

७/७५/७

गोद ।

"प्रीति समेत अंक बैठावा"—६/४८/७

६/६२/७

हृदय ।

"तेहि भरि अंक राम लघु भ्राता"—२/१८३/४

अक्षर ।

"बिधि के लिखे अंक निज भाला"—६/२८/१

अंकित : लिखा हुआ ।

"राम नाम जस अंकित जानी"—१/८/५

२/३०७/४, ५/५/-, ५/१२/१

अंकुर : अँखुआ ।

"अच्छत अंकुर लोचन लाजा"—१/३४५/५

२/२२/६, २/१०६/२, २/१७५छं०, २/२४८/२, २/२५०/-

अंग : अवयव ।

"भव अंग भूति मसान की"—१/८छं०

१/२२०/–, १/२२०/–, १/२३०/४, १/२३६/–, १/२४६/२, १/२४७/३, १/२४७/३, १/२६३/–, १/३१०/४, १/३१०/७, १/३१७/३, १/३२६छं०१, २/६/४, २/१११/४, २/१८६/१, २/२२४/४, ३/२६/३, ३/२६/३, ३/३१छं०३, ५/२३/८, ५/५१/३

भाग ।

"सकल अंग संपन्न सुराऊ"—२/२३४/८

६/१४/-, ६/१४/-, ६/१०२छं०, ७/१०/८, ७/११छं० २, ७/७५/५, ७/७५/५

एकमात्र ।

"सूझ न एकउ अंग उपाऊ"—१/७/६

शरीर ।

"पुलक अंग अंबक जल छाए"—१/३०६/७

सहायक ।

"रउरे अंग जोगु जग को है"—२/२८४/५

पलड़ा ।

"धरिअ तुला एक अंग"—५/४/-

अंगन : मैदान ।

"समर अंगन खेलहीं"—६/८०छं०

६/८७छं०

भूमि ।

"संग्राम अंगन राम अंग"—६/१०२छं०

अंगार : अंगारा ।

"जनु असोक अंगार"—५/१२/-

अंगुल : उँगली ।

"जुग अंगुल कर बीच सम"—७/७८क/-

अंगुलि : उँगली ।

"चितव जो लोचन अंगुलि लाएँ" - १/११६/३

अंचल : आँचल ।

"पुर नारि सकल पसारि अंचल' —१/३१०छं०

१/३५०/३, २/११६/६, २/२७२/५, ७/११७/८

अंजन : काजल ।

"गुरु पद रज मृदु मंजुल अंजन"—१/१/१

अंजलि : करसंपुट ।

"अंजलि गत सुभ सुमन जिमि"—१/३क/-

१/३२५छं० १

अंड : ब्रह्माण्ड ।

"अंड अनेक अमल जसु छावा"—२/१५५/१

२/२८६/३, ७/८०ख, ७/८३/८

अंत : आखिर ।

"उघरहिं अंत न होइ निबाहू"—१/६/६

१/११७/४, १/२०२/८, २/३५/८, २/१६०/३, ४/८/३, ६/४५/-, ६/७१/१, ७/५छं०, ७/४३/१

परिणाम ।

"सुनत बात मृदु अंत कठोरी"—२/२१/३

अंतर : भीतर ।

"सब के उर अंतर बसहु"—२/२५७/-
५/५७/६, ६/४३/१, ६/८१/२, ६/१०७/१४, ६/११४छं०,
७/११९/२

भेद ।

"तुम्हहि रघुपतिहि अंतर केसा"—६/५/६
७/३५/७, ७/११४/११, ७/११४/१४

हृदय ।

"अंतर प्रेम तासु पहिचाना"—३/२६/१७

अंध : अंधा ।

"मदन अंध ब्याकुल सब लोका"—१/८४/५
१/११४/१, १/२४४/५, २/७२/३, २/१५४/४, २/१९२/८,
३/४/८, ६/१६क/-, ६/३३क/-, ७/९८/६

विवेकशून्य ।

"मोह न अंध कीन्ह केहि केही"—७/६९/७

अंब : माता ।

"सदगुन सुरगन अंब अदिति सी"—१/३०/१४
२/४१/५, २/५२/८, २/२४४/-, २/२४४/५

अंबक : नेत्र ।

"नव अंबुज अंबक छबि नीकी"—१/१४६/३
१/३०६/७, १/३१७छं०

अंबर : वस्त्र ।

"बरस दिए मनि अंबर सबहीं"—६/११६/६
७/११छं० २

अंबा : माता ।

"जो सिय भवन रहै कह अंबा"—२/५९/७
२/१७५/४

अंबु : जल ।

"अंभोज अंबक अंबु उमगि"—१/३१७ छं०
२/५६/२, २/२४७/५,

अंबुज : कमल ।
"तरुन अरुन अंबुज सम चरना"—१/१०५/७
१/१४६/३, २/२५८/५, ५/४८/४,

अंबुधर : बादल ।
"नव अंबुधर बर गात"—७/११छं० २

अंबुधि : समुद्र ।
"नदी उमगि अंबुधि कहुँ धाई"—१/८४/२
२/०/३, २/२७५/६, २/२८५/५

अंबुनिधि : समुद्र ।
"कृपा अंबुनिधि अंतरजामी"—२/२६६/१
२/२८२/३

अंस : अंश ।
"ईस अंस भव परम कृपाला"—१/२७/८
१/१४३/६, १/१४७/३, ७/११६/२,

कच : बाल ।
"चिक्कन कच कुंचित गभुआरे"—१/१९८/१०
१/२३२/४, १/२४२/६, ३/२८/१८, ६/१४/२, ६/५१/२,
६/७५/३, ६/१०१छं०, ६/१०३/३, ७/७६/६, ७/१०१छं०

कज्जल : काजल ।
"जनु सपच्छ कज्जल गिरि जूथा"—३/१७/४
६/६८/७, ६/७७/८

कटक : सेना ।
"छन महुँ सकल कटक उन्ह मारा"—३/२१/११
४/२१/१, ५/५१/४, ५/५४/४, ६/२२/१, ६/२३ख/-,
६/४३/७, ६/५०/१, ६/७८/६, ६/८०छं०, ६/८५/२,
७/७१क/-

कटाह : आवरण ।
"अंड कटाह अमित लय कारी"—७/८३/८

कटि : कमर ।
"कटि निषंग कर सर कोदंडा"—१/१४६/८
१/१९८/४, १/२०८/२, १/२१८/३, १/२३३/-, १/२४३/१,
१/२६७/८, १/२८७/८, १/३२६/४, २/८८/४, २/२२८/२,

२/२३८/५, २/२५०/५, ३/१०/४, ३/१७ छं०, ३/२६/७,
३/२७/१, ५/४६/२, ६/१०/८, ६/६७/१, ६/७४/११,
६/८२/-, ६/८५ छं०, ७/७५/८

कटितट : कमर ।

"कटितट परिकर कस्यो निषंगा"—६/८५/१०

कटु : कड़वा ।

"ते सिर कटु तुंबरि समतूला"—१/११२/४
१/२७५/५, १/२८०/१, २/१८/१, २/२८/८, २/३४/३,
२/४०/१, २/८५/४, २/२४६/५, ६/३०/८, ६/३३ख/-,
६/८८/८, ७/१२ छं०५

बुरी ।

जागि करहिं कटु कोटि कलपना"—२/१५६/६

जलकटी ।

"तव कटु रटनि करउँ नहिं काना"—६/२३/४

कटुक : कड़वी ।

"कटुक कठोर कुबस्तु दुराई" - २/३१०/५

कठिन : मुश्किल ।

"सब तें कठिन जाति अवमाना" – १/६२/७
१/६७/५, १/१२८/८, १/१६४/१, २/३३/३, २/४०/-,
२/६८/५, २/८८/७, २/१७८/-, २/२११/४ २/२१२/१,
२/२३०/६, २/२८२/७, २/३२३/४, २/३२५/६, ३/१७/१३,
३/१७ छं०, ४/२८/५, ५/५२/६, ६/४८/४, ६/६७/७,
६/७८/८, ६/८८/८, ७/११८ख/-, ७/११८ख/- ७/११८ख/-

कठोर ।

"किए कठिन कछु दिन उपवासा"—१/७३/५
१/२३४/१, १/२६८/-, २/५८/२, २/१२०/२; २/१८८/-,
२/२००छं०, २/२६१/६, ३/१८छं०, ३/२६/१४, ४/०/८,
५/८/१, ५/२०/८, ५/५३/८, ६/२१/४, ६/८५/१०,
७/७३/८

भीषण ।

"कठिन कुचाह सुनाइहि कोई"—२/२२५/७
३/१२/८, ६/२३ख/-, ७/४४/३

क्लेशदायक ।

'काननु कठिन भयंकर भारी''—२/६१/४
३/६ख/-, ७/६६/८
कठिनता से मिटने वाले ।
''मेटत कठिन कुअंक भाल के''—१/३२/६
घोर ।
''कठिन कुसंग कुपंथ कराला''—१/३७/७
कड़ी ।
''बोले राउ कठिन कर छाती''—२/३०/४
बड़ी ।
''कठिन कुटिलपनु कीन्ह''—२/६१/-
बड़ा बेढब ।
''भयउ कुअवसर कठिन संकोचू''—२/२१२/१
दुर्विज्ञेय ।
''कठिन करमगति जान बिधाता''—२/२८१/४

कठोर : कड़ा ।
''कुलिस कठोर निठुर सोइ छाती''—१/११२/७
१/२४६/१, १/२६०छं०, २/३४/३, २/१७६/-, २/३१०/५, ३/१८छं०, ५/३४छं०२, ६/६०/१३, ६/८३/-, ६/६३छं०, ६/६५/५, ६/६६छं०, ७/१६ग/-
निष्ठुर ।
''कुटिल कठोर कुबुद्धि अभागी''—२/४६/४
२/६७/-, २/१५६/८, २/२४६/५, २/३१७/२, ६/२१/३, ६/२६/४

कति : कितना ।
''यह लघु जलधि तरत कति बारा''—६/०/१

कथन : वर्णन ।
''कलि अघ खल अवगुन कथन''—१/४१/-

कथा : वृत्तान्त ।
''करम कथा रबिनंदनि बरनी''—१/१/६
१/१/१०, १/८/५, १/८/६, १/६/१०, १/६ छं०, १/११/५, १/११/७, १/११/१२, १/१३/१, १/१४/७, १/२६/१, १/३०क/-, १/३०ख/-, १/३०/४, १/३२/३, १/३२/४, १/३२/८, १/३३/- १/३३/२, १/३३/४,

१/३४/६, १/३४/१३, १/३६/१५, १/३७/४, १/३८/६,
१/४०/१, १/४३क/-, १/४६/१, १/४६/५, १/५०/७,
१/५७/५, १/८१/२, १/८७/३, १/८७/६, १/१०३/२,
१/१०६/४, १/१०६/६, १/१०७/२, १/१०८/३, १/१११/७,
१/१२०ख/-, १/१२०घ/-, १/१२३/४, १/१२६/७, १/१३१/५,
१/१३८/३ १/१४०/१, १/१४१/-, १/१५२/१, १/१६२/४,
१/१६३/४, १/१६८/-, १/१७०/२, १/१८१छं०, १/२०५/१
१/२४३/५, १/२८३/-, १/३६०/१, २/१६६/३, २/१७०/५,
२/२३७/-, १/२६२/३, २/२८७/३, ३/५ख/-, ३/२२/८,
३/२४/१, ३/२६/११, ४/४/-, ४/१२/७ ४/२४/४,
४/२५/११, ४/२६/१, ४/२६/१०, ४/२७/१, ५/३२/३,
५/५६/१०, ५/५७/४, ६/०/५, ६/२८/७, ६/६१/८,
६/७१/६, ६/८८/१, ७/१३छं०६, ७/१४/१, ७/१४/६,
७/३१/८, ७/३८/६, ७/४१/५, ७/४२/-, ७/५१/१,
७/५१/५, ७/५१/६, /७५१/८, ७/५२ख/- ७/५२/३
७/५२/६, ७/५२/८, ७/५४/४, ७/५५/१, ७/५६/७,
७/५७/२, ७/६०/५, ७/६०/७, ७/६१/-, ७/६१/४,
७/६२/५, ७/६३/३, ७/६३/८, ७/६६/३, ७/६६/८,
७/६७/७, ७/६७/८, ७/६८/५, ७/६८ख/-, ७/७३/१,
७/७३/२, ७/८४/४, ७/११२/१०, ७/११३/१५, ७/११८/१३,
७/१२०क/-, ७/१२२/५, ७/१२५/३, ७/१२६/-, ७/१२७/१,
७/१२७/२, ७/१२७/६, ७/१२८/-, ७/१२८/१, ७/१२८/२,
७/१२८/५, ७/१२८/७

कहानी।

"भगति हेतु बहु कथा पुराना"—१/२०८/८
१/२०८/१२, १/२११/२, १/२२५/२, १/२३६/५, २/१८/-,
२/२१/४, २/६०/७, २/७२/५, २/८६/५, २/१०८/५,
२/१२१/८, २/१२४/८, २/१२७/४, २/१४०/२, २/१४०/८,
३/३४/८, ३/३५/१३, ३/३५छं०, ३/३६/२, ३/४०/४,
४/१/४, ५/२छं०३, ५/५/६, ५/६/-, ५/७/२,
५/१२/६, ५/१२/७, ५/१२/११

बात।

अपर कथा सब भूप बखानी"—१/२८४/२

४/३/५, ६/७७/१, ७/४५/४

प्रसंग ।

"कहें कथा तव परम अकाजा"—१/१६५/१

२/१४२/३, २/१५४/४

समाचार ।

"सुनि सुभ कथा लोग अनुरागे"—१/२८५/४

४/१८/८

चर्चा ।

"तथा कथा कीरति गुन नाना"—१/११३/४

इतिहास ।

"कौतुक कहि कहि कथा पुरानी"—२/२७७/४

घटना ।

"तात सक्रसुत कथा सुनाएहु"—५/२६/५

कथाप्रबंध : कहानी ।

"कथाप्रबंध बिचित्र बनाई"—१/३२/२

कदली : केला ।

"तन पसेउ कदली जिमि काँपी"—२/१८/२

कदंब : वृक्ष विशेष ।

"रोपे बकुल कदंब तमाला"—१/३४३/७

३/३८/६

कनक : सोना ।

"कनक रचित मनिभवन अपारा"—१/१७७/६

१/१७८क/-, १/१८३/४, १/२१८/७, १/२७७/८, १/२८६/८,
१/२८७/२, १/२८५/८, १/३०४/१, १/३१४/७, १/३२२छं०१,
१/३२३/५, १/३२५/२, १/३२७/८, १/३३०/६, १/३३२/८,
१/३३७/१, १/३४६/-, १/३५५/१, २/१०/५, २/१६३/-,
२/१८८/३, २/३१६/७, ३/८/२३, ३/२६/२, ३/३८/१३,
४/२८/७, ५/२/११, ५/२छं०१, ५/१५/८, ५/२४/८,
५/५७/८/ ६/८८/७, ६/१०८छं०२ ७/६/४, ७/२६छं०,
७/७५/२

कन्या : अविवाहित लड़की ।

"बर कन्या अनेक जग माहीं"—१/८१/४

१/१००/२, १/१३०/४, १/३२४छं०२, २/१३७/४, ४/८/७, ५/२ छं०२

पुत्री ।

"न त कन्या बरु रहउ कुआरी"—१/७०/४

कपट : बनावटी व्यवहार ।

"कपट कलेवर कलि मल भाँड़े"—१/११/२

१/१३/६, १/२६/८, १/३२क/-, १/४८/४, १/५७ख/-, १/१३५/७, १/१३६/-, १/१५७/१, १/१५८/५, १/१६०/-, १/१६२/८, १/१६७/१, १/२११/-, १/२८८/-, १/३१७/७, १/३२०/७, २/१३/६, २/१६/-, २/१७/४, २/१८/३, २/२१/१, २/२२/६, २/२६/६, २/२६/८, २/३६/-, २/४२/१, २/६२/१, २/१२८/२, २/१५८/-, २/१६१/४, २/१८८/३, २/२२७/७, २/३०१/१, ३/१८/१३, ३/२४/२, ३/२८ख/-, ३/३३/-, ३/३५/-, ५/४१/७, ५/४३/५, ५/४७/३, ५/५१/-, ६/५६/३, ६/६४/-, ६/८५छं०, ६/८८/७, ७/२०/८, ७/३८/८, ७/७१क/-, ७/८७क/-, ७/८८/१, ७/१०१क/-, ७/१०३/८, ७/१०५/१६, ७/१२०/३५, ७/१२८/५

छलप्रपंच ।

"जानइ सो अति कपट घनेरा"—१/१६८/४

२/१५/-, ७/१०४/५

उलटा-सीधा ।

"कीन्हेंसि कपट प्रबोधु"—२/१८-

दिखावटी ।

नट इव कपट चरित कर नाना"—६/७२/१२

माया ।

"तेहिं कीन्ह कपट बहोरि"—६/१००छं०६

कपटी : फरेबी ।

"मन कपटी तन सज्जन चीन्हा"—१/७८/४

१/१३५/-, १/१७१/७, २/१६७/२, २/१८५/१, ४/६/८, ७/०/४, ७/३८/५

छली ।

"लंपट कपटी कुटिल बिसेषी"—१/११४/२
१/२५४/२

कपाट : किवाड़ ।

"दीन्हें पलक कपाट सयानी"—१/२३१/७
२/३१५/७, ५/३०/–, ७/२६छं०, ७/११७/१२

कपाल : खोपड़ी ।

"भूषण कराल कपाल कर" | १/६२छं०
१/६४/८, १/९४छं०, ३/१६छं०, ६/८७/८, ६/१००छं०२

कपि : बंदर

"राम भालु कपि कटकु बटोरा"—१/२४/३
१/२८क/–, १/२६क/, १/१३६/७, २/५६/४, २/१३७/१
४/०/६, ४/२/७, ४/३/८, ४/६/११, ४/१८/८,
४/२०/–, ४/२०/३, ४/२१/३, ४/२५/१, ४/२५/७,
४/२५/१०, ४/२६/६, ४/२७/१, ४/२६/१२, ४/२६छं०,
५/१/७, ५/१/६, ५/२/४, ५/२/६, ५/३/–,
५/३/१, ५/३/४, ५/३/७, ५/४/७, ५/५/२,
५/५/३, ५/६/७, ५/१२/–, ५/१३/–; ५/१३/४,
५/१३/८, ५/१४/–, ५/१४/६, ५/१५/६, ५/१५/७,
५/१६/१, ५/१७/–, ५/१७/३, ५/१७/६, ५/१८/४,
५/१८/६, ५/१६/–, ५/१६/१, ५/१६/२, ५/१६/५,
५/१६/६, ५/१६/८, ५/२१/२, ५/२१/३, ५/२३/१,
५/२३/२, ५/२३/५, ५/२४/–, ५/२४/३, ५/२४/५,
५/२४/६, ५/२५/–, ५/२५/४, ५/२६/७, ५/२७/–,
५/२८/–, ५/२८/२, ५/२८/८, ५/३१/५, ५/३२/२,
५/३२/४, ५/३२/५, ५/३३/२, ५/३४/२, ५/३४/१०,
५/३५/–, ५/३५/१, ५/४४/–, ५/४६/२, ५/५०/–,
५/५१/–, ५/५१/४, ५/५१/५, ५/५३/६, ५/५४/१,
५/५४/४, ५/५५/–, ५/५६/–, ५/५६/१, ६/०/४,
६/०/७, ६/०/८, ६/०/१०, ६/१/१, ६/३/६,
६/४/–, ६/४/२, ६/४/४, ६/७/६, ६/८/२,
६/१७/८, ६/१८/८, ६/२१/३, ६/२१/५, ६/२२क/–,
६/२२/५, ६/२२/८, ६/२३क/–, ६/२३ख/–, ६/२३/५,
६/२३/८, ६/२५/–, ६/२६/–, ६/२७/८, ६/३०/७,

६/३०/८, ६/३१/-, ६/३२क, ६/३२/१, ६/३३/८,
६/३४क/-, ६/३४ख/-, ६/३४/१, ६/३४/१, ६/३४/९,
६/३४/१२, ६/३५क/–, ६/३५/४, ६/३८/४, ६/३८/६,
६/३८/९, ६/३९/–, ६/४०/८, ६/४०छं०, ६/४१/-,
६/४१/१, ६/४२/–, ६/४२/१, ६/४२/–, ६/४३/४,
६/४४/८, ६/४५/५, ६/४६/७, ६/४७/१, ६/४८/८,
६/४९/७, ६/४९/८, ६/५०/–, ६/५१/१, ६/५१/६,
६/५१/८, ६/५२/–, ६/५२/३, ६/५२/५, ६/५६/७,
६/५७/–, ६/५७/१, ६/५७/२, ६/५७/३, ६/५७/४,
६/५७/७, ६/५७/८, ६/५८/२, ६/५८/७, ६/५९/२,
६/५९/४, ६/५९/७, ६/५९/८, ६/६०/२, ६/६१/३,
६/६१/४, ६/६४/५, ६/६५/–, ६/६६/–, ६/६६/२,
६/६६/४, ६/६६/७, ६/६८/८, ६/६८/८, ६/६९/२,
६/७०/७, ६/७०छं०, ६/७१/२, ६/७१/९, ६/७१/१०,
६/७२/-, ६/७२/५, ६/७४/६, ६/७५/४, ६/७७/३,
६/८०ग/– ६/८०/३, ६/८०छं०, ६/८१/५, ६/८१/६,
६/८१/८, ६/८१छं०, ६/८१छं०, ६/८२/१, ६/८३/१,
६/८३/२, ६/८३/३, ६/८३/५, ६/८४/५, ६/८४छं०,
६/८५/–, ६/८६/२, ६/८६/५, ६/८८/–, ६/८८/५,
६/९४/४, ६/९४/४, ६/९४/५, ६/९४छं०, ६/९५/-,
६/९५/२, ६/९६/३, ६/९६/४, ६/९७/१०, ६/९७/१२,
६/९८/–, ६/९९/१०, ६/१००छं०२ह, ६/१०५/४, ६/१०५/५,
६/१०५/८, ६/१०६/५, ६/१०६/६, ६/१०६/८, ६/१०६छं०,
६/१०७/१२, ६/१०७/१३, ६/१०९ख/-, ६/११३/१, ६/११३/५,
६/११३/६, ६/११३/८, ६/११६/७, ६/११७/८, ६/११८क/-
६/११८ख/-, ७/१/८, ७/१/११, ७/१/१६, ७/१छं०,
७/२ख/-, ७/३/८, ७/१५/-, ७/१८/६, ७/१८/१०,
७/३५/७, ७/६६ख/-, ७/६६/४, ७/६६/६, ७/६७क/-

कपिला : सीधी गाय ।

"जिमि मलेछ बस कपिला गाई"— ३/२८/८

कपोत : कबूतर ।

"खंजन सुक कपोत मृग मीना"— ३/२९/१०

कपोल : गाल।

''चारु कपोल चिबुक दर ग्रीवा''—१/१४६/१

१/२४२/४, ७/७६/४

कफ : बलगम।

''काम बात कफ लोभ अपारा''—७/१२०/३०

कमठ : कछुआ।

''कमठ सेव सम धर बसुधा के''—१/१८/७

१/२५८/१, १/३५६/४, २/१३८/७, ५/३४छं०२, ५/३६छं०२, ६/८५छं०, ६/८६छं०, ६/८०छं०, ६/१०३/६, ६/१०८/७, ७/१२१/१५

कमनीय : सुन्दर।

''कीरति अति कमनीय''—१/२५१/-

१/३१०/-

मनोहर।

''सुषमा तिय कमनीय''—१/३२२/-

कमल : एक प्रकार का फूल।

बंदऊँ सबके पद कमल''—१/७ग/-

१/१३/३, १/१५/५, १/१६/८, १/१७/८, १/१७/८, १/३६/५, १/६७/५, १/८७/७, १/८८छं०, १/१०३/५, १/११६/-, १/१४८/२, १/१७७/-, १/१८८/-, १/१८८/२, १/२१०/-, १/२१०छं०६, १/२१८/१, १/२२५/५, १/२३१/२ १/२३५/२, १/२३८/२, १/२४३/४, १/२५२/-, १/२५२/८, १/२६७/२, १/३१८छं०, १/३२६/२, १/३२६/८, १/३२७/५, १/३४६/-, १/३५१/८, २/८/४, २/१६/७, २/३७/७, २/५७/-, २/६१/६, २/६५/४, २/८६/-, २/८७/-, २/८८/४, २/८८छं०, २/१२०/२, २/१२२/-, २/१२४/६, २/१७६/-, २/२४१/४, २/२५३/-, २/२६२/२, २/२७४/-, २/२७६/१, २/३००/६, २/३०७/८, २/३११/८, ३/६/१, ३/८/७ ३/११/१०, ३/१६/-, ३/२८/४, ३/२८/११, ३/३३/४, ४/१६/२, ४/२४/७, ५/८/-, ५/२७/-, ५/३५/८, ५/४६/५, ६/६/-, ६/१०/६, ६/१०/७, ६/४५/१, ६/५८/६, ६/८७/८, ६/८८/६, ७/३/१, ७/६/३, ७/८/७, ७/२३/४, ७/२४/२, ७/३४/७ ७/४८/-, ७/११२/१५

कर : हाथ ।

"सम सुगंध कर दोउ"—१/३क/-

१/१४छं० १/३३/२, १/५८/७, १/८३/३, १/९१/५,
१/९२/७, १/९२छं०, १/१००छं०, १/१०८/५ १/१०९/-,
१/११३/१, १/११७/५, १/१३४/-, १/१४६/८, १/१४७/८,
१/१४९/३, १/१८१/४, १/१८५/-, १/१८८/६, १/१९१छं०,
१/२०१/३, १/२०२/-, १/२१०छं०१, १/२२०/७, १/२३२/८,
१/२३४/४, १/२४१/१, १/२४३/१, १/२५०/४, १/२५३/-,
१/२६०छं०, १/२६३/२, १/२६३/६, १/२६७/८, १/२७४/२,
१/२८०/१, १/२८०/७, १/२८३/७, १/२८९/५, १/२९१/३,
१/२९७/८, १/३०२/८, १/३२०/२, १/३२३/६, १/३२५/८,
१/३२५छं०१, १/३२५छं०२, १/३२६/५, १/३२९/५, १/३३५/छं०,
१/३३६/३, १/३३९/७, १/३४१/५, २/१/६, २/४/५.
२/८/४, २/२८/२, २/३५/७ २/४६/३, २/४७/७,
२/६३/५, २/६९/६, २/७५/५, २/७९/५, २/८१/२,
२/९३/५, २/९५/-, २/९५/१, २/१०२/२, २/१०२/६,
२/१०३/३, २/१११/१, २/११४/८, २/११७/२, २/१२१/-,
२/१२४/६, २/१२८/४, २/१३४/८, २/१७५/, २/१७६-,
२/१९४/६, २/१९६/६, २/१९७/५, २/१९७/५, २/२०३/५,
२/२१२/२, २/२१५/४, २/२२९/१, २/२३८/५, २/२३८/८,
२/२४१/४, २/२५४/४, २/२८९/६, २/२९६/५, २/३०६/-,
२/३१२/६, २/३१५/७, २/३२२/३, २/३२२/६, ३/०/३,
३/४/-, ३/१७/-, ३/२७/१, ३/२८/१४, ३/३०/-,
३/३२/-, ३/४०/८, ४/१७/८ ४/१८/५, ४/२०/१,
५/१/-, ५/११/१, ५/१२/-, ५/१६/५, ५/१९/७.
५/२१/७, ५/२६/-, ५/३२/४, ५/३५/५ ५/३९/४,
५/५५/१०, ६/०३/-, ६/५/३, ६/८/-, ६ १०/६,
६/१०/८, ६/१३/७, ६/२२ख/-, ६/२८/२, ६/२८/१०,
६/३२क/-, ६/३९/७, ६/४३/४, ६/४३/६, ६/५६/-,
६/५९/८, ६/६७/१, ६/७३/६, ६/८१/२, ६/८५/१०,
६/८५छं०, ६/८५छं०, ६/९२छं०, ६/९३/४, ६/९७/१०,
६/९७छं, ६/९९छं, ६/१००छं०१, ६/१०१/६, ६/१०८/४,
६/११०/-, ६/११४ख/-, ६/११४छं०, ६/१२०/५, ७/१०/४,

७/१६/२, ७/१७ख/-, ७/१६क/-, ७/२३/६, ७/३२/४, ७/३२/६, ७/४५/-, ७/४७/३, ७/६७/३, ७/८२/८, ७/६३क/-, ७/१०७ख/-, ७/११२/१५, ७/१२०/१२

किरण।

"जासु बचन रबि कर निकर"—१/०५/-

१/३१/१०, १/४२/८, १/११५/-, १/११७/-, १/११६/१, १/२४२/५, २/२६४/६, ६/११/१०, ७/७६/४

सूंड़ ।

"करि कर सरिस सुभग भुजदंडा"—१/१४६/८

१/२३२/७, ५/६/३, ६/६०/६

हथेली ।

"जिन्हहि बिस्व कर बदर समाना"—२/१८१/१

७/७८/६

करज : उँगली ।

"अरुन पानि नरव करज मनोहर"—७/७६/१

करतल : हाथ ।

"एक बार करतल बर बीना"—१/१२७/३

१/२०३/७, ३/२६/७, ७/५०/-

मुट्ठी ।

"चारि पदारथ करतल मोरें"—१/१६३/७

१/३१४/२, २/४५/२, २/१६८/६

हथेली ।

"करतल गत न परहिं पहिचानें"—१/२०/५

१/३२३छ०३

कराल : भयंकर ।

"भूषन कराल कपाल कर"—१/६२छ०

१/१५५/७, २/३०/३, २/६२/३ २/१७६/-, २/१८१/-, ३/१६छ०, ३/१६छं०, ३/२८/२१, ६/२४/६, ६/४१/७, ६/६८/५, ६/७७छं०, ६/७८छं०, ६/६१/-, ६/६६छं०, ७/२६/५, ७/६४क/-

कठिन ।

"भयउ कराल कालु बिपरीता"— २/५६/५

तीक्ष्ण ।

"छुटिहहिं अति कराल बहु सायक"—६/२६/६

कर्म : आचरण ।

"पुनि मन बचन कर्म रघुनायक"—१/१७/८

१/८८/४, १/१६१/६, १/२०१/२, ३/१/१३, ३/१६/-, ६/६४/-, ७/१२छं०२, ७/१२छं०६, ७/२१/-, ७/३०/५, ७/११३/६, ७/११७क/-, ७/१२५/५

काम ।

"निज निज कर्म निरत श्रुति रीती"—३/१५/६

३/३०/८, ३/३५छं०, ४/१०/८, ६/२२/५, ७/४०/५, ७/४०/७, ७/४३/५, ७/५१/३, ७/८५/७, ७/८७ख/-, ७/१०२/२, ७/१११/३, ७/११३/१

भाग्य ।

"जेहिं जोनि जन्मौं कर्म बस"—४/८छ०२

पेशा ।

"उपरोहित्य कर्म अति मंदा"—७/४७/६

कल : सुन्दर ।

"भगति सुतिय कल करन बिभूषन"—१/१८/६

१/३३/८, १/२११/७, १/२२०/३, १/२२०/५, १/२२६/६, १/२३२/७, १/२४२/४, १/२४२/८, १/२४५/८, १/२६६/३, १/२६७/८, १/२८५/२, १/२८६/३, १/३०१/८, १/३१७/८, १/३१७छं०, १/३२१छं०, १/३२३छं०४, १/३२४/१, १/३२६/४, १/३२६/८, १/३४३/८, १/३४५/८, १/३५८/१, ७/५०/-, ७/५६/-, ७/७५/८, ७/११७/८

मधुर ।

"सुर सुंदरी करहिं कल गाना"—१/६०/४

कलकंठ : कोयल ।

"काक कहहिं कलकंठ कठोरा"—१/८/१

२/१३७/-

कलभ : हाथी का बच्चा ।

"काम कलभ कर भुज बलसींवा"—१/२३२/७

कलस : घड़ा ।

"मंगल कलस दसहुँ दिसि साजे" – १/८०/८

१/१६३/४, १/१६४ ६, १/२८८/२, १ २६५ ८, १ ३०४/१, १/३१२/३, १ ३२२छं०१, १/३२३/५, १ ३४४/-, २/६/-, २/७/२, २ ११४ १ ६/४३ ३, ७/८ १, ७/२६/७

कलह : लड़ाई ।

"खल सन कलह न भल नहिं प्रीती"—७ १०५ १४

कलहप्रिय : झगड़ालू ।

"कपटी कुटिल कलहप्रिय क्रोधी"—२/१६७/२

२/१७१/७

कला : गुण ।

"सकल कला सब विद्या हीनू"—१/८/८

१/१०७/-, १/१२५/४, १/१२५/७, ७/१०७छं०११

उपाय ।

"सकल कला करि कोटि बिधि"—१/८६/-

कलि : कलियुग ।

'द्रवउ सकल कलिमल दहन"—१/०२/-

१/१/६, १/६छं०, १/१०/६, १/११/२, १/१३/४, १/१४/५, १/१४/११, १/१५/१, १/२१/८, १/२३/८, १/२६/-, १/२६/४, १/२६/६, १/२६/७, १/२६/८, १/३०/५, १/३०/६, १/३०/७, १/३२क/-, १/३४/१०, १/४१/-, १/४२/३, १/११२/२, १/१४१, १/३२३छं०१, २/१३२/३, २/३२५/६, ३/१०/१५, ५/१६छं०, ६/११६/५, ७/५०/६, ७/१००क/-, ७/१००छं०, ७/१००छं०, ७/१००छं०, ७/१०१क/-, ७/१०२क/-, ७/१०२ख/-, ७/१०२/७, ७/१०२ ८, ७/१०३ख/-, ७/१०३/५, ७/१२८/१, ७/१२६छं०२

कलह ।

"कलि कुकाठ कर कीन्ह कुजंत्रू"—२/२११/४

कलिकाल : कलियुग ।

"जे जन्मे कलिकाल कराला"—१/११/१

१/२७/-, १/४२/७, १/३२५छं०, ६/१२१ख/-, ७/६६/८, ७/६८ख/-, ७/१०१छं०, ७/१०४ख/-, ७/१२६/५

कलित : सुन्दर ।

"कुंजर मनि कंठा कलित" १/२४३/-

१/२८७/२, १/२६६/१, १/३२१छं०. १/३५५/२, १/३५८/७

कलिमल : पाप ।
'गरल अनल कलिमल सरि ब्य घू"—१/४/८
१/३०ख/-, १/३१/७, १/३८/१३, ३/६क/-, ७/६७क-

कलिल : भ्रम ।
"मोह कलिल ब्यापित मति मोरी"—७/८१/७

कली : कली ।
"गुच्छ बीच बिच कुसुम कली के"—१/२३२/२
६/१०८छं०२

कलुष : पाप ।
'सरजू सरि कलि कलुष नसावनि"—१/१५/१
१/२३/८, १/३०/५, १/३४/१०, १/४२/३, २/१०४/६,
२/१०५/१, २/१३२/३, २/३२५/६

कलेवर : मूर्ति ।
"कपट कलेवर कलि मल भाँड़े"—१/११/२
७/७५/५

कलंक : लांछन ।
"तुम्ह कहँ भरत कलंक यह"—२/२०८-
६/१०८ छं०, ७/७०/३
बदनामी ।
"सोक कलंक कोठि जनि होहू"—२/४६/१

कल्प : ब्रह्मा का एक दिन ।
रौरव नरक कल्प सत परई"—३/४/१६
६/१००छं०२ह, ६/११६क/-, ६/११६घ/-, ७/८१/१, ७/६६ख/-,
७/६६/४, ७/६६/४, ७/१०७छं०११
मनोवांछित ।
"स्वभक्त कल्प पादपं"—३/३छं०१०

कल्पतरु : कल्पवृक्ष ।
"पसु सुरधेनु कल्पतरु रूखा"—६/२५/६
७/८४ख/- ७/१२५/२

कल्पना : सोचना ।
"लोक कल्पना बेद कर"—६/१४/-

कल्पांत : प्रलय ।
'तासु नाम कल्पांत न होई"—७/५६/१

कल्पित : मनगढ़ंत ।
"जल्पहिं कल्पित बचन अनेका"—१/११४/५
७/६८/१०

कल्याण : हितकारी ।
'कलातीत कल्याण कल्पान्तकारी—७/१०७छं०११

कवच : बख्तर ।
"कवच अभेद बिप्र गुर पूजा"—६/७६/१०

कष्ट : दुःख ।
"जौं करि कष्ट जाइ पुनि कोई"—१/३८/१
१/१६८/१, ७/४४/४

कष्टसाध्य : कठिनता से बनने योग्य ।
"कष्टसाध्य पुनि होहिं कि नाहीं"—१/१६६/१

काक : कौआ ।
"काक होहिं पिक बकउ मराला"—१/२/१
१/८/१, १/३७/५, १/१२४/८, २/२८१/- २/३०१/२,
३/१६छं०, ६/८७/२, ७/५४/-

काग : कौआ ।
"ते जल मल बग काग"—१/४"/-
१/१७४/२, १/३०२/३, ७/५३/८, ७/५४/१, ७/५४/४,
७/५४/५, ७/५५/-, ७/५७/२, ७/६८क/- ७/८५ख/-,
७/८६/-, ७/६२/४, ७/११२क/-, ७/११३/१५, ७/११४/१२

कागद : कागज ।
"सत्य कहउँ लिखि कागद कोरें"—१/८/११

कानन : वन ।
"तप कानन दाहु"—१/१६१क/-
१/१७१/४, १/२०१/१, २/४३/६, २/४८/२, २/४८/७,
२/५२/६, २/५२/७, २/५५/२, २/५८/२, २/५८/३,
२/६२/८, २/८१/३, २/६०/८, २/१२१/८, २/१३१/४,
२/१३८/६ २/१५०छं०, २/२५५/३, २/२५५/८, २/३०७/५,

२/३२५/२, ३/१०/५, ३/२१/५, ३/३२/५, ३/३८/५,
४/२३/२, ५/२०/६, ५/४१/६, ६/६/३, ६/१०३छं०,
६/११४छं०, ७/२२/१

जंगल।

"गिरि कानन जहँ-तहँ भरिपूरी"—१/१८७/५

२/१११/६, २/१२१/८

काम : वासना।

"किंकर कंचन कोह काम के"—१/११/३

१/३१/७, १/३४/६, १/४२/५, १/७५/-, १/८४/-,
१/८४/७, १/१२५/३, २/१२८/१, २/२०४/-, ३/१५/१२,
३/३८क/-, ३/३८ख/-, ३/४२/८, ३/४३/- ३/४३/३,
३/४६ख/-, ४/२२/६, ५/३८/-, ५/४६/- ६/७८/-,
६/१०८/८, ६/११३छं१३, ६/११४छं०, ७/३०/४, ७/३३/८,
७/३८/५, ७/३८/४, ७/६८/७, ७/७३क/-, ७/८८/-,
७/११२ख/-, ७/१२०/३०

कामदेव।

"काम कला कछु मुनिहि न व्यापी"—१/१२५/७

१/१२६/१, १/१२६/५, १/१२७/७, १/१४६/-, १/१८८/१,
१/२१८/५, १/२२०/-, १/२३२/६, १/२३२/७, १/२४२/१,
१/२५६/१, १/३१०/-, १/३१५/८, १/३१७/४, १/३२१छं०,
२/२४/३, २/२४छं०, ३/३७/११, ४/३०ख/-, ६/११०छं०,
६/११२छं०ह, ७/११छं०२, ७/५०/२, ७/८०/७

मन की इच्छा।

"जो बिनु काम राम के चेरे"—१/१७/४

१/१४८/२, १/३३६/-, २/१०८/-, २/१७०/-, २/२०३/-,
७/३४/-, ७/३४/२, ७/३७/५, ७/८८/१, ७/८८/१,
७/८१/४, ७/१०४क/-, ७/१२४/५

कामतरु : कल्पवृक्ष।

"नाम कामतरु काल कराला"—१/२६/५

कामद : मन की इच्छा पूर्ण करनेवाला।

"राम कथा कलि कामद गाई"—१/३०/७

१/३१/८, २/२७८/१

कामधेनु : मनचाही वस्तु देनेवाली गाय ।
"कामधेनु भै भूमि सुहाई"—१/१५४/१
२/२६५/१, ७/८१/४, ७/११४/२

कामना : इच्छा ।
"पूजिहि मन कामना तुम्हारी"—१/२३५/७
१/२८३/२, ७/१२८/५
वासना ।
"सकल कामना हीन जे"—१/२२/-

कामरूप : इच्छानुसार रूप धारण करनेवाला ।
"कामरूप सुन्दर तन धारी"—१/८३/५
१/१७५/७, १/१८०/१, ५/४२/६, ७/११३क/-

कामी : विषयी ।
"कामी काक बलाक बिचारे"—१/३७/५
१/१२४/८, १/२५०/२, १/२६६/३, ३/२८/१६, ४/२०/३, ६/३२/५, ६/१०८/४, ७/३३/-, ७/७२/२, ७/८८/८, ७/१११/२, ७/११५क/-
रागयुक्त ।
"अवगुन सिन्धु मंदमति कामी" – ७/३८/७

काल : समय
"काल सुभाउ करम बरिआईं"—१/६/२
१/२६/१, १/२६/५, १/२८/७, १/८५/-, १/१०२/६, १/११७/-, १/१५१/ , १/१६४/८, १/१७५/१, १/१८१/१०, १/१८४/६, १/१८८/८, १/१८०/२, १/२०१/२, १/२०२/२, १/२०३/४, २/४४/५, २/१०१/६, २/१२५/६, २/१४८/६, २/१६१/३, २/१६४/६, २/१७५/२, २/१८४/७, २/२४३/८, २/२४८/३, २/२५२/१, २/२५६/७, २/२६२/६, २/२६४/५, २/२६६/४, २/२८१/-, २/३०८/४, २/३१४/-, ३/४/७, ३/६ख/-, ४/६/६, ६/४/५, ६/५/८, ६/७/६, ६/८/५, ६/१५/८, ६/३६/६, ६/३६/७, ६/१०४/८, ७/१२छं०२, ७/२१/-, ७/३०/५, ७/३४/८, ७/४३/५, ७/५७/-, ७/६०/४, ७/८१/२, ७/८७/१, ७/१०४/२, ७/१०८घ/-, ७/१०८ख/-, ७/१०८ख/-, ७/११२/८. ७/११३/१

मृत्यु ।
"रे नृप बालक काल बस"—१/२७१/-
१/२८३/८, १/३४०/८, १/३५७/४, २/१/४, ३/२१/६,
५/२१//६, ५/५२/६, ५/५५/-, ६/३६/८, ६/३८क/-,
६/२६/३, ६/४२/५, ६/५५/८, ६/६६/१, ६/७०/३,
६/७१/१० ६/७८छं०, ६/८०/८, ६/८१/७, ६/८६/८,
६/६४/-, ६/१०१/३, ६/१०२/-, ६/१०३/८, ६/१०३/१३,
७/२६/५, ७/६३/७, ७/६४क/-
यमराज ।
"चली बिभीषन सन्मुख मनहु काल कर दंड"—६/६३/-
७/६१ख/-
युग
"सुनु ब्यालारि काल कलि"—७/१०२क/-
७/१०३/७
मौसम ।
"बरषाकाल मेघ नभ छाए"—४/१२/८

कालकूट : जहर ।
"कालकूट फलु दीन्ह अमी को"—१/१८/८

कालदंड : काल का डण्डा ।
"कालदंड हरि चक्र कराला"—७/१०८/१३

कालसर्प : काला एवं सर्वाधिक जहरीला सर्प ।
"कालसर्प जनु चले सपच्छा"—६/६७/२

किरात : भील ।
"बन हित कोल किरात किसोरी"—२/५६/१
२/८७/८, २/१३२/७, २/१६४/-, २/२२३/४, २/२२५छं०,
२/२४६/१, २/२५०/२, २/२७१/८, २/२७५/५, २/३२०/२,
७/१३छं०४, ७/६६/५, ७/१२६छं०१

किराती : भीलनी ।
"मनहुँ मुदित दव लाइ किराती"—२/१२/४
२/१५८/५

किरीट : मुकुट ।
"नृप किरीट तरुनी तनु पाई"—१/१०/२
६/३१/१०

किलकिला : हर्षसूचक ध्वनि।

"सबद किलकिला कपिन्ह सुनावा"—५/२७/२

कीट : कीड़ा-मकोड़ा।

"काह कीट बपुरे नर नारी"—२/२५/३
३/२४/७, ५/५२/५, ७/७०/५, ७/८५ख/-

कीर : तोता।

"चातक कोकिल कीर चकोरा"—१/२२६/६
३/३७/६, ७/११६/३।

कुअंक : बुरा लेख।

"मेटत कठिन कुअंक भाल के"—१/३१/८

कुटिल : मन से टेढ़ा।

"हँसिहहिं कूर कुटिल कुबिचारी"—१/७/१०
१/११४/२, १/१२४/८, १/१६५/-, १/१७५/७, १/२४०/६, १/२६८/५, १/२७३/१, २/१२/४, २/१४/-, २/२६/६, २/३१/१, २/४६/४, २/५०/-, २/१५८/८, २/१६७/२, २/१७१/७, २/२०४/१, २/२२७/४, २/२५०/४, २/२५१/५, २/२७१/१, २/२८८/२, २/३१६/-, ४/२/-, ५/५७/२, ७/०/२, ७/०/४, ७/३८/५, ७/१०५/७

शरीर से टेढ़ा।
"माखे लखनु कुटिल भइँ भौंहें"—१/२५१/८
१/२६७/-, १/२६७/६
धोखेबाज।

"स्वारथ साधक कुटिल तुम्ह"—१/१३६/-
घुंघराले।
"कुटिल केस जनु मधुप समाजा"—१/१४६/५
दुष्ट।
"अपभय कुटिल महीप डेराने"—१/२८४/८
वचन से टेढ़ा।
"सहज सरल रघुबर बचन कुमति कुटिल करि जान"—२/४२/-
छली।
"कैकइ कुटिल कीन्हि जसि करनी"—२/१७०/५

कुटीर : कुटी ।
"राजत परन कुटीर"—२/३२१/-

कुटुंब : परिवार ।
"बिप्र कुटुंब समेत"—१/१७२/-
२/२०७/७
परिवार के लोग ।
"रिपुरूप कुटुंब भए तब तें"—७/१२०छं०३

कुठार : फरसा ।
"खर कुठार मैं अकरुन कोही"—१/२७४/६
१/२७४/८, १/२७५/५, १/२७६/-, १/२८०/४, १/२८१/१
कुल्हाड़ी ।
"बिधि कुठार चंदन आचरनो"—७/३६/७

कुतर्क : असंगत तर्क ।
"नदीं कुतर्क भयंकर नाना"—१/३७/६
७/६०ख/-, ७/६२/६

कुदृष्टि : बुरी दृष्टि ।
"इन्हहिं कुदृष्टि बिलोकइ जोई"—४/८/८

कुबुद्धि : दुर्बुद्धि ।
"करइ बिचारु कुबुद्धि कुजाती"—२/१२/३
२/३०/२, २/४६/४

कुमति : दुर्बुद्धि ।
"काई कुमति केकई केरी"—१/४०/८
२/२२/५, २/२७/८, २/२६/१, २/३२/४, २/३५/१,
२/४२/-, २/६१/१, २/१६१/१, २/१६५/१, २/२४०/६,
२/२५०/४, २/२६१/१, २/२६८/२
खोटी बुद्धि ।
"सुमति कुमति सब कें उर रहहीं"—५/३६/५
५/३६/६
बिगड़ी बुद्धि ।
"नाम कोटि खल कुमति सुधारी"—१/२३/३
दुष्ट बुद्धि ।
"राजु करत निज कुमति बिगोई"—२/२२/७

उल्टी बुद्धि।
"तव उर कुमति बसी बिपरीता"—५/३८/७

कुमार : राजकुमार।
"छोट कुमार खोट बड़ भारी"—१/२७७/५
१/३४८/-, १/३५२/-, २/८१/-
कुमारावस्था।
"भये कुमार जबहिं सब भ्राता"—१/२०३/३

कुमुद : कुमुदिनी।
"सज्जन कुमुद चकोर चित"—१/३२ख/-
१/२३८/-, १/२५४/२, २/६४/-, २/२०८/१, २/२८३/४, ३/४३/४, ७/५०/६

कुमंत्र : बुरी सलाह।
"कीन्ह कुमंत्र कुठाटु"—२।२८५।-
३/२०/१०

कुररी : मादा कुरर पक्षी।
"बिलपति अति कुररी की नाईं"—३/३०/३

कुरूप : बेढंगी शकलवाला।
"दीन्ह कुरूप न जाइ बखाना"—१//१३२/७
२/१५/५

कुरोग : बुरा रोग।
"राम बियोग कुरोग बिगाए"—२/१५७/७
२/२११/२, ७/१२०/३७

कुल : वंश।
"साधु बिबुध कुल हित सोहा"—१/३०/८
१/१=०/५, १/१७३/३, १/१७४/७, १/२००/२, १/२२३/७, १/२७२/६, १/२७३/१, १/२८३/३, १/२८४/१, १/३०१/२, १/३१२/८, १/३१८/२, १/३१८छं०, १/३२१/४, १/३२२छं०२, १/३३०/७, १/३३४/–, १/३४८/–, २/१४/३, २/१६/७, २/३३/६, २/३८/५, २/४८छं०, २/५३/८, २/८१/१, २/१२५/४, २/१५८/७, २/१६०/६, २/१६३/५, २/२००/६, २/२२२/६, २/२६२/४, २/३०८/-, २/३१५/७, ३/४/१४,

३/१८/११, ३/२५/1, ३/२८/१७, ४/१६/८, ५/३५/२, ५/३५/८, ५/३८/८, ५/४८/२, ५/४८/४, ६/१८/३, ६/२०/५, ६/२१/–, ६/२१/-, ६/२१/२, ६/३६/२, ६/३७/६, ६/३८/३, ६/६३/८, ६/१०३/१०, ७/५०/६, ७/५७/२, ७/१२६/२, ७/१२७/–

परिवार।
"कुल समेत जगु पावन कीन्हा"—२/१८३/६
२/२८६/२, २/२८४/२, २/३०४/१, ३/३१/–, ३/३४/५, ४/१५क/-, ५/५६क/-, ५/५६ख/–

समूह।
"सोइ बहुरंग कमल कुल सोहां"—२/३६/५
२/२३२/२

रघुकुल।
"यह कुल उचित राम कहुँ टीका"—२/१७/७

पीढ़ी।
"सहित कोटि कुल मंगल मोरें"—२/१८४/८

कुलगुरु : वंश का पुरोहित।
"कुलगुरु सम हित माय न बापू" —२/२८२/२

कुलपूज्य : कुल परम्परा से पूजा व सम्मान का अधिकारी।
"गुरु बसिष्ट कुलपूज्य हमारे"—७/७/६

कुलीन : अच्छे परिवार का।
"जिमि कुलीन तिय साधु सयानी"—२/१४४/१
७/१००छं०

कुसुम : फूल।
"गुच्छ बीच बिच कुसुम कली के"—१/२३२/२
१/२४२/७, १/२५६/१, ३/०/३, ३/२३/८

कुसुमांजलि : फूलों की अंजलि।
"बार-बार कुसुमांजलि छूटी"—१/२६४/३

कुसुमित : फूला हुआ।
"कुसुमित नव तरु राजि बिराजा" –१/८५/६
१/१२५/२, १/१६०/४, ३/३८/७, ४/१२/१, ६/५३/१, ७/३१/२

कुसंग : बुरा साथ।

"हानि कुसंग सुसंगति लाहू"—१/६/८
१/३७/७, ४/१५ख/-

कुसंगति : बुरा साथ।

"धूम कुसंगति कारिख होई"—१/६/११
२/२३/८

कुहू : कोयल की कूक।

"कुहू कुहू कोकिल धुनि करहीं"—३/३८/८
३/३८/८

कूप : कुआँ।

"बन बाग कूप तड़ाग सरिता"—१/८३छं०
१/१५४/७, १/२११/६, २/२१/-, २/३०८/२, २/३०८/५,
२/३१०/-, ५/२छं०२, ७/२८छं०, ७/४३क/-

कूबर : कुबड़ा।

"हुमगि लात तकि कूबर मारा"—२/१६२/४
२/१६२/५

***कूल**[1] : किनारा (तट)।

"दोउ बर कूल कठिन हठ धारा"—२/३३/३
६/८६छं०

किनारा (तीर)।

"ग्राम नगर दुहुँ कूल"—१/३८/-

कृत : किया हुआ।

"तेहिं धरि देह चरित कृत नाना"—१/१२/४
१/६८/१, १/११४/८, १/२२२/५, २/८१/४, २/२३३/५,
३/१/१३, ४/१५/२, ५/८/१, ५/३८/७, ५/५५/४,

***कूल**[1] : मानस में किनारे के अर्थ में तट एवं तीर शब्द भी प्रयुक्त हुए हैं। जल से दूरवाला स्थल तीर। जल को स्पर्श करने वाला स्थल तट। तुलसी ने 'तट' शब्द को 'तीर' अर्थ में तथा तीर शब्द को 'तट' अर्थ में भी प्रयोग किया है। देखिए तीर एवं तट शब्द। तट एवं तीर के बीच के स्थल को 'पुलिन' कहते हैं। मानस में पुलिन शब्द नहीं आया है। पुलिन शब्द स्वयंभू-कृत पउमचरिउ (प्रथम सन्धि २१३४) में तथा व्यास-कृत श्रीमद्भागवत (स्कंध १०/अ० १३/श्लो० ४-६) में प्रयुक्त हुआ है।

६/२/४, ६/१०/५, ६/२१/५, ६/२३/६, ६/३६/६,
६/७५/७, ६/८४छं०, ६/८१/८, ६/८३/३, ६/१०२/३,
७/१३छं०२, ७/१८/१, ७/२१/-, ७/४४/-, ७/६५/२,
७/६६ख/-, ७/७०/१, ७/७०/६, ७/७७/८, ७/८८क/-,
७/१०३/२, ७/१०३/८

रची हुई ।

"भनिति बिचित्र सुकबि कृत जोऊ"—१/८/३

१/८/५, ४/६/१८, ५/२छं०१, ६/८८/७, ६/१००/-,
६/११०छं०, ७/४१/-, ७/५६/२, ७/१०४क/-,७/११७/१६

कृतकृत्य : कृतार्थ ।

"तौ कृतकृत्य होइ सब लोगू"—१/२२१/७

१/२८५/६, ५/१६/६, ६/११०छं०, ७/५२क/-, ७/१२४/१,
७/१२८/-

कृपा : अनुग्रह ।

"करउ कृपा मर्दन मयन"—१/०४/-

१/०५/–, १/२/७, १/३ख/-, १/७ख/-, १/१४ख/-,
१/१५/७, १/१७/६, १/२७/३, १/२८/३, १/३७/६,
१/१०४/६, १/१०८/५, १/११२/–, १/१२८/३, १/१३१/५,
१/१३७/७, १/१४५/६, १/१५०/–, १/१६०/५, १/१६६/-

दया ।

"कृपा रहित हिंसक सब पापी"—१/१७५/८

१/१८५/६, १/१८८/६, १/२०६/७, १/२१०/–, १/२३८/२,
१/२७६/४, १/२७८/५, १/२७८/२, १/२७८/४, १/२८१/४,
१/३३१/–, २/१/३, २/३/२, २/८७/७, २/८४/१,
२/१०२/७, २/१०६/८, २/१५०/८, २/१८२/४, २/१८२/५,
२/२५०छं०, २/२५८/६, २/२५८/८, २/२६६/१, २/२८८/५,
२/३१५/४, ३/५/३, ३/७/४, ३/१०/१०; ३/१८/१३,
३/२३/–, ३/२८/४, ४/६/२१, ५/४/३, ५/६/२,
५/७/-, ५/१६/४, ५/२८/४, ५/३३/१, ५/३४/२,
५/३४/३, ५/४७/-, ५/४८/२, ५/५३/१, ५/५५/३,
५/५६/६, ६/११क/-, ६/१७क/-, ६/४५/२, ६/४७/२,

६/५४/३, ६/६६/४, ६/७६/६, ६/८०ख/-, ६/६०/८,
६/१०२छं०, ६/११३/-, ६/११५/४, ६/११६/८, ६/११७ख/-,
६/१२०छं०, ७/१३छं०१०, ७/१७/१, ७/१८/६, ७/२४/-,
७/३६/-, ७/४६/२, ७/४६/-, ७/४६/४, ७/५०/१,
७/६७/४, ७/६८/७, ७/७१ख/-, ७/७३/३, ७/७४/१,
७/८२/५, ७/८३/७, ७/८४ख/-, ७/८८/६, ७/६०क/-,
७/१०८/४, ७/११४/११, ७/११६/११, ७/१२०/७, ७/१२३/३,
७/१२५ख/-, ७/१२८/४, ७/१२६छं०३, ७/१२६छं३

कृपादृष्टि : दयाभाव।

"कृपादृष्टि कपि भालु बिलोके"—६/५१/८
६/१०३/-, ६/१०४/७, ७/५/६

कृपापात्र : कृपा के योग्य।

"सब बिधि नाथ पूज्य तुम मेरे,
कृपापात्र रघुनायक केरे"—७/६६/२

कृपासिंधु : दया के सागर।

"कृपासिंधु सौमित्रि गुनाकर"—१/१६/८
१/५७/२, १/६६/७, १/८७/७, १/८८/२, १/१२१/१,
१/१५०/१, १/१६३/७, १/२०८ख/-, २/७१/८, २/८२/४,
२/१००/१, २/११२/-, २/१४०/५, २/२३८/-, २/२५६/-,
२/३००/७, २/३०२/१, ३/३०/-, ३/४२ख/-, ४/५/-,
५/१३/-, ५/२३/-, ५/३८/३, ५/५६/६, ६/२६/१,
६/३७/-, ६/४८क/-, ६/७६/५, ६/१०४/-, ६/१०५/१,
६/११५/-, ६/११६/४, ६/११७क/-, ६/११६ख/-, ७/४/७,
७/६/६, ७/६/३, ७/२३/४, ७/२३/७, ७/३६/४,
७/४७/३, ७/४६/१, ७/६३ख/-, ७/१०८ग/-, ७/११२/२

कृमि : कीड़ा।

"पाहन कृमि जिमि कठिन सुभाऊ"—२/५६/२
७/६५ख/-

कृषी : खेती (भाववाचक संज्ञा)।

"जिमि हिम उपल कृषी दलि गरहीं"—१/३/७
१/२६०/३
खेत (जातिवाचक संज्ञा)।
"कृषी निरावहिं चतुर किसाना"—४/१४/८

केतु : ध्वजा ।
"केतु गृह गृह सोहहीं"—१/६३छं०
१/३३४/-, १/३४३/६, २/८७/-, ६/०३/-, ६/६१/२
सौरमण्डल का नवाँ ग्रह ।
"लूक न असनि केतु नहिं राऊ"—६/३१/६
६/६१/१४, ६/६१छं०
श्रेष्ठ ।
"रघुकुल केतु सेतु श्रुतिरच्छक"—७/३५/८

केलि : खेल ।
"भोजन सयन केलि लरिकाई"—२/६/५
२/२८१/२
लीला ।
"बाल केलि रस तेहिं सुख माना"—१/१६७/२

केवल : सिर्फ ।
"सो केवल भगतन हित लागी"—१/१२/५
१/२६/४, १/२७४/७, १/३५६/६, २/५५/१, २/५७/४, २/१३६/१, २/१६३/७, २/३०४/५, ३/३८ख/-, ६/८६छं०, ६/११३/४, ७/३६/-, ७/१०२/४, ७/१०६/६, ७/११४/१
निरा ।
"केवल मुनि जड़ जानहि मोही"—१/२७१/५

कैरव : कुमुद ।
"रघुकुल कैरव चंद"—२/१०/-
२/५८/-, २/१२१/१, २/२६२/४, ७/३०/४

कैवल्य : मोक्ष ।
"अति दुर्लभ कैवल्य परम पद"—७/११८/२
७/११८/३

कोक : चक्रवाक ।
"पंकज कोक लोक सुखदाता"—१/२३७/२
१/२३७/७, १/२३८/२, १/२५४/३, २/८६/-, २/२०८/३, ७/३०/८

कोकिल : कोयल ।
"कूजहिं कोकिल गुंजहिं भृङ्गा"—१/१२५/२
१/२२६/६, १/३२१छं०, २/६२/७, ३/३६/६

कोकिला : कोयल ।

"मधुप निकर कोकिला प्रबीना"—३/२९/१०

कोकी : चकवी ।

"रहिहउँ मुदित दिवस जिमि कोकी"—२/६५/४

२/८६/-, २/१३९/३

कोट : परकोटा ।

"कनक कोट मनि खचित दृढ़"—१/१७८क/-

१/२१२/८, ५/२/११, ५/२छं०१, ६/४०/-, ६/४०/१, ७/२६/४

कोटर : पेड़ का खोखला भाग ।

"महाबिटप कोटर महुँ जाई"—७/१०६/८

कोटि : करोड़ ।

"सो श्रम जाइ न कोटि उपाएँ"—१/१०/५

१/२३/३, १/२५/-, १/३२/६, १/६९/८, १/८०/५, १/८६/-, १/१०४/३, १/१३९/६, १/१४६/-, १/१४६/-, १/१७८/२, १/१९८/१, १/२०१/-, १/२०१/-, १/२१९/५, १/२२०/-, १/२२०/-, १/२४२/१, १/२४९/७, १/२७२/८, १/२८४/४, १/२९५/-, १/३१०/-, १/३२६/१, १/३५०क/-, २/२६/६, २/३२/५, २/३६/-, २/९४/३, २/९४/७, २/९५/-, २/९६/२, २/१०७/-, २/१०७/२, २/११४/६, २/११६/१, २/१२५/४, २/१५६/६, २/१८५/५, २/१९४/८, २/१९९/४, २/१९९/८, २/१९९/८, २/२२७/६, २/२३२/७, २/२४३/४, २/२६०/३, २/२६७/५, २/२७९/३, ३/१७छं०, ३/२१/९, ४/३/४, ४/३०ख/-, ५/२५/२, ५/३४छं०१, ५/४३/१, ५/४३/२, ५/४९/७, ५/५३/५, ५/५५/-, ५/५८/-, ६/३४ख/-, ६/४०/-, ६/४०/-, ६/५४/-, ६/६३/-, ६/६४/५, ६/६४/५, ६/६६/२, ६/६६/२, ६/६९/-, ६/६९/-, ६/९५छं०, ६/११९/७, ७/१०/६, ७/५१/२, ७/५३/३, ७/७४/५, ७/७७/८, ७/८२ख/-, ७/८४/४, ७/८९ख/-, ७/९०/७, ७/९०/८, ७/९०/८, ७/९१क/-, ७/९१क/-, ७/९१क/-, ७/९१ख/-, ७/९१ख/-, ७/९१/१, ७/९१/१, ७/९१/२, ७/९१/३, ७/९१/३,

७/८१/४, ७/८१/५, ७/९१/५, ७/८१/६, ७/८१/६,
७/८१/७, ७/८१/७, ७/८१/८, ७/८१छं०, ७/१०६/५,
७/१०७छं०५, ७/१०७छं०८, ७/११८/५, ७/१२१/८
अनेकों।
"करत कोटि बिधि उर अनुमाना"—२/२६५/६

कोटिक : करोड़।
"करहिं कलप कोटिक भरि लेखा"—१/३४१/२
२/१८/-, २/१८/३, २/२७/५, २/५०/४, २/६२/१,
२/१८३/७, ७/५३/२, ७/५३/४
अनेक।
"कहिं कहिं कोटिक कथा प्रसंगा"—२/८६/५

कोटी : करोड़।
"छन सुख लागि जनम सत कोटी"—३/४/१७

कोदंड : धनुष।
"कोदंड खंडेउ राम"—१/२०६छं०
३/१७/१३, ३/१७छं०, ३/२५/-, ५/२०/८, ६/०१/-,
६/८३/८, ६/८५/१०, ६/८०छं०, ६/१०२छं०

कोप : क्रोध।
"बीरभद्र करि कोप पठाए"—१/६४/१
१/१२३/-, १/१३५/२, १/१६४/३, १/१६५/५, १/१६५/६,
२/२२/७, २/२५/-, ३/१८छं०३, ६/३१/८, ६/८४छं०,
६/८८छं०, ६/११०छं०, ७/१०८/३

कोपभवन : वह भवन जहाँ कोई रूठी हुई स्त्री जाकर बैठ रहे।
"कोपभवन गवनी कैकेई"—२/२२/४
२/२४/१

कोमल : मुलायम।
"सुनि उमा बचन बिनीत कोमल"—१/८६छं०
१/३५५/२, २/३१०/४, ३/१/८, ३/३२/१, ४/०/८,
४/८/१, ५/५६/५, ७/१८ग/-, ७/१०८/२

कोमलता : नरमी।
"मति थोरि कठोरि न कोमलता"—७/१०१छं०

कोल : एक जंगली जाति।
"बनहित कोल किरात किसोरी"—२/५८/१
२/८७/८, २/१३२/७, २/१३४/१, २/१८४/-, २/२२३/४, २/२४८/१, २/२५०छं०, २/२७५/५, २/३२०/२, ७/८८/५
सूअर।
'कोल कराल दसन छबि गाई"—१/१५५/७
१/१५६/७, २/१३७/१
वाराह अवतार।
"अहि कोल कूरम कलमले"—१/२६० छं०

कोलाहल : बड़ा शोर।
"भयउ कोलाहल हय गय गाजे"—१/३०१/५
१/३१८/७, २/१२३/८, ६/१७/८, ६/८१छं०, ६/११८/३, ७/३ग/-
कोहराम।
"लंका भयउ कोलाहल भारी"—६/३८/१

कौतुक : तमाशा।
"कामकृत कौतुक अयं"—१/८४छं०
१/८५/१, १/८१/१, १/१२७/-, १/२८१/८, १/३०१/८, १/३१८छं०, २/२४छं०, ३/१८छं०४, ५/१८/५, ५/२४/६, ६/२३/१६, ६/२८/८, ६/३२क/-, ६/३५/४, ६/४५/८, ६/४८/६, ६/५१/६, ६/५२/८, ६/८४/५, ६/८०छं०, ७/५/४, ७/५४/२, ७/५५/६, ७/५६/१०, ७/७८/५, ७/८७/५, ७/१००छं०
खेल।
"मुनि कर हित मम कौतुक होई"—१/१२८/६
१/२२४/६, १/३२६छं०३, ४/२८/१२, ६/०/८
अचम्भा।
"सो हरि पढ़ यह कौतुक भारी"—१/२०३/५
४/२३/५, ६/४/१
बिना परिश्रम।
"कौतुक देखत सैल बन"—१/१/-
५/०/५
लीला।

"कौतुक देखहिं अति सचु पाएँ" —१/३२०/७
५/३३/८
उत्सव ।
"कौतुक देखि पतंग भुलाना"—१/१९४/८
चमत्कार ।
"अस कौतुक करि राम सर"—६/१३ख/-
कौतूहल ।
"बालितनय कौतुक अति मोही"—६/३७/५

कौतूहल : आनंद ।
"नभ नगर कौतूहल भले"—१/३२५छं० ४
लीला ।
"यह कौतूहल जानइ सोई"—६/५४/३

कंज : कमल ।
"बंदउँ गुरु पद कंज"—१/०५/८
१/१९/८, १/८५छं०, १/१९८/१, १/२२०/५, ३/३छं०, ४/२४/-, ५/२९/-, ५/४७/-, ६/१८/-, ६/३५क/-, ६/५५/६, ६/८०ख/-, ६/१०६/-, ६/११२छं०, ६/११४छं०, ७/१२छं०४, ७/१२छं०४, ७/२८छं०, ७/२९/४, ७/३८/-, ७/५०/२, ७/७६/५

कंटक : काँटा ।
"कुस कंटक मग काँकर नाना"—२/६१/५
२/३१०/५, १/१२छं०४

कंठ : गले का अग्रभाग ।
"कंबु कंठ अति चिबुक सुहाई"—१/१९८/७
१/२७८/८, १/३१५/१, ४/७/७, ४/१०/-, ४/१९/६, ५/९/४, ६/१९/७
गले की आवाज ।
"गदगद कंठ न कछु कहि जाई"—१/७१/७
१/९१/४

कंठगत : गले में आया हुआ ।
"प्रान कंठगत भयउ भुआलू"—२/१५३/१

कंडु : खारिश ।

"ममता दादु कंडु इरषाई"—७/१२०/३३

कंद : मूल ।

"प्रगटे सुषमा कंद"—१/१८४/-
१/२०८/-, २/६२/-, २/६५/३, २/८८/-, २/१०६/२, २/११८/१, २/१२३/४, २/१२४/३, २/१३४/२, २/१३८/६, २/१८२/२, २/२००/३, २/२१२/-, २/२१२/५, २/२४७/५, २/२४८/२, २/२७८/८, २/२७८/७, ३/२३/-, ३/३४/-, ४/१२/२, ५/०/२
बादल।

"सुद्ध सच्चिदानंदमय कंद भानुकुल केतु"—२/८७/-
६/१०२छं०

कंदर : गुफा ।

"कंदर खोह नदी नद नारे"—२/६१/७
२/१३५/६, ३/१७/११, ६/७२/६, ६/८५/७

कंदरा : गुफा ।

"गिरि कंदरा सुनी संपाती"—४/२६/१
६/१८/६, ६/७४/२

कंदुक : गेंद ।

"कंदुक इव ब्रह्मांड उठावौं"—१/२५२/४
६/१/१, ६/२६/५

कंध : तना ।

"षट कंध साखा पंच बीस"—७/१२छं०५

कंधर : गरदन का पिछला भाग ।

"केहरि कंधर चारु जनेऊ"—१/१४६/७
१/२१८/५

कंप : काँपना ।

"हृदय कंप तन सुधि कछु नाहीं"—१/५४/६
१/२००/६, १/२०७/१, २/६८/२, ६/१३/१, ६/८०छं०

कंपति : समुद्र ।

"कंपति कमठ भू भूधर त्रसे"—६/८०छं०

कंपित : काँपते हुए।
‘कहहिं बचन भय कंपित गाता”—१/६४/६
६/७/-, ६/६४/३, ७/१०७क/-

कंबल : एक प्रकार का ऊनी वस्त्र।
“कंबल बसन बिचित्र पटोरे”—१/३२५/३

कंबु : शंख।
‘कंबु कंठ असि चिबुक सुहाई”—१/१९८/७
१/२३२/७, १/२४२/८

किंकर : दास।
“जानि कृपाकर किंकर मोहू”—१/७/३
२/२०८/१, ७/१/६, ७/१२४/१०
गुलाम।
“किंकर कंचन कोह काम के”—१/११/३

कुंकुम : केसर।
“मृगमद चंदन कुंकुम कीचा”—१/१९३/८

कुंचित : घुँघराले।
“चिक्कन कच कुंचित गभुआरे”—१/१९८/१०
१/२१९/-, ७/७६/६

कुंजर : हाथी।
“कुंजर मनि कंठा कलित”—१/२४३/-
१/२५४/५, १/३२१छं०, १/३३२/७, २/१०५/१, २/३२५/७

कुंठित : कुंद।
“भा कुठारु कुंठित नृपघाती”—१/२७९/१

कुंड : मटका।
“जनु फूटहिं दधि कुंड”—६/४४/-

कुंडल : कान का आभूषण।
“कुंडल कंकन पहिरे ब्याला”—१/९१/२
१/१४६/५, १/२४२/४, १/३२६/८

कुंत : भाला।
“कुबलय बिपिन कुंत बन सरिसा”—५/१४/३

कुंद : एक प्रकार का सफेद पुष्प।
“कुंद इंदु सम देह”—१/०४/-
१/१०५/६, ३/२९/११

कुंभ : मस्तक ।

"मत्त नाग तम कुंभ बिदारी"—६/११/२

क्रिया : दाह-कर्म ।

"एहि बिधि दाह क्रिया सब कीन्हीं"—२/१६९/५
२/२४७/१, ३/३२/-, ६/१०४/७, ६/१०४/८, ७/६४/६, ७/६५/७

श्राद्ध ।

"अनुज क्रिया करि सागर तीरा"—४/२७/१
कर्म ।

"जेहि ते बिपरीत क्रिया करिऐ"—३/११०छं०१०

क्रुद्ध : क्रोधयुक्त ।

"भए क्रुद्ध तीनिउ भाइ"—३/१९छं०
६/४३/१, ६/५२/–, ६/६८/२, ६/७५/१०, ६/७५/१३, ६/८१/१, ६/८२/-, ६/८४छं०, ६/८५/-, ७/९०/१, ६/९०छं०, ६/९३/-, ६/९३/४, ६/९७/१४

क्रोध : गुस्सा ।

"देखत हृदयँ क्रोध भा तेही"—१/१३३/८
१/१३४/८, १/१५५/६, १/१८०/४, १/२०८/५, १/२७९/५, २/३३/२, ३/१०/१३, ३/२०/६, ३/२५छं०, ३/३८क/-, ३/३८ख/-, ३/३८/३, ३/४२/९, ३/४३/-, ३/४३/३, ४/१४/४, ४/१८/८, ४/२०/४, ५/३८/-, ५/४९क/-, ५/५३/१, ५/५४/५, ६/१८/८, ६/४१/९, ६/४९/४, ६/६५/९, ६/७३/४, ६/७५/५, ६/८४/६, ६/८९/२, ६/९०/८, ६/११४छं०, ७/३०/४, ७/३८/५, ७/५५/३, ७/६९/८, ७/७३क/-, ७/१०५ख/-, ७/१०८ग/-, ७/११०/१४, ७/११०/१५, ७/१११ख/-, ७/११२ख/-, ७/१२०/३०

क्रोधी : क्रोध करनेवाला ।

"कपटी कुटिल कलह प्रिय क्रोधी"—२/१६७/२
२/१७२/२, ३/४/८, ६/३०/३, ७/३९/४, ७/९८/३

खर : एक राक्षस जिसे रामचन्द्र जी ने मारा था ।

"खर दूषन पहिं गइ बिलपाता"—३/१७/२
३/१८/२, ३/१८/१४, ३/१९छं०२ह, ३/२१/११, ३/२१/१२, ३/२२/२, ३/२५/-, ५/२०/९, ६/३६/-, ६/८९/५, ७/६५/४

गधा ।

"खर स्वान सुअर सृकाल"—१/८२छं०

२/१५७/५, ५/२छं०३, ५/१०/४, ६/२८/-, ६/७७छं०, ६/८६छं०, ६/१०१/७, ७/५०/५

तीखी।

"खर कुठार मैं अकरुन कोही"—१/२७४/६

कड़ी ।

"पंथ कथा खर आतप पवनू"—१/४१/४

तीव्र ।

"जासु परसु सागर खर धारा"—६/२५/३

खरी : गधी ।

"खरी सेव सुरधेनुहि त्यागी"—७/१०८/७

खर्पर : खोपड़ी ।

"पिसाच खर्पर संचही"—३/१८छं०

पीठ ।

"जनु कमठ खर्पर सर्पराज"—५/३४छं०

***खल[1]** : दुष्ट ।

"बहुरि बंदि खल गन सति भाएँ"—१/३/१

१/३/८, १/४/—, १/५/१, १/८/-, १/८/१, १/८/२, १/१४च/-, १/१५/५, १/१७/-, १/२३/३, १/२४/-, १/३७/३, १/४१/-, १/१६८/५, १/१६८/७, १/१७२/३, १/१७४/४, १/१७५/७, १/१७६/७, १/१८३/१, १/२६४/१, १/३५६/-, २/१२५छं०, २/२५३/४, २/२८८/२, ३/१८/८, ३/१८/११, ३/२१/७, ३/२३/८, ३/२७/१, ३/२७/१४, ३/२८क/-, ३/३०/२, ३/३१छं०२, ३/३८क/-, ४/१३/२, ४/१३/४, ४/१३/५, ४/१४/३, ५/२छं०३, ५/८/३, ५/८/८, ५/२३/३, ५/३१/-, ५/३८/४, ५/४०/२, ५/४०/४, ५/४५/५, ५/४६/१, ५/५५/८, ५/५६ख/-, ५/५८/५, ६/७/१, ६/२१/४, ६/२५/-,

---

***खल[1]** : दुष्ट अर्थ में तुलसी ने मानस में 'खल' एवं तद्भव शब्द 'सठ' का प्रयोग किया है । खल का मलिन स्वभाव सत्संग द्वारा भी नहीं मिटता । देखिए 'खल' शब्द, जबकि 'सठ' का मलिन स्वभाव सत्संग द्वारा मिट जाता है—(१/२/८, ६/८/१, ६/८३/५, ७/४३/२) ।

६/२६/२, ६/२७/५, ६/२८/१, ६/३०/५, ६/३२/५
६/३२/६, ६/४४/३, ६/४८ख/-, ६/५६/-, ६/६७/-,
६/६८/११, ६/७०/१२, ६/७३/४, ६/७४/४, ६/७५/११,
६/८०छं०१, ६/८१/७, ६/८२/१, ६/८५/४, ६/९०/६,
६/९३/७, ६/९५/१, ६/१०२छं०, ६/१०८/४, ६/१०८/८,
६/११०छं०, ३/११०छं०, ६/११३/१०, ७/१२छं०१, ७/४०/-,
७/१०५क/-, ७/१०५/१४, ७/१०५/१५, ७/१०५/१६, ७/१०६/४,
७/१०६/७, ७/१११/४, ७/११८/६, ७/१२०/१७, ७/१२०/१८,
७/१२८छं०१

खलु : निश्चय ।
"जारि सकइ खलु तूल"—५/३३/-
६/५/६, ६/८८/८, ७/११५/४

खस : जाति-विशेष ।
"स्वपच सबर खस जमन जड़"—२/१९४/-
७/१२९छं०१

खानि : खान ।
"हा गुन खानि जानकी सीता"—३/२९/७
३/४४/-, ४/०१/-, ७/११ख/-, ७/२३/३, ७/८३ख/-,
७/८४/३

खानिक : खान ।
"गुपुत प्रगट जहँ जो जेहि खानिक"—१/०/८

खिन्न : दु:खी ।
"जिन्हहि परम प्रिय खिन्न"—१/१८/-
७/५८/२
उदास ।
"खेद खिन्न छुद्धित तृषित"—१/१५७/-

खेद : मानसिक दु:ख ।
"भव खेद छेदन दच्छ हम कहुँ"—७/१२छं०२
७/५८/२
थकावट ।
"जिन्हहि न सपनेहुँ खेद"—१/१४ङ/-
श्रम ।
"खेद खिन्न छुद्धित तृषित"—१/१५७/-

खेल : खेल ।

"खेलहिं खेल सकल नृपलीला"—१/२०३/६

२/२५८/८, ६/४३/-

लीला ।

"प्रभु कृत खेल सुरन्ह बिकलई"—६/८३/३

खेलन : खेलना ।

"पुरुष सिंघ बन खेलन आए"—३/२१/३

खंजन : पक्षि-विशेष ।

"खंजन मंजु तिरीछे नयननि"—२/११६/७

३/२८/१०, ४/१५/६

खंड : टुकड़ा ।

"खंड खंड होइ हृदय न गयऊ"—२/१६१/१

२/१६१/१, ३/३८छं०, ६/४०छं०, ६/८१/३, ६/८१/३, ६/१०२/६

खंडन : खंड-खंड करना ।

"दससीस बाहु प्रचंड खंडन"—३/३१छं०१

६/११०छं०, ७/५०/८

खंडित : कटी हुई ।

"मुंडित सिर खंडित भुज बीसा"—५/१०/४

नष्ट हुआ ।

"भुज बल बिपुल भार महि खंडित"—७/५०/५

गगन : आकाश ।

"गगन चढ़इ रज पवन प्रसंगा"—१/६/८

१/५६/४, १/७३/८, १/७४/५, १/११६/२, १/१८६/८, १/१८०/६, १/१८०/७, १/३२३/७, २/१८०/६, २/२०८/८, २/२३०/१, ३/११/-, ३/१७/८, ३/२०ख/-, ३/३३/४, ४/४/४, ४/१०/४, ४/२७/२, ५/२/२, ५/११/८, ५/३४/८, ५/५८/२, ६/११/-, ६/५७/-, ६/७०/-, ६/८०छं०, ६/८१छं०, ६/८३/७, ६/८०/२, ६/८२/६, ६/८४/४, ६/८६/६, ६/१०८क/-, ६/११६/५, ७/३ख/-, ७/८ख/-, ७/११३/५

गगनगिरा : आकाशवाणी।

"गगनगिरा गंभीर भइ"—१/१८६/-

गगनचर : आकाश में उड़ने वाला जीव।

"एहि बिधि सदा गगनचर खाई"––५/२/३

गज : हाथी।

"अहि गिरि गज सिर सोह न तैसी"––१/१०/१

१/१५६/५, १/१८५/८, १/२१३/२, १/२८२/-, १/२८४/४, १/२८८/२, १/३००/१, १/३०४/-, १/३१७/४, १/३२५/४, १/३२८/५, १/३३८/२, २/१६८/८, २/१८५/२, २/२०२/६, २/२३५/५, २/३१८/६, २/३१८/८, ३/२८/१२, ३/३२/५, ३/३७/५, ५/२छं०१, ६/१८/-, ६/२४/७, ६/६४/६, ६/७७छं०, ६/७८/३, ६/७८छं०, ६/८५/३, ६/८६/४, ६/८६छं०, ६/११४छं०, ७/१०क/-, ७/२२/१, ७/२८/१, ७/४८/३

गजराज : श्रेष्ठ हाथी।

"महामत्त गजराज कहुँ"—१/२५६/-

३/१७छं०, ६/६८/-

गजारि : सिंह।

"नहिं गजारि जसु बधें सृकाला"—६/२८/३

गत : बीता हुआ।

"एहि प्रकार गत बासर सोऊ"—२/२७२/३

४/११/८, ४/१५/४, ४/१७/१, ६/११२छं०, ७/१२०/२६, ७/१२८/८

रखा हुआ।

"अंजलि गत सुभ सुमन जिमि"—१/३क/-

१/२०/५

रहित।

"गत ममता मद मोह"—७/४६/-

७/५३/७

गया हुआ।

"जिमि सुरसरि गत सलिल सुहाए"—२/४२/८

गिरा।

"मेधा महि गत सो जल पावन"—१/३५/८

गति : दशा ।

"भै जग बिदित दच्छगति सोई" १/६४/३

१/८६ छं०, १/१४८/८, १/२६५/-, १/३२३छं०, १/३३५छं०, २/३७/६, २/१४०/७, २/१४२/८, २/१६३/६, २/१६४/६, २/१६७/-, २/१६७/४, २/१६७/८, २/२०२/८, २/२०४/-, २/२३२/७, २/२३७/५, २/२६२/५, २/२७०/१, २/२८७/-, २/३१७/१, २/३२०/७, ३/३०/२, ६/३०/८, ३/३२/२, ३/३३/४, ५/३७/५, ५/५६/१०, ६/३५/१२, ६/६०/१८, ६/१ ३/३, ७/१०२ख/-, ७/१०८/१६

चाल ।

"गति कूर कबिता सरित की"—१/८ छं०

१/२७/८, १/१२४/४, १/१३३/२, १/१५०/-, १/१५६/१, १/१८८/२, १/२१७/३, १/२५५/५, १/२८८/२, १/३१५/७, १/३१५छं०, १/३२१छं०, २/४६/८, २/५२/५, २/५४/२, २/५४/३, २/८८/७, २/१०८/८, २/११७/८, २/१६१/४, २/१७५/२, २/२६६/४, २/२८१/१, २/२८१/४, २/३०२/८, २/३१३/८, ४/६/८, ६/४/५, ६/१०८/८, ७/४४/-, ७/१११/४, ७/१२६/७

मुक्ति ।

"मति कीरति गति भूति भलाई"—१/२/५

१/२६६/४, १/३२३छं०२, २/२३४/४, ३/४/१८, ३/१६/१५, ३/२१ख/-, ३/३५/८, ४/८/४, ५/२छं०३, ६/४४/३, ६/४४/४, ६/११३/१०, ७/१४/५, ७/२०/४, ७/६५/७, ७/१२८/८, ७/१२८छं०१

सहारा ।

"गति अनन्य तापस नृप रानी"—१/१४४/५

१/२५७/६, १/२६३/-, २/१२८/५, २/२८४/-, २/२८१/१, २/२८३/६, २/२८८/८, ३/८/८, ३/१६/-, ३/३३/५, ५/३१/२, ६/१०४/-, ६/१०८/७, ७/८५/७

स्थिति ।

"मुनि गति देखि सुरेस डेराना—"—१/१२४/५

२/२४१/७, २/२४६/२, २/२६८/३, २/२७१/-, २/२८०/४, ३/५क/-, ३/८/३

पहुँच ।
"गति सर्वत्र तुम्हारि" १/६६/-
७/७८ख/-, "/१०८/१२
करती ।
"सुनि कुठार गति घोर"—१/२७८/-
२/२००/-
विशेषता ।
"नाम रूप गति अकथ कहानी"—१/२०/७
रहस्य ।
"जाना चहहि गूढ़ गति जेऊ"—१/२१/३
वेष ।
"कोउ अपावन गति धरें"—१/८२छं०
लीला ।
"अति बिचित्र भगवंत गति"—२/७७/-
भाव ।
"बूझि मित्र अरि मध्य गति"—२/१८२/-
पहचान ।
"पथ गति कुसल साथ सब लीन्हें"—२/२१५/३
दुविधा ।
"सुकबि लखन मन की गति भनई"—२/२३८/५
विधान ।
"सो गोसाइँ बिधि गति जेहिं छेंकी" – २/२५४/८
ज्ञान ।
"धीर धर्म गति परम प्रबीना"—३/४४/८
आचरण ।
"धीर धर्म गति परम प्रबीना"—३/४४/८
शरण ।
"अंतकाल गति तोर"—४/८/-
दण्ड ।
"समुझि घोर गति मोरि"—७/१०७ख/-

गदा : लोहे का एक पुराना हथियार ।
"आपुनु चलेउ गदा कर लीन्ही"—१/१८१/४
६/८३/४, ६/८३/८, ६/८३छं०

गम्य : जानने योग्य ।
"अनुभव गम्य भजहिं जेहि संता"—३/१२/१२
७/११०/४

गरल : विष ।
"गरल अनल कलिमल सरि ब्याधू"—१/४/८
१/५/-, १/८१/४, २/१८३/८, २/२८१/-, ४/०२/-,
५/४/२, ६/११/८, ७/११८/७

गर्भ : हमल ।
गर्जत गर्भ स्रवहिं सुर रवनी"—१/१८१/५
१/२७८/-, ५/२७/१, ५/३५/७, ६/२०/६

गल : गला ।
"गल अँतावरि मेलहीं"—६/८०छं०

गलित : रहित ।
"तुम्ह सारिखे गलित अभिमाना"—१/१६०/-

गहन : घना ।
"गयउ दूरि घन गहन बराहू"—१/१५६/५
१/२८४/१, ७/२८/७
वन ।
'डरपहिं धीर गहन सुधि आएँ"—२/६२/४
४/२३/३, ६/२५/२
दुर्गम ।
"पंगु चढ़इ गिरिबर गहन"—१/०२/-

गाथ : कथा ।
"बेद बिदित गुन गाथ"—१/२४/-
१/१२४ख/-, १/३५१/-
स्तुति ।
'गावहिं प्रभु गुन गाथ"—३/२७/-

गाथा : कथा ।
'तेहि बल मैं रघुपति गुन गाथा"—१/१२/८
१/३३/३, १/४७/५, १/१०४/७, १/१०८/८, १/३३०/७,
१/३४१/३, २/१७२/७, २/२२३/१, २/२३२/२, २/२४६/२,

५/५२/१, ६/२७/६, ६/५६/४, ७/१/१५, ७/९०/२, ७/११०/१

वर्णन ।

"सुमिरि सो नाम राम गुन गाथा"—१/२७/२

गान : गाना ।

"करहिं निरंतर गान"—१/१२/-

१/८५छं०, १/९१/-, १/१२५/५, १/१२७/३, १/१३८/-, १/२००/-, १/२८५/२, १/३०१/८, १/३१७/३, १/३१७/८, १/३१७छं०, १/३२१छं०, १/३२२/६, १/३२२छं०१, १/३२४/-, १/३२५छं०४, १/३२८/१, १/३३९/-, १/३४८/५, २/१६/१, ३/३५/-, ५/६०/, ६/१००छं०२, ७/३ख/-, ७/१२ग-, ७/३०/-, ७/४१/८, ७/५९/-

गामी : चलनेवाला ।

"ससि गुर तिय गामी"—२/२८८/-

४/०/८, ५/२१/४, ७/१११/४

चाल ।

"मत्त मंजु बर कुंजर गामी"—१/२५४/६

गायक : गवैया ।

"मागध सूत बंदिगन गायक"—१/१९३/६

२/३६/६

गिरा : वाणी ।

"चलत गगन भै गिरा सुहाई"—१/५६/४

१/६७/१, १/७४/५, १/१११/५, १/११९/१, १/१३२/३, १/१४४/७, १/१५९/३, १/१७३/४, १/१९९/-, १/२०७/७, १/२१५/-, १/२२८/२, १/२३३/७, १/२४६/५, १/२५८/१, १/२७३/-, १/३१९/७, १/३२९/५, १/३३६/१, १/३६०/६, १/३६०छं०, २/१८/-, २/९६/७, २/२०६/-, २/२१२/२, २/२४८/२, २/२५०छं०, २/३०६/४, २/३२४/८, ३/१०/११, ३/१५/११, ३/१९छं०१, ३/२७/२, ३/२८/१९, ३/३९/४, ४/२७/१०, ५/२२/३, ६/९/४, ६/२०/-, ६/२८/२, ६/७४/१२, ६/८०छं०, ७/१३ख/-, ७/२५/-, ७/५४/६, ७/५९/६, ७/६३/५, ७/७१/५- ७/९४/१, ७/१०७छं०३, ७/१०८/२, ७/११२/१०, ७/१२८/७

वचन ।
"बोले गिरा प्रमान"—१/२५२/-
७/१२४ख/-
भाषा ।
"गिरा ग्राम्य सिय राम जस"—१/१०ख-
सरस्वती ।
"सिर धुनि गिरा लगि पछिताना"—१/१०/७
शब्द ।
"गिरा अरथ जल बीचि सम"—१/१८/-

गिरापति : वाणी के स्वामी ।
"सुमिरि गिरापति प्रभु धनुपानी"—१/१०४/४

गिरि : पर्वत ।
"अहि गिरि गज सिर सोहन तैसी"—१/१०/१
१/११/११, १/६५/२, १/६५/८, १/६७/३, १/७०/५, १/७८/५, १/८५छं०, १/१०५/२, १/१६६/७, १/१७१/-, १/१७७/५, १/१८१/६, १/१८३/५, १/१८७/४, १/१८७/५, १/२०१/१, २/२७/५, २/१११/६, २/११३/-, २/१२३/६, २/१३१/३, २/१३५/६, २/१३७/६, २/२७८/१, २/२७८/७, २/२८४/३, २/३११/२, ३/६/४. ३/१३/२, ३/१७/४, ३/१७/११, ३/२८/२५, ३/३७/८, ४/६/२, ४/११/१०, ४/१२/-, ४/१३/४, ४/२३/-, ४/२३/२, ४/२३/५, ४/२३/७, ४/२६/१, ४/२७/११, ५/०/७, ५/२/१०; ५/२०/६, ५/३४/८, ५/३४छं०१, ५/५८/२, ६/१/-, ६/१८/६, ६/३८/७, ६/४२/६, ६/५५/-, ६/५५/७, ६/५७/८, ६/६४/५, ६/६६/-, ६/६६/२, ६/६८/७, ६/६८/१०, ३/६८/११, ६/७२/५, ६/७२/६, ६/७४ख/-, ६/८२/६, ६/८४/१, ६/८५/७, ६/८७/४, ६/१००छं०२६, ७/५५/६, ७/५५/७, ७/५६/१, ७/५६/३, ७/६१/२, ७/८०/४, ७/१०८ख/-, ७/१२४/६
हिमाचल ।
"कौतुकहीं गिरि गेह सिधाए"—१/६५/५
१/८३/७

गीत : गान ।
"नाचहिं गावहिं गीत"—१/८३/-

१/२२७/३, १/२४७/१, १/२६१/६, १/३००/५

गुच्छ : गुच्छा ।
"गुच्छ बीच बिच कुसुम कली के"—१/२३२/२

गुण : सद्गुण ।
"धर्म वर्म नर्मद गुण ग्रामः"—३/१०/१६

गुप्त : अदृश्य ।
"गुप्त रूप अवतरेउ प्रभु"—१/४८क/-
४/१४/-, ७/८८/४, ७/११२/११, ७/११३/२, ७/१२७/१

गुरु : शिक्षक ।
"बंदउँ गुरु पद कंज"—१/०५/-
१/०/१, १/१/१, १/७६/३, १/१७२/-, १/१८२/७, १/१८७/-, १/२०२/३, १/२०३/३, १/२०४/७, १/२२४/६, १/२३६/६, १/२३८/८, १/२५३/७, १/२६६/६, १/३०६/५, १/३५६/२, २/३/१, २/८/४, २/७०/-, २/७०/४, २/१२८/३, २/२५८/१, २/२८०/७, ३/१५/१०, ३/२५/२, ३/४५/३, ४/११/१

कुलगुरु ।
"प्रात क्रिया करि गे गुरु पाहीं"—१/३२८/४
भारी ।
"हरि गिरि तें गुरु सेवक धरमू"—२/२५२/६

गुहा : गुफा ।
"प्रथमहिं देवन्ह गिरि गुहा"—४/१२/-
निषादराज गुह ।
"सुनत गुहा धायउ प्रेमाकुल"—६/१२०/१०

गृह : घर ।
"गृह कारज नाना जंजाला"—१/३७/८
१/६४/६, १/६४/७, १/६५/३, १/६५/४, १/८०/७, १/८१/१, १/८३/७, १/८३छं०, १/८३छं०, १/८७/५, १/१५७/४, १/१६६/४, १/१६७/७, १/१७२/६, १/१७७/१, १/१७८/७, १/१८६/५, १/१८८/२, १/१८२/५, १/१८४/-, १/१८४/-, १/१८४/६, १/२१३/३, १/२१६/८, १/२३८/६, १/२५१/४, १/२८६/५, १/२८८/६, १/२८८/६, १/२८८/८,

१/२८५/४, १/३४४/-, २/४८/४, २/६०/३, २/८७/२, २/१२७/५, २/१३८/१, २/२१३/४, २/२८०/-, ३/१३/-, ३/२८/१६, ३/३८/८, ३/३८/५, ४/५/१०, ५/२५/६, ५/३८/४, ६/१३/५, ६/३८/४, ६/४२/८, ६/५५/२, ६/८४/७, ६/११५/५, ६/११६क/-, ६/११७/५, ६/११७/१०, ७/१५/१, ७/१६/-, ७/१७/७, ७/१७/८, ७/१८/५, ७/२३/८, ७/२५/७, ७/२५/७, ७/२६/८, ७/२६/८, ७/२७/-, ७/२७/-, ७/४६/-, ७/४८/७, ७/४८/१, ७/५५/२, ७/६०/-, ७/६१/३, ७/८८/६, ७/१००छं०, ७/१०८क/-

महल ।

"रामायुध अंकित गृह"—५/५/-

६/५/१, ७/८/१

मन्दिर

"सर समीप गिरजागृह सोहा"—१/२२७/४

गृहासक्त : घर-गृहस्थी ।

"गृहासक्त दुखरूप"—७/७३क/-

गृही : गृहस्थ ।

"सोचिअ गृही जो मोहबस"—२/१७२/-

२/२०५/१, ४/१३/-, ७/१००छं०

गेह : घर ।

"कौतुकही गिरि गेह सिधाए"—१/६५/५

१/७८/-, २/६८/६, ३/१/-, ३/४५/-, ७/१५/६

गो : इन्द्रिय ।

"माया गुन गो पार"—१/१८२/-

३/१४/३, ३/३१छं०४, ४/८छं०, ६/११०छं०, ६/११०छं०

गाय ।

"गो द्विज हितकारी जय असुरारी"—१/१८५छं०

१/१८५/८, ४/२६/-

पृथ्वी ।

"गो द्विज धेनु देव हितकारी"—५/३८/३

गोघात : गोवध ।

"होइ पाप गोघात समाना"—६/३१/२

गोचर : सामने ।

"लोचन गोचर सुकृत फल"—२/१०६/-

४/६/५, ४/६छं०१

विषय ।

"गो गोचर जहँ लगि मन जाई"—३/१४/३

३/३०/७, ६/११०छं०

अनुभव ।

"श्रवन नयन मन गोचर बरनी"—२/११६/३

गोपद : गाय के खुर से बना हुआ गड्ढा ।

"भव बारिधि गोपद इव तरहीं"—१/११८/४

२/२३१/२, ५/४/२, ७/१२८/६

गौर : गौर वर्ण ।

"सुंदर गौर सुबिप्रबर अस उपदेसेउ मोहि"—१/७२/-

१/१०५/६, १/१६७/५, १/२०८/३, १/२१४/५, १/२१६/२, १/२१८/४, १/२२०/-, १/२२०/७, १/२२८/२, १/२३१/३, १/२४०/२, १/२४२/-, १/२७६/७, १/२६०/५, १/३१०/४, २/११६/-, ३/३३/८, ४/०/७

गौरव : आदर ।

"राम देहु गौरव गिरिबरहू"—२/१३१/८

७/६८ख/-

गंजन : नष्ट करने वाले ।

"गंजन बिपति बरूथा"—१/१८५ छं०

७/५०/३, ७/१२६/२

गंध : सुगंध ।

"बिनु महि गंध को पावइ कोई"—७/८६/४

गंधर्व : देवताओं का एक भेद जो देवलोक के गायक हैं ।

"प्रेत पितर गंधर्व"—१/७घ/-

१/१८२ख/-, १/१६०/६, ३/३२/८, ५/२ छं०२, ५/३४छं०१, ६/११२ छ , ७/११ छं०१, ७/८०/२

गंभीर : घना ।

"निसा घोर गंभीर बन"—१/१५६क/-

दुर्बोध ।

"गगनगिरा गंभीर भइ"—१/१८६/-

गहरा।

"निर्मल जल गंभीर"—७/२८/-

गूढ़।

"बचन सुखद गंभीर"—७/८३क/-

गुंजा : घुँघची।

"गिरि सम होहिं कि कोटिक गुंजा"—२/२७/५

७/४३/३

ग्रंथ : पुस्तक।

"श्रुति पुरान सब ग्रंथ कहाहीं"—७/१२१/१४

ग्रंथि : गाँठ।

"जड़ चेतनहिं ग्रंथि परि गई" —७/११६/४

७/११६/५, ७/११६/७, ७/११७/४, ७/११७/५, ७/११७/६, ७/११७/१४

ग्रसन : निकलना।

"संशय सर्प ग्रसन उरगादः"— ३/१०/८

५/५०/८, ६/२२क/-, ६/६८/१२

ग्रह : सूर्य की परिक्रमा करनेवाला तारा।

"बिबुध बिप्र बुध ग्रह चरन"—१/७क/-

१/१४छं०, १/१८०/-, १/३११/६, २/११/८, २/१८०/-, २/२३४/३, ७/२६/५, ७/१२०/२०

ग्राम : समूह।

"जग मंगल गुन ग्राम राम के"—१/३१/२

१/३२क/-, २/१०५/-, २/२०५/३, २/३०८/३, २/३११/२, ५/६/-, ७/४६/-, ७/५१/-

गाँव।

"ग्राम नगर दुहुँ कूल"—१/३८/-

१/१६६/४, १/३४२/८, २/८८/-, २/८८/१, २/१०८/७

लीला।

'सुनिअ तासु गुन ग्राम"—४/३०ख/-

ग्राम्य : ग्रामीण।

"गिरा ग्राम्य सिय राम जस"—१/१०ग/-

ग्रीवा : गरदन।

'चारु कपोल चिबुक दर ग्रीवा"—१/१४६/१
७/४६/२

घट : घड़ा।

"काचे घट जिमि डारौं फोरी"—१/२५२/५
२/२४३/४, ६/३३/-
कलश।

"सजे सबहि हाटक घट नाना"—१/८८/३
१/३४५/६

हृदय।

"सब घट बासी"—१/१८५छं०

घटा : समूह।

"गजराज घटा निहारि कै"—३/१७छं०
६/१२/५

घटाटोप : चारों ओर से घिरी हुई बादलों की घटा।

"घटाटोप करि चहुँ दिसि घेरी"—६/३८/१०

घन : मेघ।

"कामद घन दारिद दवारि के"—१/३१/८
१/३५/३, १/११६/२, १/२८८/२, १/३४६/१, १/३४६/५, २/११३/-, २/१८४/१, २/३१०/७, ४/१३/१, ४/१३/२, ४/१५/८, ६/१२/१, ६/१२/२, ६/१४/२, ६/४०/१, ६/४१/३, ६/६८/६, ६/७४/१२, ६/७८/८, ६/८०छं०, ६/८६/२, ६/११४छं०, ६/११८/५, ७/२५/-, ७/४७/-, ७/७१/३, ७/१०५/१०, ७/११८/१७
घना।

"सत चेतन घन आनंद रासी"—१/२३/६
१/१५६/५, ३/१०/५, ३/३२/५, ४/१४/६, ४/२३/३, ७/२८/७

घर : आवास।

"हठ परिहरि घर जाएहु तबहीं"—१/७४/३
१/८४छं०, १/८४छं०, १/८६/४, १/८८/-, १/८८/-, १/१७१/५, १/१७१/५, १/२४४/५, १/२८५/२, १/२८५/२, १/३५०क/-, १/३५०/६, १/३५०/६, १/३५४/८, १/३५७/२,

१/३५७/२, १/३६०/५, २/०/१, २/८/३, २/१०/३, २/१८/८, २/२६/२, २/२६/२, २/४४/–, २/८२/७, २/८८/६, २/१०३/२, २/१३०/२, २/१३४/१, २/१३६/३, २/१५५/५, २/१५५/५, २/१८४/३, २/१८५/६ २/१८५/१, २/१८५/१, २/१८५/२, २/१८६/–, २/२७१/४, २/३०५/१, २/३१४/१, २/३२०/७, २/३२०/७, ३/१८/१२

घाट : नाव आदि से उतरने का स्थान ।

"घाट मनोहर चारि"—१/३६/–

१/४०/४, २/१८२/-, २/२२०/२, २/२२०/२, २/२७६/६, ३/३८/७, ७/२८/–

घाटी (दर्रा) ।

"अवघट घाट बाट गिरि कंदर"—६/७२/६

घृत : घी ।

"परहित घृत जिन्ह के मन माखी"—१/३/४

२/३२/४, २/१६२/३, ५/२४/५, ६/२६/८, ७/४८/५, ७/११७क/-, ७/११७ख–, ७/११८/३, ७/१२२क/–

घोर : भयानक ।

"महा घोर त्रयताप न जरई"—१/३८/६

१/४०/४, १/४१/५, १/१५८क/–, १/१७४/–, १/१७५/६, १/१८३/-, १/२०७/६, १/२६०/८, १/२६०छं०, १/२७२/-, १/२७८/-, १/२८२/२, १/३५६/-, २/६१/४, २/८२/६, २/१६७/, ३/१७/५, ३/१८छं०, ३/२६/१४, ४/२०/४, ६/२/-, ६/७५/५, ६/७५/८, ६/८०छं०२, ६/८३छं० ६/८६छं०, ६/१००छं०३, ६/१०२/४, ७/८८/७, ७/१०७ख/-, ७/१२४/-

बड़े जोर से ।

"परेउ भूमि करि घोर चिकारा"—४/२७/४

६/७०/-, ६/८५/५

भीषण ।

"पवन निसान घोर रव बाजहिं"—६/७८/८

घंटा : घड़ियाल ।

"गरजहिं गज घंटा धुनि घोरा"—१/३००/१

चकित : आश्चर्यमय ।

"चकित भए भ्रम हृदयँ बिसेषा"—१/५२/१

१/१२३/६, १/१७१/६, १/२१२/८, १/२२४/५, १/२२९/-, १/२३१/१, १/२४३/६, १/२४७/७, १/३०२/-, १/३१३/५, ५/१२/२, ६/८८छं०, ७/८४/४

चौकन्ना ।

"चकित बिलोकत कान उठाएँ"—१/१५५/८

हैरान ।

"चकित बिप्र सब सुनि नभ बानी"—१/१७३/६

भौंचक्का ।

"बहुत चकित चित तोर"—५/५३/-

चकोर : पक्षी-विशेष ।

"सज्जन कुमुद चकोर चित"—१/३२ख/-

१/४६/७, १/२०६/६, १/२६२/७, १/३२१/-, २/८३/-, २/१३७/-, २/२३५/६, ३/१०/७, ३/१२/-, ३/३७/६, ४/१६/७, ७/३०/५

चकोरी : मादा चकोर ।

"सरद ससिहि जनु चितव चकोरी"—१/२३१/६

चक्र : पहिए के आकार का एक अस्त्र ।

"जथा चक्र भय रिषि दुर्बासा"—३/१३/-

६/९०/५, ७/१०८/१३

पहिया ।

"चक्र अबर्त बहति भयावनी"—६/८६छं०

चतुर : होशियार ।

"कबि न होउँ नहिं चतुर कहावउँ"—१/११/९

१/२०/८, १/२१/७, १/३७/१, १/९३छं०, १/१५७/८, १/१६१ख/-, १/२४६/-, १/२५५/६, १/२६३/-, १/२६३/५, २/२९८/२, १/३२८/-, २/१७/१, २/१७/४, २/२७/७, ३/६ख/-, ४/१४/८, ६/१६/७

बुद्धिमान ।

"जो बरु नाथ चतुर नृप मागा"—१/१४९/४

२/१८०/१

विद्वान् ।

"नर अरु नारि चतुर सब गुनी —७/२०/७
७/११८/१०

चतुर्भुज : चार भुजाओंवाला ।
"हृदयँ चतुर्भुज रूप देखावा" ३/८/१८

चपल : चंचल ।
"भोजन करत चपल चित"—१/२०३/-
१/३१५/५, १/३४६/४

चपलता : चंचलता ।
"साहस अनृत चपलता माया"—६/१५/३

चमर : चवँर ।
"ध्वज पताक पट चमर सुहाए"—१/२८८/२

चर : चेतन
"जे सजीव जग अचर चर"—१/८४/-
१/१०६/८, १/१८०/-, २/२३७/८, २/३२०/६
दूत ।
"बोले चर बर जोरें हाथा"—२/२६८/७
२/२७०/७, २/२७१/-, २/२७१/८

चराचर : चलनेवाला, न चलनेवाला ।
"जीव चराचर जो संसारा"—१/५४/२
१/८६छं०, १/११८/२, १/१२७/६, १/१३०/४, १/१८८/४,
१/२०३/७, २/७६/७, ३/१२/७, ३/२४/३, ३/२८/६,
५/२१/-, ५/२१/८, ५/४७/२, ६/६/२, ६/२७/-,
६/१०१/४, ७/८५/३, ७/८६/६, ७/८७क/-, ७/१२०/८

चरित : चरित्र ।
"सूझहिं राम चरित मनि मानिक"—१/-/८
१/१/२, १/१/५, १/७/५, १/१०/५, १/११/१०,
१/१३/५, १/१४ग/-, १/२८/३, १/३३/५, १/३७/१,
१/४५/७, १/४८/-, १/५५/४, १/७०/१, १/७४/६,
१/७४/६, १/१०२छं०, १/१०३/-, १/१०३/१, १/१०४/-,
१/१०४/३, १/१०८/-, १/१०८/७, १/१११/-, १/११३/७,
१/१३८/६, १/१४०/४, १/१४०/५, १/१५१/२, १/१८५छं०३,
१/१८७/६, १/१८१छं० १/१८१छं०, १/१८५/६, १/२०२/६,

१/२०४/८, १/२०५/१, १/२०६/६, १/३६०छं०, २/१२/६, २/४५/१, २/५३/६, २/८७/-, २/१२६/७, २/२८७/७, २/२२६/-, ३/०/२, ३/२/१, ३/५छ० ३/२०/४, ३/४०/६, ४/१/४, ५/५६/८, ५/५६छं०, ६/८/२, ६/७२/१२, ६/६८/५, ६/१००छं०२ह, ६/१०८छं०१, ७/८/६, ७/१६/६, ७/२५/७, ७/२७/-, ७/३१/६, ७/४१/४; ७/४१/५, ७/४२/-, ७/५१/२, ७/५१/४, ७/५२/१, ७/५२/५, ७/५४/१, ७/५६/८, ७/६२/४, ७/६७/५, ७/६८क/-, ७/६८/१, ७/७२क/-, ७/७३ख/-, ७/७८/४, ७/८२/१, ७/८८/४, ७/६३/४, ७/६६क/-, ७/१२२/१ ७/१२३ख/-, ७/१२६/४, ७/१२६छं०२

लीला।

"तेहिं धरि देह चरित कृत नाना"—१/१२/४

१/१२२/४, १/१३६/२, २/६३/-, ३/२३/५, ५/५१/-, ६/७३/१, ६/८०/२, ६/११५/-, ६/१२१क/-, ७/२१/४, ७/२५/-, ७/४१/३, ७/५७/३, ७/६३/६, ७/७५ख/-, ७/८७/८

समाचार।

"सुनि सब चरित भूप गृहँ आए"—१/१२६/८

७/१/४

करतूतें।

"तिन्ह कर चरित सुनहु जो कीन्हा"—१/१८२/२

७/७१/१

जीवन।

"साधु चरित सुभ चरित कपासू"—१/१/५

इतिहास।

"लछिमन रामचरित सब भाषा"—४/५/१

कार्य।

"पवन तनय के चरित सुहाए"—५/२६/६

कथा।

"कपि सब चरित समास बखाने"—६/५६/२

चरित्र : लीला।

"सो चरित्र लखि काहुँ न पावा"—१/१३२/८

१/२०५/-, ४/१७/७, ६/१२०छं० २, ७/७७ख/-, ७/८४/७,
७/८७/२

चर्म : ढाल ।
"बिरति चर्म संतोष कृपाना"—६/७८/७
६/८६छं०, ७/११छं०, ७/१२०ख/-
चमड़ा ।
"आनहु चर्म कहति बैदेही"—३/२६/५
७/१०७छं० ८

चल : चलना ।
"चल न ब्रह्मकुल सन बरिआई"—१/१६४/५
४/८/-

चातक : पपीहा ।
"चातक कोकिल कीर चकोरा"—१/२२६/६
१/३४६/५, २/५२/-, २/८३/-, २/१२७/६, २/१३७/-,
२/१५४/८, २/१८४/१, २/२३३/३, २/२३५/६, २/३२४/-,
३/३७/८, ४/१६/५

चाप : धनुष ।
"बसहि राम सर चाप धर"—१/१७/-
१/८६/२, १/१४६/४, १/२०८/२, १/२१८/३, १/२२०/७,
१/२२२/२, १/२३८/१, १/२४४/२, १/२४८/८, १/२५०/४,
१/२५१/१, १/२५२/८, १/२५६/६, १/२५६/८, १/२५७/६,
१/२५८/३, १/२७७/२, १/२८२/२, १/२८५/७, १/२८२/-,
१/२८७/८, १/३४६/३, २/८८/४, ३/३छं०, ३/३छं०,
३/१०/४, ३/११/-, ३/१७छं०, ३/१८छं०, ३/२६/७,
३/२७/१, ४/६/२५, ४/८/२, ५/४६/२, ५/५७/५,
६/१०/५, ६/१२/८, ६/४०/-, ६/४६/३, ६/५८/-,
६/८१/-, ६/८१/८, ६/८५छं०, ६/८६छं०, ६/८८छं०,
६/८१/-, ६/८६छं०, ६/८७/-, ६/१०१छं०, ६/११०छं०/-,
६/११०छं०, ६/११२छं०, ६/११४छं०, ७/१३छं०३, ७/२८/४

चामर : चवँर ।
"ध्वज पताक पट चामर चारू"—१/२८५/७
१/३४८/४, २/५/३, ७/११छं०१

चारु : सुन्दर ।

"सुखद सीत रुचि चारु चिराना"—१/३५/८

१/३६/४, १/३६/१०, १/३७/-, १/१३६/-, १/१३८/२, १/१४६/१, १/१४६/७, १/२१२/२, १/२१८/३, १/२१८/८, १/२२३/२, १/२२८/४, १/२३२/५, १/२३४/३, १/२४२/३, १/२६७/७, १/२८६/-, १/२८८/४, १/३२१/-, १/३२६छं०४, १/३४३/५, १/३४६/४, १/३४८/४, १/३५२/४, १/३५२/४, २/७/३, २/५७/५, २/८८/८, २/२८८/-, २/३११/३, ५/२छं०१, ७/२७/-, ७/५५/८, ७/७५/७, ७/७५/८, ७/७६/२, ७/१०७छं०६

निर्मल ।

"चित्रकूट चित चारु"—१/३१/-

चित्र : तस्वीर ।

"चित्र लिखे से देखि"—१/२६०/-

१/२६३/४, २/८३/१, २/१३४/६ २/३०२/३, ३/८/२४, ६/८८छं०

चित्रित : रँगा हुआ ।

"चित्रित जनु रतिनाथ चितेरे"—१/२१२/५

चिंता : सोच ।

"चिंता अमित जाइ नहिं बरनी"—१/५७/१

१/२०५/५, १/२३१/१, २/८५/-, २/१५०/७, २/३१४/१, ३/२८/१, ४/२७/८, ५/३६/६, ६/८८/३, ७/७०/४

चिबुक : ठोड़ी ।

"चारु कपोल चिबुक दरग्रीवा"—१/१४६/१

१/१८८/७, १/२३२/५, १/२४२/४, ७/४६/२

चिर : दीर्घकाल ।

"सकल तनय चिर जोवहुँ"—१/१८६/-

चीर : वस्त्र ।

"हय गय धन मनि चीर"—१/२६२/-

१/२६५/-, ७/७६/-

चेत : ज्ञान ।

"मूरख हृदयँ न चेत"—६/१६ख/-

चेतन : सजीव ।

"जे जड़ चेतन जीव जहाना"—१/२/४

१/६/-, १/७ग/-, ३/२१६/१, ७/११८ ख

चैतन्य ।

"सत चेतन घन आनँद रासी"—१/२२/६

७/११६/२

चैतन्य : चेतन ।

"जड़हि करइ चैतन्य"—७/११८ख/-

चैल : वस्त्र ।

"चैल चारु भूषन पहिराई"—१/३५२/४

चोर : तस्कर ।

"बाढ़े खल बहु चोर जुआरा"—१/१८३/१

१/२४२/-, २/२६/५, २/१३७/-, ६/३२/५

चंचल : अस्थिर ।

"सुभग सकल सुठि चंचल करनी"—१/२८७/५

५/६/७, ६/८८/४

चंड : तीक्ष्ण ।

"चंड सर मंडन मही"—३/३१ छं०

६/०१/-

जोर ।

"कोदंड धुनि अति चंड सुनि"—६/८० छं०

चंडकर : सूर्य ।

"चंदिनि कर कि चंडकर चोरी"—२/२८४/६

चंद : चन्द्रमा ।

"आननु सरद चंद छबि हारी"—१/१०५/८

१/२१५/३, १/२३४/५, १/२४२/२, २/१०/-, २/२५/४,

२/४८छं०, २/५८/८, २/७८/-, २/११४/५, ५/३७/६,

चाँदनी ।

"चकइहि सरद चंद निसि जैसे"—२/६३/२

चंदन : संदल ।

"मृगमद चंदन कुंकुम कीचा"—१/१९३/८

२/१२६/४, २/१६८/३, २/२१४/८, ७/३६/७, ७/११०/१६, ७/११८/१७

चंद्र : चन्द्रमा ।

"भए प्रसन्न चंद्र अवतंसा"—१/८७/६
१/३२१/-

चंद्रमा : चाँद ।

"अवगुन बहुत चंद्रमा तोही"—१/२३७/२
४/२७/५

चंद्रहास : रावण की तलवार ।

"चंद्रहास हरु मम परितापं"—५/८/५

चंद्रिका : चाँदनी ।

"कहुँ चंद्रिका चंदु तजि जाई"—२/८६/६

चंपक : चंपा ।

"चंचरीक जिमि चंपक बागा"—२/३२३/७
३/८६/६

छत्र : राजचिह्न-रूपी छतरी ।

"छत्र मेघडंबर सिर धारी"—६/१२/५
३/१३क/-, ६/२३घ/-, ७/११छं०१

छत्रक : कुकुरमुत्ता ।

"तोरौं छत्रक दंड जिमि"—१/२५३/-

छल : दूसरों को धोखा देनेवाला अवगुण ।

"सब मिलि करहु छाड़ि छल छोहू"—१/७/३
१/८८/८, १/१०३/६, १/११०/६, १/१२३/-, १/१५२/७, १/१५६/३, १/१५८/६, १/२३६/२, १/२४०/७, १/२८०/१, २/१६६/४, २/२८४/२, २/३००/३, २/३०२/१, ३/४/१८, ३/२६/१३, ४/८/-, ४/२२/४, ५/२/४, ५/४३/५, ६/८०छं०१, ६/८४/७, ७/११७/८, ७/१२६/४

छाया : साया ।

"त्रिविध समीर सुसीतलि छाया"—१/१०५/३
२/२१६/-, २/२८४/२, ३/६/५, ३/४०/२, ७/६८/३

रंग, कान्ति या स्वभाव का हलका आभास।
"अजहुँ न छाया मिटति तुम्हारी"—१/१४०/५
आवरण।
"नहिं पद त्रान सीस नहिं छाया"—२/२१५/५
आधार या बल।
"केहि छाया कबि मति अनुसरई"—२/२४०/३

छिद्र : दोष।
"जो सहि दुख परछिद्र दुरावा"—१/१/६
५/४३/५
छेद।
"छिद्र सो प्रगट इंदु उर माहीं"—६/११/८

जटा : उलझे और आपस में चिपके हुए बाल।
"जटा मुकुट अहि मौरु सँवारा"—१/६१/१
१/१०६/–, १/२६७/५, २/६३/४, २/११५/–, २/१५०/२, २/२२६/२, २/२३८/५, ३/१०/३, ३/३३/७, ४/८/२, ५/७/८, ६/८५/८, ६/१०२छं०२, ७/१ख/–, ७/१०/४, ७/१०/७, ७/६७/८

जटाजूट : जूड़े के रूप में बँधी हुई जटा।
"जटाजूट सिर मुनिपट धारी"—२/३२३/३

जटिल : जटाधारी।
"जोगी जटिल अकाम मन"—१/६७/-
१/६४छं०, २/११६/–, २/२३८/७

जठर : पेट या कोख।
"जठर धरेउ जेहिं कपिल कृपाला"—१/१४१/६
२/१७६/७

जन : भक्त।
" जन मन मंजु मुकुर मल हरनी"—१/०/४
१/४/–, १/१६/१, १/१६/५, १/१६/८, १/२१/५, १/२७/–, १/३१/७, १/३१/१२, १/३५/७, १/१२१/१, १/१२१/=, १/१६७/२, १/२१/छं०१, १/३३६/–, १/३४१/१, २/१४०/–, २/१७२/४, २/३०२/–, २/३०३/४, २/३२५/८, ३/४१/३, ३/४१/५, ४/३/५, ४/२२/१०, ५/३८/४'

५/४३/५, ५/४५/८, ५/४९/२, ६/७४/१०, ६/८१छं०, ६/१०१/३, ६/११०छं०, ६/११४छं०, ७/११५/५, ७/०/६, ७/४छं०२, ७/१०/३, ७/१७/६, ७/२९/६, ७/७२/१, ७/१०५क/-, ७/११२/३, ७/१२१/३, ७/१२३क/-, ७/१२९/२

मनुष्य ।

"सुनि समुझहिं जन मुदित मन"—१/२/-
१/१०/७, १/१२/६, १/२३/७, १/२६/४, १/३०/५, १/२०३/२, १/२७७/-, १/३५०/७, १/३६०छं०, २/८७/५, २/१२१/-, २/२२३/७, २/३२३/८, ३/२/६, ३/७/४, ३/७/५, ३/९/१६, ३/३१छं०२, ७/७३/५, ७/८२/२, ७/९२/७

दास ।

"करहु कृपा जन जानि मुनीसा"—१/१७/६
१/२२/३, १/२८/४, १/४५/१, १/१८०/३, १/१८४/-, २/५६/४, २/१०६/३, २/१०८/-, २/१८९/४, २/२६७/२, २/२९९/-, २/३००/४, २/३१३/३; ७/३६/१, ७/५०/४, ७/५०/९

जनक : सीता के पिता ।

"अति अनूप जहँ जनक निवासू"—१/२१२/७
१/२३८/९, १/२३८/१०, १/२३९/-, १/२३९/७, १/२४१/२, १/२४६/-, १/२४८/३, १/२४८/७, १/२५१/७, १/२५२/२, १/२५३/६, १/२५९/६, १/२६२/४, १/२६८/४, १/२६९/१, १/२६९/३, १/२६९/६, १/२८५/५, १/२८८/६, १/२९४/१, १/३०३/५, १/३०६/२, १/३०९/१, १/३१०/-, १/३११/७, १/३१९छं०, १/३२०/५, १/३२०/८, १/३२३/१, १/३२३/४, १/३२३छं०४, १/३२४/६, १/३२४छं०२, १/३२७/१, १/३२७/४, १/३२७/६, १/३२९/-, १/३३१/१, १/३३२/५, १/३३३/१, १/३३४/-, १/३४०/१, १/३४२/२, १/३५३/७, २/५८/-, २/९०/६, २/१९८/६, २/२६९/४, २/२७१/१, २/२७२ -, २/२७४/७, २/२७७/२, २/२७८/५, २/२८५/३, २/२८५/४, २/२८६/१, २/२९०/६, २/२९१/१, २/२९५/४, २/३१६/७, २/३१७/१, ६/३५/१०

पिता ।

"जनक एक जग जलधि अगाधू"—१/४/६

१/३१/४, १/६३/५, १/८५/-, १/१४८/६, १/१७५/-, २/४२/३, २/७८/८, २/७८/६, २/१७२/२, ५/४७/४, ६/२०/२, ७/४६/२

जननि : माता ।

"जनकसुता जग जननि जानकी"—१/१७/७

१/३१/४, १/८५/-, १/८८छं०, १/१०१/८, १/२२७/२, १/२३४/६, १/२४७/२, २/४०/८, २/७२/४, २/७८/५, २/११०/४, २/१४०/-, २/१४५/३, २/१७२/२, २/२००/२, २/२२२/४, २/२५२/४, २/२६०/६, ७/४६/२, ७/७५/४

जननी : माता ।

"मैं जननी सिसु पहिं भयभीता"—१/२००/५

१/२००/८, १/२०१/८, १/२०२/८, १/२० क/-, २/४०/७, २/४१/-, २/४२/३, २/५१/७, २/६७/६, २/६७/८, २/७८/६, २/१२८/६, २/१६१/-, २/१६१/-, २/१६७/-, २/१६७/४, २/१६७/८, २/१८६/-, २/१८८/८, २/२४४/४, २/२५७/-, २/२६०/१, २/२६१/१, ३/४२/६, ५/१३/१०, ५/१४/-, ५/१५/-, ५/१५/४, ५/४७/४, ६/६०/१४, ६/७६/-, ६/१०७/१२, ७/४४क/-

जन्म : जीवन ।

"जन्म कोटि लगि रगर हमारी"—१/८०/५

१/१४६/४, १/३५८/२, ३/७/-, ३/१८/४, ४/३/६, ४/८/३, ४/८/३, ४/८/३, ४/२२/१२, ५/२७/३, ५/२८/४, ५/४३/२, ६/३३क/, ६/११८/७, ७/११ख/-, ७/४८/-, ७/४८/-, ७/५१/३, ७/८६/६, ७/१०६/६, ७/१०८/६, ७/१०८/८, ७/१०८/८, ७/१०८/१४, ७/१२०/२३, ७/१२४/८, ७/१२६/८

जन्म से बाहर आगमन ।

"जन्म महोत्सव रचहिं सुजाना"—१/३३/८

१/३२६छं०२, ३/३६/-, ४/०१/-, ७/३४/४, ७/८१/४, ७/१०७छं०१६

अवतार ।
"राम जन्म कर हेतु"—१/१२१/-
७/८१/३, ७/८५/१०, ७/८६क/-
प्राण ।
"मम हित लागि जन्म इन्ह हारे"—७/७/१

जन्मभूमि : जन्मस्थान ।

"जन्मभूमि मम पुरी सुहावनि"—७/३/५

जप : जाप ।

"नव रस जप तप जोग बिरागा"—१/३६/१०
१/६८/८, १/८३/८, १/१३०/८, १/१८२छं०, १/२०५/३,
१/२२५/४, १/२८२/४, २/१०६/५, २/१३१/७, २/१३४/-,
२/१७७/५, २/२१७/७, २/२१७/७, २/३२५/१, ३/५छं०,
३/५छं०, ३/६ख/, ३/७/७, ३/८/७, ३/४१/२,
३/४५/३, ३/४६क/-, ६/११७ख/-, ७/४५/१, ७/४८/१,
७/८४/४, ७/८४/५, ७/८५/७, ७/८८/८, ७/१०१ख/-,
७/११६/१०, ७/१२१ख/-, ७/१२५/५, ७/१२८/५

जय : विजय ।

"जय सच्चिदानन्द जग पावन"—१/४८/३
१/५६/२, १/८०/८, १/८०/८, १/८८/६, १/१०८/४,
१/१००/४, १/१००/४, १/१७४/८, १/१७८/१, १/१८५छं०,
१/१८५छं०, १/१८५छं०, १/२१०छं०, १/२३४/५, १/२३४/५,
१/२३४/५; १/२३४/६, १/२४८/४, १/२६१/७, १/२६१/७,
१/२६४/२, १/२६४/२, १/२६४/२, १/२८४/१, १/२८४/२,
१/२८४/२, १/२८४/४, १/२८४/५, १/२८४/७, १/२८४/७,
१/२८४/७, १/३१६छं०, १/३१६छं०, १/३२१छं०१ १/३२३छं०२,
१/३२३छं०२, १/३२४/-, १/३२५छं०४, १/३२६छं०४, १/३२६छं०४,
१/३२६छं०४, १/३३०/७, १/३३०/७, १/३३०/७, १/३३१/८,
१/३४७/२, १/३४८/८, २/४/२, २/१४८/-, २/२२४/७,
२/३०८/१, ३/३१छं०, ५/३३/५, ५/३३/५, ५/३३/५,
५/३४छं०१, ५/४४/-, ५/४८/२, ६/०/१०, ६/३८/८,
६/३८/-, ६/३८/-, ६/४०/७, ६/४१/२, ६/५२/३,
६/५२/४, ६/५८/८, ६/६१/८, ६/६६/-, ६/६६/-,

६/६६/-, ६/७१/११, ६/७६/४, ६/७६/४, ६/७८छं०,
६/७६/-, ६/७६/४, ६/८०छं०; ६/८६/-, ६/८६/-,
६/८७छं०, ६/८७छं०, ६/८८/७, ६/८०/७, ६/८२/७,
६/८४छ , ६/८४छं०, ६/८५/६, ६/१००छं०१ह०, ६/१००छं०१ह०
६/१००छं०१ह, ६/१०१छं०, ६/१०२/१०, ६/१०२/१०, ६/१०२/१०,
६/१०२/११, ६/१०२/११ ६/१०२छं०१, ६/१०३/-, ६/१०८छं०१,
६/१०८ख/-, ६/११ छं०, ६/११२छं०, ६/११२छं०, ६/११२छं ,
६/११०छं०, ६/११८/३, ७/११/४, ७/१२छं०१, ७/१२छं०१,
७/१३छं०१, ७/३३/२, ७/३३/३, ७/३३/३, ७/३३/३,
७/३३/४, ७/३३/४, ७/५०/६, ७/१२०ख/-

जय नामक द्वारपाल ।
"जय और विजय जान सब कोई"—१/१२१/४

जयकार : जयध्वनि ।
'दुहु दिसि जय जयकार करि' ६/७६/—

जरठ : बूढ़ा ।
"बाल जुबान जरठ नर नारी' १/२३६/६
३/२८/१४, ४/०८/७, ६/८८/३, ६/४७/५, ७/२७छं०

जरा : बुढ़ापा ।
"जरा मरन दुख रहित तनु"— १/१६४/-
७/१०७छं०१६

जर्जर : चलनी ।
"न लटत तन जर्जर भए"—६/४८छं०
६/७२/६

जल : पानी ।
"कीचहिं मिलइ नीच जल संगा"—१/६/६
१/६/१२, १/७क/-, १/७/१, १/७/१३, १/१८/—,
१/३५/७, १/३५/८, १/३७/—, १/३८/११, १/४२/-,
१/४८/६, १/६७/३, १/६६/१, १/८४/४, १/११०/७,
१/१३५/१, १/१५०/६, १/१५७/-, १/२०६/-, १/२५७/-,
१/२७६/-, १/२६८/७, १/३०६/७, १/३२३/५, १/३२५छं०१,
१/३३७/४, २/१६/७, २/३३/२, २/४२/-, २/६३/१,
२/६८/८, २/६६/३, २/६३/४, २/६५/८, २/१००/२,

२/१०६/-, २/१२७/७, २/१३४/६, २/१४८/४, २/१६८/५, २/१८७/७, २/२१६/८, २/२२५/६, २/२२६/-, २/२३१/२, २/२३३/७, २/२३३/७, २/२४५/८, २/२४६/- २/२५१/-, २/२५६/३, २/२७७/५, २/२८३/५, २/३०६/१, २/३०६/७, २/३१६/८, २/३२०/६, ३/५/१०, ३/८/८, ३/११/६, ३/३०/८, ३/३३/१०, ३/३४/६, ३/३६क/-, ३/३६ख/-, ४/२/६, ४/१०/४, ४/१३/७, ४/१३/८, ४/१५/३, ४/१५/४, ४/१५/८, ४/२३/३, ४/२३/४, ४/२४/२, ५/२/२, ५/३१/१, ५/५८/२, ६/०/३, ६/२७/३, ६/३५क/-, ६/५६/२, ६/५६/७, ६/५६/७, ६/१११/१, ७/१/१, ७/१/१०, ७/४/८, ७/४छं०१, ७/६/३, ७/२३/-, ७/२८/-, ७/२८/१, ७/३२/५, ७/४८/६, ७/४६/७, ७/५१/४, ७/५६/-, ७/८८/८, ७/८८ख/-, ७/८६/५, ७/११०/६, ७/११८/५, ७/१२१/११

जलकुक्कुट : जलमुर्गा ।

"बोलत जलकुक्कुट कलहंसा"—३/३६/२

जलखग : जल का पक्षी ।

"जलखग कूजत गुंजत भृङ्गा"—१/२२६/८

जलचर : जल में रहनेवाले ।

"जलचर थलचर नभचर नाना"—१/२/४

१/३६/१०, १/३६/७, २/५०/६, ६/३/४

जलज : कमल ।

"जलज जोंक जिमि गुन बिलगाहीं"—१/४/५

१/८२/५, १/२०८/१, १/२६३/७, २/२६६/-, ७/२६/३, ७/५६/-

जलजात : कमल ।

"स्रवत नयन जलजात"—७/१ख/-

जलजंतु : जलचर ।

"जलजंतु गज पदचर तुरग खर" -६/८६छं०

जलद : बादल ।

"होइ जलद जग जीवन दाता"—१/६/१२

१/२३२/-, २/२१६/-, ३/८/-, ४/१३/३, ६/१२/५,
६/१६ख/-, ६/६७/७, ६/७८/३

जलदाता : पानी देनेवाला।
"जलदाता न रहहि कुल कोऊ"—१/१७३/३

जलधर : बादल।
"सेवक सालि पाल जलधर से"—१/३१/१०
२/१२७/६, २/१५४/८

जलधि : समुद्र।
"जनक एक जग जलधि अगाधू"—१/४/६
१/१६६/८, ५/१३/२, ५/४६/५, ५/५०/-, ५/५७/-,
५/५६/२, ६/०/१, ६/२/६, ६/५/-, ७/१२४/३

जलनिधि : समुद्र।
"जरौं जलनिधि महुँ परौं"—१/८५छं०
२/२६/७, २/२४८/१, ४/१३/८, ४/२६/८, ५/०/६,
५/२/११, ५/५७/७

जलाश्रय : जल का स्थान।
"पुन्य जलाश्रय भूमि बिभागा"—२/३११/२
३/४३/२

जल्पक : बातूनी।
"जल्पक निसिचर अधम"—६/३३ख/-

जल्पना : बकवाद।
"छाँड़हु नाथ मृषा जल्पना"—६/५५/५
६/८६छं०

जातरूप : स्वर्ण।
"जातरूप मनि रचित अटारीं"—७/२६/३

जाति : बिरादरी।
"सब तें कठिन जाति अवमाना"—१/६२/७
१/१७६/४, १/२४१/२, २/१३०/५, २/१८२/८, २/२२६/-,
३/३४/-, ३/३४/५, ३/३६/-, ६/२३ग/-, ७/१०१छं०,
७/१०५क/-, ७/१०५/६
कुटुम्बी।

"जनक जाति अवलोकहिं कैसे"—१/२४२/२

जाप : जप।

"मंत्र जाप मम दृढ़ बिस्वासा"—३/३५/१
७/५६/५

जापक : जप करनेवाला।

"जापक जन प्रह्लाद जिमि"—१/२७/-

जामाता : दामाद।

"सादर पुनि भेंटे जामाता"—१/३४०/२

जीव : प्राणी।

"जे जड़ चेतन जीव जहाना"—१/२/४
१/७ग/-, १/७/१, १/२२/७, १/०६/१, १/३०ख/-, १/३४/४, १/४२/८, १/४५/४, १/५४/२, १/८५/३, १/१८८/४, १/२०८/१, १/३४१/-, २/१६१/६, २/१६५/६, २/२१६/१, २/२५०/४, २/२५०/४, २/२७६/३, २/३१५/६, ३/१२/७, ३/१४/२, ३/१५/-, ३/२८/६, ४/१७/-, ५/२/२, ५/४३/२, ५/४६/-, ५/४६/४, ७/५२/६, ७/७०/८, ७/७७/२, ७/७७/४, ७/७७/६, ७/७७/७, ७/७८/८, ७/८०/३, ७/८५/३, ७/८६/६, ७/८७क/-, ७/८३/७, ७/८५/१, ७/१०८ग/-, ७/१११ख/-, ७/११६/५, ७/११६/७, ७/११७/५, ७/११८ख/-, ७/११८/८, ७/१२०/८, ७/१२१क/-, ७/१२१/१, ७/१२१/१६, ७/१२१/१८

जीवात्मा।

"माया ब्रह्म जीव जगदीसा"—१/५/७
१/१८/४, १/६८/-, १/११५/७, १/११६/५, १/२०१/४, १/२१६/४, १/३२४छं०४, २/११/४, २/८२/४, २/१२२/२, २/२२७/१, २/२५३/३, २/२६१/७, ३/६/३, ३/१४/-, ३/३५/८, ४/२/२, ७/७७/७, ७/८०क/-, ७/११६/२

प्राण।

"बालक सब लै जीव पराने"—१/८४/५
१/१७८/४, २/१७७/६, २/३१५/६

जीवन।

"सुंदर जुबा जीव परहेलें"—१/१५८/३

आत्मा ।

"जीव नित्य केहि लगि तुम्ह रोवा"—४/१०/५

जीवन : जिन्दगी ।

"होइ जलद जग जीवन दाता"—१/- २
१/३०/११, १/३१/१२, १/३५/८ १/१५०/ , १/३१८छं०,
१/३३०/४, १/३९८/४, २/१ ८, २/२०/ २/५०/५,
२/५५/७, २/७३/६, २/७३/८, २/१४३/ २/१५४/५,
२/१८१/७, २/१८४/७, २/१ ८/६, २/१८५/ २/२०९/६,
२/२२४/७, २/२७२/८, ५/६/२ ५ ५२/ ६/११०छं०,
७/११०छं०, ७/१२४/९

जूट : जूड़ा ।

"जूट बाँधत सोह क्यों"—३/१७छं०
६/८५/८

जंगम : चलनेवाला ।

"जो जग जंगम तीरथराजू"—१/१/

जंतु : प्राणी ।

"खग मृग जीव जंतु तहँ नाहीं"—१/२०९/११
२/५/९, २/८२/६, २/१६१/६, ५/२/२ २३/१५,
६/१००छं०१
भिनगा ।
"जीव चराचर जंतु समाना"—३/१२/७
६/३३/२
मनुष्य ।
"काशी मरत जंतु अवलोकी"—१/११८/१
कीड़ा-मकोड़ा ।
"बिबिध जंतु जलनिधि जब जाने"—५/५७/७
पशु ।
"जनि जल्पसि जड़ जंतु कपि"—६/२२क/-

जंबु : जामुन का वृक्ष ।

"पाकरि जंबु रसाल तमाला"—२/२३६/२

जंबुक : स्यार।
"कटकटहिं जंबुक"—३/१८छं०
६/८७/८, ६/१०३/१२

ज्ञान : समझ (बुद्धिवृत्ति)।
"ज्ञान गिरा गोतीत"—३/१०/११

ज्वर : बुखार।
"जोवन ज्वर केहि नहिं बलकावा"—७/७०/२
७/१२०/३७

ज्वाला : आग की लपट।
"उठी उदधि उर अंतर ज्वाला"—५/५७/६

झष : मछली।
"संकुल मकर उरग झष जाती"—५/४८/६
५/५४/६, ५/५७/७, ६/३/५, ६/४६/८

***ढोल**[1] : एक प्रकार का बाजा।
"भेरि ढोल दुंदुभी सुहाई"—१/२६२/१
५/२४/७, ५/५८/६, ६/४०/३

तट : तीर (तट एवं जल से दूर किनारा)।
"बस मारीच सिंधु तट जहवाँ"—३/२३/७
३/२८/५, ४/२५/१०, ५/५०/७, ५/५८/५

***ढोल**[1] : मानस में आह्ननाद के बाजों में चार प्रकार के बाजों का उल्लेख हुआ है। तुलसी ने एक ही साथ एक ही अर्द्धाली में १/२६२/१ में इन चारों ही शब्दों का (मृदंग, भेरि, ढोल, दुंदुभी) प्रयोग किया है।

मृदंग : ढोलक से मिलता-जुलता एक बाजा, किन्तु आकार में एक तरफ बड़ा और दूसरी ओर छोटा होता है। यह प्रायः गले में लटकाया जाता है तथा हाथों से बजाया जाता है।

ढोल : एक प्रकार का चमड़े से मढ़ा हुआ दोरुखा बड़ा बाजा जो दाएँ-बाएँ चोट मारकर बजाया जाता है।

भेरि : एक प्रकार का छोटा नगाड़ा जो चोपों की सहायता से चोट मारकर बजाया जाता है।

दुंदुभि : एक प्रकार का बहुत बड़ा नगाड़ा जो भेरी की ही भाँति बजाया जाता है जिसकी आवाज भेरी से अधिक ऊँची होती है। इसे बम्ब भी कहते हैं।

किनारा (जिसे जल स्पर्श करता है)।
"धीरज तट तरुवर कर भंगा"—२/२७५/२
६/८७/४, ६/८७/५, ६/१२०/७

तत्व : सांख्य-शास्त्रोक्त प्रकृति आदि पच्चीस पदार्थ ।
"बरनहि तत्व बिभाग"—१/४४/-
१/१०६/२, १/१४१/७
ब्रह्म ।
"पुनि प्रभु कहहु सो तत्व बखानी"—१/११०/१

तथा : उसी प्रकार ।
"तथा कथा कीरति गुन नाना"—१/११३/४
१/१४८/६, ७/११८/६

तथापि : तो भी।
"प्रभुहि तथापि प्रसन्न बिलोकी"—१/१६३/८

तनय : पुत्र ।
"कृष्न तनय होइहि पति तोरा"—१/८७/२
१/१०८/-, १/१४६/२, १/१६६/-, १/२०७/६, १/२६१/-,
१/२६१/१, २/३/८, २/३४/८, २/४०/८, २/७५/८,
२/१७३/८, २/१८०/२, २/२६२/-, ३/४२/८, ४/६छं०२,
४/१६/६, ४/२२/६, ४/२६/४, ६/१२ख/-, ६/३४/१२,
६/४२/५, ६/१११/१, ७/६क/-
कन्या ।
"सो तनय दीन्ही ब्याहि लखनहि"—१/३२४छं०३

तनु : शरीर ।
"लहहिं चारि फल अछत तनु"—१/२/-
१/३/७, १/१०/२, १/१६/-, १/२३/१, १/३४/४,
१/५०/१, १/६३/८, १/६४/६, १/७३/२, १/७४/७,
१/८६/५, १/८७/५, १/१२१/१, १/१३६/६, १/१३८/६,
१/१५१/८, १/१५५/७, १/१६४/-, १/१८७/-, १/१६१छं०१,
१/१६२/-, १/१६८/११, १/२०२/६, १/२०४/३, १/२०८/१,
१/२०८/८, १/२४७/२, १/२६०/२, १/२७७/८, १/२७६/५,
१/२८३/३, १/२६६/४, १/३१४/५, १/३२३/-, १/३२४छं०१,
१/३४४/३, २/२/३, २/३/५, २/२८/७, २/२६/७,

२/३४/८, २/४०/४, २/४९छं०२, २/५७/४, २/६४/४,
२/६६/४, २/८०/७, २/८९/६, २/९३/-, २/९६/५,
२/११४/६, २/१२५/-, २/१२६/६, २/१४५/८, २/१५४/६,
२/१५५/-, २/१५६/१, २/१६५/६, २/१७०/६, २/१७२/३,
२/१७३/४, २/१७९/१, २/१८३/४, २/१९६/२, २/२०५/-,
२/२१०/७, २/२३८/७, २/२३८/-, २/२६३/४, २/२६३/६,
२/३२५/२, ३/७/६, ३/८/-, ३/८/१, ३/२०क/-,
३/३०/५, ३/३०/१०, ४/२/५, ४/७/६, ४/९/२,
४/१०/-, ४/१०/५, ४/१२/४, ४/२६/८, ४/२७/७,
४/२९/-, ५/१/७, ५/६/३, ५/७/८, ५/३०/७,
५/४७/४, ६/२/१, ६/३०/४, ६/४०/४, ६/५२/१,
६/५५/६, ६/५७/-, ६/५७/५, ६/५९/-, ६/६४/६,
६/६८/६, ६/८०छं०३, ६/८५/९, ६/९९छं०, ६/१०३/६,
६/१०३छं० ६/१०९/८, ७/४छं०, ७/४२/७, ७/४३/२,
७/४३/७, ७/४६/३, ७/५७/-, ७/७२क/, ७/७४/२,
७/८७/२, ७/९५/२, ७/९६/१, ७/१०१छं०, ७/१०९ख,
७/१०९ग/-, ७/१०९घ/-, ७/१०९/१, ७/१११/९, ७/१२०/११

तनुजा : पुत्री ।

"मय तनुजा मंदोदरि नामा"— १/१७७/२, ७/१०१छं०

तनुधारी : शरीरधारी ।

"जनु बहु मनसिज रति तनुधारी"—१/१२९/१
१/१८१/१२, १/२२०/१, १/३०८/२, १/३१४/६, ५/३१/५,
५/३८/३

तप : तपस्या ।

"नव रस जप तप जोग बिरागा"—१/३६/१०
१/७२/५, १/७२/७, १/७३/२, १/७३/८, १/१३०/८,
१/१४३/२, १/१४४/२, १/१६१क/-, १/१६२/१, १/१६२/३,
१/१६७/४, १/१७६/१, १/१७६/२, १/१७६/५, १/१८२/८,
१/१८२छं०, १/२८४/७, २/५९/३, २/६६/८, १/१३१/७,
२/१३४/-, २/१८६/६, २/२३६/-, २/३२५/२, ३/५छं०,
३/७/७, ३/४३/२, ३/४५/३, ४/२४/२, ६/११७ख/-,
७/४५/१, ७/४८/१, ७/६१/१, ७/८९/५, ७/९४/५,

७/८५/७, ७/८८/८, ७/१०१ख/-, ७/१३६/१०, ७/१२१ख/-,
७/१२५/५, ७/१२८/५

तपता है।

"रवि तप जेतनेहि काज"—७/२३/-

तपस्या : तप।

"मूरतिमंत तपस्या जैसी"—१/७७/१

तपी : तपस्वी।

"द्विज चिह्न जनेउ उघार तपी"—७/१००छं०

तम : अंधकार।

"महामोह तम पुंज"—१/०५/-

१/०/६, १/७ख/-, १/३१/१०, १/१०५/७, १/११५/-,
१/११६/४, १/२३८/१, १/२३८/४, १/२५५/८, २/२४७/१,
४/१४/६, ४/१५ख/-, ४/२०/४, ५/१५/२, ५/४४/८,
६/११/२, ६/४६/-, ६/४६/४, ६/८६/१, ६/११४छं०,
७/१३छं०३, ७/२८/७, ७/७१/८, ७/७३क/-, ७/११६/७,
७/११७/३, ७/११८/५

तमोगुण।

"त्यागहु तम अभिमान"—५/२३/-

माया।

"तुम्ह सर्बग्य तग्य तम पारा"—७/८३/१

तमारि : सूर्य।

"दींन बिहीन तमारि"—२/८६/-

तर : तरना।

"भव निधि तर नर बिनहिं प्रयासा"—७/५४/८

७/१०२/७, ७/१०३क/-

तद्धित का एक प्रत्यय जो गुणाधिक्य प्रकट करने में लगाया जाता है।

"होहिं बिषय रत मंद मंद तर"—७/१२०/११

तरल : चंचल।

"अति तरल तरुन प्रताप"—६/४०छं०

चमकीला।

"अस कहि तरल त्रिसूल चलायो"—६/७३/६

जल्दी से।

"तरल तमकि संजुग महि आए"—६/८६/४

तरु : वृक्ष।

"प्रभु तरु तर कपि डार पर"—१/२९क/-
१/३८/१३, १/८४/१, १/८५/६, १/१०५/४, १/१२८/४,
१/१५९/१, १/१८७/४, १/२३४/-, १/३४३/८, २/२८/६,
२/३३/४, २/६६/३, २/८८/४, २/११२/७, २/१९६/-,
२/२११/-, २/२३६/६, २/२४८/८, २/२६७/-, २/३१२/२,
३/९/१३, ३/१२/६, ३/२९/८, ३/३७/३, ३/३९/७,
५/२/७, ५/८/१, ५/१४/२, ५/१७/१, ५/१८/५,
५/१८/८, ६/४/५, ६/१०/३, ६/५३/१, ६/६६/-,
६/७२/५, ६/८७/-, ६/९७/४, ६/९७/१३, ७/१२छं०५,
७/२२/१, ७/३१/२, ७/५६/५, ७/६८/३, ७/८९/२,
७/११९/१७

तरंग : पानी की लहर।

"पावन गंग तरंग माल से"—१/३१/१४
१/३९/८, ६/८६छं०, ७/३ग/-

तर्क : दलील।

"को करि तर्क बढ़ावै साखा"—१/५१/७
३/१०/९, ७/४५/८, ७/५८/२

शंका।

"रामहि भजहिं तर्क सब त्यागी"—६/७३/२

तर्जन : डरानेवाले।

"तर्जन क्रोध लोभ मद काम:"—३/१०/१३

तल : सतह।

"परेउ दंड जिमि धरनितल"—२/११०/-
६/८२/७

***ताटंक**[1] : कर्णफूल।

"छत्र मुकुट ताटंक तब"—६/१३क/-

तात : पुत्र।

"तजहु तात यह रूपा"—१/१९१छं०
१/३३५छं०, १/३३५/८, १/३५६/१, १/३५६/७, २/५१/७

*ताटंक[1] : मानस के अनुसार ताटंक (६/१३क/-) तथा श्रवनपूर (६/१३/६) स्त्रियों के कानों के आभषण हैं जबकि कुंडल (१/९१/२, १/१४६/५, १/२४२/४, १/३२६/८) पुरुषों के कानों का आभूषण है। वर्तमान काल में यह कुंडल पुरुषों एवं स्त्रियों दोनों के ही कानों का आभूषण समझा गया है।

२/५२/१, २/५३/६, २/५३/८, २/५४/८, २/५७/८,
२/५९/४, २/६७/८, २/६८/-, २/७३/२, २/७३/८,
२/७४/३, २/७४छं०, २/७६/६, २/१५९/१, २/१५९/४,
२/१५९/४, २/१५९/४, २/१५९/५ २/१६०/२, २/१६५/-,
२/१६८/-, २/१७३/-, २/१७३/५, २/१७५/३, २/१८३/५,
२/१८७/५, २/२०४/७, २/२३०/२, २/२९१/८, ५/१३/२,
२/१६/२, ५/१७/-, ५/२६/३, ५/२६/५, ५/२६/७,
५/२९/८, ६/१६/६, ६/३७/५, ६/३७/७, ६/४७/६,
६/५७/१, ६/५९/१, ६/५९/५, ६/१०६/६, ७/१/७,
७/१/१४

शिष्य ।

'तात सुनहु सादर मन लाई'—१/४६/५

१/१५८/८, १/१६१/४, १/१६३/३, १/२३९/-, १/२५३/६,
२/९४/१, २/९४/२, २/९४/८, २/९५/-, २/९५/१,
२/९७/-, २/१३०/-, २/१५०/६, २/१५१/१, २/१५१/६,
२/१५१/८, २/१६९/-, २/१७२/२, २/२०६/-, २/२०६/२,
२/२०८/१, २/२०९/२, २/२११/८, २/२५५/१, २/२५५/२,
२/२५९/-, २/२९०/-, २/३०९/४, ३/१२/२, ३/२४/-,
३/२४/४, ३/२४/८, ५/३/८, ५/४/-, ५/६/२,
५/३९/२, ५/५९/-, ७/५९/७, ७/६३/१, ७/६३/४,
७/६८/४, ७/७९क/-, ७/८९ख/-, ७/९०/६, ७/९३/३,
७/९४/४, ७/१०छं०, ७/१०५/३, ७/११२/२१, ७/११३/१६,
७/११६/१, ७/१२०/८, ७/१२०/२८, ७/१२४/५

भाई ।

'तात जनकतनया यह सोई''—१/२३०/१

२/६९/८, २/७०/५, २/७०/७, २/२३०/६, २/२६०/५,
२/२६२/६, २/२६३/२, २/२६३/५, २/२९५/५, २/३०३/८,
२/३०४/-, २/३०४/१, २/३०४/५, २/३०४/८, २/३०५/३,
२/३०५/७, २/३०७/२, २/३०७/५, २/३१४/१, ३/१४/१,
३/१४/८, ३/१५/४, ३/१५/१२, ३/२९/२, ३/३०/८,
३/३०/१०, ३/३१/-, ३/३६/१०, ३/३८क/-, ४/१७/१,
४/१७/३, ४/१८/-, ४/२५/१२, ४/२९/५, ४/२९/११,

५/३८/१, ५/३८ख/-, ५/४०/-, ६/८/७, ६/६/१४, ६/६१/१०, ६/६२/२, ६/६३/५, ६/६३/८, ७/३७/७, ७/४०/२, ७/४१/-, ७/४१/६

पिता ।

"तात गएँ कछु काल पुनि '—१/१५१/-

१/२५७/२, १/२८८/८, १/३५८/-, २/३८/५, २/४४/६, २/४५/-, २/७६/४, २/१२५/-, २/१५०/६, २/१५०/७, २/१५०छं०, २/१५८/८, २/१६३/३, २/२८२/६, २/३०४/५, ५/२५/३, ६/८/-, ६/७१/८, ६/१११/३, ७/१क/-

आदरणीय व्यक्ति ।

"तात अनल कर सहज सुभाऊ"—१/८८/७

३/१२/२

ताप : मानसिक एवं शारीरिक दुःख ।

"त्रिबिध ताप त्रासक तिमुहानी"—१/३८/४

२/२३४/३, ५/३८/८, ६/६२/८, ६/११८/८ ७/१३छं०१, ७/१४/१, ७/३४/१

अग्नि ।

"नाथ बियोग ताप तन ताए"—२/२२५/४

मानसिक दुःख ।

"खलन्ह हृदयँ अति ताप बिसेखी"—७/३८/१

***तापस**[1] : तपस्वी ।

"राम एक तापस तिय तारी"—१/२३/३

१/४३/२, १/८४छं०, १/१४५/५, १/१५७/५, १/१५८/१, १/१५८/२, १/१६१/६, १/१६२/७, १/१६२/८, १/१६४/१, १/१६७/१, १/१६८/४, १/१६८/७, १/१७०/१, १/१७०/६, २/२८/३, २/५८/३, २/१०७/५, २/१२२/१, २/१२५/३, २/१४१/३, २/१५४/४, २/२०८/३, २/२३६/-, २/२६८/२, २/२७५छं०, २/२७८/७, २/२८५/२, २/२८६/१, २/२८१/५,

---

***तापस**[1] : शास्त्रों के अनुसार ऋषि और मुनि में अंतर है। मंत्रद्रष्टा को ऋषि तथा ईश्वर धर्म सत्य आदि का मनन करनेवाले को मुनि कहा जाता है। साहित्य में सप्तर्षिमण्डल इस प्रकार है—गौतम, भारद्वाज, विश्वामित्र, जमदग्नि, वसिष्ठ, कश्यप तथा अत्रि। तापस का स्थान मुनि एवं ऋषि से छोटा होता है।

२/३१७/८, ४/१६/-, ५/५६/२, ६/२०/६, ६/३२/२,
६/८८/३, ६/११६ख/-, ७/७क/-, ७/८६/२, ७/८७/८

तामस : तमोगुण ।
"तामस असुर देह तिन्ह पाई"—१/१२१/५
३/२२/५, ५/६/३, ५/४४/८, ७/१०१ख/-, ७/१०३/४,
७/१०३/५
तीव्र ।
"तर्जहि बिषम बिषु तामस तीछो"—२/२६१/८

तारा : बालिपत्नी ।
"नाना बिधि बिलाप कर तारा"—४/१०/२
४/१०/३, ४/१८/३, ४/१८/४
तारागण ।
"मंदिर मनि समूह जनु तारा"—१/१८४/६
५/११/८, ६/११/३

ताल : बाजे की आवाज ।
"डगहिं न ताल बँधान"—१/३०२/-
१/३२१छं०, २/२४०/४
वृक्ष-विशेष ।
"कदलि ताल बर धुजा पताका"—३/३७/२
४/६/१२
हथेली ।
"वेताल बीर कपाल ताल"—३/१८छं०१
करताल ।
"बाजहिं ताल पखाउज बीना"—६/८/८

तिथि : मिति ।
"जोग लगन ग्रह बार तिथि"—१/१८०/-
१/१८०/१, १/३११/६

तिल : काले या सफेद रंग का एक छोटे दाने का तेलहन ।
"तिन्ह के आयुध तिल सम"—३/१८ख/-
६/२४/४

तिलक : राजतिलक ।
"राम तिलक हित मंगल साजा"—१/४०/७

२/१४/८, २/१७/६, २/१८/६, २/१८१/२, २/१८६/३, २/२६७/८, ५/४८/१०, ५/५३/२, ५/५८/-, ६/१०५/३, ६/१०५/५, ६/१०५/६; ६/११५/-, ६/११७/४, ७/८/८, ७/६६ख/-

टीका ।

"किएँ तिलक गुन गन बस करती"—१/-/०४

१/१४६/४, १/१८८/८, १/२१८/८, १/२३२/३, २/२४२/६, ८/११/५, ७/७६/५

आभूषण ।

"मुनिकुल तिलक कि नृपकुल पालक"—१/२१५/१

२/५५/५, ७/१/४

श्रेष्ठ ।

"रघुकुल तिलक सो चारिउ भाई"—१/१८६/५

शिरोमणि ।

"भयउ राम पद नेहु तव प्रसाद बायस तिलक" —७/६८क/-

तीर : किनारा जो जल से दूर हो ।

'जनु सरि तीर तीर बन बागा'—१/३८/६

२/८८/२, २/१४६/१, २/१५०/-, २/१६८/४, २/१८७/८, २/१८८/१, २/२२०/१, २/२५६/२, ५/-/०५, ५/३५/-, ७/२८/-, ७/२८/४, ७/२८/४, ७/२८/५, ७/२८/६, ७/२८/६

बाण ।

"तकि तकि तीर महीस चलावा"—१/१५६/३

२/८८छं०, ३/१८/-, ३/१८छं०, ६/६८/७, ६/८१/१०, ६/८१छं०, ६/१००छं०१ह

किनारा जिसे जल स्पर्श करता है ।

"बीर परहिं जनु तीर तरु"—६/८७/-

तुरग : घोड़ा ।

"दासी दास तुरग रथ नागा"—१/१००/७

१/१५७/८, १/१५८/१, १/१६८/८, १/१८५/८, १/२८७/४, १/२८८/२, १/३०२/-, १/३०४/-, १/३२५/८, १/३३२/६, २/६/-, २/१८६/४, ६/५०/३, ६/८६/४, ६/८६छं०, ६/८८/४, ६/८१/६, ७/४८/३

तुरीय : अवस्था-विशेष।
"तूल तुरीय सँवारि पुनि"—७/११७ग/-

तुरंग : घोड़ा।
"जेहि तुरंग पर राम बिराजे"—१/३१५/७
२/१४३/-, ६/८४/२

तुला : तराजू।
"धरिअ तुला एक अंग"—५/४/-

तुषार : पाला।
"प्रबल तुषार उदार पार मन"—६/११४छं०
७/१०७छं०३/-

तुहिन : पाला।
"परसत तुहिन तामरसु जैसे"—२/७०/८
२/१५८/४

तूल : रूई।
"कहहु तूल केहि लेखे माहीं"—१/११/११
५/३०/७, ५/३३/-, ७/११७ग/-

तृप्ति : संतोष।
"तृप्ति न मानहिं मनु सतरूपा"—१/१४७/६

तृषा : प्यास।
"चातक रटत तृषा अति ओही"—४/१६/५

तृषित : प्यासा।
"तृषित निरखि रबि कर भव बारी"—१/४२/८
१/१५७/-, १/१५७/७, १/१५८/-, १/२६०/२, २/५२/-,
६/३३ख/-

तेज : चमक।
"रूप सील निधि तेज बिसाला"—१/७५/५
१/८१/५, १/१२९/३, १/१३८/५, १/१८९/७, १/२०८/८,
१/२९२/३, १/३००/८, २/१८६/६, ३/२७/१०, ४/६/२८,
४/२७/३, ४/२७/४, ४/२९/७, ५/१६/१, ५/२७/४,
५/५३/- ७/११७घ/-
सामर्थ्य।
"राम तेज बल बुधि बिपुलाई"—५/५५/१

६/११/१, ६/१६/३, ६/३०/८, ६/५३/७, ६/७०/८, ६/७१/५, ६/८८/३, ६/१०२/६, ६/१०३/५, ७/११/२, ७/१३छं०२, ७/१३छं०३, ७/३१/३, ७/८६/५
जलानेवाला ताप।
"तेज कृसानु रोष महिषेसा"—१/३/५
तेजस्वी।
"तेज प्रताप सील बलवाना"—१/१५२/३
अग्नितत्व।
"जिमि बिनु तेज न रूप गोसाँईं', —७/८६/६

तोष : तृप्ति।

"स्वाद तोष सम सुगति सुधा के"—१/१६/७
१/३२५छं०१, ७/१०१छं०, ७/११६/१४

तोषक : संतुष्ट करनेवाला।

"भव श्रम सोषक तोषक तोषा'—१/४२/४

तुंग : ऊँचा।

"बर बारि तुंग तमालही"—६/१००छं०१ह

त्याग : परित्याग।

"संग्रह त्याग न बिनु पहिचाने"—१/५/२
२/१७२/-, ४/१०/-, ४/१५/५, ६/३४ख/-

त्यागी : त्याग करनेवाला।

"भव तरिहहिं ममता मद त्यागी"—१/१५१/३
१/२१६/२, १/३४०/५, २/४१/३, २/५०/२, २/५५/५, २/७७/१, २/२६३/६, ३/७/६, ३/१४/८, ३/४४/३, ४/२२/४, ४/२६/८, ५/३०/४, ५/५२/५, ६/४/५, ६/६/५, ६/४४/६, ६/७३/२, ७/३७/२, ७/६७/७, ७/६८/४, ७/१०६/७, ७/११४/२
विरक्त।
"सिव समाधि बैठे सबु त्यागी"—१/८२/३

त्रय : तीन।

"कटि किंकिनी उदर त्रय रेखा"—१/१६८/४
५/३८/४, ६/६२/८, ७/७६/-, ७/१२४क/-

त्राता : रक्षक ।

"जग पालक बिसेषि जन त्राता"—१/१८/५

१/७२/३, ६/८३/३, ७/१/४, ७/८२/२, ७/१२६/२

बचानेवाला ।

"गुर बिरोध नहिं कोउ जग त्राता"—१/१६५/६

५/२२/७

त्रास : डर ।

"दच्छ त्रास काहुँ न सनमानी"—१/६२/१

१/२२४/६, १/२२४/७, १/२६८/६, १/२८५/४, ३/२८/२३, ४/११/३, ५/१०/–, ५/५२/८, ६/१०/–, ६/२८/३, ६/३१क/–, ६/३३ख/–, ६/३७/२, ६/७२/–, ६/८८/–, ६/८८/२, ६/११२छं०ह, ६/११४छं०, ७/१४/६, ७/३४/५, ७/३८/१, ७/६६ख/–, ७/८१क/–

त्रासक : डरानेवाली ।

"त्रिबिध ताप त्रासक तिमुहानी"—१/३८/४

त्राहि : रक्षा करना ।

"त्राहि त्राहि दयाल रघुराई"—३/१/११

३/१/११, ५/३२/–, ५/३२/–, ५/४५/–, ५/४५/–, ६/२०/–, ६/२०/–, ६/८१/६, ६/८१/६, ६/८५/४, ६/८५/४, ७/८२/२, ७/८२/२

त्रिकाल : तीनों काल ।

"तुम्ह त्रिकाल दरसी मुनिनाथा"—२/१२४/७

त्रेता : चार युगों में दूसरा ।

"एक बार त्रेता जुग माहीं"—१/४७/१

७/१०३/३

दत्त : दिया हुआ ।

"सो ब्रह्म दत्त प्रचंड सक्ति"—६/८३छं०

दधि : दही ।

"दधि ओदन लपटाइ"—१/२०३/–

१/२८५/८, १/३०२/८, १/३०४/६, १/३४५/४; ६/४४/–

७/२/५

दनुज : दानव ।

"देव दनुज नर नाग खग"—१/७घ/-

१/४३/४, १/६८/-, १/८२/-, १/८४/६, १/११२/८, १/१२२/६, १/२५०/८, १/२८३/१, १/२८४/१, ३/१८/-, ३/१८/११, ५/४६/४, ६/७/४, ६/१०३छं०, ७/७/६, ७/२६/७, ७/७२/१, ७/८०/३

दम : इन्द्रियनिग्रह ।

"छमा दया दम लता बिताना"—१/३६/१३

१/४३/२, २/१३२/३, २/३२४/४, २/३२५छं०, ३/३५/२, ३/४५/३, ६/७८/६, ७/३७/८, ७/४८/२, ७/८४/५, ७/१०१छं०, ७/११६/१५, ७/१२५/५

दमन : वश में करनेवाला ।

"कलिमल समन दमन मन"—३/६क/-

दमनीय : तोड़ने योग्य ।

"रचेउ न धनु दमनीय"—१/२५१/-

दया : करुणा ।

"छमा दया दम लता बिताना"—१/३६/१३

१/४३/२, १/१५८/४, १/२७८/३, २/७/६, २/३१०/२, ३/१/८, ४/२७/५, ५/५१/७, ६/२३/१४, ६/१००छं०, ७/४८/२, ७/८४ख/-, ७/१०१छं०, ७/१११/१०, ७/१२५/६

दयाकर : दया करनेवाला ।

"दीन दयाकर आरत बंधौ"—७/१७/१

दयानिधि : दया के सागर ।

"निज दिसि देखि दयानिधि पोसो"—१/२७/४

६/१६२/८

दर : शंख ।

"कुंद इंदु दर गौर सरीरा"—१/१०५/६

१/१४६/१, ७/७६/२

भय ।

"भव बारिधि मंदर परमं दर"—६/११४छं०

दरिद्र : निर्धन ।
"जथा दरिद्र बिबुध तरु पाई"—१/१०७/३
१/१४८/५, १/३४५/-, ६/३०/२, ६/८७/३, ७/२०/६, ७/१००छं०, ७/१०४/१, ७/१११/१, ७/११६/४, ७/१२०/१३

दर्पित : अहंकारी ।
"राम बल दर्पित भए"—६/८७छं०
६/८३छं०

दर्भ : कुश ।
"बैठे कपि सब दर्भ डसाई"—४/२५/१०
५/५०/७

दल : सेना ।
"दल समेत बस सोइ"—१/१७८ख/-
२/२२७/६, २/२३५/-, २/३१८/६, ३/१८छं०२ह, ५/५३/-, ६/३/८, ६/३६/१, ६/४१/६, ६/४२/३, ६/४५/-, ६/४५/६, ६/४५/८, ६/४७/-, ६/६५/१०, ६/६७/१, ६/६७/२, ६/७१/२, ६/८१/-, ६/८१छं०, ६/८२/-, ६/८८/१०, ६/८८छं०, ६/१०२छं०
पत्ता ।
"लगे लेन दल मुदित मन"—१/१७८ख/-
२/२२/६, २/२७८/-, २/२७८/८, ७/२/५
समूह ।
"कामादि खल दल गंजनं"—३/३१छं०२ह
५/२०/८, ५/३१/-
गुट ।
"दोउ कूल दल रथ रेत"—६/८६छं०
६/८७/१५, ६/११३/६
पंखुड़ी ।
"स्रवत सलिल राजिव दल लोचन"—६/६०/१७

दलन : नाश करनेवाला ।
"दलन मोह तम सो सप्रकासू"—१/०/६
१/२७२/-, १/३३६/-, २/१०४/६, २/२५३/४
नाश करना ।
"चले दलन खल निसिचर अनी"—१/१२५छं०
२/३२५/६, ६/६७/१

दलित : टूटा हुआ ।
"दलित दसन मुख रुधिर प्रचारू"—२/१६२/५

दव : दावानल ।
"मृगी देखि दव जनु चहु ओरा"—२/७२/६
७/७८ख/–
अग्नि ।
"देखे लोग बिरह दव दाढ़े"—२/७६/१
२/१५८/५
भयानक अग्नि ।
"जेहिं दव दुसह दसहुँ दिसि दीन्ही"—२/८३/३

दहन : जलानेवाला ।
"द्रवउ सकल कलिमल दहन"—१/०२/–
१/२८४/१, ६/४८ख/– ७/२६/७
जलाना ।
"दहन राम गुन ग्राम"—१/३२क/–
३/१०/५, ६/२५/२, ६/१०३छं०
भस्म होना ।
"मदन दहन सुनि अति दुखु पावा"—१/६०/१

दाता : देनेवाला ।
"होइ जलद जग जीवन दाता"—१/६/१२
१/२६/६, १/१४२/२, १/२१६/२, १/२१८/१, १/२४१/५, १/३०१/४, २/४२/३, २/६१/४, २/२८१/४, २/३०७/६, ५/२०/७, ५/४४/२, ७/४०/५, ७/१२६/१
दानी ।
"कोउ धनवंत सूर कोउ दाता"—७/८६/२

दान : धर्म की दृष्टि से या दयावश किसी को कोई वस्तु देने की क्रिया-शिक्षण ।
"आदर दान बिनय बहुमाना"—१/१०२/२
१/१६३/७, १/२११/३, १/२६४/८, १/३२०/५, १/३२५छं०१, १/३३८/६, १/३४५/–, १/३५०/८, १/३५१/४, २/७/४, २/७८/३, २/७६/४, २/२०३/४, ५/८/३, ५/४४/२, ६/२५/६, ६/३७/६, ६/७६/८, ६/११७ख/–, ६/१२०ख/–,

७/११/७, ७/१४/१०, ७/२३/१, ७/४८/-, ७/१०१ख/-,
७/१०१छं०, ७/१०३ख/-, ७/१२१ख/-

दानव : दनुज।
"दानव देव ऊँच अरु नीचू"—१/५/६

दानी : दान करनेवाला।
"आसुतोष तुम्ह अवढर दानी"—२/४३/८

दाम : माला।
"श्याम तामरस दाम शरीरं"—३/१०/३
५/८/३
रस्सी।
"ताहि ब्यालसम दाम"—१/१७५/-
झालर।
"बिच बिच मुकुता दाम सुहाए"—१/२८७/३

दामिनी : बिजली।
"कुंद कली दाड़िम दामिनी"—३/२९/११
६/१२/१, ६/१२/६, ६/११८/५

दायक : देनेवाला।
"बर दायक बर दानि"—१/२५/-
१/९९/७, १/१४५/२, १/१९६/६, ३/२५छं०, ३/४१/१,
५/१३/५, ५/६०/-, ६/११२छं०, ७/३४/३, ७/४०/७,
७/७३/६, ७/९१/४

दारिका : लड़की।
"ए दारिका परिचारिका करि"—१/३२५छं०३

दारु : काठ।
"दारु बिचारु कि करइ कोउ"—१/१०क/-
४/१०/७
लकड़ी।
"कीट मनोरथ दारु सरीरा"—७/७०/५

दास : सेवक।
"दासी दास तुरग रथ नाना"—१/१००/७

१/१३१/७, १/१४४/५, १/२७०/१, १/२७८/५, १/३२५/४, १/३३८/२, २/७८/५, २/८०/४, २/१५५/५, २/२१३/६, ३/१०/२५, ३/३१छं०, ३/३५छं०, ३/४२/८, ४/३/२, ४/८छं०२, ४/२८छं०, ५/१३/-, ५/५८छं०, ६/२/-, ६/१२क/-, ६/७०छं०, ६/८५छं०, ६/११२छं०, ७/१/१६, ७/१छं०, ७/१२छं०३, ७/१५/८, ७/४५/३, ७/६८ख/-, ७/७४ख/-, ७/७८/३, ७/८३क/-, ७/८३ख/-

तुलसीदास नाम का उत्तरांश ।

"उपमा न कोउ दास तुलसी"—१/३१०छं०

३/५छं०

भक्त ।

"सहित दोष दुख दास दुरासा"—१/२३/५

दासी : सेविका ।

"जानिअ भृत्य मोहि निज दासी"—१/१०७/१

१/१०८/१, १/१८३छं०, १/१८२/२, १/२५८/५, १/३२५/४, २/६६/५, २/८०/४, २/११७/३, २/१५५/५, ७/७१ख/-

दाह : संताप ।

"दुसह दाह दुख दूषन भागी"—२/१६३/८

२/३२५छं०

अग्नि ।

"एहि बिधि दाह क्रिया सब कीन्ही"—२/१६८/५

६/१०१/८

दाहक : जलानेवाला ।

"सीतल सिख दाहक भइ कैसे"—२/६३/२

दिगंबर : नंगा ।

" अकुल अगेह दिगंबर ब्याली"—१/७८/६

दिग्गज : दिशा के हाथी ।

"डगमगानि महि दिग्गज डोले"—१/३५३/१

१/२६०/छं०, ५/३४/१०, ५/३४छं०१, ६/२४/५, ६/८५छं०, ६/८०छं०, ६/१०२/५

दिन : समय ।

"सबहि सुलभ सब दिन सब देशा"—१/१/१२
१/३३/६, १/४७/५, १/६०/६, १/७३/५, १/७३/५,
१/१६८/७, १/१७१/७, १/१७६/५, १/१८६/६, १/२०४/२,
१/२७५/३, १/२६०/७, १/३११/४, १/३३१/२, १/३३१/३,
१/३४३/-, १/३५६/८, १/३५६/४, १/३५६/४, २/६/६,
२/१४/२, २/१६/६, २/१८/३, २/२०/४, २/३१/३,
२/५३/७, २/६२/-, २/८१/-, २/१०३/४ २/१०४/१,
२/१५४/७, २/१५६/७, २/२०८/२, २/२०८/२, २/२११/१,
२/२१८/-, २/२१८/-, २/२२०/१, २/२४६/८, २/२४८/-,
२/२५१/-, २/२७२/२, २/२७७/६, २/३१२/-, २/३१२/२,
२/३२४/१, ३/१३/२, ३/१३/२, ३/१६/२, ३/३६ख/-,
४/१२/-, ४/२६/३, ५/६/८, ५/१०/७, ५/५७/-,
६/२०/८, ७/०१/-, ७/../१, ७/५छं०, ७/१८/८,
७/२६/२

रात का उल्टा ।

'दुख सुख पाप पुन्य दिन राती' — १/५/५
१/१०७/७, १/१६६ १, १/२०./-, १/२३७/-, १/३२६/१,
२/६/८, २/१६/६, २/१३८/-, २/२००/२, २/२०८/४,
२/२५२/-, ३/५छं०, ३/७/३, ३/२०/७, ३/२७/८,
४/६/२१-, ४/११/३, ६/३१क/-, ६/७१/१, ७/१/३,
७/११६/३

दिनकर : सूर्य ।

'हरन मोह तम दिनकर कर से"—१/३१/१०
१/१८६/२, १/३३./७, २/१४/३, २/३६/६, २/३८/५,
२/५३/८, २/६१/१, २/१३७/४, २/२२५/१, २/२६२/४,
२/२८४/५, ३/१०/१४, ६/३२क/-, ६/३६/२, ६/३८/३,
६/५१/७, ६/६१छं०, ३/६२/४, ७/८/७, ७/११छं०२

दिननायक : सूर्य ।

"हा रघुकुल सरोज दिननायक"—३/२८/२

दिनेश : सूर्य ।

"दिनेश वंश मंडनं"—३/३छं०

दिवस : दिन ।

"जुग सम दिवस सिराहि"—१/५८/-

१/१७०/५, १/१८५/-, १/१८५/-, १/१८६/१, १/२०८/७, १/२६२/५, १/३०८/८, १/३३१/५, १/३५८/-, २/६१/२, २/६५/४, २/८४/-, २/१३८/३, २/१४८/६, २/१८७/८, २/२८८/५, २/३२१/५, ३/११/२, ४/५/७, ४/१५ख/-, ४/२१/७, ५/८/८, ५/११/-, ५/१५/४, ५/२६/६, ५/३०/-, ६/१७/३, ६/३१ख/-, ६/३४/४, ६/४१/-, ७/१२छं०२, ७/१५/-, ७/२५/८

दिवाकर : सूर्य ।

"नयन दिवाकर कच घन माला"—६/१४/२

६/४१/२, ६/११४छं०, ७/३/१, ७/१३छं०३

दीन : दुःखी ।

"जाहि दीन पर नेह"—१/०४/-

१/१८५छं०, १/२०८/६, २/२०/३, २/३८/१, २/४३/८, २/६८/३, २/८०/-, २/८६/-, २/१४५/१, २/२२५/५, २/३०१/-, ३/१/-, ३/५/६, ३/७/६, ४/३/३, ५/५/८, ५/८/-, ५/२६/४, ५/३०/३, ५/४५/२, ५/५१/३, ६/६३/६, ६/१०८/३, ६/११०छं०, ६/११०छं०, ६/११३/८, ६/११४छं०, ६/११५/४, ६/११७/८, ७/०/६, ७/१३छं०६, ७/१३छं०१०, ७/१७/१, ७/५०/४, ७/८३क/-, ७/१०४/१, ७/१८८ख/-, ७/११०ख/-, ७/१३०क/-, ७/१३०क/-

करुणा ।

"दीन बचन गुह कह कर जोरी"—२/१०३/३

२/३१४/-

अर्थहीन ।

"सफल जीव जग दीन दुखारे"—१/२२/७

दीनता : दरिद्रता ।

"आरति बिनय दीनता मोरी"—१/४२/१

२/१८१/-, २/१८२-, ७/१११/१६

बेबसी ।

"कामिन्ह के दीनता देखाई"—३/३८/२

दीनदयालु : दीनों पर दया करने वाले ।

"जौं प्रभु दीनदयालु कहावा"—१/५८/६

दीनबंधु : दीनों की सहायता करने वाले ।

"प्रनवउँ दीनबंधु दिन दानी"—१/१४/३

१/२११/-, २/३१४/-, ३/२७/-, ४/२/-, ७/१/८

परमेश्वर ।

"दीनबधु सुंदर सुखद"—२/६६/-

२/७१/६, ३/८/४, ३/४५छं०, ७/३४/४

दीप : दीपक ।

"जैसें दिवस दीप छबि छूटे"—१/२६२/५

१/२८८/३, १/२८१/३, १/३४८/३, २/५८/६, २/२८४/५, ३/४६ख/-, ७/२६/८, ७/२६छं०, ७/११७घ/-, ७/११७/१, ७/११७/१३, ७/११७/१६

भूमिखण्ड ।

"सप्त दीप भुजबल बस कीन्हें"—१/१५३/७

१/२५०/७, १/२५०/७

दुकूल : वस्त्र ।

"बलकल बिमल दुकूल"—२/६५/-

दुंदुभि : नगाड़ा ।

"बिलोकि प्रभु दुंदभि हनी"—१/३२६छं०४

१/३४६/५, ४/६/१२, ६/१०२छं०१

दुंदुभी : नगाड़ा ।

"गहगहि गहन दुंदुभी बाजी"—१/१८०/७

१/२२८/२, १/२६२/१, १/३२५छं०४

दुर्ग : किला ।

"कहि न जाइ अति दुर्ग बिसेषी"—५/२/१०

५/३२/५, ६/३८/८, ६/४१/२, ६/४४/७, ६/४८/-, ६/६३/२

दुर्गम ।

"दुस्तर दुर्ग दुरंत"—७/८१ख/-

दुर्गम : कठिन ।

"ते अति दुर्गम सैल बिसाला"—१/३८/८
१/८५/४, ७/१२०/३२
किला ।
"बिधि निर्मित दुर्गम अति भारी"—१/१७८/५

दुर्घट : दुर्गम ।

"कोपि कपिन्ह दुर्घट गढ़ घेरा"—६/४८/६

दुर्जन : दुष्ट ।

"जिमि दुर्जन पर संपति देखी"—४/१६/४

दुर्मद : मद से चूर ।

"कुंभकरन दुर्मद रन रंगा"—६/६३/२
उन्मत्त ।
"रन दुर्मद रावन अति कोपी"—६/८१/४

दुर्लभ : कठिन ।

"एहि सेवत कछु दुर्लभ नाहीं"—१/६६/५
१/१५८/७, १/१६२/१, १/१६७/२, २/४०/८, २/८३/७, ३/२६/१७, ३/३०/६, ६/१०४/-, ७/१२छं०३, ७/१४/४, ७/२४/४, ७/४२/७, ७/४३/८, ७/५३/५, ७/५३/७, ७/८३/१, ७/१०८/१५, ७/१०६/३, ७/११३/४, ७/११३/६, ७/११४ख/-, ७/११४/६, ७/११८/३, ७/१२०/३, ७/१२२/६, ७/१२६/-

दुष्ट : नीच ।

"दुष्ट हृदय दारुन जस अहिनी"—३/१६/३
३/२७/१२, ३/२८/११, ५/४५/७, ६/११२छं०, ७/११२छं०, ७/१२०/२०
हानिकारक ।
"चरहिं दुष्ट जंतु बन भूरि"—२/५६/-
दोषयुक्त ।
"एक दुष्ट अतिसय दुखरूपा"—३/१४/५
बुरा ।
"दुष्ट तर्क सब दूरि बहाई"—७/४५/८

दुस्तर : कठिन।

"अति अगाध दुस्तर सब भाँती" —५/४८/६

६/११४छं०, ७/८१ख/- ७/११८क -

दूत : संदेशवाहक।

"दूत अवधपुर पठवहु जाई"—१/२८६/१

१/२८६/२, १/२८८/१, १/२८०/३, १/२८०/८, १/२८२/६, १/२८३/-, २/१५६/१, २/२६८/४, ३/३७ख/-, ४/१८/४, ४/१८/८, ४/२८/४, ५/०/८, ५/१२/८, ५/१८/४, ५/२१/-, ५/२५/७, ५/३५/३, ५/३५/७, ५/४२/२, ५/५०/८, ५/५१/२, ५/५२/१, ५/५३/३, ५/५५/८, ६/१/५, ६/१६/४, ६/१८/३, ६/१८/१, ६/२०/६, ६/२१/२, ६/२१/६, ६/३४/८, ६/३५/३, ६/३६/२; ६/५६/-, ६/१०६/५

गुप्तचर।

"उहाँ दूत एक मरमु जनावा"—६/५५/२

दृष्टि : प्रकाश।

"सुमिरत दिव्य दृष्टि हियँ होती"—१/०/५

देखने की शक्ति।

"गीधहि दृष्टि अपार"—४/२८/-

देव : सामान्य कोटि के देवता।

"दानव देव ऊँच अरु नीचू"—१/५/६

१/७घ/-, १/४३/४, १/५४/३, १/६८/-, १/८१/६, १/८१/८, १/८४/६, १/८८/-, १/१६८/५, १/१८२ख/-, १/१८२/३, १/१८२/७, १/१८६/७, १/१८७/१, १/१८७/२, १/२०८/६, १/२५०/८, १/२६४/-, १/२८३/१, १/३०५/१; १/३१३/-, १/३१६/७, १/३१८/४, १/३१८/७, १/३२०/८, १/३२५छं०१, १/३२६/४, १/३५०/१, १/३५२/८, २/१०/६, २/११/२, २/११/४, २/५६/१, २/११२/६, २/१३३/२, २/१३३/३, २/१३८/-, २/२५३/४, २/२६५/४, २/२६६/३, २/२६७/७, २/२७२/८, २/२८४/१, २/३००/-, २/३०६/८, २/३०७/-, २/३०८/१, ३/३छं०, ३/५/७, ३/२७/६; ३/३३/-, ३/४०/३, ५/३८/३, ६/७/४, ६/७०/१; ६/७४/४, ६/८५/७, ६/१०२/११, ६/१०८/२, ६/११२छं०,

७/१/४, ७/६७/२, ७/८०/३, ७/८६/६, ७/८६/२, ७/८८/३, ७/१०८/१

आदरणीय व्यक्ति के प्रति सम्बोधनसूचक शब्द ।

"सुनहु देव सब धनुष समाना"—१/२७१/१

१/२८१/७, १/२८२/५, २/८७/६, २/३०७/-, २/३१८/२, ३/६/५, ३/७/५, ३/११/८, ३/२६/४, ३/३५/१२, ४/२०/२, ५/४८/५, ६/१०८/३; ७/१२छं ६

उत्तम कोटि के देवता ।

"बिष्नु बिरचि देव सब जाती"—१/८८/६

१/३१४/-, १/३२२छं०२, ४/०/१०

दिव्य ।

"धिग जीवन देव सरीर हरे"—६/११०छं०

मध्यम कोटि के देवता ।

"देव न बरषहिं धरनी"—७/१०१ख/-

देवतरु : कल्पवृक्ष ।

"अभिमत दानि देवतरु बर से"—१/३१/११

२/२६६/८

देवता : देव ।

"द्विज देवता घरहि के बाढ़े"—१/२७५/७

६/१०८/११

श्रेष्ठ ।

"पति देवता सुतीय मनि"—२/१८८/-

देवप्रतिमा ।

"तसि पूजा चाहिअ जस देवता"—२/२१२/७

देवर : पति का छोटा भाई ।

"प्राननाथ प्रिय देवर साथा"—२/८८/१

२/१०२/३, २/१०३/-, २/११६/५

देह : शरीर ।

"कुंद इंदु सम देह"—१/०४/-

१/१२/४, १/५०/-, १/५८/७, १/६३/७, १/७३/३, १/७८/-, १/१२१/५, १/१५१/२, १/१६२/-, १/१८७/३, १/२०६/५, १/२०७/४, १/२१०/-, १/२३१/६, २/२४/-,

२/६४/७, २/६८/२, २/१२६/५, २/१५२/-, २/१७५छं०, २/१७७/६, २/२०७/८, २/२१५/४, २/२४१/५, २/३२४/१, ३/२६/१, ३/३०/७, ३/३१/१, ३/३५छं, ३/४५/-, ४/१०/२, ४/२२/६, ४/२९/६, ५/२छं०२, ५/११/२, ५/२०/७, ५/२५/१, ५/३०/८, ५/४७/८, ५/५१/-, ६/६१/७, ७/१५/६, ७/३८/-, ७/४५/-, ७/८२/१, ७/८३/३, ७/१०८/३, ७/११३/१५

जीवन ।

"सब कें देह परम प्रिय स्वामी"—५/२१/४

दैव : विधाता ।

"करिअ दैव जौं होइ सहाई"—५/५०/१

५/५०/३, ५/५०/४, ५/५०/४, ६/५८/३, ६/६०/१०, ६/८८/७

दैविक : देववृत्त ।

"दैहिक दैविक भौतिक तापा"—७/२०/१

दैहिक : शारीरिक ।

"दैहिक दैविक भौतिक तापा"—७/२०/१

दोष : खराबी ।

"मिटहिं दोष दुख भव रजनी के"—१/०/७

१/१/१, १/३/४, १/३/११, १/५/२, १/५/३, १/५/८, १/६/१, १/६/३, १/८/१०, १/१४घ/-, १/२३/५, १/२८ग/-, १/३४/१०, १/६६/-, १/६८/३, १/७२/२, १/१३०/-, १/१५२/७, १/३३६/-, २/६०/-, २/१०१/५, २/१७६/८, २/२३१/६, २/२५०/७, २/२८८/४, ३/३छं०, ६/२३घ/-, ६/११०छं०, ७/४१/-, ७/५६/२, ७/७२/३, ७/१०४क/-, ७/११३/१

कलंक ।

"दारुन दोष घटइ अति मोही"—१/१६१/४

२/२०८/५

अपराध ।

"बाल दोष गुन गनहिं न साधू"—१/२७४/५

लांछन ।

"दै दोष सकल सरोष बोलहिं"—२/२७५छं०

दंड[1] : दण्डवत् ।

"लगे करन सब दंड प्रनामा"—१/२६८/२
१/३३०/१, २/१४८/-, २/१८२/५, २/१८८/-, २/२०५/४, २/२२४/७, २/२४२/३, २/२४२/५, ७/१८/३

घड़ी ।

"दुइ दंड भरि ब्रह्मांड भीतर"—१/८५छं०
१/१११/-, २/२०१/८, २/२८३/८, ३/२८/२०, ६/८२/४, ७/१२२/६

सजा ।

"आन दंड कछु करिअ गोसाँई"—५/२३/८
७/३७/-, ७/१००छं०, ७/१०६/४

लाठी ।

"परे दंड इव गहि पद पानी"—१/१४७/७
२/११०/-, ६/३६/७, ६/८३/-

वह डंडा जिसमें पताका लगी रहती है ।

"दंड समान भयउ जस जाका"—१/१६/६

कर।

"लै लै दंड छाड़ि नृप दीन्हें"—१/१५३/७

छाते की लकड़ी ।

"तोरौं छत्रक दंड जिमि"—१/२५३/-

शारीरिक कष्ट ।

"साम दान अरु दंड बिभेदा"—६/३७/८

संन्यासी का डंडा ।

"दंड जतिन्ह कर भेद जहँ"—७/२२/-

दंतकथा : कोरी कल्पना ।

"इति बेद बदंति न दंतकथा"—६/११०छं०

दंभ : अभिमान ।

"कपट दंभ पाखंड"—१/३२क/-
२/१२८/२, २/३२५छं०, ७/३८/८, ७/१क/-, ७/८६/३, ७/१२०/३५

---

[1]दंड—पताका जिस डंडे के ऊपरी सिरे फहराई जाती है, वह डंडा दंड कहलाता है । दंड और पताका मिलकर ही ध्वज अथवा ध्वजा कहलाते हैं। देखिए ध्वज एवं पताका शब्द ।

कपट ।
"काम आदि मद दंभ न जाकें"—३/१५/१२
३/३८ख/-, ३/४५/६, ७/९७/४, ७/१०१क/-, ७/१०४/८
पाखण्ड ।
"जो कर दंभ सो बड़ आचारी"—७/९७/५

द्रव : पिघलना ।
"जिमि रबिमनि द्रव रबिहि बिलोकी"—३/१६/६

द्रुम : वृक्ष ।
"द्रुम नव नाना जाति"—१/६५/-

द्रोह : वैर ।
"कीन्ह मोहबस द्रोह"—३/२/-
४/१६/८, ५/३८/७, ६/७८/-, ६/१०९/४, ७/९३/६, ७/३९/८,
७/३९/८, ७/९९/१, ७/१०५क/-, ७/१०५/७, ७/१०८/१४

द्रोही : द्रोह करने वाला ।
"बिस्व बिदित छत्रिय कुल द्रोही"—१/२७१/६
२/१६३/५, २/२०४/१, ३/१/५, ३/३२/८, ५/२२/८,
५/४७/२, ६/१/७, ६/२/-, ६/२/-, ६/२६/२,
७/३९/-
वैरी ।
"कोक सोकप्रद पंकज द्रोही"—१/२३७/२

द्वंद : द्वन्द्व ।
"द्वंद हरन सरन सुखप्रद प्रभो"—६/११२छं०
६/११२छं० ह, ७/३३/८
दोनों ।
"पद कंज द्वंद मुकुंद राम"—७/१२छं० ४

द्वार : दरवाजा ।
"जीह देहरीं द्वार"—१/२१/-
१/२८९/२, १/२९४/७, १/३५७/६, १/३५७/८, २/८/२,
२/३७/-, २/७९/१, २/१४६/६, ६/४२/३, ६/४२/४,
६/७६/१, ७/२६छं०, ७/२६छं०, ७/११७/११
फाटक ।

"सुभग द्वार सब कुलिस कपाटा" —२/२१३/१
४/५/३

द्वारपाल : पहरेदार ।

"द्वारपाल हरि के प्रिय दोऊ"—१/१२१/४

द्विज : ब्राह्मण ।

"तीनि जनम द्विज बचन प्रबाना"—१/१२२/१
१/१६५/५, १/१६८/-, १/१७२/७, १/१८२/६, १/१८५छं०, १/२०९/६, १/२७५/७, १/२८२/१, २/१२८/३, ४/१६/८, ४/२६/-, ५/३८/३, ५/४८/-, ७/९/४, ७/९/५, ७/२५/१, ७/३७/६, ७/४२/१, ७/४२/२, ७/४४/८, ७/८५/५, ७/८५/५, ७/९७/२, ७/१००छं०, ७/१०४/५, ७/१०५क/-, ७/१०७ख/-, ७/१०८/५, ७/१०८/६, ७/१०८/११, ७/१०९/३, ७/११०ग/-, ७/१११/३, ७/१२०/२४, ७/१२५/६, ७/१२६/६, ७/१२६/८, ७/१२७/५, ७/१२७/७

द्वेष : वैर ।

"राग द्वेष उलूक सुखकारी"—५/४६/३
७/१०१क/-

द्वैत : भेददृष्टि ।

"द्वैत कि बिनु अग्यान"—७/१११ख/-

धन : सम्पत्ति ।

"अघ अवगुन धन धनी धनेसा"—१/३/५
१/३१/४, १/३१/१२, १/१९७/२, १/२०७/३, १/२६२/-, १/३०५/५, १/३०८/२, २/१४३/७, २/१७०/-, २/३०५/-, ३/१६/१५, ३/२०/८ ३/३४/५, ४/१३/५, ७/३९/-, ७/९६/३, ७/९८/७, ७/१२६/७

धनद : कुबेर ।

"धनिक बनिक बर धनद समाना"—१/२१२/३
२/५१/५, ७/९१/७

धनिक : धनी ।

"धनिक बनिक बर धनद समाना"—१/२१२/३

धनी : स्वामी।

"लखनु सचराचर धनी"—२/१२६छं०

३/१८छं०, ३/३१छं०४, ६/४७/१, ६/८२छं०, ७/४/१

धनवाला।

"अघ अवगुन धन धनी धनेसा"—१/३/५

३/२५/४

उत्तराधिकारी।

"राजधनी जो जेठ सुत आही"—१/१५२/५

पति।

"साधु समाज मुनि मिथिला धनी"—२/३०१छं०

धनु : धनुष।

"राजिव नयन धरें धनु सायक"—१/१७/१०

१/८३छं०, १/२२०/६, १/२३८/६, १/२५०/-, १/२५१/-, १/२५३/-, १/२५५/४, १/२५६/१; १/२५७/४, १/२५८/८, १/२५८/२, १/२६०/५, १/२६१/८, १/२६२/५, १/२६७/८, १/२७०/८, १/२७१/-, १/२७१/२, १/२७२/८, १/२८१/१, १/२८३/७, १/२८५/५, १/२८५/८, १/२८८/५, १/२८१/६, १/२८२/२, १/३५६/४, २/८८/१, २/११४/८, २/१३०/७, २/१५०/४, २/२२८/८, २/२३८/५, २/२३८/८, २/२३८/८, ३/१७/१२, ३/२३/७, ३/२८/१२, ६/२३३/-, ६/६८/५, ६/८१छं०, ६/८२/-, ६/८१/८, ६/८२छं०, ६/८७/१०, ६/१००छं०१, ७/४/३, ७/११छ०१

धन्य : भाग्यशाली।

"अहो धन्य तव जन्मु मुनीसा"—१/१०३/४

१/१११/६, १/१११/६, १/२०६/३, १/२८१/-, १/३५१/५, २/११२/२, २/११८/७, २/१२१/५, २/१२१/५, २/१२१/६, २/१२१/६, २/१३५/१, २/१३५/२, २/१३५/३, २/१३८/-, २/१८४/-, २/१८३/२, २/१८३/२, २/२०५-, २/२०५/-, २/२०८/६, २/२०८/८, २/२०८/८, २/२२२/२, २/२८३/६, २/२८३/६, २/३०८/१, ३/७/-, ३/२६/-, ३/४५छं०, ४/३/६, ४/२६/७, ६/११क/-, ६/२३/१, ६/६३/८, ६/६३/८, ६/६३/८, ६/७६/-, ६/७६/-, ७/११छं०/२, ७/१८/६, ७/३२/७, ७/५१/८, ७/५१/८, ७/५४/७,

७/११८ख/-, ७/१२३क/-, ७/१२३क/-, ७/१२६/५, ७/१२६/५, ७/१२६/६, ७/१२६/६
प्रशंसनीय ।
"धन्य धन्य तव मति उरगारी"—७/८४/२
७/१२६/७, ७/१२६/७, ७/१२६/८, ७/१२६/८, ७/१२७/-,
पुन्यात्मा ।
"अहह धन्य लछिमन बड़भागी"—७/०/३
७/३/८
कृतार्थ ।
"धन्य जन्मु जगतीतल तासू"—२/४५/१

रा : पृथ्वी ।
"परत सभीत धरा अकुलानी"—१/१८३/४
२/६८/८

धर्म : वेदविहित कर्म ।
"भक्ति बिबेक धर्म जुत रचना"—१/७६/५
१/१०५/१, १/१८२/५, १/१८२छं०, १/१८३/४, १/१८३/६, ३/०१/-, ३/४/७, ३/४/१०, ३/४/१४, ३/४/१८, ३/५/४, ३/५छं०, ३/६ख/-, ३/१०/१८, ३/१५/१, ३/३४/५, ३/४३/५, ३/४४/८, ४/८/५, ४/१४/८, ५/३७/-, ५/३८/४, ६/१६/३, ६/२१/४, ६/२१/६, ६/२१/७, ६/२३/२, ६/३७/१०, ७/४/५, ७/१८/२, ७/२०/३, ७/२३/२, ७/३७/६, ७/४८/२, ७/५३/१, ७/८८/४, ७/८७क/-, ७/८७/१, ७/१०१ख/-, ७/१०१छं०, ७/१०१छं०, ७/१०३/१, ७/१०३/४, ७/१०३/६, ७/१०३/७, ७/११६/१०, ७/१२३/६, ७/१२५/५, ७/१२६/२, ७/१२६/६
पुन्य ।
"धर्म सुजस प्रभु तुम कौं"—१/२०७/-
६/३६/७, ७/४०/१, ७/४८/-, ७/१००छं०, ७/१११/१०, ७/१२०/२२
लक्षण ।
"जीव धर्म अहमिति अभिमाता"—१/११५/७
२/२४८/-, ७/१०३ख/-
लौकिक सामाजिक कर्तव्य ।
"उदर भरे सोइ धर्म सिखावहिं"—७/८८/८
७/१०३/४, ७/१०३/६

भागवत धर्म ।
"तब मम धर्म उपज अनुरागा"—३/१५/७
३/३३/२
उत्तम
"नेम धर्म आचार तप"—१/१२१ख/-

धवल : उज्ज्वल ।
"धवल धाम मनि पुरट पट"—१/२१३/-
१/२२३/६, २/२०३/५, २/२८६/२, ७/२६/७

धाम : घर ।
"बिष्नु सकल गुन धाम"—१/८०/-
१/१५२/४, १/१८६/६, १/१८७/—, १/२१८/२, १/२२ /-,
१/२२३/६, २/४८/-, २/१७०/—, २/२२१/-, २/३०५/-,
३/४०/३, ५/४६/-, ६/११३/१०, ७/४२/८, ७/४६/३,
७/८४ख/-, ७/१००छं०
निधन ।
"सकल कला गुन धाम"—१/१०७/-
१/२१६/-, २/३५/३-, ३/२१/८, ३/३०/-, ३/३८क/-,
६/११क/-, ६/११२छं०, ६/११२छं०ह, ६/११६घ/-, ६/११८क/-,
६/१२०छं०
देवस्थान ।
"दानि मुकुति धन धरम धाम के"—१/३२/२
२/१२३/२, ३/६/७, ४/१०/१, ६/७१/-, ७/१२८छं०२,
निवास ।
"करउ सो मम उर धाम"—१/०३/-,
१/११०/-, ३/१०३/-, ६/१०३छं०, ६/११०छं०
लोक ।
"पहुँचे निज निज धाम"—१/१८१/-
७/१२ख/-, ७/५१/-
महल ।
"धवल धाम मनि पुरट पट"—१/२१३/-,
७/२६/७

धार : धारा।

"घोर धार भृगुनाथ रिसानी"—१/४०/४
२/३०/२, २/१३१/६, ४/५/७
सेना।
"जम कर धार किधौं बरिआता"—१/९४/७

धारा : द्रव पदार्थ के बहने की परम्परा।

"राम भक्ति जहँ सुरसरि धारा"—१/१/८
१/३९/३, २/३३/३, २/६०/८, २/२४९/७, २/२७५/३, ६/०/३, ६/२५/३
तलवार की धार।
"सीतल निसित बहसि बर धारा"—५/९/६
७/११८/-,
वस्तु संपात रेखा।
"जनु स्रव सैल गेरु कै धारा"—३/१७/१
टुकड़ी।
"चतुरंगिनी अनी बहु धारा"—६/७८/१

धारी : धारण करनेवाला।

"राम भगत हित नर तनु धारी"—१/१३/१
१/५०/१, १/९३/५, १/१०९/४, १/२८१/१, १/२९३/७, २/७१/२, २/२४६/४, २/३२३/३, ६/१२/५, ६/५२/३, ६/९४/१, ६/९७/१३
सेना।
"थकित भई रजनीचर धारी"—३/१८/१
५/५३/६, ६/६६/७, ६/६८/१

धावन : दूत।

"सुनि मुनि आयसु धावन धाए"—२/१५६/४
२/१५७/-, ७/१०ख/-
दौड़कर चलनेवाला हरकारा।
"सो सुग्रीव केर लघु धावन"—६/२२/९

धीर : धैर्य।

"उर धरि धीर कहइ गिरिराऊ"—१/६७/८

१/७४/१, १/८५/-, १/१४४/३, १/१७८/६, १/१८१/२, १/१८५/-, १/१८८/४, १/२००/६, १/२१०/-, १/२१५/-, १/२३३/८, १/२५७/-, १/२५८/१, १/२७३/८, १/२७६/४, १/२८८/६, १/३१४/-, २/३०/-, २/३८/४, २/५४/७, २/६२/४, २/८०/८, २/८१/१, २/१४२/२, २/१४८/३, २/१५३/४, २/१५८/६, २/१७६/-, २/१७६/-, २/३१२/५, २/३१६/५, २/३१६/७, २/३१८/३, ३/१०/-, ३/३७/२, ३/३७/११, ३/४४/८, ५/१४/-, ५/१४/८, ५/१५/-, ५/४४/६, ६/५०/-, ६/८६छं०, ७/५४/-, ७/११५क/-

ज्ञानी ।

"मुनि धीर जोगी सिद्ध संतत"—१/५०छं०

१/१८१छं०, १/२७३/-, २/४१/७, २/७१/२, २/७७/२, २/१४०/७, २/१४८/७, २/२४२/२, २/२४६/४, २/२७०/७, २/२८३/-, २/२८३/७, २/२८०/६, २/२८१/-, २/२८२/१, २/३०३/५, ३/२१/६, ६/१८/-

धुर : धुरी ।

"नरबर धीर धरम धुर धारी"—२/७१/२

२/२३२/१, २/२२३/२

धुरंधर ।

"धीर धरम धर दीनदयाला"—२/२४२/२

२/२४६/४, २/३१६/७

धुरंधर : धुरी को धारण करनेवाला ।

"धर्म धुरंधर नीति निधाना"—१/१५२/३

२/३०/-, २/१७६/-, २/२५८/२, २/३१६/५, ३/५/४, ७/४/५, ७/२३/२

श्रेष्ठ ।

"धरम धुरंधर नृपरिषि जानी"—१/१४२/६

१/१८७/८, २/७७/२, २/१४८/४

धूति : बिगाड़ना ।

"गई गिरा मति धूति"—२/२०६/-

धूप : सुगंधित द्रव्य-विशेष ।

"अगर धूप बहु जनु अँधिआरी"—१/१८४/५

१/३४६/१, १/३४८/२

धूम : धुआँ ।

"धूम कुसंगति कारिख होई"—१/६/११

१/११६/४, १/३४६/१, २/२८४/३, ६/५३/-, ७/१०५/१०

धृत : धारण किया हुआ ।

"धृत लोन बर सर चाप" —६/११२छं०

६/११४छं०, ७/१२छं०३, ७/२८/४

धृति : धैर्य ।

"धृति सम जावनु देहु जमावै"—७/११६/१४

धेनु : गाय ।

"धेनु बसन मनि बसनु बिभागा"—१/१००/७

१/१२०/७, १/१८२/६, १/१८३/७, १/१८२/–, १/१८३/–, १/२०७/३, १/२८४/२, १/२८३/४, १/३२८/७, १/३३०/२, १/३३२/८, १/३३६/८, २/१३०/१, २/१४५/३, २/१६८/८, ५/२छं० ३, ५/३८/३, ७/५/८, ७/५छं०, ७/२२/५, ७/११६/८

"कामधेनु ।

"संत सुधा ससि धेनु"—१/१४च/-

१/३२५/४

ध्यान : चिन्तन ।

"जपहिं राम धरि ध्यान"—१/३४/-

१/११८/–, १/२३३/२, १/३२१छं०, ३/८/१७, ३/२६/११, ३/३१छं०३, ३/३८/८, ४/८छं०, ५/३०/–, ५/४६/८, ६/११क/-, ६/८४/७, ६/८८/-, ६/११७क/–, ७/५६/५, ७/१०२/१

ब्रह्मसमाधि ।

"चरित सुनहिं तजि ध्यान"—७/४२/-

ध्रुव : निश्चित ।

"सिव बिरोध ध्रुव मरनु हमारा"—१/८३/४

राजा ध्रुव ।

"ध्रुव हरिभगत भयउ सुत जासू"—१/१४१/३

ध्रुवतारा ।
"ध्रुव बिस्वासु अवधि र का सी"—२/३२४/५

ध्वज : झंडे का डंडा ।
"ध्वज पताक तोरन पुर छावा"—१/१६३/१
१/१६८/३, १/२८८/२, १/२६५/७, १/२६८/३, २/६/-,
६/७८/२, ७/१२छं०४

न : नहीं ।
"लोकहुँ बेद न आन उपाऊ"—१/२/६
१/२/७, १/२/७, १/२/१२, १/४/१, १/५/२,
१/६/४, १/६/६, १/७/६, १/७/७, १/७/११,
१/८/३, १/८/५, १/८/६, १/६/३, १/६/४,
१/६/८, १/१०/१, १/१०/५, १/११/७, १/११/६,
१/१२/१, १/१२/६, १/१४ख/-, १/१४ङ/-, १/१४/६,
१/१५/२, १/१६/३, १/१६/४, १/१८/-, १/२०/५,
१/२०/७, १/२१/२, १/२४/३, १/२५/८, १/२६/७,
१/२८/५, १/२८/७, १/२६क/-, १/३२/८, १/३३/-,
१/३३/२, १/३४/२, १/३५/६, १/३ /३, १/३७/४,
१/३७/६, १/३८/-, १/३८/२, १/३८/३, १/३८/६,
१/३८/७, १/४१/८, १/४२/१, १/४२/७, १/४४/८,
१/४५/-, १/४८ख/-, १/४८/२, १/४८/७, १/४८/८,
१/४६/२, १/४६/८, १/५०/-, १/५०/३, १/५०/४,
१/५०/५, १/५०/६, १/५१/-, १/५१/६, १/५२/२,
१/५३/१, १/५४/४, १/५४/७, १/५५/२, १/५५/३,
१/५६/-, १/५६/-, १/५६/८, १/५७/२, १/५७/४,
१/५८/-, १/५८/५, १/६०/७, १/६१/४, १/६१/४,
१/६१/५, १/६१/६, १/६१/७, १/६२/-, १/६२/१,
१/६२/३, १/६२/४, १/६२/६, १/६३/-, १/६३/४,
१/६७/२, १/६७/४, १/६७/७, १/६८/-, १/६८/५,
१/६८/७, १/६६/१, १/६६/८, १/७०/२, १/७०/४,
१/७०/५, १/७०/६, १/७१/२, १/७१/७, १/७२/८,
१/७३/२, १/७४/१, १/७६/१, १/७७/५, १/७८/१,
१/७६/५, १/७६/६, १/७६/७, १/७६/८, १/७६/८,
१/८०/३, १/८०/५, १/८०/६, १/८१/७, १/८३/-,

१/८४/७, १/८५/-, १/८५छं०, १/८६-, १/८७/२,
१/८८/-, १/९०/६, १/९२/१, १/९४/७, १/९५छं०,
१/९६/३, १/९६/३, १/९६/४, १/९६/६, १/९७/८,
१/९८छं०, १/९९/३, १/९९/८, १/९९छं०, १/१००/८
१/१०१/३, १/१०१/७, १/१०२/४, १/१०३/-, १/१०३/३,
१/१०३/५, १/१०४/२, १/१०४/३, १/१०८/३, १/१०८/४,
१/१०९/२, १/११२/४, १/११२/७, १/११३/-, १/११४/-,
१/११४/५, १/११७/-, १/११७/२, १/११७/४, १/१२ /२,
१/१२२/१, १/१२२/६, १/१२२/७, १/१२४क/-, १/१२५/-,
१/१२५/७, १/१२६/१, १/१२७/८, १/१३०/३, १/१३०/८,
१/१३२/-, १/१३२/-, १/१३२/१, १/१३२/६, १/१३२/७,
१/१३२/८, १/१३३/२, १/१३३/६, १/१३३/७, १/१३४/१,
१/१३५/१, १/१३५/६, १/१३६/१, १/१३६/२, १/१३६/४,
१/१३६/४, १/१३७/१, १/१३७/७, १/१३७/७, १/१३७/८,
१/१३८/३, १/१३८/७, १/१३९/४, १/१३९/६, १/१४०/-,
१/१४०/५, १/१४२/-, १/१४५/-, १/१४७/६, १/१५०/३,
१/१५५/१, १/१५६/-, १/१५६/६, १/१५७/४, १/१५७/८,
१/१५९क/-, १/१५९/५, १/१६१क/-, १/१६१ख/-, १/१६२/-,
१/१६२/३, १/१६३/-, १/१६३/२, १/१६४/३, १/१६४/५,
१/१६४/७, १/१६५/-, १/१६५/७, १/१६६/-, १/१६६/३,
१/१६६/४, १/१६६/५, १/१६७/५, १/१६८/३, १/१६९/८,
१/१७०/-, १/१७१/३, १/१७१/४, १/१७२/-, १/१७२/२,
१/१७२/८, १/१७३/३, १/१७३/५, १/१७३/७, १/१७४/-,
१/१७५/८, १/१७६/४, १/१७८क/-, १/१७९/८, १/१८०/१,
१/१८१/९, १/१८२/क/-, १/१८२/७, १/१८२/८, १/१८२छं०,
१/१८३/-, १/१८३/६, १/१८३/८, १/१८३छं०, १/१८५छं०,
१/१८५छं०, १/१८५छं०, १/१८७/२, १/१८९/-, १/१९०/२,
१/१९१छं०५, १/१९१छं०८, १/१९२/८, १/१९३/१, १/१९४/२,
१/१९४/८, १/१९५/-, १/१९६/१, १/२००/-, १/२००/६,
१/२०१/२, १/२०१/५, १/२०१/७, १/२०२/८, १/२०५/-,
१/२०५/५, १/२०६/७, १/२०६/८, १/२०८/८, १/२१०छं०६,
१/२१२/१, १/२१५/६, १/२१६/१, १/२१६/३, १/२१७/२,
१/२१७/५, १/२१७/७, १/२१९/८, १/२२०/१, १/२२१/४,
१/२२२/६, १/२२७/४, १/२२८/८, १/२२९/५, १/२३०/५,

१/२३०/६, १/२३०/७, १/२३०/८, १/२३१/८, १/२३२/६,
१/२३४/-, १/२३५/-- १/२३५/४, १/२३६/-, १/२३८/१,
१/२४१/३, १/२४१/७, १/२४३/३, १/२४३/७, १/२४८/८,
१/२४९/७, १/२४९/८, १/२५०/-, १/२५०/१, १/२५०/२,
१/२५१/-, १/२५१/१, १/२५१/१, १/२५१/२, १/२५१/४,
१/२५१/६, १/२५२/-, १/२५२/१, १/२५२/३, १/२५३/-,
१/२५३/-, १/२५३/७, १/२५४/१, १/२५५/२, १/२५५/५,
१/२५५/६, १/२५७/२, १/२५७/३, १/२५८/१, १/२५८/६,
१/२५९/१, १/२६०/७, १/२६१/७, १/२६३/३, १/२६३/६,
१/२६४/८, १/२६६/८, १/२६८/-, १/२६९/४, १/२७०/-,
१/२७०/५, १/२७०/७, १/२७१/- १/२७१/३, १/२७१/४,
१/२७२/६, १/२७३/८, १/२७४/-, १/२७४/५; १/२७४/८,
१/२७५/-, १/२७५/-, १/२७५/७, १/२७६/१, १/२७६/८
१/२७६/८, १/२७८/३, १/२७८/८, १/२७९/१, १/२८०/३,
१/२८०/६, १/२८१/२, १/२८१/५, १/२८३/४, १/२८३/४,
१/२८४/-, १/२८५/३, १/२८८/३, १/२८९/५, १/२९०/१,
१/२९१/-, १/२९१/१, १/२९१/५, १/२९२/५, १/२९३/५,
१/२९७/६, १/२९८/७, १/२९९/१, १/३००/२, १/३००/५,
१/३०१/७, १/३०२/-, १/३०२/१, १/३०४/२, १/३०६/२,
१/३०६/४, १/३०६/५, १/३०७/३, १/३०८/१, १/३०९/२,
१/३०९/२, १/३०९/३, १/३१०/१, १/३१०/६, १/३१०/८,
१/३१०छं०, १/३१३/८, १/३१४/७, १/३१५/४, १/३१५/८,
१/३१६/६ १/३१७/८, १/३१८/-, १/३१८/७, १/३१९/-,
१/३१९/३, १/३१९छं०, १/३२०/१, १/३२१/-, १/३२२/-,
१/३२२/४, १/३२२छं०३, १/३२४/२, १/३२४/५, १/३२४/८,
१/३२५/२, १/३२५/३, १/३२५/५, १/३२६/-, १/३२६छं०३,
१/३२६छं०३, १/३२८/४, १/३३०/८, १/३३१/४, १/३३१/७,
१/३३२/४, १/३३३/-, १/३३५/२, १/३३५/७, १/३३६/७,
१/३३७/२, १/३३७/७, १/३३९/४, १/३४०/-, १/३४०/७,
१/३४०/७, १/३४१/३, १/३४२/३, १/३४३/६, १/३४४/४,
१/३४४/७, १/३४५/१, १/३४५/७, १/३४७/४, १/३४७/४,
१/३४८/८, १/३५१/५, १/३५१/८, १/३५३/-, १/३५४/५,
१/३५५/३, १/३५५/४, १/३५९/१, १/३५९/८, १/३५९/९,

१/३६०/६, २/०/५, २/२/६, २/३/५, २/३/५,
२/३/७, २/४/-, २/४/६, २/९/-, २/१०/७,
२/१०/७, २/११/६, २/१२/६, २/१२/८, २/१३/४,
२/१३/५, २/१३/६, २/१४/१, २/१५/७, २/१७/-,
२/१८/२, २/१८/८, २/१९/१, २/१९/६, २/१९/७,
२/२०/-, २/२०/१, २/२०/६, २/२०/६, २/२१/-,
२/२१/२, २/२१/७, २/२२/२, २/२२/८, २/२३/८,
२/२४/१, २/२६/५, २/२६/६, २/२७/-, २/२७/-,
२/२७/२, २/२७/४, २/२९/२, २/२९/३, २/३१/-,
२/३१/१, २/३२/२, २/३२/५, २/३२/६, २/३३/-,
२/३३/२, २/३४/२, २/३५/-, २/३५/१, २/३५/५,
२/३५/५, २/३६/-, २/३६/७, २/३७/-, २/३७/४,
२/३७/५, २/३८/-, २/३८/-, २/३८/३, २/३९/३,
२/३९/८, [illegible]/४१/२, २/४१/४, २/४१/६, २/४१/८,
२/४२/२, २/४२/५, २/४२/६, २/४३/५, २/४३/६,
२/४४/७, २/४५/५, २/४६/-, २/४६/८, २/४७/-,
२/४७/-, २/४७/-, २/४७/-, २/४७/२, २/४८/-,
२/४८/५, २/४८/७, २/५०/-, २/५०/१, २/५०/३,
२/५१/५, २/५२/४, २/५३/३, २/५४/१, २/५४/१,
२/५५/-, २/५६/७, २/५७/४, २/५८/४, २/५८/५,
२/५९/२, २/६१/७, २/६३/-, २/६[illegible]/[illegible], २/६५/६,
२/६६/-, २/६६/१, २/६६/६, २/६७/-, २/६७/१,
२/६८/१, २/६८/२, २/६८/४, २/६८/५, २/६९/३,
२/७१/-, २/७१/४, २/७४/८, २/७५/६, २/७६/१,
२/७७/२, २/७७/५, २/७७/५, २/७७/८, २/७८/-,
२/७८/१, २/७८/३, २/७८/४, २/७८/६, २/७८/७,
२/८०/-, २/८०/३, २/८०/६, २/८१/७, २/८२/८,
२/८३/४, २/८४/४, २/८५/६, २/८५/८, २/८९/७,
२/९०/३, २/९०/७, २/९१/४, २/९२/-, २/९२/१,
२/९४/१, २/९४/५, २/९५/२, २/९५/६, २/९५/८,
२/९६/१, २/९७/-, २/९७/२, २/९७/६, २/९८/४,
२/९८/४, २/९८/७, २/९९/३, २/९९/५, २/९९छं०,
२/९९छं०, २/९९छं०, २/१००/१, २/१०१/५, २/१०१/७,
२/१०[illegible]/५, २/१०५/८, २/१०६/७, २/१०७-, २/११०/-,

२/१११/७, २/११३/५, २/११५/१, २/११५/७, २/११७/१,
२/११९/२, २/११९/६, २/११९/७, २/१२०/४, २/१२०/६,
२/१२०/६, २/१२५/२, २/१२५/८, २/१२६/२, २/१२७/-,
२/१२७/५, २/१२९/१, २/१२९/१, २/१२९/१, २/१२९/१,
२/१३१/-, २/१३२/४, २/१३२/८, २/१३५/८, २/१३७/८,
२/१३८/६, २/१३८/८, २/१३९/-, २/१४०/-, २/१४१/६,
२/१४२/-, २/१४२/४, २/१४२/५, २/१४३/४, २/१४३/४,
२/१४३/६, २/१४४/३, २/१४४/५, २/१४४/७, २/१४६/-,
२/१४७/१, २/१४७/२, २/१४८/७, २/१४८/८, २/१५१/-,
२/१५१/३, २/१५१/६, २/१५१/८, २/१५४/३, २/१५४/६,
२/१५७/२, २/१५७/७, २/१५८/-, २/१५८/-, २/१५९/५,
२/१५९/५, २/१६०/७, २/१६१/-, २/१६१/१, २/१६१/२,
२/१६१/२, २/१६१/४, २/१६२/१, २/१६३/४, २/१६४/२,
२/१६४/३, २/१६५/-, २/१६५/१, २/१६५/२, २/१६५/३,
२/१६५/५, २/१६५/५, २/१६५/६, २/१६५/७, २/१६७/६,
२/१६७/६, २/१६८/३, २/१६८/३, २/१६८/४, २/१७१/४,
२/१७१/४, २/१७१/५, २/१७२/४, २/१७२/६, २/१७३/८,
२/१७४/५, २/१७६/६, २/१७६/८, २/१८१/३, २/१८१/५,
२/१८२/-, २/१८२/६, २/१८३/-, २/१८३/५, २/१८४/१,
२/१८४/७, २/१८५/-, २/१८५/४, २/१८५/६, २/१८६/८,
२/१८८/४, २/१८८/६, २/१८८/७, २/१८९/२, २/१८९/७,
२/१८९/७, २/१९०/१, २/१९१/—, २/१९१/२, २/१९१/५,
२/१९३/-, २/१९३/५, २/१९४/१, २/१९५/-; २/१९६/६,
२/१९७/५, २/१९८/२, २/१९९/-, २/१९९/१, २/१९९/३,
२/१९९/८, २/२००/१, २/२००छं०, २/२०३/७, २/२०४/-,
२/२०४/-, २/२०४/-, २/२०४/-, २/२०५/८, २/२०६/१,
२/२०६/८, २/२०७/२, २/२०७/७, २/२०८/२, २/२०८/३,
२/२०८/४, २/२०८/८, २/२०९/३, २/२१०/२, २/२१०/४,
२/२१०/५, २/२११/१, २/२११/१, २/२१६/-, २/२१६/५,
२/२१६/८, २/२१७/४, २/२१८/-, २/२१८/३, २/२१८/३,
२/२१९/७, २/२२०/२, २/२२१/३, २/२२१/३, २/२२१/५,
२/२२२/२, २/२२५/-, २/२२५/७, २/२२६/२, २/२२६/७,
२/२२७/७, २/२२८/-, २/२२८/१, २/२२८/२, २/२२८/७,

२/२२८/७, २/२३०/८, २/२३१/-, २/२३१/३, २/२३२/१,
२/२३२/३, २/२३५/२, २/२३७/८, २/२३८/१, २/२३९/५,
२/२४०/५, २/२४१/७, २/२४४/-, २/२४५/२, २/२४६/८,
२/२४८/-, २/२४९/४, २/२५०/१, २/२५०/३, २/२५१/३,
२/२५१/६, २/२५१/६, २/२५१/७, २/२५२/-, २/२५२/२,
२/२५२/७, २/२५३/५, २/२५४/४, २/२५५/८, २/२५६/३,
२/२५७/१, २/२५७/६, २/२५८/४, २/२५९/२, २/२५९/५,
२/२५९/६, २/२५९/७, २/२५९/७, २/२६०/- २/२६०/१,
२/२६०/१, २/२६०/२, २/२६०/५, २/२६१/२, २/२६१/६,
२/२६४/७, २/२६६/३, २/२६६/३, २/२६६/६, २/२६६/८,
२/२६७/२, २/२६८/३, २/२६८/४, २/२६९/७, २/२७०/२,
२/२७०/३, २/२७०/६, २/२७०/८, २/२७१/५, २/२७४/३,
२/२७५/४, २/२७५/७, २/२७५/७, २/२७५छं०, २/२७६/५,
२/२७६/८, २/२७८/५, २/२७९/८, २/२८०/-, २/२८१/३,
२/२८२/-, २/२८२/२, २/२८४/८, २/२८६/-, २/२८६/७,
२/२८७/५, २/२८८/२, २/२८८/७, २/२८९/-, २/२८९/-,
२/२९०/१, २/२९२/२, २/२९२/८, २/२९३/३, २/२९४/४,
२/२९४/५, २/२९६/-, २/२९८/४, २/२९८/६, २/३००/४,
२/३००/६, २/३०१/२, २/३०१/४, २/३०१/७, २/३०१/७,
२/३०२/८, २/३०३/१, २/३०३/२, २/३०३/३, २/३०४/७,
२/३०५/७, २/३११/-, २/३१२/४, २/३१३/५, २/३१४/२,
२/३१४/५, २/३१५/२, २/३१६/४, २/३१९/२, २/३२०/८,
२/३२२/४, २/३२४/-, २/३२४/२, २/३२५/-, २/३२५छं०,
३/०१/-, ३/१/५, ३/४/६, ३/४/१७, ३/५/८,
३/६ख/-, ३/६ख/-, ३/७/५, ३/८/२, ३/९/२,
३/९/६, ३/९/८, ३/९/१०, ३/९/१७, ३/१०/२४,
३/१०/२४, ३/१२/२, ३/१२/७, ३/१३/४, ३/१५/-,
३/१५/३, ३/१५/१२, ३/१६/६, ३/१६/८, ३/१७/७,
३/१८/१, ३/१८/१२, ३/१८/१२, ३/१८छं०, ३/१९छं०४६,
३/२०/३, ३/२१क/-, ३/२२/५, ३/२३/५, ३/२४/८,
३/२५/६, ३/२५/८, ३/२६/-, ३/२६/२, ३/२६/११,
३/२७/८, ३/२७/८, ३/२७/१०, ३/२८/-, ३/२८/११,
३/२८/१८, ३/२८/२३, ३/२९/४, ३/२९/१३, ३/३२/८,

३/३३/२, ३/३३/९, ३/३५/५, ३/३७/२, ३/३७/७,
३/३९क/-, ३/३९क/-, ३/४०/७, ३/४१/४, ३/४२/३,
३/४४/३, ३/४५/-, ३/४५/६, ३/४५/६, ३/४५/८,
३/४५छं०, ४/०१/-, ४/०२/-, ४/१/६, ४/३/-,
४/४/१, ४/५/१, ४/५/३, ४/६/-, ४/६/१,
४/६/३, ४/६/५, ४/६/२३, ४/७/४, ४/८/८,
४/८/९, ४/९/-, ४/१०/-, ४/१०/२, ४/११/५,
४/११/७, ४/१३/२, ४/१४/१०, ४/१५/७, ४/१६/१,
४/१६/५, ४/१७/१, ४/१८/५, ४/२०/४, ४/२०/५,
४/२१/३, ४/२२/२, ४/२३/८, ४/२५/४, ४/२५/५,
४/२५/७, ४/२६/४, ४/२७/३, ४/२८/-, ४/२९/-,
५/१/६, ५/२/३, ५/२/९, ५/२/१०, ५/४/-,
५/४/७, ५/५/-, ५/५/४, ५/६/३, ५/६/८,
५/७/१ ५/९/२, ५/९/९, ५/११/६, ५/११/७,
५/११/७, ५/११/८, ५/११/९, ५/१३/७, ५/१४/५,
५/१८/[illegible], ५/१९/-, ५/१९/६, ५/१९/८, ५/२०/३,
५/२१/६, ५/२२/३, ५/२२/८, ५/२३/५, ५/२३/७,
५/२४/५, ५/२५/७, ५/२६/६, ५/२८/१, ५/२९/५,
५/३०/५, ५/३०/८, ५/३१/२, ५/३२/१, ५/३२/९,
५/३[illegible]/३, ५/३४छं०२, ५/३५/३, ५/३५/१०, ५/३६/-,
५/३७/[illegible], ५/३८/७, ५/३९/३, ५/४०/-, ५/४०/४,
५/४२/६, ५/४३/[illegible], ५/४३/५, ५/४३/६, ५/४५/६,
५/४६/-, ५/४६/-, ५/४६/२, ५/४६/६ ५/४६/८,
५/४८/४, ५/५०/२, ५/५१/५, ५/५२/-, ५/५२/३,
५/५३/-, ५/५३/५, ५/५४/४, ५/५४/५, ५/५४/६,
५/५५/१, ५/५६क/-, ५/५६/६, ५/५७/-, ५/५७/-,
५/५८/-, ५/५८/७, ६/०१/-, ६/१/६, ६/१/७,
६/२/९, ६/२/९, ६/३/२, ६/३/७, ६/३/८,
६/४/२, ६/५/९, ६/६/१, ६/८/-, ६/८/१,
६/८/३, ६/८/३, ६/९/-, ६/९/५, ६/१०/-,
६/१२/३, ६/१२/३, ६/१३क/-, ६/१३/१, ६/१३/१,
६/१३/१, ६/१५ख/-, ६/१६ख/-, ६/१६ख/-, ६/१७/६,
६/१७/७, ६/१८/७, ६/२०/१, ६/२०/६, ६/२१/-,
६/२१/२, ६/२१/६, ६/२२/१०, ६/२३क/-, ६/२३ख/-,
६/२३/३, ६/२३/६, ६/२३/८, ६/२३/८, ६/२३/११,

६/२४/६, ६/२४/८, ६/२६/१, ६/२६/२, ६/२७/२,
६/२८/६, ६/२८/१०, ६/२९/२, ६/२९/८, ६/३०/१,
६/३०/५, ६/३०/८, ६/३१/९, ६/३२/३, ६/३२/८,
६/३३/१, ६/३३/४, ६/३३/४, ६/३३/६, ६/३३/७,
६/३३/१२, ६/३३/१३, ६/३४क/-, ६/३४ख/-, ६/३४ख/-,
६/३४/२, ६/३४/३, ६/३४/९, ६/३४/११, ६/३५/१,
६/३६/६, ६/३६/७, ६/३७/८, ६/३९/१०, ६/४०/५,
६/४२/४, ६/४३/८, ६/४४/६, ६/४६/-, ६/४७/७,
६/४७/८, ६/४८/३, ६/४८छं०, ६/४९/६, ६/४९/८,
६/४९/८, ६/५०/४, ६/५१/४, ६/५१/८, ६/५६/५,
६/५७/२, ६/५७/७, ६/५९/-, ६/५९/३, ६/६०/३,
६/६०/५, ६/६०/८, ६/६२/१, ६/६२/४, ६/६३/२,
६/६४/-, ६/६४/६, ६/६४/६, ६/६४/१०, ६/६६/६,
६/६६/६, ६/७०/२, ६/७०छं०, ६/७१/-, ६/७१/८,
६/७१/११, ६/७२/४, ६/७२/५, ६/७३/१, ६/७३/९,
६/७४/५, ६/७४/१३, ६/७५/२, ६/७५/३, ६/७५/८,
६/७५/९, ६/७७/२, ६/७७/५, ६/७७/९, ६/७७छं०,
६/७८छं०, ६/७९/३, ६/७९/१०, ६/७९/११, ६/८१/४,
६/८३/१, ६/८४/८, ६/८५/२, ६/८७/३, ६/८८/६,
६/८९छं०, ६/९१छं०, ६/९२/४, ६/९४/८, ६/९५/४,
६/९७/२, ६/९८/५, ६/९८/१०, ६/९८/१३, ६/९९/३,
६/१००छं०२ह, ६/१०१/ख-, ६/१०१/२, ६/१०३/६, ६/१०३/७,
६/१०३/९, ६/१०३/१०, ६/१०३/१३, ६/१०५/४, ६/१०६छं०,
६/१०८/४, ६/१०८छं०, ६/११०छं०, ६/११०छं०, ६/११ छं०,
६/१११/७, ६/११३/१०, ६/११६ग/-, ६/११७/-, ६/११८ग/-,
७/०/६, ७/१छं०, ७/२क/-, ७/२/७, ७/४छं०२,
७/५/७, ७/६ख/-, ७/१०/६, ७/११/२, ७/१२क/-,
७/१२ग/-, ७/१२छं०३, ७/१३छं०५, ७/१३छं०७, ७/१३छं०७,
७/१५/-, ७/१५/७, ७/१६/२, ७/१६/४, ७/१६/८,
७/१९/८, ७/२०/-, ७/२०/६, ७/२०/६, ७/२१/२,
७/२१/६, ७/२४/-, ७/२५/८, ७/२७छं०, ७/२८/२,
७/२८/७, ७/२९/८, ७/३०/५, ७/३०/६, ७/३२/२,
७/३२/४, ७/३६/-, ७/३६/-, ७/३८/१, ७/३९/१,

७/३९/५, ७/३९/६, ७/४०/८, ७/४१/-, ७/४१/१,
७/४२/-, ७/४२/३, ७/४२/८, ७/४३/१, ७/४३/३,
७/४४/-, ७/४४/३, ७/४४/५, ७/४४/६, ७/४५/-,
७/४५/१, ७/४५/२, ७/४५/५, ७/४५/५, ७/४६/४,
७/४७/७, ७/४८/-, ७/४८/६, ७/५१/२, ७/५१/४,
७/५२क/-, ७/५२/५, ७/५२/६, ७/५६/१, ७/५८/१,
७/५८/७, ७/६१/-, ७/६१/-, ७/६१/१, ७/६१/७,
७/६१/१०, ७/६९/१, ७/६९/३, ७/६९/३, ७/६९/७,
७/६९/७, ७/६९/८, ७/७०क/-, ७/७०ख/-, ७/७०ख/-,
७/७०ख/-, ७/७०/१, ७/७०/२, ७/७०/३, ७/७०/३,
७/७०/४, ७/७०/५, ७/७०/६, ७/७१ख/-, ७/७१/१,
७/७२ख/-, ७/७२/६, ७/७३/५, ७/७४क/-, ७/७४ख/-,
७/७५/३, ७/७७/२, ७/७७/८; ७/७८ख/-, ७/७८/१,
७/७८/२, ७/७८/३, ७/७८/५, ७/७८/५, ७/८०क/-,
७/८१क/-, ७/८१/५, ७/८२ख/- ७/८२/२, ७/८३/४;
७/८४/२, ७/८५क/-, ७/८५/७, ७/८६/-, ७/८६/४,
७/८७/१, ७/८७/२, ७/८८/३, ७/८८/५, ७/८८/६;
७/८८/७, ७/८९/१, ७/८९/६, ७/८९/८, ७/९०क/-,
७/९०क/-, ७/९०/२, ७/९०/४, ७/९१छं०, ७/९२/५,
७/९४क/-, ७/९४/६, ७/९५/३, ७/९५/५, ७/९५/६,
७/९५/९, ७/९५/१०, ७/९६/४, ७/९८/६, ७/९८/७,
७/९९क/-, ७/९९/१०, ७/१००ख/-, ७/१००छं०, ७/१००छं०,
७/१००छं०, ७/१००छं०, ७/१००छं०, ७/१०१ख/-, ७/१०१ख/-,
७/१०१छं०, ७/१०१छं०, ७/१०१छं०, ७/१०१छं०, ७/१०१छं०,
७/१०२/३, ७/१०२/५, ७/१०२/५, ७/१०३/८, ७/१०४क/-,
७/१०४/३, ७/१०५/८, ७/१०५/१४, ७/१०५/१६, ७/१०६ख/-,
७/१०६/३, ७/१०७छं.१३, ७/१०७छं.१४ ७/१०७छं.१५, ७/१०८ग/-,
७/१०८/६, ७/१०९घ/-, ७/१०९/२, ७/१०९/८, ७/११०/७,
७/१११/९, ७/१११/११, ७/१११/१३, ७/१११/१४, ७/१११/१६,
७/११२/१३, ७/११३ख/-, ७/११३/१, ७/११५क/-, ७/११५/१,
७/११५/२, ७/११५/७, ७/११६क/-, ७/११६क/-, ७/११६/१;
७/११६/५, ७/११६/५, ७/११६/६, ७/११६/७, ७/११७/९,
७/११७/१४, ७/११७/१५, ७/११८क/-, ७/११८/५, ७/११८/६;
७/११८/१०, ७/११९क/-, ७/११९/७, ७/११९/८, ७/११९/९,

७/११६/१८, ७/१२०/११, ७/१२०/२२ ७/१२१/३, ७/१२१/६, ७/१२१/१६, ७/१२१/१८, ७/१२१/१६, ७/१२२क/-, ७/१२२ग/-, ७/१२३/४, ७/१२३/७, ७/१२४/४, ७/१२४/५, ७/१२४/७, ७/१२५ख/-, ७/१२५ख/-, ७/१२६/६, ७/१२७/३, ७/१२७/३, ७/१२७/४, ७/१२७/४, ७/१२७/५, ७/१२६/५, ७/१२६छं०१, ७/१३०क/-

नख : नाखून ।

"श्रीगुरु पद नख मनि गन जोती—१/०/५

१/१०५/७, १/१८७/४, १/१६८/२, १/१६८/५, १/२१६/-, १/२३३/४, १/२४३/२, १/२७६/६, १/२१०/७, १/३१५/-, १/३३२/६, २/५७/५, २/१००/५, २/११४/७, २/१६२/७, २/२८०/६, ५/३४/६, ६/५२/३, ६/७४ख/-, ६/७८छं०, ७/१२छं०४, ७/७५/६, ७/७६/१, ७/६७/८

नगर : शहर ।

"ग्राम नगर दुहुँ कूल"—१/३६/-

१/६४/१, १/६८/२, १/१२६/-, १/१२६/१, १/१२६/७, १/१६६/३, १/१७४/५, १/१७४/८, १/१७८/५, १/१८२/६, १/१६४/-, १/२११/४, १/२१२/१, १/२१६/६, १/२१७/६, १/२२३/५, १/२२८/५, १/२६६/६, १/२८६/-, १/२८६/१, १/२६६/-, १/३०८/३, १/३१३/६, १/३१७/५, १/३१८/७, १/३२३छं०१, १/३२५छं०४, १/३२६छं०४, १/३३१/४, १/३३४/१, १/३४७/३, २/०/५, २/२२/८, २/२३/७, २/२६/२, २/४५/६, २/४८/२, २/८२/-, २/११२/१, २/१४५/-, २/१४६/३, २/१४६/८, २/१५७/३, २/१५७/४, २/१५७/८, २/१८६/७, २/१८७/-, २/१६५/६, २/१६६/५, २/२०१/२, २/२३५/१, २/२७७/१, २/३२१/८, ४/१०/१, ४/१६/-, ४/१६/-, ५/२छं०३, ५/३/-, ५/४/१, ५/४/४, ५/१०/६, ५/२४/५, ५/२४/७, ५/२५/२, ५/२५/५, ६/१७/८, ६/२२/८, ६/४८/६, ६/७६/८, ६/१०५/४, ६/१०६/३, ७/०२/-, ७/२/२, ७/३/१, ७/४क/-, ७/८ख/-, ७/८/४, ७/२४/४, ७/२८/७, ७/३०/-, ७/६४/५, ७/६७/५

नट : मदारी ।

"नट मरकट इव सबहि नचावत"—४/६/२४

६/७२/१२, ७/७२ख/-, ७/८८/१, ७/१०३/८, ७/१०३/८

नाट्य करनेवाला ।

"भूप भीर नट मागध भाटा"—१/२१३/१

१/३०२/-, १/३१९/-, १/३४७/१

नचानेवाला ।

"गुन गति नट पाठक आधीना"—२/२८८/८

नटराज भगवान् ।

"जा पर होइ सो नट अनुकूला"—३/३८/४

नटी : अभिनेत्री ।

"नाच नटी इव सहित समाजा"—७/७१/२

नति : विनय ।

"भनिति भगति नति गति पहिचानी"—१/२७/८

नमस्कार ।

"पितु पद गहि कहि कोटि नति"—२/८५/-

नम्रता ।

"भरत प्रीति नति बिनय बड़ाई"—२/३०२/४

नद : बड़ी नदी ।

"कंदर खोह नदी नद नारे"—२/६१/७

२/१३७/५, २/२७५/१

नदी : किसी तरल पदार्थ की बड़ी धारा ।

"नदी पुनीत अमित महिमा अति"—१/३४/२

१/३८/१३, १/४०/२, २/६४/७, २/८६/६, २/१३१/५,
२/१३२/३, ६/२५/५, ७/१४/७

नपुंसक : हिजड़ा ।

"पुरुष नपुंसक नारि वा"—७/८७ क/-

नभ : आकाश ।

"जाति जीव जल थल नभ बासी"—१/७/१

१/३१/१२, १/८४/४, १/९०/८, १/१००/५, १/१०१छं०,

१/११६/४, १/१४४/६, १/२४५/८, १/२६० ६, १/२६१/४, १/३१७/५, १/३१८/७, १/३२३छं०१, १/३२५छं०४, १/३२६छं०४, १/३४७/३, २/२०८/२, २/२२५छं०, २/२४२/७, २/२८३/६, २/३०३/-, ३/६/५, ३/१६/१६, ३/१७/१०, ३/१९छं०, ३/२८/२४, ४/१२/८, ४/१३/१, ५/३३/८, ५/४०/९, ५/४८/१०, ६/४/-, ६/११/३, ६/११/८, ६/२२ख/-, ६/५०/३, ६/५१/१, ६/५२/८, ६/५७/८, ६/७०/७, ६/७२/३, ६/७६/२, ६/८०/१, ६/८६/५, ६/८७/७, ६/९१/१४, ६/९१छं०, ६/९१छं०, ६/९२/७, ६/९४/७, ६/१०१/८, ६/१०१छं०, ६/१०१छं०, ६/१०७/१३, ६/११०८छं०, ६/११६/६, ६/११८/८, ७/८ख/-, ७/११/४, ७/११छं०१, ७/२६/७, ७/८९/३, ७/९०/५, ७/९०/८, ७/१२१/१६

नभग : पक्षी ।

"नभग नाथ पर प्रीति न थोरी"—७/६९/१

नभगामी : आकाशगामी ।

"पायहु कहाँ कहहु नभगामी"—७/९३ ४

नभचर : आकाश में विचरनेवाला ।

"जलचर थलचर नभचर नाना"—१/२/४

नमत : नमस्कार करना ।

"जेहि नमत सिव ब्रह्मादि सुर"—६/१०३ छं०

७/४/६, ७/१४/९, ७/२९/५

झुकना ।

"जे न नमत हरि गुर पद मूला"—१/११२/४

१/१८५छं०८

नम्र : विनीत ।

"बाहिज नम्र देखि मोहि साईं"—७/१०७/६

नय : नीति ।

"बोले बचन राम नय नागर"—२/६९/७

२/२५४/३, २/२६२/१, २/२७७/३, २/२९६/८, २/३०३/५, ५/२३/१, ५/४५/६, ५/५५/२

नयन : नेत्र ।

"तरुन अरुन बारिज नयन"—१/०१/-

१/१/१, १/३/११, १/३६/१, १/४८/६, १/५४/६, १/५४/७, १/७१/६, १/८६/४, १/८६/६, १/९१/३, १/९२/८, १/९२/८, १/९५/७, १/९६छं०, १/११४/४, १/११७/७, १/१३१/४, १/१४३/३, १/१४७/५, १/१८५/-, १/१९१छं०२, १/२०१/५, १/२०८/१, १/२१०छं०, १/२१८/-, १/२२८/२, १/२२९/३, १/२३१/५, १/२३३/३, १/२४२/२, १/२५१/८, १/२५७/१, १/२६६/-, २/२६७/-, १/२६७/६, १/२७८/-, १/२९०/४, १/३००/-, १/३०९/८, १/३१५/३, १/३१६/२, १/३१६/४, १/३१८/१, १/३२४/१, १/३२६/८, १/३३४/३, १/३३४/४, १/३३४/८, १/३४१/-, १/३५४/८, २/१०/२, २/२६/८, २/३०/-, २/३२/-, २/४३/१, २/४६/३, २/५१/३, २/५३/४, २/५६/१, २/५८/२, २/५८/८, २/६७/७, २/६९/२, २/९३/४, २/९८/४, २/११०/-, २/११०/६, २/११२/५, २/११३/८, २/११४/४, २/११५/-, २/११९/३, २/१२०/-, २/१२४/२, २/१२४/५, २/१३४/६, २/१३५/३, २/१४७/२, २/१४८/२, २/१४९/२, २/१५५/७, २/१६८/५, २/१७०/७, २/१९७/६, २/२००/२, २/२४४/५, २/२४५/४, २/२५९/३, २/२८७/२, २/२९२/१, २/३०६/-, २/३१५/७, ३/२/७, ३/५छं०, ३/८/८, ३/१०/७, ३/१०/७, ३/१५/११, ३/३०/८, ३/३१/२, ३/४४/१, ४/४/२, ४/८/२, ४/९छं०, ४/२०/४, ४/२४/५, ४/२४/६, ४/२५/७, ५/३/८, ५/८/-, ५/१३/१, ५/१३/६, ५/१३/७, ५/३०/८, ५/४४/६, ५/४७/-, ६/७/-, ६/१३/१, ६/१३/७, ६/१४/२, ६/१८/६, ६/२१/-, ६/२१/३, ६/२१/६, ६/३५क/-, ६/४८/३, ६/५२/१, ६/६६/६, ६/८५/९, ६/९९/५, ६/१०१/१०, ६/१०७/१, ६/१११/१, ६/१११/४, ६/११२छं०, ६/११४ख/-, ६/११५/८, ६/११८ग/-, ६/१२०क/-, ७/०४/-, ७/१ख/-, ७/१/१०, ७/४/८, ७/६/३, ७/११छं०२, ७/१७ख/-, ७/१८क/-, ७/२९/३, ७/३२/५, ७/७२/३, ७/७९/१, ७/८२/८, ७/८७/६, ७/९२/२, ७/१०५/१२, ७/११९/१४

नर : मनुष्य ।
"देव दनुज नर नाग खग"—१/७घ/-

१/७/१३, १/१५/२, १/१७/३, १/१८/५, १/२३/१,
१/२७/७, १/३३/७, १/३७/२, १/३८/७, १/४३/४,
१/४८/७, १/४९/६, १/५०/-, १/५०/१, १/६८/-,
१/६९/-, १/७८/३, १/८४/६, १/९१/४, १/१०२छं०
१/१०५/१, १/१०६/८; १/११४/-, १/११८/३, १/११८/४,
१/१२९/१, १/१४०/-, १/१५१/३, १/१५४/२, १/१६१ख/-,
१/१७१/४, १/१८१/१२, १/१८२ख/-, १/१८६/१, १/१९४/-,
१/२०४/-, १/२१२/६, १/२१९/६, १/२२८/५, १/२३५/२,
१/२३९/६, १/२४०/-, १/२४७/४, १/२४८/१, १/२५१/७,
१/२५४/६, १/२५९/३, १/२६१/८, १/२६४/२, १/२६४/६,
१/२६९/६, १/२७७/५, १/२८५/-, १/२८५/८, १/३०१/६,
१/३०८/३, १/३०९/-, १/३१०/६, १/३१२/६, १/३१५छं०,
१/३२२/६, १/३३४/१, १/३३७/-, १/३४२/८, १/३४६/६,
१/३५०/६, २/०/४, २/८/-, २/२३/-, २/२५/३,
२/४५/७, २/५०/४, २/५२/-, २/६२/१, २/६२/३,
२/७५/३, २/८२/६, २/८३/२, २/८६/-, २/८७/-,
२/८८/१, २/१००/३, २/१०८/७, २/१०९/१, २/११०/८,
२/११३/२, २/११४/४, २/११५/३, २/११७/६, २/११८/१,
२/१२०/६, २/१२६/६, २/१४५/-, २/१४६/८, २/१५७/८,
२/१८३/३, २/१८६/१, २/१८७/१, २/१९५/६, २/१९६/५,
२/१९८/५, २/२०१/२, २/२१६/४, २/२२१/-, २/२५०छं०,
२/२६१/२, २/२७२/२, २/२७२/४, २/२७३/३, २/२७५ छं०,
२/२७६/७, २/२७९/१, २/२८४/७, २/३०१/-, २/३२१/८,
३/०/१; ३/०/२, ३/५ छं०, ३/६ ख/-, ३/६/१,
३/१३/६, ३/१८/२, ३/१८/३, ३/२०/१, ३/२२/१,
३/२४/८, ३/३४/६, ३/३५छं०, ३/३६/१, ३/३८/४,
३/४४/३, ४/०/१०, ४/१/८, ४/९छं०२, ४/११/२,
४/११/५, ४/२०/३, ४/२०/५, ४/२५/१२, ४/२९ छं०,
४/३०क/-, ५/२ छं०२, ५/१२/११, ५/१९/३, ५/२९/२,
५/३१/५, ५/३६/९, ५/३७/८, ५/३८/१, ५/४३/-,
५/४७/२, ५/४८/-, ५/४९/१, ५/५९/५, ६/०३/-,
६/१/७, ६/२/-, ६/२/२, ६/७/४, ६/७/९,
६/८/८, ६/८/९, ६/११ क/-, ६/११/१०, ६/२५/-,

६/२७/३, ६/२८/२, ६/३३ क/-, ६/३६/५, ६/४४/६,
६/५४/२, ६/६०/१८, ६/६५/३, ६/७१/-, ६/७७/२,
६/८३/५, ६/१०५छं०१, ६/११२ छं०, ७/०१/-, ७/२/४,
७/३/६, ७/५/६, ७/८ख/-, ७/८/८, ७/८ ख/-,
७/९/३, ७/११ छं०२, ७/१२छं० १, ७/१२छं० २, ७/१३छं० ५,
७/१४/२, ७/१४/३, ७/२०/२, ७/२०/४, ७/२०/७,
७/२१/७, ७/२२/९, ७/२५/-, ७/२५/८, ७/२७ छं०,
७/२८/३, ७/२९/१, ७/३०/-, ७/३९/-, ७/४०/२,
७/४०/३, ७/४०/४, ७/४०/७, ७/४३/२, ७/४३/६,
७/४३/७, ७/४४/-, ७/४५/-, ७/४५/३, ७/४७/-,
७/४७/८, ७/५३/१, ७/५४/९, ७/५८/-, ७/६२क/-,
७/६८/१, ७/७२क/-, ७/७८क/-, ७/७९/८, ७/८०/२,
७/८०/६, ७/८६/६, ७/८८क/-, ७/९३/७, ७/९६ख/-,
७/९६/८, ७/९७/१, ७/९८क/-, ७/९८/१, ७/९८/३,
७/९९क/-, ७/९९/२, ७/९९/१०, ७/१००ख/-, ७/१०१ख/-,
७/१०१छं०, ७/१०२/२, ७/१०२/३, ७/१०२/४, ७/१०३क/-,
७/१०५/३, ७/१०९ग/-, ७/१०९/१, ७/१११/९, ७/११९/१२,
७/१२०/९, ७/१२०/११, ७/१२१क/-, ७/१२१/४, ७/१२६/-
७/१२७/-, ७/१२८/५, ७/१२९छं०२, ७/१२९छं०२

नरक : वह स्थान जहाँ बहुत कष्ट हो।

"सरग नरक अनुराग बिरागा"—१/५/९

१/३०/९, १/६९/-, २/४४/१, २/६४/–, २/७०/६,
२/१८३/७, २/२५१/७, २/२८९/८, ३/४/१६, ५/३८/–,
५/४५/७, ६/२/-, ७/९८/७, ७/१०६/५, ७/१२०/१०
७/१२०/२४, ७/१२०/२५

नरनाथ : राजा।

"कह मुनि सुनु नरनाथ प्रबीना"—१/२८५/७

१/३५१/-

नरपति : राजा।

"नरपति सकल रहहिं रुख ताकें"—२/२४/२

२/३९/-

नरपाल : राजा ।

"धरम धीर नरपाल"—२/२८१/-

नर्तक : नाचनेवाला ।

"नर्तक नृत्य समाज"—७/२२/-

नर्तकी : नाचने वाली ।

"माया खलु नर्तकी बिचारी"—७/११५/४

नलिन : कमल ।

"लोचन नलिन बिसाल"—१/१०६/-

२/२४५/७, २/३००छं०, ६/११४ख/-, ७/१८/५

नलिनी : कमलिनी ।

"कबहुँ कि नलिनी करइ बिकासा"—५/८/७

नव : नया ।

"नित नव सोचु सती उर भारा"—१/५८/१

१/६५/-, १/७३/३, १/८५/६, १/१४६/३, १/२२६/५, १/२३२/४, १/३३१/४, १/३५८/२, २/०/१, २/५१/-, २/६२/७, २/२०८/१, २/२८३/५, २/३२४/२, ३/३८/७, ४/१४/२, ५/५/–, ५/१४/२, ६/१०८छं०, ७/२/५, ७/४/८, ७/११छं०२, ७/१४/८, ७/४१/५, ७/५०/४, ७/७५/६, ७/११०क/-: ७/११३/३, ७/१२८/८

नवधा : नौ प्रकार से ।

"नवधा भगति कहहुँ तोहि पाहीं" —३/३४/७

नवनीत : मक्खन ।

'संत हृदय नवनीत समाना"—७/१२४/७

नवम : नवीं ।

"नवम सरल सब सन छलहीना"—३/३५/५

नाक : स्वर्ग ।

"महि पाताल नाक जसु ब्यापा"—१/२६४/५

नाकपति : स्वर्ग का स्वामी ।

"रंकु नाकपति होइ '—२/८२/-

नाग : देवयोनि की कोटि की एक योनि जिसका वास पाताल में माना जाता है।

"देव दनुज नर नाग खग"—१/७घ/-

१/३३/७, १/६०/१, १/६८/-, १/१०६/८, १/१८२ख/-, १/१८०/८, १/२१८/६, १/२६४/२, १/२६८/६, १/२८५/८, २/११२/१, २/१३३/१, २/२८४/७, ३/१८/२, ३/२२/१, ५/२छं०२, ५/३४छं०१, ६/११०छं०, ६/११२छं०, ७/१२छं०२, ७/७८/८, ७/८३/७

हाथी।

"जिमि ससु चहै नाग अरि भागू"—१/२६६/१

२/६/-, २/१८६/४, ४/१०/-, ५/५३/८, ६/११/२

सर्प।

"खगपति सब धरि खाए माया नाग बरूथ"—६/७४क/-

६/८३/५

नागर : चतुर।

"गुन सागर नागर बर बीरा"—१/२४०/२

१/२८४/३, १/३०२/-, १/३४७/१, २/६८/७, २/३०३/५, ३/१०/१४, ५/३७/८, ५/५५/२, ६/२/७, ६/११०छं०, ७/३३/३

नगरनिवासी।

"गनी गरीब ग्राम नर नागर"—१/२७/६

नाथ : स्वामी।

"नाथ एक संसउ बड़ मोरें"—१/४४/७

१/४५/१, १/४६/१, १/६७/८, १/११६/-, १/१६४/७, १/१६५/५, १/१६६/६, १/१८५छं०८, १/२०७/१०, १/२१३/७, १/२१५/१, २/७१/-, २/७१/४, २/१०८/१, २/१३८/७, २/२००/७, २/२०२/५, २/२२८/८, २/२५६/-, २/२५७/२, २/२५८/४, २/२५८/५, २/२६७/५, २/२६८/-, २/२७०/-, २/२७०/-, २/२७७/५, २/२८८/७, २/३०६/६, २/३१३/६, ३/५/८, ३/७/४, ३/११/३, ३/११/७, ३/४१/८, ३/४४/५, ४/२/१, ४/२/२, ४/३/२, ५/१७/३, ५/२६/४, ५/२८/५, ५/२८/-, ५/३२/८, ५/३३/१, ५/३५/१०, ५/३८/-, ५/३८/६, ६/०३/-, ६/५/५,

६/६/१, ६/६/५, ६/७/–, ६/८/१, ६/१७ख/–, ६/३५/८, ६/३७/–, ६/३७/६, ६/३७/१०, ६/५५/५, ६/६०क/–, ७/२क/–, ७/३५/६, ७/३५/८, ७/३६/–, ७/४६/–, ७/५२ख/–, ७/५२/७, ७/५४/–, ७/६६/१, ७/६६/२, ७/६६/३, ७/७१ख/–, ७/७७/३, ७/८०/१, ७/८३/५, ७/८३/७, ७/८५/१०, ७/११४/१४, ७/१२०/२, ७/१२०/३, ७/१२२/१, ७/१२३ख/–, ७/१२४/३, ७/१२८/८

पति ।

''नाथ न मैं समुझें मुनि बैना''—१/७०/२

१/८७/–, १/११६/३, १/११६/७, २/२८/२, २/६४/३, २/६४/७, २/६४/८, २/६५/–, २/६५/५, २/६६/८, २/१५३/५, २/२८६/४, २/३१२/६, ३/१२/४, ३/२६/४, ३/३०/२, ३/३०/७, ४/८/६, ४/८छं०२, ४/१६/७, ४/२०/१, ५/१२/७, ५/३०/४, ५/३०/६, ५/५६/३, ५/५६/४, ५/५८/१, ५/५८/२, ५/५६/१, ५/५६/४, ५/५६/५, ६/८४/३, ६/१०१/५, ६/१०३/५, ६/१०४/–, ६/१०६/८, ६/११०छं०, ६/११२छं०, ६/११५/–, ६/११५/७, ७/०/२, ७/०/४, ७/१छं०, ७/१२छं०२, ७/१२छं३, ७/१२छं०६, ७/१३छं०४, ७/१७/२, ७/१७/६

प्रभु ।

''नाथ देखि पद कमल तुम्हारे''—१/१४८/२

१/१४६/–, १/१४६/४, १/१४६/८, १/१५६/१, १/१५६/४, १/२१०छं०६, १/२१५/४, १/२१६/४, २/८/६, २/८७/५, २/६३/६, २/६६छं०, २/६६छं०, २/१०१/५, २/१०१/७, २/१०३/४, २/११४/१, २/१३३/३, २/१३५/–, २/१३५/१, २/१३५/८, २/१६०/२, २/२२५/४, २/२२७/–, २/२२८/७, २/२३६/२, २/२३६/१, २/२४२/–, २/२४७/५, २/२६८/–, ५/२६/१, ५/२६/५, ५/३०/२, ५/५३/५, ५/५४/४, ५/५५/६, ६/६४/२, ६/७४/३, ६/७४/५, ६/७६/३, ६/८४/२, ७/१७/८, ७/६३क/–, ७/६४ख/–, ७/१०८ख/–, ७/१०८घ/–, ७/१२२/४

आदरणीय व्यक्ति के प्रति सम्बोधनसूचक शब्द ।

''नाथ बचन पुनि मेटि न जाहीं''—१/७६/१

१/७६/२, १/७६/४, १/८८/-, १/८८/३, १/१०१/-, १/१०६/७, १/१०७/४, १/१०८/१, १/१०८/६, १/१०६/७, १/११०/३, १/१३०/-, १/१३१/३, १/२१६/४, १/२१७/५, १/२३६/२, १/२५२/७, १/२५३/-, १/२७०/१, १/२७६/१, १/२७८/२, १/२७८/४, १/२६१/३, १/२६४/-, १/३३१/८, १/३५१/५, १/३५६/६, २/२/७, २/३/२, २/४/६, २/२१२/३, २/२१३/६, ३/४/-, ४/३/३, ४/४/२, ४/५/१, ४/६/१५, ५/३६/५, ५/४०/८, ५/४४/७, ५/५०/३, ५/५३/१

नाद : गर्जन ।

"कियो मृगनायक नाद गँभीरा"—६/६८/२

६/७८/१०

शब्द ।

"करहिं नाद सुनि धीरजु भागा"—२/६१/८

नाना : अनेक प्रकार के ।

"जलचर थलचर नभचर नाना"—१/२/४

१/८/६, १/१२/४, १/१३/२, १/२६/८, १/३२/६, १/३७/४, १/३७/६, १/६०/३, १/६२/७, १/६५/-, १/८३/७, १/६२/६, १/६२/६, १/६४/२, १/१००/५, १/१०७/२, १/११७/५, १/१२५/६, १/१४३/६-, १/१५४/७, १/१६३/६, १/१८२/४, १/२०५/-, १/२११/६, १/२१२/३, १/२१२/-, १/२२६/४, १/२३८/२, १/२५०/७, १/२८३/१-, १/२८६/७, १/२८८/३, १/२६५/१, १/२६६/५, १/२६७/६, १/२६८/२, १/३००/५-, १/३०१/८, १/३०४/२, १/३ ४/४, १/३१३/२-, १/३१३/५, १/३१८/३, १/३३२/८, १/३३८/८, १/३४८/२, १/३५०/८, १/३५५/२, २/५/२, २/२४/६, २/४०/२, २/६१/५, २/६८/२, २/६४/२, २/११८/६, २/१२७/४, २/१२८/७, २/१३२/३, २/१३६/६, २/१३७/५, २/१५६/७, २/१६६/८, २/१८५/१, २/१८६/६, २/२१३/४, २/२१४/३, २/२३५/२, २/२७८/८, २/३१६/६-, ३/२/१, ३/४/६, ३/१७/५, ३/२१/६, ३/२७/११, ३/३७/३-, ३/३६/१, ३/३६/७, ३/४०/६, ३/४१/- ४/७/८

४/१०/२, ४/१४/१२, ४/१६/३, ४/२१/-, ४/२४/२-, ४/२४/८-, ५/२/७, ५/२छं०२/- ५/१२/४, ५/१७/५, ५/३४/-, ५/३४/४-, ५/३७/५, ५/३९/६-, ५/४६/१, ५/४७/३, ५/५३/३, ५/५३/६, ५/५४/१, ५/५७/८, ६/३/५, ६/७/५, ६/१०/७, ६/१८/५, ६/२६/५, ६/३३/११, ६/३४/६, ६/४१/८, ६/४५/८, ६/४५/७, ६/५०/५, ६/५०/७, ६/५१/२, ६/५२/२, ६/५८/५, ६/६६/८, ६/७१/६, ६/७२/१, ६/७२/१२, ६/७४/६, ६/७८/२, ६/७८छं०, ६/७६/६, ६/८०/१, ६/८१/६, ६/८७/८, ६/६१/३, ६/६७/१४, ६/१०१/७, ६/१०३/४, ६/१०६/८, ६/११७ख/-, ६/११७/२, ६/११६/२, ६/१२०/४, ७/६/५, ७/८/४, ७/८/६, ७/१४/३, ७/१४/१०, ७/१६/५, ७/१८/७, ७/२२/३, ७/२४/३, ७/२५/७, ७/२६/३, ७/२७/४, ७/२८/२, ७/३०/७, ७/४०/४, ७/४८/१, ७/५६/८, ७/५८/१, ७/६०/५, ७/६३/२, ७/६७/१, ७/७३ख/-, ७/७३/६, ७/७५/२, ७/७८/७, ७/८०/३, ७/८०/४, ७/८१/५, ७/८३/१, ७/६५/७, ७/६५/७, ७/६६/६, ७/११७/११, ७/११६/१३, ७/१२०/३२, ७/१२३/१, ७/१२५/५, ७/१२५/५

भाँति-भाँति के।

"गृह कारज नाना जंजाला"—१/३७/८
१/६८/३

अनन्त।

"तथा कथा कीरति गुन नाना"—१/११३/४

नाभि : टुड़ी।

"नाभि मनोहर लेति जनु"—१/१४७/-
१/१६८/४, ६/१०२/१

नाम : व्यक्ति, वस्तु या समूह का बोधक।

"नाम भेद बिधि कीन्ह"—१/७ख/-
१/६/१, १/६/३, १/६/५, १/१८/१, १/१८/४, १/१८/५, १/१८/६, १/१८/८, १/१६/-, १/२०/-, १/२०/१, १/२०/२, १/२०/४, १/२०/४, १/२०/५, १/२०/६, १/२०/७, १/२०/८, १/२१/-, १/२१/१,

१/२१/२, १/२१/३, १/२१/४, १/२१/७, १/२१/८,
१/२२/-, १/२२/५, १/२२/८, १/२२/८, १/२३/-,
१/२३/३, १/२३/६, १/२३/७, १/२४/-, १/२४/२,
१/२४/८, १/२५/१, १/२५/२, १/२५/३, १/२५/७,
१/२५/८, १/२५/८, १/२६/१, १/२६/५, १/२६/६,
१/२६/७, १/२६/८, १/२७/-, १/२७/१, १/२७/२,
१/३४/१२, १/३६/११, १/३८/१२, १/६६/२-, १/१०७/-,
१/११३/३, १/११५/४, १/११८/१, १/११८/३, १/१२०घ/-,
१/१४१/४, १/१५२/५, १/१५३/१, १/१५८/५, १/१६०/-,
१/१६१/७, १/१६१/८, १/१६२/-, १/१६२/७, १/१६३/-,
१/१६३/१, १/१७५/२, १/१७७/८, १/१८२/५, १/१८६/३,
१/१८६/४, १/१८६/७, १/१८६/८, १/१८७/-, १/१८७/१,
१/२०५/-, १/२८१/६, १/२८१/६, १/३२८/३, १/३२८/६,
२/५/२, २/१००/३, २/१८०/८, २/१८४/२, २/१८५/४,
२/२४७/२, २/३११/४, ३/५ख/-, ३/८/१, ३/१७/११,
३/२८/२५, ३/३०/६, ३/३८/६, ३/४१/७, ३/४२क/-,
३/४२क/-, ४/१/२, ४/८/४, ४/२७/५, ४/२८/३,
४/३०ख/-, ५/१/२, ५/३/२, ५/६/-, ५/६/८,
५/१०/१, ५/११/१०, ५/१२/१, ५/१८/३, ५/२२/३,
५/३०/-, ५/३८/८, ५/५३/८, ६/०३/-, ६/२०/२,
६/२०/३, ६/५५/-, ६/६३/३, ६/७३/-, ६/८८/४,
६/११८ख/-, ६/१२१ख/-, ७/१२छं०३, ७/१३छं०८, ७/३३/६,
७/३७/५, ७/४६/-, ७/५०/८, ७/५५/२, ७/५८/-,
७/८०/३, ७/८१/२, ७/१०२ख/-, ७/१०२/७, ७/१०६क/-,
७/१२०/३२, ७/१२४क/-, ७/१२८छं०१

धाम ।

''नाथ नाम निज कहहु बखानी''—१/१५८/४

नायक : स्वामी ।

''गन नायक करिबर बदन''—१/०१/-

१/५८/६, १/१४५/२, २/७६/६, ६/१०१/४, ६/११०छं०,
६/११४छं०

राजा ।

''सुना बिहग नायक गरुड़''—१/१२०ख/-

नेता ।

"पठइअ किमि सबही कर नायक"— ४/२८/२

नारकी : नरक में रहनेवाला ।

"पाव नारकी हरिपद जैसें"—१/१३४/६

नारी : स्त्री ।

'सोह न बसन बिना बर नारी"—१/८/४

१/२७/७, १/३७/२, १/५०/२, १/७८/३, १/८३/५, १/८५/२, १/८८/२, १/१०३/७, १/१२२/७, १/१२८/१, १/१४१/५, १/१५४/२, १/१८१/१२, १/१८८/५, १/२१०छं०, १/२२३/७, १/२२८/५, १/२३८/६, १/२४७/४, १/२५१/७, १/२५४/६, १/२६१/८, १/२६४/६, १/२६८/६, १/२७७/५, १/३०२/४, १/३१०/६, १/३२२/६, १/३२८/६, १/३४२/८, १/३४६/६, १/३४७/७, १/३५८/६, २/२५/३, २/४५/७, २/६४/७, २/७५/३, २/८२/६, २/८३/२ २/८८/१, २/१०४/३, २/१०८/१, २/११०/८, २/११३/२, २/११८/४, २/१७१/७, २/१८३/३, २/१८६/१, २/१८७/१, २/१८५/६, २/१८६/५, २/२०१/२, २/२७२/२, २/२७२/४, २/२७३/३, २/२७६/७, ३/४/७, ३/१६/५, ३/१६/१८, ३/३४/३, ३/३७/१२, ३/४३/२, ४/५/११, ४/८/७, ४/१७/४, ५/२२/४, ५/२७/१, ५/५८/६, ६/११/१०, ६/१८/७, ६/४१/४, ६/१०४/४, ७/२०/४, ७/२१/७, ७/८०/६, ७/८६/८, ७/८७/१

नाल : डंडी ।

"कमल नाल जिमि चाप चढ़ावौं"—१/२५२/८

१/२८२/-

नासा : नाक ।

"अधर अरुन रद सुंदर नासा" —१/१४६/२

१/१८८/८, १/२४२/५, १/३२६/८, २/१२८/१, २/२७६/१, ३/१७/६, ३/२१/२, ३/२१/१०, ५/५१/६, ६/४/८, ६/६५/१०, ६/६६/४, ७/७६/४

नासिका : नाक ।

"चारु चिबुक नासिका कपोला"—२/२३२/५

५/५३/४, ६/४/८, ६/१८/६, ६/६५/६

निकट : पास ।

"एहि सर निकट न जाहि अभागा"—१/३७/३

१/८६/७, १/६४/१, १/१७६/२, १/२१४/६ १/२२३/६, १/२५३/४, १/२६०/३, २/२४/–, २/२४/८, २/८७/४, २/१०८/७, २/११२/४, २/११३/१, २/१२३/३, २/१४८/२, २/१७०/४, २/२१२/४, २/२३४/१, २/२६१/–, २/२६३/३, २/२६७/–, २/२७४/६, ३/४/२, ३/६/१६, ३/१३/–, ३/१६/१७, ३/२६/१, ३/२६/१२, ३/२७/७, ३/४०/११, ४/६/२६, ४/११/८, ४/१८/२, ४/२२/६, ४/२४/३, ४/२६/६, ४/२७/२, ५/१२/८, ५/२३/३, ५/३२/४, ५/४०/२, ५/५१/७, ६/३६/८, ६/३८/१, ६/५०/४, ६/५०/५, ६/५३/८, ६/५७/३, ६/६८/८, ६/१०८/छं०२, ६/११५/१, ६/१२०/१०, ७/४क/–, ७/२४/३, ७/५६/३, ७/७७क/–, ७/११६/४, ७/११६/६

शीघ्र आनेवाले ।

"लखइ न रानि निकट दुख कैसें"—२/२१/२

निकर : समूह ।

"जासु बचन रबि कर निकर"—१/०५/–

१/२३/८, १/१८२/३, १/३३०/–, २/६२/३, २/२२६/६, ३/१२/–, ३/१७/४, ३/२६/३, ३/२६/१०, ३/३६/५, ३/४३/७, ४/१२/१, ५/२छं०१, ५/५/१, ५/१५/–, ५/३६/–, ६/०/७, ६/११/१०, ६/१७/६, ६/२२ख/–, ६/२६/४, ६/३३ख/–, ६/३६/६, ६/४१/३, ६/६१/–, ६/७०/२, ६/८१छं०१, ६/८७/६, ६/८७छं०, ६/८८/६, ६/६१छं०, ६/६१छं०, ६/६२छं०, ६/१००छं०२ह, ७/२६/५, ७/५४/४, ७/६७/१

अवली ।

"बिधु कर निकर बिनिंदक हासा"—१/१४६/२

दल ।

"निसिचर निकर सकल मुनि खाए"—३/८/८

निकेत : घर ।

"गवने तुरत निकेत"—१/८७/-

१/५१/१, १/१६०/-, २/१३३/-, ६/११२छं०

कुटी ।

"सोहत परन निकेत"—२/१४१/-

२/३२०/-

स्थान ।

"प्रीति समेत निकेत बखाने"—१/२२४/१

महल ।

"चली लवाइ निकेत"—१/३४८/-

निकंदन : नाश करनेवाला ।

"नासु सकल कलि कलुष निकंदन"—१/२३/८

निगम : वेद ।

"आगम निगम पुरान"—१/१२/-

१/५०छं०, १/१०२/८, १/११७/४, १/१४५/५, १/१६६/६, १/२०२/८, १/२१५/२, १/३४८/-, २/७१/५, २/७६/८, २/८४/५, २/१२६/-, २/२३७/-, २/२५८/-, २/२८२/७, ३/२६/११, ५/३८/५, ६/१४/४, ६/१००छं०२ह, ७/८/८, ७/४८/३, ७/८५/५, ७/८०/४, ७/८१छं०, ७/८६ख/-, ७/८७/२, ७/११८/३, ७/१२३/२

शास्त्र ।

"निगम नीति कहुँ ते अधिकारी"—२/७१/२

निगमागम : वेद और शास्त्र ।

"निगमागम गुन दोष बिभागा"—१/५/८

निग्रह : बाँधना ।

"सागर निग्रह कथा सुनाई"—७/६६/८

निज : अपना ।

"बटु बिस्वास अचल निज धरमा"—१/१/११

१/२/३, १/२/३, १/२/३, १/२/१०, १/४/१, १/४/७, १/४/७, १/७/४, १/७/११, १/७/१३,

१/१२/८, १/२२/२, १/२२/२, १/२३/-, १/२४/५,
१/२७/४, १/२७/७, १/२८ग/-, १/२८/७, १/३०क/-,
१/३०/४, १/३४/११, १/४४/१, १/४४/१, १/४५/१,
१/५२/६, १/५२/७, १/५३/१, १/५३/३, १/५७/१,
१/५७/४, १/६०/७, १/६१/२, १/६५/८, १/७६/-,
१/८३/- १/८३/५, १/८४/-, १/८४/-, १/८६/२,
१/८७/-, १/८८/-, १/९२/-, १/९२/-, १/९२/२,
१/९२/२ १/९२/३, १/९७/४, १/९७छ०, १/९९/४,
१/१०२/३ १/१०२/३, १/१०५/५, १/१०७/१, १/११०/-,
१/११५/-, १/११६/१, १/१२०घ/-, १/१२१/-, १/१२५/१,
१/१२५/७, १/१२८/८, १/१३१/८, १/१३२/५, १/१३२/५,
१/१३४/६ १/१३५/१, १/१३७/-, १/१४४/५, १/१४७/८,
१/१४८/४, १/१४९/८, १/१५०/-, १/१५४/-, १/१५७/८,
१/१५८/१ १/१५९/२ १/१५९/४, १/१५९/६ १/१६३/४,
१/१६५/-, १/१६६/-, १/१६६/७, १/१६८/४, १/१७०/१,
१/१७४/८ १/१७९/- १/१८२क/-, १/१८२ख/-, १/१८३/८,
१/१८७/- १/१८७/१, १/१८७/१, १/१८७/५, १/१८७/५,
१/१८८/३ १/१९०/८, १/१९०/८, १/१९१/-, १/१९१/-,
१/१९१छ०२, १/१९२/-, १/१९५/२, १/१९५/३, १/१९७/३,
१/२००/२ १/२०१/-, १/२०६/२, १/२०८/६, १/२०८/७,
१/२०९/-, १/२१६/१, १/२२३/७, १/२२४/२, १/२२४/२,
१/२२६/५ १/२२७/६, १/२२८/-, १/२२८/५, १/२२९/६,
१/२३१/४ १/२३७/१, १/२३८/५, १/२४०/-, १/२४०/-,
१/२४१/- १/२४१/- १/२४३/५, १/२४३/७, १/२४३/७,
१/२४६/८, १/२५०/५, १/२५०/५, १/२५१/४, १/२५१/४,
१/२५७/७, १/२६८/२, १/२६८/५, १/२७३/१, १/२८६/५,
१/२८६/५, १/२९०/४, १/२९२/२, १/२९६/-, १/२९६/-,
१/२९६/२, १/२९९/८, १/२९९/८, १/३००/२, १/३०३/७,
१/३०३/७, १/३०५/७, १/३०६/१ १/३०६/१, १/३१०/५,
१/३११/३, १/३११/३, १/३१३/-, १/३१३/४, १/३१३/४,
१/३१३/८, १/३१७/१, १/३१९छं०, १/३२०/२, १/३२३/६,
१/३२६छं०३, १/३२६छ०४, १/३२६छं०४, १/३२७/६, १/३३४/७,
१/३३५छं०, १/३४१/१, १/३४३/४, १/३४३/४, १/३४४/५.

१/३४८/५, १/३४६/१, १/३५०/५, १/३५०/५, १/३५३/-,
१/३५३/-, १/३५४/३, १/३५४/३, १/३५५/६, १/३५५/६,
१/३६०/८, १/३६०छ०, २/०/१, २/६/-, २/६/-,
२/१७/-, २/१७/१, २/१८/२, २/२२/७, २/२५/-,
२/४६/३, २/४६/८, २/८६/८, २/६०/२, २/६१/४,
२/६५/५, २/१०८/८, २/१०६/८, २/१०६/१, २/१०६/१,
२/१०६/२, २/११०/-, २/११२/८, २/११६/७, २/११७/३,
२/१३०/३, २/१३१/-, २/१३१/५, २/१३३/४, २/१३३/४,
२/१३४/-, २/१५०/२, २/१५१/८, २/१५६/-, २/१५८/७,
२/१६५/७, २/१७१ ३, २/१७१/८, २/१७२ ३, २/१८५/६,
२/१८७/४, २/१६० ७, २/१६०/७, २/१६२/५, २/१६४/७,
२/१६५/४, २/१६५/८, २/२०३/७, २/२०५/४, २/२१२/६,
२/२१२/६, २/२१७/०, २/२२३/१, २/२३१/७, २/२३३/३,
२/२३६/८, २/२४१/७, २/२४६/४, २/२५०छं०, २/२५६/-,
२/२५८/२, २/२५६/५, २/२६०/६, २/२६४/८, २/२६५/६,
२/२६५/८, २/२६७/२, २/२७२/२, २/२७३/२, २/२७०/७,
२/२८१/७, २/२६३/३, २/२६४/२, २/२६८/६, २/२६६/२,
२/३०२/१, २/३१७/५, २/३१७/५, २/३२२/१, २/३२२/१,
३/०/३, ३/१/२, ३/१/१३, ३/२/७, ३/४/१३,
३/६/७, ३/७/५, ३/८/२, ३/६/५, ३/६/१६,
३/१०/-, ३/११/५, ३/१३/६, ३/१४/६, ३/१५/६,
३/१५/६, ३/१८/६, ३/१६ख/-, ३/१६छं०, ३/१६छं०२ह
३/२१/२, ३/२३/४, ३/२५/५, ३/२५छं०, ३/२५छं०,
३/२६/१६, ३/२७/-, ३/२७/१३, ३/२६/१२, ३/३०/८,
३/३२/-, ३/३३/३, ३/३३/३, ३/३५/६, ३/४०/३,
३/४२/२, ३/४२/६, ३/४५/१, ३/४५छं०, ४/१/४,
४/१/७, ४/२/५, ४/२/६, ४/६/२, ४/६/१,
४/१०/१, ४/२४/१, ४/२६/-, ४/२७/१, ४/२८/६,
४/२८/६, ४/२६/१२, ५/५/६, ५/६/-, ५/८/-,
५/११/६, ५/१५/७, ५/१८/६, ५/२१/६, ५/२१/६,
५/२१/८, ५/२४/१, ५/३०/-, ५/३०/८, ५/३५/२,
५/३५/२, ५/३५/८, ५/३७/३, ५/३६ख/-, ५/४३/-,
५/४७/१, ५/४८/७, ५/४८क/-, ५/४६/१, ५/५६/१०,

५/५६/१२, ५/५६छं०, ६/२/५ ६/२/५, ६/५/१,
६/५/३, ६/७/१, ६/१०/२, ६/११/४, ६/११/४.
६/११ ८, ६/१३/२, ६/१३ ५, ६/१३/५, ६/१४/४,
६/१६/४, ६/१८/७, ६/२०/२, ६/२०/६, ६/२३/१,
६/२३/१२, ६/२४/३, ६/२७/८, ६/२८/१, ६/२८/६,
६/२८/१०, ६/३१/६, ६/४१/६, ६/४२/३, ६/४४/२,
६/५१/-, ६/५३/६, ६/५४/४, ६/५४/४, ६/५९/५,
६/६०/१४, ६/६३/३, ६/६४/-, ६/६८/६, ६/७१/-,
६/७१/३, ६/७१/११, ६/७१/११, ६/७३/८, ६/७७/६,
६/७८/१०, ६/७८/१०, ६/७९/-, ६/७९/-, ६/८०ग/-,
६/८०ग/-, ६/८१/-, ६/८२/-, ६/८२/५, ६/८८/२,
६/८८छं०, ६/८६छं०, ६/८७/१५, ६/८८/१, ६/८८/७,
६/१०१क/-, ६/१०२छं०, ६/१०८/४, ६/१११/३, ६/११२छं०,
६/११७/५, ६/११७/५, ७/१छं०, ७/१छं०, ७/८/१
७/८/१, ७/८/२, ७/१०/४, ७/१०/७, ७/११ख/-,
७/१२ख/-, ७/१२ख/-, ७/१६/६, ७/१८ख/-, ७/२०/-,
७/२०/-, ७/२२/८, ७/२३/६, ७/२७/६, ७/३६/८,
७/४१/३, ७/४६/८, ७/४६/८, ७/४८/१, ७/४८/६,
७/४८/८, ७/५८/३, ७/५८/१, ७/६३ख/-, ७/६७/५,
७/६८/५, ७/७२/८, ७/७४ख/-, ७/७४/६, ७/७६/८,
७/७८/८, ७/८०/५, ७/८१/२, ७/८१/३, ७/८२/३,
७/८३क/-, ७/८४ख/-, ७/८५/२, ७/८५/७, ७/८८/५,
७/८८/७, ७/८०/१, ७/८०/२, ७/८०/४, ७/८०/४,
७/८१छं०, ७/८१छं०, ७/८३ख/-, ७/८४/४, ७/८४/८,
७/८५क/-, ७/८५/५, ७/८७क/-, ७/८८/७, ७/१०८ख/-,
७/१०८/१४, ७/११०/१०, ७/११२ख/-, ७/११२/३, ७/११२/१२,
७/११२/१५, ७/११३/१४, ७/११४क/-, ७/११५/७, ७/११६/१२,
७/१२०/२, ७/१२२/७, ७/१२३क/-, ७/१२४/८, ७/१२४/१०,
७/१२६/१०

नित्य : प्रतिदिन ।

"नित्य निबाहि मुनिहि सिर नाए"—१/२२६/१

२/३१०/२, ७/१२छं०४, ७/७१/६

शाश्वत ।

"जीव नित्य केहि लगि तुम्ह रोवा"—४/१०/५

नित्यक्रिया : प्रतिदिन का काम।

"नित्यक्रिया करि गुरु पहिं आए"—१/२३८/८

निद्रा : नींद।

"श्रमित भूप निद्रा अति आई"—१/१६८/२

निधन : मृत्यु।

"दनुज निधन तव होइ"—१/८२/-
१/१६५/४, ५/१८/३

निधान : भण्डार।

"अगुन अनूपम गुन निधान सो"—१/१८/२
१/२१८/-, १/२३३/-, १/२३५छं०, १/२८२/३, २/६६/-
२/२००/-, २/२२७/-, २/२८१/-, ५/२/-, ६/१२ख/-,
६/११०छं०, ६/१२०छं०, ७/३३/५, ७/४६/२ ७/८२ख/-,
७/११३क/-, ७/११५ख/-, ७/१२८छं०३

खान।

"भूतल भूरि निधान"—१/१/-

निधि : भण्डार।

"सुन्दर सब गुन निधि बृषकेतू"—१/७१/३
१/७५/५, १/१०७/-, १/११६/-, १/२१८/२, १/२३१/४,
१/२४३/-, १/२४७/८, १/२८५/३, १/३२५छं०३, १/३४०/२,
२/२१७/७

खजाना।

"हरषहिं मनहुँ परी निधि पाई"—७/३८/४
७/५४/८, ७/८२/५, ७/८७ख/-
कुबेर का खजाना।

"हरषे जनु नव निधि घर आई"—२/१३४/१

निभ : समान।

"हिमगिरि निभ तनु कछु एक लाला"—६/५२/१

निमिष : क्षण।

"सोउ मुनि देउँ निमिष एक माहीं"—१/२०७/४

१/२६०/१, १/३२८/१, ३/१८छ०३, ३/३८क/-, ४/१७/२, ५/२५/६, ५/३१/-, ५/३१/-, ५/४३/७, ६/४५/११, ६/८८छं०, ६/१००/-, ६/११६क/-, ७/७/८ ७/७/८, ७/१२२/६

निमेष : पलक मारना ।

"लव निमेष महुँ भुवन निकाया"— १/२२४/४

१/२५७/८, ६/०१/-, ६/१४/३, ६/१००छं०१ह, ७/३२/४

क्षण ।

"अरध निमेष कलप सम बीता" —१/२६८/८

२/२५७/३, ६/११८ग/-

नियम : योग का एक अंग ।

"सम जम नियम फूल फल ग्याना" —१/३६/१४

२/२३४/७, २/३२४/४, २/३२५छं०, ६/७८/८, ७/३७/८, ७/४८/१, ७/११६/१०

निरत : लीन ।

"राम भगत परहित निरत"—२/२१८/-

३/१५/६, ३/३५/२, ५/४८/-, ६/८१/४ ७/२०/-, ७/२०/२, ७/४१/७, ७/१२३/६

आसक्त ।

"कहँ मति मोरि निरत संसारा"—१/११/१०

निराकार : आकाररहित ।

"निर्मम निराकार निरमोहा"—७/७१/६

निराचार : आचारहीन ।

"निराचार जो श्रुति पथ त्यागी"—७/९७/७

७/९८/८

निरादर : अपमान ।

"राम निरादर कर फल पाई"—२/२२८/४

७/१३छं०५, ७/१३छं०८, ७/१०५/११, ७/११८/७

निरामिष : मांस के त्यागी ।

"होहिं निरामिष कबहुँ कि कागा"—१/४/२

निरीह : इच्छारहित ।

"ब्रह्म निरीह बिरज अबिनासी"—७/७१/७

निरुपधि : कपटरहित ।

"हित निरुपधि सब बिधि तुलसी के"—१/१४/४
१/३१/१३

निरुपम : उपमारहित ।

"निरवधि गुन निरुपम पुरुषु"—२/२८८/-
७/८१/८, ७/८१छं०, ७/११५/६

निरंजन : मायारहित ।

"व्यापक ब्रह्म निरंजन"—१/१८८/-
३/३१छं०३, ७/३१/६, ७/७१/६

निरंतर : सदैव ।

"करहिं निरंतर गान"—१/१:/-
१/१४३/३, २/१२७/५, २/१३१/-, ३/८/-,
३/१०/४, ३/१०/१७, ३/१५/१२, ३/३५/२, ५/२८/२,
६/११४छं०, ६/११४छं० ६/११६ख/-, ७/१/३, ७/१३छं०८,
७/१३छं०१०, ७/३४/७, ७/४८/४; ७/५२/२, ७/५६/८,
७/६१/४, ७/८७/१, ७/१२६/-, ७/१३०ख/-

निरंबु : निर्जल ।

"व्रत निरंबु तेहि दिन प्रभु कीन्हा"—२/२४६/८

निर्गुण : गुणरहित ।

"निर्गुण सगुण बिषम सम रूपं"—३/१०/११

निर्झर : झरना ।

"खग मृग सर सरि निर्झर गिरिगन"—२/३०७/३

निर्दंभ : दंभरहित ।

"सब निर्दंभ धर्मरत पुनी"—७/२०/७

निर्दय : कठोर हृदयवाला ।

"निर्दय कपटी कुटिल मलायन"—७/३८/५

निर्धन : धनरहित ।

"निर्धन रहित निकेत"—१/१६०/-

निर्भय : निडर।

"निर्भय होहु देव समुदाई"—1/१८६/७

१/२०८/१, १/२७७/६, ३/२८/११, ६/८५छं०

निर्भर : पूर्ण।

"निर्भर प्रेम मगन मुनि ग्यानी"—३/८/१०

५/१६/४, ७/८१/३

अपार।

"सब के उर निर्भर हरषु"—१/३००/-

३/५छं०

निर्मम : ममतारहित।

"निर्मम निराकार निरमोहा"—७/७१/६

निर्मल : शुद्ध।

"अति निर्मल बानीं अस्तुति ठानी"—१/२१०छं०

३/३१छं०४, ३/३८/७, ५/४३/५, ६/११८/७, ६/११८/८,

७/२/१०, ७/२८/-, ७/२८छं०

स्वच्छ।

"सरिता सर निर्मल जल सोहा"—४/१५/४

४/१५/८, ४/१७/१

निष्पाप।

"निर्मल मन अहीर निज दासा"—७/११६/१२

निर्मित : बनाया हुआ।

"बिधि निर्मित दुर्गम अति भारी"—१/१७७/५

१/१८१छं०५, १/१८२/-

निशिचर : राक्षस।

"निशिचर करि बरूथ मृगराजः"—३/१०/६

निहार : कुहरा।

"जनु निहार महुँ दिनकर दुरेऊ"—६/८२/४

नीच : जो ऊँचा न हो।

"कीचहिं मिलइ नीच जल संगा"—१/६/८

१/७/७, १/२४०/-, १/२८८/८, २/२३/८, २/२२६/-, २/२४२/८, २/२४६/६, २/२५२/-, २/२६०/१, २/२७३/३, २/२६८/२, २/३२२/४, ७/१०५क/-, ७/१०५/६

दुष्ट ।

"लीन्ह नीच मारीचहिं संगा"—१/४८/४

३/२३/७, ५/५८/-

नीति : न्याय ।

"निगम नीति कहुँ ते अधिकारी"—२/७१/२

२/७१/७, २/७६/८, २/२२६/६, ५/६/७, ५/२३/७, ५/३५/५, ५/४६/८, ६/२१/४, ६/३४ख/-, ६/४७/६, ७/३७/८, ७/६५क/-, ७/१०४/५, ७/१०५/१, ७/१०६/३, ७/१२६/६

विधि ।

"निगम नीति कुल रीति करि"—१/३४६/-

२/२३०/६, २/२५३/५, २/२५६/८, २/२६८/३, २/२७३/५, २/३०३/६, ३/२०/११, ४/१८/७, ४/५०/१, ५/४२/८, ५/४८/-, ५/४६/४, ६/८/-, ७/८६/-, ७/१२६/३, ७/१२७/७

व्यवहार का ढंग ।

"संत कहहिं असि नीति प्रभु"—१/४५/-

१/१६६/६, २/१३०/२, २/१५१/३, २/१७०/४, २/२२७/२, २/२२८/५, ६/६/३, ६/२३ग/-, ६/३४/६, ६/८६छं०, ७/१०५ख/-

राजनीति ।

"रूप तेज बल नीति निवासा"—१/१२६/३

१/१५२/३, १/१६३/-, १/१६३/३, २/१७१/४, ३/२०/८, ४/१५/७, ५/३६/२, ६/३७/१०, ७/१११/६

नीतिशास्त्र ।

"जद्यपि नीति निपुन नरनाहू"—२/२६/७

औचित्य ।

"रहहु तात असि नीति बिचारी"—२/७०/७
मर्यादा ।
"सिवँ राखी श्रुति नीति"—७/१०९घ/-

नीर : जल ।
"पावन सरजू नीर"—१/३४/-
१/१८५/-, २/१२०/-, २/१४६/८, २/१५९/-, २/२०३/४, २/३१३/८, ४/१६/१, ५/७/-, ५/१४/-, ५/३१/८, ५/४४/६, ६/७/-, ६/२७/५, ७/२८छं०, ७/९२/२

नीरज : कमल ।
"नीरज नयन भावते जी के"—१/२४२/२
१/२५९/३, ६/१०८छं०

नीरधर : बादल ।
"नील नीरधर स्याम"—१/१४६/-

नीरनिधि : समुद्र ।
"बाँध्यो बननिधि नीरनिधि"—६/५/-

नील : नीला रंग ।
"नील सरोरुह स्याम"—१/०३/-
१/१४६/-, १/१४६/-, १/१४६/-, १/१९८/१, १/२०८/१, १/२३२/१, १/२३६/४, २/२४५/७, ३/८/-, ६/४१/६, ६/१०८छं०२, ७/५०/२, ७/७६/५
राम की सेना का एक वानर ।
"सुनहु नील अंगद हनुमाना"—४/२१/१
५/४४/-, ५/५९/१, ६/१/१, ६/२/७, ६/४२/२, ६/४९/२, ६/७५/-, ६/९५छं०, ६/९७/६, ६/११८ख/-
पर्वत-विशेष ।
"नील महीधर सिखर सम"—१/१५६/-
७/५५/७

नूतन : नया ।
"नित नूतन मंगल गृह तासू"—१/६५/४
१/९४/-, १/१०५/२, १/१६८/-, १/१७९/२, १/३०३/८, १/३२९/१, १/३३१/३, ३/४/३, ५/११/११, ५/२७/३, ६/९१/१२, ६/९२/-, ७/१०९ग/-, ७/१२४/२

नूपुर : पायजेब ।

"कंकन किंकिनि नूपुर धुनि सुनि"—१/२२८/१

१/३१७/४, १/३२१छं०, ७/७५/७

पैंजनी ।

"नूपुर धुनि सुनि मुनि मन मोहे"—१/१८८/३

बिछुवा ।

"नूपुर मुखर मधुर कबि बरनी"—२/५७/५

नृत्य : नाच ।

"कबहुँक नृत्य करइ गुन गाई"—३/८/१२

६/८/८, ७/२२/-, ७/२७/६, ७/७२ख/-

नृप : राजा ।

"नृप किरीट तरुनी तनु पाई"—१/१०/२

१/१३/-, १/४०/-, १/१०८/-, १/१२८/८, १/१३०/६,
१/१४१/३, १/१४४/५, १/१४८/२, १/१४८/२, १/१४९/४,
१/१५२/८, १/१५३/-, १/१५३/१, १/१५३/५, १/१५३/७,
१/१५४/३, १/१५४/४, १/१५५/-, १/१५५/२, १/१५५/५,
१/१५६/-, १/१५६/२, १/१५६/८, १/१५७/२, १/१५७/४,
१/१५७/६, १/१५८/१, १/१५८/२, १/१५८/५, १/१५८/८,
१/१६०/१, १/१६१/७, १/१६२/८, १/१६३/-, १/१६४/१,
१/१६५/५, १/१६६/१, १/१६६/३, १/१६७/८, १/१६८/१,
१/१६८/४, १/१६८/७, १/१७०/१, १/१७१/२, १/१७२/-,
१/१७३/-, १/१७३/४, १/१७४/६, १/१७४/८, १/१७५/६,
१/१८८/८, १/१८८/-, १/१८८/३, १/१८३/-, १/१८४/६,
१/१८५/८, १/१८६/४, १/१८७/१, १/२०६/८, १/२०७/७,
१/२०७/८, १/२१३/३, १/२१५/६, १/२३१/१, १/२३८/१,
१/२४०/६, १/२४३/८, १/२४४/१, १/२४८/१, १/२५०/-,
१/२५०/३, १/२६५/३, १/२७१/-, १/२७८/७, १/२८६/१,
१/२८८/२, १/२८०/३, १/३०१/१, १/३०५/२, १/३०८/२,
१/३११/२, १/३२४छं०२, १/३२७/७, १/३३०/१, १/३३८/१,
१/३५४/-, १/३५४/७, १/३५६/४, २/१/३, २/१/८,
२/२/-, २/३/७, २/४/-, २/१५/६, २/३३/-,
२/४३/-, २/४३/२, २/४८/४, २/७३/-, २/७७/३,

२/८२/१, २/८४/-, २/८७/१, २/१२१/२, २/१५३/-, २/१५६/१, २/१५६/२, २/१७७/८, २/२३०/७, २/२४६/३, २/२७०/५, २/३१२/३, ४/६/८, ४/१५/७, ४/१६/-, ५/२०/८, ६/६/३/, ६/१८/५, ६/२५/३, ६/३४/१०, ६/३७/८, ६/११०छं०, ६/११४छं०, ७/२६/-, ७/६४/१, ७/६४/५, ७/६४/६, ७/७५/२, ७/७६/८, ७/१००छं०, ७/१०५/१२, ७/१२७/५

नृपनीति : राजनीति ।

'करत रहेउँ नृपनीति''—२/३१/-

४/११/६, ४/१२/७, ७/६७/६

नृपसुत : राजकुमार ।

''एक कहइ नृपसुत तेइ आली''—१/२२८/४

नेति : यह भी नहीं ।

''नेति नेति जेहि बेद निरूपा'—१/१४३/५

१/१४३/५, १/२०२/८, १/२१५/२, १/३४०/८, २/८२/८, २/१२६/-, २/१२६/-, ३/२६/११, ४/८छं०, ६/११७क/-, ६/११७क/-, ७/१२३/२

ऐसा नहीं ।

'नेति नेति कहि जासु गुन''—१/१२/-

१/१२/-, १/५०छं०

नैमिष : एक पवित्र तीर्थ ।

''तीरथ बर नैमिष बिख्याता''—१/१४२/२

निंदक : निन्दा करनेवाला ।

''सिय निंदक अघ ओघ नसाए''—१/१५/३

७/६८/२, ७/१०४/४, ७/१११/५, ७/१२०/२३, ७/१२०/२४, ७/१२०/२५

तिरस्कार करनेवाला ।

''कुमुदबंधु कर निंदक हाँसा'—१/२४२/५

१/३००/६, ६/३०/४, ७/४४/-

नीचा दिखानेवाला ।

''सरद चंद निंदक मुख नीके''—१/२४२/२

निंदा : बदनामी ।

"हरि हर निंदा सुनइ जो काना"—६/३१/२

७/३८/-, ७/३८/४, ७/४७/६, ७/१२०/२२, ७/१२०/२६, ७/१२०/७

दोष ।

"सर निंदा करि ताहि बुझावा"—१/३८/४

१/६३/१, ३/३६/४, ६/३१/१

पट : वस्त्र ।

'ग्रह भेषज जल पवन पट"—१/७क/-

१/९१/२, १/२०८/२, १/२३३/-, १/२४३/१, २/२९५/१, १/३१८/३, १/३४८/२, २/५/३, २/७८/२, २/११९/-, २/१२८/२, २/२३८/५, २/२३९/८, २/२५०/५, ३/२८/२५, ३/३१/५, ४/४/५, ४/४/६, ५/२४/-, ६/११६/५, ६/११७/१, ७/३२/-, ७/१०९ग/-

पर्दा ।

"धवल धाम मनि पुरट पट"—१/२१३/-

१/२८८/२, १/२९५/७

पलक ।

"एकटक रहे नयन पट रोकी"—१/१४७/५

पटल : पर्दा ।

"जथा गगन घन पटल निहारी"—१/११६/२

१/१४६/४, १/२३२/-, १/२८३/६

समूह ।

"तड़ित पटल समेत उडुगन भ्राजहीं"—६/१०२छं०

६/११४छं०

पटु : चतुर ।

"नदी नाव पटु प्रस्न अनेका"—१/४०/२

सुंदर ।

"रघुपति पटु पालकीं मगाईं"—२/३१९/४

पताका : झंडे के ऊपरी सिरे पर लगा हुआ तिकोना कपड़ा ।

"रघुपति कीरति बिमल पताका"—१/१६/६

१/९३छं०, ३/३७/२, ६/७९/५, ६/९१/२, ७/८/२

पति : भर्त्ता ।

"पुनि पति बचनु मृषा करि जाना"—१/५८/२
१/६०/७, १/७०/६, १/७१/५, १/७३/२, १/७८/५,
१/८२/३, १/८६छं०, १/८७/२, १/६७छं०, १/६६छं०,
१/१०१/३, १/१०६/५, १/१८८/-, १/२४६/५, १/३३३/५,
२/२१/-, २/५७/२, २/५८/-, २/६४/४, २/६०/७,
२/६६/४, २/१०२/३, २/११६/७, २/१७१/७, २/१७६/३,
२/१६६/-, ३/३छं०, ३/४/६, ३/४/१०, ३/४/१६,
३/४/१६, ३/५क/- ४/२७/७, ५/३५/५, ६/३५/७,
६/३५/८, ६/१०३/१, ६/१०३/३, ६/१०३/१३; ७/२१/८,
७/२३/३, ७/८१/६, ७/६८/४

स्वामी ।

"निकाय पति माया धनी"—१/५०छं०
१/१६७/३, ३/६/४, ३/१०/२१, ३/१५/१०, ३/२८/१३,
४/१/-, ४/२/४, ४/३/१, ४/६/२८, ५/३७/७;
६/२३/२

प्रतिष्ठा ।

"राज काज सब लाज पति"—२/३०५/-
६/२८/४

राजा ।

"तें निसिचर पति गर्ब बहुता"—६/३०/७

पतित : अपवित्र ।

"जासु पतित पावन बड़ जाना"—७/२६/७
७/१२६छं०१

पतंग : एक प्रकार का उड़नेवाला कीड़ा ।

"मन जनि होसि पतंग"—३/४६ख/-
५/१५/-, ५/५६ख/-, ६/२६/-, ७/१३छं०२

सूर्य ।

"कौतुक देखि पतंग भुलाना"—१/१६४/८
४/१५ख/-

पत्र : पत्ता ।

"हरित मनिन्ह के पत्र फल"—१/२८७/-

२/३१६/८, ४/१२/२
चिट्ठी ।
"तेहि खल जहँ तहँ पत्र पठाए"—१/१७४/४

पत्रिका : चिट्ठी ।
"पुनि धरि धीर पत्रिका बाँची"—१/२८८/६
१/२८३/-, १/२८४/१, ५/५५/८

पत्री : लग्नपत्रिका ।
"पत्री सप्तरिषिन्ह सोइ दीन्ही"—१/८०/५

पथ : मार्ग ।
"परमारथ पथ परम सुजाना"—१/४३/२
१/१३८/१, २/१२३/२, २/१२३/२, २/१६७/५ २/१६७/७, २/१७२/-, २/२१५/३, २/२३३/६, २/२७४/३, ५/४०/८, ६/८१छं०, ७/२०/-, ७/२३/२, ७/४५/१, ७/६१/३, ७/८७/७, ७/१००ख/-

पथिक : यात्री ।
"पथिक समाज सोह सरि सोई"—१/४०/३
२/११२/३, २/१२३/-, २/१५३/६, २/२७५/५, ३/३८/४, ४/१४/१२, ७/२८छं०

पथ्य : हितकर ।
"पूत पथ्य गुर आयसु अहई"—२/१७५/१

पद : पैर (चरण) ।
"बंदउँ गुरु पद कंज"—१/०५/-
१/०/१, १/०/५, १/१/१, १/७ग/-, १/८/३, १/८/५, १/८/६, १/१२/८, १/१४घ/-, १/१४च-, १/१६/-, १/१६/१, १/१६/५, १/१६/८, १/१७/४, १/१७/८, १/१८/-, १/२३/१, १/३३/४, १/३३/४, १/३६/१४, १/४३ख/-, १/४३/५, १/४८/४, १/५४/८, १/५६/१, १/५८/४, १/६४/५, १/६५/६, १/६५/७, १/६७/५, १/७३/२, १/७५/३, १/८०/५, १/८२/५, १/८२/७, १/८२/७, १/८८/१, १/८८छं०, १/१००छं०, १/१०१/३, १/१०३/५, १/१०३/६, १/१०६/८, १/१०८/-,

१/११२/४, १/११४/-, १/११५/-, १/११७/५, १/११८/८,
१/११९/-, १/१२४/३, १/१२८/७, १/१३८/२, १/१३८/८,
१/१४३/-, १/१४४/१, १/१४५/१, १/१४७/१, १/१४७/७,
१/१४८/२, १/१५०/५, १/१५४/२, १/१५८/६, १/१६३/६,
१/१६४/२, १/१६५/५, १/१६७/-, १/१७१/७, १/१७२/४,
१/१७६/३, १/१७७/-, १/१८५छं०८, १/१८७/-, १/१८८/-,
१/२०५/७, १/२०८क/-, १/२१०छं०, १/२१०छं०, १/२१०छं०,
१/२१०छं०, १/२१५/-, १/२१६/६, १/२१८/१, १/२२२/५,
१/२२५/-, १/२२५/५, १/२२५/८, १/२३५/२, १/२३९/-,
१/२४३/४, १/२५२/-, १/२५३/-, १/२५४/१, १/२५८/४,
१/२६६/४, १/२६८/६, १/२८१/३, १/३०७/१, १/३०७/५,
१/३२३छं०१, १/३२२छं०२, १/३२६/२, १/३२७/५, १/३३५/१,
१/३४२/२, १/३५१/८, १/३५७/-, १/३५८/४, २/८/२,
२/३३/६, २/५१/१, २/५७/-, २/५७/६, २/६०/५,
२/६५/४, २/६७/५, २/६९/-, २/७०/१, २/७४/-,
२/७४/४, २/७४छं०, २/७६/२, २/८ /१ २/८७/५,
२/९२/६, २/९५/-, २/९७/-, २/९७/१, २/९७/६,
२/९८/८, २/९९/८, २/९९छं०, २/१००/५, २/१०१/-,
२/१०६/८, २/११२/८, २/१२०/२, २/१२२/५, २/१२२/६,
२/१२८/४, २/१३८/२, २/१३९/- २/१५०/६ २/१५१/-,
२/१६९/२, २/१७७/३, २/१८२/-, २/१८५/-, २/१९०/४,
२/१९४/६, २/१९४/७, २/१९५/-, २/१९६/६ २/१९६/८,
२/२०२/-, २/२०४/-, २/२०४/५, २/२१३/३, २/२१५/५,
२/२१६/२, २/२१८/८, २/२२३/१, २/२२३/३, २/२२७/२,
२/२२८/६, २/२३१/-, २/२३७/३, २/२४१/३, २/२४४/१,
२/२४४/३, २/२५०/७, २/२५३/-, २/२५८/५, २/२६८/८,
२/२७२/५, २/२७४/७, २/२९०/१, २/३००/१, २/३००/६,
२/३०३/२, २/३०६/-, २/३०७/४, २/३०७/८, २/३११/८,
२/३१३/२, २/३१४/७, २/३१७/७, २/३१८/-, २/३१९/-,
२/३२०/-, २/३२३/१, २/३२३/१, २/३२६/-, ३/१/११,
३/४/१, ३/४/१०, ३/६/१, ३/९/२, ३/१०/-,
३/११/१०, ३/२०/२, ३/२३/३, ३/२५/७, ३/२५छं०,
३/२९/४, ३/३२/७, ३/३३/३, ३/३३/९, ३/३५/-,

३/३५/१३, ३/३५छं०, ३/३५छं०, ३/३५छं०, ३/४२ख/-,
३/४५/३, ३/४५/४, ३/४५छं०, ४/०/८, ४/३/७,
४/६/१४, ४/६/१७, ४/६छं०२, ४/२१/२, ४/२४/७,
४/२९छं०, ५/६/३, ५/८/-, ५/८/-, ५/११/५,
५/१६/५, ५/२८/३, ५/२८/४, ५/२९/-, ५/३०/-,
५/३४/१, ५/३९क/-, ५/४०/६, ५/४१/६, ५/४१/७,
५/४१/८, ५/४२/-, ५/४५/८, ५/४६/५, ५/४७/-,
५/४७/५, ५/४८/-, ५/४८/४, ५/४८/६, ५/५२/१,
५/५६ख/-, ५/५६/१२, ५/५८/१, ६/६/-, ६/७/-,
६/१४/१, ६/१५ख/-, ६/१६/२, ६/१७/५, ६/१८/-,
६/३३/८, ६/३३/१०, ६/३३/१२, ६/३४/२, ६/३५क/-,
६/३८क/-, ६/४४/१, ६/४५/१, ६/४६/८, ६/५७/-,
६/५८/६, ६/६०क/-, ६/६०ख/-, ६/७३/९, ६/७९/३,
६/८०ख/-, ६/८०/६, ६/८२/-, ६/८५छं०, ६/९७/१४,
६/९७छं०, ६/९८/६, ६/९९/९, ६/१०६/-, ६/१०९/१०,
६/११०छं०, ६/११२/छं०, ६/११६/१, ६/११६/२, ६/१२०/५,
६/१२०छं०१, ६/१२०छं०२, ७/१/१५, ७/४/६, ७/७/४,
७/७/५, ७/१०ख/-, ७/१२छं०४, ७/१३छं०५, ७/१३छं०६,
७/१३छं०८, ७/१४क/-, ७/१४/९, ७/१५/-, ७/१७क/-,
७/१७/४, ७/१७/७, ७/१८/५, ७/१८/८, ७/३७/६,
७/३८/-, ७/४४/७, ७/४६/१, ७/४७/२, ७/४८/४,
७/४८/८, ७/४९/-, ७/६०/१, ७/६१/-, ७/६१/६,
७/६८क/-, ७/७१ख/-, ७/७७क/-, ७/७८क/-, ७/८५ख/-,
७/८८/२, ७/९४/६, ७/९५/१, ७/९६क/-, ७/१०२/३,
७/१०३ख/-, ७/१०५/२, ७/१०५/११, ७/१०८ख/-, ७/११०/८,
७/११२क/-, ७/११२/१४, ७/११३/३, ७/११३/८, ७/११४क/-,
७/११५क/-, ७/११६ख/-, ७/११९क/-, ७/१२१/१३, ७/१२४ख/-,
७/१२४/४, ७/१२५/२, ७/१२७/७, ७/१२८/-

स्थान।

"कासीं मरत परम पद लहहीं'—१/४५/४

१/१२३/२, २/१/-, ३/२०क/-, ३/२७/-, ४/२९छं०,
७/५१/५, ७/११८/२, ७/११८/३

स्वरूप।

"दीन जानि तेहि निज पद दीन्हा"— १/२०८/६

पदचर : पैदल चलनेवाले।

"जुग पदचर असवार प्रति"—१/२९८/–
१/३०४/-, ३/३७/४, ५/२छं०, ६/८६छं०

पदचारी : पैदल चलनेवाले।

"ते अब फिरत बिपिन पदचारी"—२/२००/३

पदज : अँगुलियाँ।

'पदज रुचिर नख ससि दुति हरना'—७/७५/६

पदाति : पैदल चलनेवाले।

"बहु गज रथ पदाति असवारा' –६/८५/३

पनस : कटहल।

"पुलक सरीर पनस फल जैसा' —३/८/१५
३/३८/६, ६/८८छं०

पन्नगारि : गरुड़।

"पन्नगारि असि नीति श्रुति"—७/९५क/-
७/११५/२

पय : दूध।

"संत हंस गुन गहहिं पय"—१/६/-
१/१०ख/-, १/५७ख/-, १/३५५/२, २/१३८/५, २/१६८/५,
२/१८८/-, २/२३१/७, २/२८०/८, ७/२२/५, ७/८७/८,
७/११४/२, ७/११६/१३
पयस्विनी नदी।
"लखन दीख पय उतर करारा"—२/१३२/२
२/२२४/६

पर : दूसरा।

"पर हित हानि लाभ जिन्ह केरें"—१/३/२
१/३/३, १/३/४, १/३/४, १/३/७, १/३/८,
१/३/९, १/३/११, १/७/१०, १/७/१२, १/८३/२,
१/९६/४, १/१३५/७, १/३१८/७, १/३५४/८, २/१२९/७,
२/१७२/३, २/२१९/-, २/३०१/१, ३/४०/-, ३/४५/१,

४/१६/४, ६/२१/५, ६/६४/-, ६/७७/२, ७/२१/७, ७/३७/१, ७/३८/३, ७/३९/-, ७/३९/-, ७/३९/-, ७/३९/-, ७/३९/८, ७/४०/१, ७/४०/१, ७/४०/३, ७/९९/१, ७/१०८/५, ७/१२०/१४, ७/१२०/१५, ७/१२०/१६, ७/१२०/१७, ७/१२०/१८, ७/१२०/१९, ७/१२०/२२, ७/१२०/३४, ७/१२४/६, ७/१२४/८

श्रेष्ठ।

"अज सच्चिदानंद पर धामा"—१/१२/३

परम : अत्यंत।

"परम कृपाल प्रनत अनुरागी"—१/१२/५

१/१३/-, १/१८/-, १/४३/६, १/४४/४, १/४७/३, १/५६/-, १/५७/२, १/८२/१, १/८५/७, १/८८/-, १/९३/-, १/१०१/७, १/११६/६, १/११९/८ १/१२०ग/-, १/१२२/७, १/१०४/२, १/१३१/-, १/१०२/-, १/१३३/-, १/१३६/१, १/१३९/३, १/१४४/३, १/१४४/६, १/१४५/७, १/१५२/७, १/१५५/१, १/१५७/८, १/१६०/-, १/१६१/३, १/१६५/१, १/१६९/४, १/१७६/१, १/१७७/२, १/१८३/४, १/१८३छं०, १/१९१छं०, १/१९२/१, १/१९-/४ १/१९९/-, १/२०२/४, १/२०७/६, १/२१०छं, १/२१०छं०, १/२१७/४, १/२२५/७, १/२२७/-, १/२३४/३, १/२४१/-, १/२४१/४, १/२४५/२, १/२४६/७, १/२५६/-, १/२५८/२, १/२६३/३, १/२६६/४, १/२८१/७, १/२९५/७, १/३०८/-, १/३१६/६, १/३१९छं०, १/३३७/५, १/३४५/-, २/२७/१, २/३४/-, २/४८/३, २/५५/७, २/५६/६, २/६३/६, २/६८/३, २/७३/७ २/८०/-, २/९२/६, २/९६/४, २/९६/५, २/१०७/८, २/११०/१, २/११०/२, २/११९/७, २/१६९/१, २/१७४/७, २/१८०/७, २/१९४/-, २/१९४/८, २/२१२/३, २/२१६/२, २/२१८/१, २/२४०/२, २/२८७/१, २/३०४/३, २/३०६/३, २/३०७/६, २/३२५/५, ३/३/-, ३/५/१, ३/९/२२, ३/१०/२३, ३/१२/१५, ३/१४/८, ३/१८/१३, ३/१९छं०, ३/२०/३, ३/२१/६, ३/२५/८, ३/२५छं०; ३/२६/३, ३/२७/२, ३/२८/२१, ३/३५/९, ३/३७/१२, ३/४०/१, ३/४०/४, ३/४४/९, ४/६/१९, ४/१२/८,

४/१५/१, ४/१८/३, ४/-६/८, ५/६/७, ५/८/-, ५/८/६, ५/११/१२, ५/१३/८, ५/१५/७, ५/१६/-, ५/१६/८, ५/२१/४, ५/२४/८, ५/२५/१, ५/३२/४, ५/३३/२, ५/३४छं०२, ५/५४/५, ६/१/३, ६/१/४, ६/३/५, ६/५/३, ६/८/६, ६/१०/-, ६/१०/२, ६/११/१, ६/१६/७, ६/२३/४, ६/३८ख/-, ६/३८/६, ६/४२/४, ६/४४/६, ६/४५/२, ६/४८/१, ६/६०/१५, ६/६१/१, ६/६३/५, ६/६३/७, ६/७५/५, ६/७५/१३, ६/७७छं०, ६/८१/१, ६/८६छं०, ६/६०/८, ६/१०७/६, ६/११४ख/-, ६/११६/८, ६/११८/७, ६/११६/१, ६/११६/८, ६/१२०/१०, ६/१२०/१२, ६/१२०छं०, ७/१/७, ७/१छं०, ७/५/-, ७/५/२, ७/१५/३, ७/१६/३, ७/२०/४, ७/२८/२, ७/२८/७, ७/३१/१, ७/३२/६, ७/४०/६, ७/४१/८, ७/५३/-, ७/५४/८, ७/५६/-, ७/६१/३, ७/६३/२, ७/६३/६, ७/६४/-, ७/६७/८, ७/७२क/-, ७/७३/४, ७/८४/१, ७/८५/१, ७/८७क/-, ७/६४/१, ७/६५क/-, ७/६५ख/-, ७/६५/४, ७/६६/३, ७/१०४/४, ७/१०८/१, ७/११७/१, ७/११७/६, ७/१२०/६, ७/१२३/३, ७/१२५/१, ७/१२६/३, ७/१२६छं०

श्रेष्ठ ।

''कासी मरत परम पद लहहीं''—१/४५/४

१/७६/२, १/७६/४, १/१०४/८, १/१२३/२, १/१४३/३, १/१८५छं०, १/१८६/६, १/३४६/६, २/७/-, २/१३८/२, २/३१३/२, २/३१४/३, ३/४/१८, ४/१०/६, ४/२६छं०, ६/४४/५, ६/१०५छं०, ६/१०६/११, ७/११६/१३, ७/११८/२, ७/११८/३, ७/१२०/२२

बड़ा ।

''जे प्राकृत कबि परम सयाने''—१/१३/५

१/४३/२, १/६१/-

पहुँचे हुए ।

''जानहि परम सुजान''—१/४६/-

बढ़कर ।

"परम बिचित्र एक तें एका"—१/१२१/२

मुख्य ।

"खल दल बिदारन परम कारन"—६/१०२छं०

उत्कृष्ट ।

"मोहि परम अधिकारी जानी"—७/११०/२

सर्वोत्तम ।

"मूढ़ परम सिख देउँ न मानसि"—७/१११/१३

सर्वथा ।

"परम प्रकाश रूप दिन राती"—७/११६/३

पराग : पुष्परज ।

"सोइ पराग मकरंद सुबासा"—१/३६/६

१/३२४/६   २/३००/१

पराधीन : परवश ।

"पराधीन सपनेहुँ सुखु नाहीं"—१/१०१/५

२/२६३/-,   ३/१६/१३

पराभव : विनाश ।

"भव भव बिभव पराभव कारिनि"—१/२३४/८

परिकर : फेंटा ।

"पीत बसन परिकर कटि भाथा"—१/२१८/३

१/२४६/६,   ३/२६/७,   ६/८५/१०

परिचारक : सेवक ।

"पुनि परिचारक बोलि पठाए"—१/२८६/५

१/३२२छं०१

परिचारिका : टहल करनेवाली ।

"ए दारिका परिचारिका करि"—१/३२५छं०३

परिजन : परिवार ।

"प्रनवउँ परिजन सहित बिदेहू"—१/१६/१

१/४०/-,   १/१८०/३,   १/२०२/२,   १/३०८/-,   २/१५/५,
२/५६/२,   २/५६/४,   २/६५/-,   २/६०/४,   २/१३६/१,
२/१४०/४,   २/१५१/१,   २/१५६/८,   २/१७५/४,   २/१७५/६,

२/१८८/६, २/२४८/८, २/२७१/२, २/२७६/८, २/३०४/६, २/३१३/१, २/३१४/१, २/३१४/७, २/३२०/३, २/३२२/५, ३/३४/५, ६/१८/७, ६/१०३/८

कुटुम्बी।

"घर मसान परिजन जनु भूता"—२/८२/७

२/३१८/६, २/३१८/१, ७/३क/-

परिताप : संताप।

"मिटहिं पाप परिताप हिए तें"—१/४२/६

१/२५७/८, २/६५/५, ७/१०७क/-

गर्मी।

"निज परिताप द्रवइ नवनीता"—७/१२४/८

परितोष : संतोष।

"कीन्हि मातु परितोष"—२/६०/-

परितोषी : संतोषी।

"तापस नृपहि बहुत परितोषी"—१/१७०/६

परित्याग : त्यागना।

"पति परित्याग हृदयँ दुखु भारी" १/६०/७

परिपाटी : पद्धति।

"प्रगटी धनु बिघटन परिपाटी"—१/२३८/६

परिवार : कुटुम्ब।

"बरेहु सहित परिवार"—१/१६८/-

१/१७३/-, १/३३५छं०, २/२/४, २/७४छं०, २/१०१/-, २/१३०/५, २/१३५/८, ४/६/१६, ७/१५/६

कुटुम्बी।

"प्रिय परिवार पिता अरु माता"—१/७२/८

७/३८/४

परिहास : हँसी।

"खल परिहास होइ हित मोरा"—१/८/१

२/४८/६

दिल्लगी।

"रिस परिहास कि सांचेहुँ सांचा"—२/३१/५

परुष : कठोर।

"सापत ताड़त परुष कहंता"—३/३३/१
३/३८ख/-, ५/६/-, ६/६/४, ७/३७/८

पल : समय का सूचक।

"सब समाजु सजि सिधि पल माहीं"—२/२१३/७
२/२४३/३, २/२४७/६, २/२७६/८
पलक।
"रहेउ ठटुकि एकटक पल रोकी"—५/४४/३

पल्लव : पत्ता।

"सौरभ पल्लव मदनु बिलोका"—१/८६/५
१/२२६/५, १/२८८/-, १/३४५/४, २/२३६/४, २/२४८/७, ३/१७/७, ४/१४/२, ५/८/१, ७/३१/२

पवन : प्रशान्त वायु।

"ग्रह भेषज जल पवन पट"—१/७क/-
१/१८१/१०, ४/१६/६, ४/२२/६, ४/२६/४, ४/२६/४, ६/७/३, ६/१२ख/-, ६/४५/५
गतिशील वायु।
"गगन चढ़इ रज पवन प्रसंगा"—१/६/६
१/२८७/५, ६/४१/३
प्राण।
"जिमि पवन मन गो निरस करि"—४/६छं०
मंद वायु।
"सीतल सुरभि पवन बह मंदा"—७/२२/४

पवित्र : पावन।

"चरित पवित्र किए संसारा"—१/१२२/४
७/५४/१

पाक : रसोई।

"आप गई जहँ पाक बनावा"—१/२००/३
पका हुआ।
"जनु छुइ गयउ पाक बरतोरू"—२/२६/४

पाखंड : दिखावटी उपासना या भक्ति ।
"जिमि पाखंड बाद तें"—४/१४/-

पाटल : पाढर का पेड़ ।
"पाटल पनस परास रसाला"—३/३८/६
गुलाब ।
"पाटल रसाल पनस सम"—६/८८छं०

पाठ : पढ़ने की क्रिया ।
"पसु नाचत सुक पाठ प्रबीना"—२/२९८/८

पाठक : पढ़ानेवाला ।
"गुन गति नट पाठक आधीना"—२/२९८/८

पाठीन : एक प्रकार की मछली ।
"मीन पीन पाठीन पुराने"—२/१९२/३

पाणि : हाथ ।
"पाणि चाप शर कटि तूणीरं"—३/१०/४

पातक : पाप ।
"नहिं असत्य सम पातक पुंजा"—२/२७/५
२/१३१/६, २/१६६/७, २/१६६/८, २/१७६/४, २/२४७/१,
४/६/१, ४/१६/६

पातकी : पापी ।
"मो समान को पातकी"—२/१६२/-

पात्र : बरतन ।
"नोइ निबृत्ति पात्र बिस्वासा"—७/११६/१२

पादप : वृक्ष ।
"तब असोक पादप तर"—२/२९क/-
६/१/-, ६/७४ख/-, ६/८१/२

पादुका : खड़ाऊँ ।
"सिंघासन प्रभु पादुका"—२/३२३/-
७/६४/७

पादोदक : चरणामृत ।

"पद पखारि पादोदक लीन्हा"—७/४७/२

पान : पीना ।

"गुनद करहिं सब पान"—१/१०ख/-

१/१४/२, १/४२/६, १/१३५/८, १/२३१/-, १/३२१/-, २/१०१/-, २/२१४/५, २/३१५/-, ३/७/-, ४/०२/-, ६/१००छं०२, ७/५२ख/-, ७/१२८/-

शराब पीना ।

"करइ पान सोवइ षट मासा"—१/१७८/४

३/२०/७, ३/२०/१०

जलपान ।

'मज्जन पान समेत हय"—१/१५८/-

पाप : पुण्य का विलोम ।

"दुख सुख पाप पुन्य दिन राती"—१/५/५

१/१४/२, १/२६/४, १/३१/५, १/३४/१, १/४२/६, १/१३७/४, १/२७७/-, २/३३/२, २/३५/२, २/१६७/१, २/१७८/३, २/१८५/४, २/१९३/५, २/२१८/३, २/२५०/५, २/२६३/-, २/३२५/७, ३/२१क/-, ३/४३/७, ४/८/८ ६/३१/२, ६/९७/-, ७/९६/८, ७/१००क/-, ७/१००छं०

***पापी**[1] : पाप करनेवाला ।

"निज भयँ डरेउ मनोभव पापी"—१/१२५/७

१/१३५/-, १/१७५/८, १/१८२/३, १/२०५/५, २/१४४/६, ७/१०६/७

दुष्ट ।

"राम तोर भ्राता बड़ पापी"—१/२७६/६

४/९/-

निष्ठुर ।

"को पापी बड़ मोहि समाना"—२/१४८/८

रोग ।

"जाने ते छीजहिं कछु पापी"—७/१२१/३

---

*[1] मानस में 'पापी' के विशिष्ट अर्थ उद्दण्ड १/१३५/- तथा निष्ठुर २/१४८/८ हैं ।

पार : किनारा ।

"जौं प्रभु पार अवसि गा चहहू"—२/६६/८

२/१०१/-, २/२२०/३; २/२५६/३, २/३२१/३, ४/२८/६, ५/२/५; ५/३६/७, ६/४/३, ६/१०५छं०; ७/५२/३; ७/६७क/-, ७/११४/४

अंत ।

"बाढ़इ कथा पार नहिं लहऊँ"—१/११/५

१/१८०/३, ६/१००छं०२ह, ७/९०/४

पारावत : कबूतर ।

"पारावत मराल सब ताजी"—३/३७/६

७/२१/५

पालक : पालन करनेवाले ।

"जग पालक बिसेषि जन त्राता"—१/१९/५

१/३१/५, १/२१५/१, १/२१७/८; २/१२५/८; २/१२५छं०, २/२५३/३, २/३०३/६; २/३०५/३, ३/१८/११; ६/६/४; ६/२१/-, ७/२३/२

पालन : रक्षण ।

"जग संभव पालन लय कारिनि"—१/९७/४

६/१४/६, ७/९१/६

स्थिति ।

"उद्भव पालन प्रलय कहानी"—१/१६२/६

पालन करनेवाले ।

"पालन सुर धरनी अद्भुत करनी"—१/१८५छं०

पावक : अग्नि ।

"खल बन पावक ग्यान घन"—१/१७/-

१/२२/४, १/३०/६, १/६८/८, १/७०/८, १/८५छं०, १/१८९/-, १/२०९/५, २/१२५/३, २/२१७/५, २/२४७/२, ३/२१क/-, ३/२३/२, ३/२८/१७, ३/३५छं०, ४/४/-, ४/१०/४, ५/११/७, ५/२४/-, ५/२४/८; ६/४६/३, ६/९०/३, ६/१०३/५, ६/१०३छं०, ६/१०८/२, ६/१०८/५, ६/१०८/६, ६/१०८छं०१, ६/१०८छं०१, ६/१०८छं०२, ७/१३छं०२, ७/१३/८, ७/१०८/४

पावन : पवित्र ।

"अति पावन पुरान श्रुति सारा"—१/६/१

१/८छं०, १/२३/७, १/२५/६, १/३१/१४, १/३४/-, १/३४/८, १/३५/८, १/३६/-, १/३८/२, १/३८/५, १/४२/६, १/४८/३, १/६८/२, १/८२छं०, १/१७६/-, १/१८०/२, १/१८३/६, १/२०४/२, १/२१०छं०१, १/२१०छं०४, १/२६१/२, १/२८८/१, २/१२३/६, २/१३८/३, २/१८३/६, २/१८४/-, २/२३४/६; २/२३८/२, २/२४५/-, २/२४८/३, २/२७५/-, २/२७८/८, २/२८५/४, २/३०७/६, २/३०८/४, २/३०८/-, २/३०८/३; २/३०८/७, ३/०/२, ३/१२/१५, ३/४६क/-, ४/२८छं०, ६/४७/६, ६/७७/१, ६/११०छं०, ६/११५/३, ६/१२०छं०२, ७/३/२, ७/२५/७, ७/३३/५, ७/५४/७, ७/६३/२, ७/७२क/-, ७/८५/२, ७/१११/७, ७/११८/१३, ७/१२२/८, ७/१२८/४, ७/१२८/७

पवित्र करनेवाले ।

"कविकुल जीवनु पावन जानी"—१/३६०/७

२/१३८/३, २/३०८/४; ३/६/८; ७/८१/२; ७/१२८छं०१; ७/१२८छं०१

पावनी : पवित्र करनेवाली ।

"सुमिरत सुहावनि पावनी"—१/८छं०

३/३१छं०४; ५/३४छं०२; ५/४८/७; ७/१४/१

पिक : कोयल ।

"काक होहिं पिक बकउ मराला"—१/२/१

१/३६/१५, १/८५छं०; २/८३/-; २/२३५/६, ३/३७/५

पिता : बाप ।

"पिता बचन तजि राजु उदासी"—१/४७/८

१/५२/७, १/६०/५; १/६१/-; १/६२/१; १/६३/६; १/७२/८; १/७४/३; १/७६/३; १/१५८/३, १/१६३/१, १/१८३/२; १/२०१/७, १/२०४/४, १/२०४/७; १/२०७/१०, १/२०८/४, १/२३३/४; १/२४५/३, २/३८/६; २/५८/-, २/६४/१, २/७०/-, २/७३/२. २/८०/४, २/८०/६;

२/१४४/५; २/१६६/५; २/१७२/६; २/१७३/३; २/१८८/६,
२/२२२/-, २/२८२/२, २/३०५/२-, ३/४/५, ३/४/१३;
३/१६/५, ३/३१/-, ४/२५/५, ६/३१क/-, ६/४७/५,
६/६०/६, ६/७१/६, ६/१०५/४; ७/३८/५, ७/४६/४,
७/८६/१, ७/८८/८, ७/१००छं०; ७/१०८/५, ७/१०८/८

पिनाक : धनुष ।

'को बापुरो पिनाक पुराना''—१/२५२/६
१/२८२/८

पिपासा : प्यास ।

जाते लाग न छुधा पिपासा''—१/२०८/८

पिपीलिका : चींटी ।

'जिमि पिपीलिका सागर थाहा''—३/०/६

पीत : पीला ।

''पीत झगुलिया तनु पहिराई''—१/१९८/११
१/२०८/२, १/२१८/३, १/२३३/१, १/२३३/-, १/२४२/७;
१/२४३/१, १/२४३/२, १/३२६/३, १/३२६/५, ३/३१/१,
७/११छं०२; ७/३२/-, ७/७२/३; ७/७६/७

पुट : दोना ।

''पिअत नयन पुट रूपु पियूषा''—२/११०/६
७/१२८/-

पुत्र : बेटा ।

'भ्राता पिता पुत्र निज जैसे''—३/४/१३
३/१६/५, ७/१०४/६

प्यारा बच्चा ।

''कहेहु पुत्र बर मागु''—१/१७७/-

पुनीत : पवित्र ।

''करहिं पुनीत सुफल निज बानी''—१/१२/८
१/१४/१, १/३४/२, १/३८/१३, १/४४/५, १/४४/६,
१/५६/-, १/६५/१, १/७५/८, १/१०८/८, १/१२४/२,
१/१३८/३, १/१४२/२, १/१५२/-, १/१५२/१, १/१८८/-,

१/१८८/-, १/२२८/-, १/२३०/३, १/२३८/७, १/२८१/७,
१/२८०/२, १/२८३/४, १/३२३/८, १/३२६/३, १/३२८/-,
१/३४३/-, १/३४८/२, १/३५७/५, १/३५८/-, १/३६०/४,
१/३६०/८, २/३/८, २/८/७, २/७८/४, २/१३१/५,
२/१७८/७, २/१८८/-, २/२३२/४, २/३२५/५, ३/५छं०,
३/१२/१६, ६/११५/५, ७/१छं०, ७/४१/४, ७/५४/८,
७/१०२/८, ७/११४/७, ७/१२५/१

उत्तम।

"मृग पुनीत बहु मारत भयऊ"—१/१५५/४

शुद्ध।

"भे पुनीत पातक तम तरनी"—२/२४७/१

पुर : नगर।

"प्रनवउँ पुर नर नारि बहोरी"—१/१५/२

१/२४/५, १/७८/३, १/८२/१, १/८३/८, १/८३छं०,
१/८४/१, १/८८/-, १/८८/३, १/११८/६, १/१२४/७,
१/१२८/२, १/१५४/-, १/१७१/४, १/१७४/८, १/१८४/२,
१/१८३/१, १/२०४/५, १/२०४/८, १/२११/५, १/२१२/-,
१/२१२/६, १/२१३/४, १/२२३/१, १/२२३/८, १/२३५/३,
१/२५४/६, १/२६४/१, १/२६४/६, १/२६७/१, १/२७७/५,
१/२८५/-, १/२८८/६, १/२८८/-, १/२८९/१, १/२८८/१,
१/३०५/७, १/३०८/७, १/३१०/२, १/३१०छं०, १/३१०छं०,
१/३२६छं०१, १/३२८/१, १/३४३/३, १/३४३/४, १/३४६/६,
१/३४६/७, १/३४७/७, १/३५०/६, २/०/४, २/०/६,
२/५/५, २/५/६, २/१०/१, २/११/८, २/२३/-,
२/४८/८, २/४८/-, २/५०/४, २/६४/४, २/७४छं०,
२/७५/३, २/८०/-, २/८०/३, २/८२/६, २/८७/७,
२/८१/७, २/१३८/१, २/१५८/१, २/१६०/४, २/१६६/५,
२/१८३/३, २/१८६/१, २/२३५/१, २/२४२/-, २/२४७/७,
२/२५१/१, २/२६१/२, २/२७१/४, २/२७३/, २/२७७/१,
२/३१८/३, २/३२१/६, २/३२३/७, ३/०/१, ३/१९छं०२६,
४/५/३, ४/५/९, ४/१७/४, ३/१८/८, ४/१९/-,
५/२छं०१, ५/३/-, ५/३५/३, ५/४०/५, ५/५३/७,
६/१७/३, ६/२८/७, ६/२३/६, ६/२६/-, ६/३५/६,

६/३७/-, ६/४१/४, ७/०१/-, ७/३ग/-, ७/५छं०,
७/८/८, ७/९ख/-, ७/९/३, ७/१९/३, ७/२६/४,
७/२८/७, ७/२९/-, ७/४९/३, ७/६६/५, ७/६७/६,
७/११३/१३

लोक।
"जागत होइ तिहूँ पुर त्रासा"—१/१७९/४
१/२९१/१, १/३५३/-, २/३५/४, २/९४/६, २/१५९/२,
५/१५/५, ६/६/८, ६/१०५छं०

पुरवे।
"श्रोता त्रिबिध समाज पुर"—१/३९/-
१/१८२/६, २/११२/१

धाम।
"हरि पुर गयउ परम बड़भागी"—४/२६/८
७/१४/४

गाँव (बस्ती)।
"पुर न जाउँ दस चारि बरीसा"—४/११/७

पुरजन : नगरनिवासी।
"पुरजन परिजन जातिजन"—१/२०८/-
१/३०९/-, १/३११/४, १/३३५छं०, १/३५७/६, २/८८/६,
२/१५१/१, २/१५८/-, २/१९९/२, २/१९९/६, २/२१९/७,
२/२४३/५, २/२४४/८, २/२५०/८, २/२५७/-, २/२७३/१,
२/२७३/२, २/२७४/१, २/२७८/७, २/२८९/४, २/२९३/१,
२/३१८/६, २/३२२/५, ४/११/-, ५/३५/४, ७/४२/३

पुरट : सोना।
"धवल धाम मनि पुरट पट"—१/२१३/-
१/३४५/६, ७/२६छं०, ७/७५/८

पुराकृत : पूर्व जन्म में किया हुआ।
"जब पुन्य पुराकृत भूरि"—१/२२२/-

पुरातन : प्राचीन।
"कथा पुरातन कहै सो लागा"—१/१६२/४
१/२२८/८, २/१४०/२

पुरुष : मनुष्य ।

"ते बर पुरुष बहुत जग नाहीं"—१/७/१२

१/८४/-, १/८४छं०, १/९३छं०, १/९८/२, १/११६/-, १/२९३/१, १/३२८/६, २/६४/७, २/११९/४, २/१४१/२, २/१८३/७, २/२८२/६, २/३१८/८, ३/४/१२, ३/१६/५, ३/१६/८, ३/१८/५, ३/२१/३, ३/३५/६, ३/४०/-, ४/०/३, ६/३३/१४, ७/२८/२, ७/८७क/-, ७/९८/४, ७/११४/१५, ७/११४/१६, ७/११५क/-

वर ।

"मम अनुरूप पुरुष जग माहीं"—३/१६/६

पुरंदर : इन्द्र ।

"सुर गुर संग पुरंदर जैसे"—१/३०१/१

१/३१६/७; ७/२३/२

पुलक : रोमांच ।

"पुलक बाटिका बाग बन"—१/३७/-

१/६७/३, १/७४/५, १/११०/७, १/१४५/-, १/१९२/४, १/२१०छं०, १/२१६/५, १/२२८/-, १/२५४/६, १/२८४/-, १/२८९/४, १/३०४/७, १/३०६/७, १/३११/-, १/३१३/३, १/३१५/-, १/३२३छं०३, १/३२४छं०१, १/३४७/६, २/६९/२, २/११२/-, २/११३/४, २/१३४/६, २/१५२/-, २/२१०/-, २/२८०/६, २/३००/५, २/३२५/१, ३/५/१०, ३/५छं०, ३/९/१५, ३/१५/११, ३/४४/१, ५/६/-, ५/३१/८, ६/३५क/-, ६/१११/-, ६/११६ग/-, ७/१//१, ७/४/३, ७/३२/५, ७/४९/७, ७/६९क/-

हर्ष ।

"सुनत पुलक पूरे दोउ भ्राता"—१/२६७/२

१/३००/-, १/३४६/-, २/१९३/४, २/२२६/-, २/२२८/५, ६/१०६छं०, ७/१३ख/-

पुलकित : रोमांचित ।

"तन पुलकित मुख बचन न आवा"—१/२०१/५

१/२१४/७, १/३१४/४, २/५१/३, २/८६/६, २/११७/६, ६/१७ख/-, ६/५६/-, ७/७/-, ७/३३/१, ७/७५ख/-, ७/८२/८, ७/८७/२

प्रसन्न ।

"पुलकित गात अत्रि उठि धाए"—३/२/५

४/१/६, ५/४४/६, ६/११४ख/-, ६/१२०क/-, ७/१/१०

पुष्पक : विमान-विशेष ।

'पुष्पक जान जोति लै आवा'—१/१७८/८

६/११६/४, ७/६७/४

पुस्तक : पोथी ।

"कर पुस्तक दुइ बिप्र प्रबीना"– १/३०२/८

पूग : समूह ।

'नाम अखिल अघ पूग नसावन'' —७/६१/२

पूगफल : सुपारी ।

"सफल पूगफल कदलि रसाला"—१/३४३/१

१/३४५/४, २/५/६

पूजन : पूजा ।

"गिरिजा पूजन जननि पठाई"—१/२२७/२

१/२३०/२, २/२८६/२, ६/६२छं०

पूजा : पूजन ।

"करेहु सदा संकर पद पूजा"—१/१०१/३

१/१८५छं०५, १/२००/२, १/२००/३, १/२०६/३, १/२२७/६, १/३०५/४, १/३२०/१, १/३२२छं०१, १/३२६/५, २/१०२/३, २/२१२/७, ३/२/८, ३/१०/-, ३/११/१२, ६/१/६, ६/७६/१०, ६/१०६/४, ६/१२०/४, ७/४४/७, ७/५६/६, ७/१०२ख/-, ७/१०२/३, ७/१०४/३, ७/१२६/५

सत्कार ।

"करि पूजा मुनि सुजसु बखानी"—१/४४/६

१/१२६/८, १/१६६/३, १/२१६/८, १/२३६/३, १/३५१/५

सेवा ।

"सादर सासु ससुर पद पूजा"—२/६०/५
२/१२८/४, ३/२४/-, ७/६२/८

पूज्य : पूजनीय ।
"अतिथि पूज्य प्रियतम पुरारि के"—१/३१/८
१/६६/५, १/३५२/७, २/२८२/२, २/२८७/१, ३/३३/१, ७/१ छं०४, ७/६८/२, ७/८८क/-, ७/१२३/३, ७/१२७/-

पूर : पूर्ण ।
"देखि पूर बिधु बाढ़ै जोई"—१/७/१४
६/८/१, ७/२३/-
समाप्ति ।
"अजहुँ पूर पिय देहु"—६/३७/-

पृष्ठ : पीठ ।
"गह दसन पुनि पुनि कमठ पृष्ठ"—५/३४छं०२

पोत : नाव ।
"आइ गयउ जनु पोत"—७/१क/-

पोतक : बालक ।
"जो सब पातक पोतक डाकिनि"—२/१३१/६

पोषक : बढ़ानेवाला ।
"ससि सोषक पोषक समुझि"—१/७ख/-
२/१७२/३, ६/३०/४, ७/१०१छं०

पौरुष : वीरता ।
"धिग धिग तव पौरुष बल भ्राता"—३/१७/२
५/५८/७, ६/७८/१०, ६/८३/४, ७/६७ख/-

पंक : कीचड़ ।
"हृदय न बिदरेउ पंक जिमि"—२/१४६/-
४/१५/७, ७/२८/-
दलदल ।
"प्रेम पंक जनु गिरा समानी"—१/३३६/१

पंकज : कमल ।

"रामचरन पंकज मन जासू' —१/१६/४

१/३३/१, १/१००छं०, १/१०६/८, १/१९८/२, १/२१०छं०, १/२२२/५, १/२२५/-, १/२३७/२, १/२३७/७, १/२४६/८, १/२५३/३, १/२५८/१, १/२९२/-, १/३२३छं०१, १/३२७/५, २/८३/८, २/८७/५, २/१५०/६, २/१९०/४, २/१९४/७, २/२०३/१, २/२९०/१, २/२९६/७, ३/५छं०, ३/७/-, ३/८/९, ३/१५/९, ३/३१छं०३, ३/३५/-, ३/३५छं०, ३/४५छं०, ५/२२/१, ५/३२/२, ५/३४/१, ५/५६ख/-, ६/०/८, ६/३७/३, ६/८९/१, ६/१०८छं०२ ६/११०छं०, ६/१२०छं०, ७/४/६, ७/१३छं०५, ७/१३छं०६, ७/१३छं०८, ७/१३छं०९, ७/१४/९, ७/१७/७, ७/१८/५, ७/३०/७, ७/४८/४, ७/५०/१, ७/११९क/-, ७/१२१/१३

पंकरुह : कमल ।

"अब रघुपति पद पंकरुह"—१/४३ख/-

१/११९/-, १/१४३/-, १/३४०/३, २/३०६/५

पंगु : लँगड़ा-लूला ।

"पंगु चढ़इ गिरिबर गहन"—१/०२/-

पंच : पाँच ।

"बिकट बेष मुख पंच पुरारी'—१/२१९/७

१/३१८/३, १/३२८/१, १/३५४/-, ४/१०/४, ७/१२छं०५, ७/१०१छं०४, ७/१२९छं०२, ७/१२९छं०२

पंचों ।

"पंच कहें सिव सती बिबाही"—१/७८/८

२/२९४/-

पंचम : पाँचवीं ।

'पंचम भजन सो बेद प्रकासा।'—३/३५/१

पंचानन : सिंह

"बहु खग मृग तहँ गज पंचानन"—३/३२/५

६/१९/-, ६/११४छं०, ७/२२/१

पंजर : पिंजड़ा।

"माया बल कीन्हेसि सर पंजर' —६/७२/६

पंडित : विद्वान्।

'पंडित मूढ़ मलीन उजागर'—१/२७/६

२/१४२/२, २/१४८/३, २/१७४/५, ३/०१/–, ३/४२/१०, ७/२०/८, ७/४८/७, ७/८६/२, ७/८७/३, ७/१२३/६, ७/१२६/१

कुशल।

"खर दूषन बिराध बध पंडित"—७/५०/५

पुंज : समूह।

"महा मोह तम पुंज'—१/०५/-

१/३६/७, १/८५छं०, १/३००/८, २/१०५/१, २/१८३/५, २/३२५/७, ६/८०ख/-, ६/८३छं०, ६/८८/३, ६/१०६/-, ६/११२छं०, ६/११४छं०, ७/१३छं०३, ७/४४/६, ७/६३/३

राशि।

"पुन्य पुंज सब धन्य अस'—२/१३८/-

२/२७३/८, ५/२८/-, ५/४७/-, ६/१८/-, ६/३५क/-, ७/१८/८, ७/३१/३, ७/३८/-

मूर्ति।

"बैठि नारि तप पुंज''—४/२४/-

पूर्ण।

"तेज पुंज लछिमन उर लागी"—६/५३/७

प्रकार : ढंग।

"एहि प्रकार बल मनहि देखाई"—१/३३/१

१/४४/१, १/७२/६, १/१२८/-, १/१३०/७, १/१६०/७, १/१८१छं०, १/१८८/१०, १/२१२/२, १/२४१/७, १/२८१/८, २/६८/-, २/७४/६, २/१७३/१, २/२७२/३, ३/१०/-, ३/११/१२, ३/१२/३, ३/२१ख/-, ३/३५/७, ४/४/८, ४/११/६, ४/२२/११, ४/२३/२, ४/२५/३, ४/२७/६, ५/२६/३, ५/५१/५, ६/८/१, ६/६१/८, ६/१०६/४, ६/१२०/८ ७/१८ख/-, ७/६७ख/-

किस्म ।
'कोटि प्रकार कलपि कुटिलाई''—२/२२७/६
२/२७८/-, ३/१९छं०, ६/१०७/७, ७/१४/१०, ७/७९/८

प्रकृति : स्वभाव ।
''समुझहु छाड़ि प्रकृति अभिमानी''—५/५६/३
६/२३/७, ७/७१/७
माया ।
''भलेउ प्रकृति बस चुकइ भलाई''—१/६/२

प्रघोर : अत्यंत भयंकर ।
''मुष्टि प्रहार प्रघोर''—६/८३/-

प्रचार : चलन ।
''जग प्रचार जेहि हेतु''—१/३५/-

प्रचंड : तेज ।
''जिमि इंधन अनल प्रचंड''—१/३२क/-
२/३१छं०, ५/४९क/-, ६/४०छं०, ६/६७/८, ६/८२छं०,
६/८७छं०, ६/९१छं०, ६/९३/-, ६/९४छं०, ६/९५/-,
६/९७छं०, ६/१०८छं०१, ६/११०छं०, ७/१२छं०१
बड़ा भारी ।
''प्रजहि प्रचंड कलेसु''—२/५५/-
३/१९छं० ह, ७/५७/५
भयंकर ।
''भए प्रगट जंतु प्रचंड''—६/१००छं०१
७/१३छं०२, ७/७१क/-
प्रबल ।
'अति प्रचंड रघुपति कै माया''—१/१२७/८

प्रजा : जनता ।
''प्रजा सहित रघुबंसमनि''—१/११९/-
१/१५३/-, १/१५४/२, २/२५/५, २/५०/६, २/६७/६,
२/७०/४, २/७०/६, २/८४/१, २/९९/१, २/१७१/४,
२/१७४/१, २/१७४/६, २/१७५/४, २/१७५/६, २/१७६/१,
२/१७९/८, २/२३४/३, २/२३४/५, २/२३५/२, २/३०१/६,
२/३०४/६, २/३०५/५, २/३१३/१, २/३१४/८, २/३१५/५,
२/३२२/५, ४/१४/११, ७/१००छं०

प्रताप : प्रभुत्व ।

"बेष प्रताप पूजिअहिं तेऊ"—१/६/५

१/८/७, १/१५२/३, १/१७८/१, १/१८७/३, १/२५२/६, १/२५३/-, १/२८१/२, १/२८२/६, २/२४/३, २/१८१/१, २/२०८/३, २/२३०/२, २/२४३/-, ६/३३/८, ६/३५/८, ६/४१/१, ६/४१/२, ६/४३/१, ६/६०क/-, ६/७४/१२, ६/८६छ, ६/८५छं०, ६/१०३/४, ६/११०छं०, ७/१८/८, ७/३०/१, ७/३१/-, ७/५२क/-, ७/५८/२, ७/८०/१, ७/८२/२, ७/१०२/७, ७/११४ख/-, ७/११४/१६, ७/१२३/२

वीरता ।

"भुज प्रताप बल तेज बिसाला"—१/८१/५

३/१०/१५, ३/२१/७, ५/२/८, ५/११/५, ५/१६/-, ५/१६/१, ५/१८/८, ५/२६/५, ५/ २/८, ५/३४छं०१, ५/४६/४, ५/५८/७, ५/५८/२, ६/०/२, ६/०/६, ६/०/१०, ६/३/-, ६/११/१, ६/१७/२, ६/१८/-, ६/२८/६, ६/३८/८, ६/४०छं० ६/११२छं०, ६/११४छं०

सामर्थ्य ।

"देखि प्रताप मूढ़ खिसिआना"—६/५०/७

प्रतिकूल : विपरीत ।

"चरहिं बिस्व प्रतिकूल"—१/२७७/-

२/४८/-, २/१६८/३, ३/४/१८, ७/८६ख/-

प्रतिभट : प्रतिद्वन्द्वी ।

"जेहि कहुँ नहिं प्रतिभट जग जाता"—१/१७८/३

१/१८१/८

प्रतिमा : मूर्ति ।

"सुर प्रतिमा खंभन गढ़ि काढ़ीं"—१/२८७/६

६/१०१/१ , ६/१०१छं०

प्रतीति : विश्वास ।

"कहहुँ प्रतीति प्रीति रुचि मन की"—१/२२/३

१/२२/५, १/५५/३, १/७८/८, १/१६१/३, १/१६३/३, १/२२२/६, १/२३०/६, १/२४४/२, १/२५८/३, १/३४२/३, २/६/६, २/१६/४, २/१८/१, २/३०/५, २/४१/६,

२/४८/७, २/७१/५, २/१६१/३, २/२२७/-, २/२८८/५,
२/३२०/५

प्रत्यूह : विघ्न ।
"ग्यान अगम प्रत्यूह अनेका"—७/४४/३
७/११८ख/-

प्रथम : पहला ।
"बंदउँ प्रथम महीसुर चरना"—१/१/३
१/११/४, १/१२/१०, १/१६/३, १/१८/४, १/२६/३,
१/८ /१, १/८८/८, १/६७/५, १/१०६/४, १/११६/५,
१/१२७/७, १/१६७/७, १/२३५/-, १/३०८/७, २/६/१,
२/७/१, २/१६/६, २/३६/३, २/४१/२, २/४४/७,
२/८४/-, २/१५०/-, २/१७०/५, २/१८६/५, २/१८७/८,
२/२४३/७, २/२५१/-, २/२५७/४, २/२६३/६, २/३०१/३,
३/१८छं०, ३/२४/८, ४/२७/२, ४/२८/७, ५/४८/६,
५/५०/७, ६/०/२, ६/८/१०, ६/२२/६, ६/६७/२,
६/१०७/१४, ७/६/१, ७/१०/२, ७/११/५, ७/३०/३,
७/३१/-, ७/५५/२, ७/७४क/-, ७/८१/४, ७/८२/६,
७/६५/६, ७/६६क/-, ७/१०५/१२, ७/१२६/७, ७/१२७/१
बड़ी ।
"कुसकेतु कन्या प्रथम"—१/३२४छं०२
पहले का ।
"रघुपति प्रथम प्रेम अनुमाना"—६/१११/५

प्रद : देनेवाले ।
"सकल काम प्रद तीरथराऊ"—२/२०३/६
३/१५/-, ५/२३/-, ६/११२छं०

प्रदोष : सायंकाल ।
"जातुधान प्रदोष बल पाई"—६/४५/४
६/६७/११

प्रधान : मुख्य ।
"करम प्रधान सत्य कह लोगू"—२/६०/८
२/२१८/४, ७/१०३ख/-

प्रपंच : मायाजाल।

"कीन्हेसि पुनि प्रपंच बिधि नाना"—१/१२५/६

२/८२/-, २/८२/३, २/१७२/-, २/२८५/-

सृष्टि।

"बिधि प्रपंच महँ सुना न दीखा"—२/२३०/८

६/१०३/१, ७/८०/४, ७/८१/७

दृश्य जगत्।

"बिरति बिरंचि प्रपंच बियोगी"—१/२१/१

बखेड़े।

"मोहि न बहुत प्रपंच सोहाहीं"—२/३२/६

अज्ञान।

"मिटिहहिं पाप प्रपंच सब"—२/२६३/-

प्रफुल्ल : फूला हुआ।

"प्रफुल्ल कंज लोचनं"—३/३छं०२

प्रबल : बलवती।

"बिनु श्रम प्रबल मोह दलु जीती"—१/२४/७

१/१४०/-, १/२६६/, २/४७/-, २/२७१/-, २/२८५/-, ३/३८क/-, ३/४३/-, ४/२०/२, ५/३४छं०१, ६/४५/६, ६/५१/-, ६/५१/८, ६/८२/८, ६/८४/५, ६/८५/-, ६/१००/-, ६/१०२/१०, ६/११२छं०, ६/११४छं०, ७/१२छं०१, ७/५८/४, ७/७०/७, ७/११४/१६, ७/११७/३

बड़े जोर से।

"कबहुँ प्रबल बह मारुत"—४/१५क/-

६/४१/३, ६/४२/५, ६/१०८/६

प्रचंड।

"उदित भयउ अति प्रबल दिनेसा"—७/३०/१

७/११८/५

प्रकृष्ट बलवाला।

"परम प्रबल रिपु सीख पर"—६/१०/-

६/४१/१

प्रबोध : तत्त्वज्ञान।

"होइ न हृदयँ प्रबोध प्रकारा"—१/५०/४

१/६३/-, ७/१०५ख/-

संतोष ।

"मोर मन प्रबोध जेहिं होई"—१/३०/२

प्रबोधक : यथार्थ ज्ञान करानेवाले ।

"उभय प्रबोधक चतुर दुभाषी"—१/२०/८

प्रबोधन : समझाना ।

"लगे प्रबोधन जानकिहि"—२/६०/-

प्रबंध : रचना ।

"छंद प्रबंध अनेक बिधाना"—१/८/९

१/१३९/३

काण्ड ।

"सप्त प्रबंध सुभग सोपाना"—१/३६/१

प्रभा : प्रकाश ।

"प्रभा जाइ कहँ भानु बिहाई"—२/९६/६

७/१०७छं०५

प्रभाव : प्रताप ।

"तुम्हरेउँ भजन प्रभाव अघारी"—३/१२/५

५/३३/-, ६/५९/८, ७/५७/८, ७/९४क/-, ७/९६/७,

७/१०३/२, ७/१०३/५, ७/१०८/१०

प्रभु : भगवान् ।

"प्रभु पद प्रीति न सामुझि नीकी"—१/८/५

१/९छं०, १/१२/१, १/२२/७, १/२३/७, १/२५/४,

१/२६/३, १/२८/५, १/२९क/-, १/४१/२, १/४५/-,

१/४५/६, १/४६/-, १/४८क/-, १/४८/१, १/४८/५,

१/५१/८, १/५२/२, १/५२/७, १/५३/५, १/५३/६,

१/५३/८, १/५६/१, १/५६/७, १/५७/३, १/५८/६,

१/५९/-, १/६१/-, १/६१/५, १/८६छं०, १/८७/८,

१/८८/५, १/९२/५, १/९९/४, १/१०४/४, १/१०५/४,

१/१०७/-, १/१४०/३, १/१४१/६, १/१९१/-, १/१९१छं०६,

१/१९२/५, १/१९७/४, १/१९९/४, १/१९९/५, १/१९९/७,

१/२००/८, १/२०२/-, १/२०२/५, १/२३८/३, १/२३८/५,
१/२३८/७, १/२३९/-, १/२४०/४, १/२४०/७, १/२४१/१,
१/२५३/-, १/२५८/७, १/२६०/४, १/२६१/१, १/२७६/२;
१/२८५/-, १/२८५/५, १/३०८/-, १/३१६/-, १/३२०छं०,
२/४९छं०, २/६५/२, २/६५/४, २/६५/६, २/६६/७,
२/६७/-, २/७१/३, २/७२/-, २/७९/-, २/८१/२,
२/८९/१; २/९५/४, २/९६/५, २/९९/८, २/१००/५,
२/१०२/-, २/१०३/२, २/१०४/-, २/२१६/१, २/२१६/८,
२/२१९/१, २/२२३/६, २/२२५छं०, २/२२६/४, २/२२६/६,
२/२२७/२, २/२२८/६, २/२३२/-, २/२३८/२, २/२३८/४,
२/२४६/८, २/२४७/-, २/२५०/७, २/२५६/६, २/२५९/८,
२/२६१/-, २/२६७/२, २/२६७/८, २/२६८/२, २/२६८/८,
२/२६९/-, २/२६९/३, २/३१३/२, २/३१५/४, २/३१७/७,
२/३१९/-, २/३२०/-, २/३२०/३, २/३२०/८, २/३२१/-,
२/३२१/२, २/३२३/-, २/३२३/-, २/३२५/-, ३/०/२,
३/०/४, ३/१/१३, ३/२/-, ३/२/४, ३/२/८,
३/२/८, ३/३/-, ३/५/४, ३/५/१०, ३/५छं०,
३/७/३, ३/७/७, ३/८/-, ३/९/३, ३/९/१३,
३/१०/-; ३/१०/१, ३/१०/२७, ३/११/-, ३/११/३,
३/११/१२, ३/१२/१, ३/१२/३, ३/१२/४, ३/१२/१५,
३/१२/१६, ३/१३/-, ३/१३/५, ३/१३/६, ३/१४/-,
३/१४/६, ३/१६/१, ३/१६/७, ३/१६/११, ३/१६/१२,
३/१६/१४, ३/१६/१७, ३/१७/१२, ३/१७छं०, ३/१८/१,
३/१८छं०, ३/१९छं०, ३/१९छं०ह०, ३/१९छं०ह०, ३/२०/२,
३/२१क/-, ३/२२/४, ३/२३/३, ३/३५/१३, ३/३६/२,
३/३८/६, ३/३९/२, ३/४०/८, ३/४१/-, ३/४१/७,
३/४२ख/-, ३/४२/३, ३/४४/२, ३/४४/३, ४/१/५,
४/१/९, ४/२/-, ४/५/२, ४/६/२१, ४/८/१,
४/८/३, ४/९/-, ४/९/५, ४/९छं०१, ४/९छं०२,
४/११/१, ४/११/५, ४/११/७, ४/१२/२, ४/१२/४,
४/१७/८, ४/१९/४, ४/२१/४, ४/२२/९, ४/२२/१३,
४/२४/८, ४/२५/-, ४/२६/-, ४/२७/८, ४/२७/१०,
४/२९/-, ५/२/९, ५/६/६, ५/९/३, ५/१०/६,

५/११/५ ५/१३/९, ५/१४/८, ५/१५/३, ५/१६/-,
५/१६/४, ५/१८/-, ५/१९/४, ५/२१/३, ५/२१/६,
५/२२/-, ५/२६/३, ५/२८/-, ५/२९/४, ५/३०/३,
५/३१/-, ५/३१/१, ५/३१/३, ५/३१/४, ५/३२/-,
५/३२/१, ५/३२/२, ५/३२/४, ५/३२/६, ५/३३/-,
५/३३/२, ५/३३/५, ५/३४/१, ५/३४/६, ५/३८/६,
५/३८/७, ५/३८/८, ५/३९ख/-, ५/४१/-, ५/४२/५,
५/४२/९, ५/४५/-, ५/४५/१, ५/४५/२, ५/४६/४,
५/४६/८, ५/४८/३, ५/४८/६, ५/४८/८, ५/४९/१,
५/४९/२, ५/५०/-, ५/५०/६, ५/५०/८, ५/५१/-,
५/५५/-, ५/५६ख/-, ५/५६/६, ५/५६/७, ५/५७/६,
५/५८/१, ५/५८/४, ५/५८/५ ५/५८/७, ५/५८/८,
५/५९/३, ६/०२/-, ६/०/२, ६/३/-, ६/३/४,
६/३/९, ६/४/३, ६/४/८, ६/५/२, ६/७/८,
६/८/-, ६/८/९, ६/९/१, ६/१ /५, ६/१०/८,
६/११ख/-, ६/११/४, ६/११/९, ६/१२क/-, ६/१२ख/-,
६/१२/६, ६/१२/८, ६/१४/८, ६/१५ख/-, ६/१७क/-,
६/१७/२, ६/१९/६, ६/२०/-, ६/२२/२, ६/२६क/-,
६/२३/१, ६/२३/३, ६/२९/४, ६/३१/६, ६/३१/९,
६/३२क/-, ६/३४/१०, ६/३६/-, ६/३८क/-, ६/३८/६,
६/३८/९, ६/४४/१, ६/४४/६, ६/४५/१, ६/५०/६,
६/५४/६, ६/५९/३, ६/६०क/-, ६/६०ख/-, ६/६१/-,
६/६१/१, ६/६१/३, ६/६२/५, ६/६३/६, ६/६५/८,
६/६७/२, ६/६८/-, ६/६८/४, ६/६९/१०, ६/७०/४,
६/७०/६, ६/७०/८, ६/७०/११, ६/७४/५, ६/७४/१२,
६/७५/७, ६/७६/४, ६/८०ख/-, ६/८०ग/-, ६/८३छं०,
६/८४/४, ६/८५/४, ६/८५/७, ६/८५छं०, ६/९०/४,
६/९०/५, ६/९०/८, ६/९१/९, ६/९१/१२, ६/९१/१३,
६/९२/-, ६/९२/५, ६/९३/३, ६/९३/४, ६/९४/८,
६/९५/८, ६/९६/१, ६/९६/२, ६/९६/४, ६/९६छं०,
६/९७छं०, ६/९८/-, ६/९८/१३, ६/१००छं०१ह०, ६/१०१ख/-,
६/१०१/३, ६/१०२/३, ६/१०२/९, ६/१०३/-, ६/१०४/५,
६/१०४/६, ६/१०४/०, ६/१०४/८, ६/१०५/५, ६/१०५/७,
६/१०६/-, ६/१०६/१, ६/१०९/११, ६/१०९/१२, ६/११०छं०,

६/१११/२, ६/११२/-, ६/११२छं०, ६/११३/३, ६/११३/४, ६/११३/५, ६/११७/६, ६/११८क/-, ६/११८/४, ६/१२०ख/-, ६/१२०/१, ६/१२०/३, ६/१२०/५, ६/१२०/६, ६/१२०/७, ६/१२०छ०, ७/०२/-, ७/०/३, ७/०/४, ७/०/५, ७/०/६, ७/१/५, ७/१/१४, ७/१६/३, ७/१६/४, ७/१६/५, ७/१६/७, ७/१६/८, ७/१७/५, ७/१७/८, ७/१८क/-, ७/१८/५, ७/१९क/-, ७/१९ख/-, ७/१९/५, ७/२१/३, ७/२३/१, ७/२४/२. ७/३२/-, ७/३२/४, ७/३२/६, ७/३३/१, ७/३४/२, ७/३५/३, ७/३५/४, ७/३५/८, ७/३६/४, ७/४६/६, ७/४६/८, ७/४८/३, ७/४९/-, ७/४९/५, ७/४९/६, ७/४९/९, ७/५०/९, ७/५२क/-, ७/५४/१, ७/५७/६, ७/६०/६, ७/६१/१०, ७/६३क/-, ७/६३/४, ७/६३/९, ७/६४/४, ७/६४/६, ७/६४/८, ७/६५/-, ७/६५/२, ७/६५/७, ७/६६क/-, ७/६६ख/-, ७/६७/४, ७/६८ख/-, ७/७१/२-, ७/७२क/-, ७/७२/२, ७/७४/६, ७/७५ख/-, ७/७७क/-, ७/७७ख/-, ७/७८/२, ७/७९ख/-, ७/८१क/-, ७/८१/३, ७/८२/३, ७/८२/४, ७/८२/७, ७/८३/३, ७/८३/४, ७/८३/७, ७/८४क/-, ७/८६ख/-, ७/८७/२, ७/८७/४, ७/८८/२, ७/९०/१, ७/९१/८, ७/९१छं०, ७/९६क/-, ७/९६ख/-, ७/१०८ख/-, ७/१०८ख/-, ७/१०८ग/-, ७/११०/१५, ७/११३/९, ७/११४क/-, ७/११९/१६, ७/१२२ख/-, ७/१२२/३, ७/१२२/८, ७/१२९छं०३

स्वामी।

"प्रीति परसपर प्रभु अनुगामी"—१/२०/१

१/६१/८, १/६२/५, १/७६/३, १/७६/५, १/७६/६, १/७६/८, १/१०७/२, १/१०७/५, १/१०८/६, १/१०९/५, १/११०/१, १/११०/४, १/११६/१, १/११८/२, १/११९/-, १/११९/३, १/११९/५, १/१२०/८, १/१२३/-, १/१२३/४, १/१३१/३, १/१३१/४, १/१३१/६, १/१३२/२, १/१३७/-, १/१३८/-, १/१३९/-, १/१३९/२, १/१३९/८, १/१४१/८, १/१४३/३, १/१४३/७, १/१४४/५, १/१४५/८, १/१४७/८, /१४८/१, १/१४९/-, १/१४९/५, १/१४९/७, १/१५०/-,

१/१५०/४, १/१५८/३, १/१६१/२, १/१६४/८, १/१६५/८, १/१६७/-, १/१७६/६, १/१८४/-, १/१८४/१, १/१८४/२, १/१८४/३, १/१८४/६, १/१८४/७, १/१८८/८, १/२०२/७, १/२०५/६, १/२०५/८, १/२०७/-, १/२०८क/-, १/२०८/४, १/२०८/-, १/२०८/८, १/२०८/८, १/२०८/१२, १/२१०छं०३, १/२१०छं०४, १/२१०छं०६, १/२११/-, १/२११/३, १/२१५/४, १/२१७/-, १/२१७/२, १/२१७/५, १/२२५/८, १/२२७/-, १/२३०/-, १/२३४/२, १/२३७/८, १/३२६छं०४, १/३५७/५, १/३६०/६, २/२/३, २/३/४, २/८/७, २/८/८, २/२३/२, २/४५-, २/१०४/२, २/१०५/७, २/११२/७, २/१२२/५, २/१२३/५, २/१२४/८, २/१२५/-, २/१२८/१, २/१२८/२, २/१३३/-, २/१३४/-, २/१३५/-, २/१३५/६, २/१३६/-, २/१३६/३, २/१४०/५, २/१४१/१, २/१४१/३, २/१५०/४, २/१८२/२, २/१८४/८, २/१८५/-, २/१८८/८, २/२००छं०, २/२०८/३, २/२१६/१, २/२४२/३, २/२८४/३, २/२८२/२, २/२८७/१, २/२८७/५, २/२८७/८, २/३००/१, २/३००/६, २/३०७/२, २/३०७/४, २/३०७/८, २/३११/८, ३/२५/४, ३/२६/५, ३/२६/८, ३/२७/-, ३/२७/१४, ३/२८/४, ३/२८/५, ३/३०/४, ३/३२/७, ३/३४/-, ६/१०७/१३, ६/१०८/१, ६/१०८/४, ६/१०८छं०१, ६/१०८छं०१, ६/१०८ख/-, ६/११४क/-, ६/११४छं०, ६/११५/१, ६/११५/२, ६/११५/३, ६/११५/५, ६/११६ग/-, ६/११६/२, ६/११६/४, ६/११७/७, ७/२ख/-, ७/२/३, ७/२/८, ७/३/८, ७/४क/-, ७/४ख/-, ७/४/२, ७/४/६, ७/४छं०१, ७/४छं०१ ७/५/-, ७/५/३, ७/५छं०, ७/६/४, ७/७/४, ७/७/८, ७/८/१, ७/१०/५, ७/१०/६, ७/१०/८, ७/११/१, ७/१७/४, ७/३४/८, ७/७३/२, ७/८३ख/-, ७/८४ख/-, ७/११४/६, ७/११४/८, ७/११४/११,

पति ।

"कहहु तात प्रभु कृपा निकेता"—६/१०६/६

७/१२ग/-, ७/१२छं०१, ७/१२छं०६, ७/१४ख/-, ७/१५/-, ७/१६/१

सर्वसमर्थ ।

"प्रकृति पार प्रभु सब उर बासी"—७/७१/७

प्रभुता : वैभव।

"प्रभुता पाइ जाहि मद नाहीं"—१/५९/८
७/२१/२, ७/७०ख/-

प्रभाव।

"निज माया प्रभुता तब रोकी"—७/८२/३
७/८२/६

महत्त्व।

"सब जानत प्रभु प्रभुता सोई"—१/१२/१

प्रभु का भाव।

"प्रभुता तजि प्रभु कीन्ह सनेहू"—२/८/७

प्रभंजन : महाप्रचंड वायु।

"मोह महा घन पटल प्रभंजन"—६/११४छं०
७/११७/१३

प्रशान्त वायु।

"जीति न जाइ प्रभंजन जाया"—५/१८/९

प्रमुदित : अति प्रसन्न।

"प्रमुदित पुरजन सकल बराती"—१/३११/४
१/३२०छं०, १/३२१/३, १/३२२/७, १/३२४/७, १/३२५छं०१, १/३४५/-, १/३५०/७, १/३५३/८, २/०/८, २/२३/-, २/१०८/६, २/१२०/८, २/१३९/२, २/१९५/८, २/२०५/१, २/२१२/६, २/२५१/-, २/२६९/२, २/२९१/४, २/३०९/३

प्रमोद : आनन्द।

"उमगेउ प्रेम प्रमोद प्रबाहू"—१/३८/१०
१/३२२/६, १/३४९/५, २/२२६/-

परमानन्द।

"मोद प्रमोद बिबस सब माता"—१/३४५/१
२/२५५/४

प्रयास : परिश्रम।

"भंजेउ चाप प्रयास बिनु"—१/२९२/-
४/६/१२, ५/५०/-, ६/०/६, ६/७६/१, ६/९०/५, ६/१०५छं०, ७/३२/८, ७/१०२क/-, ७/१०३क/-, ७/१०९ख/- ७/१२६/-

प्रयोजन : गरज ।
"हरि तजि किमपि प्रयोजन नाहीं"—१/१६१/१

प्रलय : संहार ।
"उदभव पालन प्रलय कहानी"—१/१६२/६
६/१४/६, ६/४८छं०, ७/७८/८

प्रलाप : बकवाद ।
"एहि बिधि करत प्रलाप कलापा"—२/८५/७
६/६१/-

प्रलापी : बकवाद करनेवाला ।
"सुनेहि न श्रवन अलीक प्रलापी"—६/२४/८

प्रलंब : बड़ी लम्बी ।
"भुज प्रलंब परिधन मुनि चीरा"—१/१०५/३

प्रसन्न : खुश ।
"होहु प्रसन्न देहु बरदानू"—१/१३/७
१/१४छं०, १/८७/६, १/१०१/-, १/१०७/१, १/११८/५,
१/१४५/३, १/१४८/-, १/१६३/५, १/१६३/८, १/१७६/२,
१/१८८/४, १/२५६/५, २/२/८, २/३/१, २/५०/८,
२/१६५/१, ७/३४/२, ७/६२/२, ७/८३ख/-, ७/८३/७,
७/१०३/२, ७/१०७छ०७, ७/१०८ख/-
हर्षयुक्त ।
"नहिं प्रसन्न मुख मानस खेदा"—२/२२१/४
२/२५५/५, २/२६४/-, २/२६६/२, २/२६८/२, २/२६९/-,
२/३०६/४, ३/१०/२३, ३/४०/४, ३/४१/-, ३/४२/१,
५/२७/४, ५/२९/२, ५/३२/६, ६/११८/८, ७/०२/-,
७/२२/१०

प्रसव : बच्चा जनना ।
"बाँझ कि जान प्रसव कै पीरा"—१/९६/४
उत्पन्न करना ।
"मुक्ता प्रसव कि संबुक काली"—२/२६०/४

प्रसाद : कृपा ।
"नाम प्रसाद सोच नहिं सपने"—१/२४/८

१/२५/१, १/२५/२, १/३५/१, १/१६६ २, १/१६४/८, १/२८५/५, १/३५६/१, १/३५६/२, १/३६०छ०, २/३/४, २/२८२/१, २/३०५/१, २/३०७/६, ६/१५/५, ७/६८क/-, ७/६८/८, ७/८४क/-, ७/८४/६, ७/८४/८, ७/८८/२, ७/६२/८, ७/६५/१०, ७/११२/११, ७/११२/१६, ७/११३/४, ७/११३/६, ७/११४/६, ७/१२४/६, ७/१२६/-

देवता को चढ़ाई गयी वस्तु।

"हियँ धरि पाइ प्रसाद"—१/४३ख/-

२/१२८/१, २/१२८/२

प्रताप।

"वर प्रसाद सो मरइ न मारा"—६/७३/६

प्रसिद्ध : मशहूर।

"कथा प्रसिद्ध सकल जग माहीं"—१/६७/६

१/१०२/८, १/११६/-, २/२६२/७, ६/२७/-, ७/६७/८, ७/१२०/२०

प्रसून : फूल।

"लेन प्रसून चले दोउ भाई"—१/२२६/२

१/२४७/५, १/३२६छं०४, १/३३६/-, १/३५२/८, २/२१६/४, २/२४ /८, २/२४८/७, २/२८३/६, ६/१०२छं०२

प्रसंग : कथा।

"अब सोइ कहउँ प्रसंग सब"—१/३५/-

१/१२३/८, १/१३६/७, ७/५५/१

संसर्ग।

"अगरु प्रसंग सुगंध बसाई"—१/६/६

१/१०क/-

वृत्तान्त।

"सब प्रसंग महिसुरन्ह सुनाई"—१/१७३/८

७/६६क/-

चर्चा।

"चलेहुँ प्रसंग दुराएहु तबहूँ"—१/१२६/८

प्रकरण।

"बिबिध प्रसंग अनूप बखाने"—१/१३६/४

सम्बन्ध।

"तेहि प्रसंग सहजेहि बस देवा' —१/१६८/२

भेद।

"यह प्रसंग जानइ कोउ कोऊ"—७/३/४

प्रस्थिति : यात्रा।

"रघुबीर रुचिर प्रयान प्रस्थिति"—५/३४छं०२

प्रहार : चोट।

सनमुख ते करहिं प्रहार"—३/१६छं०

४/७/३, ५/२७/८, ५/५६/८, ६/५३/५, ६/८३/-, ६/८३छं०, ६/८८छं०, ७/१०५/११

प्राकृत : साधारण।

"जे प्राकृत कबि परम सयाने"—१/१३ ५

२/१२६/६, ३/२८/६, ७/७७क/-, ७/७७ख/-

घटिया।

"कीन्हें प्राकृत जन गुन गाना"—१/१०/७

२/३१७/-

संसारी।

"यह प्राकृत महिपाल सुभाऊ"—१/२७/१०

१/२४६/२

प्राची : पूर्व दिशा।

"बंदउँ कौसल्या दिसि प्राची"—१/१५/४

१/२३६/७

प्रात : सवेरा।

"मज्जहिं प्रात समेत उछावा"—१/४३/८

१/२०८/१, १/३५७/५ २/१०४/२, २/१०८/-, २/११४/-, २/१२३/४, २/१५०/२, २/१८४/२, २/१८६/१, २/२२०/३, २/२५२/८, २/२७२/३, २/२७७/-, २/२८८/२, ५/६/८, ६/१६क/-, ६/१६/१ ६/४८/६ ६/८४/४

प्रिय : प्यारा।

"प्रिय लागिहि अति सबहि मम"—१/१०क/-

१/१६/-, १/१७/७, १/१८/-, १/१८/३, १/२५/३, १/२५/३, १/३०,१२, १/३१/५, १/३८/-, १/७२/८,

१/८२/४, १/८२/४, १/१०३/४, १/१०३/८, १/१०६/५,
१/१२१/४, १/१२६/१, १/१३७/६, १/१४१/५, १/१४५/७,
१/१४८/४, १/१६०/३, १/१६१/३, १/१८५छं०, १/१८८/-,
१/१८८/१, १/१९२/१, १/१९७/-, १/१९७/८, १/१९८/९,
१/२०४/-, १/२०७/४, १/२०७/५, १/२१५/७, १/२२८/८,
१/२४१/२, १/२४६/६, १/२७७/३, १/२९०/८, १/२९२/६,
१/२९४/५, १/३१०/१, १/३१६/२, १/३३४/३, १/३३८/२,
१/३५२/७, २/२/३, २/४/४, २/६/६, २/६/७,
२/१०/-, २/१३/६, २/१३/७, २/१४/८, २/१५/३,
२/१६/-, २/१६/५, २/१६/५, २/१९/४, २/२१/८,
२/२३/३, २/२७/१, २/४५/२, २/४८/३, २/४८/५,
२/५५/७, २/५६/२, २/५८/१, २/५९/८, २/६०/-,
२/६४/१, २/६४/१, २/६७/५, २/७०/६, २/७१/७,
२/७३/७, २/७४छं०, २/७५/१, २/७५/७, २/७६/४,
२/७९/२, २/८३/८, २/८५/६, २/८७/१, २/९६/३,
२/९७/५, २/९८/१, २/१०४/३, २/११४/२, २/११८/-,
२/१२०/-, २/१२३/-, २/१२९/३, २/१२९/४, २/१३०/४,
२/१३०/५, २/१३४/७, २/१३९/४, २/१३९/५, २/१३९/५,
२/१४९/५, २/१५३/६, २/१५४/२, २/१५८/८, २/१६८/-,
२/१७१/४, २/१७३/५, २/१७३/५, २/१७९/२, २/१७९/२,
२/१८३/१, २/१८३/५, २/१८७/५, २/१९९/२, २/२००/८,
२/२००/८, २/२०४/८, २/२०७/२, २/२१६/५, २/२२३/७,
२/२४५/३, २/२५०/१, २/२५९/-, २/२७६/८, २/२८५/१,
२/२९१/३, २/२९२/२, २/३०१/१, २/३१०/८, २/३२०/३,
३/५क/-, ३/९/८, ३/३१छं०, ३/३५/७, ३/४१/४,
३/४५/-, ४/२/७, ४/२/८, ४/७/-, ४/२०/७,
५/२१/-, ५/२१/४, ५/३७/-, ५/४१/८, ५/४८/१,
६/१/६, ६/२/-, ६/८/८, ६/११/९, ६/१२क/-,
६/५८/२, ६/६०/११, ६/९०/-, ६/१०५/८, ६/११३/-,
७/२क/-, ७/३/४, ७/३/७, ७/८क/-, ७/१३छं०६,
७/१५/५, ७/१५/७, ७/१५/८, ७/२१/१, ७/४४/४,
७/५५/५, ७/८५ख/-, ७/८५/४, ७/८५/६, ७/८५/६,
७/८५/७, ७/८५/८, ७/८५/९, ७/८६/-, ७/८६/५,

७/८७क/-, ७/८३/२, ७/८५/४, ७/१०८/५, ७/११३क/-, ७/११४क/-, ७/१२०/२६, ७/१२८/२, ७/१२८/३, ७/१३०ख/-, ७/१३०ख/-

मीठी।

"भयदायक खल कै प्रिय बानी"—३/२३/८

आनन्द देनेवाले।

"मोहि परम प्रिय बचन सुनाए"—७/१/७

प्रियजन : स्नेहपात्र-व्यक्ति।

"अपजस भाजन प्रियजन द्रोही"—२/१६३/५

प्रिया : भार्या।

"प्रिया सोचु परिहरहु सबु"—१/७१/-

१/१०६/३, २/२४/५, २/२५/१, २/२५/५, २/२५/८, २/३०/५, २/३२/-, २/३२/३, २/१४०/७, २/१५०/३, २/१५४/-, २/३२०/४, ३/२३/१, ३/२८/१५, ३/३६/१०, ४/१३/१, ५/१४/६, ६/७/२, ६/१५/५, ६/१५/६

प्रियतमा।

"कहि प्रिय बचन प्रिया समुझाई"—२/६७/५

२/१०२/५

अर्द्धाङ्गिनी।

"गिरिजा सर्वदा संकर प्रिया"—१/८७छं०

***प्रीति**[1] : प्रेम।

"प्रभु पद प्रीति न सामुझि नीकी"—१/८/५

१/१८/४, १/२०/१, १/२२/३, १/४२/-, १/४८/८, १/६७/६, १/८८/४, १/८०/-, १/८०/६, १/११३/५, १/११८/८, १/११८/८, १/१४८/१, १/१६०/६, १/१६१/३, १/१६३/-, १/१६३/३, १/१८३/-, १/१८७/४, १/२१६/३, १/२२४/१, १/२२८/८, १/२२८/-, १/२३४/-, १/२४१/३, १/२६०/४, १/२६५/-, १/२८०/२, १/२८५/६, १/३०८/१, १/३१४/७, १/३१८/७, १/३१८छं०, १/३२२छं०२, १/३२४छं०, १/३२६छं०२, १/३३५/२, १/३३६/७, १/३४०/-, १/३५१/८, १/३५२/७, १/३५८/८, २/१/३, २/१४/६, २/३०/५,

---

*प्रीति[1]—'मानस' में प्रीति का एक विशिष्ट अर्थ भी है 'अनुशासन' ५/५७/-

२/३१/-, २/३६/४, २/४८/७, २/५८/२, २/७१/५, २/८६/१, २/११४/२, २/१२२/७, २/१२८/३, २/१७०/८, २/१८२/१, २/१८५/३, २/१८६/६, २/१८८/२, २/२०८/३, २/२१८/८, २/२२७/-, २/२३७/२, २/२४०/१, २/२५३/५, २/२६२/१, २/२७३/५, २/२८०/७, २/२८८/५, २/३०२/४, २/३०३/६, २/३०६/-, २/३१७/-, २/३१८/१, २/३१८/२, २/३१८/३, २/३२०/५, २/३२५/-, ३/०/१, ३/८/१४, ३/८/२२, ३/११/१०, ३/१२/११, ३/१३/-, ३/२०/११, ३/२७/११, ३/२८क/-, ३/३३/३, ३/३४/१, ३/४२/७, ३/४५/४, ४/२/५, ४/४/-, ४/४/१, ४/५/१, ४/८/४, ४/१०/-, ४/१३/२, ४/१८/७, ५/५/७, ५/११/४, ५/१०/१, ५/१४/७, ५/२८/-, ५/३८/८, ५/४८/६, ६/१५ख/-, ६/२३ग/-, ६/४८/७, ६/५८/६, ६/५८/-, ६/६०ख/-, ६/७८/२, ६/१०१/३, ६/१०५छं०, ६/१११/४, ६/११४ख/-, ६/११६ग/-, ६/११८/१, ६/१२०/१२, ७/१३छं०६, ७/१४/८, ७/१५/-, ७/१५/३, ७/१६/८, ७/१८ख/-, ७/२२/२, ७/३६/३, ७/३७/६, ७/४५/७, ७/४८/४, ७/४६/८, ७/५४/७, ७/६५/-, ७/६८/१, ७/७३/१, ७/८२/७, ७/८६/३, ७/८८/८, ७/८५क/-, ७/१०३/७, ७/११६ख/-, ७/११७/१५, ७/१२०/३१, ७/१२१/१, ७/१२५/२, ७/१२७/२, ७/१२७/७, ७/१२८छं०३

तृप्ति ।

"सठ सेवक की प्रीति रुचि"—१/२८क/-

अनुशासन ।

"भय बिनु होइ न प्रीति"—५/५७/-

सन्धि ।

"रिपु सन प्रीति करत नहिं लाजा"—६/२७/७

प्रेत : नरक-निवासी ।

"प्रेत पितर गंधर्व"—१/७घ/-

१/८४/६, १/८२छं०, १/८४छं०, ३/१८छं०१

मृत ।

"मानहुँ प्रेत निवासु"—२/१४७/-

राक्षस ।

"सुर डरत चौदह सहस प्रेत"—३/१९छं०४

प्रेम : प्रीति ।

"सत्य प्रेम जेहि राम पद"—१/१६/-

१/३०/४, १/३१/४, १/३५/६, १/३८/१०, १/५६/-,
१/६०/८, १/७७/-, १/८६छं०, १/१००छं०, १/१०१/६,
१/१०३/३, १/११०/७, १/११५/२, १/११९/-, १/१४५/-,
१/१४५/७, १/१८४/५, १/१८४/७, १/१८८/-, १/१९१छं०,
१/१९२/७, १/१९८/-, १/१९९/-, १/२००/-, १/२०७/७,
१/२१०छं०, १/२१५/-, १/२१७/८, १/२२५/५, १/२२७/८,
१/२३५/५, १/२५३/४, १/२५५/-, १/२५७/, १/२५८/७,
१/२६१/२, १/२६३/६, १/२९०/६, १/२९२/६, १/२९४/३,
१/३०५/३, १/३०७/५, १/३०७/८, १/३१३/३, १/३२२/६,
१/३२३छं०१, १/३२५छं०१, १/३२५छं०३, १/३२६/-, १/३३६/१,
१/३३७/४, १/३३९/२, १/३३९/६, १/३४०/३, १/३४१/६,
१/३५१/४, १/३५३/-, १/३५५/५, २/२/-, २/३/८,
२/७/२, २/९/१, २/१०/-, २/२६/१, २/५७/२,
२/५७/६, २/६०/६, २/६१/३, २/६९/२, २/६९/८,
२/७१/-, २/७६/४, २/७९/४, २/८२/४, २/८४/४,
२/८९/५, २/१००/-, २/१०२/४, २/१०६/१, २/१०८/४,
२/११२/-, २/११५/३, २/११७/३, २/१२७/१, २/१३६/२,
२/१५४/६, २/१८०/८, २/१८३/४, २/१९३/१, २/२१७/-,
२/२२४/८, २/२३७/५, २/२४१/७, २/२४२/४, २/२४२/५,
२/२६१/-, २/२७४/-, २/२७४/५, २/२९१/३, २/२९१/५,
२/३००/५, २/३०१/४, २/३०२/५, २/३०३/८, २/३०६/१,
२/३०९/३, २/३०९/८, २/३१६/४, २/३१९/१, २/३२०/५,
२/३२४/२, २/३२५छं०, ३/२/६, ३/५छं०, ३/९/१०,
३/९/१३, ३/९/२१, ३/२०/३, ३/२५/७, ३/२६/१७,
३/३३/९, ३/३४/-, ३/३५/१३, ३/४०/९, ५/१४/६,
५/१४/८, ५/१६/४, ५/२८/३, ५/३२/१, ५/४८/-,
६/१०४/३, ६/१११/-, ६/१११/५, ६/११७ख/-, ६/११७/१०,
६/११८ग/-, ७/१/१०, ७/३क/-, ७/४छं०१, ७/४छं०१,
७/५/-, ७/५छं०, ७/१३छं०५, ७/१३छं०८, ७/१६/-,
७/१७ख/-, ७/१८/२, ७/३४/-, ७/३५/-, ७/४१/१,

७/४६/७, ७/४८/६, ७/५१/-, ७/५६/८, ७/५८/२, ७/६०/२, ७/६४/५, ७/८१/३, ७/८२/४, ७/१०२/६, ७/१०८/८, ७/११२/२, ७/११३/७, ७/१२४ख/-, ७/१२५क/-

प्रेरक : प्रेरणा करनेवाला ।

"तुम्ह प्रेरक सब के हृदयँ"—२/४४/-
३/१५/-, ३/३१छं०, ७/११२/१

प्रेरित : प्रेरणा द्वारा ।

"हरि प्रेरित जेहिं कलप जोइ"—१/१७८ख/-
३/१/१, ३/१४/६, ३/२७/५, ४/१०/१०, ५/२५/-, ५/५२/६, ५/५८/३, ६/११८क/-, ७/४ख/-, ७/१६/७, ७/७७/१, ७/७८/२, ७/८१ख/-, ७/१०८क/-

फल : पेड़-पौधों का गूदेदार बीजकोष ।

"सदा सुमन फल सहित सब"—१/६५/-
१/१४३/१, १/१४३/२, १/२०८/-, १/२२६/५, १/२८७/-, १/३०३/-, १/३०४/३, १/३२४छं०१, २/५/२, २/६२/-, २/६५/३, २/८७/२, २/८८/८, २/८८/-, २/१०६/-, २/१०६/२, २/१०६/३, २/११८/१, २/१२३/४, २/१२४/३, २/१२४/४, २/१३४/२, २/१८८/-, २/१८८/८, २/१८२/२, २/२००/३, २/२०८/५, २/२११/-, २/२१२/-, २/२१२/५, २/२१४/४, २/२२२/-, २/२३६/४, २/२४७/५, २/२४८/७, २/२४८/२, २/२५०/-, २/२७८/८, २/२७८/७, ३/२/८, ३/८/१५, ३/१२/६, ३/१२/८. ३/२३/-, ३/३४/-, ३/४०/-, ४/१२/२, ४/२४/२, ४/२४/३, ५/-/०२, ५/२/७, ५/१६/७, ५/१७/-, ५/१७/१, ५/१७/४, ५/२१/३, ५/२७/७, ५/२८/१, ५/३५/-, ५/५७/४, ६/४/४, ६/४/६, ६/३३/३, ६/३३/४, ६/८८छं०, ७/२/५, ७/१२छं०५, ७/१३छं ५

परिणाम ।

"निरस बिसद गुनमय फल जासू"—१/१/५
१/१/१३, १/२/-, १/२/१, १/२/८, १/२६/२, १/३१/१३, १/३६/१४, १/४०/८, १/६८/८, १/७३/४, १/१३५/-, १/१३६/५, १/१३८/३, २/३/-, २/२२/६;

२/२८/-, २/५६/५, २/७६/८, २/७७/-, २/१३८/१,
२/१६०/२, २/२६७/६, २/२७८/-, २/२८१/४, २/३००/३,
३/१/१३, ३/१५/७, ३/२०/८, ३/३५/८, ६/४३/८,
७/२१/५, ७/४०/५, ७/४८/३, ७/८४/६, ७/१०५/२,
७/११८/१८, ७/१२५/७
प्रयोजन ।
"हृदयँ न कछु फल अनुसंधाना"—१/१५५/१
१/२१८/३, १/२३५/१, १/३०८/२, १/३२५/-, २/०१/-,
७/४३/१

फलित : फली हुई ।
"फलित बिलोकि मनोरथ बेली"—२/ /७

बक : बगुला ।
"हंसहि बक दादुर चातकही"—१/८/२
२/२०१/-, ३/३८/३, ४/२३/६, ६/८४/७

बकुल : मौलसिरी ।
"रोपे बकुल कदंब तमाला"—१/३४३/७
३/३८/६

बधिर : बहरा ।
"अंध बधिर क्रोधी अति दीना"—१/४/८
३/१८छं०, ६/२१/-, ६/६७/२, ७/७०ख/-, ७/८८/६

बल : शक्ति ।
"निज बुधि बल भरोस मोहि नाहीं"—१/७/४
१/१२/८, १/१३/१, १/१४ख/, १/३०/३, १/८१/५,
१/११८/१, १/१२८/३, १/१३१/८, १/१३८/५, १/१५४/१,
१/१५८/६, १/१७८/१, १/१८७/३, १/२०८/८, १/२१६/-,
१/२३२/७, १/२३८/६, १/२४३/-, १/२५३/-, १/२७७/६,
१/३१०छं०, १/३१५छं०, २/१७/-, २/१७/३, २/३४/४,
३/३४/५, ४/०/२, ४/०/३, ४/६/५, ४/६/१०,
४/६/१३, ४/६/२६, ४/६/२८, ४/८/-, ४/८/१०,
४/८/४, ४/८छं०२, ४/२२/११, ४/२८/६, ४/२८/७,
४/२८/८, ४/२८/४, ४/२८/१२, ५/०/६, ५/१/१,
५/१/१२, ५/२/-, ५/११/५, ५/१६/-, ५/१६/१,

५/१६/२, ५/१७/-, ५/१८/-, ५/३१/-, ५/३४/-,
५/३४/३, ५/३५/३, ५/४०/४, ५/५३/-, ५/५३/८,
५/५४/२, ५/५५/१, ५/५५/६, ५/५८/३, ५/५८/७,
६/५/५, ६/७/३, ६/११/१, ६/१६/३, ६/१६/६,
६/१७/४, ६/१८/-, ६/२२क/-, ६/२७/३, ६/२८/४,
६/२८/६, ६/३०/८, ६/३०/८, ६/३१ख/-, ६/३२/४,
६/३३/१२, ६/३४/१, ६/३५क/-, ६/३५क/-, ६/३५/६,
६/३५/१०, ६/३५/१२, ६/३६/३, ६/३६/७, ६/३७/६
६/३८/-, ६/४०/-, ६/४३/७, ६/४५/-, ६/४५/४,
६/४७/-, ६/४८/२, ६/५०/-, ६/५३/३, ६/५५/१,
६/७०छं०, ६/७१/२, ६/७१/५, ६/७१/८, ६/७१ ८,
६/७२/६, ६/७३/१, ६/७३/८, ६/७४/३, ६/७४/८,
६/७७/६, ६/७८/१०, ६/७८/६, ६/८०/३, ६/८०छ०,
६/८२छं०, ६/८३/३, ६/८६/-, ६/८७छं०, ६/८१/२,
६/८३छं०, ६/८४/७, ६/८४/८, ६/८४छं०, ६/८६छं०,
६/१००/६, ६/१०१/५, ६/१०३/५ ६/१०३/८, ६/१०५छं०,
६/११२छं०, ६/११७/४, ७/१२छं०१, ७/१७/६, ७/५०/३,
७/५०/५, ७/५८/-, ७/६७ख/-, ७/७१/३, ७/८१क/-,
७/८४क/-, ७/११७/८, ७/१२३/२

प्रताप।

"तेहि बल ताहि न जितहिं पुरारी"—१/१२२/७

३/०/५, ३/१/१२, ३/१०/१५, ३/१४/६, ३/१७/२,
३/१८/१२, ३/२१/७, ३/२२/-, ३/२६/८, ३/२७/१०,
३/२८/१३, ३/३६/१, ५/२०/१, ५/२०/४, ५/२०/५,
५/२०/६, ५/२१/-

भरोसा।

"मैं कछु कहउँ एक बल मोरें"—१/३४१/४

२/२३३/५, ३/३७/१२, ३/३८ख/-, ३/४२/८, ३/४२/८,
३/४३/८, ४/७/७, ६/५६/६, ६/६०ख/-, ६/६५/-,
६/६७/-, ७/१२१/८

ललकार।

"बाली रिपु बल सहै न पारा"—४/५/३

दल।

"कपि बल प्रबल देखि"—६/८५/-
पुरुषार्थ ।
"जिमि निज बल अनुरूप ते"—६/१०१क/-

बलि : बलिहारी ।
"बलि जाउँ तात सुजान"—१/३३५छं०
१/३५६/१, २/४२/५, २/५२/१, २/५२/२, २/५४/८,
२/५६/-, २/५६/४, २/७४/-, २/८४/-, २/१६४/५,
२/१७५/५, २/१८७/५
राजा बलि ।
"सिबि दधीचि बलि जो कछु भाषा"—२/२९/७
२/८४/४, ४/२/८, ६/५/८, ६/२३/१४, ६/२८/८
भाग ।
"बैनतेय बलि जिमि चह कागू"—१/२६६/१
चढ़ावा ।
"मैं एहिं परसु काटि बलि दीन्हें"—१/२८२/४

बहु : बहुत ।
"जग बहु नर सर सरि सम भाई"—१/७/१३
१/१२/२, १/३४/-, १/३७/८, १/५१/-, १/५६/८,
१/६२/-, १/६२/८, १/६५/-, १/७५/३, १/७५/६,
१/८२छं०, १/८३/७, १/८६छं०, १/१००छं०, १/१०१/१,
१/१०३/२, १/१०८/६, १/१०९/८, १/१२०क/-, १/१२५/५,
१/१२९/१, १/१३२/५, १/१३७/-, १/१४१/८, १/१५५/४,
१/१५९/२, १/१६०/८, १/१७२/२, १/१८२ख/-, १/१८३/१,
१/१९४/५, १/१९८/१०, १/१९०/१, १/२०२/३, १/२०७/९,
१/२०९/८, १/२२३/६, १/२३२/६, १/२४१/१, १/२६१/६,
१/२६२/२, १/२७०/७, १/२७३/६, १/२९२/२, १/२९९/६,
१/३१२/३, १/३१६छं०, १/३१९/५, १/३२४/४, १/३२५/३,
१/३२७/१, १/३२८/५, १/३३०/४, १/३३२/३, १/३४४/६,
१/३५१/५, १/३५९/८, २/५/३, २/७/४, २/९८/५,
२/१०८/५, २/१२८/७, २/१३१/७, २/१५४/३, २/१६८/८,
२/१६९/३, २/१७७/५, २/२११/७, २/२१५/२, २/२४८/७,
२/२४९/४, २/२६४/५, २/२७१/४, २/२८०/७, २/३१५/२,

२/३२५/–, ३/८/१७, ३/११/१२, ३/१३/–, ३/१८छं०,
३/१८छं०, ३/१८छं०, ३/२१ख/–, ३/२२/–, ३/२५/१,
३/२६/८, ३/२८क/, ३/२८/८, ३/३१/१, ३/३१छं०३
३/३२/५, ३/३५/२, ३/३५छं०, ३/३७/२, ३/३८/१,
३/४०/६, ४/२/१, ४/८/–, ४/११/१३, ४/११/–,
४/२२/११, ४/२३/२, ४/२४/–, ४/२६/१, ४/२६/२,
४/२६/३, ४/२७/६, ५/२छं०१, ५/३/–, ५/८/२,
५/८/८, ५/१०/–, ५/१७/२, ५/१८/८, ५/२३/–,
५/२४/६, ५/२५/२, ५/२७/–, ५/३३/८, ५/५१/५,
६/१/५, ६/४/७, ६/१४/८, ६/१६क/–, ६/१८/३,
६/१८/३, ६/२६/६, ६/२७/३, ६/२८/–, ६/४२/–,
६/४८/५, ६/५१/३, ६/५८/३, ६/६०/१७, ६/६८/५,
६/७०/८, ६/७१/४, ६/७१/६, ६/७२/२, ६/७६/७,
६/७८/१, ६/७८/४, ६/८०/४, ६/८५/३, ६/८६/२,
६/८७/–, ६/८७/६, ६/८८/–, ६/८८/८, ६/८८छं०,
६/८१/१२, ६/८२छं०, ६/८४/७, ६/८५/७, ६/८६/२,
६/८६छं०, ६/८८/८, ६/८८/११, ६/८८/३, ६/८८/८,
६/१००छं०२, ६/१०१ख/–, ६/१०१/७, ६/१०२छं०, ६/१०६/४,
६/१०७/६, ६/१०७/७, ६/१०७/१३, ६/१०८/५, ६/११५/४,
६/१२०/८, ७/८/३, ७/८/४, ७/१०क/–, ७/११छं०२,
७/१३छं०५, ७/१४/१०, ७/१८ख/–, ७/१८/५, ७/२६/६,
७/२६/८, ७/२६छं०, ७/२७/२, ७/२७/६, ७/२८/६,
७/२८छं०, ७/२८/८, ७/३१/८, ७/३६/२, ७/४०/–,
७/४४/४, ७/५७/६, ७/५८/६, ७/६१/३, ७/६४/५,
७/६४/७, ७/६८/५, ७/७४/२, ७/७५/५, ७/८२/८,
७/८३/५, ७/८७/५, ७/८२/६, ७/८५/१०, ७/८७क/–,
७/१००छं०, ७/१०३/४, ७/१०४ख/–, ७/१०५/१, ७/१११/१३,
७/११६/६, ७/११७/७, ७/१२०/२४, ७/१२०/२८, ७/१२१क/–

अनेक ।

"पूजहिं प्रभुहि देव बहु बेषा"—१/५४/३

१/८५छं०, १/८६छं०, १/१४४/३, ५/३४छं०१, ५/४१/४,
६/२५/३, ७/७८/३

कई ।

'बिनु पद कर कोउ बहु पद बाहू'—१/६२/७
१/१४४/२, १/१४८/५
दीर्घ ।
"जब बहु काल करिअ सतसंगा"—७/६०/४

बहुधा : अनेक प्रकार की ।
"धनहीन दुखी ममता बहुधा'—७/१०१छं०१

बाल : लड़का ।

"बाल बुझाए बिबिध बिधि"—१/६५/-
१/१६७/२, १/२००/५, १/२०२/६, १/२०४/-, १/२२०/३,
१/२३६/६, १/२५५/४, १/२६३/-, १/२७१/६, १/२७४/४,
१/२७४/५, १/३३६/८, २/२३/१, २/६४/-, २/११३/२,
२/११६/४, २/२८१/२, २/२८५/७, २/२९९/१, २/३०२/८,
३/१०/८, ३/१९छं०, ७/२/७, ७/७४क/-, ७/७६/-,
७/७६/२
प्रातःकाल ।
"हरति बाल रबि दामिनि जोती"—१/३२६/३
३/१८/-
मूर्ख ।
'सो श्रम बादि बाल कबि करहीं"—१/१३/८

बालक : लड़का ।
"बालक सब लै जीव पराने"—१/६४/५
१/२१५/१, १/२१८/२, १/२२३/८, १/२२४/८, १/२५२/२,
१/२७६/१, १/२७८/२, १/२६२/५, २/८८/२, २/११०/७,
२/१३६/-, २/१६६/६, ३/१८/११, ३/२१/६, ६/२०/५,
६/२३/१४, ६/४१/४, ७/१७/६, ७/२७/७, ७/३१/४,
७/७२/६
बच्चा ।
"जौं बालक कह तोतरि बाता"—१/७/६
१/१६१छं०, १/१६२/८, १/२००/७, २/८४/-, २/१२१/-,
७/५छं०
किशोर ।
"धरि बाँधहु नृप बालक दोऊ"—१/२६५/३

१/२७१/–, १/२८३/७, १/३३५/६, ३/४२/५, ३/४२/८, ७/७४/५

बाहु : भुजा।

"बाहु बिभूषन सुंदर तेऊ"—१/१४६/७

१/२०८/१, १/२१८/५, १/२४३/-, १/२६७/७, १/३२६/४, ३/३छं०, ३/१०/८, ३/३१छं०१, ३/३१छं०१, ३/३३/७, ६/१४/५, ६/२२क/–, ६/५२/१, ६/६०ख/–, ६/८१/१२, ६/१०२/२, ७/७६/१

हाथ।

"धावा बाम बाहु गिरिधारी"—६/६८/१०

६/१००छं०२ह

बिन्दु : बूंद

"रूप बिन्दु जल होहिं सुखारी"—२/१२७/७

६/७०छं०

कण।

"कनक बिंदु दुइ चारिक देखे"—२/१८८/३

बीज : मूल कारण।

"बीज सकल ब्रत धरम नेम के"—१/३१/४

५/५७/४

बुद्धि : विचार करने की शक्ति।

"बुद्धि रासि सुभ गुन सदन"—१/०१/-

१/३६/-, १/३८/८, १/१०८/–, १/१२०/३, १/१३३/६, १/१७८/१, १/३२२छं०२, २/२२/१, २/२५०/६, २/२५८/७, २/२८७/६, ५/१/१, ५/२/–, ५/१६/–, ५/१७/–, ५/५५/६, ६/१५क/–, ६/३६/७, ६/७३/१, ६/७४/८, ७/१७/६, ७/११७क/–, ७/११७ख/-, ७/११७/४, ७/११७/८, ७/११७/१०, ७/११७/१४, ७/११७/१६

बुध : विद्वान्।

"सादर कहहिं सुनहिं बुध ताही"—१/८/६

१/१४छं०, १/३०/५, १/६८/५, १/११५/१, १/११८/-, १/२५७/३, २/२०६/१, २/२३०/४, २/२७०/५, २/२७५/४,

२/२८७/६, ४/१३/३, ४/१४/८, ५/४०/१, ७/८९/६, ७/१०३/६

बुद्धिमान।

"तैसेहिं सुकबि कबित बुध कहहीं"—१/१०/३

१/१२/८, १/१३/८, २/१२६/७, २/२३०/४, २/२५५/२

चन्द्रमा-पुत्र।

"जनु बुध बिधु बिच रोहिनि सोही"—२/१२२/४

भक्त : अनुरागी।

"नमामि भक्त वत्सलं"—३/३छं०

३/१०/१३, ६/३३/४, ७/४४/२

भक्ति : सेवा।

"पदाब्ज भक्ति देहि मे"—३/३छं०

३/१५/८, ६/११०छं०, ६/११२छं०, ६/११२छं०ह, ७/१२छं०३, ७/४४/४, ७/४४/५, ७/१००ख/-

श्रद्धा।

"राम भक्ति जहँ सुरसरि धारा"—१/१/८

१/७६/५, ३/३छं०

भगिनी : बहिन।

"भगिनी मिलीं बहुत मुसुकाता"—१/६२/२

१/३२४छं०३, २/६४/१, ३/१८/५, ४/८/७

भट : युद्धवीर।

"पर अकाज भट सहसबाहु से"—१/३/३

१/१७८/१, १/१७८/४, १/१७९/७, १/२१५/-, १/२५०/-, १/२५१/६, १/२८३/१, १/३५६/-, २/१९१/१, २/१९२/-, २/२३४/७, ३/१७/८, ३/१८छं०, ३/१९छं०११, ३/१९छं०२ह, ३/१९छं०२ह, ३/१९छं०४ह, ३/३७/४, ५/२छं०३, ५/१७/२, ५/१७/५, ५/१८/४, ५/३४छं०१, ५/५३/८, ६/३/२, ६/१७/६, ६/२३ङ/-, ६/३३/११, ६/४०/६, ६/४१/-, ६/४५/३, ६/४५/५, ६/४६/७, ६/४८छं०, ६/६१/११, ६/६४/९, ६/६७/४, ६/६८/३, ६/७छं०, ६/८०/६, ६/८०/७, ६/८०छं०, ६/८४/३, ६/८७/४, ६/८७/६, ६/८७/८, ६/८९/३, ६/९५छं०, ६/९६छं०, ६/९७/२, ६/९७/१४, ६/९९/११, ६/१०१ख/-, ७/७१क/-

भय : डर।

"जो अवतरेउ भूमि भय टारन"—१/१६/७

१/२३/६, १/३०/८, १/४४/८, १/५५/१, १/६०/८,
१/८५/४, १/८४/६, १/८५/४, १/१०८/३, १/१८३/६,
१/१८३छं०, १/१८५छं०, १/१८८/४, १/१८८/४, १/२०१/७,
१/२०८ख/-, १/२१०छं०, १/२१७/२, १/२३३/७, १/२६८/१,
१/२८३/-, १/३२६छं०३, २/२४/१, २/६५/५, २/१५८/-,
२/२३०/१, २/२७५/३, २/२८५/-, २/३०१/५, ३/१/१,
३/१/३, ३/१/४, ३/४/१५, ३/२०/१, ३/२७/११,
३/२८क/-, ३/३१छं०, ३/३६/५, ३/३६/१०, ४/५/१२,
४/८/-, ४/१८/-, ४/१८/३, ४/१८/७, ४/२६/८,
५/२/८, ५/८/३, ५/१६/८, ५/२१/८, ५/३६/२,
५/३७/-, ५/४३/६, ५/४४/४, ५/४६/५, ५/४७/६,
५/५७/-, ६/५/१, ६/७/२, ६/७/४, ६/७/८,
६/१३/३, ६/१५/३, ६/१५/४, ६/१५/७, ६/१८/८,
६/२३क/-, ६/३१/४, ६/३४/१३, ६/४२/१, ६/४३/३,
६/५३/८, ६/६४/१०, ६/७२/१३, ६/८२/७, ६/१०८/६,
७/१४/१, ७/२०/-, ७/३७/२, ७/४२/६, ७/५१/८,
७/८८/८, ७/१००क/-, ७/१०३/४, ७/१११/१६, ७/१२१/१

भयहारी : भय को हरनेवाला।

"मम पन सरनागत भयहारी"—५/४२/८
५/४५/३

भयानक : डरावनी।

"मनहुँ भयानक मूरति भारी"—१/२४०/६
२/१५६/६

भयंकर : भयानक।

"नदी कुतर्क भयंकर नाना"—१/३७/८
१/१३३/८, १/१७५/७, ३/१६/१८, ३/१७/११, ६/१३/२,
६/१४/२, ६/८५/१

भय उपजानेवाली।

"समर भयंकर अति बल बीरा"—५/१५/८
६/८६छं०

भव : संसार ।

"समन सकल भव रुज परिवारू"—१/-/०२

१/-/०७, १/१/२, १/८छं०-, १/१४ङ/-, १/१४च/-, १/२३/६, १/३८/४, १/३१/३, १/४२/४, १/७८/५, १/११८/४, १/१२१/१, १/१२४ख/-, १/१५१/३, १/१८५छं०, १/१८५छं०, १/१८८/३, १/२१०छं०, १/२३४/८, २/१२३/-, २/१६६/७, २/२१६/२, २/२७६/१, २/२८७/३, २/३१३/२, २/३२५/८, २/३२६/-, ३/८/८, ३/८/१४, ३/१०/६, ३/१०/१०, ३/१०/१४, ३/१४/५, ३/२२/४, ३/३०/१, ३/३१छं०, ३/४४/५, ४/१/-, ४/३०क/-, ५/१८/३, ५/४५/-, ५/४६/६, ५/६०/-, ६/७३/-, ६/१०८/१२, ६/११०छं०, ६/११०छं०, ६/११०छं०, ६/११३/७, ६/११४छं०, ६/११८/८, ७/१२छं०, ७/१२छं०२, ७/१२छं०३, ७/१२छं०३, ७/१३छं०१, ७/१३छं०५, ७/१३छं०८, ७/१४/१, ७/१७/७, ७/२८/८, ७/३२/३, ७/३२/८, ७/३३/-, ७/३३/८, ७/३४/१, ७/३४/३, ७/४०/३, ७/४०/८, ७/४२/२, ७/४३/७, ७/४४/-, ७/५१/८, ७/५२/३, ७/५४/८, ७/५५/१, ७/५८/-, ७/७६/५, ७/८८/८, ७/८१क/-, ७/८२/५, ७/१०२/१, ७/१०२/२, ७/१०२/३, ७/१०२/४, ७/१०२/७, ७/१०३क/-, ७/१११/५, ७/११४/१३, ७/११७/२, ७/११८क/-, ७/१२२क/-, ७/१२४क/-, ७/१२५/१, ७/१२८/२, ७/१३०क/-

शिव ।

"भंजेउ राम आप भव चापू"—१/२३/६

१/७८/-, १/८८/७, १/२४४/३, ७/६८/६

उत्पन्न ।

"ईस अंस भव परम कृपाला"—१/२७/८

१/७८/५, १/२३४/८, २/१७६/१

भवन : महल ।

"पिता भवन उत्सव परम"—१/६१/-

१/६२/१, १/७७/-, १/१०१/१, १/१४२/-, १/१४४/८, १/१७१/२, १/१८४/७, १/२०८क/-, १/२८८/६, १/२८४/-, १/२८६/४, १/२८७/-, १/३११/३, १/३४४/७, १/३५१/७,

१/३५६/५, २/३७/५, २/५८/७, २/६०/४, २/६१/८, २/६८/५, २/७०/२, २/८८/७, २/१४६/५, २/१५८/३, २/१८५/२, २/३२५/२, ३/१८/६, ३/२२/-, ३/२५/१, ४/११/१०, ५/४/८, ५/१०/-, ५/११/६, ६/५/३, ६/८/४, ६/८/६, ६/२३/१६, ६/३५ख/-, ६/४३/२, ६/५४/८, ६/६०/७, ६/८४/५, ६/८८/१, ६/१०५/-, ६/११६/३, ७/८ख/-, ७/८ख/-, ७/८/२, ७/१५/५, ७/२६छं०

घर ।

"गएँ भवन पूछहिं पितु माता"—१/८४/६

१/८५/५, १/८७छं०, १/१३६/५, १/१७४/३, १/२१८/४, १/२८६/-, १/३५४/३, २/२३/२, २/४६/२, २/१११/-, ५/४७/४, ६/१३/५, ७/१८/२

निवास ।

"मंगल भवन अमंगल हारी"—१/८/२

१/५६/३, १/७८/-, १/८०/-, १/८८/५, १/१०२/१, १/१११/४, १/१८५/२, २/१३१/१

लोक ।

"भगति हेतु बिधि भवन बिहाई"—१/१०/४

५/१३/३, ५/३३/८, ६/८२छ०, ७/३५/-

धाम ।

"निज भवन गवनेउ सिंधु"—५/५८छं०

५/५८छं०, ७/८२ख/-, ७/११३क/-

कैलाश ।

"चले भवन सँग दच्छकुमारी"—१/४७/६

१/१०१छं०

मन्दिर ।

"गई भवानी भवन बहोरी"—१/२३४/४

भाग : हिस्सा ।

"जे पावत मख भाग"—१/६०/-

१/१०६/३, १/१४७/२, १/१८८/८, १/१८८/२, १/१८८/२, १/१८८/३

भागी : हिस्सेदार ।

"कलिमल रहित सुमंगल भागी"—१/१४/११

२/११/४, २/१६३/८

भाग्य : तकदीर ।

"चरन बंदि निज भाग्य सराही"—१/१५६/२

१/२१४/२, १/३१३/-, १/३२०/२, १/३५१/२, २/१०६/२,

७/१०/६

सौभाग्य ।

"मोर भाग्य राउर गुन गाथा"—१/३४१/३

२/२०५/४

भानु : सूर्य ।

"हेतु कृसानु भानु हिमकर को"—१/१८/१

१/६८/६, १/११६/२, १/११७/-, १/१६४/४, १/२३८/४,

१/२७३/२, १/२६८/४, १/३३४/-, २/१६/७, २/४६छं०,

२/५८/-, २/७३/३, २/६६/६, २/१६८/७, ४/२२/४,

५/८/-, ७/१०७छं०६, ७/१२०/२६

भामिनी : सौभाग्यवती स्त्री ।

"जनकसुता कइ सुधि भामिनी"—३/१५/१०

७/२/६

क्रोधवती स्त्री ।

"समुझि धौं जियँ भामिनो"—२/४६छं०

पत्नी ।

"राजत रामु सहित भामिनी"—६/११८/५

भार : बोझ ।

"बिस्व भार भर अचल छमा सी"—१/३०/१०

१/१३६/–, १/१८३/५, २/१६३/–, २/१६८/३, २/१६२/३,

२/२७८/–, २/२७६/–, ४/१/–, ५/३४छं०२, ५/२६/–,

६/५६/७, ६/११०छं०, ६/११२छं०, ७/१२छं०१, ७/५०/५,

७/६१/८

समूह ।

"मिटिहहिं पाप प्रपंच सब अखिल अमंगल भार"—२/२६३/-

६/५६/-

भारती : संरस्वती ।

"गावहिं जनु बहु बेष भारती"—१/३४४/६

वाणी ।

"भरत भारती मंजु मराली"—२/२९६/८

भाल : ललाट ।

"मेटत कठिन कुअंक भाल के"—१/३१/९

१/२४२/६, १/२६७/४, १/३२६/९, ७/७६/५, ७/१०७छं०६

मस्तक ।

"सोह बाल बिधु भाल"—१/१०६/-

१/२३२/३

सिर ।

'दस दस बान भाल दस मारे"—६/९१/८

भाव : भाता है ।

"जो जेहि भाव नीक तेहि सोई"—१/४/९

१/१४८/-, १/१६३/५, १/२१६/३, १/२४८/५, २/५२/१, २/९७/२, २/१०७/१, २/२७९/४, ५/३३/३, ५/४३/३, ५/४५/६, ६/११२छं०, ७/८३/२, ७/९२ख/-, ७/११९/१५, ७/१२८/-

भावना ।

"भजामि भाव वल्लभं"—३/३छं०

४/२२/४, ६/४४/४, ७/८७क/-, ७/९१छं०, ७/११६/११, ७/११९क/-

मनोदशा ।

'भाव भेद रस भेद अपारा"—१/८/१०

अवस्था ।

"सोइ सोइ भाव देखावइ"—७/७२ख/-

भावना : विचार ।

"जिन्ह कें रही भावना जैसी"—१/२४०/४

भावी : होनहार ।

"हरि इच्छा भावी बलवाना"—१/५५/६

१/६१/७, १/१६९/८, १/१७२/८, १/१७४/-, २/१८/१, २/१७१/-, २/२०६/६

भाषा : वचन ।

"होहि न मृषा देवरिषि भाषा"—१/६७/४

२/२८४/८

भाव प्रकाश करने का शब्दगत साधन ।

"भाषा भनिति भोरि मति मोरी"—१/८/४

बोली ।

"समुझइ खग खगही के भाषा"—७/६१/८

भाषी : कहनेवाले ।

"अंतरधान भए अस भाषी"—१/७६/७

१/३३८/३, २/१८/७, २/२१५/२, २/२२८/६, ६/५५/१, ७/१८/५, ७/१२७/१

भास : प्रतीति ।

"भास सत्य इव मोह सहाया"—१/११६/८

१/११७/-

भिन्न : अलग ।

"कहिअत भिन्न न भिन्न"—१/१८/-

१/१८/-, ५/४/८, ६/७०/४, ७/१२ख/-, ७/१२ख/-, ७/८०/१, ७/८०/१, ७/८०/६, ७/८०/६, ७/८१क/-, ७/८१क/-

परे ।

"भिन्न ज्ञान जो पावई"—७/४८/२

भिल्ल : एक जंगली जाति का नाम (भील) ।

"कोल किरात भिल्ल बनवासी"—२/२४८/१

२/३२०/२

भीति : भय ।

"ईति भीति जनु प्रजा दुखारी"—२/२३४/३

२/२५२/१

भीम : भयंकर ।

"बिबुध बैद भव भीम रोग के" —१/३१/३

६/६५/१०

भीरु : डरपोक।

"मृगलोचनि तुम्ह भीरु सुभाएँ"—२/६२/४
४/७/-, ५/५५/५, ६/२२/३
डरी हुई।
"जानि जानकी भीरु"—१/२७०/-

भुज : भुजा।

"भुज प्रताप बल तेज बिसाला"—१/८१/५
१/१०५/६, १/१६८/५, १/२१६/७, १/२३२/७, १/२३८/६,
१/२७१/८, २/११५/-, २/३१६/४, ३/६/-, ३/६/२२,
३/१०/१५, ३/१७छं०, ३/१६छं०, ३/१६छ०, ३/१६छं०१६०,
३/११/२, ४/८/१०, ४/२६/१२, ५/६/३, ५/६/४,
५/१०/४, ५/३१/-, ५/४०/४, ५/४४/४, ५/४५/२,
६/७/३, ६/६/६, ६/२४/१, ६/२४/४, ६/२५/२,
६/२७/३, ६/३२/७, ६/३७/६, ६/४३/७, ६/४५/-,
६/७७/६, ६/६१/१३, ६/६४छं०, ६/६६/३, ६/६७/१,
६/६७/२, ६/६८/२, ६/१०१ख/-, ६/१०२/१, ६/१०२/२,
६/१०२/७, ६/१०३/१२, ७/११छं०२, ७/१२छं०१, ७/५०/५,
७/७८/८, ७/७६ख/-
हाथ।
"गहि भुज लछिमन कंठ लगावा"—४/१६/६
६/७०छ०

भुजग : साँप।

"भुजग भूति भूषन त्रिपुरारी"—१/१०५/८
३/१७छं०

भुजा : बाहु।

"सत्य कहउँ दोउ भुजा उठाई"—१/१६४/५
१/२४६/-, १/२६८/७, १/२३६/१, ४/५/१४, ६/१८/५,
६/५२/६, ६/६६/६, ६/६६/११, ६/८०/६, ६/८७/२,
६/६१/११, ६/६७/-, ६/६७/६, ७/१३छं०२, ७/७८/७
हाथ।
"तिन्हहि धरन कहुँ भुजा पसारी"—६/६७/७

भुजंग : साँप।

"जिमि भुजंग बिनु रजु पहिचानें"—१/१११/१

भुवन : लोक ।
"सोइ रामु ब्यापक ब्रह्म भुवन"—१/५०छं०
१/२१२/८, १/२५६/१, १/२६०/८, १/२६०छं०, १/२८८/७, १/२९५/३, १/३१५छं०, १/३२४छं०१, २/०/२, २/९७/३, २/१७२/५, २/१८८/५, २/१९४/-, ४/१/-, ४/५/१२, ५/३७/७, ६/५४/१
ब्रह्माण्ड ।
"सकल भुवन भरि रहा उछाहू"—१/१००/६
१/२२४/४, १/२६१/७, ७/८०/६, ७/८१क/-, ७/८१ख/-, ७/८१ख/-
विश्व ।
"कीरति रही भुवन भरि पूरी"—१/३५६/३
२/१९५/२

भू : पृथ्वी ।
"कमठ भू भूधर लसे"—६/९०छं०/-
६/९५छं०

भूत : एक विशेष योनि ।
"प्रेत पिसाच भूत बेताला"—१/८४/६
१/९३/-, १/९४छं०, १/११४/७, ३/१९छं०; ६/८७/१, ६/८७/७, ६/१००छं०१, ७/८०/२
प्राणी ।
"भूत द्रोह रत मोहबस"—७/७८/-
७/१०७छं०१४, ७/१२५/६

भूतल : पृथ्वी ।
"भूतल भूरि निसान" —१/१/-
२/२३७/८, २/२३९/२, ६/३१/५, ६/६४/८

भूति : अपवित्र राख ।
"भव अंग भूति मसान की"—१/९छं०
१/१०५/८, १/२६७/४
ऐश्वर्य ।
"मति कीरति गति भूति भलाई"—१/२/५
२/७१/७
सम्पत्ति ।
"कीरति भनिति भूति भलि सोई"—१/१३/९

भूधर : पहाड़।

"भुवन चारिदस भूधर भारी"—२/७/२

५/-/०५, ६/५२/३, ६/६४/४, ६/७०/७, ६/७८छं०, ६/८५ छं०; ६/८०छं०, ६/८७/१३, ६/८८/११, ६/८८छं०, ६/१०२/५, ७/३३/४

पृथ्वी को धारण करनेवाले।

"जय इंदिरा रमन जय भूधर"—७/७८/६

भूपति : राजा।

"सचिव सुभट भूपति बिचार के"—१/३१/६

१/१३०/-, १/१५८/-, १/१६०/६, १/१६३/६, १/१६७/२; १/१७१/५, १/१७४/-, १/१८८/१, १/१८६/३, १/२०२/८, १/२२१/३, १/२५०/७ १/२८३/१, १/२६४/-, १/३००/३, १/३२०/३, १/३२४छं०३, १/३३८/५, १/३४४/७, १/३५०/४, १/३५१/६, १/३५२/७, १/३५७/८, १/३५८/४, १/३६०/-, २/२१/७, २/८०/५, २/८८/३, २/८८/७, २/१५८/२, २/१६१/८, २/१७३/१, २/२६१/१, २/२८१/७

भूमि : पृथ्वी।

"जो अवतरेउ भूमि भय टारन"—१/१६/७

१/३५/३, १/१३२/४ १/१५४/१, १/१८३छं०, १/१८६/-, १/१८६/७, १/१८७/१, १/२०७/३, १/२२३/१, १/२५१/२, १/२७१/७, २/२४/६, २/६२/-, २/८३/-, २/११२/८, २/१३५/१, २/१७८/७, २/२६३/१, २/२७८/२, २/३१०/४, २/३११/२, ३/४०/-, ४/०/८, ४/१३/३, ४/१३/६, ४/१४/-, ४/१७/-, ४/२३/५, ४/२७/४, ५/५६/२, ६/११/५, ६/१३/१, ६/१७/५. ६/३४ख/-, ६/४१/८, ६/५०/-, ६/६५/७, ६/७०/२, ६/७०/७, ६/७०छं०, ६/७३/७, ६/८३/१, ६/८०/७, ६/८१छं०, ६/८२/३, ६/८६/८, ६/८६छं०, ६/१०२/५, ६/१०३/६, ६/११३/१, ७/४क/-, ७/४/७, ७/२१/१, ७/७८/६

भूरि : बहुत।

"भूतल भूरि निधान"—१/१/-

१/२१४/-, १/२२२/-, २/७/१, २/५८/-, २/२१३/५, २/२२५छं०, २/३१३/५, ३/२८/४, ५/१८/-, ७/१०१छं०

महान् ।

"सकल सुकृत फल भूरि भोग से"—१/३१/१३

२/७४/-, २/११२/८, २/२४१/-, ७/१३छं०२

ढेर के ढेर ।

"मनि बसन भूषन भूरि बारहिं"—१/३१८छं०

भृकुटि : भौंह ।

"भृकुटि मनोज चाप छबि हारी"—१/१४६/४

१/१४७/४, १/१८८/५, १/२१८/८, १/२३२/४, १/३२६/८, ३/२७/४, ५/१८/७, ६/१४/२, ६/३४/७, ६/६५/२, ७/७६/६

भृकुटी : भौंह ।

"भृकुटी बिकट मनोहर नासा"—१/२४२/५

१/२६७/-, १/२६७/६

भृङ्ग : भौंरे ।

"हरष लोचन भृङ्ग"—१/२५४/-

१/२८७/५, २/२४८/-, ३/७/-, ३/२४/७, ३/३१छं०३, ५/५६ख/-, ७/१३छं०, ७/५६/-

भेक : मेढक ।

"भय भंजनि भ्रम भेक भुअंगिनि"—१/२०/८

१/२७/४, ५/३६/-

भेद : अंतर ।

"नाम भेद बिधि कीन्ह"—१/७ख/-

३/१४/-, ३/१४/४, ६/२०/१० ७/२२/-, ७/३६/५, ७/७७/५, ७/७७/८, ७/११६ख/-, ७/११७/२

प्रकार ।

"भाव भेद रस भेद अपारा"—१/८/१०

१/८/१०, २/२४८/३

रहस्य ।

"बिभव भेद कछु कोउ न जाना"—१/३०६/२

३/८/२, ५/४२/७, ५/४३/६, ६/१११/६, ७/७८/३

विरोध ।

"देखि मोहि जियँ भेद बढ़ावा"—४/५/१०

राजनीति के चार उपायों में से एक।
"साम दान भय भेद देखावा"—५/८/३
छेद।
"सप्तावरन भेद करि"—७/७९ख/-

भेरि : भेरी।
"भेरि ढोल दुंदुभी सुहाई"—१/२६२/१
१/३४३/१, ३/३७/६, ६/४०/३, ६/७८/६

भेरी : एक प्रकार का बाजा।
"मुर्खहि निसान बजावहिं भेरी"—६/३८/१०

भेषज : ओषधि।
"ग्रह भेषज जल पवन पट"—१/७क/-
४/३०क/- ६/६/५, ७/१२१ख/-, ७/१२४क/-

भोग : सुख।
"जोग भोग महँ राखेउ गोई"—१/१६/२
१/३१/१३, १/१०२/५, १/१५१/-, १/३०६/-, २/६४/५, २/८३/८, २/६१/५, २/११८/५, २/१७८/७, २/१८८/-, ७/१०१छं०
संभोग।
"भोग बिभूति भूरि भरि राखे"—२/२१३/५
२/३२२/-, २/३२३/५, ६/४१/८, ७/११७/१५
ऐश्वर्य।
"गुनातीत अरु भोग पुरन्दर"—७/२३/२

भोगी : आहारी।
"नाम प्रसाद ब्रह्मसुख भोगी"—१/२५/२
३/२२/२, ६/४४/३
विषयासक्त।
"समुझि कामसुख सोचहिं भोगी"—१/८६/८
आनन्द लेनेवाला।
"आननरहित सकल रस भोगी"—१/११७/६

भंग : खंड।
"अंग भंग करि पठइअ बंदर"—५/२३/६
५/५१/३

टूटना ।
"चोंच भंग दुख तिन्हहि न सूझा"—६/३८/१०
इशारा मात्र ।
"भृकुटि भंग जो कालहि खाई"—६/६५/२
नाश ।
"बालि प्रान कर भंग"—७/६६क/-

भंजन : नाश करनेवाले ।
"भगत बिपति भंजन सुख दायक—१/१७/१०
१/२३/६, १/६८/७, १/११८/७, १/१२४ख/-, १/१३८/-,
१/१८५छं०, २/३२५/८, ३/१०/१०, ३/३०/१, ३/४४/५,
४/१/-, ५/३८/४, ५/३८/५, ५/४५/-, ६/२८/५,
६/८३/१, ६/११०छं०, ६/११२छं०ह, ७/२८/८, ७/३३/६,
७/४२/२, ७/५०/३, ७/१२८/२
उतारनेवाले ।
"नौमि राम भंजन महि भार"—३/१०/१२
३/२२/३, ७/२८/१०

भ्रम : अयथार्थ ज्ञान ।
"निज संदेह मोह भ्रम हरनी"—१/३०/४
१/३०/८, १/४६/१. १/५१/३, १/५२/१, १/८७/८,
१/१०७/४, १/१११/२, १/११२/-, १/११५/-, १/११५/४,
१/११६/१, १/११७/-, १/११७/३, १/११८/५, १/११८/७,
१/१३३/६, १/१४०/५, १/१७२-/, १/२८४/२, २/८१/५,
२/८२/५, २/२८५/-, ३/१४/-, ४/७/५, ४/१७/-,
५/२१/८, ५/५८/१, ७/६३/२, ७/७३ख/-, ७/७४ख/-,
७/८५क/-, ७/८४ख/-, ७/११४/६; ७/११७/२
मोह ।
"भय भ्रम भंवर अवर्त अपारा"—२/२७५/३
३/४४/३, ६/३६/८, ६/४४/६, ६/११४छं०, ७/३५/३,
७/५४/८; ७/७८/४
संदेह ।
"सोइ भ्रम अब हित करि मैं माना"—७/६८/२
७/७२/४

भ्रमि : घूमना ।

"मैं खगेस भ्रमि भ्रमि जग माहीं"—७/८५/८
७/८५/८

भ्रमित : चक्कर खाया हुआ ।

"भयउँ भ्रमित मन मोह बिसेषा"—७/८१/८

भ्रष्ट : दूषित आचारवाला ।

"अस भ्रष्ट अचारा भा संसारा"—१/१८२ छं०
७/१०६/४

भ्राता : भाई ।

"आगे राम सहित श्री भ्राता—१/५६/४
१/१७८/३, १/२०३/३, १/२१४/७, १/२१६/२, १/२१७/-, १/२१८/१, १/२२०/८, १/२३०/४, १/२४१/५, १/२७६/६, १/२८४/६, १/२६०/१, १/२६७/२, १/३०७/८, १/३४०/२, १/३५७/७, २/३०/७, २/८६/-, २/६१/४, २/१११/३, २/१३४/३, २/१५८/८, २/१६३/४, २/२०७/२, २/२१६/५, २/२४४/४, २/२५५/४, २/३०७/६, ३/१/८, ३/४/५, ३/१६/५, ३/१६/११, ३/२१/७, ३/२७/३, ३/३७ख/-, ४/२५/२, ५/७/४, ५/३८/४, ५/४४/२, ६/४८/१, ६/६०/८, ६/६१/३, ६/८३/६, ७/१/१२, ७/१६/३, ७/३६/६, ७/४०/५, ७/४८/२, ७/८०/७
सगा भाई ।

"भ्राता पिता पुत्र निज जैसे"—३/४/१३
३/१७/२, ४/७/५, ५/३७/२, ५/४४/७, ६/४८क/-

भ्रू : भृकुटी ।

"सोइ प्रभु भ्रू बिलास खगराजा"—७/७१/२

मकर : मगर ।

"संकुल मकर उरग झष जाती"—५/४६/६
५/५७/७, ६/३/५, ६/४६/८
बारह राशियों में से एक राशि ।
"मकर मज्जि गवनहि मुनि वृंदा"—१/४४/२
१/४४/३
मछली ।

"कुण्डल मकर मुकुट सिर भ्राजा"—१/१४६/५

मकरी : मगरी ।
"मकरी तब अकुलान"—६/५७/-

मख : यज्ञ ।
'जे पावत मख भाग"—१/६०/-
१/६४/-, १/८२/२, १/१६८/२, १/१८०/८, १/१८२छं०, १/२०६/२, १/२१६/-, १/२२०/४, १/३५६/२, ३/२४/५, ६/७४/२, ६/७४/४, ६/८४छ०, ६/११७ख/-, ७/४५/१, ७/५५/४, ७/६४/५, ७/६५/७, ७/१०१ख/-, ७/१०२ख/-, ७/१२५/५
यज्ञशाला ।
"भयउ सकल मख हाहाकारा"—१/६३/८

मघवा : इन्द्र ।
"मघवा महा मलीन"—२/३०१/-

मघा : नक्षत्र-विशेष ।
"मानहुँ मघा मेघ झरि लाई"—६/७२/३

मज्जा : नली की हड्डी के भीतर भरा स्नेह-रूप पदार्थ ।
"मज्जा बहु बह फेन"—६/८७/-

मति : बुद्धि ।
"मति कीरति गति भूति भलाई"—१/२/५
१/७/५, १/७/६, १/७/७, १/८/४, १/८/६, १/१०/८, १/११/६, १/११/१०, १/१४ख/-, १/१४ख/-, १/१७/८, १/२७/७, १/२८/३, १/३०/१, १/३५/२, १/४३क/-, १/४७/-, १/१०७/४, १/१०८/-, १/११३/५, १/११७/४, १/१२०घ/-, १/१३४/५, १/१४०/६, '१/१७१/-, १/१७१/७, १/१७२/८, १/१७६/८, १/१८७/८, १/१६१छं०, १/१६१छं०, १/१६२/४, १/१६५/३, १/२१०छं०, १/२४८/३, १/२५७/६, १/२८३/६, १/२८८/४, १/३२२/१, २/११/५, २/१२/-, २/१६/२, २/४४/-, २/५४/३, २/६०/६, २/८४/६, २/१००/५, २/११५/१, २/११५/२, २/१४४/३, २/१६१/३, २/२०६/-, २/२४०/३, २/२४३/७, २/२५६/२, २/२५७/७, २/२६७/३, २/२७४/५, २/२८१/२, २/२८२/४,

२/२८५/८, २/२८७/५, २/२८८/-, २/२६४/२ २/२६४/४, २/२६४/५, २/२६४/६, २/२६६/३, २/३०२/२, २/३०२/८, २/३०३/१, २/३०८/५, २/३१७/१, ३/०/१, ३/४/-, ३/१०/२, ३/१४/१, ४/३/-, ४/६/३, ४/२८/१, ५/३७/४, ५/५५/४, ६/१/८, ६/८/-, ६/६/२, ६/११/४, ६/१६/४, ६/२१/२, ६/२३/६, ६/२८/३, ६/५१/-, ६/११०छं०, ६/११५/४, ७/५१/१, ७/५४/-, ७/५४/७, ७/५६/६, ७/६२/१, ७/७०/६, ७/७२/२, ७/८१/७, ७/६०/१, ७/६०/४, ७/६१छं०, ७/६४/२, ७/६५/१०, ७/६७क/- ७/१०१छं०, ७/१०५क/-, ७/१०६/७, ७/११२/२, ७/११२/३, ७/११५क/-, ७/१२१/७, ७/१२६/७, ७/१२७/१

मतिभ्रम : बुद्धि का भ्रम।

"मतिभ्रम मोर कि आन बिसेषा"—१/२००/७

५/२३/४, ६/१५/८

मतिमंद : मंदबुद्धि।

"जे मतिमंद बिमोह बस"—१/४६/-

१/१०३/-, २/२६/-, २/५०/२, ३/१/१२, ३/३४/३, ६/३/-, ६/२८/६, ६/२६/-, ६/४४/६, ६/१२०छं०२, ७/७२/८, ७/१२६छं०३

मूर्ख।

"सुनु मतिमंद लोक बैकुंठा"—६/२५/८

मत्त : मतवाला।

"रन मद मत्त फिरइ जग धावा"—१/१८१/६

१/२११/७, १/२५४/५, १/२६७/-, १/२६६/२, १/३२१छं०, १/३३२/७, २/२३५/५, ६/११/२, ६/१६/-, ६/२४/७, ६/६६/५, ६/७८/३, ६/७८छं०, ६/६४छं०, ७/६६/३

मत्सर : डाह

"काम क्रोध मद मत्सर भेका"—३/४३/३

७/३०/६, ७/१२०/३७

मद : गर्व।

"प्रभुता पाइ जाहि मद नाहीं"—१/५६/८

१/८८/१, १/१२१/६, १/१२४ख/-, १/१२८ख/-, १/१५१/३, १/१८०/४, १/२६८/८, १/२८४/२, २/१२८/१, ३/१०/१३, ३/१५/१२, ५/२०/८, ५/२२/३, ५/३८/-, ५/३८क/-, ५/४६/१, ५/४७/३, ६/१६क/-, ६/३४ख/-, ६/३४/१०, ६/३६/५, ७/५०/८, ७/५३/७, ७/७०ख/-, ७/७०/१, ७/७३क/-, ७/८६/८, ७/८२ख/-

अहंकार।

'प्रीति प्रनय बिनु मद ते गुनी'—३/२०/११

३/३८/३, ३/४३/-, ३/४३/३, ३/४५/६, ३/४६ख/-, ४/१४/८, ४/१५/४, ४/१७/६, ६/११०छं०, ६/११४छं०, ७/१३छं०३, ७/२३/८, ७/३०/६, ७/३३/८, ७/३८/५, ७/४६/-, ७/११२ख/-, ७/१२०ख/-, ७/१२०/३५

नशा।

"जिमि मद उतरि गएँ मतवारे"—१/८५/३

१/११४/८, १/१८१/८, ४/१८/७, ६/६६/५, ६/१०८/८, ७/८६/३, ७/१०१क/-

उन्माद।

"सुनत नसाहिं काम मद दंभा"—१/३४/६

१/३७/८, १/४२/५, १/७५/-

मदिरा।

"मद अरु महिष अनेक"—६/६३/-

मदन : कामदेव।

"रुद्रहि देखि मदन भय माना"—१/८५/४

१/८८/१; १/८०/१, १/१२५/१; १/१२५/६; १/१२६/२; १/१८८/७, १/२२८/२; १/३२४/४; १/३४४/१, १/३४४/५; १/३४५/६; २/११४/६, २/१२२/३, ३/३७क/-; ५/४४/५

काम।

"सब के हृदयँ मदन अभिलाषा"—१/८४/१

१/८४/५, १/८५छं०

मधु : शहद।

"देखि लागि मधु कुटिल किराती"—२/१२/४

२/२१/३, २/७५/४, २/२४८/१, ४/१२/१

चैत का महीना।

"तौमी भौम बार मधु मासा"—१/३३/५
१/१६०/१
पुष्पराज ।
"गुंजत चंचरीक मधु लोभा"—५/२/६
७/२२/५
दैत्य-विशेष ।
"अतिबल मधु कैटभ जेहिं मारे"—६/५/७
६/४८क/-
वसंत ऋतु ।
"जनु मधु मदन मध्य रति लसई"—२/१२२/३
मधुर ।
"अंगद संमत मधु फल खाए"– ५/२७/७

मधुकर : भौंरा ।

"मधुकर सरिस संत गुनग्राही"—१/६/६
१/१६/८, १/४०/-, १/२३८/२; २/१३६/८ ३/२६/६, ३/३७क/-, ३/३७/६, ४/१२/४; ४/१६/३, ४/२६छं०, ७/२७/३

मधुप : भौंरा ।

"लुबुध मधुप इव तजइ न पासू"—१/१६/४
१/६५/१, १/१४६/५, १/१४७/१, १/२१०छं०, १/२३१/-; १/३२३छं०२, १/३२६/२, २/१२३/७, ३/१३/३, ३/२६/१०, ४/१२/१; ६/६७/८, ७/२८छं०; ७/५०/२

मधुपर्क : दूध, घी, शहद, जल, शक्कर का योग ।

"मधुपर्क मंगल द्रव्य जो जिहि"—१/३२२ छं०१

मधुर : कानों के प्रति मीठा ।

"तिन्ह कहँ मधुर कथा रघुबर की"—१/८/६
१/३५/-, १/८८/८, १/६८छं०, १/१३५/५, १/१६८/६, १/२२४/३, १/२२४/८, १/२६०/३, १/३२८/-, २/३६/४, २/५०/-, २/५१/६, २/५३/१, २/५७/५, २/७८/-, २/६१/३, २/११६/४, २/११७/४ २/१२७/२, २/१५०/५, २/२२१/६, ३/१३/३, ३/३६/१, ५/१२/४, ६/१२/७, ७/३ख/-, ७/२७/४, ७/३८/८, ७/६२/८, ७/५७/७

जिह्वा के प्रति मीठा।
"जो मन भाव मधुर फल खाऊ"—२/५२/१
२/१२४/३, ४/२४/३, ५/१७/-, ६/४/६, ७/१२छं०५,
७/५६/-
नेत्रों के प्रति मीठा।
"आखर मधुर मनोहर दोऊ"—१/१८/१
१/२००/८, १/२१४/८, १/३३६/५, २/८८/८, २/३२५छं०
सुन्दर।
"कल गान मधुर निसान"—१/३१७छं०
हल्का।
"मधुर मधुर गरजइ घन घोरा"—६/१२/२
६/१२/२

मधुरता : मीठापन।
"सोइ मधुरता सुसीतलताई"—१/३५/६
७/१२०क/-

मध्य : बीच।
"मध्य मंडप सिव जहाँ"—१/८८छं०
१/१२६/७, १/२३४/७, १/२६०/८, १/२६३/१, १/२६३/१,
१/३२२/-, २/१२२/३, २/२३६/३, २/२३८/-, ६/३४/४,
६/१००छ०८, ६/१००छं०१ह, ७/६०/६
भीतर।
"संबत मध्य नास तव होऊ"—१/१७३/३
६/३३/३, ७/५३/३
उदासीन।
"बूझि मित्र अरि मध्य गति"—२/१८२/-
मझला।
"नारि पुरुष लघु मध्य बड़ेरे"—२/३१८/८

मध्यम : बीच का।
"उत्तम मध्यम नीच लघु"—१/२४०/-
२/२७३/३, ३/४/१३
उदासीन।
"हित अनहित मध्यम भ्रम फंदा"२/८१/५

मन : चित्त।

"जन मन मंजु मुकुर मल हरनी"—१/-/०४

१/२/-, १/७/६, १/३/४, १/७/८, १/७/९,
१/९/८, १/९छं०, १/११/१२, १/१५/७, १/१६/४,
१/१७/९, १/१९/८, १/२२/-, १/२२/३, १/२३/७,
१/२४/४, १/२६/४, १/३०/२, १/३१/७, १/३१/१२,
१/३१/१४, १/३२/५, १/३४/८, १/३४/१३, १/३६/१,
१/३८/८, १/३९/५, १/४०/६, १/४३क/-, १/४३/६,
१/४६/३, १/४८ख/-, १/५०/४, १/५०छं०, १/५१/१,
१/५१/५, १/५५/३, १/५८/-, १/५८/५, १/५८/८,
१/६१/१, १/६७/५, १/६९/७, १/७१/५, १/७४/७,
१/७८/४, १/८२/५, १/८३/-, १/८५/- १/८५/५,
१/८५/८, १/८५छं०, १/८६/१, १/८६/४ १/८९/४,
१/९२/३, १/९३छं०, १/९९/७, १/१०४/२, १/१०८/४,
१/१०८/५, १/१०८/७, १/१०९/१, १/११०/६, १/१११/-,
१/११२/-, १/११४/१, १/१२०/३, १/१२३/८, १/१२४/२,
१/१२४/४, १/१२४/७, १/१२६/-, १/१२६/१ १/१२६/४,
१/१२६/५, १/१२७/२, १/१२८/१, १/१२८/४, १/१३०/६,
१/१३२/६, १/१३३/५, १/१३५/२, १/१३५/६, १/१३६/३,
१/१३८/१, १/१४०/-, १/१४१/-, १/१४३/- १/१४५/४,
१/१४५/५, १/१४७/१, १/१४८/-, १/१४९/७, १/१५०/२,
१/१५५/२, १/१५७/४, १/१६१/६, १/१६२/१, १/१६३/४,
१/१६३/५, १/१६५/४, १/१६५/८, १/१६७/३, १/१७१/३,
१/१७३/७, १/१७६/६, १/१८३छं०, १/१८४/-, १/१८४/८,
१/१८५/-, १/१८५छं०, १/१८५छं०, १/१८७/१, १/१८८/१,
१/१८९/४, १/१९०/३, १/१९१छं०, १/१९२/४, १/१९२/६,
१/१९४/४, १/१९५/५, १/१९५/७, १/१९६/-, १/१९८/३,
१/१९८/६, १/१९९/६, १/२००/६, १/२०२/५, १/२०३/२,
१/२०४/६, १/२०४/८, १/२०५/१, १/२०५/५, १/२०५/६,
१/२०६/७, १/२०७/-, १/२१०छं०, १/२१०छं०, १/२१०छं०,
१/२१०छं०८, १/२१२/१, १/२१५/७, १/२१६/३, १/२१७/२,
१/२२४/६, १/२२७/१, १/२२७/५, १/२३०/-, १/२३०/६,
१/२३१/-, १/२३१/८, १/२३३/६, १/२३५/७, १/२३५छं०,

१/२३६/८, १/२४४/२, १/२४५/१, १/२४८/२, १/२४६/५,
१/२४६/८, १/२५३/३, १/२५६/५, १/२५७/८, १/२५८/४,
१/२६०/५, १/२६३/३, १/२६५/-, १/२६५/१, १/२६६/६,
१/२६६/५, १/२६६/७, १/२७६/३, १/२७६/७, १/२७६/८,
१/२८०/४, १/२८३/८, १/२८४/५, १/२८८/६, १/३०३/७,
१/३०६/५, १/३१०/८, १/३१४/४, १/३१५/४, १/३१८/-,
१/३१८/१, १/३१६छं०, १/३२०छं०, १/३२२/३, १/३२२छं०१
१/३२२छं०२, १/३२३छं०१, १/३२३छं०२, १/३२४छं०१, १/३२६/२,
१/३२६छं०४, १/३२६/३, १/३२६/४, १/३३४/७, १/३३५/-,
१/३३५/६, १/३४०/४, १/३४०/७, १/३४२/३, १/३४७/४,
१/३५१/४, १/३५१/७, १/३५८/६, १/३६०/-, १/३६०/२,
२/२/-, २/२/७, २/३/-, २/३/४, २/३/६,
२/७/२, २/६/८, २/१२/७, २/१४/४, २/१७/-,
२/२०/४, २/२६/-, २/२६/१, २/२६/१, २/३२/२,
२/३३/-, २/४०/५, २/४१/४, २/४३/६, २/४४/३,
२/५२/१, २/६०/१, २/६३/७, २/६६/३, २/७०/२,
२/७१/८, २/७२/५, २/७४/-, २/७४/६, २/७५/१,
२/७५/४, २/८३/५, २/८६/७, २/६१/८, २/६२/६,
२/६७/२, २/६८/२, २/१०१/३, २/१०५/८, २/१०७/-,
२/१०८/२, २/१०८/३, २/१०६/-, २/१०६/३, २/१०६/८,
२/११३/८, २/११४/३, २/११५/२, २/११६/२, २/११७/७,
२/११८/-, २/११८/१, २/११६/३, २/१२२/३, २/१२३/८,
२/१२४/५, २/१२७/१, २/१२८/५, २/१२६/-, २/१२६/५,
२/१२६/८, २/१३०/-, २/१३०/८, २/१३१/-, २/१३१/१,
२/१३६/-, २/१३७/८, २/१३८/८, २/१४४/१, २/१४४/६,
२/१४८/७, २/१४६/७, २/१५१/४, २/१५२/६, २/१५३/५,
२/१५७/-, २/१५७/५, २/१५८/-, २/१५८/६, २/१५६/-,
२/१५६/८, २/१६१/२, २/१६५/१, २/१६६/७, २/१६८/-,
२/१७१/२, २/१७६/३, २/१७७/२, २/१८२/२, २/१८४/१,
२/१८७/२, २/१८८/३, २/१६४/५, २/१६५/८, २/१६७/६,
२/१६६/७, २/२०१/-, २/२०४/८, २/२०७/३, २/२११/२,
२/२१२/४, २/२१६/३, २/२१६/३, २/२२१/५, २/२२३/३,
२/२२५/५, २/२२६/-, २/२२६/४, २/२२७/५, २/२३२/७,

२/२३३/४, २/२३५/६ २/२३८/१, २/२३८/५, २/२४०/१
२/२४ /२, २/२४१/५, २/२४१/७, २/२४५/१, २/२५१/८,
२/२५२/७, २/२५५/५, २/२५६/५, २/२५८/७, २/२६३/७,
२/२६४/२, २/२६५/२, २/२६५/४, २/२६५/७, २/२६६/२,
२/२६७/१, २/२६८/२, २/२६८/७, २/२६९/-, २/२६९/२,
२/२७२/२, २/२७४/४, २/२७४/४, २/२७६/४, २/२७७/-,
२/२७९/२, १/२८०/१, २/२८३/२, २/२८३/४, २/२८४/४,
२/२८६/७, २/२८७/२, २/२८८/४, २/२९१/४, २/२९५/-,
२/२९७/७, २/३००छं०, २/३०१/५, २/३०९/२, २/३०६/४,
२/३०७/१, २/३०९/८, २/३१०/४, २/३११/४, २/३११/५,
२/३१२/२, २/३१५/१, २/३१५/२, २/३१६/५, २/३१६/७,
२/३१७/-, २/३२०/५, २/३२०/५, २/३२१/२, २/३२३/५,
२/३२५छं०, ३/१/३, ३/२/२, ३/२/८, ३/४/२,
३/४/१०, ३/४/१२, ३/५छं०, ३/६क/-, ३/७/५,
३/९/२, ३/९/६, ३/९/१६, ३/१०/२२, ३/१४/१,
३/१४/३, ३/१५/८, ३/१५/९, ३/१६/-, ३/१९छं०,
३/२२/५, ३/२४/-, ३/२५/८, ३/२५छ०, ३/२६/१५,
३/२७/५, ३/२७/१६, ३/२९/३, ३/२९/१३, ३/३०/९,
३/३१छ०२, ३/३१छं०४, ३/३३/-, ३/३३/३, ३/३४/७,
३/३६/-, ३/३६/३, ३/३७/२, ३/३८क/-, ३/३८/२,
३/४०/५, ३/४२ख/-, ३/४६ख/-, ४/०२/-, ४/०/५,
४/३/८, ४/४/७, ४/५/१३ ४/६/५, ४/६/७,
४/६/१४, ४/६/१५, ४/६/२०, ४/९छं०, ४/१३/१,
४/१४/२, ४/१६/४, ४/१९/७, ४/२०/८, ४/२२/३,
४/२३/-, ४/२३/४, ४/२५/१, ४/२६/६, ४/२६/७,
४/२८/२, ४/२८/५, ५/२/७, ५/२छं०२, ५/३/-,
५/६/-, ५/६/३, ५/८/-, ५/८/८, ५/११/-,
५/१२/४, ५/१२/६, ५/१२/८, ५/१३/-, ५/१३/-,
५/१५/९, ५/१६/१, ५/१६/९, ५/१९/-, ५/१९/८,
५/२४/३, ५/२८/२, ५/२८/७, ५/२९/७, ५/३०/४,
५/३१/२, ५/३१/६, ५/३१/७, ५/३२/३, ५/३४छं०१,
५/४१/४, ५/४२/-, ५/४४/५, ५/४४/६, ५/४५/२,
५/४६/-, ५/४६/४, ५/४७/६, ५/४८/७, ५/४९/२,

५/५०/२, ५/५०/३, ५/५०/४, ५/५०/५, ५/५५/३,
५/५५/६, ५/५५/७, ५/५९/६, ६/०१/-, ६/०/६,
६/३/१, ६/३/७, ६/८/२, ६/८/७, ६/१३/८,
६/१५क/-, ६/१५/८, ६/१६/५, ६/१८/७, ६/२०/१८,
६/२८/३, ६/२९/४, ६/३४ख/-, ६/३४/३, ६/३५/१,
६/३६/६, ६/४०/२, ६/४२/५, ६/४५/१, ६/४८/४,
६/५३/६, ६/५६/-, ६/५७/६, ६/५८/-, ६/५८/२,
६/५८/४, ६/५८/६, ६/५९/२, ६/५९ ४, ६/५९/७,
६/६०ख/-, ६/६३/४, ६/६३/६, ६ ६४/-, ६/६५/९,
६/६८/१, ६/७०/११, ६/७४/२, ६/७५/१४, ६/७७/४,
६/७८/-, ६/७९/२, ६/७९/९, ६/८४/८, ६/८४छं०,
६/८७/-, ६/८८/४, ६/८८छं०, ६/९८/३, ६/९८छं०,
६/९९/४, ६/९९/६, ६/१०४/४, ६/१०५/-, ६/१०७/९,
६/१०८/१, ६/१०८/७, ६/१०९/१०, ६/११०छं०, ६/१११/६,
६/११२/-, ६/११३/७, ६/११४छं०, ६/११४छं०, ६/११६घ/-,
६/११६/७, ६/११८/२, ६/११८/८, ६/१२०/९, ६/१२१ख/-,
७/०२/-, ७/०३/-, ७/०४/-, ७/०/१, ७/१क/-,
७/१/२, ७/३क/-, ७/४छं०२, ७/६ख/-, ७/७/-,
७/११/१, ७/११छं०२, ७/१२छं०६, ७/१५/१, ७/१६/७,
७/१८/३, ७/१९/२, ७/२१/८, ७/२३/४, ७/२५/-,
७/२६/६, ७/२७/-, ७/३०/२, ७/३२/२, ७/३४/-,
७/३४/४, ७/३४/७, ७/३५/६, ७/३७/३, ७/४३/२,
७/४४/३, ७/४४/७, ७/४५/२, ७/४९/१, ७/५२ख/-,
७/५२/४, ७/५५/-, ७/५५/५, ७/५५/८, ७/५५/१०,
७/५८/२, ७/५८/३, ७/५८/५ ७/५९/३, ७/६२/२,
७/६३/६ ७/६३/९, ७/६४/-, ७/६७/८, ७/६९क/-,
७/७३ख/-, ७/७४/१, ७/७७/१, ७/८१/८, ७/८२/६,
७/८३/२, ७/८३/३, ७/८३/८, ७/८५ख/-, ७/८५/२,
७/८६/२, ७/८६/४, ७/८६/८, ७/८७/२, ७/८७/३,
७/८७/७, ७/९२/२, ७/९३/६, ७/९४/४, ७/९५/१,
७/९६/२, ७/९८ख/-, ७/१०३/२, ७/१०३/६, ७/१०४क/-,
७/१०८/९, ७/१०८/१५, ७/१०९/६, ७/११०/५, ७/११०/९,
७/१११क/-, ७/१११/११, ७/११२/३, ७/११३/४, ७/११३/६,

७/११६/१२, ७/११८/१६, ७/१२०/१४, ७/१२०/३४, ७/१२१/८, ७/१२२/५, ७/१२५/३, ७/१२५/३, ७/१२६/२, ७/१२७/२, ७/१२७/३, ७/१२८/५, ७/१२८/८

हृदय ।

"जोगी जटिल अकाम मन"—१/६७/-

२/३१८/८, ५/३६/२, ६/१६/-, ६/८८/६, ६/१०६छं०

संकल्प ।

"मन महुँ तरक करैं कपि लागा"—५/५/२

मनसिज : कामदेव ।

"सब के मन मनसिज हरे"—१/८५/-

१/८५/८, १/१२८/१, १/२५८/-, ७/२८/६

मनु : मन ।

"तब तजि दोष गुनहु मनु राता"—१/६/१

१/४६/५, १/७३/३, १/७७/४, १/७७/५, १/८०/-, १/८१/४, १/८८छं०, १/२१३/६, १/२१५/-, १/२१५/३, १/२१८/२, १/२२७/४, १/२३०/३, १/२३०/५, १/२३०/७, १/२३१/१, १/२३२/५, १/२३३/४, १/२३५/८, १/२३५छं०१, १/२४२/३, १/२५०/२, १/२५७/१, १/२७७/८, १/२८७/-, १/३१६/-, १/३२६/-, १/३४१/५, १/३४४/१, १/३४६/२, २/०१/-, २/१३/४, २/१३/७, २/२५/४, २/२७/६, २/३८/४, २/४४/३, २/५१/-, २/५२/४, २/५३/-, २/७२/४, २/७७/५, २/८६/-, २/१०४/७, २/१०८/८, २/११४/४, २/११४/६, २/११८/५, २/१३०/२, २/१३२/६, २/१३८/४, २/१४३/६, २/१५८/६, २/१८१/७, २/१८६/४, २/२१३/६, २/२२८/८, २/२३३/१, २/२३६/३, २/२४०/५, २/२६४/-, २/२६७/८, २/२८५/५, २/३२४/२, ३/१६/१०, ५/१४/६, ५/१४/७, ६/६४/६, ७/८२ख/-, ७/११०क/-

ब्रह्मापुत्र

"स्वायंभू मनु अरु सतरूपा"—१/१४१/१

१/१४१/८, १/१४२/३, १/१४४/२, १/१४५/-, १/१४७/६, १/१५०/४, ७/८०/१

मनुज : मनुष्य ।

"रावन मरन मनुज कर जाचा"—१/४८/१

१/१३८/६, १/१३६/-, १/१७६/४, १/१८१/११, १/१८६/२;
१/१६२/-, १/२५०/८, १/३२३छ०३, १/३३७/३, २/६३/-,
३/१२/६, ३/१८/११, ३/२५/-, ४/१/-, ४/२७/७,
५/४६/४, ६/८/६, ६/१३/८, ६/१५क/-, ६/२५/५,
६/३१ख/-, ६/३२/८, ६/६०/१, ६/६१/११, ६/६२/३,
६/१००छं०२, ६/१०३/१३, ६/१०३छं०१, ७/७/२, ७/४०/-,
७/७४/२, ७/८५/४, ७/६२/३, ७/११३/१२

मनोरथ : अभिलाषा।

' मन मति रंक मनोरथ राऊ"—१/७/६

१/१३/३, १/१४छं०, १/७४/-, १/१४८/७, १/२०६/-,
१/२३६/४, १/३११/१, १/३४२/४, २/०/७, २/२८/-;
२/२८/२, २/१०२/२, २/२२४/३, २/२८०/१, २/३१५/१,
३/६/३, ४/३०क/-, ५/४१/४, ६/६०/६, ७/७०/५,
७/१२०/३२

कामना।

' बिषय मनोरथ पुंज कंज बन"—६/११४छं०

मनोरम : मनोहर।

"उपमा बीचि बिलास मनोरम"—१/३६/३

मनोहर : सुन्दर।

"जुगल पुनीत मनोहर चरिता"—१/१४/१

१/१६/१, १/३४/५, १/३५/२, १/३५/४, १/३६/-,
१/३६/८, १/६०/८, १/१४७/-, १/२०२/४, १/२१४/८,
१/२१८/४, १/२२४/-, १/२२४/३, १/२८८/३, १/३२६/४;
१/३२६/६, १/३२६/१०, १/३४८/७, १/३५४/१, २/२५/७,
२/६३/१, २/६७/७, २/८८/४, २/११५/१, २/२३८/१,
३/१२/१५, ३/१६/५, ३/३८/७, ३/३६/८, ४/०/६,
४/१२/३; ५/१२/१, ६/५/३, ६/८४/४, ६/१०२छं०,
६/११०छं०, ६/११८/४, ७/३/१; ७/७/२

मन को हरनेवाले।

' सूचत किरन मनोहर हासा"—१/१६७/७

१/२२६/४, १/२२७/३, १/२४२/१, १/२४२/५, १/२४७/१,
१/२५१/-, १/२८५/१, १/२६०/३, १/२६६/५, १/३००/५,

१/३१५/५, १/३२४/२, १/३२५छं०२, १/३२६/-, १/३२६/३, ७/२६छं०, ७/२७/३, ७/२८/-, ७/२८/२, ७/३२/६, ७/७६/१, ७/७६/४, ७/१२८छं०२

मनोहरता : सुन्दरता :

"मनहुँ मनोहरता तन छाए"—१/२४०/१

मम : मेरा।

"करउ सो मम उर धाम"—१/०३/-

१/१०क/-, १/५०/८, १/७०/४, १/७६/-, १/८७/२, १/१०१/-, १/१०६/७, १/१०७/४, १/११२/-, १/११५/-, १/११६/-, १/१२४/६, १/१२४/७, १/१२८/६, १/१३६/६, १/१३६/८, १/१३७/३, १/१३७/३, १/१४८/६, १/१५०/६, १/१५०/८, १/१६५/२, १/१६६/३, १/१८१छं०२, १/१८१छं०३, १/२१०छं०६, १/२१०छं०७, १/२१५/८, २/७०/२, २/१२५/-, २/२३२/८, ३/८/-, ३/८/८, ३/१०/१६, ३/१०/१८, ३/१०/२०, ३/११/-, ३/१५/२, ३/१५/७, ३/१५/८, ३/१५/११, ३/१६/८, ३/२४/७, ३/२५/२, ३/२६/-, ३/२८/१३, ३/२८/१४, ३/२८/२, ३/२८/३, ३/३०/७, ३/३०/१०, ३/३१छं०३, ३/३१छं०४, ३/३४/८, ३/३५/-, ३/३५/१, ३/३५/५, ३/३५/८, ३/४५/-, ३/४५/४, ३/४५/७, ४/२/७, ४/६/२३, ४/८/१०, ४/८/५, ४/८छं०२, ४/११/८, ४/२७/१०, ५/८/५, ५/८/१, ५/८/२, ५/८/५, ५/८/६, ५/११/४, ५/११/१०, ५/११/१०, ५/१३/६, ५/१४/६, ५/१४/१०, ५/२६/४, ५/३१/२, ५/४०/५, ५/४२/८, ५/४७/-, ५/४७/५, ५/४७/५, ५/४८/-, ५/५२/-, ५/५६/४, ५/५८/५, ६/१/७, ६/२/-, ६/२/-, ६/२/१, ६/२/४, ६/८/७, ६/१५ख/-, ६/१६/६, ६/१८/२, ६/२२क/-, ६/२२ख/-, ६/२७/-, ६/२७/३, ६/२७/८, ६/२८/४, ६/२८/१, ६/३१क/-, ६/३३/८, ६/३४/२, ६/५३/६, ६/५८/६, ६/६०/४, ६/६०/५, ६/६०/१०, ६/८३/४, ६/८८/१०, ६/८८छं०, ६/८८छ०, ६/१०७/११, ६/१०८/७, ६/११२छं०, ६/११३/२, ६/११४छं०, ६/११६ख/-, ७/१छं०, ७/२क/-, ७/३/५, ७/३/६, ७/३/७, ७/७/८,

७/८क/-, ७/१५/५, ७/१५/७, ७/१७/५, ७/१८/२,
७/१८/३, ७/३७/३, ७/३७/४, ७/३७/५, ७/३८/-,
७/३८/-, ७/४२/३, ७/४२/५, ७/४२/५, ७/४४/१,
७/४६/-, ७/४७/४, ७/५५/४, ७/५८/५, ७/६०/१,
७/६१/६, ७/६८/१, ७/७४/५, ७/८२/४, ७/८२/७,
७/८३क/-, ७/८४/८, ७/८५ख/-, ७/८५/१, ७/८५/३,
७/८५/४, ७/८५/४, ७/८५/१०, ७/८७ख/-, ७/९२/८,
७/१०५ख/-, ७/१०५/५, ७/१०८/८, ७/१०८/९, ७/१०८/११,
७/१०८/१३, ७/११०ग/-, ७/११०/७, ७/११०/९ ७/११२/४,
६/११२/६, ७/११२/१५, ७/११३/६, ७/११४/६, ७/१२०/२,
७/१२३/७, ७/१२४/९; ७/१२८/८
ममता ।
"अह मम मलिन जनेषु"—२/२२५/-

ममता : अहंकार ।
"भव तरिहहिं ममता मद त्यागी"—१/१५१/३
१/३४०/५, २/२७६/२, ५/४६/३ ६/३६/५, ६/११०छं०,
७/१३छं०३, ७/२९/५, ७/४२/३, ७/४६/-, ७/७०/२,
७/९२ख/-, ७/९९/१, ७/११७क/-, ७/२०/३३
स्नेह ।
"जेहि जन पर ममता अति छोहू"—१/१२/६
१/१५/२, १/१६३/४, १/२७०/८, २/२८८/६, ३/४३/६,
५/३६/५, ७/३८/-, ७/७३/७, ७/९४/७, ७/१२२/३
ममत्व ।
"सेवक पर ममता अरु प्रीती"—३/४४/२
४/१५/५, ५/२४/-, ५/४७/५, ५/५७/३, ६/६/५, ७/१०१छं०
मोह ।
"ताते मोहि ममता अधिकाई"—७/९४/८

मराल : हंस ।
"मानस मंजु मराल"—१/१४ग/-
१/३१/१४, १/२५५/४, १/२६३/-, २/२३५/६, २/२८१/-,
३/३७/६, ६/२२ख/-, ७/५७/-

मरु : मारवाड़ ।
"मरु मारव महिदेव गवासा"—१/५/८

रेगिस्तान ।
"जरा मरु धरनि देव धुनि धारा"—२/२४८/७

मरुत : गतिशील वायु ।
"चले मरुत उनचास"—५/२५/-
६/७७/७, ६/७८/३, ६/७८/७, ७/८१क/-, ७/१०५/१२
वेगवान वायु ।
"चलेउ बराह मरुत गति भाजी"—१/१५६/१
६/१३/१
प्रशान्त वायु ।
"सन्मुख मरुत अनुग्रह मेरो"—७/४३/७
७/११६/१४

मरुभूमि : रेगिस्तान ।
"जनु मरुभूमि कलपतरु जामा"—२/२२२/८

मर्कट : बंदर ।
"मर्कट बदन भयंकर देही"—१/१३३/८
५/१८/-, ५/३४छं०१, ५/३६/३, ६/०/८, ६/३/२,
६/४०छं०, ६/४५/३, ६/४८छं०, ६/६८/३, ६/७८छं०,
६/८०छं०, ६/८८छं०, ६/८८छं०, ६/८२छं०, ६/८४छं०,
६/८५छं०, ६/८८छं०, ६/१००/-, ६/१००छं०४, ६/१०२/६,
७/८८/१

मर्दन : नाश करनेवाला ।
"करउ कृपा मर्दन मयन"—१/०४/-
६/११२ खं०; ७/८०/७

मर्म : रहस्य ।
"बेगि न पाइअ मर्म"—३/३८क/-

मल : पाप ।
"बिधि निषेधमय कलि मल हरनी"—१/१/८
१/८छं०, १/१०/६, १/११/२, १/१४/११, १/२६/४,
१/३५/५, १/१४१/-, १/३२३छं०१, ३/६ख/-, ३/१०/१५,
६/३२/५, ६/५६/-, ६/११३/१०, ६/११८/५, ७/५०/८,
७/८६ख/-, ७/१०२क/-, ७/१०५क/-, ७/१०६/७, ७/११७क/-,
७/१२८/१, ७/१२८छं०२

मैल ।
"जन मन मजु मुकुर मल हरनी"—१/-/४
७/४८/५, ७/४८/६

मलय : पर्वत-विशेष ।
"बंदिअ मलय प्रसंग"—१/१०क/-
चंदन ।
"काटइ परसु मलय सुनु भाई"—७/३६/८

मलिन : खोटा ।
"मिटइ न मलिन सुभाउ अभंगू"—१/६/४
१/८/२ १/१०८/४, १/११४/४, २/१३/७, २/२२५/-,
२/२३३/१, २/२६६/२
क्षुद्र ।
"मौन मलिन मैं बोलब बाउर"—२/२८२/५
२/३००७०, ६/१०८/८
उदास ।
"खल भए मलिन साधु सब साजे"—१/२६४/१
२/७२/५, २/२२५/५
गंदे ।
"मलिन बसन बिबरन बिकल"—२/१६३/-
पाप में रुचि रखनेवाला ।
"जे मति मलिन बिषय बस कामी"—७/७२/२

मसि[१] : स्याही ।
"लिखिअ पुरान मंजु मसि सोई"—१/६/११
१/२३४/३, २/१६१/८
कालिख ।
"जम गन मुँह मसि जग जमुना सी"—१/३०/११
बदनामी ।
"असि बुधि तौ बिधि मुँह मसि लाई"—१/२६५/८

मसि[१] : प्राचीन भारतीय आर्यभाषाकाल में 'मसि' शब्द काजल या स्याही के अर्थ में मूर्त था। आगे चलकर रामचरितमानस में (१/२६५/८) 'बदनामी' या 'हीन भावना' के अर्थ में भी प्रयुक्त हुआ। इस अर्थविकास को अमूर्तीकरण कहा जा सकता है।

महा : महान् ।

"महा घोर त्रय ताप न जरई"—१/३८/६

१/६२/६, १/८७/१, १/९९छं०, १/१०२छं०, १/१५२/४, १/२४०/५, १/२७२/१, १/२८२/३, १/२९२/-, १/३००/३, १/३१९/२, १/३२४छं०१, १/३२५छं०१, १/३२६छं०४, १/३३५/-, २/१५२/७, २/२५६/२, २/२७५छं०, २/३०१/-, ३/०/६, ३/२९/१६, ४/७/१, ५/३/४, ५/२३/२, ६/१३ख/-, ६/२२/५, ६/३९/-, ६/४४/१, ६/४४/१, ६/५५/७, ६/५६/५, ६/६१/१०, ६/६१/१०, ६/६९/६, ६/८०क/-, ६/८७/१, ६/९२/२, ६/९८छं०, ६/१००/-, ६/११०छं०, ६/११०छं०, ६/११४छं०, ७/१३छं०२, ७/१३छं०१९, ७/२१/५, ७/३८/८, ७/४०/३, ७/९३/५, ७/१०६/८

परम ।

"महा मुदित मन सुख न समाहीं"—१/३४७/४

महाजन : श्रेष्ठ पुरुष ।

"बहुरि महाजन सकल बोलाए"—१/२८६/३

१/३३९/१, २/१६८/७, २/१७०/२, २/२५३/-

महानाद : बड़ा घोर शब्द ।

"महानाद करि गर्जा"—६/६९/-

महाबल : शक्तिशाली ।

"दनुज महाबल मरइ न मारा"—१/१२२/६

४/६/११, ५/३४/१, ६/६८/२, ६/७०/२, ७/६/८

महामाया : जगत् की कारणभूत अविद्या ।

"भजिम महामाया पतिहि"—१/१४०/-

महामोह : भारी मोह ।

"महामोह तम पुंज"—१/०५/-

१/११४/८, २/३२५/६, ७/५८/७

महामंत्र : वेदमंत्र ।

"महामंत्र जोइ जपत महेसू"—१/१८/३

महि : पृथ्वी ।

"मेधा महि गत सो जल पावन"—१/३५/८

१/७३/६, १/७५/-, १/८३छं०, १/१३७/८, १/१५६/२, १/१६४/-, १/१८७/-, १/२०१/१, १/२०५/६, १/२११/२, १/२५३/१, १/२५८/-, १/२६०छं०, १/२६१/१, १/२६४/५, १/२६८/२, १/२६८/४, १/२८३/१, २/३७/७, २/६६/५, २/८१/८, २/८०/५, २/८०/७, २/८१/१, २/११७/-, २/११८/७, २/१२०/३, २/१६२/४, २/१८८/८, २/१८२/८, २/२००/-, २/२११/-, २/२१५/८, २/२३८/७, २/२४२/६, २/२४५/८, २/२५१/६, २/२६६/७, २/२७१/७, २/२७८/५, २/२८०/६, २/२८१/५, २/३१०/६, २/३२३/३, ३/६/-, ३/१०/१२, ३/१६छं०ह, ३/२२/३, ३/२८/१८, ३/३६/-, ४/०१/-, ४/८/१, ४/१४/५, ४/१४/११, ४/१५/२, ४/२६/-, ५/१७/४, ५/३४/८, ५/३४छं०, ६/५/८, ६/८/-, ६/१३क/-, ६/१३/६, ६/३०/-, ६/३१/३, ६/३२/२, ६/३२/८, ६/४०छं०, ६/५१/१, ६/५८/१, ६/६१/१२, ६/६६/३, ६/६७/६, ६/६८/-, ६/६८/१०, ६/७०/१२, ६/७३/८, ६/७६/६, ६/८०/४, ६/८०/७, ६/८०छं०२, ६/८५छं०, ६/८६/६, ६/८७/१०, ६/८०/२, ६/८०छं०, ६/८१/५, ६/८१/१०, ६/८२/६, ६/८३छं०, ६/८४छं०, ६/८६/४, ६/८७/८, ६/८७/१४, ६/८७छं०, ६/१००छं०२ह, ६/१०२/२, ६/११०छं०, ६/११४छं०, ६/११८/१० ७/१३छं०२, ७/१६छं०३, ७/२३/-, ७/२६/६, ७/२८/१०, ७/५०/५, ७/५१/४, ७/८०/४, ७/८८/४, ७/१२६/१

महिदेव : ब्राह्मण ।

"मरु मारव महिदेव गवासा"—१/५/८

१/१६५/८, १/१७४/१, १/२८४/७, २/३१८/४

महिमा : बड़ाई ।

"सतसंगति महिमा नहिं गोई"—१/२/२

१/२/११, १/१५/८, १/१८/४, १/३४/२, १/३६/२, १/७३/-, १/१०६/७, १/१०८/-, १/११७/८, १/१७१/३, १/२३५/-, १/२३८/६, १/२५२/६, १/३०५/७, १/३०६/३, १/३४०/८, २/८६/६, २/१३२/-, २/१३८/४, २/१८४/२, २/१८५/-, २/२१७/६, २/२५६/२, २/२८५/८, २/२८८/२, २/३००छं०, २/३०२/६, २/३०२/७, २/३१०/-, ३/१०/२,

३/१२/५, ४/२६/११, ५/१८/-, ६/१/३, ६/२/८, ६/१५/१, ६/८२छं०, ६/८५/८, ६/११२छं, ७/२१/३, ७/२१/४, ७/३६/२, ७/४७/५, ७/८०/१, ७/८०/३, ७/८०/६, ७/८६/४, ७/११३/१६, ७/१२३/२

मही : पृथ्वी ।

"बीर बिहीन मही मैं जानी"—१/२५१/३

३/३१छं०, ६/१०१छं०, ७/१३छं०८

महीधर : पर्वत ।

"नील महीधर सिखर सम"—१/१५६/-

६/४८छं०, ६/६८/३, ६/८७/४

महोत्सव : समारोह ।

"जन्म महोत्सव रचहिं सुजाना"—१/३३/८

१/१८५/२, ७/७४/४, ७/८१/४

माता : जननी ।

"सुनहिं मुदित मन पितु अरु माता"—१/७/६

१/१५/८, १/२६/६, १/६२/२, १/६६/४, १/७२/८, १/८४/६, १/८६/६, १/१२२/३, १/१८१छं०, १/१८८/१, १/२००/-, १/२०३/३, १/२२०/८, १/२३४/६, १/२७५/२, १/३४५/१, १/३५५/७, १/३५७/७, २/४४/८, २/५१/३, २/५२/७, २/५५/१, २/१४५/१, २/१५८/८, २/१६६/८, २/१८८/६, २/२४७/६, २/२५४/६, ३/२७/३, ३/४२/७, ५/१/२, ७/१०८/८

आदरणीया ।

"देखी चहउँ जानकी माता"—५/७/४

५/१४/८, ५/१६/-, ५/१६/६, ५/१६/८, ६/६०/४, ६/८८/४, ७/१७/४

माधुरी : मधुरता।

"जल माधुरी सुबास"—१/४२/-

मान : अभिमान ।

"मिटहिं मोह मार मद मान"—१/१२८/-

२/१२८/१, ३/१४/७, ३/४५/६, ५/२१/७, ५/३८क/-, ५/५६ख/-, ६/२६/-, ६/२८/१, ६/३६/५, ६/११२छं०,

७/१२छं०३, ७/१३छं०७, ७/१३छं०८, ७/२३/८, ७/३०/६, ७/७०/१, ७/७४ख/-, ७/८२ख/-, ७/१०१क/-, ७/१२०/३५

सम्मान ।

"तुलसी तजि मान मद"—१/१२४ख/-

१/३२०/५, १/३३८/६, २/७८/४, ३/१६/१५, ३/२०/१०

मानस : मन ।

"रचि महेस निज मानस राखा"—१/३४/११

२/२२१/४, २/२५८/२, २/३००छं०, २/३०४/-, ७/१३छं०, ७/५६/६, ७/१०२/८, ७/१०३/४, ७/११८/८, ७/१२०/७, ७/१२०/२८, ७/१२१/२

मानसरोवर ।

"मानस मंजु मराल"—१/१४ग/-

१/३१/१४, १/१४५/५, १/२८४/५, १/३४०/४, २/६२/६, २/१२८/-, २/२८१/-, २/२८६/७, ३/७/१, ३/१०/८, ७/३४/७

रामचरितमानस ।

"जस मानस जेहि बिधि भयउ"—१/३५/-

१/३७/२, १/३८/-, १/३८/८, १/३८/८, १/३८/५, ७/५२/७

हृदय ।

"जिन्ह एहिं बारि न मानस धोए"—१/४२/७

मान्य : सम्मान के योग्य ।

"तिन्ह कर गौरव मान्य तेइ"—७/८८ख/-

मान्यता : आदर-सत्कार ।

"करि पूजा मान्यता बड़ाई"—१/३०५/४

माया : शक्ति ।

"श्रीपति निज माया तब प्रेरी"—१/१२८/८

१/१३१/८, १/१३२/३, १/१३७/-, १/१३७/१, १/१३७/८, १/१४०/-, १/१५१/४, १/१८१छं०, १/१८१छं०, १/२०१/३, १/२०२/-, १/२२४/४, २/१२२/२, २/१२५छं०, २/२५१/३, २/२५१/३, २/२८४/२, २/२८४/५, ३/१२/६, ३/१३/८, ३/४२/२, ४/१/८, ४/२०/२, ५/१२/३, ५/१८/८,

५/२०/४, ५/४२/६, ६/५१/-, ६/५१/१, ६/५१/७, ६/५६/१, ६/७२/६, ६/७४क/-, ६/७४क/-, ६/७८/४, ६/८८/-, ६/८८/६, ६/८८/७, ६/८८छं०, ६/८६/१, ६/१००/-, ६/१००छं०१ह, ६/१० छं०२ह, ७/१२छ०२, ७/२५/-, ७/४१/-, ७/४३/५, ७/५८/४, ७/५८/-, ७/५८/१, ७/५८/४, ७/६१/१०, ७/६२क/-, ७/६२/२, ७/७०/७, ७/७१क/-, ७/७१/१, ७/७७/१, ७/७७/२, ७/७७/४, ७/७७/६, ७/७७/६, ७/७७/८, ७/८२/३, ७/८५क/-, ७/८५/३, ७/८८/३, ७/८१/७, ७/१०३/१, ७/१०३/८, ७/१०४क/-, ७/१०८ग/-, ७/११५ख/-, ७/११८क/-, ७/१२४/२

कपट।

"हरि आनब मैं करि निज माया" - १/१६८/४

१/१८०/१ १/१८२/४, २/२६५/-, ३/३८/३, ५/२/१, ६/१४/५, ६/१५/३, ६/४५/१०, ६/५०/७, ७/५३/७, ७/५६/२, ७/५७/७, ७/६८/३, ७/८६/८

लक्ष्मी।

"माया बस न रहा मन बोधा"—१/१३५/६

१/१६२/-, १/१८८/४, २/२५३/६, ३/६/?, ३/१४/२, ३/१४/३, ३/१५/-, ३/१५/-, ३/१८छं०४ह, ४/६/१८

अविद्या।

"साचेहुँ उन्ह कें मोह न माया' —१/६६/३

१/११६/८, १/१२७/८, ४/१३/६, ७/६५/६, ७/७०/४, ७/८१/६, ७/११५/३, ७/११५/४, ७/११५/५, ७/११५/७, ७/११७/६

चालबाजी।

"इहाँ न लागिहि राउर माया"—२/३२/५

२/१२८/२, २/२१७/२,

प्रकृति।

"माया ब्रह्म जीव जगदीसा"—१/५/७

१/५२/६

पार्वती।

"तुम्ह माया भगवान सिव"—१/८१/-

अज्ञान।

"दीन्ह ग्यान हरि लीन्ही माया"—४/१०/३
विषयों की ममता, आसक्ति।
"तजि माया सेइअ परलोका"—४/२२/५

मायिक : मायाकृत।
"कहि जग गति मायिक मुनिनाथा"—२/२४६/२

मारुत : प्रशान्त वायु।
"मारुत सुत मैं कपि हनुमाना"—७/१/८
७/२७/३, ७/४६/७
मंद वायु।
"सीतल सुगंध सुमंद मारुत"—१/८५छं०
६/१४/४
वेगवान वायु।
"जेहि मारुत गिरि मेरु उड़ाहीं"—१/११/११
४/१५क/-
गतिशील वायु।
"भयउँ मनहुँ मारुत अनुकूला"—२/२४८/८
६/४५/६
भूत।
"चले भाजि भय मारुत ग्रसे"—६/३१/४
बात रोग।
"मनुजाद सब मारुत ग्रसे"—६/८०छं०

माला : हार।
"गरल कंठ उर नर सिर माला"—१/६१/४
१/२१८/५, १/२४४/३, १/२६१/६, १/२८५/८, ४/७/७
समूह।
"राम दरसु मुद मंगल माला"—२/२७६/६
६/१२/३, ६/१४/२
पंक्ति।
"सुकृत पुंज मंजुल अलि माला"—१/३६/७

मालिका : माला।
'सिर मालिका कर कालिका गहि"—६/८२छं०

मास : महीना।
"सावन भादव मास"—१/१६/-

१/१७६/८, १/१८०/१, १/१८४/८, १/१८५/-, ४/५/७, ४/२१/७, ५/८/८, ५/११/-, ५/२६/६, ७/१५/-

मिति : सीमा।

"रामकथा कै मिति जग नाहीं"—१/३२/५

ठिकाना।

"तिन्ह के पापहि कवनि मिति"—१/१८३/-

मित्र : सखा।

"जदपि मित्र प्रभु पितु गुर गेहा"—१/६१/५

१/१६८/४, २/२/२, २/१८२/-, ३/१/७, ३/४/७, ४/६/१, ४/६/६, ४/६/९, ४/६/१८

मिथ्या : व्यर्थ।

"मिथ्या दोष लगाइ"—७/४३/-

७/७१ख/-,

मिथ्याबादी : झूठा।

"कहहिं परस्पर मिथ्याबादी"—७/७२/६

मिलन : मिलना।

"मिलन सुभग संबाद"—१/४३ख/-

१/६७/५, १/८७/-, १/१४२/६, १/१८४/३, १/२०६/१, १/२१४/-, १/३०५/-, २/८७/२, २/१४८/५, २/१८२/४, २/२३७/४, २/२७४/६, ३/११/७, ५/४२/४, ७/६६क/-, ७/१२०/१३

भेंट।

"मिलन साजु सजि मिलन सिधाए"—२/१८२/४

६/६७/३, ७/६४/४

मीन : मछली।

"तिन्हहुँ किए मन मीन"—१/२२/-

१/३६/८, १/२५८/-, १/३२६/-, २/३२/१, २/५३/४, २/१५२/६, २/१५४/-, २/१६०/८, २/१८२/३, २/२८८/१, ३/३८ख/-, ४/१६/१, ५/२७/५, ६/१०८/७

मुकुट : ताज।

"जटा मुकुट अहि मौर सँवारा"—१/९१/१

१/१०६/-, १/१४६/५, १/२६१/-, २/६७/१, २/११५/-,
२/१५०/२, ३/१०/३, ६/३३/७, ६/१३क/-, ६/१३/४,
६/३१/५, ६/३१/७, ६/३७/७, ६/३७/८, ६/१०२छं०,
७/१ख/-

मुकुर : दर्पण ।

"जन मन मंजु मुकुर मल हरनी"—१/-/०४
१/११४/१, १/११४/४, १/१३४/६, २/१८३/३

मुक्ति : मोक्ष ।

"मुक्ति जन्म महि जानि"—४/०१/-
६/२/२, ७/११८/७

मुख : मुँह ।

"भए बिकल मुख आव न बाता" १/७२/८
१/६२/७, १/६४छं०, १/६८छं०, १/१०३/३, १/१३४/६,
१/१५५/६, १/१७२/८, १/२०१/५, १/२०३/-, १/२०६/६,
१/२०७/१, १/२१०छं०, १/२१६/७, १/२१६/७, १/२२६/३,
१/२३१/-, १/२३४/५, १/२३६/७, १/२३७/-, १/२३७/३,
१/२३७/४, १/२४१/१, १/२४२/२, १/२५८/१, १/२८४/५,
१/३१०/८, १/३१३/-, १/३२०/४, १/३२१/-, १/३३०/८,
१/३४८/५, १/३५६/८, २/०/६, २/३४/२, २/४६/-,
२/५०/८, २/५१/३, २/११४/५, २/१६२/५, २/१६५/१,
२/१७०/१, २/२२१/४, २/२६६/७, २/३०६/-, २/३०६/४,
३/५छं०, ३/७/-, ३/३०/-, ३/३०/५, ३/३०/६,
३/३१छं०, ३/३३/६, ३/३५छं०, ३/४५छं०, ४/१/६,
४/८/४, ५/१/८, ५/२७/४, ५/२६/५, ५/३२/-,
५/५६/१, ६/४/१०, ६/११/७, ६/१८/६, ६/२०/६,
६/२८/६, ६/२६/५, ६/३३/२, ६/५८/४, ६/६१/८,
६/६६/४, ६/७०/२, ६/७०/३, ६/७ छं०, ६/७१/३,
६/६८/३, ६/१००छं०३, ६/११६/७, ७/१छं०, ७/६/३,
७/१५/४, ७/२४/२, ७/३५/३, ७/४६/६, ७/६३ख/-,
७/७६/२, ७/८२क/-, ७/८२/२, ७/८७/६, ७/११५ख/-

मुख्य : श्रेष्ठ ।

"दिए मुख्य गन संग तब"—१/६२/-

मुद : आनन्द ।

"मुद मंगलमय संत समाजू"—१/१/७
१/१/१०, १/२/८, १/१४/७, १/२३/२, १/४१/३,
२/५१/७, २/५२/७, २/८६/४, २/१८८/६, २/२३५/८,
२/२७८/६, २/३२५/५

मुदा : प्रसन्नता ।

"भजंति मुक्तये मुदा"—३/३छं०
६/११०छं०, ६/११५/६, ६/१२०छं०२, ७/१२छं०७

मुदित : आनन्दपूर्वक ।

"सुनि समुझहिं जन मुदित मन"—१/२/-
१/७/८, १/४०/६, १/२१४/-, १/२१४/१, १/२१६/४,
१/२२७/१, १/२२७/५, १/२३५छं०, १/२४३/८, १/२५३/३,
१/२६१/८, १/२८६/२, १/२८८/३, १/२८४/४, १/२८७/३,
१/३०४/८, १/३०५/१, १/३०७/५, १/३०८/३, १/३१६/८,
१/३१७/-, १/३१८/१, १/३१८/-, १/३२०/-, १/३२१/२,
१/३२१/८, १/३२२छं०१, १/३२३/६, १/३२४छं०१, १/३२४छं०४,
१/३२५/-, १/३२६छं०४, १/३२८/-, १/३३०/३, १/३३४/-,
१/३३५/-, १/३३५/६ १/३३८/७, १/३३८/-, १/३४२/७,
१/३४३/३, १/३४५/३, १/३४५/८, १/३४६/-, १/३४६/८,
१/३४७/-, १/३४७/४, १/३४७/७, १/३४८/-, १/३४८/४,
१/३५०/३, १/३५३/५, १/३५७/७, १/३५८/६, १/३६०/-,
२/०/७, २/२/-, २/४/१, २/४/४, २/५१/१,
२/५२/७, २/५३/६, २/६५/४, २/६६/३, २/७२/२,
२/७५/१, २/८६/७, २/८७/१, २/१०१/-, २/१०१/३,
२/१०३/१ २/१०५/६, २/१०७/७, २/१०८/-, २/१०८/३,
२/११०/५, २/११०/६, २/१११/२, २/११४/४, २/११६/८,
२/१२३/८, २/१३३/२, २/१३३/६, २/१३७/२, २/१३७/८,
२/१५८/३, २/१५८/५, २/१५८/८, २/१७६/३, २/१८६/५,
२/२१३/-, २/२२१/-, २/२३४/२, २/२३५/६, २/२४३/-,
२/२४४/२, २/२५७/३, २/२७२/२, २/२८७/२, २/३०७/८,
२/३११/४, २/३११/७, २/३१५/८, २/३२०/८

मुदिता : प्रसन्नता ।

"मुदिता मम पद प्रीति अमाया"—३/४५/४

मुद्रिका : अँगूठी ।

"कर मुद्रिका चोरि चितु लेई"—१/३२६/५

५/१२/-, ५/१२/१, ५/१२/१०

मुनि : मननशील महात्मा ।

"बंदउँ मुनि पद कंजु"—१/१४घ/-

१/१७/५, १/२४/६, १/२५/२, १/३३/७, १/३४/८,
१/४३/१, १/४३/७, १/४४/४, १/४४/६, १/४५/-,
१/४७/-, १/४७/६, १/४८/६, १/५०/८, १/५०छं०,
१/६०/-, १/६०/४, १/६५/७, १/६५/८, १/६६/१,
१/६७/१, १/६८/-, १/७०/१, १/७०/२, १/७३/-,
१/७४/१, १/७७/२, १/७७/७, १/८०/८, १/८१/-,
१/९०/-, १/९०/७, १/९३छं०, १/१००/-, १/१०३/१,
१/१०३/३, १/१०४/२, १/१०५/६, १/१०७/५, १/११०/१,
१/११३/८, १/११५/१, १/११८/-, १/१२०/४, १/१२३/४,
१/१२३/७, १/१२३/८, १/१२४/५, १/१२६/-, १/१२६/३,
१/१२६/७, १/१२७/२, १/१२७/६, १/१२८/१, १/१२८/६,
१/१२९/७, १/१२९/८, १/१३०/१, १/१३१/४, १/१३२/१,
१/१३२/३, १/१३२/६, १/१३२/७, १/१३३/१, १/१३३/६,
१/१३४/२, १/१३४/५, १/१३४/७, १/१३५/-, १/१३५/५,
१/१३७/२, १/१३७/४, १/१३७/७, १/१३८/८, १/१३९/७,
१/१४०/-, १/१४१/५, १/१४२/३, १/१४२/६, १/१४५/४,
१/१४७/१, १/१५२/१, १/१५८/८, १/१६३/७, १/१७१/३,
१/१७१/७, १/१७५/१, १/१८३/७, १/१८३छं०, १/१८५छं०,
१/१८५छं०, १/१८६/१, १/१८८/१, १/१९०/८, १/१९१छं०,
१/१९५/२, १/१९६/२, १/१९६/३, १/१९७/२, १/१९८/३,
१/२०५/३, १/२०५/४, १/२०६/१, १/२०६/५, १/२०६/७,
१/२०७/४, १/२०७/७, १/२०७/१०, १/२०८ख/-, १/२०८/५,
१/२०९/१, १/२०९/२, १/२०९/६, १/२०९/९, १/२०९/१२,
१/२१०छं०, १/२११/१, १/२११/४, १/२१५/-, १/२१५/६,
१/२१६/१, १/२१८/१, १/२१९/६, १/२२०/४, १/२२१/३,
१/२२५/३, १/२२५/६, १/२२८/४, १/२३५/२, १/२३६/३,
१/२३७/५, १/२३८/९, १/२३९/-, १/२३९/३, १/२४३/४,
१/२४३/८, १/२४४/-, १/२४७/८, १/२५३/३, १/२५४/३,

१/२६०छं०, १/२६६/६, १/२७०/२, १/२७०/६, १/२७१/३,
१/२७१/५, १/२७३/५, १/२७५/१, १/२७६/४, १/२७७/-,
१/२७८/७, १/२७६/५, १/२८१/३, १/२८२/-, १/२८२/७,
१/२८५/५, १/२६०/५, १/२६०/७, १/२६४/७, १/२६८/६,
१/३०७/-, १/३१२/८, १/३१५छं०, १/३१६छं०, १/३२१/२,
१/३२१छं०, १/३२२/५, १/३२३छं०१, १/३२३/७, १/३२३छं०२
१/३२३छं०३, १/३२५/छं०१, १/३२६/२, १/३२६/८, १/३४०/१,
१/३४०/४, १/३५६/१, १/३५८/३, १/३५८/३, १/३५८/६,
१/३५६/७, १/३६०/२, २/२/८, २/३/६, २/६/-,
२/७६/६, २/७८/२, २/७८/८, २/८८/-, २/६६/६,
२/१०४/७, २/१०५/७, २/१०५/८, २/१०६/२, २/१०७/१,
२/१०७/२, २/१०७/४, २/१०७/५, २/१०८/१, २/१०८/२,
२/१०८/२, २/१०८/६, २/११६/—, २/१२३/२, २/१२३/६,
२/१२४/-, २/१२४/१, २/१२४/४, २/१२५/२, २/१२५/३,
२/१२५/७, २/१२७/१, २/१३१/२, २/१३३/—, २/१३३/५,
२/१३३/७, २/१३६/-, २/१३६/४, २/१५६/—, २/१५६/४,
२/१६८/८, २/१७०/८, २/१८६/३, २/२०५/४, २/२०५/७,
२/२०६/६ २/२०६/७, २/२१०/-, २/२१०/१, २/२१०/८,
२/२११/७, २/२१२/१, २/२१३/३, २/२१४/१, २/२१५/—,
२/२१६/५, २/२२३/२, २/२२५छं०, २/२३५/१, २/२३८/५,
२/२३८/६, २/२३६/-, २/२४७/-, २/२५२/३, २/२५५/७,
२/२५६/१, २/२५६/२, २/२५६/६, २/२५७/२, २/२५७/६,
२/२५६/-, २/२५६/१, २/२६१/-, २/२६१/४, २/२६२/३,
२/२६३/३, २/२६६/४, २/२७३/१, २/२७५छं०, २/२७६/१,
२/२७६/६, २/२७७/६, २/२७८/६, २/२८३/६, २/२८४/८,
२/२८५/७, २/२८६/७, २/२६१/१, २/२६१/५, २/२६२/३,
२/२६३/४, २/२६६/-, २/३००छं०, २/३०४/८, २/३०७/६,
२/३०७/८, २/३०८/२, २/३०६/२, २/३११/१, २/३११/६,
२/३१४/२, २/३१४/८, २/३१७/८, २/३१८/४, २/३२१/१,
२/३२२/७, २/३२५छं०, ३/०१/-, ३/०/२, ३/२/६,
३/४/—, ३/५/२, ३/५/४, ३/५/१०, ३/६/१,
३/६/१, ३/६/२, ३/६/८, ३/७/१, ३/७/८,
३/८/२, ३/८/४, ३/८/८, ३/६/१, ३/६/१०,

३/८/१३, ३/८/१५, ३/८/१८, ३/८/२४, ३/१०/–, ३/१०/१, ३/१०/२२, ३/१०/२३, ३/१०/२४, ३/११/४, ३/११/५, ३/११/१०, ३/११/११, ३/११/१३, ३/१२/–, ३/१२/१, ३/१२/४, ३/१२/१८, ३/१३/१, ३/१३/६, ३/१८/३, ३/१८/११, ३/१८छं०, ३/२०/१, ३/२०/४, ३/२१/५, ३/२१/७, ३/२४/५, ३/२६/१७, ३/२१छं०, ३/३३/६, ३/३८क/–, ३/३८/८, ३/४०/३, ३/४१/३, ३/४२ख/–, ३/४२/४, ३/४३/१, ३/४४/–, ३/४४/१, ३/४४/४, ३/४४/६, ३/४५/८, ४/८/३, ४/८छं०, ४/११/२, ४/१२/४, ४/१७/७, ४/१८/७, ४/२०/३, ४/२३/२, ४/२७/५, ४/२७/१०, ४/२८छं०, ५/२छं०२, ५/२८/२, ५/३१/५, ५/३४छं०१, ५/३८ख/–, ५/४६/८, ५/५६/११, ५/५६/१२, ६/२१/१, ६/२३/१६, ६/५७/२, ६/५७/४, ६/६२/६, ६/७०/८, ६/७०/१२, ६/७३/–, ६/८०/१, ६/८३/५, ६/८५/८, ६/१०१ख/–, ६/१०१/४, ६/१०२/११, ६/१०४/१, ६/१०८छं०, ६/११२छं०, ६/११२/३, ६/११४छं०, ६/११७क/–, ६/११८/११, ६/१२०/४, ६/१२०/५, ६/१२०छं०२, ७/१/४, ७/४/६, ७/७/५, ७/७/७, ७/८/६, ७/१०क/–, ७/११ग/–, ७/११/१, ७/११/३, ७/११/४, ७/११/५, ७/११छं०१, ७/१२छं०४, ७/१३छं०७, ७/१३छं०८, ७/१४/८, ७/२७/–, ७/२८/५, ७/२८छं०, ७/२८/१०, ७/३१/५, ७/३२/–, ७/३२/२, ७/३३/१, ७/३४/७, ७/४१/४, ७/४१/५, ७/४१/७, ७/४२/२, ७/४४/८, ७/४७/१, ७/४७/३, ७/४८/१, ७/५०/–, ७/५०/३, ७/५०/७, ७/५१/–, ७/५४/४, ७/५७/४, ७/६२ख/–, ७/६८/६, ७/७३ख/–, ७/७८/८, ७/८३/१, ७/८४क/–, ७/८४/४, ७/८०/४, ७/१०८/१५, ७/११०ख/–, ७/११०ग/–, ७/११०/२, ७/११०/७, ७/११०/१२, ७/११०/१४, ७/१११क/–, ७/१११/११, ७/१११/१२, ७/११२क/–, ७/११२/२, ७/११२/३, ७/११२/५, ७/११२/७, ७/११२/८, ७/११२/१०, ७/११२/१४, ७/११२/१४, ७/११३/५ ७/११३/६, ७/११३/८, ७/११४ख/–, ७/११४/८, ७/११४/१०, ७/११५ख/–, ७/११५/८, ७/१२१/१२, ७/१२६/–

मुष्टि : घूँसा ।

"मुष्टि प्रहार बज्र सम लागा"—४/७/३

५/२७/८, ६/८३/-

मूक : गूँगा ।

"मूक होइ बाचाल"—१/०२/-

१/३४९/८, २/५४/-, २/२४४/६

मूल : जड़ ।

"कलि केवल मल मूल मलीना"—१/२६/४

१/३८/१३, १/३६/-, १/३६/५, १/७३/४, १/१४३/२, १/१७०/५, १/२०६/-, १/२३६/-, १/२४७/-, १/२७७/-, १/३११/५, १/३१२/-, १/३१४/१, १/३४१/-, २/३/६, २/५/२, २/८/५, २/६२/-, २/६५/-, २/६५/३, २/८८/८, २/८६/-, २/६१/८, २/१०६/२, २/१०६/३, २/११६/१, २/१२३/४, २/१२४/३, २/१२५/४, २/१३४/२, २/१३६/६, २/१६२/२, २/१६२/४, २/१६४/७, २/२००/३, २/२०७/-, २/२१२/-, २/२१२/५, २/२४७/५, २/२४६/२, २/२५४/१, २/२६५/-, २/२७८/-, २/२७८/८, २/२७६/७, २/३०८/-, ३/२/८, ३/३छं०, ३/२३/-, ३/३४/-, ३/४४/-, ४/१२/२, ५/-/०२, ५/२२/६, ६/४/४, ७/१२छं०५, ७/७३/६, ७/६६ख/-, ७/११७/२, ७/११८/८

कंद ।

"लिए फल मूल भेंट भरि भारा"—२/८७/२

मूलक : मूली ।

"सकउँ मेरु मूलक जिमि तोरी"—१/२५२/५

६/२४/६

मूषक : चूहा ।

"अहि मूषक इव सुनु उरगारी"—७/१२०/१८

मृग : पशु ।

"खग मृग सुर नर असुर समेते"—१/१७/३

१/६५/१, १/१५६/४, १/१५६/६, १/२०४/२, १/२०४/३, १/२०६/११, १/३०४/४, १/३३७/३, २/५५/३, २/६५/-, २/८३/२, २/११३/-, २/१२२/८, २/१२३/८, २/१३५/२,

२/१३८/-, २/१४१/३, २/१४२/५, २/१५७/७, २/२१४/३, २/२२५छं०, २/२३५/२, २/२३७/५, २/२४८/-, २/२६३/३, २/२७८/३, २/३०७/३, २/३१०/८, २/३११/२, २/३२०/६, ३/१३/३, ३/१८/८, ३/२४/२, ३/२६/३, ३/२६/४, ३/२६/७, ३/२८/८, ३/३६/४, ३/३८/८, ४/१२/४, ५/२/७, ७/२२/२, ७/२२/३
हिरन।
"फिरिहहिं मृग जिमि जीव दुखारी"—१/४३/८
१/४८/६, १/१५४/४, १/२०१/२, १/२३४/-, १/२८६/२, २/११५/३, २/११६/४, २/१३१/४, २/१८२/२, ३/२६/१०, ३/२८/१०, ३/३२/५, ३/३६/५, ३/३६/६, ३/३६/६, ६/८८/७, ७/१३छं०४

मृगजल : मृगतृष्णा का जल।
"तृषा जाइ बरु मृगजल पाना"—७/१२१/१७

मृगनयनी : हिरन जैसी आँखोंवाली।
"मृगनयनी बिधु मुख निरखि"—७/११५ख/-

मृगपति : सिंह।
"मृगपति सरिस असंक"—६/११ख/-
६/२३ग/-, ६/३६/३

मृगमद : कस्तूरी।
"मृगमद चन्दन कुंकुम कीचा"—१/१९३/८

मृगराज : सिंह।
"स्वान निरखि मृगराज"—१/१२५/-
३/१७छं०, ६/७८छं०

मृगी : हिरनी।
"जनु सिसु मृगी सभीत"—१/२२८/-
२/१६/१, २/५३/३, २/७२/६, २/११५/३, ३/२८/२४, ३/३६/५

मृतक : मुर्दा।
"मृतक जिआवनि गिरा सुहाई"—१/१४४/७
१/३०७/४, ४/१०/८, ६/५३/-, ६/६५/५

मृत्यु : मौत।

"मातु मृत्यु पितु समन समाना"—३/१/६
३/१७/७, ४/२५/३, ५/२३/३, ५/४०/२, ५/५२/४, ६/४१/५

मृदु : कोमल।

"गुरु पद रज मृदु मंजुल अंजन"—१/१/१
१/४४/६, १/५२/६, १/५३/-, १/६६/१, १/७१/८, १/८६/५, १/८८/८, १/१२८/-, १/१४८/१, १/१५०/१, १/१५०/१, १/१५८/२, १/१५९/३, १/१६६/६, १/१९४/७, १/२२०/२, १/२२२/३, १/२२२/८, १/२२३/८, १/२२४/३, १/२२४/८, १/२२८/-, १/२३४/३, १/२३७/८, १/२४०/-, १/२४२/४, १/२५५/६, १/२७२/१, १/२७८/१, १/२८३/६, १/३२५/८, १/३३३/६, १/३५४/७, १/३५५/७, २/३/१, २/५/१, २/२१/३, २/२३/२, २/२४/८, २/२६/१, २/३२/४, २/३९/३, २/४०/२, २/४०/६, २/५२/५, २/५६/८, २/५७/१, २/६०/७, २/६१/६, २/६३/१, २/६६/६, २/७२/-, २/७३/१, २/७७/७, २/७८/-, २/७८/२, २/७९/७, २/८४/३, २/८८/८, २/८९/१, २/९०/१, २/९१/३, २/१०६/४, २/११२/-, २/११४/१, २/११५/५, २/११७/५, २/१२०/२, २/१३६/२, २/१४२/३, २/१४९/३, २/१५४/-, २/१६४/-, २/१६४/४, २/१७५/८, २/१८७/४, २/१९७/३, २/१९९/३, २/२०२/८, २/२०४/६, २/२१५/६, २/२१५/८, २/२४४/२, २/२४९/५, २/२५८/३, २/२९३/२, २/२९५/६, २/३०५/७, २/३१०/४, २/३१०/६, ३/४/४, ३/५/६, ३/१६/१२, ३/२०/३, ३/४०/९, ३/४२/१, ४/६/७, ५/१३/६, ५/१३/८, ५/४४/६, ६/१०७/१, ६/११५/२, ६/११५/८, ७/५छ०, ७/९/७, ७/१५/३, ७/५१/८, ७/६०/२, ७/६३ख/-, ७/७५/६, ७/८३क/-, ७/८७/७, ७/९३क/-, ७/११०ग/-, ७/११४/५

सुकुमार।

"स्याम गौर मृदु बयस किसोरा"—१/२१४/५

विनययुक्त।

"सुनि मृदु बचन भूप हियँ सोकू"—२/२८/४

छोटे ।

"कहउँ बदन मृदु बचन कठोरा" —२/२६६/६

मृदुल : कोमल :

"मृदुल बिनीत प्रेम रस पागे"—१/१४५/७

१/१६०/-, २/८८/७, २/११४/-, २/१२०/३, ४/०/८, ५/४१/५, ५/५२/७, ६/१०/४, ६/६०/३, ६/११७/३, ७/०/६; ७/७५/५

मृदंग : नगाड़ा ।

"झाँझि मृदंग संख सहनाई"—१/२६२/१

१/३०२/-, ६/१२/७

मृषा : झूठ ।

"संभु गिरा पुनि मृषा न होई"—१/५०/३

१/५५/३, १/५८/२, १/११७/-, ७/१५/७

मिथ्या ।

"मृषा होउ मम श्राप कृपाला"—१/१३७/३

४/६/२३, ५/५५/६, ६/५५/५; ७/११६/४

असत्य ।

"होइ न मृषा देवरिषि भाषा"—१/६७/४

१/१३२/-

व्यर्थ ।

"अब पति मृषा गाल जनु मारहु"—६/३५/७

मेखला : करधनी ।

"भूमि सप्त सागर मेखला"—७/२१/१

मेघ : बादल ।

"सुकृत मेघ बरषहिं सुख बारी"—२/०/२

३/६/५, ४/१२/८, ४/१५क/-, ६/७२/३

मेघडंबर : गर्जन से युक्त बादल ।

"छत्र मेघडंबर सिर धारी"—६/१२/५

मेचक : काला ।

"मेचक कुंचित केस"—१/२१८/-

१/३४६/१, ७/७६/६

मेधा : बुद्धि ।

"मेधा महि गत सो जल पावन"—१/३५/८

मेष : भेड़ ।

"बृकु बिलोकि जिमि मेष बरूथा"—६/६६/१

मोचन : छुड़ानेवाले ।

"बरनउँ रामचरित भव मोचन"—१/१/२

१/१२१/-, १/१४५/६, १/२१०छं०, १/२१८/६, १/२६८/८, ३/६/६, ६/६२/८, ६/११४छं०, ७/३२/३, ७/७६/५

नाश करनेवाले ।

'सोइ कछु करहु मदन मद मोचन'—१/८८/१

१/१२०/५, ५/४४/४

मोद : आनंद ।

"मंजुल मंगल मोद प्रसूती"—१/-/३

१/२७६/३, १/३२७/-, १/३४५/१, १/३५३/३, १/३५६/-, १/३५६/१, २/०/१, २/३/६, २/१०५/८, २/२०८/-, २/२५४/१

मोह : अज्ञान ।

दलन मोह तम सो सप्रकासू"—१/-/०६

१/१/३, १/२४/७, १/३०/४, १/३१/१०, १/३७/६, १/४२/५, १/५१/३, १/७५/-, १/१०८/२, १/११२/-, १/११३/७, १/११४/-, १/११५/५, १/११६/८, १/११६/१, १/१२३/८, १/१२७/८, १/१२८/-, १/१२८/१, १/१३३/५, १/१३८/१, १/१४०/-, १/२०७/-, १/२२०/१, १/२६१/-, १/२८४/२, २/१६/६, २/६१/८, २/६०/२, २/६२/५, २/१५२/६, २/१७२/-, २/२२७/१, २/२३५/-, २/२७६/२, २/२८१/६, २/२८५/८, २/२६७/५, ३/०/१, ३/२/-, ३/१०/५, ३/१४/-, ३/३७/२, ३/४३/-, ३/४३/१, ४/१४/८; ४/१६/७, ५/३६क/-, ५/४६/१, ५/४७/३, ६/१५/१, ६/१६/५, ६/२६/-, ६/३३/१४, ६/५५/७, ६/११४छं , ६/१२०छं०२, ७/१३छं०३, ७/१४/७, ७/२६/६, ७/३०/६, ७/३६/-, ७/३६/६, ७/४०/४, ७/४६/-, ७/५७/७, ७/५६/५, ७/६१/-, ७/६१/-, ७/६१/५

७/६१/१, ७/६२क/-, ७/६२/२, ७/६३/२, ७/६३/८,
७/६८ख/-, ७/६८/४, ७/६९/३, ७/६९/४, ७/६९/५,
७/६९/७, ७/७१/८, ७/७२/२, ७/७२/५, ७/७२/७,
७/७३/२, ७/८१ख/-, ७/८१/७, ७/८१/८, ७/९२/३,
७/९२/८, ७/९४ख/-, ७/९९/१, ७/१००ख/-, ७/१०१क/-,
७/१०५क/-, ७/१०७छं०१२, ७/११४/६, ७/११५/२, ७/११६क/-,
७/११६/७, ७/११७/३, ७/११९/४, ७/१२०ख/-, ७/१२०/२६,
७/१२०/२९, ७/१२४/३

भ्रम ।

"होत मोह मम हृदयँ अपारा"—७/४७/४

७/५२क/-, ७/५६/२

ममता ।

"साँचेहुँ उन्हकें मोह न माया"—१/९६/३

आरोप ।

"प्रभु पर मोह धरहिं जड़ प्रानी"—१/११६/१

शंका ।

"देखि भयउ मोहि मोह" —७/७७ख/-

मंगल : कल्याण ।

"मंजुल मंगल मोद प्रसूती"—१/-/०३

१/१/१०, १/२/८, १/९/२, १/९/१०, १/९छं०,
१/१४/७, १/२३/२, १/२५/१, १/२७/१, १/३१/२,
१/३४/५, १/४०/७, १/६५/४, १/९०/८, १/९१/-,
१/९३/६, १/९३छं०, १/१०२छं०, १/१११/४, १/१४१/-,
१/१९३/४, १/२३६/-, १/२६२/२, १/२८५/१, १/२८७/६,
१/२८८/२, १/२९५/६, १/२९६/३, १/२९६/५, १/२९७/७,
१/३००/४, १/३०२/६, १/३०३/१, १/३०४/५, १/३११/५,
१/३१२/२, १/३१२/३, १/३१५/२, १/३१६छं०, १/३१७/-,
१/३१७/८, १/३१८/१, १/३१८/३, १/३१८छं०, १/३२२/५,
१/३२२छं०१, १/३२३/५, १/३२३/७, १/३२४/-, १/३२५छं०४,
१/३२६छं०१, १/३२६छं०२, १/३२७/-, १/३२९/१, १/३३८/३,
१/३४४/-, १/३४४/२, १/३४५/३, १/३४५/४, १/३४५/७,
१/३४५/८, १/३४७/-, १/३५७/२, १/३५९/-, १/३५९/१,
१/३६०/७, १/३६०छं०, २/०/१, २/३/६, २/४/६,

२/५/२, २/५/४, २/६/२, २/६/४, २/७/-, २/७/२, २/७/७, २/८/५, २/१२/१, २/२६/३, २/३१/३, २/३६/७, २/४५/-, २/५२/७, २/८६/४, २/८३/२, २/१०१/१, २/१२४/५, २/१२५/४, २/१५०/८, २/१८२/४, २/१८३/२, २/१८४/८; २/२००/-, २/२००छं०, २/२१५/८, २/२२४/१, २/२३४/-, २/२३५/७, २/२३५/८, २/२५३/३, २/२५४/१, २/२६८/८, २/२७८/६, २/३०१/-, २/३०७/६, २/३२५/५, ५/३६/२, ७/२/५, ७/६/३, ७/१०ख/-

शुभ लक्षण ।

"मनहुँ सकल मंगल कहि देई"—१/३०२/२

अभीष्ट अर्थ की सिद्धि ।

"सबन्हि बनाए मंगल हेतू"—७/८/२

मंगल गान : शुभगीत ।

"मंगल गान करहिं बर भामिनि"—१/३५४/१

मंच : मचान ।

"चहुँ दिसि कंचन मंच बिसाला"—१/२२३/३

१/२२३/४, १/२५४/-

मंजरि : कोंपल ।

"मंजुल मंजरि तुलसि बिराजा"—१/३४५/५

मंजीर : पायजेब ।

"मंजीर नूपुर कलित कंकन"—१/३२१छं०

मंजु : सुन्दर ।

"जन मन मंजु मुकुर मल हरनी" —१/-/०४

१/६/११, १/१४ग/-; १/१४घ/-; १/१४छं०; १/१८/८; १/३६/४; १/२११/७; १/२४३/२; १/२५४/५, १/३३६/५, २/५७/७; २/६१/६, २/८०/-, २/११६/७; २/१२३/७, २/१३२/८, २/१३६/६; २/२३५/६, २/२३६/३; २/२३८/-, २/२८३/२, २/२८६/८, २/३२५/५

मनोहर ।

"रचहु मंजु मनि चौकें चारू"— २/५/७

२/६५/२, २/२५८/२

मंजुल : सुंदर ।

"मंजुल मंगल मोद प्रसूती" —१/०/३

१/१/१, १/३६/७, १/३८/१२, १/८५छं०, १/२३६/-, १/३२६छं०, १/३४५/५, १/३४६/३, १/३४७/-, १/३५५/७, २/१२/१, २/२६/१, २/४०/६, २/११६/२, २/३१०/६, ७/५६/-

मनोहर ।

"गावहिं मंगल मंजुल बानी"—१/२८६/३

मंडन : भूषण ।

"चंड सर मंडन मही"—१/३१छं०

६/११०छं०, ६/११४छं०, ७/१३छं०३, ७/३४/६, ७/५०/८

मंडप : छाया हुआ किन्तु चारों ओर से खुला मँडवा ।

"गवनी मध्य मंडप सिव जहाँ"—१/८८छं०

१/२८८/४, १/३१८/४; १/ २४छं०४

मंडल : गोल घेरा ।

"सकल अवनि मंडल तेहि काला"—१/१५३/८

१/२५५/८, १/२५८/-, १/२६०/६, ३/१७/१०, ६/११४छं०, ७/१३छं०३

मंडलीक : मंडल का राजा ।

"मंडलीक मनि रावन"—१/१८२क/-

मंडित : भूषण ।

"सोइ महि मंडित पंडित दाता"—७/१२६/१

मंत्र : सलाह ।

"तापस नृप मिलि मंत्र बिचारा"—१/१६८/७

३/१२/३, ५/२३/८, ५/५०/२, ६/१०/६, ६/१६/४, ६/१६/५, ६/६३/५, ६/७४/३

कार्य की सिद्धि के प्रति उच्चरित वेद का संहिता भाग ।

"मंत्र परम लघु जासु बस"—१/२५६/-

२/१८३/२, ३/१/१, ३/३१छं०, ३/३५/१, ६/५७/-, ७/११/४, ७/१०४/७, ७/१०४/८

भूत-प्रेत एवं विषैले कीट का विष उतारने के प्रति उच्चरित शब्द ।

' साबर मंत्र जाल जिन्ह सिरिजा '—१/१४/५
१/३१/८, १/४३/-; १/१६७/४
इच्छानुसार ।
"राज करइ निज मंत्र"—१/१८२क/-
निश्चय ।
"मन क्रम बचन मंत्र दृढ़ एहा"—३/२२/५
कर्त्तव्य ।
"करि बिचार तिन्ह मंत्र दृढ़ावा"—६/३८/४
बिचार ।
"लछिमन मन अस मंत्र दृढ़ावा"—६/७५/१४

मंत्री : सलाह देनेवाला ।

"जाचक मंत्री मीत"—१/३०८/-
२/४/४, २/१४१/६, २/२४५/-, २/३०२/२, ६/२२/४, ६/४७/५

मंद : नीच ।

"मंद महीपन्ह कर अभिमानू"—१/२५६/४
२/१४३/६, ६/७७/१, ६/६३/५, ७/१२०/११, ७/१२०/११
बुद्धि में मंद ।
' कौसिक सुनहु मंद यहु बालक"—१/२७३/१
३/४४/३, ४/०२/-, ४/२/-
बुरा ।
"तिन्ह कहँ मंद कहत कोउ नाहीं"—१/६८/६
१/१३६/२, ५/१०/-, ५/४०/७
चाल में मंद ।
' सीतल मद सुरभि बह बाऊ ' —१/१६०/३
३/३६/८
मूर्ख ।
"को जग मद मलिन मति मोतें '—१/२७/११

मंदमति : मोटी अक्लवाला ।

"पिता मंदमति निन्दत तेही"—१/६३/६

१/८८छं०, २/१२/-, २/८१/-, ३/०/६, ३/०/७, ६/३२/५, ६/७१/-, ६/८८/८, ७/३६/७, ७/४४/-

मंदिर : राजमहल।
"मंदिर महँ सब राजहिं रानी"—१/१८६/७
१/१८४/६, १/२३५छं०, १/३२४/-, २/४/१, ४/१९/५, ५/४/५, ५/४/५, ५/४/६, ५/४/७, ५/२५/१, ५/२५/१, ६/८/८, ६/११५/६, ७/२/२ ७/९/३, ७/४१/३, ७/७५/२
देवालय।
"मंदिर एक रुचिर तहँ"—४/२४/-
५/४/८, ६/५६/१, ७/२८/४, ७/१०४/८, ७/१०६क/-, ७/१०६/१, ७/१०८क/-,
धाम।
"सुख मंदिर सुन्दर श्रीरमनं"—६/११०छं०
६/११४छं०, ७/२४/७, ७/३२/३, ७/३३/३, ७/३८/-, ७/८८/४
घर।
"मगलमय मंदिर सब केरे"—१/२१२/५
१/२८६/४, १/३०३/८, २/१२९/-, २/१३०/-

मांस : गोश्त।
'धावहिं सठ खग मांस अहारी"—६/३९/९

मुंड : सिर।
"नभ उड़त बहु भुज मुंड"—३/१९छं०
६/४४/-, ६/६७/८, ६/८७/१०
कटे हुए सिर।
"बोल्लहिं जो जय जय मुंड"—६/८७छं०

मुंडित : मूँडा हुआ।
"मुंडित सिर खंडित भुज बीसा"—५/१०/४

रचना : निर्माण।
"भक्ति बिबेक धर्म जुत रचना"—१/७६/५
१/११८/७, १/१२९/-; १/१५०/१, १/२२३/८; १/२२४/३; १/२४३/८, १/२८४/३; १/२८७/-, १/२९२/६, १/२९५/६,

१/३१३/५, १/३४४/१, ४/१/६, ६/१/२, ७/७८/४
तैयारी ।
'लागे रचैं मूढ़ सोइ रचना''—५/२४/४
व्यवस्था ।
''कीन्ही जाइ तिलक की रचना''—६/१०५/५

रज : धूल ।
''गुरु पद रज मृदु मंजुल अंजन''—१/१/१
१/६/८, १/२१०/, १/२८१/३, १/३००/३, १/३०७/१, २/०१/-, २/२/६, २/८८/४, २/१३८/२, २/१८८/२, २/२२८/६, २/२३७/४, ३/१३/७, ४/६/२, ४/६/२, ६/६८/४, ६/८२छं०, ६/११०छं०, ७/१२छं०४, ७/५१/४, ७/१०५/११
रजोगुण ।
'सत्व बहुत रज कछु रति कर्मा''—७/१०३/३
७/१०३/४

रजत : चाँदी ।
''रजत सीप महुँ भास जिमि''—१/११७/-

रजनि : रात ।
''रुचिर रजनि जुग जाम सिरानी''—१/२२५/२

रजनी : रात ।
''मिटहिं दोष दुख भव रजनी के''—१/०/७
१/३५७/३, २/२२५/३, ३/४२क/-, ३/४३/३, ७/१३छं०३

रजनीचर : राक्षस ।
''सुखी सकल रजनीचर कीन्हें''—१/१७८/७
१/१८०/५, २/६२/१, ३/१८/१, ५/१६/८, ५/१७/६, ५/३५/७, ६/४६/६, ६/६६/७, ६/७१/१०, ६/११३/६, ७/१३छं०२

रत : तत्पर ।
''ब्रह्मचरज व्रत रत मतिधीरा''—१/१२८/२
२/४२/४, २/१६१/५, २/१७२/-, २/२२७/२, २/२८२/-, ३/२१/७, ३/२३/६, ३/४५/७, ६/५६/-, ६/७८/-,

६/१०३छं०, ६/१०६/४, ६/१०६/६, ६/१०६/११, ६/११२छं०,
६/११३/१०, ७/२०/४, ७/२१/८, ७/२८/५, ७/३६/४,
७/४०/४, ७/४६/-, ७/४६/४, ७/५३/२, ७/५३/७,
७/५४/-, ७/७३क/-, ७/६६ख/-, ७/६७/१, ७/६७/४,
७/६८/३, ७/११०/२

अनुरक्त ।

"सीय राम पद होइ न रत को"—२/३०३/२

४/१३/-, ७/१२०/११, ७/१२०/२६, ७/१२६/७

आसक्त ।

"सोचिअ जती प्रपंच रत"—२/१७२/-

५/५७/३, ७/३६/-

प्रेम ।

"मन क्रम बचन चरन रत होई"—२/७१/८

२/६३/१, ७/११२ख/-

मग्न ।

"सीता बैठि सोच रत रहई"—४/२७/१२

रति : प्रीति ।

"रामचरन रति देहु"—१/३ख/-

१/८/६, १/१०३/५, १/१०५/१, १/१५०/५, १/१६३/३,
१/१६६/२, २/१२६/-, ३/६/१, ३/१४/-, ४/१७/७,
५/१०/१, ६/१०८छं०, ७/६क/-, ७/२४/-, ७/२४/१,
७/२४/५, ७/६६क/-, ७/१०३/३, ७/१०३/६, ७/१०६/१६,
७/१२४/२

कामदेव की स्त्री ।

"सुनत रति मुरछित भई"—१/८६छं०

१/८७/-, १/८७/३, १/८८/२, १/६०/२, १/१२६/१,
१/२४६/५, १/२६६/२, १/३१७/१, १/३२४/४, २/६०/२,
२/१२२/३, २/१३३/-, २/२३८/७, ३/२१/६, ६/११/७

प्रेम ।

सुनिअ कथा सादर रति मानी"—१/३२/८

१/३६/१४, २/७४छं०, २/२०४/-, २/२०४/२, ३/०१/-,
३/४/१६, ३/१२/१३, ३/१५/८, ३/३४/८, ७/२१/४,
७/४२/-, ७/४८/८, ७/१२८/-

आसक्त ।

"राम बिमुख रति काम"—६/७८/-

रत्न : बहुमूल्य पदार्थ ।

"डारहिं रत्न तटन्हि नर लहहीं"—७/२२/८

रथ : वाहन-विशेष ।

"दासीं दास तुरग रथ नाना"—१/१:०/७
१/१८५/-, १/१८५/८, १/२१३/२, १/२८८/३, १/२८८/-, १/३००/१, १/३००/७, १/३००/८, १/३०१/-, १/३०४/-, १/३२५/४, १/३३२/६, १/३३८/५, २/६/-, २/८१/-, २/८२/१, २/८८/२, २/८५/२, २/१४१/५, २/१४२/३, २/१४२/५, २/१४४/८, २/१८६/४, २/१८६/५, २/१८७/३, २/१८७/५, २/१८७/७, २/२०२/६, २/२२७/७, २/२७१/४, २/२७४/२, ३/२८/-, ३/२८/-, ३/३७/८, ५/२छं०१, ६/४२/७, ६/५०/३, ६/५३/४, ६/७१/८, ६/७२/-, ६/७७/७, ६/७७छं०, ६/७८/२, ६/७८/३, ६/७८/५ ६/७८/११, ६/८०क/-, ६/८१/-, ६/८१/४, ६/८३छं०, ६/८५/३, ६/८६/४, ६/८६छं०, ६/८८/२, ६/८८/३, ६/८८/१, ६/८१/२, ६/८१/३, ६/८२/३, ६/८२/४, ६/८४/२, ६/८७छं०, ६/८८/८, ७/१०क/-, ७/४८/३

रद : दाँत ।

"अधर अरुन रद सुंदर नासा"—१/१४६/२
२/४७/७

रदपट : ओंठ ।

"रदपट फरकत नयन रिसौहैं"—१/२५१/८

रम : प्रिय ।

"जेहि कर मनु रम जाहि सन"—१/८०/-

रमा : लक्ष्मी ।

"संत समाज पयोधि रमा सी"—१/३०/१०
१/१३५/४, १/१३६/-, १३/१७/१, १/३१६/३, १/३१७/६, १/३२१/७, २/२७२/५, २/३२३/८, ३/३१छं०४, ६/१०६छं०, ६/११०छं०, ७/११ख/-; ७/२३/८

रम्य : रमणीय ।
"परम रम्य मुनिबर मन भावन"—१/४३/६
१/१०४/८, १/२२७/-, ६/१/३, ६/१०/२, ६/११०छं०,
७/०२/-, ७/२८छं०
सुंदर ।
"तिन्ह तें अधिक रम्य अति बंका"—१/७७/८

रव : शब्द ।
"आवत देखि अधिक रव बाजी"—१/१५६/१
१/२६०छं०, ४/१६/३, ६/७५/५, ६/७९छं०, ६/८६छं०,
६/१०२/४
ध्वनि ।
"सोइ रव मधुर सुनहु सुरभूपा"—६/१२/७
६/७८/८, ७/२८छं०, ७/५६/-
बोली ।
"कलहंस पिक सुक सरस रव"—१/८५छं०
३/१९/९
आवाज़ ।
"सुनि कल रव कलकंठि लजानी"—१/२९६/३
६/५२/७
घरघराहट ।
"रथ रव बाजि हिंस चहुँ ओरा"—१/३००/१

रस : स्वाद ।
"राम भगति रसलीन"—१/२२/-
१/६०/८, १/६८/६, १/११७/६, १/११९/-, १/१४५/७,
१/१९७/२, १/२०७/७, १/२१०छं०, २/९१/३, २/१०२/४,
२/१२७/१, २/१२७/२, २/१७५/८, २/१७५छं०, २/१७८/७,
२/२०८/-, ५/३५/५
नौ रसों में से एक ।
"तिन्ह कहँ सुखद हास रस एहू"—१/८/३
१/८/१०, १/९/०, १/२६/१०, १/१९२/६, १/२९२/६,
२/४६/-, २/२२८/५, २/२२८/५, २/२२९/१, २/२८३/५,
६/६१/-
आनंद ।

"रनिवासु हास बिलास रस बस"—१/३२६छं०२
२/२२१/७, २/३२६/-, ७/१२क/-, ७/१७ख/-, ७/४६/७, ७/५२/१, ७/६४/१, ७/१२४/१
फलों, वनस्पतियों का जलीय अंश।
"हरि पद रति रस बेद बखाना"—१/३६/१४
१/३७/४, १/२११/७, १/२७७/८, ६/२५/६, ७/८६/५,
छह रसों में से एक।
"एक एक रस अगनित भाँती"—१/३२८/५
आसक्ति।
"धरम धुरीन बिषय रस रूखे"—२/४८/३
अमृत।
"चंद किरन रस रसिक चकोरी"—२/५८/८
मकरंद रस।
"गुंजत मंजु मधुप रस भूले"—२/१२३/७

रसना : जीभ।
"रसना एक यहु मंगल महा"—१/३२४छं०१
२/२४छं०, ६/३२/८, ६/३२/६, ७/८७/३

रसा : पृथ्वी।
"रसा रसातल जाइहि तबहीं"—२/१७८/२

रसातल : सात तलों में से एक तल।
"रसा रसातल जाइहि तबहीं"—२/१७८/२

रसाल : आम।
"देखि रसाल बिटप बर साखा"—१/८६/१
२/५/६, २/६२/७, २/२३६/२, ६/८६छं०

रसिक : प्रेमी।
"कबित रसिक न राम पद नेहू"—१/८/३
२/५८/८, ७/६८ख/-

रहस्य : छिपे हुए भाव एवं चरित्र।
"औरउ राम रहस्य अनेका"—१/११०/३
१/१८५/१, ७/७३/४, ७/८४/७, ७/८२/८, ७/११३/२, ७/११६क/-

राका : पूर्णिमा।

"ध्रुव बिस्वासु अवधि राका सी"—२/३२४/५
३/४२क/-, ७/३ग/-

राकापति : पूर्ण चन्द्रमा ।
"राकापति षोडस उअहिं"—७/७८ख/-

राग : प्रीति ।
"लोभ न क्षोभ न राग न द्रोहा"—२/१२९/१
२/२१८/३, ५/४६/३, ६/७८/९
लययुक्त ध्वनि ।
"सरस राग बाजहिं सहनाई"—१/३०१/६
१/३४३/२
आसक्ति ।
"नहिं राग न लोभ न मान सदा"—७/१३छं०७

राजा : नरेश ।
"तेहिं पुर बसइ सीलनिधि राजा"—१/१२९/२
१/१३२/५, १/१४२/३, १/१५५/३, १/१५७/-, १/१५७/५,
१/१५९/६, १/१६३/२, १/१६५/१, १/१६८/६, १/१७१/-,
१/१७१/६, १/१७५/१, १/१८२/६, १/२०२/६, १/२०४/८,
१/२०६/१, १/२०७/१, १/२५०/५, १/२७०/५, १/२८४/१,
१/३१२/८, १/३३८/४, २/६/२, २/१२६/६, २/१४७/४,
२/२४९/८, २/२५३/२, २/२५५/५, २/२७२/६, २/२७३/-,
२/२९१/६, ३/१६/१४
स्वामी ।
"कपिपति रीछ निसाचर राजा"—१/१७/१
१/२४/६, ४/२९/७, ५/४/१, ५/२८/२
शासक ।
"संग तें जती कुमंत्र ते राजा"—३/२०/१०
७/२९/-

राजीव : कमल ।
"पद राजीव बरनि नहिं जाहीं"—१/१४७/१
१/२१०छं०, १/३१५/३, ३/१०/७, ३/३१छं०१, ६/७०छं०,
६/११२छं०, ६/११४छं०, ७/४/८, ७/४छं०, ७/१८क/-,
७/७५/६

राममंत्र : रामोपासकों का मंत्र ।

"हरषित राममंत्र तब दीन्हा"—७/११२/६

रामायुध : राम का धनुष-बाण ।

"रामायुध अंकित गृह"—५/५/-

रिपु : शत्रु ।

"सहज बयर बिसराइ रिपु"—१/१४क/-

१/१६९/८, १/१७०/-, १/१७०/३, १/१७०/५, १/१७४/८, १/१८०/६, १/१८६/८, १/२१०छं०, १/२३०/७, १/२७०/४, १/२७४/-, २/१६/६, २/२२८/२, ३/१/७, ३/१६/१२, ३/१८/१०, ३/१८/१३, ३/१९छं०, ३/१९छं०, ३/२०क/-, ३/२०/१, ३/२१क/-, ३/४२/९, ४/५/३, ४/५/११, ५/४/२, ५/३९/३, ५/३९/७, ५/४०/३, ५/४२/२, ५/५१/२, ५/५३/-, ५/५५/६, ६/०/३, ६/७/७, ६/१०/-, ६/१५/४, ६/१६/८, ६/२३ख/-, ६/२७/७, ६/३४ख/-, ६/३४/१०, ६/३५क/-, ६/३८/१, ६/४३/७, ६/४५/-, ६/४७/-, ६/६६/८, ६/६७/२, ६/७५/९, ६/७५/१३, ६/७७/६, ६/७९/११, ६/८०क/-, ६/८३/८, ६/९२/६, ६/९५छं०, ६/९७/१, ६/९७/५, ६/९८/२, ६/९८छं०, ६/१०१/२, ६/१०५छं०, ७/१/५, ७/१२०ख/-

रीति : परम्परा ।

"करि कुल रीति बेद बिधि राऊ"—१/३०१/२

१/३०८/१, १/३१९छं०, १/३२१/४, १/३२२छं०२, १/३२४/७, १/३२४छं०२, १/३२६छं०२, १/३४९/-, १/३५०ख/-, २/१४/३, २/२७/४

ढंग ।

"सुनत जरहिं खल रीति"—१/४/-

१/५७ख/-, १/३५३/७, १/३५९/९, २/२५९/८, २/२६६/६, २/२९८/१, २/३०६/-, ७/११५/२

रुचि : इच्छा ।

"देवि मागु बरु जो रुचि तोरें"—१/१४९/३

१/१५०/२, १/२१४/२, १/२४१/-, १/२९७/४, १/३३०/६, १/३५२/५, १/३५२/६, २/८१/५, २/१०६/३, २/१८०/४,

२/२०४/-, २/२१३/८, २/२१८/७, २/२५२/३, २/२५७/८,
२/२७८/२, २/२८८/३, २/३००/२, २/३०१/५, २/३०२/८,
२/३१२/६, २/३१३/३

चाह।

"मति अति नीच ऊँचि रुचि आछी"—१/७/७

१/२२/३, १/२८क/-, १/३५/८, १/१०८/७

रुचिर : सुन्दर।

"प्रगटेसि तुरत रुचिर रितुराजा"—१/८५/६

१/१४६/६, १/१८७/६, १/२०८/२, १/२१८/५, १/२१८/-,
१/२२३/२, १/२२५/२, १/२८८/१, १/३००/७, १/३०१/-,
१/३५५/५, २/१२५/६, २/१३३/-, २/२१३/४, ३/१६/७,
३/२३/१, ३/२६/३, ३/४०/१, ४/१/६, ४/१२/-,
४/२४/-, ५/३४छं०२, ६/१०/४, ६/१०/११, ६/१०७/७,
६/१०८छं०२, ६/११४क/-, ६/११४छं०, ६/११८/६, ७/३/२,
७/१०/१, ७/२६/३, ७/२६छं०, ७/२७/८, ७/२७छं०,
७/२८/१, ७/२८/४, ७/५६/१, ७/७५/३, ७/७५/६,
७/७६/-, ७/८५ख/-, ७/१२८/३

दिव्य।

"तुरतहिं रुचिर रूप तेहिं पावा"—३/६/७

३/२६/७

मनोहर।

"सुनि मृदु गूढ़ रुचिर बर रचना"—१/१५०/१

गोल।

"रेखें रुचिर कंबु कल गीवा"—१/२४२/८

स्वादिष्ट।

"छरस रुचिर बिंजन बहु जाती"—१/३२८/५

रुज : रोग।

"समन सकल भव रुज परिवारू"१/०/२

१/१३२/१, १/१४०/५, ३/२१क/-, ७/१००क/-

रुधिर : खून।

"दलित दसन मुख रुधिर प्रचारू"—२/१६२/५

३/१/८, ४/५/७, ५/३/४, ६/५१/३, ६/५३/-,
६/७५/१, ६/८६छं०, ६/८१/८, ६/८१/८, ६/८२छं०,
६/८७/७, ६/१०१छं०, ६/१०२छं०

रूप : आकार।

'नाम रूप दुइ ईस उपाधी''—१/२०/२

१/२०/४, १/२०/४, १/२०/५, १/२०/६, १/२०/७,
१/५२/-, १/११०/८, १/११४/४, १/१२०घ/-, १/१२९/३,
१/१३०/१, १/१३१/-, १/१३२/६, १/१३३/१, १/१४५/६,
१/१४७/५, १/१४७/६, १/१८२/४, १/१८३/७, १/१९१छं०,
१/१९२/८, १/१९७/६, १/१९८/१२, १/२०१/-, १/२०३/७,
१/२०५/-, १/२१६/-, १/२१९/४, १/२२०/१, १/२२८/५,
१/२३१/-, १/२३१/४, १/२४०/५, १/२४५/७; १/२४६/१,
१/२४७/४, १/२६८/८, १/२८८/५, १/३१३/६, १/३१५छं०,
१/३१६/२, १/३२२/२, १/३२४छं०३, १/३३४/३, १/३३५/-,
१/३४०/२, १/३४८/८, २/५७/२, २/५८/-, २/५८/१,
२/८८/१, २/११३/१, २/११४/४, २/१४८/६, २/१५५/६,
२/१९९/५, २/२७५/८, ३/१/२, ३/६/७, ३/९/१८,
३/९/१८, ३/१२/१३; ३/१६/७, ३/१६/१९; ३/१७/६,
३/२१/९, ३/२३/४, ३/२७/१३, ३/२९/७, ३/३१छं०,
४/०/३, ४/०/६, ४/०/७, ४/३/-, ५/१/९,
५/१/१०, ५/३/-, ५/३/१, ५/४/४, ५/१५/९,
५/२५/४, ५/२६/-, ५/४६/८, ५/५७/८, ६/३/८,
६/१५क/-, ६/१५/४, ६/५४/८, ६/६३/-, ६/७७/-,
६/९५/१, ६/१०८छं०, ६/११८क/-, ६/१२०/१, ७/१क/-,
७/५/५, ७/११ख/-, ७/१२छं०१, ७/१२छं०१, ७/१७क/-,
७/२९/२, ७/३१/५, ७/६३ख/-, ७/७१/३, ७/७३ख/-,
७/७६/८, ७/८०/७, ७/८९/६, ७/९०/३, ७/११९/३

सौन्दर्य।

''रूप बिंदु जल होहिं सुखारी''—२/१२७/७

३/३छं०, ५/२छं०२, ६/११क/-, ७/२४/८

वेश।

''धरि बटु रूप देखु तैं जाई''—४/०/४

५/५/५; ५/७/६, ५/१०/-

चेहरा।

''आपन रूप देहु प्रभु मोही''—१/१३१/६

१/१३५/१

ढंग ।

"गुप्त रूप अवतरेउ प्रभु"—१/४८क/-

स्वभाव ।

"रूप सील निधि तेज बिसाला"—१/७५/५

स्वरूप ।

"उमा अवधवासी नर नारि कृतारथ रूप"—७/४७/-

रोग : बीमारी ।

"बिबुध बैद भव भीम रोग के"—१/३१/३

६/११९/९, ७/१३छं०५, ७/१३छं०९, ७/१०/-, ७/१०१छं०, ७/११९/८, ७/१२०/७, ७/१२१ख/-, ७/१२१/२, ७/१२१/८, ७/१२८/२

रोम : रोएँ ।

"रोम रोम प्रति बेद कहै"—१/१९१छं०३

१/१९१छं०३, १/२०१/-, १/२०१/-, ६/१४/७, ७/४/८, ७/२१/२

ऊन ।

"रोम पाट पट अगनित जाती"—२/५/३

रोष : क्रोध ।

"तेज कृसानु रोष महिषेसा"—१/३/५

१/२५०/६, २/३०/१, २/३३/१, २/२१७/५, ३/२८/१७, ६/२३घ/-, ६/२३/८, ७/६६ख/-, ७/१०६ख/-

रंक : दरिद्र ।

"रिस उर मारि रंक जिमि राजा"—१/१५७/५

१/२१९/२, १/२३७/-, १/३४९/७, २/५१/५, २/१३४/२

कंगाल ।

"लच्छि अलच्छि रंक अवनीसा"—१/५/७

१/७/६, २/११०/१, ३/४४/३

रंग : वर्ण ।

"बरिसहिं सुमन रंग बहु माला"—१/२६१/६

७/१६/५, ७/२६/३, ७/२६/४, ७/२६/४, ७/२६/६, ७/२८छं०

यज्ञ ।

"रंग अवनि सब मुनिहि देखाई"—१/२४३/५

आसक्ति ।

"मुख प्रसन्न मन रंग न रोषू"—२/१६५/१

उत्साह ।

"कुम्भकरन रन रंग बिरुद्धा"—६/६६/१

रंगभूमि : युद्धक्षेत्र ।

"रंगभूमि आए दोउ भाई"—१/२३६/५

१/२४७/४

रंजन : प्रसन्न करनेवाला ।

"कृपासिंधु सेवक मन रंजन"—१/६६/७

१/१३६/-, १/१८५छं०, ३/१०/१०; ३/२२/३, ५/३८/४, ६/११०छं०, ६/११२छं०ह., ६/११४छं०; ६/११४छं०, ७/२६/१०, ७/५०/३, ७/१२६/२

आनन्द करनेवाला ।

"जन रंजन भंजन भव भारू"—२/३२५/८

रुंड : धड़ ।

"रुंड मुंडमय मेदनि करहीं"—१/१६१/२

३/१६छं०, ६/५२/७, ६/६७/८, ६/८७/१०; ६/१०२/२

लघु : छोटा ।

"लघु मति मोरि चरित अवगाहा"—१/७/५

१/१३/-, १/६३/३, १/१४१/४, १/१७०/-, १/१७५/४; १/२२०/८, १/१२२/४, १/२४०/-, १/२४२/१, १/२४६/२, १/२५५/६; १/२५५/८, १/२५६/-; १/२५८/८, १/२७७/७, १/२८१/६, १/२८२/७, १/३२२/१, १/३४४छं०३, १/३४८/८, २/१४/३, २/४४/७, २/११६/५, २/१३२/८, २/१६२/३, २/१६४/२, २/१६५/४, २/१८०/२, २/१६३/४, २/१६५/३, २/१६६/१, २/२०२/२, २/२१३/२, २/२१४/१, २/२१६/५, २/२२२/६; २/२३२/६, २/२४१/१, २/२५५/६, २/२५८/७, २/३०३/१, २/३०४/-, २/३१८/८, २/३२२/२, ३/१६/११, ५/१/१०, ५/३/-, ५/४/४, ५/१५/६, ५/१६/-, ५/२६/-, ५/५६/२, ६/०/१, ६/२२/६, ६/२४/७, ६/२५/-, ६/३५/२, ६/५४/८, ७/७४/७

तुच्छ ।
"लागइ लघु बिरंचि निपुनाई"—१/९३/८
१/९३छं०,   १/२८८/७,   १/३१२/६,   १/३१३/४
थोड़ा ।
"बिकल मीन गन जनु लघु पानीं"—१/३३३/२
७/१०१छं०४

लघुता : छोटापन ।
"जद्यपि लघुता राम कहुँ"—६/२३घ/-
७/९१छं०
हल्कापन ।
"लघुता ललित सुबारि न थोरी"—१/४२/१

लता : बेल ।
"छमा दया दम लता बिताना"—१/३६/१३
१/८४/१,   १/२३१/३,   ३/२९/८,   ३/३२/५,   ३/३७/१,
६/१८/५,   ७/२२/५,   ७/२७/२

लताभवन : कुंज ।
"लताभवन तें प्रगट भे"—१/२३२/-

ललाट : मस्तक ।
"ससि ललाट सुन्दर सिर गंगा"—१/९१/३
१/१४६/४

ललाम : सुन्दर ।
"किंकिनि ललाम लगामु ललित"—१/३१५छं०

ललित : सुन्दर ।
"लघुता ललित सुबारि न थोरी"—१/४२/१
१/३०४/१,   २/६३/१,   २/१३२/८,   ७/७५/७,   ७/७६/४,
७/८७/८,   ७/११३/२
मनोहर ।
"चितवनि ललित भाँवती जी की"—१/१३६/३
१/३१५छं०,   ३/२३/१,   ७/४छं०१,   ७/२७/२

लव : अंश ।
"लव निमेष महुँ भुवन निकाया"—१/२२४/४
१/२५७/८

क्षण ।
"जो सुख लव सतसंग"—५/४/-
६/०१/-
रामपुत्र ।
"लव कुस बेद पुरानन्ह गाए"—७/२४/६
लहरि : लहर ।
"दुखद लहरि कुतर्क बहु ब्राता"—१/८२/६
लाभ : हानि का उल्टा ।
"परहित हानि लाभ जिन्ह केरें"—१/३/२
१/२१०छं०, १/२५७/२, २/७२/२, २/१०६/७, २/२५५ ६,
६/२५/८, ६/१०१/१
प्राप्ति ।
"लोचन लाभ अवधि अनुमानी"—१/३५८/२
२/५१/८, ७/४५/२, ७/४७/७, ७/१२५ख/-
लालसा : अभिलाषा ।
"बहु लालसा कथा पर बाढ़ी"—१/१०३/२
१/१४८/३, १/२१७/१, १/३२४/५, १/३४४/४, २/३/४,
२/३६/८, २/१०८/३, २/२२४/-, २/२७४/३, २/३१३/३,
७/१०८/१३
लीन : तन्मय ।
'जे राम भगति रस लीन"—१/२२/-
३/८/२, ३/३५छं०, ५/८/-, ७/५३/५
लुप्त : अदृश्य ।
"लुप्त भए सद्ग्रंथ"—७/८७क/-
लोक : धाम ।
"लोक बिसोक बनाइ बसाए"—१/१५/३
१/१०२/३, १/१२७/२, १/१८१/७, १/१८८/६, १/१८०/२,
१/१८१/-, १/१८६/६, ६/२/१, ६/१४/-, ६/१४/१,
६/११८/८, ७/३५/१, ७/७८/४
पृथ्वी ।
"लोक लाहु परलोक निबाहू"—१/१८/२
१/२४/२, १/२६/६, १/३१/५, १/७५/-, १/८१/६,
२/२१८/-, २/२६३/-, ३/१६/८; ५/५६/५, ५/५८/४,
६/४८/१, ६/८८/७

सांसारिक व्यवहार ।

"करि लोक बेद बिधानु"—१/३२४छं०३

१/३२६छं०४, १/३५०ख/-, १/३५१/१, १/३५८/७, १/३६०/४, २/१८३/३, २/१८५/१, २/२०६/३, २/२२२/६, २/२२८/-, २/३०३/८

संसार ।

"लोक समस्त बिदित अति पावनि"—१/३४/३

१/३८/१२, १/१११/७, १/१६१/२, १/२३७/७, २/३१४/४, ६/८५/८, ७/५४/८, ७/७०/६

लोग ।

'कथा जो सकल लोक हितकारी"—१/१०६/६

१/३३३/-, २/१७३/७, २/२३०/-, २/२७०/१

भुवन ।

"चले लोक लोचन सुखदाता"—१/२१८/१

१/२८८/५, १/२८१/६, १/३१३/४, १/३४७/१

स्वर्ग ।

"सुनु मतिमंद लोक बैकुंठा"—६/२५/८

७/८०/१, ७/८०/१

लोकपाल : दिक्पाल ।

"लोकपाल अवलोकि सिहाने"—१/३२५/६

६/१८/४, ६/२२क/-, ७/७८/६

लोकमत : जनता की राय ।

"करत साधुमत लोकमत" —२/२५८/-

लोचन : नेत्र ।

"सींचत लोचन चारु"—१/३७/-

१/४८ख/-, १/४८/२ १/८८/१, १/१०१/४, १/१०६/-, १/११०/७, १/११२/३, १/११६/३, १/१४५/८, १/१८१छं०१, १/२१०छं०, १/२१४/५, १/२१८/१, १/२१८/२, १/२१८/६, १/२१८/३, १/२२८/७, १/२३१/३, १/२३१/७, १/२३२/४, १/२४०/८, १/२४१/१, १/२४३/३, १/२४५/३, १/२४७/८, १/२५४/-, १/२५८/-, १/२५८/२, १/२५८/२, १/२६८/८, १/३०८/६, १/३१५/-, १/३१६/५, १/३२१/-, १/३३७/४,

१/३४६/७, १/३५८/२, २/३/३, २/२८/७, २/३५/६,
२/४४/२, २/४६/-, २/६३/१, २/७२/३, २/८६/६,
२/१०६/-, २/११३/६, २/१२१/३, २/१२७/६, २/१३३/२,
२/१४२/-, २/१४४/३, २/१४८/४, २/१५२/-, २/१६४/-,
२/१७५छं०, २/१६७/७, २/२१७/१, २/२१६/८, २/२२५/६.
२/२४८/४, २/२६४/४, २/३१६/६, २/३२५/१, ३/३/-,
३/५/१०, ३/७/-, ३/६/६, ३/११/६, ३/२०/३,
३/२५छं०, ३/३०/७, ३/३३/७, ४/२/६, ४/६/५
४/२५/३, ५/३०/-, ५/३०/२, ५/३१/८, ५/४४/४,
६/३३क/-, ६/५८/४, ६/५६/-, ६/६०/१७, ६/६२/७,
६/६२/८, ६/७०छं०, ६/१०४/३, ६/१०६छं०, ६/१०८/४,
६/११०छं०, ६/१११/-, ६/११८ग/-, ७/१/१, ७/४छं०१,
७/१६/४, ७/३२/३, ७/४६/७, ७/५०/१, ७/६६क/-,
७/७४/६, ७/७६/५, ७/११०/११

गोरोचन ।

"अच्छत अंकुर लोचन लाजा"—१/३४५/५

लोभ : लालच ।

"कुंभज लोभ उदधि अपार के"—१/३१/६

१/१७६/२, १/३२४/६, २/२२६/१, २/२६७/४, ३/१०/१३,
३/३८क/-, ३/३८ख/-, ३/३८/३, ४/२०/५, ५/३७/८,
५/३८/-, ५/४६/१, ६/१४/५, ६/१०१/१, ६/१०६/६,
७/१३छं०७, ७/२६/६, ७/३८/५, ७/३६/४, ७/७०क/-,
७/७३क/-, ७/६७ख/-, ७/६८/३, ७/६६क/-, ७/११७/७,
७/११६/४, ७/१२०ख/-, ७/१२०/३०

लोल : चंचल ।

"राजत लोचन लोल"—१/२५८/-

५/३४छं०१

लोलुप : लोभी ।

"जे कामी लोलुप जग माहीं"—१/१२४/८

७/६६/८

लालची ।

"लोभी लोलुप कल कीरति चहई"—१/२६६/३

२/१७८/७

लोलुपता : लालच ।
"इरिषा परुषाच्छर लोलुपता"—७/१०१छं०

लौकिक : सांसारिक ।
"करि बैदिक लौकिक सब रीती"—१/३१९/१
१/३२६छं०२, २/८६/८, ६/१०८छं०१

लंपट : आसक्त
"जे लंपट परधन परदारा"—१/१८३/१
२/१६७/३, ७/३९/४, ७/६९/१
व्यभिचारी ।
"लंपट कपटी कुटिल बिसेषी"—१/११४/२

वरूथ : समूह ।
"निसिचर करि वरूथ मृगराजः"—३/१०/६

वर्म : कवच ।
"धर्म वर्म नर्मद गुण ग्रामः"—३/१०/१६

वा : अथवा ।
"तिन्ह कें सम बैभव वा बिपदा"—७/१३छं०७
७/८७क/-, ७/१०७छं०१३

विपुल : बड़ा ।
"कलिमल विपुल विभंजन नामः"—३/१०/१५

विविक्त : एकान्त ।
"विविक्त वासिनः सदा"—३/३छं०

विशुद्ध : पवित्र ।
"विशुद्ध बोध विग्रहं"—३/३छं०

विषम : असम ।
"निर्गुण सगुण विषम सम रूपं"—३/१०/११

वीचि : तरंग ।
"वितर्क वीचि संकुले"—३/३छं०

वैरि : शत्रु ।
"मनोज वैरि वंदितं"—३/३छं०

वंश : कुल ।
"दिनेश वंश मंडनं"—३/३छं०

शमन : नाश करनेवाले ।
"शमन सुकर्कश तर्क विषादः"—३/१०/८

शर : वाण ।
"पाणि चाप शर कटि तूणीरं"—३/१०/४

शील : स्वभाव ।
"कृपालु शील कोमलं"—३/३छं०

शूल : दु:ख ।
"त्रयः शूल निर्मूलनं शूलपाणीं"—७/१०७छं०१०

श्याम : काला रंग ।
"निकाम श्याम सुंदरं"—३/३छं०
३/१०/३

श्रद्धा : पूर्ण विश्वास।
"श्रद्धा रितु बसंत सम गाई"—१/३६/१२
१/३८/-, २/१०४/३, २/२४७/-, ३/४५/४, ७/८८/४, ७/११६/८, ७/१२१/७

श्रम : थकावट ।
"सो श्रम जाइ न कोटि उपाएँ"—१/१०/५
१/१३/-, १/५८/-, १/१५८/१, १/२३८/४, १/२७४/८, २/६६/२, २/८४/६, २/८६/७, २/८६/८, २/८६/८, २/२७४/३, ५/२६/-, ५/३६/८, ६/४५/-, ६/५६/२, ६/५८/७, ६/७१/१, ६/११५/५
परिश्रम ।
"सो श्रम बादि बाल कवि करहीं"—१/१३/८
१/२४/७, २/११८/६, २/१२३/-, २/१३१/८, २/१३७/८, २/२१३/-, ३/४/१८, ३/२०/८, ४/१६/-, ६/२/४, ६/१०१/२, ७/१२छं०३, ७/११३/३, ७/१२८छं०२
शारीरिक कष्ट ।
"भव श्रम सोषक तोषक तोषा"—१/४२/४
६/४६/५, ६/८३/४, ७/४८/५, ७/४८/५
पसीना ।
"श्रम कन सहित स्याम तनु देखें"—२/६६/४
६/७०छं०

साधन ।

"केवल ग्यान हेतु श्रम करहीं"—७/११४/१

श्रमबिंदु : पसीने की बूंदें ।

"भाल तिलक श्रमबिंदु सुहाए"—१/२३२/३

श्री : लक्ष्मी ।

"आगें रामु सहित श्री भ्राता"—१/५३/४

१/१२९/४, १/३२३/४, ३/५/७, ३/६/३, ३/१०/१८, ३/१२/१०, ३/१७/१२, ३/२५छं०, ६/३/-, ६/१०८छं०२, ६/११६/८, ६/११८/४, ७/०३/-, ७/११छं०२, ७/२३/७, ७/७०ख

प्रभा ।

"भयउ तेजहत श्री सब गई"—६/३४/४

शोभा ।

"मनोभूत कोटि प्रभा श्री शरीरं"—७/१०७छं०५

श्रीखंड : चन्दन ।

"मो कहु होउ श्रीखंड समाना"—६/१०८/८

६/१०८छ०१, ७/३७/-

श्रीफल : बेल ।

"श्रीफल कनक कदलि हरषाहीं"—३/२९/१३

श्रीमुख : शोभायुक्त मुख ।

"श्रीमुख तीरथराज बड़ाई"—२/१०५/३

२/३२०/५, ७/३६/३, ७/४१/१

श्रीहत : शोभाहीन ।

"श्रीहत सर सरिता बन बागा"—२/१५७/६

२/१९८/५

हतप्रभ

"श्रीहत भए हारि हियँ राजा"—१/२५०/५

निस्तेज ।

"श्रीहत भए भूप धनु टूटे"—१/२६२/५

श्रुत : सुना हुआ ।

"तदपि जथा श्रुत जसि मति मोरी"—१/११३/५

श्रुति । वेद ।

"अति पावन पुरान श्रुति सारा"—१/९/१

१/२१/८, १/३३/६, १/४५/-, १/८३/१, १/८३/६, १/९९छं०, १/१००/१, १/१०५/३, १/१०९/-, १/११३/३, १/११३/८, १/१२१/-, १/१४१/२, १/१४३/८, १/१५५/-, १/१६०/३, १/१७२/१, १/१८५छं०, १/१९१छं०, १/१९८/१२, १/२०३/१, १/२०३/५, १/२९९/४, २/६१/-, २/१२५/८, २/१३५छं०, २/१६६/३, २/२५३/३, ३/४/१४, ३/५क/-, ३/१५/६, ३/३०/६, ३/३१छं०, ३/४१/७, ३/४३/१, ३/४५/८, ४/६/६, ४/९छं०, ५/४०/१, ५/५८/८, ६/३०/३, ६/०८छं०२, ६/११२छं०, ७/१२क/-, ७/२०/२, ७/२३/२, ७/३३/-, ७/३४/८, ७/३६/६, ७/४४/२, ७/४८/१, ७/४८/२, ७/५१/२, ७/५३/३, ७/८४क/-, ७/८६/-, ७/९५क/-, ७/९७/१, ७/९७/२, ७/९७/७, ७/९८/३, ७/९९/४, ७/१००ख/-, ७/१०९घ/-, ७/१०९/३, ७/१११/८, ७/११६/६, ७/१२०/६, ७/१२०/२२, ७/१२०/२५, ७/१२१/१४, ७/१२२/२, ७/१२५/८, ७/१२६/३, ७/१२८/२, ७/१२९/७

कान ।

"कल कपोल श्रुति कुंडल लोला"—१/२४२/४

३/२/१, ३/१७/६, ३/२१/१०, ६/६५/१०

श्रोता : सुननेवाला ।

"ते श्रोता बकता समसीला"—१/२९/६

१/३०ख/-, १/३९/-, ७/६९ख/-

षट : छह ।

"एहि बिधि बीते बरष षट"—१/१४४/-

१/१७६/८, १/१७९/४, ३/४४/७, ७/१२छं०५, ७/१५/-

सकल : सम्पूर्ण ।

"द्रवउ सकल कलिमल दहन"—१/०७/-

१/०/२, १/१/४, १/१/१०, १/७ग/-, १/८/८, १/१०/२, १/१३/३, १/१४छं०, १/२२/-, १/२२/७, १/२३/८, १/२६/२, १/२६/५, १/२९/२, १/३०/५, १/३०/१३, १/३१/४, १/३१/१३, १/३३/६, १/३८/५,

१/३९/-, १/४३/४, १/५४/१, १/५४/२, १/६०/-,
१/६०/२, १/६१/२, १/६३/-, १/६३/१, १/६३/८,
१/६४/२, १/६४/४, १/६४/७, १/६५/२, १/६६/१,
१/६६/५, १/६७/३, १/७२/३, १/७५/-, १/७९/३,
१/८१/२, १/८३/६, १/८४/-, १/८६/-, १/८६/४,
१/८८/-, १/९१/-, १/९२/-, १/९२/४, १/९३/३,
१/९३/६, १/९६/-, १/९६छं०, १/९७/६, १/९८/-,
१/९८/६, १/९९/१, १/९९/६, १/१००/३, १/१००/६,
१/१०१/-, १/१०१छं०, १/१०२/१, १/१०२/८, १/१०५/-,
१/१०६/६, १/१०६/८, १/१०७/-, १/१०७/६, १/१०९/८,
१/१११/७, १/११६/५, १/११७/६, १/११८/६ १/१२५/४,
१/१३०/४, १/१३९/८, १/१४२/७, १/१४५/२, १/१४९/६,
१/१५२/७, १/१५३/६, १/१५३/८, १/१५४/५, १/१५८/१,
१/१६८/१, १/१७४/६, १/१७६/-, १/१७८/७, १/१८०/५,
१/१८१ ७, १/१८१/१३, १/१८३/६, १/१८५छं०, १/१८५छं०,
१/१८६/७, १/१८८/७, १/१८९/-, १/१८९/६, १/१९०/-,
१/१९०/४, १/१९०/५, १/१९२/२, १/१९३/८, १/१९६/-,
१/१९७/-, १/१९९/७, १/२०३/६, १/२०५/८, १/२०९/१२,
१/२१२/३, १/२१२/८, १/२१४/६, १/२१९/-, १/२२६/१,
१/२२९/-, १/२३९ ६, १/२३९/८, १/२४५/४, १/२४६/-,
१/२४६/२, १/२४७/३, १/२४७/६, १/२४८/२, १/२४९/-,
१/२४९/५, १/२५३/२, १/२५४/५, १/२५५/३, १/२५५/५,
१/२५५/७, १/२५६/१, १/२५७/६, १/२५८/५ १/२६०छं०,
१/२६१/-, १/२६४/-, १/२६७/३, १/२६८/१, १/२६९/६,
१/२७१/-, १/२८६/३, १/२९०/२, १/२९१/५, १/२९४/२,
१/२९५/१, १/२९७/-, १/२९७/३, १/२९७/५, १/२९८/६,
१/२९९/४, १/२९९/८, १/३०२/२, १/३०३/८, १/३०५/२,
१/३०६/-, १/३०६/१, १/३०६/२, १/३०९/४, १/३१०छं०,
१/३११/१, १/३११/४, १/३११/८, १/३१२/-, १/३१२/२,
१/३१२/५, १/३१३/५, १/३१४/१, १/३१४/६, १/३१५/४,
१/३१५छं०, १/३१६/७, १/३१७/२, १/३१७/७, १/३१७छं०,
१/३१९/६, १/३२०/३, १/३२०/५, १/३२१/-, १/३२१/५,
१/३२३छं०१, १/३२४छं०३, १/३२४छं०३, १/३२५/-, १/३२५/१,

१/३२५छं०१, १/३२५छं०३, १/३२६/८, १/३२६छं०३, १/३२९/-,
१/३३०/३, १/३३२/६, १/३३७/७, १/३३९/१, १/३३९/३,
१/३४०/७, १/३४३/३, १/३४३/५, १/३४४/६, १/३४५/७,
१/३४६/६, १/३४८/७, १/३५०/१, १/३५०/६, १/३५०/८,
१/३५१/३, १/३५६/६, १/३५९/६, २/२/२, २/२/५,
२/५/१, २/५/५, २/१०/२, २/१०/६, २/११/-,
२/१७/३, २/२४/२, २/२५/५, २/३५/४, २/३६/७,
२/३८/४, २/४०/८, २/४७/३, २/६४/८, २/६६/२,
२/७३/५, २/७४/४, २/७४/६, २/७९/२, २/८०/-,
२/८३/२, २/८५/१, २/८६/४, २/९०/-, २/९२/८,
२/९३/३, २/९३/८, २/९६/-, २/१००/८, २/१०४/६,
२/१०५/५, २/१०६/६, २/१०८/२, २/१०८/४, २/१०९/५,
२/१०९/८, २/१२१/८, २/१२८/८, २/१३२/३, २/१३३/८,
२/१३४/७, २/१३५/४, २/१३६/२, २/१३७/३, २/१३७/६,
२/१४९/८, २/१५०छं०, २/१५१/१, २/१५१/४, २/१५३/२,
२/१५३/६, २/१५५/७, २/१५५/८, २/१५८/७, २/१५९/१,
२/१६०/३, २/१६१/४, २/१६६/३, २/१६८/७, २/१७०/२,
२/१७४/६, २/१७५छं०, २/१८२/३, २/१८३/३, २/१८४/३,
२/१ ४/५, २/१८६/६, २/१८७/-, २/१८७/६, २/१८८/७,
२/१८९/१, २/१९०/३, २/१९०/८, २/१९५/४, २/१९६/-,
२/१९६/७, २/१९७/३, २/२००/२, २/२०२/१, २/२०३/२,
२/२०-/६, २/२२५/१, २/२२५/५, २/२२७/२, २/२२९/५,
२/२३२/-, २/२३२/१, २/२३४/८, २/२३८/२, २/२४२/-,
२/२४ /५, २/२४५/४, २/२४५/८, २/२४६/६, २/२४८/५,
२/२४८/५, २/२५४/७, २/२६१/३, २/२६५/-, २/२६७/४,
२/२६७/६, २/२७३/४, २/२७५छं०, २/२७६/७, २/२८०/१,
२/२८०/५, २/२८१/४, २/२८९/८, २/२९६/-, २/३०५/२,
२/३०५/४, २/३०६/१, २/३०८/-, २/३१०/-, २/३१०/८,
२/३१२/-, २/३१२/६ २/३१५/-, २/३१८/-, २/३२२/२,
२/३२४/८, २/३२५/७, ३/२/३, ३/५/५, ३/६ख/-,
३/७/४, ३/८/४, ३/८/८, ३/२४/१, ३/२८/१७,
३/२९/१४, ३/३५/७, ३/३५छं०, ३/३८/३, ३/४०/३,
३/४१/८, ३/४२/४, ३/४३/५, ४/०१/-, ४/३/५,
४/५/१२, ४/१०/१०, ४/१५/२, ४/१८/७, ४/२१/-,

४/२२/२, ४/२२/५, ४/२३/-, ४/२४/६, ४/२६/१०,
४/३०क-/, ५/४/-, ५/७/५, ५/८/८, ५/११/-,
५/१४/१, ५/१६/७, ५/२०/६, ५/२७/५, ५/२८/५,
५/२८/८, ५/३४/२, ५/३४/५, ५/४८/१, ५/४८/२,
५/५०/-, ५/५१/-; ५/५१/२, ५/५३/७, ५/५८/६,
५/५९/८, ५/५६छं०; ५/६०/-, ६/०/७, ६/१/५,
६/४/३, ६/४/७, ६/७/३, ६/१३/५, ६/१६/३,
६/१६/८, ६/२८/१०, ६/३४/१, ६/३४/५, ६/३५/६,
६/३८/५, ६/३६/५, ६/४१/६; ६/४६/१, ६/४६/१,
६/५१/६, ६/५२/४, ६/६१/३, ६/७०/१०, ६/७२/८,
६/७६/८, ६/७७/७, ६/७८/१३, ६/८१/८, ६/८२/३,
६/८४/६, ६/८८छं०, ६/८६/-, ६/८९/६, ६/८४छं०,
६/८५/६, ६/८५छं०, ६/८६/-, ६/८६छं०, ६/८७/१२,
६/८८/-, ६/१००छं०५, ६/१००छं०६, ६/१०६/-, ६/१०७/-,
६/१०७/५, ६/१०७/६, ६/१११/३, ६/११२छं०, ६/११३/२,
६/११३/८, ६/११६/२, ६/११८/१, ६/११९ख/-, ६/११९/३,
७/०२/-, ७/१/११, ७/१/१५; ७/२/३, ७/२/६,
७/४/५, ७/५/६, ७/७/४, ७/७/५, ७/८/३,
७/६/६, ७/११/७, ७/२०/४, ७/२२/८, ७/२२/१०,
७/२४/४, ७/२५/३, ७/२६/२, ७/२७/८, ७/३४/३,
७/३५/२, ७/३५/३, ७/४०/२, ७/४२/३, ७/४४/५,
७/४६/६, ७/४८/८, ७/४९/४, ७/४९/५, ७/५४/८,
७/५५/४, ७/५६/६, ७/६०/८, ७/६२/६, ७/६५/२,
७/६६/१, ७/६७क/-, ७/७६/४, ७/७८ख/-, ७/८०/३,
७/८२/४, ७/८३ख/-, ७/८३/४, ७/९०ख/-, ७/९०/३,
७/९१क/-, ७/९१/४, ७/९३/३, ७/९३/७, ७/९६ख/-,
७/९८/१, ७/१०९/४, ७/१०९/६; ७/११३/१५, ७/११४क/-,
७/११४/११, ७/११५/८, ७/११९/५, ७/१२०/२९, ७/१२१/१,
७/१२९/-

समस्त ।

"कीरति जासु सकल जग माची"—१/१५/४

१/४२/३, १/८०/-, १/८१/-, १/८३/५, १/२१२/८,
१/३१७/-, १/३१७/३; २/१/२, २/४५/७, २/२०६/५,

२/२०७/-, २/२०८/७, २/२११/२, २/२२१/५, २/२४७/२, ३/६/-, ३/१०/२६, ३/१२/६, ३/१२/१७, ३/१४/-, ३/२१/११, ७/७३/६

सब ।

"सकल सिद्धिप्रद मंगल खानी"—१/३४/५

समग्र ।

"रिपु कर रूप सकल तैं गावा"—६/१५/४

सकुल : कुटुम्बसहित ।

"राम सकुल रन रावनु मारा"—१/२४/५

६/११५/३

सकृत : एक बार ही ।

"सज्जन सकृत सिंधु सम कोई"—१/७/१४

१/३ ३छं०१, २/२८१/-, २/२६८/३, ७/५३/३, ७/५३/४

सखा : मित्र ।

"सेवक स्वामि सखा सिय पीके"—१/१४/४

१/८५छं० १/२०४/१, २/२३/१, २/७३/६, २/८०/८, २/८७/८, २/६०/४, २/६०/६, २/६२/६, २/६३/१, २/१०४/-, २/१३०/-, २/१४८/३, २/१४६/-, २/१४६/२, २/१६२/७, २/१६७/५, २/१६८/४, २/२०१/१, २/२३७/१, २/२३८/१, २/२३६/१, ४/५/-, ४/६/१०, ४/६/२३ ४/१८/-, ५/७/-, ५/४२/५, ५/४२/८, ५/४३/७, ५/४५/५, ५/४७/१, ५/४८/६, ५/५०/१, ६/२०/८, ६/७६/४, ६/७६/११, ६/८०क/-, ६/१०७/११, ६/११६ख/-, ६/११६/५, ७/७/५, ७/७/७, ७/१५/२, ७/१६/-, ७/१६/३

सखी : सहेली ।

"सखि उछंग बैठी पुनि जाई"—१/६७/६

१/२१६/८, १/२२०/१, १/२२७/७, १/२३२/८, १/२५५/६, १/२५६/३, १/२८२/२

सगर्भ : रहस्य से युक्त ।

"नारद बचन सगर्भ सहेतू"—१/७१/३

सगुण : गुणवान् ।

"निर्गुण सगुण विषम सम रूपं"—३/१ /११

सघन : घने ।

"पुरइनि सघन चारु चौपाई"—१/३६/४

२/२३६/४, २/२३८/१; ३/३८क/-

सचकित : आश्चर्ययुक्त ।

"कारनु काहु चित सचकित रहे"—२/२२५छं०

सचर : जंगम ।

"अचर सचर चर अचर करत को"—२/२३७/८

सचराचर : जड़-चेतन ।

"प्रनतपाल सचराचर नायक"—१/१४५/२

२/२२५छं०, २/१८०/६, ३/१३/६, ३/३५/६, ३/३८/१, ४/३/-, ५/४८/५, ६/१५क/-, ७/२१/-, ७/७७/४, ७/७९/८, ७/१२७/४

सचिव : मंत्री ।

"सचिव सुमति कपि भालु"—१/२८क/-

१/३१/६, १/१५३/१, १/१५३/२, १/१५४/३, १/१५८/५, १/१७५/४, १/२१३/३, १/२१४/-, १/२५७/३, १/३०८/५, १/३१२/२, १/३३१/८, १/३३२/-, १/३३७/७, १/३३८/४, २/२/२, २/४/१, २/४/५, २/४/७, २/३७/-, २/३८/८, २/४३/-, २/७७/७, २/८४/७, २/८६/१, २/९६/७, २/१०४/३, २/१४१/५, २/१४३/-, २/१४४/-, २/१४३/२, २/१४६/३, २/१४७/-, २/१४७/३, २/१४८/४, २/१४९/३, २/१५२/४, २/१६८/७, २/१७०/२, २/१७५/-, २/१४९/३, २/१५२/४, २/१६८/७, २/१७०/२, २/१७५/-, २/१७५/४, २/१७५/७, २/१७६/१, २/१८३/३, २/१८६/२, २/१८६/४, २/२२२/५, २/२३४/६, २/२४२/-, २/२४७/६, २/२५३/-, २/२७०/५, २/२७१/२, २/२७४/१, २/२९२/३, २/३०२/-, २/३०८/५, २/३१४/८, २/३१५/३, २/३१७/५, २/३१८/६, २/३२१/७; २/३२२/१, ३/१८/२; ५/३५/८, ५/३६/८, ५/३७/-, ५/३९/१, ५/४०/९, ५/५५/७, ५/५५/१०, ६/०२/-, ६/७/८, ६/८/१, ६/१६/१, ६/३८/१; ६/४७/३

सच्चरित्र : सदाचारी ।

"सब सुखी सब सच्चरित्र सुंदर"—७/३७छं०

सच्चिदानंद : सत् चित् आनन्दस्वरूप ब्रह्म ।

"अज सच्चिदानंद पर धामा"—१/१२/३

१/४८/३, १/४८/७, १/११५/५, ७/२५/-, ७/४७/-, ७/७१/३

सजल : अश्रुपूर्ण ।

"पुलक गात लोचन सजल"—१/३१५/-

२/५३/४, २/११०/-, २/११३/४, २/१४४/३, २/१५२/-, २/१७०/७, २/१८८/४, २/२१०/-, २/२८७/२, ५/१३/१, ६/१३/७, ६/५८/-, ६/१०६छं०, ६/१०८/४, ६/११५/८, ६/१२०क/-, ७/१७ख/-, ७/१८क/-, ७/६८क/-, ७/८७/८, ७/८७/६

जलस्रोत ।

"सजल मूल जिन्ह सरितन्ह नाहीं"—५/२२/६

सजीव : प्राणी ।

"जे सजीव जग अचर चर"—१/८४/-

६/७०/३

सज्जन : संत ।

"छमिहहिं सज्जन मोरि ढिठाई"—१/७/८

१/७/१४, १/११/-, १/२८/२, १/३२ख/-, १/३४/-, १/७८/४, १/१२०/८, १/१३८/-, १/१६७/-, ३/३५/२, ४/१३/७, ५/५/१, ५/५/३, ५/४७/७, ७/२५/१, ७/३८/-, ७/४२/२, ७/४५/७, ७/४८/२, ७/५०/३, ७/६८ख/-, ७/८८ख/-, ७/६५क/-, ७/१०७छं०११, ७/११८/१४, ७/११८/१७, ७/१२८/२

सती : पतिव्रता स्त्री ।

"सती सिरोमनि सिय गुनगाथा"—१/४१/७

१/४७/२, १/४८ख/-, १/४८/४, १/५०/६, १/५१/४, १/५१/८, १/५२/३, १/५२/५, १/५३/-, १/५४/-, १/५४/५, १/५५/८, १/५६/६, १/५८/-, १/५८/१, १/६०/८, १/६४/-, १/७८/८, १/१०३/७, १/१२२/७, १/१४०/४, १/२५०/२, ७/५४/७, ७/१००छं०

दक्ष की कन्या ।

"नाम सती सुंदर तनु पाई"—१/६७/५
१/६७/६, ७/५५/२

सत्य : सच ।

"सत्य कहहुँ लिखि कागद कोरे"—१/८/११
१/५५/-, १/५५/८, १/६७/१, १/७२/१, १/७४/२,
१/७७/६, १/७६/५, १/८८/५, १/११/१, १/११६/८,
१/१४३/८, १/१५१/५, १/१५१/५, १/१५१/५, १/१६४/५,
१/१६५/२, १/१६५/५, १/१६७/२, १/१८६/६, १/३३२/२,
२/१५/-, २/१८/४, २/२८/५, २/२८/६, २/३०/३,
२/३०/६, २/४२/४, २/४६/७, २/८७/८, २/६०/८,
२/६४/५, २/१०४/३, २/१२८/४, २/१६१/७, २/१७०/६,
४/२७/१०, ५/१/५, ५/१०/७, ५/११/४, ५/११/१०,
५/५६/३, ६/१५/२, ६/२१/-, ६/२२/८, ६/२३ख/-,
६/२४/-, ६/३७/५, ६/५७/२, ६/७८/५, ६/८८/१०,
६/८८/१०, ६/११६क/-, ७/२क/-, ७/८५/१, ७/८७ख/-,
७/१०८/११, ७/१११/१४; ७/११६/१५

सच्चा ।

"सत्य प्रेम जेहि राम पद"—१/१६/-
१/७७/३, १/६७/२, १/२३५/७, १/२५८/६, २/२२८/६;
२/२३४/१, २/२५७/६, २/२६३/१, २/२६३/६, २/२७०/२,
२/२८१/८, २/२८६/५, २/२६५/६, २/३००/१, २/३०३/५,
३/४३/८, ४/६/२३, ५/१२/६, ६/२२/७, ६/२३/५

वास्तविक ।

"जानिअ सत्य मोहि निज दासी"—१/१०७/१
१/२८३/-, ४/२६/५, ६/५/-, ६/२३क/-, ६/१०८छं०२

भगवान् का सिद्धान्त ।

"पुनि पुनि सत्य कहहुँ तोहि पाहीं"—७/८५/८

सदन : घर ।

"साधु असाधु सदन सुक सारीं"—१/६/१०
१/२१३/३, १/२२०/-, १/३४३/४; २/८/५, २/८३/७,
२/१३०/५, २/१३२/७, २/१८२/५, २/१८५/-, २/३०१/५

भवन ।

"तिन्ह कें हृदय सदन सुखदायक"—२/१२७/८
२/१२६/८
धाम ।
"बुद्धि रासि सुभ गुन सदन"—१/०१/-
महल ।
"सिय निवास सुंदर सदन"—१/२१३
स्थान ।
"हरषित निज निज सदन सिधाए"—२/१३३/४
लोक ।
"अंत अमरपति सदन सिधाए"—२/१६०/३

सदा : नित्य ।

"सदा छीरसागर सयन"—१/०३/-
१/३/११, १/७ग/-, १/१६/८, १/२६ख/-, १/३७/२,
१/४१/८, १/५०/८, १/६५/-, १/६६/४, १/७४/२,
१/७४/८, १/७७/७, १/८४/७, १/८७/३, १/१०१/३,
१/१०४/८, १/१३६/-, १/१३६/३, १/१५४/४, १/१६०/२,
१/१६४/३, १/१६६/७, १/१८४/३, १/२११/८, १/२३५/३,
१/२३५/८, १/२५६/७, १/३११/-, २/४६/६, २/४८/५,
२/५४/२, २/६२/-, २/१४६/४, २/१६८/-, २/१८३/-,
२/२०८/२, २/२०८/४, २/२१८/७, २/२८२/५, २/२८४/४,
३/१/-, ३/३छं०, ३/१०/६, ३/१०/१०, ३/१०/१४,
३/११/-, ३/१२/८, ३/१६/-, ३/३१छं०४, ३/३९छं०४,
३/४२/५, ३/४५/७, ३/४६ख/-, ४/६/५, ५/२/३,
५/६/६, ५/१४/७, ५/२६/२, ५/४०/३, ५/४८/७,
६/३०/३, ६/१०६/५, ६/१०६/६, ६/११०छं०, ६/११०छं०,
६/११०छं०, ६/११०छं०, ६/११०छं०, ६/१२०छं०२, ७/१३छं०६,
७/१३छं०७, ७/१४क/-, ७/१६/-, ७/१६/३, ७/२०/-,
७/२२/१, ७/२२/६, ७/२३/३, ७/२३/५, ७/२७/२,
७/२७/३, ७/२६/६, ७/३१/४, ७/३३/७, ७/३८/२,
७/३८/३, ७/४३/५, ७/४५/५, ७/५०/-, ७/६२ख/-,
७/६३/३, ७/६२ख/-, ७/६३/८, ७/१०४/३, ७/१०७छं०११,
७/१०७छं०१५, ७/११२/१६, ७/११३क/-, ७/११३/११, ७/११५/६,
७/११६ख/-, ७/१२४क/-, ७/१२४/१०

हमेशा ।

"हमरें जान सदा सिव जोगी"—१/८६/३

२/२७/४, २/११७/-, ३/४३/४, ६/११क/-, ६/१५/२, ६/६०/३, ६/७२/१२, ६/८६/६, ६/१०२छं०, ६/१०८/२, ७/४५/७

सदाचार : अच्छा व्यवहार ।

"सदाचार जप जोग बिरागा"—१/८३/८

सदैव : सदा ।

"जद्यपि अवध सदैव सुहावनि"—१/२८५/५

१/३२३छं०१

सनाथ : स्वामीयुक्त ।

"होहिं सनाथ जनम फल पाई"—२/१०८/८

२/१३३/३, २/१३५/-, २/२६८/-; ४/७/-; ६/११२छं०, ७/८ख/-

सप्त : सात ।

"सप्त प्रबंध सुभग सोपाना"—१/३६/१

१/७४/४, १/८७/-, १/१४४/-; १/१५३/६, १/२८६/१; ७/२१/१, ७/१२०/२, ७/१२८/३

सफल : फलसहित ।

"करहु सफल आपनि सेवकाई"—१/२५६/६

१/३४३/७, १/३४८/४, २/५/६, २/६८/४, २/८३/२, २/१०२/८, २/१०६/६, २/१३१/८, २/१३३/८, २/१३५/२, २/२०३/८, २/२३५/८, २/२७८/३

कृतार्थ ।

"तब निज जन्म सफल करि लेखौं"—७/१०८/१४

सबल : बलवान् ।

"देखि सबल रिपु जाहिं पराई"—१/१८०/६

३/१८क/-, ६/४५/८, ६/७८छं०

सर्वशक्तिमान् ।

"सरल सबल साहिब रघुराजू"—१/१२/७

सबीज : बीजसहित ।

"मंत्र सबीज सुनत जन जागे"—२/१८३/२

सभय : भययुक्त।

"सभय बिबेक कटकु सबु भागा"—१/८३/८

१/१८६/-, १/२२५/-, १/२२५/७, १/२५६/४, १/२५७/३, १/२७०/-, २/१३/-, २/२४/५, २/७२/८, २/२३०/-, २/२४०/७, २/२४८/१, २/२६४/१, ३/१/११, ३/१६/२०, ३/१८छं०, ३/२७/१३, ५/३६/२, ५/४७/२, ५/५६/१, ५/५८/१, ६/७०/१, ६/७४/८, ६/१०१छं०, ६/१०३/११

सभा : समिति।

"सकल सभा कै मति भै भोरी"—१/२५७/६

१/२७५/५, १/२८८/६, १/२८२/७, १/३५८/२, २/२५६/१, २/२६२/८, २/२६८/३, २/२७४/-, २/२७७/४, २/२८६/-, २/२८६/१, २/३००/८, २/३०२/२, २/३०६/१, २/३१२/३, २/३१२/४, २/३१६/६

दरबार।

"दसमुख सभा दीखि कपि जाई"—५/१८/६

५/४१/-, ६/१३ख/-, ६/१३/३, ६/१८/-, ६/३३/८, ६/३६/३

समाज।

"देखि दसा सुर सभा दुखारी"—२/३१६/६

सम : समान।

"कुंद इंदु सम देह"—१/०४/-

१/२/१०, १/३क/-, १/३/६, १/३/६, १/३/१०, १/४/६, १/७ख/-, १/७/१३, १/७/१४, १/१३/८, १/१८/-, १/१८/६, १/१८/३, १/१८/४, १/१८/७, १/१८/७, १/२२/४, १/३०/८, १/३६/१२, १/५८/-, १/६८/४, १/१०१/-, १/१०३/४, १/१०३/७, १/१०३/८, १/१०४/५, १/१०५/७, १/१११/५, १/११३/-, १/११८/१, १/१२८/३, १/१३१/२, १/१४५/-, १/१५६/-, १/१६०/४, १/१६१क/-, १/१६१ख/-, १/१७१/७, १/१७८/६, १/२०६/३, १/२३६/८, १/२४१/३, १/२४१/४, १/२४६/४, १/२५७/८, १/२६०/१, १/२६०/६, १/२६८/८, १/२७०/४, १/२७१/-, १/२७२/८, १/२७६/-, १/२७६/४, १/२७६/८, १/२८२/-, १/२८१/-, १/३०८/२, १/३०८/३, १/३१६/७, १/३१८/३,

१/३१९/६, १/३२०/१, १/३२०/३, १/३२०/८, १/३२१/७;
१/३२७/६, १/३३०/२; १/३४१/७, १/३५१/५, २/१/४,
२/२/६, २/१४/५, २/२२/२, २/२७/५, २/२७/५.
२/३४/८, २/३८/६, २/४२/६, २/४५/२, २/५३/१,
२/५४/६, २/६३/७, २/६५/-, २/६५/१, २/८२/६,
२/९४/७, २/९५/१, २/९७/५, २/१००/८, २/१०९/-;
२/११७/१, २/१२९/६, २/१३९/४, २/१३९/६, २/१३९/६,
२/१३९/७, २/१४०/-, २/१४९/७, २/१५१/४, २/१५७/३;
२/१५९/-, २/१९५/५, २/१९८/३, २/२०४/८, २/२०७/३;
२/२०८/८, २/२१०/२, २/२१८/३, २/२१८/५, २/२२०/१,
२/२२१/२, २/२२१/५, २/२२३/७, २/२२६/६, २/२४२/८,
२/२४२/८, २/२४४/२, २/२५१/१, २/२५३/५, २/२५५/६,
२/२५८/४, २/२७३/८, २/२७९/७, २/२७९/८, २/२८१/२,
२/२८२/८, २/२८८/-, २/२८८/-, २/२८९/१, २/२९२/२;
२/२९२/२, २/३००/४, २/३०८/७, २/३१२/४, २/३१६/१,
२/३१८/४, २/३२४/४, २/३२५छं०, ३/२/-, ३/४/१७,
३/१०/११, ३/११/१२, ३/१४/८, ३/१६/८, ३/१६/८,
३/१९ख/-, ३/२२/२, ३/२६/-, ३/३१छं०४, ३/३५/३,
३/४२/८, ३/४२/८, ३/४३/८, ३/४५/२, ३/४६ख/-,
४/५/११, ४/६/२, ४/६/८, ४/६/९, ४/७/३,
४/८/७, ४/९/४, ४/९छं०२, ४/११/१, ४/१९/७,
४/२६/७, ५/४/३, ५/९/-, ५/९/३, ५/९/३,
५/११/४, ५/११/१२, ५/१४/२, ५/१४/४, ५/१५/-,
५/३१/-, ५/३५/९, ५/४४/१, ६/२/८, ६/१६ख/-,
६/२५/२, ६/२६/५, ६/३०/४, ६/३४क/-, ६/४२/५,
६/४८/२, ६/५४/-, ६/६८/४, ६/६९/३, ६/७१/१०,
६/७५/११, ६/७९/१०, ६/८४छं०, ६/८८/४, ६/८९/३,
६/९४/६, ६/९९/३, ६/१०४/-, ६/१०५छं०, ६/१०८छं०,
६/११६क/-, ७/१/२, ७/३/४, ७/११/२, ७/१३छं०७,
७/१३छं०८, ७/१९/३, ७/३७/२, ७/३७/४, ७/३८/-,
७/४०/१, ७/४५/७, ७/४८/-, ७/४९/८, ७/७६/४,
७/७६/६, ७/८४/३, ७/८५/८, ७/८५/९, ७/८६/३,
७/९१ख/-, ७/९१/२, ७/९१/३, ७/९१/६, ७/९१/६.

७/६१/७, ७/६१छं०, ७/६२/४, ७/६२/५, ७/६४ख/-, ७/६५/३, ७/१०३क/-, ७/१११/६, ७/१११/१०, ७/१२०/६, ७/१२०/१३, ७/१२०/१६, ७/१२०/२२, ७/१२३/४, ७/१२४/५, ७/१२५ख/-, ७/१२६/३, ७/१२६छं०३, ७/१३०क/-

मन का निग्रह।

"सम जम नियम फूल फल ग्याना"—१/३६/१४

१/४३/२, २/१३२/३, २/३१६/५, ६/७६/६, ७/३७/८, ७/६४/५, ७/११६/१४

समतल।

'सम महि तृन तरु पल्लव डासी"—२/६६/५

६/१०/२

अनुकूल।

"विनय समय सम कीन्ह"—२/४३/-

२/१५६/-

सीधा।

"बदनु बिलोकि मुकुट सम कीन्हा"—२/१/६

२/१६०/५

उचित।

"आसन दिए समय सम आनी"—२/२८०/४

शान्ति।

"क्रोधहि सम कामिहि हरि कथा"—५/५७/४

समता : समभाव।

"बिनु बिग्यान कि समता आवइ"—७/८६/३

७/१०१छं०, ७/१०३/२, ७/११७ख/-

बराबरी।

"सिय मुख समता पाव किमि"—१/२३७/-

१/२८८/६, ६/७६/६

समदृष्टि।

"दीनबंधु समता बिस्तारय"—७/३४/४

समय : काल।

"समय सुहावनि पावनि भूरी'—१/४१/१

१/४७/-, १/४८/३, १/८४/४, १/६६/-, १/१५१/८, १/१५७/३, १/१७१/८, १/१६४/२, १/२२६/२, १/२३०/-,

१/२५३/५, २/३४/५, २/४३/-, २/४५/-, २/५७/-, २/६२/-, २/६८/४, २/७६/३, २/१२०/१, २/१३१/२, २/१४६/४, २/१५३/४, २/१५६/-, २/१५७छं०, २/१८४/४, २/२२०/१, २/२२४/५, २/२२५/-, २/२२६/६, २/२५३/१, २/२७०/२, २/२७४/-, २/२८०/२, २/२८०/४, २/२८७/-, २/२८५/३, ३/२६/८, ४/१५/६, ५/५/२, ६/८/६, ६/६२/६, ६/७०/१०, ६/७८/८

अवसर।

"संभु समय तेहि रामहि देखा"—१/४८/१

१/२६०/३, १/२८८/७, १/३२२छं०, १/३२३/-, १/३२६छं०४, १/३२८/७, १/३३८/५, २/१/१, २/१५/-, २/२४/-, २/२८/-, ७/३१/३, ७/५७/१, ७/६२/५

मौका।

"समय बिचारि पत्रिका काढ़ी"—५/५५/८

समर : युद्ध।

"सानुज राम समर जसु पावन"—१/३८/२

१/१०२/७, १/१२१/७, १/१२२/५, १/१३८/७, १/१५७/२, १/१६४/-, १/१६८/६, १/१७८/१, १/२४४/७, १/२६५/५, १/२७४/-, १/२८२/४, १/२८३/३, १/३४८/८, १/३५६/-, २/१४३/८, २/१८८/३, ३/२०/१, ५/१५/८, ५/२१/२, ६/८/-, ६/२६/६, ६/३५/१, ६/७१/१, ६/७१/११, ६/७८/४, ६/८०/३, ६/८०छं०, ६/११५/५, ६/१२१क/-, ७/६७/१

रण।

"अमित सुभट सब समर जुझारा"—१/१५३/३

१/१७८/६, १/१८१/२, २/१८८/७, २/२२८/४, ६/३२/८, ६/४१/८, ६/५५/८, ६/६१/१२, ६/७०/१२, ६/८२/३, ६/१००छं०२ह

संग्राम।

'समर सरोष राम मुखु पेखी"—२/२२८/४,

२/२२८/३, ३/१८/१२, ३/१८छं०, ६/२७/६ ६/१०६/७, ७/७/७

समरभूमि : रणभूमि ।

"समरभूमि तेहि जीत न कोई"—१/१३०/३

समर्थ : सशक्त ।

"प्रभु समर्थ कौसलपुर राजा"—३/१६/१४

समस्त : सब ।

"लोक समस्त बिदित अति पावनि"—१/३४/३

१/१०४/-, १/३४१/-, ३/३छं०, ७/५६/३, ७/६७/७

समागम : मिलन ।

"सुनि मुनि आजु समागम तोरें"—१/१०४/२

७/५०/७, ७/१२५ख/-

भेंट ।

"संत समागम दीन"—७/१२३क/-

समाचार : वृत्तान्त ।

"समाचार सब संकर पाए—१/६४/१

१/६५/५, १/८७/४, १/८७/-, १/१७४/१, १/२१३/८, १/२१८/१, १/२६८/१, १/२८५/२, २/३८/१, २/५७/-, २/६८/१, २/१२१/२, २/१८८/२, २/२२३/६, २/२२५छं०, ५/४२/३, ६/१८/१, ६/३८ख/-, ६/३८/१, ६/४६/२, ६/१०६/२, ६/१२०/२, ७/२/१, ७/२/४

खबर ।

"समाचार सुनि सुनि मुनि आए"—२/१३३/५

२/१४६/६

समाज : समूह ।

"सुजन समाज सकल गुन खानी"—१/१/४

१/१/११, १/२/-, १/१३/७, १/१४/८, १/३०/१०, १/३८/-, १/४०/३, १/८१/८, १/१४२/८, १/१८४/४, १/२४०/३, १/२४२/-, १/२४८/३, १/२५२/-, १/३०८/-, १/३१४/५, १/३१८/५, १/३२८/-, १/३५६/४, २/२८६/४, २/२८८/२, २/२८८/५, २/२९२/५, २/२९३/१, २/२९५/३, २/२९८/४, २/२९९/४, २/२९९/७, २/३००छं०, ४/११/-, ७/१२क/-, ७/२२/-, ७/४४/-

दल ।

"निज निज सहित समाज"—१/८२/-
१/८२/६, १/८३/५, १/८४/४, १/८५/-, २/१६०/४,
२/१८८/७, २/२१३/-, २/२२०/-, २/२२४/२, २/२२५/४,
२/२४६/७, २/२५६/५, २/२७३/-, २/२७४/५, २/२७७/-,
२/२७८/२, २/२८०/-, २/३०१/-, २/३०४/-, २/३०५/१,
२/३०६/२, २/३०८/६, २/३१०/३, २/३१८/२

सभा ।

"बुध समाज बड़ अनुचित होई"—१/२५७/३
१/२६८/५, २/२७१/१

पंक्ति ।

"जेहि समाज बैठे मुनि जाई"—१/१३३/१

सामान ।

"आपु समाज साज सब साजी"—२/२८८/५

समुदाय ।

"सुख सम्पदा समाज"—७/२६/-

समाधान : निराकरण ।

"समाधान तब भा यह जाने"—२/२२६/५

समाधि : योग की अन्तिम अवस्था ।

"लागि समाधि अखंड अपारा"—१/५७/८
१/५८/२, १/८२/३, १/८६/-, १/८६/३,
७/४१/८, ७/१२१क/-

समान : बराबर ।

"बंदउँ संत समान चित"—१/३क/-
१/१६/६, १/२८क/-, १/६८/-, १/१११/६, १/११२/५,
१/१३७/६, १/१४८/-, १/२८३/५, १/३०८/२, २/१६२/-,
२/१७८/३, २/१८३/५, २/२२७/-, २/२२८/-, २/२२८/-,
२/२८७/४, २/३०१/२, २/३०४/-, ३/५/८, ३/१४/७,
३/१८छं०, ३/२५/२, ४/७/१, ४/२०/५, ५/२छं०२,
५/३/१, ५/८/-, ५/३१/५, ५/४८/-, ५/५४/२,
६/१/६, ६/२३ग/-, ६/२८/५, ६/३३/३, ६/७८छं०,
६/८०छं०, ६/८०/१, ६/११२छं०, ७/१३०क/-,

भाँति ।

"जनक समान अपान बिसारे"—१/३२४/६
२/४२/-, २/५१/-, २/६४/-, २/११२/३, ७/३ग/-,
७/८१छं०, ७/१११ख/-, ७/१२८छं०

समास : संक्षेप ।

"कपि सब चरित समास बखाने"—६/५८/२
७/१२२/१

समीप : पास ।

"गईं समीप महेस तब"—१/५/५

१/८८/८, १/१०६/४, १/१२४/१, १/१४४/२, १/१५७/६,
१/२२३/४, १/२२७/४, १/२३६/१, १/२४५/५, १/२४७/८,
१/२४८/८, १/२५५/-, १/२५८/३, १/२६३/४, १/२७८/-,
१/३०८/२, १/३४३/-, २/१/७, २/३८/२, २/५२/२,
२/११५/४, २/१८७/४, २/२३२/५, २/२३६/६, २/२४२/१,
२/२७८/५, २/३ ०/७, २/३०८/-, २/३१८/५, ३/३८/५,
५/५०/६, ६/३७/४, ६/५८/२, ६/७३/१०, ६/१२०छं०१,
७/३/६, ७/१५/३, ७/७७क/-, ७/११७ग/-
सामने ।
"मातु समीप कहत सकुचाहीं"—२/६०/१
निकट ।
"जासु समीप सरित पय तीरा"—२/२२४/६

समीर : मंद वायु ।

"त्रिबिध समीर सुसीतलि छाया"—१/१०५/३
१/१४४/-, १/२११/८, २/२७५/२
प्रशान्त वायु ।
"बहत समीर त्रिबिध सुख लीन्हें"— २/३१०/६
५/४८क/-, ५/५८/२
गतिशील वायु ।
"काढ़ि न सोक समीर डोलावा"—७/७०/३
७/८१ख/-, ७/११७/१६
वेगवान् वायु ।
"चले समीर बेग हय हांके"—२/१५९/१
२/२७८/४

समुद्र : सागर ।

"सुधा समुद्र समीप बिहाई"—१/२४५/५
१/३०५/-, २/४७/-, २/१२७/४, २/२७५छं०, ६/३३/२

*समूह[१] : समुदाय ।

"सुर समूह बिनती करि"—१/१८१/-
१/२०६/८, ३/५छं०, ३/१२/-, ६/४६/५, ६/८५/४

सर : तीर ।

"बरसहिं राम सर चाप धर"—१/१७/-
१/८६/२, १/१४६/८, १/१५६/२, १/२०९/५, १/२१८/३,
१/२२०/७, १/२४३/१, १/२६७/८, १/२८२/२, १/२९७/८,
२/२४/४, २/४०/२, २/५३/१, २/८९/४, २/१३२/३,
३/१७/१२, ३/१८/१; ३/१८छं०, ३/१९छं०, ३/१९छं०ह,
३/१९छं०ह, ३/२२/४, ३/२४/५, ३/२५/६, ३/२५छं०,
३/२६/७, ३/२६/१४, ४/८/–, ४/८/१, ४/८/२,
४/१७/५, ४/२०/४, ५/२छं०३, ५/५५/२, ५/५९/५,
६/०१/-, ६/१३ख/-, ६/२३ङ/-, ६/२६/४, ६ ३३क/-,
६/३६/–, ६/४०/–, ६/४९/५, ६/५०/–, ६/६७/३,
६/६७/७, ६/६८/६, ६/६९/७, ६/६९/८, ६/७०/४,
६/७०छं०, ६/७२/६, ६/७२/१०, ६/७५/१५, ६/८१छं०,
६/८२/६, ६/८२/७, ६/८५छं०, ६/८६छं०, ६/८७छं०,
६/८८छं०, ६/९०/१, ६/९०/३, ६/९०/६, ६/९१/९,
६/९१छं०, ६/९२/६ ६/९६/–, ६/९६छं०, ६/९७/-,
६/९८/५, ६/९८/९ ६/९८/१२, ६/१००छं०ह२, ६/१०१छं०,
६/१०२/-, ६/१०२/१, ६/१०२/३, ६/१०२/७, ६/१०२छं०;
६/११०छं०, ६/११२छं०, ७/१३छं०२, ७/२९/४, ७/७०ख/–

तालाब ।

"जग बहु नर सर सरि सम भाई"—१/७/१३

---

*समूह[१] : 'मानस' में समूह अर्थ में ग्राम, १/३१/२; निकर, १/३३०/-, पुंज, १/३००/८, यूथः, ३/१०/१०, वरूथ, ३/१०/६, समाज, १/९२/८ शब्द प्रयुक्त हैं। तुलसी ने वानर-समाज के लिए 'समाज' शब्द का प्रयोग किया है, जबकि पाणिनि (अष्टा० ३/ /६९) पशुओं के समूह के लिए 'समज' शब्द की बात कहता है—सम्+√अज्+अप्=समाज=पशुओं का समूह। तुलसी समज के अर्थ में भी समाज का प्रयोग करते हैं—५/२८/२

१/१०/५, १/३४/८, १/३६/–, १/३७/३, १/३७/६, १/३८/३, १/३८/४, १/३८/६, १/३८/७, १/३८/८, १/१०२/१, १/१५७/–, १/२११/६, १/२१३/४, १/२२७/४, १/२२७/५, १/३२३छं०१, २/८७/७, २/११२/६, २/११२/६, २/१२३/५, २/१२७/७, २/१३५/७, २/१३७/५, २/१५३/२, २/१५७/६, २/१८६/–, २/२७८/२, २/३०७/३, ४/१५/४, ४/१५/५, ४/१६/२, ४/२३/-, ४/२४/–, ५/२छं०२, ५/४१/८, ६/२२ख/–, ६/५६/–, ६/५६/८, ६/५७/–, ६/११८/–, ७/८क/–, ७/५४/१०, ७/६३/७, ७/७८/७, ७/८०/४, ७/८३/४, ७/११२/११

सरल : सीधा ।

"सरल सबल साहिब रघुराजू"—१/१२/७

१/१५८/८, १/२८७/१, २/१७/–, २/४२/–, २/५४/७, २/६८/७, २/११५/५, २/१२१/४, २/१२५/७, २/१६१/५, २/१६४/१, २/१६६/४, २/१६८/–, २/१७५/८, २/१७५छं०; २/१७६/५, २/१८२/५, २/२२७/–, २/२४३/७, २/२५१/५, २/२७३/६, २/२८३/५, २/२८५/६, २/२८७/२, ३/३५/५, ३/४५/२, ५/३३/२, ७/४५/२, ७/५४/६, ७/६३/५, ७/८३/१

भोली ।

"बालचरित अति सरल सुहाए"—१/२०३/१

१/२३६/२

निश्छल ।

"संत सरल चित जगत हित"—१/३ख/-

आसान ।

"सरल कबित कीरति बिमल"—१/१४क/-

सरलता : सादगी ।

"सीतलता सरलता मयत्री"—७/३७/६

सरस : रसीली ।

"सरस होउ अथवा अति फीका"—१/७/११

१/८५छं०, १/३०१/१, १/१०३/६, १/३४३/२, २/२३८/४, ३/३८/८

रसपूर्ण ।

"सुरुचि सुबास सरस अनुरागा"— १/०/१
२/२७६/४
जलयुक्त ।
"तब सेवकन्ह सरस थलु देखा"—२/३०८/५
आनन्दयुक्त ।
"सब सुचि सरस सनेहँ सगाई"—२/३१३/१
मधुर ।
"कहइ रिषिबधू सरस मृदु बानी"—३/४/४

सरसिज : कमल ।
"बिमल सलिलु सरसिज बहुरंगा"—१/२२६/८
१/३३२/२, २/१०६/८, २/१५३/२, ३/३३/७, ३/३८/१
६/५५/१, ७/२२/१०

सरि : नदी ।
"गरल अनल कलिमल सरि ब्याधू"—१/४/८
१/७/१३, १/१५/१, १/३८/६, १/४०/३, १/१२४/३,
१/१८३/५, २/१२७/४, २/२८६/३, २/३०७/३, ६/८६/१०,
६/८७/६, ६/८२छं०, ६/१०२/५

सरुज : रोगी ।
"जेहिं ससि कीन्ह सरुज सकलंकू"—२/११८/३
२/१७७/५

सरोज : कमल ।
"बंदउँ पद सरोज सब केरे"—१/१७/४
१/४४/५, १/८५/७, १/१३५/-, १/२३१/-, १/२३२/४,
१/२३७/५, १/२३८/८, १/२४७/६, १/२५४/-, १/२५८/४,
१/२६२/२, १/२६८/६, १/३२३छं०१, १/३३८/७, २/०१/-,
२/११/१, २/६६/१, २/१००/७, २/१२३/७, २/२३६/८,
३/२८/२, ३/३०/-, ३/३१छं०, ३/३३/८, ३/४५/-,
५/६/३, ५/८/३, ५/४१/८, ६/२४/३, ६/८१/७,
७/१४क/-, ७/१६/४, ७/४८/८, ७/८२/४, ७/११३/८

सरोरुह : कमल ।
"नील सरोरुह स्याम"—१/०३/-
१/१४६/-, १/२२५/४, २/५५/३, २/११६/-, २/१७५छं०,

२/२१०/-, २/२२६/-, २/२४६/-, ३/४/-, ३/१०/५,
३/१२/११, ३/४१/-, ४/२२/१०, ७/४/३, ७/३२/३

सरोवर : तालाब।

"मनहुँ सरोबर तकेउ पिआसे"—१/३०६/८
२/८२/८, ३/३८/६; ७/६५/८

सरोष : क्रोध के साथ।

"सुनि सरोष भृगुबंसमनि"—१/२७३/-
१/२६२/१, २/२४छं०, २/२२८/४, २/२३०/-, २/२७५छं०
जोश के साथ।

"सुनि सरोष बोले सुभट"—२/१६१/-

सर्प : साँप।

"संशय सर्प ग्रसन उरगादः"—३/१०/६
६/८६छं०, ७/६२/६, ७/१०६/७

सलज्ज : लज्जावान्।

"कह अंगद सलज्ज जग माहीं"—६/२८/५

सलिल : जल।

"राम सीय जस सलिल सुधासम"—१/३६/३
१/४?/२, १/६८/७, १/२११/६, २/४२/८, २/५८/३,
२/६२/६, ?/२५?/-, ६/६?/१७, ६/१११/४
श्रद्धा उदक।

"चरन सलिल सबु भवनु सिंचावा"—१/६५/७
अश्रु।

"नयन सनेह सलिल अन्हवाए"—२/२४४/५

सह : साथ।

"सुंदरीं सुंदर बरन्ह सह"—१/३२४छं०४
सहित।

"बसहु बंधु सिय सह रघुनायक"—२/१२७/८

सहस्र : हजार।

"संबत सप्त सहस्र पुनि"—१/१४४/-
१/१५५/-, १/१५५/-, ७/५३/१, ७/५३/५, ७/१२०/२३

सहाय : साथी।

"भागेउ बिबेक सहाय सहित"—१/८३छं०

१/१२४/६, १/१२५/६, १/१२६/-, १/१३१/२, १/१३६/७, १/१८५छं०, १/२०९/३, १/३५६/-, २/१५९/१, २/२२९/८, २/२८४/-, २/२८४/४, २/२८४/५, ४/२८/-, ४/२९/९, ५/२४/३, ५/५५/४

सहोदर : सगा।

"मिलइ न जगत सहोदर भ्राता" —६/६०/८

साक : साग।

"साक बनिक मनि गुन गन जैसें" — १/२/१२
१/१४३/१

सागर : समुद्र।

"सागर जेहिं कीन्ह जहँ"—१/१४च/-
१/५८/१, १/९३/४, १/१९१छं०, १/२०९/४, १/२४०/२, १/२८४/३, १/२८८/५, १/२९३/२, १/२९३/७, १/३२३छं०४, २/६९/७, २/८७/-, २/१०५/२, २/१८१/१, २/१९९/५, २/२६८/२, २/२७५/-, २/२८२/४, २/३०३/५, ३/०/६, ३/१०/१४, ४/२७/१, ४/२८/१, ५/२९/३, ५/३४छं०१, ५/३५/-, ५/३७/८, ५/४९/८, ५/५०/-, ५/५५/२, ५/५५/३, ५/५५/५, ५/५९/६, ६/१७क/-, ६/२५/३, ६/२७/३, ६/४६/८, ६/६३/९, ६/११०छं०, ६/११८/७, ७/१क/-, ७/७/७, ७/२१/१, ७/२२/९, ७/२३/३, ७/४४/-, ७/५२/३, ७/६६/८, ७/६७क/-, ७/९७/७, ७/८०/४, ७/९२क/-

सात्विक : सत्त्वगुण युक्त।

"सात्विक श्रद्धा धेनु सुहाई"—७/११६/९

*सादर[1]—आदरपूर्वक।

"सेवत सादर समन कलेसा"—१/१/१२
१/९/६, १/१३/२, १/३२/८, १/३३/३, १/३४/१३, १/३७/२, १/३८/६, १/४२/६, १/४३/४, १/४४/५, १/४६/५, १/६०/-, १/६१/-, १/९०/३, १/९४/२, १/९८/६, १/९९/१, १/१०७/७, १/११३/२, १/११८/४, १/१२०घ/-, १/१२४ख/-, १/१४२/७, १/१४७/६, १/१५१/३,

---

*सादर[1]—'मानस' में सादर का एक विशिष्ट अर्थ भी है—उत्सुकतासहित—१/३५८/-

१/१५४/५, १/१७२/४, १/२०९/९, १/२१४/२, १/२२१/३, १/२२३/८, १/२३५/६, १/२४६/-, १/२८६/३, १/२९३/-, १/३१२/५, १/३१९/८, १/३२०/३, १/३२१/-, १/३२१/१, १/३२१छं०, १/३२२छं०२, १/३२३/३, १/३२४/१, १/३२७/३, १/३२७/८, १/३३३/७, १/३३९/१, १/३४०/२, १/३४९/२, १/३५१/१, १/३५१/२, १/३६०छं०, २/८/३, २/१६/१, २/६०/५, २/१२८/१, २/१७५छं०, २/१८७/-, २/१९५/४, २/१९८/-, २/२००छं०, २/२३०/५, २/२५१/२, २/२५४/३, २/२५८/-, २/२६९/८, २/२७४/६, २/२७९/-, २/२८०/४, २/३०६/७, २/३१५/४, २/३२६/-, ३/०/४, ३/२/७, ३/५/१, ३/६क/-, ३/७/-, ३/११/११, ३/२४/-, ३/३३/१०, ३/४०/११, ३/४४/४, ४/३/७, ५/४४/१, ५/६०/-, ६/१९/८, ६/९३/६, ६/१०५/६, ६/१०७/४, ६/११०छं०, ६/११७/६, ७/१/९, ७/७/३, ७/११क/-, ७/१५/२, ७/४१/८, ७/५४/६, ७/५५/-, ७/५६/८, ७/५७/-, ७/६०/१, ७/६१/४, ७/६२ख/-, ७/६३/४, ७/९४/४, ७/११०ग/-, ७/११०/१, ७/१११/११, ७/११२/५, ७/११२/१०, ७/११३/११, ७/११४/१२, ७/१२०/८

उत्सुकता ।

''सादर भलेहिं मिली एक माता''—१/६२/२

१/३५७/८, २/५१/६

विचारपूर्वक ।

''कृपासिंधु सादर कहहु''—७/९३ख/-

साधक : कुशल ।

साधक सिद्ध सुजान''—१/१/-

१/२१/४, २/२३७/७, ७/१२३/५

तपस्वी ।

''भए अकंटक साधक जोगी''—१/८६/८

१/१४२/२, २/३०५/४, ४/१४/२

सिद्ध करनेवाला ।

''स्वारथ साधक कुटिल तुम्ह''—१/१३६/-

योगी ।

''साधक मन जस मिलें बिबेका''—४/१४/२

साधन : सिद्धि ।

"सोइ फल सिधि सब साधन फूला"—१/२/८

२/१०६/६, २/१३३/८, २/२०८/४, ७/४४/३, ७/४८/४

उपाय ।

"नाथ सकल साधन मैं हीना"—३/७/४

३/१५/५, ४/२०/६, ५/६/३, ७/१२५/७, ७/१२८/५

उद्देश्य-प्राप्ति ।

"साधन सिद्धि राम पग नेहू"—२/२८८/८

७/४२/८, ७/८४/८, ७/१२५/४

साधु : संत ।

"साधु चरित सुभ चरित कपासू"—१/१/५

१/२/-, १/२/११, १/४/६, १/५/१, १/५/५, १/६/७, १/६/१०, १/१३/७, १/२३/१, १/२७/८, १/३०/८, १/३१/१३, १/३६/११, १/१०८/२, १/३१२/८, १/३१४/५, १/३२५छं०१, २/६/२, २/३२/७, २/३३/७, २/१०५/-, २/१४४/-, २/१४४/१, २/१४८/४, २/१८८/७, २/२३८/-, २/२३८/६, २/२४७/३, २/२४८/५, २/२६०/२, २/२६०/३, २/२६१/-, २/२६२/८, २/२७६/४, २/२८६/४, २/२८६/५, २/२८८/४, २/२८८/-, २/३००छं०, २/३०२/-, २/३१८/४, २/३२५/४, ५/५/४, ५/२५/५, ५/४१/२, ५/४७/३, ७/१०४/४

ठीक ।

"साधु साधु करि ब्रह्म बखाना"—१/१८४/८

१/१८४/८, २/२०८/७, २/२१६/६, २/२१८/७, २/२२५/८, २/२६८/१

कुलीन ।

"साधु भूप बोले सुनि बानी"—१/२६५/६

२/२२६/५, २/२२७/२

धन्य ।

"साधु साधु बोले मुनि ग्यानी"—२/१२५/७

२/१२५/७

सज्जन ।

"खल भए मलिन साधु सब राजे"—१/२६४/१

साधुमत : सुविचारित ।

"करब साधुमत लोकमत"—२/२५८/-

सानुकूल : प्रसन्न ।

"सदा सो सानुकूल रह मो पर"—१/१६/८
६/१०७/-, ७/३०/-, ७/४४/८
अनुकूल ।
"सानुकूल बह त्रिबिध बयारी"—१/३०२/४
२/१४१/६, ७/११५/५

सानुज : छोटे भाई सहित ।

"सानुज राम समर जसु पावन"—१/३९/२
१/४०/५, २/१८७/२, २/१८८/५, २/२१३/-, २/२२२/३,
२/२२९/७, २/२३९/१, २/२४१/३, २/२४२/३, २/२४३/३,
२/२४४/७, २/२४७/६, २/२६८/-, २/३०९/२, २/३१८/१,
२/३१८/७, २/३२१/-, २/३२२/६

सायक : वाण ।

"राजिवनयन धरें धनु सायक"—१/१७/१०
१/२०८/२, १/२२०/६, १/२५६/१, २/३६/६, ३/०/८,
४/६/२५, ४/१७/५, ५/४६/२, ५/४९/७, ६/२६/६,
६/३९ख/-, ६/४६/३, ६/५८/-, ६/५८/१, ६/५९/६,
६/६५/५, ६/८१/८, ६/९०छं०, ६/९१/६, ६/१०२/-,
६/१०२/१, ६/११०छं०, ६/११४छं०, ७/४/२, ७/१३छं०३

सार : मुख्य ।

"सार भाग ससि कर हरि लीन्हा"—६/११/७
६/१०९ख/-

सारथि : रथ चलानेवाला ।

"निज सारथि सन खीजन लागा"—६/९९/७

सारस : पक्षी का नाम ।

"सारस हंस चकोर"—२/८३/-
७/२७/५

सारिका : एक प्रकार की चिड़िया ।

"सुक सारिका जानकी ज्याए"—१/३३७/१

२/८३/-, ७/२७/७

सारंग : शार्ङ्ग धनुष ।

"कर सारंग साजि कटि भाथा"—६/६७/१

६/८५छं०, ६/८६/-

सावधान : सचेत ।

"सावधान सुनु सुमति भवानी"—१/१२१/३

१/१८५/-, २/२७३/४, २/२८७/३, ३/१८क/-, ३/३४/७, ३/४४/८, ५/३२/३, ५/७७/३, ७/८६/-, ७/११४/१४

*साहस[1]—हिम्मत ।

"साहस अनृत चपलता माया"—६/१५/३

सिकता : बालू ।

"सिकता ते बरु तेल"—७/१२२क/-

सित : श्वेत ।

"जनु तहँ बरिस कमल सित श्रेनी"—१/२३१/२

२/१/७

सिद्ध : धर्मात्मा ।

"साधक सिद्ध सुजान"—१/१/-

१/२१/४, १/६०/१, १/८४/८, १/१०५/-, १/१८१/११, १/२६१/५, १/३२६छं०४, २/२७६/३, ४/१२/४, ६/७०/-, ६/७६/५, ६/१०१ख/-, ६/१०४/१, ६/१०८छं०१, ६/११०/-, ६/११०छं०, ६/११२छं०, ६/१२०छं०२, ७/१२३/५

ऋषि ।

"सुक सनकादि सिद्ध मुनि जोगी"—१/२५/२

१/५०छं०, १/५३/६, १/१४२/३, १/१४२/६, १/१८५छं०, १/१८६/१, २/१०७/५, २/२१६/६, २/२१८/५, २/२३७/७, २/२७५छं०, २/२८३/६, ६/८०/१, ७/६८/६, ७/७८/८, ७/८८क/-

---

*साहस[1]—वैदिक काल में 'साहस' शब्द हिंसा, पापकर्म आदि में ही प्रचलित था। तुलसी के मानस में यह 'साहस' शब्द हिम्मत, वीरता अर्थ में आया है। आज सर्वत्र यह साहस शब्द हिम्मत एवं वीरता अर्थ में ही प्रयुक्त होता है, अतः इसमें अर्थोत्कर्ष हो गया। सहस एवं साहस समानार्थी ही हैं।

सफल।
"सिद्धि करहिं त्रिसिरारि"—४/३०क/-
६/७४/५, ६/८४/२
पवित्र।
"तात अनादि सिद्ध थल एहू"—२/१०९/४
पूरा किया हुआ।
"सकल काजु भा सिद्ध तुम्हारा"—१/१८८/७
सीधा (रसोई का सामान)।
"तहँ तहँ सिद्ध चला बहु भाँती"—१/३३२/३

सिद्धांत : उसूल।
"श्रुति सिद्धांत निचोरि"—१/१०९/-
७/८५/२, ७/११९क/-, ७/११९/१, ७/१२२क/-, ७/१२२/२, ७/१२६/३

सिद्धि : सफलता।
"सकल सिद्धि सुख संपति रासी" -१/३०/१३
१/३३८/-, २/२९/-, २/२०८/-, ७/८९/८, ७/१२८/५
अष्टसिद्धि।
"सकल सिद्धि संपति तहँ छाई"—१/६४/७
१/९४/-, १/३०५/८, २/३११/-, ३/१४/८, ७/११७/७
योग का एक भेद।
"जोग सिद्धि निगमागम गाई"—२/२५३/७
लक्ष्यवेध।
"साधन सिद्धि राम पग नेहू"—२/२८८/८

सिंधु : समुद्र।
"कृपासिंधु नररूप हरि"—१/०५/-
१/७/१४, १/१०/८, १/३९/४, १/१०३/-, १/१३५/८, १/१७७/५, १/१७८क/-, १/१८३/५, १/१९६/५, १/२०१/१, १/२३७/-, १/२५५/७, १/२५९/८, १/३१०छं०१, १/३२५छं०, १/३३५/-, २/१२७/७, २/१३७/५, २/१८४/-, २/२५६/४, २/२७३/६, २/२७५/८, २/३०१/६, ३/२२/७, ३/२४/६, ५/०/५, ५/२/१, ५/४/२, ५/२२/-, ५/२३/-, ५/२५/८, ५/२७/२, ५/३२/८, ५/३६/७, ५/३८/३,

५/४२/१, ५/४८/८, ५/४६/७, ५/५०/३, ५/५०/६,
५/५२/७, ५/५४/६, ५/५८/१, ५/५६छं०, ६/०२/-,
६/३/-, ६/३/३, ६/४/३, ६/५/-, ६/२७/१,
६/३५/४, ६/४४/८, ६/८५छं०, ६/१०२/५, ७/१छं०,
७/३ग/-, ७/३६/७, ७/६१/३, ७/११६/१७, ७/१२३/-
सागर ।
"अस कहि लवन सिंधु तट जाई"—४/२५/१०
५/६०/-, ६/८१छं०, ६/१०५छं०, ७/१३छं०, ७/८४ख/-

सिंधुर : हाथी ।
"सिंधुर मनिमय सहज सुहाई"—१/२८७/७
१/३३२/७

सिंधुरगामिनी : हथिनी की चालवाली ।
"गावत चलि सिंधुरगामिनी"—७/२/६

सिंधुसुता : श्रीलक्ष्मीजी ।
"सिंधुसुता प्रिय कंता"—१/१८५छं०

सिंह : शेर ।
"सिंह ठवनि इत उत चितव"—६/१८/-
६/११०छं०

सिंहासन : राजाओं का श्रेष्ठ आसन ।
"सादर सिंहासन बैठारी"—६/१०५/६
६/११८/४

सिंहनाद : शेर की गर्जन ।
"सिंहनाद करि बारहिं बारा"—४/२६/८
६/५०/-

सीकर : जलकण ।
"सीकर तें त्रैलोक सुपासी"—१/१६६/५
७/५१/४

सुकुमार : कोमल ।
"अति सुकुमार न तनु तप जोगू"—१/७३/२
२/८१/-, २/११६/-, २/१२०/- २/१६६/३, ७/६/८

सुकृत : पुण्य ।
"सुकृत सुमंगल मूरति मानी"—१/१५/६

१/२६/२, १/३१/१३, १/३६/७, १/४०/-, १/२५४/७, १/२५८/३, १/३०८/-, १/३०८/१, १/३०८/१, १/३०८/४, १/३२३/२, १/३२४छं०१, १/३३४/४, १/३४८/५, २/०/२, २/१/२, २/२७/६, २/२७/७, २/४२/६, २/४७/८, २/५१/८, २/५६/५, २/७४/४, २/१०६/-, २/१०८/५, २/१२५/१, २/१६०/२, २/२१०/६, २/२६७/६, २/३००/१, ४/१५/६, ६/७१/३

सत्कर्म ।

"सो जल सुकृत सालि हित होई"—१/३५/७

सुकृति : पुण्यात्मा पुरुष ।

"सुकृति सभु तन बिमल बिभूती"—१/०/३

सुकृती : पुण्यात्मा ।

"सुकृती चारिउ अनघ उदारा"—१/२१/६

१/३६/११, १/४०/६, १/१०५/-, १/२८३/५, १/३०८/५, २/५७/३, २/१०५/-, २/२४८/६, २/२८१/८

सुख : दुःख का उलटा ।

"दुख सुख पाप पुन्य दिन राती"—१/५/५

१/८/-, १/२४/८, १/३०/१३, १/३७/-, १/४१/६, १/५७/५, १/७८/-, १/७८/८, १/८१/६, १/८४/-, १/११०/८, १/११३/-, १/१४५/२, १/१४८/८, १/१५०/-, १/१५४/-, १/१५४/५, १/१७०/२, १/१७८/५, १/१७८/१, १/१८८/३, १/१८८/५, १/१८८/६, १/१८८/८, १/१८१छं०, १/१८१छं०, १/१८४/२, १/१८६/५, १/१८६/६, १/१८७/२, १/१८८/-, १/१८८/७, १/२१८/-, १/२१८/१, १/२२०/-, १/२२०/६, १/२२७/-, १/२३४/२, १/२४१/५, १/२४७/-, १/२८३/१, १/२८३/३, १/३०३/८, १/३०६/-, १/३०६/१, १/३११/२, १/३१४/५, १/३२३/-, १/३२३/२, १/३२३छं०२, १/३२६छं०२, १/३४१/-, १/३४३/-, १/३४४/२, १/३५०क/-, १/३५३/-, २/०/२, २/११/४, २/२८/-, २/४२/३, २/४६/५, २/५१/८, २/५२/४, २/५८/१, २/६४/१, २/६५/-, २/६८/७, २/७४छं०, २/७४छं०, २/७७/४, २/८०/६, २/८३/७, २/८६/४, २/८१/-, २/८१/४,

२/८६/-, २/१०५/२, २/१०६/७, २/१२२/-, २/१२८/३, २/१३६/८, २/१४८/७, २/१६८/४, २/१७४/-, २/१७४/६, २/१८८/५, २/२०७/६, २/२१३/७, २/२१४/२, २/२३५/-, २/२३७/४, २/२३८/१, २/२४८/५, २/२५१/४, २/२५५/६, २/२६७/४, २/२७२/८, २/२७४/४, २/२७८/८, २/२८०/-, २/२८१/३, २/२८४/७, २/२८८/७, २/२८८/८, २/२८०/-, २/२८०/-, २/३००/१, २/३०३/५, २/३१०/१, २/३१०/६, २/३१५/८, २/३२२/-, २/३२३/५, ३/४/२, ३/४/१७, ३/८/-, ३/८/१७, ३/८/२०, ३/१३/५, ३/१६/१, ३/१६/१५, ३/२१/-, ३/२५छं०, ३/२७/१६, ३/३६/-, ३/३८ख/-, ३/४०/१, ३/४०/८, ३/४३/५, ४/१/५, ४/६/१६, ४/६/१८, ४/१२/६, ४/१६/५, ४/१८/८, ५/४/-, ५/४/-, ५/१३/३, ५/१३/५, ५/१६/८, ५/३१/१, ५/३७/५, ५/३८/१, ५/४७/-, ५/५८/४, ५/५८छं०, ६/४७/८, ६/६३/८, ६/७४/६, ६/८०ख/-, ६/१०२छं०, ६/१०३/-, ६/१०४/१, ६/१०८ख/-, ६/११०छं०, ६/११०छं०, ६/११२छं०ह, ६/११८क/-, ६/१२०/१०, ६/१२०छं०, ७/१/२, ७/३/७, ७/४छं०२, ७/५/२, ७/५छं०, ७/७/८, ७/८/२, ७/१२क/-, ७/१४/२, ७/१४/४, ७/१७/१, ७/१८/४, ७/२१/६, ७/२३/७, ७/२५/६, ७/२६/-, ७/२८/-, ७/३०/२, ७/३०/५, ७/३०/८, ७/३२/१, ७/३३/३, ७/३४/३, ७/३७/१, ७/३७/१, ७/३८/-, ७/४१/६, ७/४४/१, ७/४४/५, ७/४६/-, ७/५२/७, ७/५३/५, ७/५४/६, ७/६८/३, ७/७१/६, ७/८३ख/-, ७/८३/४, ७/८३/५, ७/८३/६, ७/८४ख/-, ७/८४/३, ७/८७/३, ७/८७/४, ७/८७/५, ७/८८क/-, ७/८८क/-, ७/८८ख/-, ७/८८क/-, ७/८८/१, ७/८१छं०, ७/८२ख/-, ७/८५/६; ७/१०१छं०; ७/१०३/२; ७/१०५/४; ७/११०/५; ७/११३/१३; ७/११४/३; ७/११४/१२, ७/११५/८, ७/११६/२; ७/११७/२; ७/११८/६, ७/११८/७; ७/११८/१५, ७/१२०/४, ७/१२०/१३; ७/१२०/३४, ७/१२१/१४; ७/१२१/१६, ७/१२१/१८, ७/१२१/१८, ७/१२४/३, ७/१२८/१

आनंद ।

"पूरनकाम राम सुख रासी"—३/२९/१७
७/२५/३, ७/८९/७

सुखकंद : आनंदकंद ।
"सेवहिं सिव सुखकंद"—१/१०५/-
७/८ख/-, ७/११ग/-

सुखद : सुख देनेवाली ।
"तिन्ह कहँ सुखद हास रस एहू"—१/८/३
१/१५/५, १/१९/२, १/२०/७, १/३१/११, १/३२ख/-, १/३४/१३, १/३५/९, १/४०/५, १/४१/२, १/४१/६, १/७१/८, १/७९/२, १/११३/६, १/१३९/-, १/१३९/१, १/२१४/५, १/२१६/७, १/२४५/४, १/२८४/४, २/६४/-, २/६४/६, २/६६/-, २/९७/६, २/९७/८, २/१३७/-, २/१९६/७, २/२०८/४, २/२१३/८, २/२१६/-, २/२२४/१, २/२३६/४, २/२४८/८, २/२५४/१, २/२७८/४, २/२८७/८, २/३०२/४, ५/४५/-, ६/१५/७, ६/६०/१५, ६/११८/७, ७/१५/३, ७/४४/२, ७/५२/४, ७/६३/३, ७/६३/५, ७/७६/४, ७/८२/५, ७/८३क/-, ७/८८क/-, ७/९०ख/-, ७/११२/८, ७/१२०/२१

सुखदाता : सुखदायक ।
"करिहउँ चरित भगत सुखदाता"—१/१५१/२
१/१९९/१, १/२११/८, १/२१७/८, १/२३७/३, २/१९९/६, ३/२१/७, ५/१४/९, ५/४१/५, ७/१/४, ७/४९/२, ७/७३/३

सुखदायक : आनंद देनेवाला ।
"भगत बिपति भंजन सुखदायक"—१/१७/१०
१/२१-छं०, २/१२७/८, २/१३१/२, ३/२०/४, ३/२८/२, ६/१०१/४, ७/५५/१, ७/८४/१, ७/९२/७

सुखसागर : सुख के समुद्र ।
"तदपि अधिक सुखसागर रामा"—१/१९७/६
२/१३८/४, ३/२५छं०

सुगति : सद्गति ।
"कीरति भूति सुगति प्रिय जाही"—२/७१/७

२/१६८/४, २/२६७/६, ३/३०५/४

मोक्ष।

"स्वाद तोष सम सुगति सुधा के"—१/१९/७

१/२४/-

सुगम : सुलभ।

"मंगल सगुन सुगम सब ताकें"—१/३०३/१

२/१०८/२, २/११७/८, २/२९३/२, २/३०३/१, २/३०९/६, ३/१५/५, ३/३१छं०४, ३/४१/१, ७/७३ख/-, ७/८५/१, ७/११८/१०, ७/११९/१२

आसान।

"तेहिं मग चलत सुगम मोहि भाई"—१/१२/१०

१/२२/५, १/७९/८

सहज।

"सुगम अगम कहि जाति सो नाहीं"—१/१४८/४

१/१६६/२

सुगंध : खुशबू।

"सम सुगंध कर दोइ"—१/३क/-

१/९/९, १/८५छं०, १/२१२/४, १/३०४/५, १/३२२/५, १/३४५/७, १/३४६/६, १/३५४/२, १/३५५/३, २/९०/-, २/१६९/३, २/२८७/१, ३/३९/८, ७/८/३, ७/३६/८

सुघटित : सुन्दर रीति से बने हुए।

"सुघटित नाना भाँति"—१/२१३/-

सुचारु : बहुत ही अच्छा।

"सुंदर श्रवन सुचारु कपोला"—१/१९८/९

सुजन : सज्जन।

"सुजन समाज सकल गुन खानी"—१/१/४

१/२/१०, १/८/-, १/८/७, १/९छं०, १/२२/३, १/२४/४, १/३०/७, १/३४/१३, १/३५/२, १/३९/५, ७/१/४

स्वजन।

"करि पितु मातु सुजन सेवकाई'—२/१५१/५

सुजल : सुन्दर जल ।

"कीन्ह सुजल हित कूप बिसेषा"—२/३०८/५

सुजाति : कुलीन ।

"साधु असाधु सुजाति कुजाती"—१/५/५

२/१४४/-

सुत : पुत्र ।

"करहु कृपा सुत सेवक जानी"—१/१५/७

१/२३/४, १/८२/-, १/१०२छं०, १/१०७/८, १/११८/-,
१/१४१/३, १/१४१/३, १/१४१/४, १/१४८/-, १/१५०/५,
१/१५१/-, १/१५२/४, १/१५२/५, १/१५८/४, १/१६२/१,
१/१६८/५, १/१७५/६, १/१७८/१, १/१७८/७, १/१८०/३,
१/१८१/३, १/१८८/१, १/१८८/४, १/१८१छं०, १/१८४/१,
१/१८७/१, १/२००/-, १/२००/४, १/२००/६, १/२०१/७,
१/२०६/५, १/२०७/२, १/२०७/५, १/२०७/६, १/२०७/१०,
१/२०८क/-, १/२२०/६, १/२८३/६, १/२८५/-, १/३०३/१,
१/३०७/४, १/३०८/२, १/३१४/६, १/३२५/-, १/३३४/३,
१/३३८/३, १/३४८/-, १/३५२/१, १/३५८/६, १/३५८/८,
२/१/५, २/१८/८, २/२५/५, २/४०/-, २/४८/७,
२/५३/५, २/५४/६, २/५५/६, २/५६/-, २/६४/२,
२/७४/२, २/७४/८, २/७६/-, २/८२/७, २/१४८/८,
२/१५८/२, २/१५८/-, २/१५८/७, २/१५८/७, २/१६६/५,
२/१७५/४, २/२१०/६, २/२८२/१, ३/०/५, ३/४२/७,
३/४२/८, ४/२/४, ४/५/२, ४/६/२८, ४/८/७,
५/१५/६, ५/१६/३, ५/१६/८, ५/१८/१, ५/१८/२,
५/२०/-, ५/३१/७, ५/४७/४, ५/५३/७, ६/६/-,
६/८/२, ६/८/३, ६/२३/६, ६/२६/-, ६/२७/-,
६/३५/१२, ६/३७/-, ६/४८/७, ६/५३/६, ६/६०/७,
६/६०/१३, ६/६३/७, ६/७६/६, ६/१०३/८, ६/१०७/-,
६/१११/४, ७/११/६, ७/२४/६, ७/२४/८, ७/४७/७,
७/६४/८, ७/७०/६, ७/८६/५, ७/१००छं०, ७/१०५/२,
७/१२१/१५

सुता : लड़की ।

"सिव प्रिय मेकल सैल सुता सी"—१/३०/१३

१/६१/२ १/६५/८, १/६६/-, १/६६/१, १/६६/७,
१/७०/३, १/७१/१, १/८६/-, १/८७/२, १/१२०/६,
१/३३७/८, १/३३८/१

सुदिन : शुभ मुहूर्त ।
"सुदिन साधि नृप चलेउ बजाई"—१/१५३/५
१/३५८/१, २/३०/८
शुभ दिन ।
"सुदिन सुमंगलु तबहिं"—२/४/-
२/६७/८, ७/८/४

सुधा : अमृत ।
"सुधा सुरा सम साधु असाधू"—१/४/६
१/४/८, १/५/-, १/१४च/-, १/१८/७, १/१११/५,
१/१४५/-, १/१६१ख/-, १/२४५/५, १/२४६/७, १/२६०/२,
१/३२८/२, २/४६/३, २/४८/-, २/४८/१, २/२०८/६,
२/२४८/१, २/२७८/८, २/२८१/-, २/२८७/१, ३/१/६,
३/२/१, ५/४/२, ६/१६ख/-, ६/१०५छं०, ६/११३/५,
७/१/२, ७/४३/२, ७/५२ख/-, ७/१२०क/-

सुधीर : उत्तम धैर्यवान् ।
"बीर सुधीर धुरंधर देवा"—२/१४८/४

सुफल : सफल ।
"भयउ मनोरथ सुफल तव"—१/७४/-
१/२१८/-, १/२३६/४, १/३१८छं०, १/३५६/७, २/१०६/५,
२/१०६/५, २/१२५/१, २/१३३/७, ३/८/८, ३/२५छं०,
४/८/३, ४/२२/१२, ५/२८/४, ६/६२/७, ७/११ख/-,
७/७४/६, ७/१२४/८
उत्तम फल ।
"करहिं पुनीत सुफल निज बानी"—१/१२/८
२/२०८/४, २/२६७/८

सुभग : सुन्दर ।
"सीतल सुभग भगत सुखदाता"—१/१६/५
१/३१/-, १/३१/१, १/३६/-, १/३६/१, १/३८/११,
१/४३ख/-, १/८५/७, १/८३छं०, १/८८/२, १/१४६/८,

१/२१२/६, १/२१३/१, १/२१८/६, १/२१९/-, १/२२७/३,
१/२२७/६, १/२३२/१, १/२३२/३, १/२३८/८, १/२८४/४,
१/२८८/-, १/२९७/५, १/२९९/२, १/२९९/३, १/३१२/४,
१/३१४/६, १/३१५/-, १/३२२छं०२, १/३४३/८, १/३४७/८,
१/३५५/२, १/३५८/३, २/२८/-, २/५९/-, २/५९/५,
२/७६/-, २/११४/७ २/११५/-, २/११६/५, २/११८/७,
२/१२७/४, २/१२८/१, २/१८६/८, ३/३८/६, ७/९०/७,
७/९५/२, ७/११६/१६

सुभट : शूरवीर ।

"सचिव सुभट भूपति बिचार के"—१/३१/६
१/८३छं०, १/१२२/-, १/१५३/३, १/१७४/६, १/१८०/-,
१/२७५/७, १/२९१/४, २/१४३/८, २/१९०/८, २/१९१/-,
२/२७१/३, ३/१८/-, ३/३७/१२, ४/२२/२, ५/१६/८,
५/१७/७, ६/२२/९, ६/२७/६, ६/३२/१, ६/३३/१०,
६/३४क/-, ६/३९/५, ६/४१/१, ६/४१/६, ६/४१/९,
६/४२/-, ६/४५/१, ६/४५/६, ६/४७/३, ६/५२/२,
६/६६/६, ६/६७/६, ६/७१/११, ६/७५/-, ६/७७/४,
६/७८/९, ६/८०/३, ६/८४/४, ६/८७छं०, ६/८९/६,
६/९४छं०, ६/१००छं०६, ७/६/८

सुमति : सुबुद्धि ।

"सो बिचारि सुनिहहिं सुमति"—१/९/-
१/३१/१, १/३५/१, १/३५/३, १/१२१/३, १/१६१/३,
२/२३४/७, २/३०२/६, २/३०३/-, ५/३७/५ ५/३९/५,
५/३९/६, ७/२५/५, ७/६९ख/-, ७/८६/-, ७/८८ख/-,
७/९३/१, ७/१११/४, ७/११९/१४, ७/१२१/१०
बुद्धिमान ।
"नाम सुमति समरथ हनुमानू"—१/२६/८
१/२८क/-

सुमन : फूल ।

"अंजलि गत सुभ सुमन जिमि"—१/३क/-
१/३७/-, १/६५/-, १/८३/३, १/८६/२, १/८८/६,
१/९०/८, १/१०१छं०, १/१५४/७, १/१९०/७, १/२१२/-,

१/२२३/-, १/२२६/५, १/२३२/८, १/२३६/३, १/२४५/८, १/२५४/३, १/२५७/५, १/२६१/६, १/२६४/-, १/३०१/४, १/३०५/१, १/३०८/४, १/३१३/१, १/३१४/८, १/३१६छं०, १/३१७छं०, १/३१६/४, १/३२३/७, १/३२४/-, १/३२४छं०४, १/३२५छं०१, १/३४६/२, १/३४७/-, १/३४८/६, २/२४/४, २/६०/-, २/१००/८, २/११३/-, २/१३३/३, २/२०६/७, २/२६६/१, २/३००छं०, २/३१०/७, २/३२०/७, ३/२०ख/-, ३/२७/-, ४/७/७, ४/१०/-, ५/३३/८, ५/४८/१०, ६/१०/३, ६/२४/२, ६/७०/६, ६/७६/३, ६/८५/८, ६/८६/-, ६/८६छं०, ६/६६/२, ६/१०२/११, ६/१०२छं०, ६/१०७/१३, ६/१०६क/-, ६/११४क/-, ६/११८/६, ७/८ख/-, ७/१०/१, ७/१२छं०५, ७/२९/१

सुमुख : सुन्दर मुख ।

"सुमुख सुलोचन सरल सुभाऊ"—२/२७३/६

सुमंगल : सुन्दर कल्याण ।

"कलि मल रहित सुमंगल भागी"—१/१४/११

१/१५/६, १/३८/१२, १/३६/-, १/६५/२, १/६६/२, १/३०१/४, १/३०१/६, १/३१०छं०, १/३१२/-, १/३१३/१, १/३१७/३, १/३२१/४, १/३२१छं०, १/३४४/६, १/३४७/२, २/४/२, २/८/-, २/१४/२, २/१०५/५, २/२०४/६, २/२०७/-, २/२०८/७, २/२२६/-, २/२३८/२, २/२४२/७, २/२४७/२, २/२४८/२, २/२६५/-, २/२६६/३, २/३०८/-, २/३१८/-, ५/६०/-, ७/३ख/-, ७/८/४

कल्याण ।

"पूँछी कुसल सुमंगल खेमा"—२/१६४/२

सुर : देवता ।

"गावत गुन सुर मुनि बर बानी"—१/२४/६

१/१७/३, १/४६/६, १/५०/१, १/५४/-, १/५४/१, १/६०/-, १/६०/१, १/६०/२, १/८१/७, १/८६/७, १/८७/५, १/८८/६, १/६०/७, १/६१/-, १/६१/८, १/६२/२, १/६४/३, १/६८/८, १/६८छं०, १/६६/१, १/६६/६, १/१००/-, १/१००/४, १/१०२/२, १/१०५/-,

१/११२/८, १/११६/५, १/१२०/७, १/१२२/-, १/१२२/५,
१/१२३/-, १/१३८/-, १/१४०/-, १/१५४/४, १/१६८/६,
१/१८१/-, १/१८१/२, १/१८१/५, १/१८१/११, १/१८३/७,
१/१८३छं०, १/१८४/१, १/१८५छं०, १/१८५छं०, १/१८६/-,
१/१८६/८, १/१९०/३, १/१९०/५, १/१९०/६, १/१९१/-,
१/१९२/-, १/१९५/२, १/२१९/६, १/२३८/२, १/२४५/८,
१/२५४/७, १/२५६/-, १/२५७/-, १/२५९/३, १/२५९/५,
२/२६०छं०, १/२६१/५, १/२६४/२, १/२६९/६, १/२७२/६,
१/२८४/२, १/२८५/८, १/२८७/६, १/२९३/७, १/२९७/-,
१/३०१/१, १/३०१/६, १/३०५/१, १/३०६/१, १/३०८/४,
१/३१२/४, १/३१३/७, १/३१५छं०, १/३१६/५, १/३१६छं०,
१/३१७छं०, १/३१८/६, १/३२०छं०, १/३२१/५, १/३२२/५
१/३२२छं०१, १/३२३छं०२, १/३२३छं०३, १/३२४छं०४, १/३२५छं०१,
१/३२६छं०१, १/३२६छं०१, १/३३८/-, १/३४४/-, १/३४६/२,
१/३४६/६, १/३४७/-, १/३४७/३, १/३५०/३, १/३५३/-,
१/३५७/७, १/३५८/२, २/६/२, २/७/५, २/१०/८,
२/११/१, २/७३/५, २/८३/७, २/९३/-, २/१००/८,
२/११२/१, २/१२५छं०, २/१२६/६, २/१२८/३, २/१३२/६,
२/१३६/४, २/१४१/३, २/१९३/२, २/१९४/२, २/१९७/२,
२/२०५/- २/२०८/७, २/२१४/६, २/२१५/८, २/२१८/७,
२/२१९/१, २/२२५छं०, २/२३०/५, २/२३०/३, २/२३७/६,
२/२३८/, २/२४२/७, २/२५६/५, २/२६४/१, २/२६४/३,
२/२६४/६, २/२६५/-, २/२६५/५, २/२६९/१, २/२६९/१,
२/२७५छं०, २/२७९/-, २/२८४/६, २/२८९/२, २/२९१/५,
२/२९३/७, २/२९४/३, २/२९५/-, २/३०८/-, २/३१०/७,
२/३१६/६, २/३२३/६, ३/०/२, ३/६/१ ३/१०/१०,
३/१३/६, ३/१८/३, ३/१९छं०, ३/१९छं०, ३/२०ख/-,
३/२०/१, ३/२०/४, ३/२१/७, ३/२२/१, ३/२२/३,
३/२६/६, ३/२७/-, ३/२७/८, ४/०२/-, ४/९छं०२,
४/११/२, ४/२०/१, ४/२६/-, ४/२९छं०, ५/२छं०२,
५/१९/७, ५/२१/९, ५/२५/४, ५/२९/-, ५/३१/५,
५/३३/८, ५/३४छं०१, ६/६/२, ६/२१/१, ६/२७/३,
६/३३/१३, ६/५२/८, ६/५४/२, ६/६२/५, ६/७०/-,
६/७०/८, ६/७०/९, ६/७०/१०, ६/७४/८, ६/७६/२,

६/७६/५, ६/८०/१, ६/८३/६, ६/८६/-, ६/८९छं०,
६/८३/५, ६/८५/६, ६/८५/७, ६/८६/- ६/८६/२,
६/९६/७, ६/८६/८; ६/१००छं०१ह, ६/१०१ख/-, ६/१०१/४;
६/१०१छं०, ६/१०१छं०; ६/१०२छं०, ६/१०३/-, ६/१०३छं०,
६/१०४/१, ६/१०८छं०, ६/१०८क/-, ६/११०/-, ६/११२/-,
६/११२छं०, ६/११२छं०ह, ६/११३/८, ६/११४क/-, ६/११४छं०,
६/११८/६, ६/११८/११, ६/१२०छं०२, ७/१/५, ७/३ख/-,
७/४/६, ७/११ग/-, ७/११/४, ७/११छं०१, ७/११/छं०२,
७/१२ख/, ७/१२छं०३, ७/१४/४, ७/२४/-, ७/२४/४,
७/२८छं०, ७/३७/-, ७/४०/७, ७/४२/७, ७/५०/७,
७/७९/८, ७/१०९/३, ७/११७/१०, ७/११७/११, ७/१२०क/-;
७/१२०/५

कल्प ।

''निज संपति सुर रूख लजाए''—१/२२६/५

सुरकुल : देवकुल ।

''सुरकुल सालि सुमंगलकारी''—१/४१/५

सुरगुरु : देवगुरु वृहस्पति ।

''बचन सुनत सुरगुरु मुसुकाने''—२/२१७/१
२/२४०/८

सुरतरु : कल्पवृक्ष ।

''जासु भवनु सुरतरु तर होई''—१/१०७/३
१/१४५/१, १/३२४/-, १/३२४छं०१, १/३३४/५, १/३४६/२,
२/२८/८, २/५२/३, २/१३६/७, २/२१४/६, २/३०८/-,
४/९छं०१

सुरधाम : स्वर्ग ।

''राउ गयउ सुरधाम''—२/१५५/-

सुरधेनु : कामधेनु ।

''रामकथा सुरधेनु सम''—१/११३/-
६/२५/६, ७/३४/२

सुरनायक : देवताओं के स्वामी ।

''जय जय सुरनायक''—१/१८५छं०
१/२८८/८

सुरभि : गाय।
"स्याम सुरभि पय बिसद अति"—१/१०ख/-
१/३५५/२, २/८३/-
सुगन्धित।
"सीतल मंद सुरभि बह बाऊ"—१/१६०/३
२/२१४/४, ७/२२/४

सुरभी : गाय।
"सुरभी सनमुख सिसुहि पिआवा"—१/३०२/५
१/३२८/-
कामधेनु।
"सुर सुरभी सुरतरु सबही कें"—२/२१४/६

सुरस : रसीले।
"कंद मूल फल सुरस"—३/३४/-
४/२४/२

सुरा : मदिरा।
"सुधा सुरा सम साधु असाधू"—१/४/६
१/१३६/-

सुराग : सुन्दर राग।
"बाज सुराग कि गांडर ताँती"—२/२४०/६

सुरारि : असुर।
"सुरारि बृंद भंजनं"—३/३छं०

सुरासुर : देवता व दैत्य।
"सकल सुरासुर जुरहिं जुझारा"—२/१८८/७

सुरुचि : सुन्दर स्वाद।
"सुरुचि सुबास सरस अनुरागा"—१/०/१
१/१४ग/-

सुलभ : सहज ही में प्राप्य होना।
"सबहि सुलभ सब दिन सब देसा"—१/१/१२
१/२/७, १/१३/११, १/१९/२, १/३१/११, १/१११/३,
१/१३९/८, १/१४५/२, १/२३५/१, १/३०६/१, १/३४२/५,
२/९४/६, २/२०८/६, २/२१४/७, २/२२३/-, २/३११/-,
३/३५/८, ७/४३/८, ७/७३ख/-, ७/११९/१९
उपयोगी।

"सेवत सुलभ सकल सुखदायक"—७/३४/३
७/४४/२

सुलोचन : सुन्दर नेत्रवाले।
"सुमुख सुलोचन सरल सुभाऊ"—२/२७३/६

सुषमा : शोभा।
"प्रकटे सुषमा कंद"—१/१६४/-
१/२३३/-, १/३२२/-, २/११६/-, २/१३८/६, २/२३६/५, ५/४छं०१
सुन्दरता।
"बय किसोर सुषमा सदन"—१/२२०/-
१/२४२/८, १/२६३/-

सुसंग : भला संग।
"केहिं न सुसंग बड़प्पनु पावा"—१/६/८
४/१५ख/-

सुसंगति : अच्छा संग।
"हानि कुसंग सुसंगति लाहू"—१/६/८

सूकर : सूअर।
"जेहिं सूकर होइ नृपहिं भुलावा"—१/१६६/३
६/१०६/७

सूचक : सूचित करनेवाला।
"प्रभु प्रभाव सूचक मृदु बानी"—१/२३७/८
२/६/५

सूत : सारथी।
"मागध सूत बंदि गुनगायक"—४/२६६/५
१/३०८/५, १/३२६छं०१, १/३४७/१, २/१५२/५, ६/४२/८, ६/८३छं०, ६/६०/८, ६/६७छं०
भाट।
"मागध सूत बंदि गन गायक"—१/१६३/६

सूपोदन : दालभात।
"सूपोदन सुरभी सरपि"—१/३२८/-

सूरी : विद्वान् पुरुष ।
"राम कथा गावहिं श्रुति सूरी"—७/१२८/२

सृगाल : सियार ।
"खग कंक काक सृगाल"=३/१९छं०७

सृष्टि : संसार ।
"तव अधार सब सृष्टि भवानी"—१/७२/५
१/१६२/-, १/१८५छं०, ३/२७/४, ५/२८/३, ७/७९/७, ७/९१/५

सेतु : पुल ।
'जौं नृप सेतु कराहिं"—१/१३/-
१/२४/३, १/२१७/८, २/८७/-, २/२४८/-, ६/०२/-, ६/०३/-, ६/०/६, ६/१/-, ६/१/२, ६/२/४, ६/२/७, ६/३/१, ६/११९क/-, ७/६७क/-
मर्यादा ।
"राखहिं निज श्रुति सेतु"—१/१२१/-
२/१२५छं०, ७/३४/-

सेना : फौज ।
"अस कपि एक न सेना माहीं"—४/२१/३
४/२३/१२, ५/१०/३, ५/३४/२, ५/३६/७

सेनापति : सेनानायक ।
"जथा जोग सेनापति कीन्हें"—६/३८/५
७/७१क/-

सेव : सेवा ।
"अधम सो नारि जो सेव न तेहीं"—३/४/६
३/३३/-, ७/१०९/७

सेवक : सेवा करनेवाला ।
"सेवक स्वामि सखा सिय पी के"—१/१४/४
१/१५/७, १/२८क/-, १/२८ख/-, १/३१/१०, १/३१/१४, १/६९/७, १/१२८/५, १/१५९/४, १/१६१/८, १/१७५/६, १/१८७/४, १/२१७/८, १/२३९/७, १/२७६/४, १/२९९/८, १/३५०/८, २/२/२, २/१४/३, २/१३५/८, २/१८५/६,

२/१८६/-, २/१८६/७, २/२०२/७, २/२०२/८, २/२१२/४, २/२२०/७, २/२५८/२, २/२६५/१, २/२६७/४, २/२८८/६, २/३०६/-, २/३०८/४, २/३१७/५, ३/५/३, ३/८/२, ६/६२/-, ७/२१/७, ७/४२/५

भक्त ।

"सेवक सुमिरत नामु सप्रीती"—१/२४/७

१/१०४/-, १/१४३/७, १/१४५/१, १/२८४/४, १/३३८/२, २/२१७/२, २/२१८/२, २/२१८/२, २/२१८/७, २/२२८/३, २/२३४/१, ३/८/५, ४/५/१४, ४/२५/१३, ५/६/६, ५/१३/५, ५/१४/८, ५/४१/५, ६/२८/७, ६/७४/१३, ७/१५छं०७, ७/२८/३, ७/३६/१, ७/४६/५, ७/४८/२, ७/५४/३, ७/७३/७, ७/७५/१, ७/८२/५, ७/८५/८, ७/८६/-, ७/८७ख/-, ७/८६/२, ७/१००छं०, ७/१०५/५,

नौकर ।

"सेवक जानिबे बिनु गथ लए"—१/३२५छं०२

२/४/१, २/८/५, २/२३/६, २/३७/-, २/२४२/-, २/२५२/६, ३/१०/२१, ३/१६/१५, ३/४४/२, ४/२/१, ४/२/४, ४/२/-, ४/२/८, ७/११९क/-, ७/१२०/२, ७/१२७/७

गुलाम ।

"मैं सिसु सेवक जद्यपि बामा"—२/१८२/६

७/१५/८, ७/२३/५

सोपान : सीढ़ी ।

"मनि सोपान बिचित्र बनावा"—१/२२६/७

२/१६८/४, ७/२८छं०, ७/५५/१०

सोम : चन्द्रमा ।

"राम नाम सोइ सोम"—३/४२क/-

सौध : राजमहल ।

"अवध सौध सत सरिस पहारू"—२/६५/३

सौभाग्य : अच्छा भाग्य ।

"निज सौभाग्य बहुत गिरि बरना"—१/६५/८

सौरभ : आम ।

"सौरभ पल्लव मदनु बिलोका"—१/८६/५

१/२८८/-

संकट : कष्ट ।

"सहि संकट किए साधु सुखारी"—१/२३/१

२/४०/-, २/५४/५, २/६१/-, २/८४/४, २/१३०/१, २/२८२/-, ३/२७/३, ३/२७/४, ५/२६/४, ६/८४छं०,

संकुल : भरा हुआ ।

"गगन बिमल संकुल सुर जूथा"—१/१८०/६

१/२१३/२, २/२७६/७, ३/२५/५, ४/१४/-, ४/१४/१, ४/१७/-, ५/४८/६, ६/१०२छं०, ६/१२०/१०, ७/८ख/-, ७/२२/१०, ७/१०५/-

संकोच : लज्जा ।

"भय संकोच प्रेम रस सानी"—१/६०/८

कम होना ।

"जल संकोच बिकल भईं मीना"—४/१५/८

संग : साथ ।

"उपजहि एक संग जग माहीं"—१/४/५

१/१०क/-, १/१८/६, १/४७/२, १/६२/-, १/८५/२, १/१०२/-, १/१३४/-, १/१३५/४, १/१५३/३, १/१८५छं०, १/१८५/४, १/२१४/-, १/२१७/-, १/२१८/२, १/२२७/३, १/२४७/१, १/२६३/-, १/२६५/७, १/३०१/१, १/३१०/३, १/३१२/८, १/३१४/५, १/३२३/४, १/३३८/४, १/३४२/१, १/३५७/८, १/३५८/१०, २/८/५, २/८/६, २/८/६, २/५५/६, २/६५/७, २/७२/८, २/७३/८, २/७५/२, २/८०/८, २/१०३/७, २/१०८/५, २/१०८/८, २/१३८/१, २/१४३/-, २/१६५/४, २/१६५/५, २/१८८/४, २/२०२/४, २/२२६/२, २/२७८/३, ३/११/३, ३/११/४, ३/२०/१०, ३/२१/८, ३/३६/७, ४/१/२, ४/६/२५, ४/१८/३, ४/२६-/, ४/२८/१२, ४/२८छं०, ५/८/२, ५/१२/११, ५/१७/७, ५/४०/८, ५/४१/७, ५/४५/७, ६/१८/७, ६/७४/७, ६/७५/-, ६/८०/४, ६/८७/१३, ६/१०७/४, ७/०/४, ७/२/७, ७/४/१, ७/२५/१, ७/३१/१, ७/३३/-, ७/३८/२, ७/३८/६, ७/४८/२, ७/६४/६, ७/७५क/-

संगति : संग ।

"प्रभु सुजस संगति भनिति भलि" – १/१०छं०

५/१२/११, ७/३८/१, ७/१२७/६

संगम : मिलाप ।

"संगम करहिं तलाव तलाई"—१/८४/२

२/३०१/६

संग्रह : ग्रहण ।

"संग्रह त्याग न बिनु पहिचाने"—१/५/२

संग्राम : युद्ध ।

"संभु कीन्ह संग्राम अपारा"—१/१२२/६

१/२१६/-, १/२४५/- ३/१९छं०ह०, ३/१९छ०४ह०, ५/५५/-,

६/३५/११, ६/५४/२, ६/८२/-

रण ।

"संग्राम भूमि बिराज रघुपति"—६/७०छं०

६/८७छं०, ६/१०२छं०

संतत : निरन्तर ।

"संतत सुरानीक हित जेही"—१/३/१०

१/४५/३, १/५०छं०, १/६६/३, १/७४/२, १/८३/२,

१/१६६/८, १/२१२/४, १/३३३/४, १/३४९/६, २/१२५/८,

३/५/३, ३/१०/१६, ३/१२/१४, ३/३१छं०४, ३/३९/८,

४/११/९, ४/२५/१३, ५/५९छं०, ६/२/६, ६/१०/-,

६/१३/४, ६/३०/३, ६/१०९/१२, ७/३०/-, ७/३७/७,

७/८५ख/-, ७/८८क/-, ७/१०८ग/-, ७/१२०/२१, ७/१२९/६

संताप : मानसिक दुःख ।

"समन पाप संताप सोक के"—१/३१/५

१/१८३/८, २/३२५/७

संतोष : तृप्ति ।

"तदपि हृदयँ संतोष न आवा"—१/१३५/१

५/१६/१, ६/७९/७, ७/३०/८, ७/४५/२, ७/८८ख/-,

७/८९/१

संदेह : शक ।

"निज संदेह मोह भ्रम हरनी"—१/३०/४

१/११२/-, १/१८६/-, १/२०७/८, २/२२१/४, ३/४५/-, ७/३६/-, ७/५३/-, ७/५८/१, ७/६०/१, ७/६८क/-, ७/११४क/-, ७/१२४ख/-

संधान : निशाना लगाना ।

"सर संधान कीन्ह करि दापा"—६/७५/१५

संध्या : साँझ ।

"तदपि बनी संध्या अनुमानी"—१/१८४/४

२/८६/६, ६/८/६, ६/५४/४

सुबह, दोपहर, सायं किए जानेवाला ध्यान ।

"संध्या करन चले दोउ भाई"—१/२३६/६

संन्यासी : संन्यास ग्रहण करनेवाला ।

"जैसें बिनु बिराग संन्यासी"—१/२५०/३

७/२८/५, ७/८८/६, ७/१२३/५

संपन्न : पूर्ण ।

"सब लच्छन संपन्न कुमारी"—१/६६/३

२/२३४/८, ४/१४/५, ७/२२/६

संपादन : उत्पन्न करनेवाला ।

"सुख संपादन समन बिषादा"—७/१२८/१

संपुट : जोड़ना ।

"कहत कर संपुट किएँ"—१/३२५छं०१

डिब्बा ।

"संपुट भरत सनेह रतन के"—२/३१५/६

संबंध : नाता ।

"संबंध राजन रावरें हम"—१/३२५छं०२

संभव : उत्पत्ति ।

"दच्छ सुक्र संभव यह देही"—१/६३/६

१/८७/४, ६/११०छं०, ७/५/१, ७/३४/४, ७/४८/१, ७/८५क/- ७/८५/३, ७/१०५/१०, ७/११४/१३

संभूत : उत्पन्न ।

"संभु सुक्र संभूत सुत"—१/८२/-

संभ्रम : उतावली ।

"संभ्रम चलि आईं सबरा श्री"—१/१८२/१

जल्दी।
"सहित सभा संभ्रम उठेउ"—२/२७४/-

संशय : संदेह।
"संशय सर्प ग्रसन उरगाद:"—३/१०/६

संसार : विश्व।
"बिदित सकल संसार"—१/२७१/-
३/५ख/-, ३/४५/-, ६/८८छं०, ६/१०५छं०, ७/१२छं०१,
७/१२छं०५, ७/७०क/-, ७/७१क/-
जन्म-मृत्यु।
"महा अजय संसार रिपु"—६/८०क/-

संसारी : जन्मने-मरनेवाला।
"तब ते जीव भयो संसारी"—७/११६/५

संसृति : आवागमन।
"मम उर बसउ सो समन संसृति"—३/३१छं०
६/११४छं०, ७/३४/६, ७/४४/६, ७/११८क/-, ७/११८/८,
७/१२८/२

संहर्ता : संहार करनेवाला।
"जो कर्ता पालक संहर्ता"—६/६/४
७/८१/६

सुंदर : अच्छा।
"सुंदर स्याम सरीर" – १/३४/-
१/३६/-, १/३३/५, १/५३/५, १/५७/५, १/६०/३,
१/६५/-, १/६६/२, १/७१/३, १/७२/-, १/७४/६,
१/७८/२, १/८१/३, १/८३/५, १/८३छं०, १/८७/५,
१/१०१/२, १/१०५/२, १/११३/१, १/१२०ग/-, १/१२८/१,
१/१३८/१, १/१४६/२, १/१४६/७, १/१५४/२, १/१५४/७,
१/१५८/३, १/१८८/८, १/२०७/६, १/२०८/३, १/२१२/४,
१/२१३/-, १/२१५/१, १/२१६/२, १/२१६/७, १/२१८/-,
१/२१८/-, १/२१८/३, १/२२८/७, १/२३५छं०, १/२४०/२,
१/२४२/-, १/२४२/४, १/२४४/४, १/२४५/४, १/२४६/-,
१/२४७/२, १/२६३/-, १/२७७/८, १/२८७/८, १/२८८/६,
१/२८८/-, १/३०२/१, १/३०३/१, १/३०५/६, १/३१८/७,
१/३२४/३, १/३२४छं०, १/३२६/४, १/३२६/८, १/३२६छं०३,

१/३२८/-, १/३३७/८, १/३४३/४, १/३५७/४, २/०/४, २/५१/६, २/६४/-, २/६४/२. २/६६/-, २/११६/-, २/११६/-, २/१२३/६, २/१२४/-, २/२१३/८, २/२३४/७, २/२४८/८, २/२४६/१, २/२७८/८, ३/०/४, ३/६/८. ३/२६/४, ३/३३/१०, ३/३७/४, ३/३६/४, ३/४०/२, ३/४१/१, ४/०/६, ४/१२/१, ४/१६/३, ४/२४/२, ५/६/३, ५/१२/१, ५/१६/७, ५/३२/३ ५/३४/४, ५/५७/२, ६/१/२, ६/३१/५, ६/५५/६, ६/८५छं०, ६/१००छं०१ ह, ६/११०छं०, ६/११४छं०, ६/११८/८, ७/०२/-, ७/१४/७, ७/२०/५, ७/२४/६, ७/२४/७, ७/२६/४, ७/२६छं०, ७/२७/३, ७/२७छं०, ७/२८/३, ७/२८/४, ७/२८छं०, ७/३१/२, ७/३३/३, ७/४८/४, ७/५५/६, ७/५५/७, ७/५५/१० ७/६१/२, ७/७५/२, ७/७६/-, ७/७६/१, ७/६०ख/-, ७/६३/४, ७/६८/४, ७/११२/८, ७/११६/२, ७/१२६छं०३

सुरूप।

"सुंदर केकिहि पेखु"—१/१६१ख/-

१/१७८/६, १/१८२ख/-, १/१८५छं०, १/१६४/१, १/१६७/५,

लंका का एक पर्वत।

"सिंधु तीर एक भूधर सुंदर"—५/०/५

सुंदरता : खूबसूरती।

"तुम्हहि सुंदरता दई"—१/६५छं०

१/६६/८, १/२२६/७, १/२४७/-, १/३२२/१, १/३२४छं०, ७/३२/३

सुंदरी : रूपवती।

"परम सुंदरी नारि ललामा"—१/१७७/२

१/३२१/५

सुंदर स्त्री।

"निसि सुंदरी केर सिंगारा"—६/११/३

स्यंदन : रथ।

"हय गय स्यंदन साजहु जाई"—१/२६७/१

१/३००/६, १/३०१/-, १/३३०/६, ६/३४२/८, ६/७६/४, ६/८३छं०, ६/६७छं०

स्रव : बहाव ।
"जनु स्रव सैल गेरु के धारा"—३/१७/१
स्रुवा : घी की आहुति डालने की करछी ।
"चाप स्रुवा सर आहुति जानू"—१/२८२/२
स्वच्छता : निर्मलता ।
"सोइ स्वच्छता करइ मल हानी" – १/३५/५
स्वतंत्र : स्वाधीन ।
"परम स्वतंत्र न सिर पर कोई"—१/१३६/१
६/७२/१२
स्वधर्म : अपना धर्म ।
"चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीती"—७/२०/२
स्वयं : साक्षात् ।
"दहन पावक हरि स्वयं"—६/१०३छं०
स्वर : आवाज ।
"गावीं मधुर स्वर देहिं सुंदरि"—१/९८छं०
वाणी ।
"बिनय करत गदगद स्वर"—७/१०७ख/-
स्वल्प : छोटा-सा ।
"डरपावै गहि स्वल्प सपेला"—६/५०/८
७/२८/-, ७/४३/१, ७/१०३/४, ७/१०५/८
स्वागत : कुशल ।
"स्वागत पूँछि निकट बैठारे"—३/४०/११
७/३२/-, ७/६२/७
स्वाति : नक्षत्र-विशेष ।
"स्वाति सारदा कहहिं सुजाना"—१/१०/८
२/५२/-
स्वाद : जायका ।
"स्वाद तोष सम सुगति सुधा के"—१/१९/७
२/२४९/३, ७/२२/८
स्वादु : स्वादिष्ट ।
"सुंदर स्वादु पुनीत"—१/२२८/-
२/२४९/१

स्वामी : प्रभु ।

"तदपि भगति बस बिनवउँ स्वामी"—१/८७/८

१/१०४/५, १/१४८/७, १/१६७/-, १/२५४/५, २/३/८, २/२६६/५, ३/५/८, ३/८/७, ३/१०/१८, ३/२८/१६ ३/४१/२, ४/०/८, ४/८/-, ४/२०/३, ५/४८/५, ७/८३/८, ७/१२३/७

मालिक ।

"सोइ प्रभु मोर चराचर स्वामी"—१/११८/२

१/१४८/६, २/२३/६, २/२२६/८, २/२८२/४, २/२८७/१, २/३१७/७, ३/३८/१, ५/२१/४, ७/३८/७, ७/७२/२, ७/८३ख/-, ७/८३/४, ७/८५/४, ७/८८/८

पति ।

"अस स्वामी एहि कहँ मिलिहि"—१/६७/-

२/६५/८, २/७१/६

संन्यासी ।

"जेहिं रिस जाइ करिअ सोइ स्वामी"—१/२८०/८

१/३४२/५

राजा ।

"मो पर कृपा करिअ अब स्वामी"—१/१६०/५

स्वेद : पसीना ।

"लसत स्वेद कन जाल"—२/११५/-

हट्ट : बाजार ।

"चउहट्ट हट्ट सुबट्ट बीथीं"—५/३छं०१

हठ : जिद ।

"हठ परिहरि घर जाएहु तबहीं"—१/७४/३

१/७७/५, १/७८/५, १/८०/३, १/२४८/५, १/२५५/२, १/२५७/२, २/३३/३, २/५६/-, २/६१/-, २/६१/३, २/२५२/४, २/२५२/६

दुराग्रह ।

"सठ हठ बस अति अग्य"—६/८४/-

७/४५/८, ७/७२/८, ७/०१क/-, ७/११०/१३, ७/११४ख/-

हतभाग्य : भाग्यहीन ।

"रे हतभाग्य अग्य अभिमानी"—७/१०६/१

७/११८/१२

हय : घोड़ा।

"अगनित हय गय सेन समाजा"—१/१२९/२

१/१५५/८, १/१५६/-, १/१५८/-, १/२१३/२, १/२६२/-, १/२९७/१, १/२९८/५, १/३००/६, १/३०१/५, १/३०३/४, १/३०४/४, १/३३०/६, १/३४३/१, २/८३/-, २/९९/-, २/१४१/८, २/१५७/१, २/१५७/७, २/१८७/३, २/२७१/४,

हर : शंकर।

"हरि हर कथा बिराजति बेनी"—१/१/१०

१/२/११, १/३/३, १/८/६, १/१४/५, १/१५/-, १/१८/२, १/१८/७, १/२५/३, १/३१/११, १/३४/१२, १/४८क/-, १/५०/५, १/६२/-, १/७६/६, १/८९/६, १/९७छं०, १/१००/६, १/१०२/६, १/१०५/१, १/१०६/३, १/११०/७, १/१३४/२, १/१३४/६, १/१३८/१, १/१३८/३, १/१४४/२, १/१४५/१, १/१६५/४, १/२५६/- १/२५९/-, १/३०१/-, १/३२७/५, २/१६७/-, २/१६७/६, २/१९९/-, २/२०९/-, २/२३१/-, २/२४०/५, २/२९४/५, २/३१२/-, २/३१८/४, ३/१०/८, ३/२५/-, ५/२०/८, ५/४१/८, ६/३१/२, ७/१०५/५, ७/१०६क/-, ७/१२०/२३

हरना।

"मज्जन पान पाप हर एका"—१/१४/२

१/१४/२, ५/५१/६, ६/५१/७ ६/९२/-

हरिकथा : भगवान् की कथा।

"लगे कहन हरि कथा रसाला"—१/५९/५

१/११२/२, १/१३९/५, ७/११०/१२

हरिजन : भगवान् के भक्त।

"सो सुधारि हरिजन जिमि लेहीं"—१/६/३

१/२७२/६, ४/१४/१०, ४/१५/९, ४/१६/७, ५/१३/१

हरित : हरा।

"हरित मनिन्ह के पत्र फल"—१/२८७/-

१/२८७/१, २/२१/३, ४/१४/-, ७/११६/११

हरिनाम : भगवान् का नाम।

"रटति रहति हरिनाम"—३/२९ख/-

हरिपद : भगवान् के चरण।
"कह बिरंचि हरिपद सुमिरु"—१/१८४/-
बैकुण्ठ।
"यह चरित जे गावहिं हरिपद पावहिं"—१/१८१छं०
हरिप्रीता : भगवान् का प्रिय।
"सुकल पच्छ अभिजित हरिप्रीता"—१/१९०/१
हरिलीला : भगवान् की लीला।
"सबदरसी जानहिं हरिलीला"—१/२८/६
हस्त : हाथ।
"परी हस्त असि रेख"—१/६७/-
हा : शोकसूचक शब्द।
"हा रघुनंदन प्रान पिरीते"—२/१५४/७
२/१५४/८, २/१५४/८, २/१५४/८, २/१५८/४, ३/२८/१, ३/२८/२, ३/२८/३, ३/२८/७, ४/४/५, ५/२५/३, ६/७०/-, ६/७०/-, ६/१००छं०६, ६/१००छं०६, ६/११०छं०
हाटक : सोना।
"सजे सबहिं हाटक घट नाना"—१/८८/३
१/१८३/-
हानि : लाभ का उलटा।
"परहित हानि लाभ जिन्ह केरे"—१/३/२
१/६/८, १/१७२/६, २/६३/-, २/८२/-, २/१४४/६, २/१४८/५, २/१५२/४, २/१६४/६, २/१७१/-, २/१८०/७, २/१८१/८, ५/४३/६, ६/६०/१२, ७/११२/८
नाश।
"ग्यान खानि अघ हानि कर"—४/०१/-
हार : माला।
"पदिक हार भूषन मनि जाला"—१/१४६/६
हारि : हार (पराजय)।
"मानि हारि मन मैन"—१/३२६/-
१/२५०/५, १/२८१/७, १/३१८/३, ३/२८क/-
हारी : हरनेवाला।
"मंगल भवन अमंगल हारी"—१/८/२
१/१०/६, १/४२/२, १/१०५/८, १/१११/४, १/१३८/८, १/१४०/५, १/१४६/४, १/१८८/४, १/१८१छं०, १/२८४/२,

१/२६७/३, ५/२१/८, ६/६६/४, ७/४६/३, ७/५१/६, ७/६७/५

हास : हँसी ।

"प्रीति परसपर हास"—१/४२/-

१/२३२/५, १/३०१/८, १/३२६छं०२. २/३२/-, ६/१४/५

हास्य रस ।

"तिन्ह कहँ सुखद हास रस एहू"—१/८/३

हाहाकार : रुदन की उच्च ध्वनि ।

"हाहाकार भयउ जग भारी"—१/८६/७

६/४१/४, ६/६२/५, ६/६६/७, ७/१०७क/-

हित : कल्याण ।

"पर हित हानि लाभ जिन्ह केरें"—१/३/२

१/३/४, १/३/६, १/४/-, १/८/१, १/१२/५, १/१३/६, १/१४/४, १/१४/५, १/१६/६, १/२३/१, १/२३/४, १/३०/६, १/३१/१३, १/५०/१, १/५०छं०, १/८३/२, १/१११/८, १/११२/१, १/११२/८, १/१२१/१, १/१२२/२, १/१२७/-, १/१२८/६, १/१३१/७, १/१३२/-, १/१३२/२, १/१३२/७, १/१४५/३, १/१५४/३' १/१६१छं०, २/११/४, २/२१/-, २/४१/-, २/६३/-, २/६३/६, २/७४/२, २/६३/-, २/१२५/-, २/१५४/८, २/१७४/४, २/१७५/२, २/१७६/-, २/१७७/१, २/१७७/२, २/१७७/७, २/१७६/३, २/१८५/५, २/१६१/८, २/२११/३, २/२३८/-, २/२५४/-, २/२५७/-, २/२५७/३, २/२६८/८, २/२८१/७, २/२८६/६, २/२८६/६, २/२६०/८, ३/५ख/-, ३/७/६, ३/८/४, ४/६/५, ४/११/१, ५/१०/२, ५/३७/४, ५/३६/७, ६/६/५, ६/१६/८, ६/२३/२, ६/३६/२, ६/५५/५, ६/६०/४, ६/११३/२, ६/११७/६, ७/७/८, ७/१५/५, ७/७४ख/-, ७/११३/१२, ७/१२०/१६, ७/१२४/६

हितकारी ।

"संत सरल चित जगत हित"—१/३ख/-

१/३/१०, १/३०/१२, १/३२ख/-, १/३५/७, १/११८/-, १/१३१/२, १/१४६/५, १/१६७/३, १/२०६/-, १/२१५/८, १/२२२/१, १/३१६/६, २/२२/२, २/५०/-, २/७८/-,

२/८२/७, २/८५/१, २/२८२/२, २/२८३/-, २/२८७/१, २/३००/७, २/३०४/३, ३/१/१०, ४/६/१८, ५/२३/१, ५/३०/-, ५/३४/४, ६/८/८, ६/६०/१५, ६/६३/५, ७/८४ख/-, ७/८५क/-, ७/१०५/१६, ७/१११/१, ७/१२८छं०३, ७/१३०क/-
लिए।
"राम तिलक हित मंगल साजा"—१/४०/७
१/७२/७, १/८०/२, १/१५२/८, १/१८२/-, १/२२३/१, १/२४४/७, १/३०३/-, १/३०४/३, १/३०५/-, १/३१५छं०, १/३४५/२, २/५/-, २/६/२, २/१७/६, २/५८/१, २/६०/८, २/७७/१, २/८६/-, २/८४/३, २/८८/६, २/१०२/८, २/१३०/१, २/१३३/७, २/१७०/१, २/१७५/७, २/१८८/-, २/२०८/-, २/२२६/४, २/२६७/२, २/२८५/-, २/३०७/-, २/३०८/५, ७/६८/२, ७/७४क/-, ७/११८/८
मित्र।
"हित अनहित नहिं कोइ"—१/३क/-
१/२८८/७, २/१८/२, २/८१/५, २/१७६/३, २/२६३/४, २/३०४/२, ५/३५/१०, ७/११८/७
प्रेम।
"हरि हित सहित राम जब जोहे"—१/३१६/३
२/६८/-, २/७७/३, २/१४२/७, २/१६४/१
भलाई।
"निज हित चहइ तासु मति पोची"—२/२६७/३
२/२६७/४
परम हितैषी।
"हित परलोक लोक पितु माता"—१/२६/६

हितकारक : हित करने वाला।
"नृप हितकारक सचिव सयाना"—१/१५३/१

हितकारी : हित करनेवाला।
"जगत जनक सब के हितकारी"—१/६३/५
१/७६/४, १/१०६/६, १/१२८/५, १/१३८/८, १/१८५छं०, १/१८१छं०, १/२८४/२, २/७८/८, २/८६/८, २/१०४/३, २/१२८/२, २/१४१/३, २/१४८/८, २/१५१/२, २/२१८/१, २/२५३/४, २/२८७/३, ३/४/५, ५/३८/३, ६/११२/८, ७/१७/३, ७/२१/८, ७/४६/३

हिम : बर्फ।
"जिमि हिम उपल कृषी दलि गरहीं"—१/३/७

१/११५/३, ७/२९/६, ७/१२०/१६, ७/१२१/१६
जाड़ा ।
"घोर घामु हिम बारि बयारी"—२/६१/४
२/२११/-, ४/१६/८, ६/६०/४
हेमंत ऋतु ।
"हिम हिमसैल सुता सिव ब्याहू"—१/४१/२
१/३११/५, ३/४३/५
पाला ।
"हिम तेहि निकट जाइ नहिं काऊ"—१/८६/७
२/२४३/६

हीन : रहित ।
"सकल कामना हीन जे"—१/२२/-
३/३छं०, ३/६/-, ३/६/१६, ३/३४/६, ३/३६/१०,
४/१३/१, ५/२२/४, ६/१०२/२, ६/१०३/५, ६/११५/४,
७/४४/४, ७/८३/५, ७/८३/६, ७/८५/६
नीच ।
"जाति हीन अघ जन्म महि"—३/३६/-
७/१२३क/-
तुच्छ ।
"अजहि मसक ते हीन"—७/१२२ख/-

हृदय : मन ।
"हृदय सिंधु मति सीप समाना"—१/१०/८
१/१७/-, १/३५/३, १/५४/६, १/५८/५, १/१०५/७,
१/१२८/१, १/१८६/८, १/२०७/१, १/२४३/३, १/३२७/५,
२/५३/३, २/१११/४, २/१२०/३, २/१२७/८, २/१२६/२,
२/१४३/६, २/१६१/४, २/१६२/- २/१६५/८, २/१७८/८,
२/२१८/५, २/२५६/-, २/३०३/-, ३/१०/२०, ३/१६/-,
३/१६/३, ३/३१छं०३, ४/१५/४, ५/-/०१, ६/१३/२,
अन्तःकरण ।
"संत हृदय जस निर्मल बारी"—३/३८/७
४/२/-, ५/५/७, ५/१५/७, ६/२०/१०, ६/२३ङ/-,
७/३८/८, ७/५०/२, ७/६६/८, ७/१०५/५, ७/१२४/७,
७/१२८/७
छाती ।
"हृदय माझ सर तानि"—४/८/-
६/४२/७, ६/७१/५, ६/६४/२

हे : सम्बोधनात्मक अव्यय ।
"हे बिधि मिलय कवन बिधि बाला"—१/१३०/८
३/६/४, ३/२६/६, ३/२६/६

हेतु : कारण ।

"भगति हेतु बिधि भवन बिहाई"—१/१०/४

१/१८/१, १/१८/३, १/१८/७, १/१९/६, १/२४/३, १/३०/११, १/३२/२, १/३५/-, १/४७/-, १/१०२/-, १/१०२छं०, १/१२०/२, १/१२१/-, १/१२१/२, १/१३९/-, १/१४०/१, १/१४३/२, १/१४३/७, १/१५२/-, १/१५३/५, १/१५४/३, १/१६२/-, १/२००/२, १/२०५/-, १/२०९/८, १/२२४/५, १/२८२/८, १/३१६छं०, १/३३४/-, १/३४४/४, १/३६०/८, २/२४/८, २/२४छं०, २/३८/-, २/४२/२, २/५९/२, २/७४/३, २/१४३/५; २/१५९/६, २/१६०/-, २/२४६/४, २/२५४/६, २/२६९/८, २/३११/४, ३/२४/-, ३/४५/७; ४/०/८; ४/८/५, ५/१३/४; ५/३८/३, ५/५८/६, ६/७/४; ६/२२क/-, ६/६०/११, ७/४३/६, ७/५४/४, ७/७२क/-, ७/७४/२, ७/११४/१, ७/१२०/१५, ७/१२४/६

प्रेम ।

"पति हियँ हेतु अधिक अनुमानी"—१/१०६/५

१/३०६/३, १/३३५/३, २/२३२/-

स्वार्थ ।

"हेतु रहित जग जुग उपकारी"—७/४६/५

हेम : सोना ।

"गज रथ तुरग हेम गो हीरा"—१/१९५/८

१/२८८/-, ७/२/६

होम : हवन ।

"करिहहिं बिप्र होम मख सेवा"—१/१६८/२

१/१८०/८, १/२०९/२, १/३२३/-, २/१२७/८

हंस : पक्षि-विशेष ।

"संत हंस गुन गहहिं पय"—१/६/-

१/१७४/२, २/८३/-, २/२३१/६, २/३२४/-, ४/२१/६; ७/२७/५, ७/३४/७, ७/५६

सूर्य ।

"हंस बंस अवतंस"—२/९/-

२/२७७/२

हिंसक : घातक ।

"कृपा रहित हिंसक सब पापी"—१/१७५/८

हिंसा : हत्या ।

"हिंसा पर अति प्रीति"—१/१८३/-

———
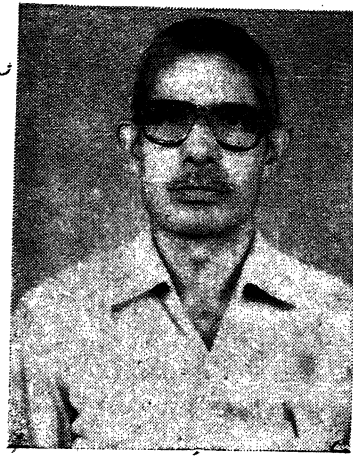
लेखक-परिचय

नाम—डॉ० गयाप्रसाद शर्मा

जन्म—१ जनवरी, सन् १९३७

जन्म-स्थान—ग्राम पुनूँ, डाकघर पचावर,
जिला—मैनपुरी, उत्तरप्रदेश

माता-पिता—श्रीमती फूलकली शर्मा,
स्व० तेजराज शर्मा

शिक्षा—एम० ए० (हिन्दी) १९६२,
आगरा विश्वविद्यालय, आगरा
एम० ए० (संस्कृत) १९६४,
आगरा विश्वविद्यालय, आगरा
पी-एच० डी० (हिन्दी) १९७२,
अलीगढ़ विश्वविद्यालय, अलीगढ़

अध्यापन—प्रवक्ता, राजकीय इण्टर कालेज
(मैनपुरी)
सम्प्रति प्रवक्ता, नारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शिकोहाबाद
(मैनपुरी)

प्रकाशन—विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में लेख

विशेष अभिरुचि—भाषाविज्ञान एवं तुलसी-साहित्य